



वार्षिक रिपोर्ट

2019-20



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
लांफेल पाट, इम्फाल 795 004, मणिपुर, भारत

वार्षिक रिपोर्ट

2019-20



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
लाफेल पाट, इम्फाल 795 004, मणिपुर, भारत

वार्षिक रिपोर्ट 2019-2020

(अप्रैल 2019 से मार्च 2020)

दूरभाष	:	0385-2410644
फैक्स	:	0385-2415196
ई-मेल	:	regcau@gmail.com, regcau@yahoo.com
वेबसाइट	:	http://www.cau.org.in/

प्रकाशन:

डा. के. ममोचा सिंह

कुलसचिव

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

इम्फाल

संकलन और संपादन:

डा. एस. बसंता सिंह

अनुदेश निदेशक

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल

एवं

डा. वाई रंजना देवी

उप-निदेशक अनुदेश

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल

आभार

डा. पी. जया देवी

कै. कृ. विश्वविद्यालय, इम्फाल

और

कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय (डीकेएमए)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि अनुसंधान भवन-1,

पूसा, नई दिल्ली-110012



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

लैम्फलपाट, इम्फाल 795004, मणिपुर

डॉ. अनुपम मिश्रा
कुलपति



फोन: (0385) 2415933 (ओ)
ग्राम: एग्रीबारसिटी
फैक्स: 0385 2410450

प्राक्कथन

वि

शविविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट हमारी संस्था की 2019-20 की विभिन्न उपलब्धियों को दर्शाता है साथ ही आने वाली उपलब्धियों को पूरा करने की चुनौतियों पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के आने की पसंद बने, यह हमारे सफलता की कुंजी है। वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने सराहनीय सफलता प्राप्त की है। हमारे दो विद्यार्थियों ने भाकृअप. ए आइ. इ. इ. ए. जे आर एफ परीक्षा में मात्रियकी एवं सामुदायिक विज्ञान में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा 10 विद्यार्थियों ने कृषि शोध सेवा (ए आर एस) में उत्तीर्णता प्राप्त की।

विश्वविद्यालय गुणवत्ता पूर्ण कृषि शिक्षा के अलावा स्थिति विशेष, मौलिक एवं युक्तिपूर्ण शोध संपन्न करता है और सामान्यतः देश के और विशेषकर उत्तर पूर्व क्षेत्र के कृषि की चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास करता है। किसानों की आय दोगुनी करना तथा देश की जनता को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा प्रदान करना हमारी सर्वोपरि प्राथमिकता है। चावल की तीन किस्में सीएयू आर 2 (तोमथिनफाऊ), सीएयू आर-3 (मंगलफाऊ) एवं सीएयू आर 4 (इनोतफाऊ) जारी कर राजपत्र में अधिसूचित किया गया। हमारी उपलब्धियों को किसान तक पहुंचाने हेतु विश्वविद्यालय ने प्रमुख उत्सवों के द्वारा संघटक कालेजों में महत्वपूर्ण कार्यक्रम किया जिससे वैज्ञानिकों, हितधारकों तथा किसानों के बीच तकनीकी अंतर्रात्मकता बन सके। समय-समय पर हमारी गतिविधियों एवं उपलब्धियों को न्यूजलैटर, फार्म पत्रिका एवं पुस्तकों में हिन्दी, अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषाओं में प्रकाशित कर हितधारकों तक पहुंचाया जाता है।

हमारे सभी कर्मचारियों को मेरा आभारपूर्ण धन्यवाद जिनके कठिन परिश्रम तथा उनकी निष्ठा से इस रिपोर्ट की उपलब्धियाँ संभव हुईं। मैं अपने पूरी टीम के प्रति आभार प्रकट करता हूँ जिसके ईमानदार अथक प्रयासों से विश्वविद्यालय के हर क्षेत्र में उन्नति हुई। राज्य एवं केंद्र सरकार, सम्मानित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं का शोध एवं अन्य गतिविधियों को पूरा करने में दिये गये सहयोग का आभार प्रकट करता हूँ। प्रबंधन बोर्ड, वित्त समिति, शैक्षणिक परिषद, अनुसंधान परिषद एवं प्रसार समिति के माननीय सदस्यों द्वारा दिये गये सहयोग एवं मार्गदर्शन का धन्यवाद है। विशेषकर संपादकीय टीम के इस विकास रिपोर्ट हेतु मूल्यवान प्रयासों की प्रशंसा करता हूँ।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

मुझे विश्वास है कि सारे हितधारक इस रिपोर्ट में दिये गये सूचना से लाभान्वित होंगे तथा हमारे सतत प्रयासों को समझ सकेंगे।

दिनांक : 16.12.2020
इम्फाल

अनुपम मिश्रा
(अनुपम मिश्रा)
कुलपति

विषय-सूची

प्राक्कथन
कार्यकारी सारांश

iii
vii

1. विश्वविद्यालय	1
1.1 अधिदेश, मिशन, लक्ष्य एवं उद्देश्य	2
1.2 विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र	3
1.3 विश्वविद्यालय के सर्वेधानिक प्राधिकारी, कुलाध्यक्ष तथा अन्य अधिकारीगण	7
1.4 शैक्षिक तथा छात्र कल्याण की उल्लेखनीय गतिविधियाँ	8
1.5 उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ	9
1.6 उल्लेखनीय विस्तार शिक्षा गतिविधियाँ	9
1.7 उल्लेखनीय मानव संसाधन विकास	10
1.8 उल्लेखनीय निर्माण तथा आधाभूत संरचना	10
1.9 वर्तमान एवं नई पहल	10
2. शिक्षा एवं छात्र कल्याण	11
2.1 विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियाँ	12
2.2 पुस्तकालय सेवाएं	43
2.3 कम्प्यूटर सेवाएं	50
2.4 विद्यार्थी कल्याण तथा गैर शैक्षणिक गतिविधियाँ	53
3. अनुसंधान तथा विकास	59
3.1 अनुसंधान परियोजनायें	60
3.2 कृषि प्रौद्योगिकियाँ	61
3.2.1 कृषि	61
3.2.2 बागवानी	66
3.2.3 पशुचिकित्सा व पशुपालन	66
3.2.4 मात्स्यकी	68
3.2.5 सामुदायिक विज्ञान	70
3.2.6 कृषि अभियांत्रिकी	72
3.3 स्थिति विशेष संस्तुतियाँ	74
3.4 बीज उत्पादन	74



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

4. प्रसार शिक्षा	75
4.1 प्रसार कर्मियों हेतु क्षमता सृजन प्रशिक्षण कार्यक्रम	77
4.2 किसानों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	80
4.3 किसानों हेतु जागरूकता कार्यक्रम	83
4.4 किसानों हेतु दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम	87
4.5 किसान मेला/कांग्रेस/कार्यशाला	88
4.6 किसान मेला में प्रतिभागिता	92
4.7 मेरा गाँव मेरा गौरव	92
4.8 वाह्य वित्त परियोजनायें	93
4.9 प्रसार प्रकाशन	101
4.10 संघटक कॉलेजों में प्रसार कार्यक्रम	109
4.11 भावी दिशायें	119
5. मानव संसाधन विकास	121
5.1 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का विवरण	122
5.2 नई नियुक्तियां	122
5.3 अवकाश प्राप्त/मृत/सेवा त्याग कर्मचारियों की सूची	126
5.4 स्थानांतरण की सूची	127
5.5 पदोन्नति की सूची	128
5.6 कालेजों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशाला	132
5.7 शिक्षकों तथा कर्मचारियों द्वारा प्रतिभागित कार्यक्रम	142
5.8 शिक्षकों के पुरस्कार एवं सम्मान	142
5.9 2019-20 के समझौता ज्ञापन	147
5.10 नहेप के अंतर्गत अनुमोदित आइडीपी	147
6. आधारभूत संरचना	149
7. वित्त	155
8. विश्वविद्यालय प्रकाशन	161
9. आगंतुक	235
परिशिष्ट	243

कार्यकारी सारांश

शैक्षणिक

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के अंतर्गत केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम 1992 (1992 की सं. 40) द्वारा 26 जनवरी, 1993 को इम्फाल, मणिपुर में मुख्यालय बनाकर की गई। के कृ. वि. एक पूर्ण आवासीय विश्वविद्यालय है जिसके अधिकार क्षेत्र में असम छोड़कर उत्तर पूर्व के सभी राज्य हैं। भारत के अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के सामन के कृ. वि. में भी शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार के समेकित कार्यक्रम है। विश्वविद्यालय में उत्तम प्रयोगशालायें, अनुसंधान एवं प्रदर्शन फार्म, 6 कृषिकं. 6 बहु प्रद्योगिकी परीक्षण केंद्र एवं 6 व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र हैं। विश्वविद्यालय अपने 13 संघटक कालेजों के द्वारा विभिन्न संकायों में 9 स्नातक, 43 स्नातकोत्तर तथा 23 पीएचडी डिग्री कार्यक्रम चलाता है। भाकृअप की 2018 की रैंकिंग में कृषि विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय को 25वां स्थान मिला एवं मा.सं.वि. म. के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग में भारत में 115-200 के बीच स्थान रहा।

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र स्नातक तथा स्नातकोत्तर हेतु 2 जुलाई 2019 से प्रारंभ किया। सभी कालेजों में 2 अगस्त 2019 से पीएचडी कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। शैक्षणिक सत्र 2019-20 हेतु कुल 506, 183 तथा 38 विद्यार्थियों ने स्नातक स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश लिया। मलावी और सूडान से एक-एक विदेशी छात्रों ने स्नातकोत्तर में प्रवेश लिया। कुल 311 स्नातक एवं 140 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने डिग्री पूर्ण की तथा इस अवधि में 21 विद्यार्थियों ने पीएचडी पूर्ण की। विश्वविद्यालय के कुल 2311 विद्यार्थियों में 357 सामान्य वर्ग, 152 अनुसूचित जाति, 614 अन्य पिछड़े वर्ग 1169 अ.ज. जाति,

12 इ. डब्लूएस, 4 दिव्यांग एवं 3 अन्य वर्ग के थे। इनमें 990 पुरुष एवं 1321 महिलायें थीं जिससे पुरुष महिला अनुपात 1:1.3 था।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता परीक्षाओं तथा उच्च अध्ययन के राष्ट्रीय/प्रसिद्ध संस्थाओं में प्रवेश में अति उत्तम प्रदर्शन किया। आज तक में इस विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण 73% विद्यार्थियों ने सरकारी विभागों में नौकरी प्राप्त की है। रिपोर्ट अवधि में 10 विद्यार्थियों ने कृषि शोध सेवा (ए आर एस) 14 विद्यार्थियों ने जे आर एफ, 4 ने भाकृअप-एस आर एफ, 21 नेट तथा 6 ने गेट परीक्षा उत्तीर्ण की। दो विद्यार्थियों कीशाम गीनीता तथा डी बरनिस एखे ने भाकृअप जे आर एफ परीक्षा में क्रमशः मात्स्यकी तथा सामुदायिक विज्ञान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के पास सरकारी निकायों, निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं में परिसर साक्षात्कार के द्वारा पद प्राप्ति का उत्कृष्ट रिकार्ड है। 2019-20 में हमारे 90 विद्यार्थियों ने विभिन्न संस्थाओं में भिन्न-भिन्न क्षमताओं में नौकरी प्राप्त की। गुणवत्ता पूर्ण शोध को बढ़ावा देने हेतु सीएयू, इम्फाल के स्नातकोत्तर/पीएचडी विद्यार्थियों की कृषि एवं संबद्ध विज्ञान में उत्कृष्ट शोध की पहचान करने के लिये शैक्षणिक परिषद की 18वीं बैठक में सीएयू सर्वोत्तम थेसिस पुरस्कार को अनुमोदित किया गया। और भी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रेरित करने हेतु पूर्व छात्रों द्वारा 12 प्रेरक व्याख्यान आयोजित किये गये।

विद्यार्थी कल्याण गतिविधियां

विश्वविद्यालय युवाओं को उत्तम अवसर प्रदान करता है तथा चरित्र निर्माण पर जोर देते हुये उनके सृजनात्मक हुनर को आगे बढ़ाता है। विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक



विकास हेतु सह शैक्षणिक एवं अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियों हेतु उत्तम वातावरण प्रदान करता है। सभी संघटक कालेजों में अच्छे क्रीड़ा स्थल, व्यायामशाला, सूचना केंद्र तथा पदस्थापना कोष्ठ है। प्रत्येक कालेज में सुविधाओं सहित रंगशाला, स्वास्थ्य केंद्र, कैंटीन, एटीएम तथा डाक घर हैं। सभी कालेजों में कालेज सप्ताह मनाया गया जिसमें छात्रों ने विभिन्न खेलों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। सभी कालेजों में एनसीसी या एनएसएस इकाई है जिसके अंतर्गत विद्यार्थी परिसर के अंदर व बाहर सामाजिक कार्यों में रत रहते हैं जिससे उनके अंदर सेवा एवं श्रम के सम्मान की भावना जग सके। छठा अंतर्कालेजियट युवा महोत्सव सह क्रीड़ा बैठक 2019-20 कृषि कालेज, सीएयू, इम्फाल में 18 से 21 नवंबर 2019 को आयोजित हुआ। विश्वविद्यालय ने बीसवें अखिल भारतीय अंतर्रकृषि विश्वविद्यालय क्रीड़ा व खेलकूद बैठक जो श्री वेंकटेश्वरा पशुचिकित्सा विश्व विद्यालय, तिरुप्पति में 1-5 मार्च 2020 को आयोजित हुआ, उसमें प्रतिभागिता की। श्री बी केयांग, सीएयू इम्फाल ने उँची कूद में तीसरा स्थान तथा सुश्री अनु लकदरी एवं सुश्री लालस्थालुआंगी ने बैडमिंटन युगल में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। विश्व विद्यालय ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 8 मे 12 फरवरी 2020 में आयोजित बीसवें अखिल भारत अंतर्रकृषि विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में भाग लिया तथा देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय के कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने भारत सरकार की महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में उत्साह सहित भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। “राष्ट्रीय एकता दिवस” पर एकता के बंधन को सुदृढ़ बनाने हेतु एकता शपथ एवं एकता हेतु दौड़ आयोजित किया गया। कार्यालय एवं रोजमर्मा के कामों में राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु हिन्दी पखवाड़ा 2018 वाद विवाद, निबंध लेखन, कविता प्रतियोगिता सहित मनाया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत सफाई कार्य करते हुये कालेज परिसर में पौधे लगाये गये।

अनुसंधान तथा विकास

विश्वविद्यालय का अनुसंधान कृषि प्रायोगिकी/पद्धति/कृषि मशीन व उपस्कर के विकास हेतु आवश्यकतानुसार शोध परियोजनाओं को सतत एवं पर्यावरण अनुकूल वैज्ञानिक एवं तकनीकी सोच के द्वारा विकसित करने का उद्देश्य रखता है जिससे उत्तर पूर्व क्षेत्र के लोगों की फसलों, पशुओं तथा मछलियों की उत्पादकता में वृद्धि एवं लाभकारिता, मूल्य बढ़ने हेतु नये उत्पादों का विकास, आय सुजन में वृद्धि तथा सामाजिक आर्थिक उत्थान हो सके। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने 65 अंतर्मुखी परियोजनायें चलायी जिसमें 7 नये अनुमोदित थे, 51 चलती हुई तथा 7 विश्वविद्यालय पोषित कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्ण थीं। 99 बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं में से 8 नये अनुमोदित, 80 चलती हुई तथा 11 पूर्ण थे।

विश्वविद्यालय ने समय-समय पर क्षेत्र में महत्वपूर्ण एवं तत्काल आवश्यक आकस्मिक शोध परियोजनायें एवं शोध परीक्षण कार्य किये। विश्वविद्यालय ने उ.पू.प. क्षेत्र के किसानों एवं कृषि उद्यमी हेतु कृषि एवं संबद्ध विषयों में स्थिति विशेष संस्तुतियाँ एवं शोध परिणाम विकसित करने में सफलता प्राप्त की। कई संस्तुतियाँ की गई जिसने कृषि आधारित फसल विकास, पौध संरक्षण एवं क्षेत्र के विभिन्न कृषि जलवायु स्थिति हेतु आर्थिक रूप से सतत प्रौद्योगियाँ देने सहायता की। वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने 10 किवंटल के लक्ष्य के विपरीत 11.98 किवंटल फसलों के जनक बीज उत्पादित किये। किसान के खेत में 505 किवंटल के लक्ष्य के विपरीत 584.70 किवंटल फसलों के सत्यापित बीज उत्पादन किये गये। और भी किसान के खेत में तिलहन के 60 किवंटल के लक्ष्य के विपरीत 83 किवंटल सत्यापित बीज उत्पादन किया गया। चावल की तीन किस्मों सीएयू आर-2 (तोमथिनफाऊ), सीएयू आर-3 (मंगलफाऊ) एवं सीएयू आर-4 इनोतफाऊ को जारी कर राजपत्र में सूचित किया गया। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान बहु स्तंभ बालू छन्ना-एक विधि पर एक पेटेंट प्रदान हुआ।

प्रसार शिक्षा

प्रसार शिक्षा निदेशालय सात उत्तर पूर्वी राज्यों के किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के द्वारा प्रसार सेवायें प्रदान करता है। वर्ष के दौरान कार्यान्वित कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदर्शन, खेत दिवस, किसान मेला, किसान कांग्रेस, प्रदर्शनी, रेडियो वार्ता, टीवी प्रस्तुति, फिल्म शो, कार्यशाला आदि सम्मिलित हैं। 13 संघटक कालेजों, 6 कृषि विज्ञान केंद्रों तथा 6 बहु उद्देशीय प्रौद्योगिकी परीक्षण एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा सात राज्यों के विभिन्न जिलों में प्रौद्योगिकी के स्थानांतरण को योजनाबद्ध किया गया।

कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्र में संबंधित विभागों, कृ. वि. के, आत्मा एवं एन. जी. ओ के 861 प्रसार कर्मियों हेतु 46 क्षमता सृजन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 13 तीन माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं 1531 आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। कुल मिलाकर 228 बेरोजगार युवक एवं 23,393 कृषक/खेतिहार महिलायें/ग्रामीण युवाओं को लाभ मिला। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम एवं त्रिपुरा के 360 किसानों को लेकर 66 विभिन्न प्रौद्योगिकियों का परीक्षण किया गया। इसके अलावा 721.65 हेक्टेयर में 136 अग्र पंक्ति प्रदर्शन किया गया जिससे 2087 किसानों को लाभ मिला।

प्रसार निदेशालय द्वारा कुल 15.58 करोड़ के वित्तीय व्यय से 30 वाह्य वित्त प्रसार शोध/अनुकूलनीय शोध परियोजनायें कार्यान्वित किये गये। विश्वविद्यालय ने दो राज्यों मिजोरम एवं त्रिपुरा में डी आइ सी, नई दिल्ली की सहायता से एम 4 एग्री परियोजना द्वारा आइ सी टी आधारित प्रसार सेवायें प्रारंभ की। कुल 6365 किसान पंजीकृत हुये तथा कृषि एवं सहायक क्षेत्रों पर 5901 परामर्श जारी किये गये।

अवधि के दौरान किसानों की 50 सफल कथायें संकलित कर आइ इस बी एन सहित प्रकाशित किया गया। कृषिके के कृ. वि., इम्फाल को अंचल VII के अंतर्गत पिछले पाँच वर्षों की उत्कृष्ट गतिविधियों हेतु पंडित दीन

दयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार 2019 प्रदान किया गया।

मानव संसाधन विकास

विश्वविद्यालय में 28 प्रशासनिक, 298 शिक्षण तथा 776 गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को मिलाकर 1102 कुल कर्मचारी क्षमता है। मुख्यालय में 14 कार्यपालक अधिकारी प्रशासनिक पदों पर हैं जिनके सहयोग हेतु 34 तकनीकी एवं 111 गैर तकनीकी कर्मचारी हैं। विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेजों में 298 शैक्षणिक तथा 630 गैर शैक्षणिक कर्मचारी हैं। वर्ष के दौरान 117 लोगों की नई नियुक्ति हुई। रिपोर्ट के अंतर्गत वर्ष के दौरान 25 लोग स्थानांतरित हुये 7 सेवा निवृत हुये 2 की मृत्यु हो गई एवं 10 ने त्याग पत्र दे दिया। 114 गैर शैक्षणिक लोगों को पदोन्नति मिली। विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटक कालेजों में कुल 118 प्रशिक्षण, कार्यशालायें, सम्मेलन, सेमिनार, ग्रीष्म विद्यालय आदि आयोजित किये गये। शैक्षणिक कर्मचारी में 3 को उच्च अध्ययन हेतु प्रति नियुक्त किया गया। शिक्षकों को 21 अंतरराष्ट्रीय, 70 राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 64 कार्यशालाओं में भेजा गया तथा 20 शिक्षकों को दीर्घ कालिक एवं 43 को लघु कालिक प्रशिक्षण में प्रति नियुक्त किया गया। 122 शिक्षकों ने विभिन्न प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं एवं अन्य कार्यक्रम में व्याख्यान दिये। 58 शिक्षकों ने विभिन्न संस्थाओं में परीक्षक के रूप में कार्य किया। विश्वविद्यालय के संघटक कालेजों में प्रसिद्ध वैज्ञानिकों द्वारा 17 अतिथि व्याख्यान दिये गये। विश्वविद्यालय के 41 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट शोध एवं विकास कार्यों हेतु सम्मान मिला तथा शिक्षा, शोध एवं प्रसार गतिविधियों में आपसी सहयोग द्वारा सहयोगी संबंध हेतु प्रसिद्ध संस्थाओं के साथ 10 एम ओ यू हस्ताक्षारित किये गये।

आधारभूत संरचना विकास

विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना सुविधाओं की आवश्यकता को पूर्ण करने हेतु वर्ष के दौरान विभिन्न निर्माण कार्यों को किया गया। इसमें कालेज भवन,



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

प्रयोगशालायें, छात्रावास, कर्मचारी आवास, रंगशाला, सूचना केंद्र, कैटीन, डाकघर बैंक, सुरक्षा बैठक आदि शामिल हैं। विश्वविद्यालय नये स्थापित कालेजों के निर्माण कार्यों पर विशेष जोर दे रही है जिससे शीघ्रतांशुभ्र कालेजों के स्थायी परिसर में शैक्षणिक कक्षायें प्रारंभ की जा सकें।

विश्वविद्यालय प्रकाशन

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के संघटक कालेजों के शिक्षकों ने 395 पूर्ण अनुसंधान तथा 54 सेमिनार कार्यवृत्त, 176 सेमिनार में प्रस्तुत पत्र, 49 प्रसिद्ध लेख,

17 पुस्तकें, 61 पुस्तक अध्याय तथा 134 विवरणिका / पैफलेट मिलाकर कुल 1083 अनुसंधान साहित्य प्रकाशित किये।

आगंतुक

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान उत्तर पूर्वी पर्वतीय भारतीय क्षेत्र के सात राज्यों में स्थित विभिन्न कॉलेज परिसरों में विश्वविद्यालय ने 120 प्रसिद्ध आगंतुक देखे। आगंतुकों में प्रसिद्ध प्रशासक, वैज्ञानिक, शिक्षक, मेधावी विद्यार्थी तथा प्रगतिशील किसान सम्मिलित थे।



विश्वविद्यालय

1



सं

सद के केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 1992 (अधिनियम संख्या 40, वर्ष 1992) के अनुसार केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1993 में हुई। अधिनियम के तहत भारत के उत्तर पूर्वी पर्वतीय प्रदेश में आवश्यकतानुसार कृषि शिक्षा संस्थानों की स्थापना करने हेतु केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को अधिकृत किया गया। उत्तर पूर्वी पर्वतीय प्रदेश में कृषि एवं संबद्ध संकायों में शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार कार्यों के लिए केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के तेरह घटक महाविद्यालय हैं नामतः कृषि महाविद्यालय, इरोइसेंबा, इम्फाल, मणिपुर, मात्स्यकी महाविद्यालय, लेम्बूचेरा, अगरतला, त्रिपुरा; गृह विज्ञान महाविद्यालय, तुरा, मेघालय; बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश; पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन महाविद्यालय, सेलेसिह, आइजौल, मिजोरम; कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योत्तर प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रानीपूल, गैंगटोक, सिक्किम तथा स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, बारापानी, मेघालय, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय (लांफेल पाट मणिपुर), कृषि महाविद्यालय (किरदेमकुलाई, मेघालय एवं पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश) तथा बागवानी महाविद्यालय (बरमियोक सिक्किम) एवं दो नये स्थापित बागवानी कालेज, थेनजॉल, मिजोरम तथा पशु चिकित्सा कालेज, जलूकी, नगालैंड हैं। विश्वविद्यालय में सुसज्जित प्रयोगशालायें, अनुसंधान एवं प्रदर्शन फार्म 6 कृषिकें 6 बहुतकनीक परीक्षण केंद्र तथा 6 व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र हैं।

1.1 अधिदेश, मिशन, लक्ष्य एवं उद्देश्य

1.1.1 अधिदेश

अधिनियम में दिया गया विश्वविद्यालय का अधिदेश:

- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के विभिन्न विषयों में उचित शिक्षा देना,
- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में शिक्षा एवं अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाना,
- इसके कार्य क्षेत्र के राज्यों में विस्तार शिक्षा कार्यक्रमों को चलाना,
- समय समय पर आवश्यकतानुसार अन्य कार्यकलापों का संचालन।

1.1.2 मिशन

अधिदेश को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय का मिशन कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षा, अनुसंधान तथा विस्तार शिक्षा में उत्कृष्ट रहना है।

1.1.3 लक्ष्य

विश्वविद्यालय ने मिशन की पूर्ति के लिए स्वयं हेतु निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किया :

- कृषि एवं संबद्ध विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर प्रतियोगी स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों को तैयार करना।
- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में उत्पादन, उत्पादकता एवं लाभदायकता में सुधार करने हेतु सतत व लाभप्रद कृषि प्रणालियों को विकसित करना।
- किसानों, उद्यमियों एवं कृषि आधारित उद्योगों तक कृषि प्रौद्योगिकियों को प्रभावशाली रूप से पहुंचाने के लिए विस्तार कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षित करना।
- उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु कृषि एवं संबद्ध व्यवसायों को लाभप्रद उद्योगों में परिवर्तित करने की कार्य श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करना।



1.1.4 उद्देश्य

लक्ष्य प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित उद्देश्यों को निर्धारित किया:

- विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले उत्तर पूर्वी राज्यों में कृषि, कृषि अभियांत्रिकी, मात्स्यकी, गृह विज्ञान, बागवानी, वानिकी तथा पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन क्षेत्र में उत्कृष्ट घटक महाविद्यालयों की स्थापना एवं विकास करें जिनमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान किया जा सके।
- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में गुणवत्ता वाली ऐसी शिक्षा प्रदान करें जो वैश्विक स्तर पर प्रतियोगी स्नातक एवं स्नातकोत्तर बनें जिनमें वैज्ञानिक, उद्योगकर्मी, प्रबंधक एवं कृषि-औद्योगिक कार्यकर्ताओं के अलावा प्रगतिशील किसान बनने की क्षमता हो।
- वैज्ञानिकों एवं स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा मौलिक एवं व्यावहारिक अनुसंधान करने हेतु अनुसंधान केन्द्रों एवं विशिष्ट अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना करना।
- ऐसे वैकल्पिक पालन प्रणालियों को विकसित करें जो किसानों को पर्यावरण को संरक्षित एवं सुधार करते हुए उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में सुधार करने में सहायक हों।
- प्रभावशाली विस्तार कार्यप्रणाली विकसित करने तथा सूचनाओं के प्रसारण की दिशा में प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र सहित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केन्द्रों की स्थापना करना।
- अन्य विस्तार एजेन्सियों के लिए एक मॉडल के रूप में उन्नत पालन प्रणालियों, प्रौद्योगिकियों तथा उपकरणों को पायलट आधार

पर लोकप्रिय बनाना।

- राज्य सरकार के विभागों, किसानों, उद्योगकर्मियों एवं कृषि-औद्योगिक एककों के लिए अल्पकालिक पुनःशर्चर्या एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना।
- राज्यों के विकास विभागों तथा औद्योगिक एवं व्यवसायिक संगठनों सहित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से अध्ययन, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा विकास कार्यों में सहयोगिक कार्य करना।
- प्रगतिशील किसानों, कृषि-औद्योगिक एककों तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में कार्यरत अन्य लोगों को परामर्शक सेवाएं उपलब्ध कराना।
- कृषि शिक्षा, अनुसंधान, विस्तार प्रणाली एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में प्रलेखन एवं सूचना केन्द्र के रूप में कार्य करना।

1.2 विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल का कार्यक्षेत्र भारत का उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र है। इसमें अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा व नगालैंड है। अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम पूर्वी हिमालयी जैव विविधता हॉट स्पॉट में स्थित है जबकि मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा इण्डो-बर्मा जैवविविधता हॉटस्पॉट में है। प्रत्येक परिसर में माननीय कुलपति जी का कैम्प कार्यालय है जो नियमित अंतराल पर ठहरने के लिये उपयोग में आते हैं। इससे विद्यार्थियों व कर्मचारियों को सक्षम प्राधिकारी से मुद्दों, शिकायतों पर वार्ता कर मैत्रीपूर्ण समाधान मिल जाता है। प्रशासनिक कमियों को दूर करने हेतु प्रत्येक संघटक कालेज एक दूसरे से जुड़े हैं और आपस में संवाद कर सकते हैं।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

1.2.1 विश्वविद्यालय के संघटक कालेज

1.2.1.1 कृषि महाविद्यालय, इरोइसेंबा, इम्फाल, मणिपुर

कृषि महाविद्यालय, इम्फाल की स्थापना नवंबर 1993 में मणिपुर विश्वविद्यालय से मणिपुर कृषि महाविद्यालय को अंगीकृत कर केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के पहले संघटक कालेज के रूप में हुई। कालेज इम्फाल शहर से 6 किमी. पर इरोइसेंबा में स्थित है। कालेज का मनोरम दृश्य 44 एकड़ में फैला है तथा पश्चिमी व उत्तर की ओर लागोल पहाड़ियों से घिरा है।



कृषि महाविद्यालय, इम्फाल

1.2.1.2 पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, सेलेसी, मिजोरम

पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, सेलेसी, मिजोरम पशुचिकित्सा कालेज की स्थापना अध्यादेश सं. एम-2 ऑफ 95, तिथि 20 फरवरी



पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, सेलेसी, मिजोरम

1995 से हुई तथा बी वी एस सी एवं एच डिग्री कार्यक्रम में 10 विद्यार्थियों के प्रवेश से कार्यरत हो गया। कालेज, मिजोरम की राजधानी आइजॉल से 12 किमी दूर सेलेसी, उत्तर आइजॉल में स्थित है। परिसर समुद्रतल से 965 मी. ऊपर अधिकतर पहाड़ियों में 168.61 एकड़ में फैला हुआ है।

1.2.1.3 मात्स्यकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा, त्रिपुरा

मात्स्यकी कालेज, लेंबूचेरा, की स्थापना 3 अक्टूबर, को अगरतला से 12 किमी उत्तर 55.59 एकड़ क्षेत्रफल में लेंबूचेरा में स्थित है। मात्स्यकी महाविद्यालय पूरे उत्तर पूर्व क्षेत्र में मात्स्यकी एवं



मात्स्यकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा

जलीय विज्ञान में शोध एवं प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूर्ण करने के अलावा उत्तम मानव संसाधन के निर्माण में कार्यरत है।

1.2.1.4 बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश

बागवानी एवं वानिकी कालेज 7 मार्च 2001 को



बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश



पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में स्थापित हुआ। यह सियांग नदी के किनारे 143.32 एकड़ भूमि में फैला हुआ है जिसमें शोध फार्म, शिक्षण सह प्रदर्शन फार्म कृतिकों फार्म तथा प्रयोगात्मक फार्म हैं।

1.2.1.5 सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, तुरा, मेघालय

गृह विज्ञान महाविद्यालय तुरा की स्थापना उत्तर पूर्व क्षेत्र में परिवारों की जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु तथा ग्रामीण एवं जनजाति महिलाओं के कौशल वृद्धि हेतु महिलाओं के घर खेत व संबद्ध गतिविधियों को ध्यान में रखकर की गई। मेघालय एक मातृप्रधान राज्य है जिसे गृह विज्ञान कालेज के लिए उपयुक्त पाया गया जो महिला विद्यार्थियों को गृह विज्ञान की शिक्षा दे और उनके गृह निर्माता व आय सृजनकर्ता के रूप को निखारे। मेघालय में मातृ प्रधानता है, जिसके कारण इस स्थान को इस कालेज हेतु उपयुक्त समझा गया जो महिला विद्यार्थियों को गृह निर्माता एवं आय सृजनकर्ता के रूप में निखारे और शिक्षा प्रदान करें। कालेज परिसर 50 एकड़ में फैला है।



सामुदायिक विज्ञान कॉलेज, तुरा

1.2.1.6 कृषि अभियांत्रिकी एवं कटाई पश्चात, प्रौद्योगिकी, रानीपूल, सिक्किम

कृषि अभियांत्रिकी एवं कटाई पश्चात प्राद्योगिकी महाविद्यालय, रानीपूल, सिक्किम की स्थापना मई 2006 में के कृ वि द्वारा किया गया। कालेज सिक्किम की राजधानी गैंगटोक से 10 किमी दूर स्थित है।



कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रानीपूल

कालेज परिसर 10.5 एकड़ में फैला है। कालेज परिसर समुद्र तल से 2438.4 मी की ऊंचाई पर पहाड़ियों, ढ़लान तथा तराई मिलाकर स्थित है।

1.2.1.7 कृषि विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, उमियाम, (बड़ापानी), मेघालय

स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय की स्थापना 2007 में मेघालय की राजधानी शिलांग से 20 किमी दूर रिभोई जिले के उमियाम (बड़ापानी) में की गई। इस कालेज का मुख्य उद्देश्य स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षित कर कृषक समुदाय के कृषि वृद्धि एवं जीविका सहयोग में पथ प्रदर्शक बनाना है। कालेज परिसर 14 एकड़ में फैला है।



स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, उमियाम



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

1.2.1.8 खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, लैंफल पाट, इम्फाल, मणिपुर

खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय को हाल ही में लैंफल पाट इम्फाल में स्थापित किया गया तथा प्रथम शैक्षणिक सत्र जुलाई 2015 में प्रारंभ किया गया। कालेज के कक्षाये अभी कृषि महाविद्यालय इरोइसेबा, इम्फाल में अस्थायी रूप से चल रही हैं और स्थायी ढाँचा बनने तक पूर्वसञ्जित ढाँचे में चलती रहेगी।



खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, लैंफल, इम्फाल

1.2.1.9 कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

कृषि महाविद्यालय हाल ही में पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में स्थापित कर प्रथम शैक्षणिक सत्र में जुलाई 2015 में प्रारंभ किया गया। कालेज अस्थायी रूप से बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट में कार्यरत है। कालेज ने 86.20 एकड़ भूमि प्राप्त कर ली है और स्थायी कालेज भवन पूर्णता पर है।



कृषि कालेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1.2.1.10 कृषि महाविद्यालय, किरदेमकुलाई, मेघालय

कृषि महाविद्यालय, किरदेमकुलाई, मेघालय अस्थायी रूप से स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, बड़ापानी, मेघालय में कार्यरत है तथा इसका प्रथम सत्र जुलाई 2015 से प्रारंभ हो गया। कालेज ने 200 एकड़ भूमि प्राप्त कर ली है और स्थायी कालेज भवन पूर्णता पर है।



कृषि कालेज, किरदेमकुलाई, मेघालय

1.2.1.11 बागवानी महाविद्यालय, बरमियोक, सिक्किम

बागवानी कालेज हाल ही में दक्षिण सिक्किम जिला के नामची प्रखंड में बरमियोक, सिक्किम में स्थापित किया गया जो अस्थायी रूप से कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में कार्यरत है तथा बरमियोक में आवश्यक आधारभूत संरचनापूर्ण होने पर स्थानांतरित कर दिया जायेगा। कालेज का प्रथम शैक्षणिक सत्र जुलाई 2015 से प्रारंभ हुआ। कालेज 38.60 एकड़ में फैला है और स्थायी कालेज भवन पूर्ण होने वाला है।



बागवानी कालेज, बरमियोक सिक्किम



1.2.1.12 बागवानी कालेज, थेनजॉल, मिजोरम

बागवानी कालेज, हाल ही में थेनजॉल, मिजोरम में स्थापित किया गया है। आइजॉल से 92 किमी दूर तुइताम घाउ इसका स्थान है। कालेज के पास 296.52 एकड़ भूमि है जिसमें पर्वत एवं सुंदर दृश्य है। प्रथम शैक्षणिक सत्र 15 जुलाई 2016 को प्रारंभ हो गया। वर्तमान में कक्षायें कालेज के पूर्वसज्जित ढांचे में चल रही हैं जब तक स्थायी निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो जाता।



बागवानी कॉलेज, थेनजॉल, मिजोरम

1.2.1.13 पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जलूकी, नगालैंड

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जलूकी, पेरेन जिला, नगालैंड का उद्घाटन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह द्वारा 6 अगस्त 2016 को किया गया तथा बी वी एस सी एवं एच डिग्री प्रोग्राम में विद्यार्थियों के प्रवेश से 15 सितंबर 2016 को कार्यरत हो गया। कालेज



पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कॉलेज, जलूकी

पेरेन जिला के अंतर्गत जलूकी शहर में स्थित है जो दीमापुर, नगालैंड से 71.1 किमी समुद्र तल से 800-2500 मीटर ऊपर है। कालेज परिसर 266 एकड़ भूमि में फैला है जो अधिकतर अर्द्ध ढलान है। छात्र एवं छात्राओं के स्थायी छात्रावास पूर्ण हो चुके हैं तथा कक्षायें पूर्वसज्जित ढांचे में चल रही हैं।

1.3 विश्वविद्यालय के संवैधानिक प्राधिकारी तथा अधिकारी

प्रबंधन बोर्ड, शैक्षणिक परिषद, अनुसंधान परिषद, प्रसार शिक्षा परिषद, वित्त समिति, अध्ययन बोर्ड तथा संवैधानिक के अनुसार निर्धारित अन्य प्राधिकारी विश्वविद्यालय के संवैधानिक प्राधिकारी हैं।

विश्वविद्यालय के संवैधानिक अधिकारी कुलाधिपति, कुलपति, अनुदेश निदेशक, अनुसंधान निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशक, कालेजों के डीन, रजिस्ट्रार, नियंत्रक तथा संपदा अधिकारी हैं।

1.4 शिक्षण एवं विद्यार्थी कल्याण के उल्लेखनीय तथ्य

1.4.1 शैक्षणिक गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय भा.कृ.अ.प. द्वारा वर्ष 2018 हेतु कृषि विश्व विद्यालयों में पद कृम में 13 वे स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय मा.सं.वि. के राष्ट्रीय संस्थागत पद श्रृंखला में भाग लेकर 151-200 स्थानों के बीच रहा। भा.कृ.अ.प. समीक्षा टीम की संस्तुतियों पर राष्ट्रीय कृषि शिक्षा मान्यता बोर्ड, भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय तथा उसके संघटक कालेजों को विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों (स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी) को 28 मार्च, 2016 से 27 मार्च 2021 तक मान्यता प्रदान की।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर हेतु नया शैक्षणिक सत्र 2 जुलाई 2019 से प्रारंभ हुआ जबकि पशुचिकित्सा एवं पशुपाल कालेज में 2 अगस्त 2019 को यह प्रारंभ हुआ। सभी कालेजों में पी एच डी कार्यक्रम



2 अगस्त, 2019 से प्रारंभ हुआ। शैक्षणिक सत्र 2019-20 में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पी एच डी कार्यक्रम में कुल 506, 183, तथा 38 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। कुल 311 स्नातक एवं 140 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने डिग्री पूर्ण की तथा 21 विद्यार्थियों को इस अवधि में पी एच डी मिली। विश्वविद्यालय के कुल 2311 विद्यार्थियों में 357 सामान्य वर्ग में, 152 अ. जा. 1169 अ. ज. जा तथा 614 अ. पि. व. थे। इनमें से 990 पुरुष तथा 1321 महिलायें मिलाकर पुरुष महिला अनुपात 1:1.33 था।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता परीक्षाओं तथा उच्च अध्ययन के राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश में उत्तम प्रदर्शन किया। आज तक विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्रों में 73: सरकारी विभागों में नियुक्त हो चुके हैं। रिपोर्ट के अंतर्गत अवधि के दौरान 10 विद्यार्थियों ने कृषि अनुसंधान सेवा (ए. आर. एस), 14 विद्यार्थियों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जे. आर. एफ) परिक्षा, 4 विद्यार्थियों ने भा.कृ.अ.प एस आर एफ परीक्षा, 21 नेट तथा 6 ने गेट परीक्षा उत्तीर्ण किये। दो विद्यार्थी केशम जीनीता तथा डी बरनिस एरवे ने मात्स्यकी तथा सामुदायिक विज्ञान में क्रमशः भा.कृ.अ.प. जे आर एफ परिक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय का परिसर साक्षात्कार द्वारा विगत दो वर्षों में निजी तथा सार्वजनिक संस्थाओं एवं सरकारी निकायों में पदस्थापना का उत्कृष्ट रिकार्ड रहा। 2019-20 में हमारे 91 विद्यार्थियों ने विभिन्न संस्थाओं में भिन्न-भिन्न पदों पर पदस्थापित हुये। कृषि संकाय में सी ए. यू. सर्वोत्तम थेसिस पुरस्कार शैक्षणिक परिषद् की 18 वीं बैठक में अनुमोदित हुआ जिससे कृषि एवं संबद्ध विषयों के स्नातकोत्तर छात्रों को अति विशिष्ट मूल शोधों को पहचानकर उत्साहित किया जाये। 2020-21 शैक्षणिक सत्र से इस पुरस्कार को वार्षिक रूप से प्रदान किया जायेगा। और भी विद्यार्थियों को प्रेरित करते हेतु विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों द्वारा 12

व्याख्यान श्रलेख आयोजित की गई।

1.4.2 विद्यार्थी कल्याण

विश्वविद्यालय छात्रों को अनेक श्रेष्ठ अवसर उपलब्ध कराती है एवं चरित्र निर्माण पर बल देते हुए रचनात्मक प्रतिभा को उभारने में योगदान देती है। विश्वविद्यालय सह-पाठ्यक्रम एवं पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों के लिए स्वस्थ एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करती है ताकि छात्रों के नैतिक एवं शारीरिक स्वास्थ का विकास हो। विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों में खेल के मैदान/जिम्नाजियम के अलावा सूचना केन्द्र तथा प्लेसमेंट सैल मौजूद है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय में ऑडिटोरियम, स्वास्थ केन्द्र, केन्टीन, एटीएम तथा डाकघर की सुविधाएं हैं। प्रत्येक महाविद्यालय में 'कॉलेज वीक' आयोजित किया गया जिनमें छात्रों ने विभिन्न खेल-कूदों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। विश्वविद्यालय के प्रत्येक घटक महाविद्यालय में एनसीसी या एनएसएस युनिट मौजूद है जिनके माध्यम से छात्र महाविद्यालय एवं इनके निकटस्थ परिसर ने वास्तविक रूप से सामाजिक सेवा करते हैं ताकि उनमें सेवा एवं दलीय भाव तथा श्रम की गरिमा विकसित हो। कृषि कालेज इम्फाल में 18-21 नवम्बर, 2019 को छठवाँ अंतकॉलेजिएट युवा महोत्सव सह क्रीड़ा एवं खेलकूद बैठक 2019-20 आयोजित हुआ। विश्वविद्यालय ने श्री वेंकटेश्वर पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय अखिल भारतीय विश्वविद्यालय क्रीड़ा एवं खेलकूद बैठक में प्रतिभागिता की। के.कृ.वि. के श्री बी.के.यांग ने उंची कूद में तीसरा स्थान तथा सुश्री अनु लंकदरी एवं सुश्री लालस्थातलुंगी ने बैडमिंटन युगल में दूसरा स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम बढ़ाया। विश्वविद्यालय ने आइजीकेवी, रायपुर में 8-12 फरवरी 2020 में आयोजित अखिल भारतीय कृषि विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 2020 में भाग लिया और देशभक्ति गीत में चौथा स्थान प्राप्त किया।



1.5 उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां

विश्वविद्यालय की अनुसंधान गतिविधियों की समन्वयन, पर्यवेक्षण, निगरानी एवं मूल्यांकन हेतु एक अलग अनुसंधान निदेशालय मौजूद है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान का लक्ष्य ऐसी प्रौद्योगिकियों का विकास करना है जिनसे उत्तर पूर्वी पर्वतीय प्रदेश के लोगों की सामाजिक-आर्थिक उन्नति के लिए फसलों, पशुओं और मछलियों के उत्पादन, उत्पादकता और लाभदायकता में सतत एवं पर्यावरण मैत्रीपूर्ण प्रयासों द्वारा वृद्धि हो सके।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इसके घटक महाविद्यालयों एवं अनुसंधान निदेशालय में आवश्यकतानुसार स्थान विशेष की समस्याओं को सुलझाने के लिए आंतरिक और बाहरी संगठनों द्वारा वित्त पोषित मौलिक, सामरिक एवं प्रयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं।

वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने 65 अंतर्मुखी शोध परियोजना (आइआरपी) चलाये जिसमें 7 आइआरपी नये अनुमोदित, 51 जारी तथा 7 पूर्ण हो चुके हैं। 99 बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं में 8 नये अनुमोदित, 80 जारी एवं 11 पूर्ण हो चुके हैं। विश्वविद्यालय ने समय समय पर क्षेत्र में महत्वपूर्ण एवं आवश्यक शोध परियोजनायें तथा परीक्षण चलायें। उपू.प. क्षेत्र के किसानों एवं कृषि उद्यमियों हेतु कृषि एवं संबद्ध संकायों में विश्वविद्यालय ने स्थिति विशेष संस्तुतियाँ तथा शोध परिणाम विकसित करने में सफलता प्राप्त की। कई संस्तुतियाँ की गई जिससे विभिन्न कृषि जलवायु स्थितियों हेतु कृषि आधारित फसल सुधार, पौध संरक्षण एवं आर्थिक रूप से सतत तकनीक के विकास में सहायता मिली। जनजाति योजना के अंतर्गत उत्तम बीज, पौध सामग्री, पशु प्रजाति, मत्स्य एवं विकसित कृषि औजार तथा संयंत्र वितरित किये गये जिससे जनजाति किसानों की उत्पादकता एवं उत्पादन वृद्धि में सहायता मिलेगी।

वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय फार्म में 10 क्विंटल के लक्ष्य के विपरीत 11.98 क्विंटल फसलों के जनक बीज उत्पन्न किये गये। कृषक खेत में 505 क्विंटल के लक्ष्य के विपरीत 584.70 क्विंटल प्रमाणित एवं सत्यापित बीज उत्पादित हुये। और भी कृषक खेत में 60 क्विंटल के लक्ष्य के विपरीत 83 क्विंटल तेलहन के सत्यावित बीज उत्पन्न हुये। चावल की तीन किस्में सी ए यू आर-2 (तोमथिनफू) जारी कर गजट में अधिसूचित किया गया। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान बहु स्तंभ बालू फिल्टर का पेटेंट मिला।

1.6 उल्लेखनीय विस्तार शिक्षा गतिविधियां

कृषक समुदाय में किसी भी नई एवं नवोन्मेषी प्रायोगिकी को लोकप्रिय बनाने के लिये खेल दिवस, प्रदर्शनीयाँ, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सूचनाओं का प्रसारण महत्वपूर्ण साधन हैं। विश्वविद्यालय ने विभिन्न महाविद्यालयों में वैज्ञानिकों, पण्धारियों तथा किसानों के बीच पारस्परिक चर्चाओं के लिये महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के आयोजन हेतु प्रयास किया। प्रसार निदेशालय ने संबंधित विभागों कृ.वि.के, आत्मा तथा एनजीओ कर्मियों हेतु 46 क्षमता सृजन प्रशिक्षण, कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्र में 3 माह के 13 व्यासायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। कुल 228 बेरोजगार युवाओं एवं 23,393 कृषक, महिलाओं तथा ग्रामीण युवाओं को लाभ मिला। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेद्यालय, मिजोरम एवं त्रिपुरा के 360 कृषकों के साथ खेतों में 66 विभिन्न तकनीकों को परीक्षित किया गया। इसके अलावा 721.65 हे. में 136 अग्र पंक्ति प्रदर्शन किये गये जिससे 2087 कृषकों को लाभ मिला।

प्रसार निदेशालय द्वारा 15.58 करोड़ के वित्तीय व्यय से 30 बाह्य वित्त प्रसार/शोध परियोजनायें चलायी गयीं। डी आई सी, नई दिल्ली के सहयोग से मिजोरम एवं त्रिपुरा में एम 4 एग्री परियोजना द्वारा विश्वविद्यालय ने आई सी टी आधारित प्रसार सेवायें



प्रारम्भ की हैं। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में 6365 कृषकों ने पंजीकरण किया गया तथा 5901 परामर्श जारी किये गये। अवधि के दौरान कृषकों की सफलता की 50 कथायें आई.एस.बी.एन के साथ संकलित एवं प्रकाशित की गई। कृ.वि.के., इम्फाल पूर्व, सी ए यू इम्फाल को पिछले पाँच वर्षों की गतिविधियों पर अंचल अपप के अंतर्गत पंडित दीन दयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

1.7 उल्लेखनीय मानव संसाधन कार्य

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्नत प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों, संगोष्ठियों में विश्वविद्यालय के कार्मिकों एवं अधिकारियों की प्रतिभागिता से उनके ज्ञानवर्धन द्वारा विश्वविद्यालय की समग्र कार्य कुशलता में वृद्धि हुई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अपने सभी महाविद्यालयों के कार्मिकों एवं संकाय सदस्यों को कार्यशालाओं, प्रशिक्षणों तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में उच्च अध्ययन हेतु प्रतिनियुक्ति पर भेजकर सहायता एवं सहयोग देता है। प्रत्येक महाविद्यालय संस्था से बाहर के विशेषज्ञों को आमंत्रित कर परिसर में तथा परिसर से बाहर सामान्य रूचि वाले विषयों पर प्रशिक्षणों का आयोजन करता है।

अवधि के दौरान छठे सीएयू अंतकॉलेज युवा महोत्सव सह क्रीड़ा एवं खेल कूद कार्यक्रम के समापन समारोह में 21 नवंबर 2019 को प्रथम सी ए यू सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार प्रारंभ कर प्रदान किया गया। पुरस्कार को अति विशिष्ट शिक्षकों को पहचान दिलाकर शिक्षण में उत्कृष्टता वृद्धि हेतु प्रारंभ किया गया। चयन प्रक्रिया में विद्यार्थियों को निर्देशन रोजगार रिकार्ड तथा शोध प्रकाशन एवं थेसिस कार्य पर जोर दिया गया।

1.8 उल्लेखनीय निर्माण तथा आधार-भूत विकास

समय-समय पर आवश्यक मांगों की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय ने अनेक निर्माण कार्य किये। विश्वविद्यालय ने घटक महाविद्यालयों में आधार भूत संरचना के विकास हेतु सभी संभव प्रयास किये।

इसमें शैक्षणिक खण्ड, प्रशासनिक भवन, क्वार्टर, प्रयोगशाला, सूचना केंद्र, पुस्तकालय तथा अन्य अनुसंधान सुविधायें हैं। कुछ नहीं तो सभी घटक कालेजों में आधारभूत विकास में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की गईं। इसमें कालेज भवन, प्रयोगशालाये, छात्रावास, कैंटीन, बैंक तथा सतत प्रगति हेतु आवश्यक भवन सम्मिलित हैं।

1.9 नवीन एवं वर्तमान पहलें

वार्षिक योजना में उल्लेखित नवीन एवं वर्तमान जारी पहलें निम्नलिखित हैं:

- क) स्थान विशेष समस्याओं के समाधान के लिए इन्ट्रामूरल अनुसंधान परियोजनाएं।
- ख) विस्तार प्रदर्शनियां एवं नई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन।
- ग) महाविद्यालयों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों में नवोन्मेषी विस्तार कार्यक्रम।
- घ) किसान/अध्ययन छोड़े हेतु अनौपचारिक एवं व्यवसायिक शिक्षा कार्यक्रम
- ड) विद्यार्थियों का प्रयोगात्मक अध्ययन कार्यक्रम
- च) कौशल तथा व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम
- छ) विभागों हेतु औपचारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।



शिक्षा एवं छात्र कल्याण

2



के

द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अपने 13 संघटक कालेजों के माध्यम से विभिन्न विषयों/संकायों में 9 स्नातक, 43 स्नातकोत्तर एवं 23 पीएचडी कार्यक्रम चलाता है। विश्वविद्यालय के कृषि विश्वविद्यालयों के स्थानों में भा.कृ.अ.प. द्वारा 2018 में 25 वां स्थान प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय बी बी एस सी ए एच को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों हेतु समान शैक्षणिक कैलेंडर अपनाता है पर बी बी एस सी एवं एच हेतु भारतीय पशुचिकित्सा परिषद के पशुचिकित्सा शिक्षा के न्यूनतम मानक (2008 के एम एस बी इ विनियम) अपनाता है। विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति द्वारा जारी नियम के अनुसार सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश होता है। स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विद्यार्थी का नामांकन/चयन केकृति के अधिकार क्षेत्र के राज्यों द्वारा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित कर किया जाता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा आयोजित करतथा भाकृअप., कृषि अनुसंधान भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश मिलता है। स्नातक में प्रवेश हेतु विद्यार्थी को केकृति के अधिकार क्षेत्र के किसी राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिये। विश्वविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान व शिक्षा विभाग के निर्णय के अनुसार यद्यपि यह शर्त भाकृअप के नामित विद्यार्थियों पर नहीं लागू होता। से विश्वविद्यालय ने कुछ स्नातक कार्यक्रमों हेतु उच्च शुल्क की कुछ सीटें आरक्षित कर दी हैं। ये सीटें राज्यों के भारतीय नागरिकों हेतु उच्च शुल्क पर देय हैं।

2.1 विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां

भाकृअप. की विधिवत समीक्षा टीम की संस्तुतियों पर, राष्ट्रीय कृषि शिक्षा मान्यता बोर्ड, भाकृअप., नई दिल्ली ने केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल तथा उसके संघटक कालेजों के स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएचडी कार्यक्रमों को 28 मार्च 2016 से 27 मार्च 2021 तक के लिये मान्यता दी।

सभी कालेजों में विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार विद्वान एवं अनुभवी शिक्षक हैं। कर्मचारी एवं विद्यार्थी अनुपात सुगम होने के कारण अंतरात्मक शैक्षिक वातावरण का सृजन होता है। कर्मचारी एवं विद्यार्थी के उत्तम अनुपात से एक अन्तराक्तमक्ता पूर्ण शिक्षण माहौल है। विश्वविद्यालय विद्यार्थी परामर्श व्यवस्था का अनुसरण करता है जिसमें हर शिक्षक को विद्यार्थी प्रदान करते हैं जो डिग्री कार्यक्रम के दौरान उनकी शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं में मदद करते हैं। कक्षाएं सुरक्षित, सुसज्जित एवं आधुनिक तकनीक के कक्षा सुविधायें तथा कैमरा से लैस हैं। साफ सुधरे शौचालय पुरुष एवं महिलाओं हेतु कक्षाओं से लगे हैं। कक्षाओं, अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों हेतु सभी प्रयोगशालाओं को सुसज्जित किया गया। प्रत्येक कालेज में कम्प्यूटर प्रयोगशाला है जिसमें उच्च गति इंटरनेट 24 × 7 घंटे उपलब्ध है।

2.1.1 शिक्षण

2018-19 के दौरान संघटक कालेजों में विभिन्न स्नातक कार्यक्रमों में राज्य वार सीटों का आबंटन निम्नलिखित तालिका 2.1.1 में दिया गया है।

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



तालिका 2.1.1: स्नातक कार्यक्रम हेतु 2019-20 के दौरान विद्यार्थी आबंटन

क्र. सं.	डिग्री कार्यक्रम	राज्य										
		अरुणाचल प्रदेश	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नगालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	आईसीएआर चीमीआई	जे. एंड के. माइग्रेंट्स	पेयमेट सीट	कुल योग
1.	बी एस सी (सम्मान)											
अ)	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर	12	16	14	09	09	09	16	19	-	10	114
स)	कृषि महाविद्यालय किरदेमकुलई, उमियाम मेघालय	02	04	04	02	02	01	04	03	-	-	22
ब)	कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	05	03	02	02	02	02	03	03	-	05	27
2.	बी एस सी (सम्मान) बागवानी											
अ)	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट अरुणाचल प्रदेश	07	07	06	06	06	06	07	10	-	05	60
ब)	बागवानी महाविद्यालय थेनजॉल, मिजोरम	02	04	02	04	02	01	04	03	-	-	22
स)	बागवानी कालेज, बरमियोक सिक्किम	02	04	03	01	02	04	03	03	-	-	22
3.	बी एस सी (सम्मान), वानिकी बागवानी कालेज, पासीघाट	04	05	03	04	03	03	04	04	-	05	35
4.	बी एफ एस सी (मात्स्यकी) मात्स्यकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा, त्रिपुरा	04	09	03	03	05	03	09	05	-	05	46
5.	बी वी एस सी एवं ए एच											
अ)	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, संलेसी मिजोरम	12	09	09	12	04	06	11	12	02	03	80
ब)	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जलूकी, नगालैंड	03	04	03	03	06	02	04	05	-	-	30
6.	बी टेक (कृषि अभियांत्रिकी) कृषि अभियांत्रिकी एवं स्स्योपरांत प्रायोगिकी महाविद्यालय रानीपूल, सिक्किम	06	08	06	05	05	05	08	10	-	05	58
7.	बी टेक (खाद्य प्रायोगिकी)											
अ)	कृषि अभियांत्रिकी कालेज, रानीपूल,	02	04	02	02	02	03	04	03	-	-	22
ब)	खाद्य प्रायोगिकी कालेज, इम्फाल, मणिपुर	02	05	03	02	02	01	04	03	-	05	27



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	डिग्री कार्यक्रम	राज्य											
		अरुणाचल प्रदेश	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	आईसीएआर बीसीआई	के. जे. माइग्रेट्स	एड. पेयमेट	स्टॉट	कुल योग
8.	बी एस सी (सम्मान) सामुदायिक विज्ञान	07	09	11	05	05	05	08	05	0	-	55	
	अ) गृह विज्ञान महाविद्यालय तुरा, मेघालय												
9.	बी एस सी (सम्मान) पोषण एवं आहार	02	03	05	02	02	02	03	03	0	-	22	
	अ) गृह विज्ञान महाविद्यालय तुरा, मेघालय												
	कुल योग	72	94	76	62	57	53	92	91	02	43	642	

2.1.2 2019-20 में प्रवेश क्षमता एवं प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या

नवीन शैक्षणिक पाठ्यक्रम पशुचिकित्सा महाविद्यालय को छोड़कर जहाँ स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 1 जुलाई 2019 को तथा अन्य स्थानों में 2 अगस्त 2019 से प्रारंभ हुआ। सभी कालेजों में

पी एच डी कार्यक्रम 2 अगस्त 2019 से प्रारंभ हुआ। कुल मिलाकर स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पी एच डी में 506, 189 तथा 38 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ। कालेज वार प्रवेश क्षमता, प्रविष्ट विद्यार्थी एवं उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या तालिका 2.1.2 में दी गई है।

तालिका 2.1.2: वर्ष 2019-20 के दौरान महाविद्यालयवार प्रवेश क्षमता, प्रवेश लिए छात्र तथा उपाधि प्राप्त छात्रों की संख्या

क) स्नातक कार्यक्रम

क्र. सं.	कालेज का नाम	डिग्री कार्यक्रम	प्रवेश क्षमता	प्रविष्ट विद्यार्थी	उत्तीर्ण विद्यार्थी
1.	कृषि महाविद्यालय, इमफाल मणिपुर	बी एस सी (सम्मान)	114	95	54
2.	खाद्य प्रोद्योगिकी महाविद्यालय लैंफल बी टेक (खाद्य प्रोद्योगिकी) पाट, मणिपुर		27	11	8
3.	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, बी एस सी (सम्मान), बागवानी पासीघाट अरुणाचल प्रदेश	बी एस सी (सम्मान), वानिकी	60	53	34
4.	कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, बी एस सी (सम्मान) कृषि अरुणाचल प्रदेश		35	28	15
5.	मात्स्यकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा, त्रिपुरा बी एफ एस सी (मात्स्यकी)		27	24	19
6.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, बी बी एस सी एवं ए एच संलेसी मिजोरम		46	42	26
			80	81	55

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र. स.	कालेज का नाम	डिग्री कार्यक्रम	प्रवेश क्षमता	प्रविष्ट विद्यार्थी	उत्तीर्ण विद्यार्थी
7.	बागवानी महाविद्यालय थेनजॉल, बी एस सी (सम्मान) बागवानी मिजोरम		22	13	-
8.	कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत बी टेक (कृषि अभियांत्रिकी प्रायोगिकी महाविद्यालय रानीपूल, बी टेक (खाद्य प्रायोगिकी) सिक्किम		58 22	42 12	26 10
9.	बागवानी कालेज, बरमियोक सिक्किम बी एस सी (सम्मान) बागवानी		22	22	14
10.	गृह विज्ञान महाविद्यालय तुरा, मेघालय बी एस सी (सम्मान) सामुदायिक विज्ञान राज्य नामित खुला प्रवेश बी एस सी (सम्मान) पोषण एवं आहार राज्य नामित खुला प्रवेश		37 18 11 11	09 18 05 08	27 18 10
11.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, बी वी एस सी एवं ए एच जलूकी, नगालैंड		30	25	0
12.	कृषि महाविद्यालय किरदेमकुलई, बी एस सी (सम्मान) कृषि उमियाम मेघालय		22	18	13
कुल योग			642	506	311

ख) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क्र. स.	महाविद्यालय का नाम	डिग्री	संकाय	प्रवेश क्षमता	प्रविष्ट विद्यार्थी	उत्तीर्ण विद्यार्थी
1.	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल, एम एस सी कृषि अ) सस्य विज्ञान मणिपुर		5+3*=8 ब) कृषि अर्थशास्त्र	07 04	3 3	
			स) प्रसार शिक्षा	5+2*=7	07	
			द) कीट विज्ञान	5+2*=7	07	
			इ) बागवानी	5+4*=9	08	
			फ) पादप रोग विज्ञान	5+2*=7	05	
			ज) आनुवंशिकी एवं पादम प्रजनन	5+3*=8	08	
			ह) मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन	5+2*=7	06	
	भाकृअप के नामितों हेतु आरक्षित	उप-योग	40+20*=60	52	38	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	महाविद्यालय का नाम	डिग्री	संकाय	प्रवेश क्षमता	प्रविष्ट विद्यार्थी	उत्तीर्ण विद्यार्थी
2.	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट	एम एस सी बागवानी	सब्जी विज्ञान ब) फल विज्ञान स) पुष्प विज्ञान एस एस सी द) एम एस सी वानिकी वानिकी	4+1=5 4+1=5 1+1=2 4+1=5	5 5 1 4	4 3 - 3
	भाकृअप के नामितों हेतु आरक्षित		उप-योग	13+4=17	15	10
3.	स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय उमियाम मेघालय	एम एस सी कृषि	अ) सस्य विज्ञान ब) मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन स) आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन द) पादप आणवीकीय जीव विज्ञान एवं जीव प्रायोगिकी इ) कीट विज्ञान फ) पादप रोग विज्ञान ज) कृषि अर्थशास्त्र ह) कृषि प्रसार	5+3*=8 5+2*=7 5+3*=8 5+2*=7 5+2*=7 5+2*=7 5+2*=7 5+2*=7	5 5 5 4 3 3 4 2	3 5 5 4 5 5 3 2
	भाकृअप के नामितों हेतु आरक्षित एमबीए		उप-योग	40+18*=58	33	32
4.	मात्यिकी महाविद्यालय एफ एफ एस सी लंबूचेरा, त्रिपुरा	अ) मात्स्यकी प्रौद्योगिकी	जैव	4+1=5	04	-
		ब) मत्स्य संस्करण प्रायोगिकी		4+1=5	05	02
		स) जलीय विज्ञान		4+1=5	04	05
		द) मात्स्य आनुवंशिकी एवं प्रजनन		4+3=7	07	05
		इ) मात्यिकी प्रसार		4+1=5	04	03
		फ) जलीय पशु स्वास्थ्य		4+1=5	05	03
		ज) मात्यिकी संसाधन प्रबंधन		4+1=5	05	04
		उप-योग		28+9=37	34	22

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र. स.	महाविद्यालय का नाम	डिग्री	संकाय	प्रवेश क्षमता	प्रविष्ट विद्यार्थी	उत्तीर्ण विद्यार्थी
5.	पशुचिकित्सा कालेज, सेलेसी, स्नातोकतर मिजोरम	पशुचिकित्सा विज्ञान	पशुचिकित्सा जैन रसायन पशु शरीर विज्ञान पशु मादा रोग व महामारी पशु औषधि पशु परजीवी विज्ञान पशु रोग विज्ञान पशु सूक्ष्म जीव विज्ञान पशु शल्य चिकित्सा एवं एक्सरे विज्ञान पशु लोक स्वास्थ्य एवं महामारी पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन पशु पोषण पशु शरीर विज्ञान पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन पशुधन उत्पादन प्रायोगिकी पशुचिकित्सा, पशुपालन एवं प्रसार पशु औषध विज्ञान एवं विष विज्ञान उप-योग	4+1=5 3+1=4 4+1=5 4+1=5 2+1=3 4+1=5 4+1=5 4+1=5 4+1=5 4+1=5 4+1=5 4+1=5 4+1=5 4+1=5 4+1=5 4+1=5 4+1=5 77	- 01 04 05 01 05 02 05 01 03 02 02 04 03 03 01 40	- - 02 04 - 04 03 01 - - 24
6.	कृषि अभियांत्रिकी एवं एम टेक सस्योपरांत प्रायोगिकी महाविद्यालय रानीपूल, सिक्किम		ब) फार्म मशीनीरी एवं शक्ति अभियांत्रिकी अ) मृदा एवं जल अभियांत्रिकी स) खाद्य अभियांत्रिकी इ) नवीन करणीय उर्जा द) सिंचाई व नालिका उप-योग	3+2=5 3+2=5 3+2=5 3+2=5 2+1=3 2+1=3 13+8=21	2 2 2 2 1 1 8	3 2 1 - - - 6
7.	गृह विज्ञान, तुरा मेघालय	एम एस सी सामुदायिक विज्ञान	खाद्य एवं पोषण प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन उप-योग कुल योग	2+1=3 2+1=3 4+2=6 281	Nil Nil 0 183	01 02 03 140



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

ग) पीएचडी कार्यक्रम

क्र. सं.	कॉलेज का नाम	पी एच डी कार्यक्रम संकाय	प्रवेश क्षमता	प्रविष्ट	पुरस्कृत विद्यार्थी
1.	कृषि महाविद्यालय, पी एच डी (कृषि) इम्फाल, मणिपुर	i) सस्य विज्ञान ii) कीट विज्ञान iii) पादप रोग विज्ञान iv) पौ. प्र. आनुवंशिकी v) मृदा विज्ञान	1+1=2 1+1=2 1+1=2 2+1=3 2+1=3	2 1 1 2 2	1 - 1 - 1
		कुल	7+5=12	8	3
2.	बागवानी कॉलेज, पी एच डी पासीघाट	सब्जी विज्ञान फल विज्ञान	2+1=3 2+1=3	2 2	- 3
		कुल	4+2=6	4	3
3.	स्नातकोत्तर अध्ययन पी एच डी महाविद्यालय, बदापानी, मेघालय	i) सस्य विज्ञान ii) मृदा विज्ञान व कृषि रसायन iii) प्रजनन व आनुवंशिकता iv) आण्वीकीय जीव विज्ञान v) पादप रोग विज्ञान vi) कृषि अर्थशास्त्र vii) कृषि प्रसार	2+1*=3 2+1*=3 2+2*=4 2+1*=3 2+1*=3 2+1*=3 2+1*=3	1 2 4 2 2 1 2	- 1 2 2 2 - 4
		कुल	14+8*=22	15	13
4.	मात्यिकी महाविद्यालय पी एच डी लेंबूचेरा, त्रिपुरा	i) जलीय पशु स्वास्थ्य ii) मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	2+1*=3 2+1*=3	02 02	Nil Nil
		कुल	4+2*=6	04	Nil
5.	पशुचिकित्सा एवं पी एच डी पशुपालन महाविद्यालय सेलेसी, मिजोरम	अ) पशु पोषण ब) पशुधन उत्पादन व प्रबंधन स) पशुचिकित्सा जीव रसायन द) पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान इ) पशुचिकित्सा रोग विज्ञान फ) पशुचिकित्सा औषधि ज) पशुचिकित्सा मादा रोग एवं प्रसूति विज्ञान झ) पशुचिकित्सा शारीर रचना एवं उत्तक विज्ञान	2+1=3 2+1=3 1+1=2 2+1=3 1+1=2 2+1=3 1+1=2 1+1=2 1+1=2	- - - 01 01 01 01 - -	- - 01 - - - 01 - -
		उप-योग	12+8=20	04	02



क्र. सं.	कॉलेज का नाम	पी एच डी कार्यक्रम संकाय	प्रवेश क्षमता	प्रविष्ट	पुरस्कृत विद्यार्थी
6.	कृषि अभियांत्रिकी एवं पी एच डी पी एच डी कॉलेज रानीपूल	ब) फार्म मशीनरी एवं शक्ति अभियांत्रिकी स) प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी अ) मृदा एवं जल अभियांत्रिकी	1+1=2 2+1=3 1+1=2	- 2 1	- -
		उप-योग	4+3=7	3	-
		कुल योग	45+28=73	38	21

*भाकृअप नामितों हेतु आरक्षित

2.1.3 वर्ष 2019-20 में विद्यार्थी शक्ति

वर्ष में विश्वविद्यालय की कुल विद्यार्थी क्षमता 2311 थी जिसमें 1781 स्नातक; 407 विद्यार्थी स्नातकोत्तर

तथा 123 विद्यार्थी पीएचडी कार्यक्रम में थे। क्रमशः तालिकाओं में दर्शाया गया है।

तालिका 2.1.3: वर्ष 2019-20 के दौरान कुल छात्रों की संख्या

अ) स्नातक कार्यक्रम

क्र. सं.	कालेज का नाम	डिग्री कार्यक्रम बी एस सी (सम्मान) कृषि	वर्षवार छात्रों की संख्या						2019-20 में उत्तीर्ण हुए छात्र
			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	पंचम वर्ष	कुल	
1.	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल	बी.एससी (कृषि)	95	86	78	53	-	312	54
2.	बागवानी एवं वानिकी बी एस सी (सम्मान) महाविद्यालय, पासीघाट बागवानी अरुणाचल प्रदेश	बी एस सी (वानिकी) सम्मान	53	49	38	44	-	184	34
3.	मात्स्यकी महाविद्यालय, बी एफ एस सी लेंबूचेरा, त्रिपुरा		28	23	24	22	-	97	15
4.	पशुचिकित्सा एवं पशु पालन बी वी एस सी महाविद्यालय सेलेसी, मिजोरम		42	40	34	27	-	143	26
5.	कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बी टेक (कृषि अभि.) रानीपूल, सिक्किम	बी टेक (खाद्य प्राद्यो.)	42	33	22	35		132	26
6.	गृह विज्ञान महाविद्यालय तुरा, बी एस सी (सम्मान) मेघालय	सामुदायिक विज्ञान बी एस सी (सम्मान) खाद्य पोषण एवं आहार	12	07	09	05		33	10
			27	33	24	19	-	103	27
			13	16	13	14	-	56	10



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कालेज का नाम	डिग्री कार्यक्रम बी एस सी (सम्मान) कृषि	वर्षावार छात्रों की संख्या						2019-20 में उत्तीर्ण हुए छात्र
			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	पंचम वर्ष	कुल	
7.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन बी वी एस सी एवं महाविद्यालय, जलूकी नगालैंड ए एच	25	26	25	26	-	102	-	
8.	कृषि महाविद्यालय, पासीचाट, बीएससी(सम्मान) कृषि अरुणाचल प्रदेश	24	18	19	17	-	78	19	
9.	कृषि महाविद्यालय, बी.एससी (कृषि) किरदमकुलई, मेघालय	18	19	18	14	-	69	13	
10.	बागवानी महाविद्यालय थेनजॉल, बी एस सी (सम्मान) मिजोरम बागवानी	13	14	17	17	-	61	-	
11.	बागवानी कालेज, बरमियोक, बी.एफ.एससी सिक्किम (बागवानी) सम्मान	22	14	16	16	-	68	14	
12.	खाद्य प्रायोगिकी महाविद्यालय बी टेक (खाद्य प्रायो.) लैफल पैट, इम्फाल	11	7	10	10	-	38	8	
कुल योग			506	458	392	380	45	1781	311

ब) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क्र. सं.	कॉलेज और विभाग	डिग्री	विभाग/संकाय	प्रवेश क्षमता	विद्यार्थी क्षमता		उत्तीर्ण विद्यार्थी
					(एम एस सी/ एम वी एस सी/एम एफ सी/ एम टेक)	पिछले उत्तीर्ण कुल	
1.	कृषि महाविद्यालय, एम एस सी अ) सस्य विज्ञान इम्फाल, मणिपुर कृषि	8	7	8	15	3	
	ब) कृषि अर्थशास्त्र	7	4	4	8	3	
	स) प्रसार शिक्षा	7	7	7	14	4	
	द) कीट विज्ञान	7	7	7	14	7	
	इ) बागवानी	9	8	7	15	4	
	फ) पादप रोग विज्ञान	7	5	6	11	5	
	ज) आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	8	8	8	16	7	
	ह) मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन	7	6	6	12	5	
	उप योग	60	52	53	105	38	

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र. सं.	कॉलेज और विभाग	डिग्री	विभाग/संकाय	प्रवेश क्षमता	विद्यार्थी क्षमता		उत्तीर्ण विद्यार्थी
					(एम एस सी/ एम वी एस सी/एम एफ सी/ एम टेक)	पिछले उत्तीर्ण	
					पिछले उत्तीर्ण	कुल	
2.	बागवानी वं वानिकी महाविद्यालय, पासीधाट अरुणाचल प्रदेश	एम एस सी बागवानी वानिकी	अ) सब्जी विज्ञान ब) फल विज्ञान स) वानिकी	5 5 2 5	5 5 1 4	10 12 2 11	4 3 - 3
			उप-योग	17	15	20	35
3.	स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय उमियाम, मेघालय	एम एस सी कृषि	1. प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग ^a 2. फसल सुधार विभाग 3. फसल सुरक्षा विभाग 4. सामाजिक विज्ञान विभाग	8 7 7 7	5 5 4 3	6 7 2 8	11 12 6 11
			अ) सस्य विज्ञान ब) मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन अ) आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन ब) पादप आण्वीकीय जीव विज्ञान एवं जीव प्रायोगिकी	8 7 8 7	5 5 6 4	11 12 6 11	3 5 5 5
			अ) कीट विज्ञान ब) पादप रोग विज्ञान	7 7	3 3	8 9	11 12
			उप योग	58	33	49	82
			एम बी ए (ए बी एम)				
			कुल योग				
4.	मात्यिकी महाविद्यालय लंबूचेरा, त्रिपुरा	एम.एफ.एस. सी.	अ) मात्स्यकी जैव प्रायोगिकी फ) जलीय पशु स्वास्थ्य ब) मत्स्य संस्करण प्रायोगिकी स) जलीय विज्ञान इ) मात्यिकी प्रसार ज) मात्यिकी संसाधन प्रबंधन द) मात्स्य आनुवंशिकी एवं प्रजनन	5 5 5 7 5 5 5	4 5 4 7 4 5 5	- 3 3 1 3 4 9	4 8 7 8 7 9 9
			उप-योग	37	34	18	52
							22



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कॉलेज और विभाग	डिग्री	विभाग/संकाय	प्रवेश क्षमता	विद्यार्थी क्षमता		उत्तीर्ण विद्यार्थी	
					(एम एस सी/ एम वी एस सी/एम एफ सी/ एम टेक)	पिछले उत्तीर्ण कुल		
5.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, सेलेसी, मिजोरम	एम.एफ.एस. सी.	पशुचिकित्सा जीव रसायन पशुचिकित्सा शरीर रचना पशुचिकित्सा मादा रोग पशुचिकित्सा औषधि पशुचिकित्सा परजीवी विज्ञान पशुचिकित्सा रोग विज्ञान पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान पशु शल्य चिकित्सा पशुचिकित्सा लोक स्वास्थ्य एवं महामारी पशु आनुवर्शिकी एवं प्रजनन पशु पोषण पशुचिकित्सा शरीर क्रिया विज्ञान पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन पशुधन उत्पाद तकनीक पशुचिकित्सा प्रसार पशुचिकित्सा औषधि एवं विष विज्ञान	5 4 5 5 3 05 05 5 7 05 05 4 05 05 05 05 05 05 5	- 2 2 1 1 2 4 6 10 2 5 7 12 4 1 - 05 05 10 4 02 04 06 - 05 7 12 04 01 6 7 01 03 4 7 01 02 4 6 1 02 01 03 03 02 5 7 03 03 06 01 - - - - उप-योग 77 40 62 102 24	-		
6.	कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्राद्योगिकी महाविद्यालय रानीपूल, सिक्किम	एम टेक	ब) फार्म मशीनीरी एवं शक्ति अभियांत्रिकी अ) मृदा एवं जल अभियांत्रिकी स) खाद्य अभियांत्रिकी इ) नवीनकरणीय उर्जा अभि. द) सिंचाई एवं नाली अभि.	5 5 5 5 5 3 3	2 5 7 3 5 1 1 - 1 - 1 - 1 - 1	3 2 1 -		
			उप योग	21	8	14	22	6

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र. सं.	कॉलेज और विभाग	डिग्री	विभाग/संकाय	प्रवेश क्षमता	विद्यार्थी क्षमता			उत्तीर्ण विद्यार्थी
					(एम एस सी/ एम वी एस सी/एम एफ सी/ एम टेक)	पिछले	उत्तीर्ण	
					पिछले	उत्तीर्ण	कुल	
7.	गृह विज्ञान कालेज, एम एस सी भोजन व पोषण तुरा, मेघालय	(सामुदायिक विज्ञान)	प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन	03	Nil	02	02	1
			उप-योग	03	Nil	3	3	2
			कुल योग	6	0	5	5	3
				281	183	224	407	140

स) पीएचडी कार्यक्रम

क्र. सं.	कॉलेज और विभाग	विभाग/संकाय	प्रवेश क्षमता	विद्यार्थी क्षमता (पीएचडी)				उत्तीर्ण विद्यार्थी 2019-20	
				प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	अ. विद्यार्थी		
1.	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल, i) मणिपुर	स्स्य विज्ञान	2	2	2	1	3	8	1
		ii) कीट विज्ञान	2	1	-	1	-	2	-
		iii) पादप रोग विज्ञान	2	1	2	1	2	6	1
		iv) पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी	3	2	2	2	2	8	1
		v) मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन	3	2	1	1	1	5	-
	उप-योग		12	8	7	6	8	29	3
2.	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट अरुणाचल प्रदेश	सब्जी विज्ञान	3	2	2	2	2	8	-
		फल विज्ञान	3	2	2	2	2	8	3
	उप-योग		6	4	4	4	4	16	3
3.	मात्यिकी महाविद्यालय लंबूचेरा, त्रिपुरा	पी एच डी जलीय पशु स्वास्थ्य	3	2	2	3	-	7	-
			3	2	2	-	-	4	-
	उप-योग		6	4	4	3	-	11	-



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कॉलेज और विभाग	विभाग/संकाय	प्रवेश क्षमता	विद्यार्थी क्षमता (पीएचडी)					उत्तीर्ण विद्यार्थी 2019-20
				प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	अ. विद्यार्थी	कुल	
4.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय सेलसी मिजोरम	अ) पशु पोषण	3	-	-	-	-	-	-
		ब) पशुधन उत्पादन प्रबंधन	3	-	-	-	-	-	
		स) पशुचिकित्सा जीव रसायन	2	-	-	-	-	-	1
		द) पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान	3	1	-	-	-	1	-
		इ) पशुचिकित्सा रोग विज्ञान	2	1	1	-	-	2	-
		फ) पशुचिकित्सा औषधि	3	1	1	1	-	3	1
		ज) पशुचिकित्सा मादा रोग	2	1	-	-	-	1	-
		झ) पशुचिकित्सा शरीर रचना	2	-	1	-	-	1	-
		उप-योग	20	4	3	1	-	8	2
5.	कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्राद्योगिकी महाविद्यालय रानीपूल, सिक्किम	मृदा एवं जल अभियांत्रिकी फार्म मशीनीरी एवं शक्ति अभियंत्रिकी खाद्य अभियांत्रिकी	02 03 02	- 02 01	01 1 -	- 01 01	- 01 4	01 4 03	-
		उप-योग	7	3	3	1	1	8	-
		कुल योग							
6.			3 3 4 3 3 3 22	1 2 4 2 2 2 15	3 2 3 - 1 2 12	- 1 1 - 2 1 5	3 3 3 1 4 2 19	7 8 11 3 9 6 51	- 1 2 2 2 2 13
			73	38	33	20	32	123	21



2.1.4 2019-20 के दौरान वर्गवार विद्यार्थी क्षमता

विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर एवं पी एच डी कार्यक्रम में विद्यार्थियों का वर्गवार विवरण तालिका 2.1.4 में दिया गया है। 2311 विद्यार्थियों में 357 सामान्य वर्ग, 152 अनुसूचित जाति 197 अनुसूचित जन जाति, 1169 अन्य पिछड़ा वर्ग तथा 614 विदेशी थे।

2.1.5 पुरुष और महिला विद्यार्थियों का अनुपात

शैक्षणिक वर्ष (2019-20) के दौरान 990 (42.8%) पुरुष व 1321 (57.16%) महिला विद्यार्थियों ने संघटक कालेजों के विभिन्न डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश लिया। महिलाओं की संख्या में थोड़ी वृद्धि रही और पुरुष महिला अनुपात 1:1.33 रही। कालेजवार विभिन्न कार्यक्रमों में पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की संख्या तालिका (2.1.5) में दी गई है।

तालिका 2.1.4: 2019-20 के दौरान वर्गवार विद्यार्थी क्षमता

क्र. कालेज का नाम सं.	डिग्री प्रोग्राम	विद्यार्थी क्षमता					
		सामान्य अ. जा.	अ.ज. जा.	अ.पि. व.	विदेशी	कुल	
1. कृषि महाविद्यालय इम्फाल, बी एस (सम्मान) कृषि मणिपुर	एम एस सी (कृषि)	35	17	183	75	2/0/0	312
	पी एच डी (कृषि)	27	14	10	48	2/4/0	105
		09	01	06	13	-	29
उप-योग		71	32	199	136	4/4/0	446
2. बागवानी एवं वानिकी बी एस सी (सम्मान) बागवानी महाविद्यालय, पासीधाट अरुणाचल प्रदेश	बी एस सी (सम्मान) वानिकी	16	9	117	41	1/0/0	184
	एम एस सी (बागवानी)	15	7	53	21	1/0/0	97
	एम एस सी (वानिकी)	1	1	13	9	0/0/0	24
	पी एच डी	-	1	6	4	-	11
		3	-	6	6	1/0/0	16
उप-योग		35	18	195	81	3/0/0	332
3. स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, मेघालय	एम एस सी कृषि	23	14	5	34	3/0/3	82
	एम बी ए	1	-	3	-	-	4
	पी एच डी	11	4	18	18	-	51
उप-योग		35	18	26	52	3/0/3	137
4. मात्स्यकी महाविद्यालय लेंबूचेरा, त्रिपुरा	बी एफ एस सी	26	11	66	40	-	143
	एम एफ एस सी	17	05	08	21	1/0/0	52
	पी एच डी	04	-	02	05	-	11
उप-योग		47	16	76	66	1/0/0	206



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कालेज का नाम	डिग्री प्रोग्राम	विद्यार्थी क्षमता				
			सामान्य अ. जा.	अ.ज. जा.	अ.पि. व.	विदेशी	कुल
5.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन बी वी एस सी एवं ए एच महाविद्यालय, सेलेसी मिजोरम	एम बी एस सी	39	10	198	58	- 305
		पी एच डी	27	12	37	26	- 102
			5	-	1	2	- 8
	उप-योग		71	22	236	86	- 415
6.	कृषि अभियांत्रिकी एवं लवणोपरांत प्राद्योगिकी महाविद्यालय, रानीपूल, सिक्किम	बी टेक (कृषि अभियांत्रिकी)	32	09	66	24	1/0/0 132
		बी टेक (खाद्य प्राद्योगिकी)	7	03	13	10	- 33
		एम टेक	11	-	06	05	- 22
		पी एच डी	04	02	-	02	- 08
	उप-योग		54	14	85	41	1/0/0 195
7.	गृह विज्ञान महाविद्यालय तुरा, बी एस सी (सम्मान) सामुदायिक मेघालय	बी एस सी (सम्मान) सामुदायिक विज्ञान	07	05	54	37	- 103
		बी एस सी (सम्मान) खाद्य पोषण व आहार	02	03	32	19	- 56
		एम एस सी (सामुदायिक विज्ञान (पोषण व आहार))	01	-	02	02	- 05
	उप-योग		10	08	88	58	- 164
8.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन बी वी एस सी एवं ए एच महाविद्यालय जलूकी, नागालैंड	महाविद्यालय जलूकी, नागालैंड	7	7	75	13	- 102
	उप-योग		7	7	75	13	- 102
9.	कृषि महाविद्यालय पासीघाट, बी एस सी (सम्मान) कृषि अरुणाचल प्रदेश	बी एस सी (सम्मान) कृषि अरुणाचल प्रदेश	06	04	54	14	- 78
	उप-योग		06	04	54	14	- 78
10.	कृषि कालेज, किरदेमकुलई, बी एस सी (कृषि) रिभोई, मेघालय	बी एस सी (कृषि) रिभोई, मेघालय	5	1	45	18	- 69
	उप-योग		5	1	45	18	- 69
11.	बागवानी कालेज थेनजौल, बी एस सी सम्मान (बागवानी)	बी एस सी सम्मान (बागवानी)	6	2	42	11	- 61
	उप-योग		6	2	42	11	- 61

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र. सं.	कालेज का नाम	डिग्री प्रोग्राम	विद्यार्थी क्षमता				
			सामान्य अ. जा.	अ.ज. जा.	अ.पि. व.	विदेशी	कुल
12.	बागवानी महाविद्यालय बी एस सी (सम्मान) बागवानी बरमियोक, सिक्किम	4	3	38	23	-	68
उप-योग		4	3	38	23	-	68
13.	खाद्य प्रायोगिकी कालेज, बी टेक (खाद्य प्रायो.) लैंफल, मणिपुर	6	7	10	15	-	38
उप-योग		6	7	10	15	-	38
कुल योग		357	152	1169	614	12/4/3	2311

तालिका 2.1.5: शैक्षिक सत्र 2019-20 में पुरुष एवं महिलाएं तथा उनका अनुपात

क्र. सं.	कालेज का नाम	डिग्री प्रोग्राम	कुल विद्यार्थी	पुरुष विद्यार्थी		महिला विद्यार्थी		कुल
				संख्या	%	संख्या	%	
1.	कृषि महाविद्यालय इम्फाल, बी एस (सम्मान) कृषि मणिपुर	312	148	47.44	164	52.56	1:1.11	
उप-योग		105	61	58.10	44	41.90	1:0.72	
	पी एच डी (कृषि)	29	09	31.03	20	68.97	1:2.22	
उप-योग		446	218	136.57	228	163.43	1:1.05	
2.	बागवानी एवं वानिकी बी एस सी (सम्मान) बागवानी महाविद्यालय, पासीघाट बी एस सी (सम्मान) वानिकी अरुणाचल प्रदेश	184	63	34.24	121	65.76	1:1.92	
उप-योग		97	48	49.48	49	50.52	1:1.02	
	एम एस सी बागवानी	24	10	41.67	14	58.33	1:1.40	
उप-योग		11	6	54.55	5	45.45	1:0.83	
	पी एच डी	16	6	37.5	10	62.5	1:1.67	
उप-योग		332	133	40.06	199	59.94	1:1.50	
3.	स्नातकोत्तर अध्ययन एम एस सी कृषि महाविद्यालय, बड़ापानी एम बी ए (ए बी एम)	82	43	52.44	39	47.56	1:0.91	
उप-योग		4	3	75	1	25	1:0.33	
	पी एच डी (कृषि)	51	31	60.78	20	39.22	1:0.65	
उप-योग		137	77	56.20	60	43.80	1:0.78	
4.	मात्स्यकी महाविद्यालय बी एफ एस सी लेंबूचेरा, त्रिपुरा एम एफ एस सी	143	57	39.86	86	60.14	1:1.51	
उप-योग		52	28	53.85	24	46.15	1:0.86	
	पी एच डी	11	07	63.64	04	36.36	1:0.57	
उप-योग		206	92	44.66	114	55.34	1:1.24	
5.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन बी बी एस सी एवं ए एच महाविद्यालय, सेलेसी एम बी एस सी मिजोरम	305	120	39.34	185	60.66	1:1.54	
उप-योग		102	60	58.82	42	41.18	1:0.70	
	पी एच डी	08	05	62.5	03	37.5	1:0.60	
उप-योग		415	185	44.58	230	55.42	1:1.24	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कालेज का नाम	डिग्री प्रोग्राम	कुल विद्यार्थी	पुरुष विद्यार्थी	महिला विद्यार्थी	कुल		
			संख्या	%	संख्या	%		
6.	कृषि अभियांत्रिकी एवं बी टेक (कृषि अभियांत्रिकी) लवणोपरांत प्रायोगिकी बी टेक (खाद्य प्रायोगिकी) महाविद्यालय, रानीपूल, एम टेक (एफ एम पी) सिक्किम पी एच डी (एफ एम पी)	132 33 22 08	84 16 17 04	63.64 48.48 77.27 50	48 17 05 04	36.36 51.52 22.73 50	1:0.57 1:1.06 1:0.29 1:1.0	
	उप-योग		195	121	62.05	74	37.95	1:0.61
7.	गृह विज्ञान महाविद्यालय बी एस सी सम्मान (सामुदायिक विज्ञान) तुरा, मेघालय बी एस सी (सम्मान) खाद्य पोषण व आहार एम एस सी (सामुदायिक विज्ञान)	103 56 05	Nil Nil Nil	Nil Nil Nil	103 56 05	100% 100% 100%	0:1.0 0:1.0 0:1.0	
	उप-योग		164	Nil	Nil	164	100%	0:1.0
8.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन बी वी एस सी एवं ए एच महाविद्यालय, जलूकी, नागालैंड	102	36	35.29	66	64.71	1:1.83	
	उप-योग		102	36	35.29	66	64.71	1:1.83
9.	कृषि महाविद्यालय बी एस सी (सम्मान) कृषि पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	78	38	48.72	40	51.28	1:1.05	
	उप-योग		78	38	48.72	40	51.28	1: 1.05
10.	कृषि महाविद्यालय बी एस सी (सम्मान) (कृषि) फिरदेमकलई, मेघालय	69	25	36.23	44	63.77	1:1.76	
	उप-योग		69	25	36.23	44	63.77	1: 1.76
11.	बागवानी कालेज थेनजौल, बी एस सी सम्मान (बागवानी) मिजोरम	61	24	39.34	37	60.66	1:1.54	
	उप-योग		61	24	39.34	37	60.66	1: 1.54
12.	बागवानी महाविद्यालय बी एस सी (सम्मान) बागवानी बरमियोक, सिक्किम	68	23	33.82	45	66.18	1:1.96	
	उप-योग		68	23	33.82	45	66.18	1: 1.96
13.	खाद्य प्रायोगिकी कालेज, बी टेक (खाद्य प्रायो.) लैफल मणिपुर	38	18	47.37	20	52.63	1:1.11	
	उप-योग		38	18	47.37	20	52.63	1:1.11
	कुल योग		2311	990	42.84	1321	57.16	1:1.33



2.1.6 स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम 2019-20 के मेधावी छात्र

तालिका 2.1.6(अ): 2019-20 के दौरान विभिन्न कालेजों में स्नातक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम पदधारी

क्र.सं.	कालेज का नाम	विषय	विद्यार्थी का नाम	ओजीपीए
1.	कृषि कालेज, इम्फाल	बी एस सी (कृषि) एम एस सी (कृषि) पी एच डी (कृषि)	सुश्री निकिता लैशराम सुश्री तखेलमयूम मलेंगांबी श्री यांगलेम हेरोजित सिंह	8.71 8.83 8.74
2.	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट	बी एस सी (कृषि) बी एस सी (वानिकी)	सुश्री गेपू न्योराक सुश्री केशाम, विद्यालक्ष्मी	8.75 8.61
3.	मात्स्यकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा, त्रिपुरा	बी एफ एस सी एम एफ एस सी	सुश्री क्रिस्टीना खुंदरकपाम सुश्री पूर्णभद्रा पाल	8.90 9.07
4.	चिकित्सा एवं पशुपालन कालेज सेलेसी, मिजोरम बी.बी.एस.सी. एवं ए.एच	सुश्री युंगी कम्डक		8.61
5.	कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी बी टेक (कृषि अभि.) महाविद्यालय, रानीपूल, सिक्किम	सुश्री करिश्मा युमनाम बी टेक (खाद्य प्रौद्य.)	सुश्री प्ररेणा प्रेयाती	8.92 9.02
6.	सामुदायिक विज्ञान तुरा, मेघालय	बी एस सी (सम्मान) बी एस सी (सम्मान) खाद्य पोषण एवं	तागे अनी फीलीनाभुजेल	9.04 8.47
7.	कृषि महाविद्यालय पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	बी एस सी (कृषि)	सुश्री नंगबाम पुष्परानी	8.48
8.	कृषि कालेज, फिरदेमकुलई, मेघालय	बी एस पी (कृषि)	सुश्री टीएच सरजूबाला देवी	8.96
9.	बागवानी कालेज, बरमियोक सिक्किम	बी एस सी (सम्मान), बागवानी	अफद अकबर	8.78
10.	खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर बीटेक(खाद्य प्रौद्योगिकी)	एन जी स्वीटी चानू		9.09

तालिका 2.1.6(ब): 2019-20 वर्ष के दौरान विभिन्न कालेजों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में विषयवार प्रथम स्थान प्राप्त

क्र.सं.	कालेज का नाम	विषय	विद्यार्थी का नाम	ओजीपीए
1.	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर	सस्य विज्ञान कीट विज्ञान प्रसार शिक्षा बागवानी पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी मृदा विज्ञान	श्री तखेलमयुम मलेंगांबी सुकन्या सुगेजंड सुश्री एस करीनी सुश्री मीकाम चंचा मगूदीसवरी श्री दसरी गोपाल	8.83 8.35 8.04 8.76 8.44 8.21
2.	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, सब्जी विज्ञान पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	फल विज्ञान फल विज्ञान	सुश्री काव्यश्री बी श्री कृपा शंकर सुश्री तारा कोनीया	8.62 8.95 8.18



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	कालेज का नाम	विषय	विद्यार्थी का नाम	ओजीपीए
3.	स्नातकोत्तर अध्ययन कॉलेज, उमियाम, सस्य विज्ञान मेघालय	सुश्री दिव्या आर एस	8.95	
		मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन सुश्री सौजन्या	8.73	
		आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन सुश्री वायोलिना	8.69	
		पादप आण्डीकीय जीवविज्ञान सुश्री सैमिका भट्टाचार्जी एवं जीव प्राद्योगिकी	8.36	
		कीट विज्ञान सुश्री सोनाली नंकंमबम	8.83	
		पादप रोग विज्ञान सुश्री बासवती शर्मा	8.86	
		कृषि अर्थशास्त्र सुश्री मिनाम गमोह	8.74	
		कृषि प्रसार सुश्री संगमीची डी संगमा	8.67	
			7.50	
4.	मात्स्यकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा, त्रिपुरा	जलीय पशु स्वास्थ्य श्री वाई ए मनगांग	8.51	
		जलीय विज्ञान श्री संदीप कुमार बेहरा	8.69	
		मत्स्य प्रसंस्करण प्राद्योगिकी सुश्री बनालता राउत	8.62	
		मत्स्य प्रसार सुश्री बिकाश सिल	8.65	
		मत्स्य आनुवंशिकी व प्रजनन सुश्री अनन्या खाटी	8.90	
		मत्स्य संसाधन प्रबंधन सुश्री रितुपर्णा सस्माल	9.05	
5.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, पशुचिकित्सा मादा विज्ञान सेलेसी, मिजोरम	गृशा त्रेशाबीनी	8.66	
		पशुचिकित्सा रसायन औषधि प्रसेनजित देबनाथ	8.43	
		पशुचिकित्सा रोग विज्ञान किरण जे.	8.57	
		पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान ललरेम अआता	8.10	
		पशुचिकित्सा शल्य चिकित्सा निर्मली शर्मा	8.51	
		पशुचिकित्सा लोक स्वास्थ्य एच वनलाल रुआई	8.00	
		पशुचिकित्सा आनुवंशिकी व काहियों कैसीआ प्रजनन	8.59	
		पशुचिकित्सा पोषण वैशाख वीपी	8.63	
		पशुधन उत्पादन व प्रबंधन नंद कुमार रौय	8.09	
		पशुधन उत्पाद तकनीक चंदना सोनोबाल	8.12	
		पशुचिकित्सा प्रसार के जोशुआ कठ	8.06	
6.				
7.				

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



तालिका 2.1.6(स): 2019-20 के दौरान विभिन्न कालेजों में पीएचडी प्राप्त विद्यार्थी

क्र.सं.	कालेज का नाम	विषय	विद्यार्थी का नाम	जीपीए
1.	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल		-	
		पादप रोग	श्री हेरोजित सिंह	8.74
		मृदा विज्ञान	सुश्री निवेदिता ओइनाम	7.74
2.	स्नातकोत्तर उच्चयन महाविद्यालय, मृदा विज्ञान बड़पाटी, मेघालय		सुश्री योवनरिदा लिंगडोह	8.06
		आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	श्री तलोमदाबी	7.73
			श्री नवीन कुमार के एल	7.89
		पादप आण्वीकीय जीव विज्ञान	करमा भूटिया	8.22
			बिल्ली चेरियन	7.65
		पादप रोग विज्ञान	सुश्री जनशेम तरियोग	8.51
			सुश्री मारकी दहुनबियाम	8.56
		कृषि अर्थशास्त्र	नरेंद्र मीना	8.10
			निवेतीनाल लाइतोंजाम	8.21
		कृषि प्रसार	साओइवालवेल डरवार	8.27
			ज्योति एस एस पी	8.37
			टरमरिक ओइनाम	8.28
			दीपा थंगजाम	9.02
3.	पशुचिकित्सा कालेज सेलेसी, पशुचिकित्सा जैव रसायन मिजोरम		अंकण डे	9.26
		पशुचिकित्सा औषधि	मोनीश ठांकुर	8.20

तालिका 2.1.7: विद्यार्थियों को प्रदत्त छात्रवृत्ति 2019-20 (एनटीएस/विश्वविद्यालय मेघा छात्रवृत्ति/अन्य)

क्र. सं.	कॉलेज का नाम	डिग्री कार्यक्रम	वर्ष	विद्यार्थी संख्या	विश्वविद्यालय मेघा छात्रवृत्ति/अध्येतावृत्ति	अन्य छात्रवृत्ति
				एन टी एस	प्राप्त विद्यार्थी संख्या	
1.	कृषि कालेज, इम्फाल	बी एस सी, कृषि प्रथम वर्ष	6	-	-	-
		द्वितीय वर्ष	4	-	-	-
		तृतीय वर्ष	2	-	-	-
		चतुर्थ वर्ष	3	-	-	-
		एम एस सी, कृषि प्रथम वर्ष	10	32	2	
		द्वितीय वर्ष	9	24	1	
	पी एच डी	प्रथम वर्ष	-	8	-	
		द्वितीय वर्ष	-	5	-	
		तृतीय वर्ष	-	4	-	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कॉलेज का नाम	डिग्री कार्यक्रम	वर्ष	विद्यार्थी संख्या	विश्वविद्यालय मेघा छात्रवृत्ति/अध्येतावृत्ति प्राप्त विद्यार्थी संख्या	अन्य छात्रवृत्ति
2.	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट	बी एस सी, बागवानी	प्रथम वर्ष	4	1 (यू एम एस)	-
			द्वितीय वर्ष	9	1 (यू एम एस)	-
			तृतीय वर्ष	1	1 (यू एम एस)	-
			चतुर्थ वर्ष	2	1 (यू एम एस)	-
		बी एस सी, वानिकी	प्रथम वर्ष	2	1 (यू एम एस)	-
			द्वितीय वर्ष	1	1 (यू एम एस)	-
			तृतीय वर्ष	1	1 (यू एम एस)	-
			चतुर्थ वर्ष		1 (यू एम एस)	-
		एम एस सी, वानिकी	प्रथम वर्ष		4 (यू आइ एफ)	-
			द्वितीय वर्ष		3 (यू आइ एफ)	-
		एम एस सी, बागवानी	प्रथम वर्ष	2	9 (यू आइ एफ)	-
			द्वितीय वर्ष	2	10 (यू आइ एफ)	-
		पी एच डी, बागवानी	प्रथम वर्ष		4 (यू आइ एफ)	-
			द्वितीय वर्ष		4 (यू आइ एफ)	-
			तृतीय वर्ष		4 (यू आइ एफ)	-
3.	स्नोतकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय बड़ापानी, मेघालय	एम एस सी, कृषि	प्रथम वर्ष	8	16	-
			द्वितीय वर्ष	16	22	3 (भारत अफ्रीका फेलोशिप)
		एम बी ए	प्रथम वर्ष	-	-	
			द्वितीय वर्ष	-	-	1 (पी जी अ जा/ अ ज ज)
		पी एच डी	प्रथम वर्ष	-	9	1 (भा.कृ.अ.प एस आर एम)
			द्वितीय वर्ष	-	4	4 अ ज जा 2 भा.कृ.अ.प एस आर एम
			तृतीय वर्ष	-	3	1 अ ज जा 2 आई सी एस एस आर
			चतुर्थ वर्ष	-	-	3 एन एफ शी
			पंचम वर्ष			1 आई सी एस आर
						1 जे एन एफ

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र. कॉलेज का नाम सं.	डिग्री कार्यक्रम	वर्ष	विद्यार्थी संख्या एन टी एस	विश्वविद्यालय मेघा छात्रवृति/अध्येतावृति प्राप्त विद्यार्थी संख्या	अन्य छात्रवृति
					4 (एन एफ शी अ ज ज)
					1 (एन एफ शी अ ज ज)
					1 (यू सी शी अ जज)
		छठा वर्ष	-	-	3 (एन एफ शी अ ज ज)
4. मात्स्यकी महाविद्यालय, बी एफ एस सी लंबूचेरा, त्रिपुरा	प्रथम वर्ष	2	1	-	
	द्वितीय वर्ष	2	1	-	
	तृतीय वर्ष	1	1	8 (यू जी सी इशान, उदय अध्येतावृति)	
	चतुर्थ वर्ष	-	1	5 (यू जी सी इशान उपय अध्येतावृति)	
	एम एफ एस सी	प्रथम वर्ष	6	26	3 (भा.कृ.अ.प.जे. एफ अध्येतावृति)
		द्वितीय वर्ष	4	13	5 (भा.कृ.अ.प.जे. एफ अध्येतावृति)
पी एच डी	प्रथम वर्ष	-	4	-	
	द्वितीय वर्ष	-	3	एन एफ ओ बी पा अध्येतावृति	
	तृतीय वर्ष	-	-	डी एस टी इ अध्येतावृति	
5. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन बी वी एस सी महाविद्यालय सेलेसी	प्रथम वर्ष	3	1	-	
	द्वितीय वर्ष	3	1	-	
	तृतीय वर्ष	1	1	-	
	चतुर्थ वर्ष	-	1	-	
एम वी एस सी	प्रथम वर्ष	4	23	-	
	द्वितीय वर्ष	7	33	-	
पी एच डी	प्रथम वर्ष	2	2	-	
	द्वितीय वर्ष	2	1	-	
	तृतीय वर्ष	-	-		



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कॉलेज का नाम	डिग्री कार्यक्रम	वर्ष	विद्यार्थी संख्या एन टी एस	विश्वविद्यालय मेघा छात्रवृत्ति/अध्येतावृत्ति प्राप्त विद्यार्थी संख्या	अन्य छात्रवृत्ति
6.	कृषि अभियांत्रिकी कालेज, बी टेक (कृषि अभिः) रानीपूल	प्रथम वर्ष	9	1 विश्व.मेघा छात्रवृत्ति (यू एम एस)	-	
		द्वितीय वर्ष	6	1 यू एम एस	10 एन एस पी 5 राज्य अहयेता 1 इशान उदय	
		तृतीय वर्ष	4	1 यू एम एस	6 अल्पसंख्यक 2 राज्य अहयेता 3 ओ बी सी 1 मैट्रिक पश्चात	
		चतुर्थ वर्ष	6	1 यू एम एस	7 एन एस पी 11 राज्य अहयेता 6 इशान उदय	
	बी टेक (खाद्य प्रौद्योगिकी)	प्रथम वर्ष	1	1 यू एम एस	-	
		द्वितीय वर्ष	3	1 यू एम एस	1 इशान उदय	
		तृतीय वर्ष	-	1 यू एम एस	1 राज्य अहयेता	
		चतुर्थ वर्ष	-	1 यू एम एस	1 राज्य 1 इशान उदय	
	एम टेक (एफ एम पी ई)	प्रथम वर्ष	-	-	-	
		द्वितीय वर्ष	2	-	-	
	एम टेक (एस डब्लू सी ई)	प्रथम वर्ष	-	2 विश्वविद्यालय अध्येतावृत्ति	-	
		द्वितीय वर्ष	2	2 विश्वविद्यालय अध्येतावृत्ति	-	
	एम टेक पी एफ ई	प्रथम वर्ष	-	2 यू आइ एफ	-	
		द्वितीय वर्ष	1	1 यू आइ एफ	-	
	एम टेक (आइ डी ई)	प्रथम वर्ष	-	1 यू आइ एफ	-	
	एम टेक (आइ डी ई)	प्रथम वर्ष	-	1 यू आइ एफ	-	
	पी एच डी एफ	प्रथम वर्ष	-	2 यू आइ एफ	-	
	एम पी ई	द्वितीय वर्ष	-	-	-	
		तृतीय वर्ष	-	-	-	
	पी एच डी पी	प्रथम वर्ष	-	1 यू आइ एफ	-	
	एफ ई	द्वितीय वर्ष	-	1 यू आइ एफ	-	
		तृतीय वर्ष	-	-	-	
	पी एच डी एस	प्रथम वर्ष	-	-	-	
	डब्लू सी ई	द्वितीय वर्ष	-	1 यू आइ एफ	-	
		तृतीय वर्ष	-	-	-	

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र. कॉलेज का नाम सं.	डिग्री कार्यक्रम	वर्ष	विद्यार्थी संख्या एन टी एस	विश्वविद्यालय मेघा छात्रवृति/अध्येतावृति प्राप्त विद्यार्थी संख्या	अन्य छात्रवृति
7. बी एस सी सामुदायिक बी एस सी विज्ञान	सामुदायिक विज्ञान	प्रथम वर्ष	-	01	अ ज जा-9 ओ बी सी-5
		द्वितीय वर्ष	-	01	एस टी-17, ओ बी सी-2, एस सी-1
		तृतीय वर्ष	-	01	एस टी-3, इशान उदय 2, ओ बी सी 2, एन एसी 2
		चतुर्थ वर्ष	-	01	ओ बी सी-1 एस टी-5
	बी एस सी खाद्य पोषण	प्रथम वर्ष	-	01	एस टी-7 ओ बी सी-5
		द्वितीय वर्ष	-	01	एस टी-17, ओ बी सी-2, एस सी-1
		तृतीय वर्ष	-	01	एस टी-3 ओ बी सी-1
		चतुर्थ वर्ष	-	01	ओ बी सी-2 एस टी-5 एस सी-1
	एम एस सी खाद्य विज्ञान एवं पोषण	द्वितीय वर्ष	-	02	-
	एम एस सी प्रसार एवं सूचना प्रबंधन		-	01	-
8. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन बी वी एस सी कालेज, जलूकी नगालैंड एवं ए एच	प्रथम वर्ष	-	1 (मेघा)	21 राज्य छात्रवृति	
	द्वितीय वर्ष	-	1 (मेघा)	21 राज्य छात्रवृति	
	तृतीय वर्ष	-	1 (मेघा)	21 राज्य छात्रवृति	
	चतुर्थ वर्ष	-	1 (मेघा)	24 राज्य छात्रवृति	
	पंचम वर्ष	-	-	-	
9. कृषि कालेज, पासीघाट, बी एस सम्मान अरुणाचल प्रदेश (कृषि)	प्रथम वर्ष	-	1	-	
	द्वितीय वर्ष	-	1	2 मैट्रिक पश्चात	
	तृतीय वर्ष	-	1	2 ओ बी सी एवं मैट्रिक बाद	
	चतुर्थ वर्ष	-	1	-	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कॉलेज का नाम	डिग्री कार्यक्रम	वर्ष	विद्यार्थी संख्या	विश्वविद्यालय मेघा छात्रवृति/अध्येतावृति प्राप्त विद्यार्थी संख्या	अन्य छात्रवृति
10.	कृषि कालेज, किरदेमकुलई बी एस सी कृषि	प्रथम वर्ष	0	1	-	
		द्वितीय वर्ष	0	1	मेघालय राज्य छात्रवृति: 4 मणिपुर राज्य छात्रवृति: 3 नगालैड़ राज्य छात्रवृति: 2 मिजोरम राज्य छात्रवृति: 2 ईशान उदय: 1	
		तृतीय वर्ष	0	1	मेघालय राज्य छात्रवृति: 4 मणिपुर राज्य छात्रवृति: 3 मिजोरम राज्य छात्रवृति: 1 ईशान उदय: 2	
		चतुर्थ वर्ष	1	1	मणिपुर राज्य: 1 नगालैड़: 0 मिजोरम: 2 अरुणाचल: 2 ईशान उदय: 3	
11.	बागवानी कालेज, थेंजोल बी एस सी बागवानी सम्मान	पंचम वर्ष	-	-	-	
		प्रथम वर्ष	0	1	0	
		द्वितीय वर्ष	0	1	10	
		तृतीय वर्ष	0	1	13	
		चतुर्थ वर्ष	1	1	14	
		पंचम वर्ष	-	-	-	
12.	बागवानी कालेज, बरमियोक, सक्किम	बी एस सी सम्मान (बाग.)	प्रथम वर्ष	-	-	-
			द्वितीय वर्ष	-	-	राज्य छात्रवृति-1
			तृतीय वर्ष	-	-	राज्य छात्रवृति-3, ओ बी सी छात्रवृति-2, एस टी-1
			चतुर्थ वर्ष	-	2 राष्ट्रीय मेघा छात्रवृति	ईशान उदय-2 एन पी एस-2 राज्य एस टी-1 एन इ सी छात्रवृति-1

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र. सं.	कॉलेज का नाम	डिग्री कार्यक्रम	वर्ष	विद्यार्थी संख्या एन टी एस	विश्वविद्यालय मेघा छात्रवृति/अध्येतावृति प्राप्त विद्यार्थी संख्या	अन्य छात्रवृति
13.	खाद्य प्रोद्योगिकी महाविद्यालय, इम्फाल	बी टेक (एफ टी)	प्रथम वर्ष द्वितीय वर्ष तृतीय वर्ष चतुर्थ वर्ष	- - - 1	1 1 1 1	- - - -

तालिका 2.1.8: 2019-20 के दौरान उत्तीर्ण राष्ट्रीय स्तर परीक्षायें (जे आर एफ/नेट/ए आर एस/गेट/कैट/अन्य)

क्र.सं.	कालेज का नाम	परीक्षा	विद्यार्थी संख्या	उत्तीर्ण विद्यार्थी
1.	कृषि कालेज, इम्फाल	जे आर एफ एस आर एफ नेट ए आर एस	50 47 - -	उत्तीर्ण: 2 प्राप्त: 2 उत्तीर्ण: 2 प्राप्त: 2 4 5
2.	बागवानी एवं वानिकी कालेज, पासीघाट			उत्तीर्ण: 2 प्राप्त: 2
3.	स्नातकोत्तर अध्ययन कालेज, बड़ापानी, एस आर एफ मेघालय	27 नेट ए आर एस यूजीसी नेट सी एस आई आर नेट	27 20 15 5 5	उत्तीर्ण: 9 प्राप्त: 3 5 1 1 2
4.	मातिस्यकी कालेज, लेंबूचेरा, त्रिपुरा	जे आर एफ एस आर एफ नेट एस आर एफ	23 01 15 3	उत्तीर्ण: 23 प्राप्त: 3 जे आर एफ, 6 संस्थागत अध्येतावृति सीफे उत्तीर्ण: 1 प्राप्त: 1 10 उत्तीर्ण: 1
5.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जे आर एफ सेलेसी, मिजोरम	25 एस आर एफ	25 3	उत्तीर्ण: 25 प्राप्त: 2 उत्तीर्ण: 3 प्राप्त:



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	कालेज का नाम	परीक्षा	विद्यार्थी संख्या	उत्तीर्ण विद्यार्थी
6.	कृषि अभियांत्रिकी कालेज, रानीपूल	जे आर एफ एस आर एफ नेट ए आर एस गेट	26 1 1 1 10	उत्तीर्ण: 21 प्राप्त: 0 उत्तीर्ण: 0 प्राप्त: 0 6
7.	सामुदायिक विज्ञान कालेज, तुरा, मेघालय	जे आर एफ नेट	21	• भा.कृ.अ.प.-जे आर एफ में सामान्य वर्ग में सुश्री डी बरनिस इरवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। • 21 विद्यार्थियों ने प्रवेश परामर्श हेतु उत्तीर्णता पाई • 8 विद्यार्थियों ने सीट पाया • 2 विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति पाई एक पूर्व छात्रा सुश्री जेलांग संगमा जो सू ए एस बंगलूरु में खाद्य विज्ञान एवं पोषण विभाग में पी एच डी कर रही हैं भा.कृ.अ.प.-एस आर एफ एवं नेट 2019 में अखिल भारतीय स्तर पर सामान्य 19 एवं एस टी में प्रथम स्थान पाया।
8.	कृषि कालेज, पासीघाट	जे आर एफ	19	19 ने बगैर छात्रवृत्ति प्राप्त किया
9.	कृषि कालेज, किरदमकुलई	जे आर एफ	1	उत्तीर्ण: 0 प्राप्त: 1
10.	खाद्य प्रौद्योगिकी कालेज, इम्फाल	गेट	8	2

तालिका 2.1.9 2019-20 के दौरान विभिन्न पदों/संस्थाओं में उत्तीर्ण छात्रों का पदस्थापन

क्र.सं.	कालेज का नाम	परीक्षा	उत्तिर्णता वर्ष	उत्तीर्ण विद्यार्थी	
1.	कृषि कालेज	हिसनाम बीदेस्वरी सुकन्या सौगाइजाम नेट ए आर एस	2018 2019 - -	उत्तीर्ण: 2 उत्तीर्ण: 2 4 5	
2.	स्नातकोत्तर अध्ययन एम हेमोशरी देवी कालेज, बड़ापानी, मेघालय	एम हेमोशरी देवी एल सानाजाओबा सिहं बापसिला लोइतोंगबाम सामबोरलांग के वनिआंग मयालंगलंबाम विक्टोरिया देवी मेघना गोगोइ बिदिशा बोरपात्रागोहेन	2019 2012 2015 2017 2017 2017 2018	भा.कृ.अ.प. के.कृ.वि.; इम्फाल के.कृ.वि.; इम्फाल के.कृ.वि.; इम्फाल के.कृ.वि.; इम्फाल कृषि विभाग, असम कृषि विभाग, असम	ए आर एस सहा. प्रोफेसर सहा. प्रोफेसर सहा. प्रोफेसर सहा. प्रोफेसर ए डी ओ ए डी ओ

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र.सं.	कालेज का नाम	परीक्षा	उत्तिर्णता वर्ष	उत्तीर्ण विद्यार्थी
	दिव्या आर एस		2019	तमिलनाडू ए ओ
	लिशांगथेम गीतारानी देवी		2016	के.कृ.वि; इम्फाल सहायक प्रोफेसर
	खुमुकचन स्तना		2017	के.कृ.वि; इम्फाल सहायक प्रोफेसर
	दायोहिमी रिम्बई		2017	के.कृ.वि; इम्फाल सहायक प्रोफेसर
	मोनिका हेजोंग			
	तालोमदाबी		2019	अरुणाचल प्रदेश एच डी ओ
	प्रेमाराध्या एन		2019	के.कृ.वि; इम्फाल सहा. प्रोफेसर
	सपम राजेश कुमार सिंह			के.कृ.वि; इम्फाल सहा. प्रोफेसर
	भाश्वती शर्मा		2019	कृषि विभाग, असम ए डी ओ
	पुखरम भूमिता		2010	के.कृ.वि; इम्फाल सहा. प्रोफेसर
	युमनाम बिजिलक्ष्मी		2012	आर पी सी ए यू. सहा. प्रोफेसर समस्तीपुर
	लालरिन संगपुइ		2011	के.कृ.वि; इम्फाल सहा. प्रोफेसर
	समीर मेघी		2017	कृषि विभाग, असम ए डी ओ
	आशीष राय		2018	आर पी सी ए यू. प्रयोगशाला समस्तीपुर टेक्नीशियन
3.	मात्स्यकी कालेज, श्री रोहन सिन्हा लंबूचेरा, त्रिपुरा		2019	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक प्रोबेशनरी अधिकारी
	श्री एफ वानलालफेला		2017	मात्स्यकी विभाग, मिजोरम मात्स्यकी अधिकारी
	श्री दुचेन लेप्चा		2017	मात्स्यकी विभाग, सिक्किम सहा. निदेशक
	सुश्री जमुआनसांगी		2017	मिजोरम मात्स्यकी अधिकारी
	श्री नितेश गुरुंग		2016	सिक्किम मात्स्यकी अधिकारी
	सुश्री बुल्लो अंगका		2016	अरुणाचल प्रदेश मात्स्यकी अधिकारी
	सुश्री अलीशा देब बर्मा		2016	एम ए एफ एस यू उदगिर सहा. प्रोफेसर
	सुश्री नेरिआंग जमोह		2016	अरुणाचल प्रदेश मात्स्यकी अधिकारी
	सुश्री नरिंग तमिंग		2016	अरुणाचल प्रदेश मात्स्यकी अधिकारी
	सुश्री श्री विद्या वाइखोम		2015	के वी के, इम्फाल एस एम एस



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	कालेज का नाम	परीक्षा	उत्तिर्णता वर्ष	उत्तीर्ण विद्यार्थी
	सुश्री बामची मारक		2015	मात्स्यकी विभाग मेघालय सरकार मात्स्यकी निरीक्षक
	सुश्री अनुश्री दास		2013	मात्स्यकी विभाग मेघालय सरकार मात्स्यकी अधिकारी
	श्री सबेश्वर कचारी		2013	मात्स्यकी निरीक्षक
	श्री ए रावत		2015	आइ सी आइ सी आई बैंक प्रोग्राम मैनेजर
	श्री एस जॉय मोनसांग		2015	सी ए यू पशुधन/फार्म मैनेजर
	श्रीमती समशेषबाम गीता		2013	पी डी डी ए यू पशुधन/फार्म मैनेजर
	सुश्री असेम लेंबका देवी		2016	सी ए यू सहा. प्रोफसर
	श्री चक्रपाणी पेगु		2018	मात्स्यकी विभाग, असम सरकार मात्स्यकी विकास अधिकारी
4.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, सेलेसी	डा. रोशन पिरथावर	2018	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, सिक्किम पशुचिकित्सा अधिकारी
		डा. सिद्धांत प्रधान	2016	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, सिक्किम पशुचिकित्सा अधिकारी
		डा. अश्विनी प्रधान	2018	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, सिक्किम पशुचिकित्सा अधिकारी
		डा. वांगचुक डोरजी भूटिया	2017	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, सिक्किम पशुचिकित्सा अधिकारी
		डा. प्रीती राय	2018	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, सिक्किम पशुचिकित्सा अधिकारी
		डा. देवेन्द्र मनगर	2018	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, सिक्किम पशुचिकित्सा अधिकारी
		डा. कुन्जांग गुरुंग	2016	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, सिक्किम पशुचिकित्सा अधिकारी
		डा. प्रमद गुरुंग	2017	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, सिक्किम पशुचिकित्सा अधिकारी
		रयान जुविल्सन खरबीह	2017	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, मेघालय पशुचिकित्सा अधिकारी
		मोनिका बेल बसइमोत	2017	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, मेघालय पशुचिकित्सा अधिकारी
		मनोरिशा मारी	2017	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, मेघालय पशुचिकित्सा अधिकारी
		लकी जुलिस संगमा	2017	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, मेघालय पशुचिकित्सा अधिकारी
		जसरंग डब्लू मोमिन	2017	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, मेघालय पशुचिकित्सा अधिकारी

शिक्षा एवं छात्र कल्याण



क्र.सं.	कालेज का नाम	परीक्षा	उत्तिर्णता वर्ष	उन्नीर्ण विद्यार्थी
	इबानरिहुन नोंगलांग		2017	पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग, मेघालय अधिकारी
	डा. नैन्सी लालडिपुर्झ			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. आर मंदाकिनी देवी			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. महेश सिंह			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. रितिका			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. शशितोला			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. भूमापति			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. तुकेश्वर			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. अभिशेक पॉल			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. राम दास			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. अभिजीत डेका			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. ध्रवज्योति बोरपुजारी			प. चि. एवं प. पा. सी सहायक प्रोफेसर ए. यू. सेलेसी
	डा. जोनाथम लालरेंसांगा		2018	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी
	डा. एम एस डौनलिआना		2015	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी
	डा. पी एल लालरुआतफेल		2009	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी
	डा. जॉर्ज मार्टिन लालरुआतफेल		2018	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी
	डा. लालथनसंगा खिअंगते		2012	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी
	श्री इलुहीबी		2019	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी
5.	कृषि अभियांत्रकी एवं सुश्री मनीषा छेत्री सस्योपरांत प्रौद्योगिकी कालेज, रानीपूर		2019	सी. जी. फूड्स इंडिया प्रशिक्षु अभियंता प्रा. लि. रंगपो, सिक्किम (गुणवत्ता विभाग)



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	कालेज का नाम	परीक्षा	उत्तिर्णता वर्ष	उत्तीर्ण विद्यार्थी
6.	सामुदायिक विज्ञान निकिता आर एस टी संगमा कालेज, तुरा, मेघालय	लेनिंदी देवी सोराइसाम	2016	आइ सी डी एस प्रखंड परियोजना सहायक
		युमखडबाम आनंदी देवी	2016	प्रवबती कालेज, इम्फाल, सहायक प्रोफेसर मणिपुर
		लोंगजाम प्रियदर्शनी	2011	उच्च माध्यमिक शिक्षा विभाग, मणिपुर व्याख्याता
		नेमनुनहोई हाओकिप	2012	उच्च माध्यमिक शिक्षा विभाग, मणिपुर व्याख्याता
		एन कपाइनी बसेना	2012	उच्च माध्यमिक शिक्षा विभाग, मणिपुर व्याख्याता
		अदुआना पामी	2012	उच्च माध्यमिक शिक्षा विभाग, मणिपुर व्याख्याता
		एस खोलथियान पुर्झ	2016	उच्च माध्यमिक शिक्षा विभाग, मणिपुर व्याख्याता
		रंजीता तखलेमबाम	2016	
		दहुन मसर	2014	सामुदायिक विज्ञान एस आर एफ कालेज, तुरा
		मिकिमची जी मोमिन	2016	कुशल प्रयोगकर्ता, आइ आर पी
		वी संगा सिलरे एन संगमा	2016	युवा व्यवसायी तुरा, मेघालय
		ब्राइटी ए संगमा	2016	युवा व्यवसायी तुरा, मेघालय
		निकराची सी एच संगमा	2016	युवा व्यवसायी तुरा, मेघालय
		लिङ्गया सी एच मोमिन	2004	युवा व्यवसायी तुरा, मेघालय
		सेंगारिमे सी एच मारक	2016	नर्सरी स्कूल प्रयोगशाला शिक्षक सी ए यू, तुरा, मेघालय
		स्टीफेनी के संगमा	2016	तुरा पब्लिक स्कूल, शिक्षक मेघालय
7.	कृषि कालेज किरदेमकुलई	श्री राजा गराम	2019	आत्मा अरुणाचल प्रदेश



2.2 पुस्तकालय सेवाएं

विश्वविद्यालय के सभी संघटक कालेजों में सुसज्जित पुस्तकालय हैं जो कालेज के विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारियों को अपनी सेवा प्रदान करते हैं। पुस्तकालय में ई संसाधन जैसे कोहा ऑनलाइन पुस्तकालय, आईपी आधारित शैक्षणिक ई जर्नल एवं अन्य ई साहित्य हैं। इसके साथ पुस्तकालय विभिन्न संस्थाओं से समाचार-पत्र, वार्षिक रिपोर्ट, बुलेटिन आदि प्राप्त कर रहा है। पुस्तकालय संदर्भ सेवा प्रदान करता है। पुस्तकालय की सभी कार्यवाही लिब्रसिस 4 तथा ओपीएसी सुविधाओं से कम्प्यूटरीकृत है। पुस्तकालय की पहुंच सेरा तथा इंडियन एग्री स्टेट कन्सोरटियम

तक भी है। फोटोकापी की सुविधा भी पुस्तकालय में उपलब्ध है। पुस्तकों, थेसिस, जर्नल, पत्रिकाओं तथा अन्य पाठ्य सामग्री उनके व्यय सहित निम्नांकित है।



2.2.1 कृषि महाविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर



पुस्तकालय में विद्यार्थी जर्नल एवं पुस्तके पढ़ते हुए

क्र. सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय
i.	पुस्तकें (कुल)	20724	
ii.	थेसिस (संदर्भ खण्ड)	1454	
iii.	जर्नल		
	अ) भारतीय जर्नल	112	
	ब) अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	19	
	स) कुल सजिल्ड जर्नल	1193	
iv.	प्रसिद्ध पत्रिकायें	10	
v.	समाचार पत्र		



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

अ) राष्ट्रीय समाचार पत्र	Nil
ब) स्थानीय समाचार पत्र	Nil
समाचार पत्र पर कुल व्यय	6,200.00

2019-20 के दौरान शैक्षणिक पुस्तकों की खरीद

क्र.सं.	शीर्षक संख्या	प्रतियों की संख्या	व्यय (₹)
1	162	191	1,52,000.00

2.2.2. मातियकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा, त्रिपुरा



क्र. सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय (₹)
i.	पुस्तकें (कुल)	8627	1,41,07,939.00
ii.	थेसिस (संदर्भ खण्ड)	145	
iii.	जर्नल	5	12,750.00
	अ) भारतीय जर्नल	5	12,750.00
iv.	प्रसिद्ध पत्रिकायें	17	22,971.00
v.	समाचार पत्र	05	11,117.00
	अ) राष्ट्रीय समाचार पत्र	03	8,165.00
	ब) स्थानीय समाचार पत्र	02	2,952.00
	समाचार पत्र व पत्रिकाओं पर कुल व्यय	22	34,088.00



2.2.3 बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, असूणाचल प्रदेश



क्र.सं.	पुस्तकालय संग्रह	प्रति संख्या	व्यय (₹)
i.	पुस्तके (कुल) 2018-19 में व्यय (बागवानी कालेज कृषि कालेज कुल पुस्तके)	15587	1,44,794.00
ii.	थेसिस (संदर्भ खण्ड)	70	
iii.	जर्नल अ) भारतीय जर्नल (2019-20) ब) अंतर्राष्ट्रीय जर्नल बागवानी सारांश 2013-16 -विदेशी जर्नल -एकटा हैरटीकल्चर कुल बागवानी विज्ञान सार 2006 से 2012 सी डी रैम डाटा 1972-2005	17	54,850.00
		48	
		19 Vol. 134	
		72	
		48	
	कुल सजिल्ड जर्नल	560	
iv.	प्रसिद्ध पत्रिकाये	4	
v.	समाचार पत्र अ) राष्ट्रीय समाचार पत्र ब) स्थानीय समाचार पत्र	3	
	समाचार पत्र व पत्रिकाओं पर कुल व्यय	3	
			9,168.00

2019-20 के दौरान खरीदी गई शैक्षणिक पुस्तकें

क्र.सं.	शीर्षक	प्रतियों की संख्या	व्यय
1	66	128	143208.00 ₹.



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

2.2.4 पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, सेलेसी, मिजोरम

क्र. सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय (₹)
i.	पुस्तके (कुल)	10301	96,473.97
ii.	थेसिस (संदर्भ खण्ड)	179	
iii.	जर्नल		
	अ) भारतीय जर्नल	13	41952.00
	ब) अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	-	
	स) कुल सजिल्ड जर्नल	354	
iv.	प्रसिद्ध पत्रिकायें	04	
v.	समाचार पत्र		
	अ) राष्ट्रीय समाचार पत्र	04	
	ब) स्थानीय समाचार पत्र	-	
	समाचार पत्र व पत्रिकाओं पर कुल व्यय		32,196.00

2019-20 के

क्र.सं.	शीर्षक	प्रतियों की संख्या	व्यय
1		30	Rs. 96,473.97





2.2.5 कृषि अभियांत्रिकी एवं लवणोपरांत महाविद्यालय, रानीपूल



क्र. सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय (₹)
i.	पुस्तके (कुल)	7654	83,93,214.00
ii.	थेसिस (संदर्भ खण्ड)	247	-
iii.	जर्नल		
	अ) भारतीय जर्नल	03	-
iv.	प्रसिद्ध पत्रिकायें	08	16,865.00
v.	समाचार पत्र	05	12,014.00
	अ) राष्ट्रीय समाचार पत्र	03	
	ब) स्थानीय समाचार पत्र	02	
	समाचार पत्र व पत्रिकाओं पर कुल व्यय		28,879.00

2019-20 के दौरान खरीदी गई शैक्षणिक पुस्तकें

क्र.सं.	शीर्षक	प्रतियों की संख्या	व्यय
1		96	25953.00

2.2.6 गृह विज्ञान महाविद्यालय, तुरा, मेघालय

क्र. सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय (₹)
i.	पुस्तके (कुल)	6822	1,57,808.00
ii.	थेसिस (संदर्भ खण्ड)	02	-
iii.	जर्नल		
	अ) भारतीय जर्नल	08	20,120.00
	ब) अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	01	3,000.00
iv.	प्रसिद्ध पत्रिकायें	11	
v.	समाचार पत्र		



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय (₹)
	अ) राष्ट्रीय समाचार पत्र	03	
	ब) स्थानीय समाचार पत्र	01	
	समाचार पत्र व पत्रिकाओं पर कुल व्यय		20, 528.00

2019-20 के दौरान खरीदी गई शैक्षणिक पुस्तकें

क्र.सं.	शीर्षक	प्रतियों की संख्या	व्यय
1.		27	1,57,808.00

2.2.7. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जलूकी, नगालैंड

क्र.सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय (₹.)
i.	पुस्तकें	1130	1410335.00
ii.	समाचार पत्र	03	03.00
	अ) स्थानीय समाचार पत्र	03	03.00
	समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं पर कुल व्यय	08	730.00
iii	विविध	-	1200.00

2019-20 के दौरान खरीदी गई शैक्षणिक पुस्तकें

क्र.सं.	शीर्षक	प्रतियों की संख्या	व्यय (₹.)
1		142	378066.60

2.2.8 स्नातकोत्तर अध्ययन कालेज, उमियाम, मेघालय

क्र. सं.	पुस्तकालय संग्रह	कुल संग्रह	व्यय (₹.)
1.	पुस्तकें (कुल)	5410	14336.00
2.	थेसिस (संदर्भ खण्ड)	378	-
3.	जर्नल		
	अ) भारतीय जर्नल	20	68786.00
4.	प्रसिद्ध पत्रिकायें	8	
5.	समाचार पत्र	8	
	अ) राष्ट्रीय समाचार पत्र	5	
	ब) स्थानीय समाचार पत्र	3	
	समाचार पत्र व पत्रिकाओं पर कुल व्यय		31438.00



2.2.9. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

क्र.सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय (रु.)
i.	पुस्तके (कुल) कृषि कालेज कुल पुस्तके	15587 ----- 977	
ii.	थेसिस (संदर्भ खण्ड) एम एस सी (पी जी)	70	
iii.	जर्नल		
	अ) भारतीय जर्नल	17	54850.00
	अंतराष्ट्रीय जर्नल		
	बागवानी सारांश 2013 से 2016	48	
	- विदेशी जर्नल	19 Vol.	
	- बागवानी	134	
	बागवानी सारांश 2006 से 2011	72	
	सी डी रोम आंकड़े 1972 से 2005	48	
	ब) कुल सजिल्ड जर्नल	560	
iv.	प्रसिद्ध पत्रिकाएं	4	
v.	समाचार पत्र		
	अ. राष्ट्रीय समाचार पत्र	3	
	ब. स्थानीय समाचार पत्र	3	
	समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं पर कुल व्यय		6985.00

2019-20 के दौरान खरीदी गई शैक्षाणिक पुस्तकें

क्र.सं.	शीर्षक	प्रतियों की संख्या	व्यय (रु.)
1		173	16,915.00

2.2.10. बागवानी महाविद्यालय, बरमियोक, सिक्किम

क्र.सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय (रु.)
i.	पुस्तके (कुल)	1522	3,19,811.00
ii.	जर्नल		
	अ. भारतीय जर्नल	01	-

2019-20 के दौरान खरीदी गई शैक्षाणिक पुस्तकें

क्र.सं.	शीर्षक	प्रतियों की संख्या	व्यय (रु.)
1		917	815264.78



2.2.11. खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इम्फाल

क्र.सं.	पुस्तकालय संग्रह	संख्या	व्यय (रु.)
i.	पुस्तकें (कुल)	1427	3,37657.00
ii.	प्रसिद्ध पत्रिकायें	2	1,700.00
iii.	समाचार		
	अ) राष्ट्रीय समाचार पत्र	2	2,520.00
	ब) स्थानीय समाचार पत्र	2	3,600.00
	समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं पर कुल व्यय		7,820.00

2019-20 के दौरान खरीदी गई शैक्षणिक पुस्तकें

क्र.सं.	शीर्षक	प्रतियों की संख्या	व्यय (रु.)
1		368	3,37657.00

2.3 कम्प्यूटर सुविधाएं

2.3.1 कृषि महाविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर

कालेज में उत्तम रूप से स्थापित कम्प्यूटर प्रयोगशाला है जिसमें 26 कम्प्यूटर हैं। प्रयोगशाला में सांख्यिकी के पैकेन हैं जिससे शोध सामग्री ढूँढ़ने में मदद होती है। यह सुविधा विद्यार्थी, शोधकर्ता एवं शिक्षकों द्वारा प्रयोग में लाई जाती है।



2.3.2 बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

कालेज में सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला है जिसमें इंटरनेट सुविधा समेत 20 कम्प्यूटर हैं। कालेज में बी

एस एन एल द्वारा 2 एम बी पी एस लाइन का इंटरनेट संबंध है। कालेज द्वारा कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को असीमित इंटरनेट दी जाती है। इंटरनेट शैक्षणिक भवन, पुराना कालेज भवन, कुलपति कार्यालय, अतिथि गृह तथा डेण्डी छात्रा छात्रावास में दिया गया है। राष्ट्रीय ज्ञान संचार (एन के एन) से संबंध जोड़ने की कालेज की योजना है जो उच्च गति इंटरनेट से प्रसिद्ध शैक्षणिक एवं शोध विकास संस्थाओं से कालेज को जोड़ेगा।

2.3.3 स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, उमियाम, बड़ापानी

कम्प्यूटर प्रयोगशाला में एस ए एस तथा एस पी एस एस जैसे सांख्यिकी पैकेजों सहित 20 कम्प्यूटर



हैं। कम्प्यूटर आवश्यकताओं से संबंधित स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पी एच डी कक्षाओं को आयोजित करने हेतु सफेद बोर्ड तथा शीर्षोंतर प्रोजेक्टर लगे हैं। कालेज परिसर में सर्वर से प्रत्येक कम्प्यूटर तक इंटरनेट, ई संसाधन (ऑनलाइन पुस्तकालय कोहा, आइ पी आधारित शैक्षणिक ई जर्नल, ई पुस्तके, तथा अन्य ई साहित्य) एवं अन्य ई सुविधायें पहुंचाने हेतु लोकल एरिया नेटवर्क (लैन) को कोंड्रिट किया गया है। के कृ. नि. तथा सी पी जी एस वेबसाइट सर्वर, फायरबॉल, प्रबंधक सर्वर आदि आइटी सर्वर फार्म बनाते हैं जो 2 एम बी पी एस बैंक अप तथा 10 एम बी पी एस लीष लाइन सर्किट द्वारा आइ एस पी बी एस एन एल से जुड़े हैं। सभी विभागों, शाखाओं तथा छात्रावासों के कम्प्यूटर तार या तार रहित संबंधों से सर्वर कक्ष से जुड़े हैं।

2.3.4 मात्रियकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा, त्रिपुरा

पूरे कालेज में बी एस एन एल द्वारा 16 एम बी पी एस लीज लाइन लैन संचार है। विद्यार्थियों के कम्प्यूटर एवं मूल्यांकन आवश्यकताओं हेतु कम्प्यूटर प्रयोगशाला में 16 कम्प्यूटर हैं। सामाजिक विज्ञान हेतु सांख्यिकी पैकेज (एस पी एस एस-22) खरीदी गई (10 उपभोगियों वाला) तथा दो कम्प्यूटरों में लगाया गया। लैन सांस्थिति एवं संबंध: बीएसएल से मेश टेपोलोजी एवं 16 एमबीपीएस लीज लाइन संबंध पूरे कालेज हेतु लिया गया।



कालेज ने 19 जुलाई 2018 से उपस्थिति को रिकार्ड करने हेतु बायोमेट्रिक उपस्थिति व्यवस्था चालू की। ऑनलाइन खरीद करने की सरकारी ई प्रोक्योरमेंट / जेम पोर्टल से शुरू कर दी गई है। ऑनलाइन वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था पी एफ एम एस प्रारंभ कर दी गई है।

2.3.5 पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, सेलेसी, मिजोरम

कालेज कर्मचारियों एवं शोध विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की सुविधायें देता है। सभी शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारी तथा विद्यार्थियों को इंटरनेट की सुविधा है। करीब 150 से अधिक लोग कम्प्यूटर तथा इंटरनेट की सुविधा उपयोग कर रहे हैं। कालेज में दो कम्प्यूटर प्रयोगशालायें हैं जिसमें 27 (17 + 10) कम्प्यूटरों में इंटरनेट सुविधा है। इस केंद्र का उपयोग वी सी आई के मानकों के अनुसार प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा देने में होता है। यह सुविधा कालेज के कर्मचारी शिक्षक एवं विद्यार्थियों हेतु भी है। इसके अलावा कालेज के जैव सूचना केंद्र में भी इसकी सेवा दी जा रही है। यह इंटरनेट संबंध ऑनलाइन एवं ऑफलाइन जैविक आंकड़ों, जीव सूचना सॉफ्टवेयर तथा आंकड़ों के विकास, आण्विकीय मॉडलिंग तथा औषधि डिजाइन में शिक्षकों एवं आस-पास के उच्च संस्थानों को सेवा देता है। यह जैविक अनुसंधान में जैव सूचना माध्यम तथा





केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

आण्वीकीय पद्धति में प्रशिक्षण भी आयोजित करता है। यह कालेज में डेलकॉन, सेरा, इ जर्नल तथा डी बी टी की भी देख रेख करता है। कालेज बृहद उच्च गति फाइबर ऑप्टिक तथा तार रहित संचार से प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय, छात्रावास, आवासीय क्वार्टर तथा केंद्रीय सुविधाओं को जोड़ता है। कालेज ने इंटरनेट सुविधाओं हेतु भारत संचार निगम लिमिटेड, आइजॉल, मिजोरम से 1:1 की गति से 10 एम बी पी एम लाइन प्राप्त किया है। उपभोक्ता अपने कार्यालय छात्रावास से कम्प्यूटर केंद्र के संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। 10 के बी एक यू पी एस एवं 300 के बी ए जेनरेटर से कम्प्यूटर केंद्र में विद्युत प्रवाह के प्रबंध है। कालेज मेल सेवा उपयोग करने हेतु सभी विभागों को लॉगइन दिया गया है।

2.3.6 सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, तुरा, मेघालय

कालेज में 2 एम बी पी एस गति का बी एस एन एल द्वारा उपलब्ध इंटरनेट संबंध (लीष लाइन) है। विद्यार्थियों के व्यवहारिक कक्षा तथा अन्य आवश्यकताओं हेतु आइ टी प्रयोगशाला में 15 कम्प्यूटर हैं। कक्षाओं में कम्प्यूटर एवं एल सी डी प्रोजेक्टर शिक्षण तथा विद्यार्थियों के प्रस्तुतिकरण हेतु लगे हैं। इसके अलावा सभी विभागों में कम्प्यूटर, प्रिंटर एवं स्कैन सुविधायें लगी हैं। सभी विभागों तथा शाखाओं को जल्द ही बी एस एन एल के द्वारा औप्टिक फाइबर से 10 एम बी पी एस लाइन संबंध से जोड़ दिया जायेगा।



2.3.7 कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्राद्योगिकी महाविद्यालय, रानीपूल सिक्किम

कम्प्यूटर केंद्र कालेज के शैक्षणिक कर्मचारी एवं शोध विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की सुविधायें प्रदान करता है। यह सभी शैक्षणिक, प्रशासनिक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को इंटरनेट सुविधा प्रदान करता है। लगभग 300 से अधिक लोग इंटरनेट तथा कम्प्यूटर सुविधायें उपयोग कर रहे हैं। कम्प्यूटर केंद्र 1000 एम बी पी एस फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क से शैक्षणिक इकाई, छात्रावास, पुस्तकालय, आवास तथा अन्य केंद्रीकृत सुविधाओं को जोड़ता है। उपभोक्ता अपने कार्यालय, शैक्षणिक खंड, छात्रावास एवं आवास से ही कम्प्यूटर केंद्र के संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों को इंटरनेट उपयोग करने हेतु लॉग इन दिया हुआ है। छात्र एवं छात्रा छात्रावास एटिक भवन, अतिथि गृह, कुलपति कार्यालय, अधिष्ठाता आवास में वाइ फाई सुविधा प्रदान की गई है। ऑप्टिकल फाइबर के द्वारा उत्तरी एवं दक्षिणी शैक्षणिक भवन, नवीन छात्रा छात्रावास, रंगशाला आवासीय क्वार्टर, चिकित्सा इकाई तथा कृषक उत्पाद समिति भवन में लैन संचार दिया गया है। संचार सुरक्षा यू टी एम/फायवॉल द्वारा दिया जाता है। कम्प्यूटर केंद्र में लैन सुविधा सहित 20 कम्प्यूटर हैं। संबंधित विषयों की आवश्यकतानुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों के सॉफ्टवेयर लगे हैं। अनवरत विद्युत प्रवाह हेतु 10 के बी ए यू पी एम लगा है। विद्यार्थियों एवं अन्य कर्मचारियों हेतु व्यावहारिक





प्रशिक्षण दिया जाता है। कम्प्यूटर केंद्र एन आई सी क्लाउड पर कालेज वेब साइट की रखरखाव करता है। कालेज के वेबसाइट में डायनामिक वेबपेज है तथा सी इ आर टी-इन से सुरक्षा जाँच प्रमाण पत्र है। केंद्र से इसका नवीनीकरण होता रहता है।

2.4 विद्यार्थी कल्याण एवं गैर शैक्षणिक गतिविधियाँ

2.4.1 छात्रावास सुविधाएं

छात्रावास कालेज परिसर में स्थित है जिससे नजदीकी एवं संबंध बना रहता है। यह विज्ञान महाविद्यालय, तुरा के अलावा विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों में पुरुष एवं महिला दोनों पढ़ सकते हैं। छात्रावासों में टेलीफोन, टीवी, कम्प्यूटर फ्री इंटरनेट सुविधा, रसोई आंतरिक खेल (टीटी बोर्ड, कैरम, शतरंज आदि) व्यायामशाला, समाचार पत्र, प्राथमिक उपचार बॉक्स, चिकित्सा इकाई जनरेटर व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधायें हैं। पुरुष महिला तथा स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी एच डी विद्यार्थियों हेतु पृथक् छात्रावास हैं। विद्यार्थियों का क्लब अपने-अपने छात्रावास में मैच आयोजित करता है तथा 24 घंटे सुरक्षा गार्ड द्वारा सुरक्षा दी जाती है।

2.4.2 कैंटीन सुविधाएं

सभी कालेजों में परिसर के अंदर साफ सुधरे



छात्र क्षात्रावास कृषि कॉलेज इम्फाल

कैंटीन हैं। कम मूल्य पर विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों हेतु भोजन उपलब्ध होता है। एक समिति कैंटीन के भोजन के पोषण तथा सफाई का निरीक्षण करती है।

2.4.3 चिकित्सा सुविधाएं

प्रत्येक संघटक कालेज में कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु सुसज्जित चिकित्सा इकाई है। यह 24x7 चिकित्सा सुविधायें सक्षम चिकित्सा अधिकारी, कम्पाउन्डर, प्रशिक्षित नर्स तथा सहायक समेत प्रत्येक परिसर में उपलब्ध है। आकस्मिकता एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रबंधन हेतु कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों हेतु एम्बूलेंस सेवा भी प्रदान की जाती है। यह केंद्र आवश्यकतानुसार मनोवैज्ञानिक के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को परामर्श देता है।

2.4.4 पदस्थापन प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय में प्रत्येक परिसर में पदस्थापन प्रकोष्ठ है जो विभिन्न कृषि सम्बद्ध क्षेत्रों, बैंक, गैर सरकारी संस्थानों, उद्योगों में विद्यार्थियों के पदस्थापन में सहायता करता है। उतीर्ण विद्यार्थियों ने संघ लोक सेवा उपयोग/राज्य सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त की और बहुत सारे भा कृ अ. प., राज्य विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षा के तकनीकों संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्र तथा सम्मानित शोध संस्थानों में कार्यरत हैं। हमारे विद्यार्थी प्रसिद्ध अंतराष्ट्रीय संस्थानों में तथा भारत व विदेशों के विश्वविद्यालयों में डॉक्टरेल डिग्री कर रहे हैं।



छात्र क्षात्रावास में व्यायामशाला



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20



कृषि कॉलेज, इम्फाल में कैटीन



चिकित्सा प्रकोष्ठ

2.4.5 गैर शैक्षणिक गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय गैर शैक्षणिक कार्यकलापों को बढ़ावा देता है तथा परिसर जीवन के सारे आयामों में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता को प्रोत्साहित करता है। विश्वविद्यालय के संघटक कालेजों में आंतरिक सुविधाये, रंगशाला एवं व्यायामशाला सहित उत्तम क्रीड़ा एवं खेलकूद आधारभूत संरचना है। नवंबर 2013 से अनुदेश निदेशालय में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्रीड़ा, खेलकूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के समन्वय एवं विकास हेतु एक पृथक् प्रकोष्ठ खोला गया। विद्यार्थियों में प्रतियोगिता की भावना बढ़ाने के लिये संघटक कालेजों ने वार्षिक कालेज सप्ताह, क्रीड़ा, सामाजिक/सांस्कृतिक बैठकों के रूप में गैर शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित किये। क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में स्थित संघटक कालेजों के विद्यार्थियों हेतु एक समान अवसर प्रदान करने हेतु विश्वविद्यालय ने



Opening ceremony of Annual College Week

परिवर्तित स्थान आधार पर अंतकालेज क्रीड़ा एवं खेलकूद बैठक तथा युवा महोत्सव आयोजित किये। विश्वविद्यालय क्रीड़ा एवं खेलकूद बैठक, अखिल भारतीय विश्वविद्यालय टूर्नामेंट तथा ए आइ यू युवा महोत्सव तथा भा.कृ.अ.प. युवा महोत्सव आदि में अग्रसर दिखता है।

विश्वविद्यालय के सभी संघटक कालेज के कृति समुदाय में जागरूकता लाने हेतु स्वच्छ भारत अभियान चलाते हैं जिससे उनमें सफाई, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवन की भावना बढ़ सके। विभिन्न समाज सेवा कार्यों से राष्ट्रीयता की भावना जगाने हेतु अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी मनाते हैं। यहाँ एन एस एस के द्वारा रक्तदान, वृक्षारोपण, जल प्रसंस्करण, स्वच्छता गतिविधियाँ कर राष्ट्रीय सामाजिक सेवा भी की जाती है। यहाँ पशु स्वास्थ्य कैप, खेतों का दौरा, तनाव प्रबंधन पर सेमिनार, साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह पोस्टर अभियान एवं अन्य समाज सेवा कार्य समय अंतराल पर होता रहता है।

कालेज सप्ताह

प्रत्येक संघटक कालेज वार्षिक कालेज सप्ताह आयोजित करता है जिसमें कालेज के अंदर विद्यार्थी क्रीड़ा (आंतरिक व बाह्य), कला, संगीत, नृत्य आदि में भाग लेते हैं। कालेज स्तर पर प्रदर्शन के आधार पर विद्यार्थियों का चुनाव अंतकालेज क्रीड़ा व खेलकूद तथा अंतकालेज युवा महोत्सव हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर होता है।



छठा अंतकॉलेज युवा महोत्सव सह क्रीड़ा महोत्सव 2019-20

छठा अंतकॉलेज युवा महोत्सव सह क्रीड़ा महोत्सव 2019-20 कृषि कालेज, इम्फाल में 18 से 21 नवम्बर, 2019 को मनाया गया। महोत्सव प्रसार निदेशालय, के.कृ.वि., इम्फाल एवं कृषि कालेज इम्फाल के आयोजक समिति के सहयोग से आयोजित हुआ। डा. नजमा हेपतुल्लाह, माननीय राज्यपाल मणिपुर मुख्य अतिथि तथा डा. एम प्रेमजित सिंह, कुलपति केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल अध्यक्ष



थे। लगभग 550 प्रतिभागियों ने विभिन्न रूपों में भाग लिया। कृषि कालेज, इम्फाल प्रथम स्थान पर जबकि बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय पासीघाट दूसरे स्थान पर रहा। कार्यक्रम के समापन समारोह में श्री एल जयंत कुमार सिंह, कानून, कला, संस्कृति एवं स्वास्थ्य मंत्री मुख्य अतिथि थे तथा 21 नवंबर 2019 को कार्यक्रम समाप्त हुआ।



छठे अंतकॉलेज युवा महोत्सव सह क्रीड़ा महोत्सव की कुछ क्षलकें

20 वां अखिल भारतीय अंतरकृषि विश्वविद्यालय क्रीड़ा महोत्सव 2019-20

उपरोक्त कार्यक्रम श्री वेंकटेश्वर पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय तिरुपति में 1 से 5 मार्च 2020 में आयोजित हुआ। के.कृ.वि. टीम ने उंची छलांग में तीसरा स्थान तथा बैडमिंटन युगल में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।



उंची छलांग में तीसरा स्थान प्राप्त श्री बी केयाग



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20



युगल बैडमिंटन में सुश्री अनुलकंठरी एवं
सुश्री लाल को द्वितीय

20 वां अखिल भारतीय कृषि यूनिफेस्ट:

इंदिरा गांधी कृषि: विश्वविद्यालय, रायपुर में 8 से 12 फरवरी 2020 में आयोजित किया गया था तथा विश्वविद्यालय ने देशभक्ति गीत में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।



आईजीकेवी, रायपुर में सीएयू प्रतिभागी

5 वां विद्यार्थी परामर्श परिषद: केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल की 5 वां विद्यार्थी परामर्श परिषद बैठक कृषि कालेज, इम्फाल के सम्मेलन कक्ष में आयोजित हुआ जिसमें डा. एम. प्रेमजित सिंह, कुलपति, के.कृ.वि., इम्फाल, डा. एस बंसता सिंह, अनुदेश निदेशक, के.कृ.वि., इम्फाल तथा प्रो. पी.एच. रंजीत शर्मा, क्रमशः संरक्षक, अध्यक्ष तथा सदस्य सचिव थे तथा के.कृ.वि. के संघटक कालेजों से आये 26 विद्यार्थी प्रतिनिधि थे। इस बैठक में आवश्यक समाधान ढूँढ़ने हेतु चौथे एस.ए.सी., के.कृ.वि., इम्फाल की ली गई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा विद्यार्थी कल्याण से संबंधित मुद्दों की चर्चा की गई।

स्वच्छ भारत अभियान

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल ने अपने संघटक कालेजों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया। प्रो. एम प्रेमजित सिंह, कुलपति, निदेशक, डीन तथा कृ.वि.के. के वैज्ञानिक, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय मुख्यालय तथा इसके संघटक कालेजों व कृ.वि.के. में सफाई में भाग लिया।



सीएयूएचटी, सिक्किम में परिसर साफ करते विद्यार्थी

अंतराष्ट्रीय योग दिवस

संघटक कालेजों में 21 जून, 2019 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह एवं जोश सहित मनाया गया। योग शरीर में पूर्ण संगत लाकर मानसिक एवं शरीरिक शक्ति देता है जिससे स्वस्थ जीवन मिलता है।



अंतराष्ट्रीय योग दिवस महोत्सव



राष्ट्रपिता के 150 वें जन्मदिन का समारोह

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150 वें जन्मदिन की वर्षगांठ को याद में विश्वविद्यालय के संघटक



विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेजों में राष्ट्रपिता के 150वें जन्म उत्सव का महोत्सव

कालेजों ने निबंध लेखन, सामान्य ज्ञान पहली तथा रंग प्रतियोगिता आयोजित की। स्वच्छ एवं साफ स्वस्थ, प्लास्टिक मुक्त एवं हरा भरा पर्यावरण वाला परिवार के उद्देश्य से संघटक कालेजों में स्वच्छ परिसर अभियान चलाया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केंद्र सरकार के निर्देशानुसार 31 अक्टूबर, 2019 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया जिससे शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों में भ्रष्टाचार रोकने तथा उससे लड़ने की तथा भ्रष्टाचार के अस्तित्व, कारण तथा गंभीरता के संबंध में जागरूकता फैलाने का उत्साह आये। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संघटक कालेजों में “अखंडता-जीने की राह” विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। आगे विश्वविद्यालय मुख्यालय तथा संघटक कालेजों के शिक्षक/कर्मचारी ने माननीय कुलपति के नेतृत्व में इस अभियान हेतु सामूहिक शपथ ली।



हिन्दी दिवस महोत्सव:

हिन्दी दिवस मनाया जिसमें भाषण, गीत कविता तथा निबंध प्रतियोगितायें हुई। कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

विद्यार्थी गतिविधियों की झलकियाँ



कृ.म. इमफाल में शिक्षक दिवस समारोह



मातिस्यकी महाविद्यालय, त्रिपुरा में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह



कृ.अ.म., सिक्किम में भूकंप से लड़ने का अभ्यास



बागवानी कॉलेज, सिक्किम द्वारा अखिल भारतीय दौरा



पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थी



एनएसएस द्वारा कृ.अ.म., में उद्यान का विकास



कृ.म., पासीघाट में उन्मुखीकरण कार्यक्रम



स्ना.अ.म., बड़ापानी में महिला वाली बॉल



बागवानी वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट में विद्यार्थियों द्वारा वॉकेथन



बा.वा.म., पासीघाट के विद्यार्थियों द्वारा रक्त दान कैम्प



प.प.म., सेलेसी में वार्षिक कॉलेज सप्ताह समारोह



कृषि महाविद्यालय, इमफाल में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला



खाद्य एवं प्रौ.म., लैंफल में फ्रेशर मिलन समारोह



सा.वि.म., तुरा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह



स्ना.अ.म., बड़ापानी में सांस्कृतिक कार्यक्रम



अनुसंधान एवं विकास

3



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

3.1 विश्वविद्यालय एवं बाह्य स्रोतों से वित पोषित अनुसंधान परियोजनाओं की स्थिति (2019-20)

विश्वविद्यालय ने वर्ष 2019-20 के दौरान,

विश्वविद्यालय पोषित अनुसंधान कार्यक्रमों के तहत 65 (पैसठ) अंतर्मुखी अनुसंधान परियोजनाओं और 99 (निन्यानबे) बाह्य स्रोतों से वित पोषित परियोजनाओं पर कार्य किया है। अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है:

1. विश्वविद्यालय पोषित अंतर्मुखी अनुसंधान परियोजनाएं (आईआरपी)

क्र. सं.	निदेशालय/महाविद्यालय	पूर्ण	वर्ष (2019-20)		कुल
			चालू	वर्ष 2019-20 के दौरान स्वीकृत नई परियोजनाएं	
1.	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर	0	16	0	16
2.	पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसी, आइजवाल, मिजोरम	3	9	2	14
3.	मात्स्यकी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, लंबूचेरा, त्रिपुरा	0	2	0	2
4.	बगवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	1	5	1	7
5.	समुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, तुरा, मेघालय	0	4	2	6
6.	कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, रानीपूल, सिक्किम	0	9	1	10
7.	कृषि विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, उमियाम, मेघालय	1	2	1	4
8.	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0
9.	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, किरदेमकुलइ, मेघालय	0	0	0	0
10.	बागवानी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, बेरमिओक, सिक्किम	0	0	0	0
11.	खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर	0	0	0	0
12.	बागवानी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, थोंजोल, मिजोरम	0	0	0	0
13.	पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, जालुकी, नागालैंड	0	0	0	0
कुल		7	51	7	65



2. बाह्य स्रोतों से वित पोषित अनुसंधान परियोजनाएं (ईएफआरपी)

क्र. सं.	महाविद्यालय का नाम	वर्ष (2019-20)			कुल
		पूर्ण परियोजनाएं	चालू परियोजनाएं	वर्ष 2019-20 के दौरान स्वीकृत नई परियोजनाएं	
1.	अनुसंधान निदेशालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	0	16	0	16
2.	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर	1	10	1	12
3.	पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसी, आइजवाल, मिजोरम	3	9	2	14
4.	माट्स्यकी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, लंबूचेरा, त्रिपुरा	2	5	2	9
5.	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	4	18	2	24
6.	सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, तुरा, मेघालय	0	2	0	2
7.	कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, गैंगटॉक, सिक्किम	1	7	1	9
8.	स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, उमियाम, मेघालय	0	10	0	10
9.	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0
10.	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, किरदेमकुलइ, मेघालय	0	2	0	2
11.	बागवानी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, बेरमिओक, सिक्किम	0	0	0	0
12.	खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर	0	0	0	0
13.	बागवानी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, थोंजोल, मिजोरम	0	0	0	0
14.	पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, जालुकी, नागालैंड	0	1	0	1
कुल		11	80	8	99

3.2. कृषि प्रौद्योगिकियाँ

इन आंतरिक और बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान प्रयासों के परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालय उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र के किसानों और कृषि-उद्यमियों के लिए कृषि और संबद्ध विषयों पर स्थान स्थान विशिष्ट प्रदेश योग्य प्रौद्योगिकियों/प्रथाओं, सिफारिशों और शोध निष्कर्षों को विकसित करने में सफल रहा है। विश्वविद्यालय की मुख्य शोध उपलब्धियों को नीचे दिया गया है :

3.2.1. कृषि

1. फसल सुधार

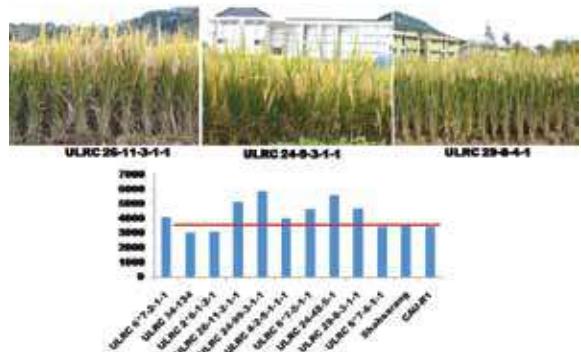
- चावल की चार नई किस्में सीएयू-आर 1 (थम्फापाड) गजट नोटिफिकेशन संख्या 1379 (ई), दिनांक 27.04.2018, सीएयू-आर 2 (टॉमथिनपाड) गजट नोटिफिकेशन नंबर 99 (ई), दिनांक 06.01.2020, सीएयू-आर 3 (मंगलपाड) गजट नोटिफिकेशन 99 (ई), दिनांक 06.01.2020 और सीएयू - आर 4 (इनॉटपाड) गजट



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

अधिसूचना संख्या 99 (ई), दिनांक 06.01.2020
जारी की गई थी।

- ii) खेत प्रदर्शन के आधार पर पर्याप्त फास्फोरस वाले मसूर जीनप्रूफों एल-4602, एल-7903, पीडीएल-1, पीएल-8 की पहचान की गई।
- iii) चावल के दो उन्नत वंशक्रमों सीएयूएस-103 और सीएयूएस-107 को एवीटी. 1 एआईसीआरपी परीक्षणों हेतु प्रोन्नत किया गया।
- iv) पर्वतीय परितंत्रों की मध्यम अवधि वाले चावल के तीन नए वंशक्रमों (यूएलआरसी 24.9.3.1.1, यूएलआरसी 26. 11. 3. 1. 1, यूएलआरसी 29. 8. 4. 1) को आईवीटी एआईसीआरपी परीक्षणों के लिए नामित किया गया।



स्टेशन परीक्षणों के अंतर्गत उन्नत उच्च उपज वाले वंशक्रमों का मूल्यांकन

- v) सरसों के दो नए वंशक्रम सीएयू-आरएम 5-1 और सीएयू-आरएम 4-1 तथा तोरिया के दो नए वंशक्रम सीएयू-तोरिया 1.1 और सीएयू-तोरिया 2 को वर्षा आधारित स्थितियों के अंतर्गत आईवीटी एआईसीआरपी परीक्षणों के लिए प्रस्तुत किया गया।
- vi) निम्न फास्फोरस और अनुकूलतम फास्फोरस के तहत चावल और अन्य फसलों की स्क्रीलनग के लिए मृदा माइक्रोप्लॉट विकसित किया गया। चावल के गुणसूत्र #2 की पहचान की गई जो



तराई अम्लीय मिटी में उच्च उपज के लिए महत्वपूर्ण है।

- vii) उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र के लिए उपयुक्त खुले परागन वाली मक्का की किस्मों नामतः आरसीएम1-61 तथा आरसीएम1-76 की सिफारिश की गई है।

2. फसल उत्पादन

- i) उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र के वर्षा आधारित परिस्थितियों में मक्के की खेती में खरपतवारों के कफशल नियंत्रण के लिए बुवाई के 15 दिनों के बाद उद्भवोपरान्त शाकनाशियों, टोपरामाज़ोन 25.2 ग्राम / हेक्टेयर + एट्राजाइन 750 ग्राम / हेक्टेयर के अनुप्रयोग की सिफारिश की गई।
- ii) झुम किसानों की स्थायी आजीविका के लिए, भूमि उपयोग की सबसे व्यवहार्य और लाभदायक प्रणाली अनानास की पंक्तियों (खेत के ढलान के दोनों पार) के बीच में सोयाबीन की फसल उगाने और खरपतवार नियंत्रण हेतु चेन्डीमथालिन 30 ईसी 1.00 कि.ग्रा. a.i./हे. की दर से, क्विजालोफाँप इथाइल / 50 ग्रा. a.i./हे. (POE) की दर से उपयोग करना है।

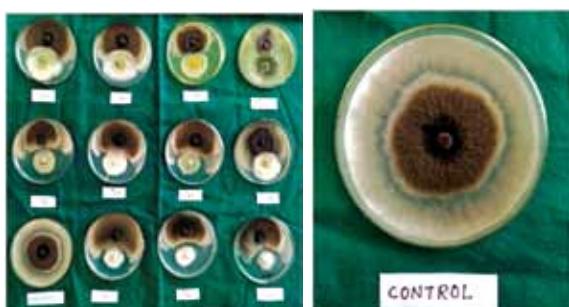


- iii) आठ स्थानीय धान की कृषिजोपजात (घाटी की चार कृषिजोपजात और अपलैंड के चार कृषिजोपजात) और मक्के की चार स्थानीय कृषिजोपजात के साथ-साथ कोलोकसिया के दो स्थानीय किसानों को वैकल्पिक फसलों के रूप में सफलतापूर्वक पहचान की गई। धान की कृषिजोपजातों, वैकल्पिक फसलों - मक्का और कोलोकसिया के साथ, आगे मूल्यांकन और आकलन किया जाएगा जिससे, सर्वोत्तम अनुकूल प्रौद्योगिकी के विकास की उम्मीद की जा सकती है।
- iv) कृषि तकनीकों पर पारंपरिक ज्ञान पर सफलतापूर्वक मौखिक इतिहासिक डेटा एकत्र किया गया। मौखिक इतिहास को आगे के परिदृश्य में उनकी प्रासंगिकता को निर्धारित करने के लिए मूल्यांकन और त्रिकोणित करने की आवश्यकता है।

3. फसल संरक्षण

- i) ट्री बीन रोग नियंत्रण के लिए जैवनियंत्रण कारकों की इन विट्रो प्रभावकारिता

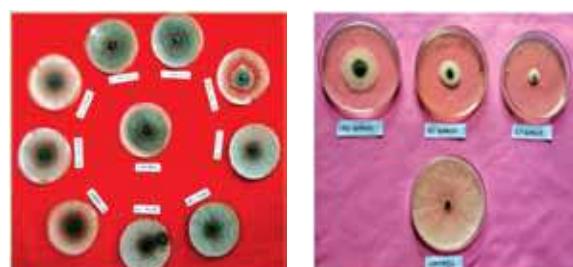
ट्री बीन रोग नियंत्रण के लिए प्राकृतिक रूप से पृथक हुई 11 ट्राइकोडर्मा एसपीपी की प्रतिरोधी प्रभाव का ड्यूएल कल्चर टेक्निक के उपयोग से परीक्षण किया गया। अध्ययन के दौरान एल. थियोब्रोमेवास की माइसीलिया वृद्धि में अवरोध में काफी कमी आई है।



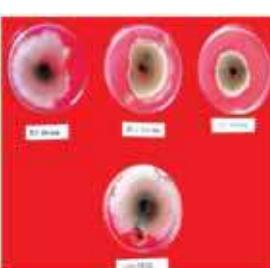
एल. थियोब्रोमे की रेडियल वृद्धि पर विभिन्न BCAs का इन विट्रो प्रभावकारिता

वानस्पतियों का इनविट्रो मूल्यांकन

जहरीली खाद्य तकनीक के उपयोग से रोगजनक के विरुद्ध अपनी कवक विरोधी क्षमता के लिए प्याज, हल्दी, अदरक, तुलसी, गेंदा और लहसुन के छह अलग-अलग पौधों के अर्क का परीक्षण किया गया। छह पौधों के अर्क में से लहसुन 5%, 10% और 15% की दर से, एल. थियोब्रोमे की माइसीलिया वृद्धि में अधिकतम अवरोध प्रतिशत 54.44%, 61.11% और 7.1.77% उत्पन्न करने में प्रभावी पाया गया, इसके बाद का स्थान हल्दी अर्क का 28.14%, 50.00% और 61.11% प्रतिशत तीनों ही सांद्रण ताओं में माइसीलिया वृद्धि को रोकते हैं।



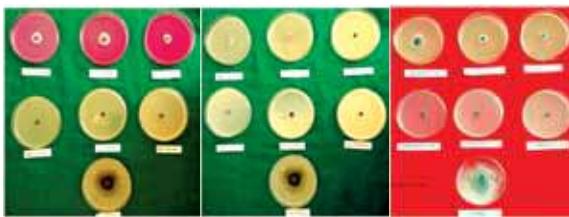
विभिन्न सांद्रणताओं में अदरक, गेंदा और तुलसी की प्रभावकारिता



एल. थियोब्रोमे की रेडियल वृद्धि पर विभिन्न कवकनाशकों की प्रभावकारिता

कवकनाशकों का इनविट्रो मूल्यांकन

जहर खाद्य तकनीक द्वारा अलग-अलग सांद्रता में इनविट्रो स्थिति के तहत एल. थियोब्रोमे की रेडियल ग्रोथ पर उनकी प्रभावकारिता के लिए आठ अलग-अलग कवकनाशकों का परीक्षण



एल. थियोब्रोमे की रेडियल वृद्धि पर विभिन्न कवकनाशकों की प्रभावकारिता

- किया गया था। एल. थियोब्रोमे की रेडियल वृद्धि पर अवरोध का अधिकतम प्रतिशत (94.44%) पांच कवकनाशकों अर्थात् कैप्टन, एंट्राकॉल, कार्बन्डाजिम, रोको और कॉपर ऑक्सीक्लोराइड परीक्षित तीनों सांद्रणाताओं (0.05%, 0.1% और 0.2%) में पाया गया। यह पाया गया कि ये पांच कवकनाशी परीक्षण किए गए अन्य कवकनाशकों से काफी बेहतर थे।
- ii) मणिपुर में अनेक मधुमक्खी पालक होने के बावजूद वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के तरीकों की कमी के कारण अन्य राज्यों की तुलना में शहद उत्पादन क्षमता बहुत कम है। लगभग सभी मधुमक्खी पालक देशी उपकरणों के उपयोग से पारंपरिक मधुमक्खी पालन को अपनाते हैं। उपरोक्त निष्कर्षों के आधार पर, वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के लिए निम्नलिखित सिफारिशें हैं :
- मधुमक्खी पालकों को उचित हार्डिस्टिंग विधि के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए जिससे मधुमक्खियों के कॉलोनी के विनाश और फरार होने से बचा जा सके।
 - मधुमक्खी पालकों को और अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें बन कटाई के विनाशकारी प्रभाव के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।
 - मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खियों के कीटों/परभक्षियों, मधुमक्खी रोगों, कृषि रसायनों के उपयोग, शहद की मक्खियों
- हल्दी किस्म एनडीएच98 किस्म के अंकुरित राइजोम्स
- 
- किसान के खेत में हल्दी किस्म एनडीएच98 को प्रभावित करने वाले जहरीले पौधों और उनके नियंत्रण के उपायों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।
- iii) बंधा (कैप्टिव) पालन के लिए सीप (मोलस्क) की 2 प्रजातियों की पहचान की गई। ये प्रजातियां पौधिक होती हैं और इनका बाजार मूल्य भी अधिक होता है। इन प्रजातियों का लोकप्रियकरण और उत्पादन काफी आशाजनक है। खाद्य कीटों की 41 प्रजातियों का दस्तावेजीकरण पूरा किया गया। उपयोग प्रोफाइल की पहचान करने के लिए 9 प्रजातियों की पोषण प्रोफाइलिंग का मूल्यांकन किया गया।
- iv) पांच पूर्वोत्तर राज्यों नामतः नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर राज्यों



से एकत्र किए गए लाख कीटों के उपभेदों का बाह्यस्थाने संरक्षण किया गया। मणिपुर के पश्चिम जिले इम्फाल में बॉम्बे क्सीबा पेड़ पर लाख कीट का फैलाव देखा गया। मेजबान पौधों के जीन बैंक की स्थापना की गई। मेजबान

पौधों की सज्जियों के खेत में अंतरफसल की गई। पक्के क्षेत्रीय लाख कीट जननद्रव्य केंद्र का निर्माण किया गया। अनुसंधान क्षेत्र में “लेमिंगिया प्रजाति के नए मेजबान का विकास दर्ज किया गया।

गमला पौधो (पॉट प्लांट) के उष्णकटिबंधीय आर्किड



एकैम्पेरिगिडा



कोएलोजिनेविस्कोसा



कोएलोजिनेकोरिम्बोसा

लटकने वाले गमले के (हैंगिंग पॉट प्लांट) उष्णकटिबंधीय आर्किड



फालेनोप्सिस डेलिसिओसा



पिनालियास्पिकाटा



थुनियाब्राक्टेआटा

लैंडस्केप यूज प्लांट उष्णकटिबंधीय आर्किड



डेंड्रोबियम पारिशी



डेंड्रोबियम डेवोनियनम्।



3.2.2. बागवानी

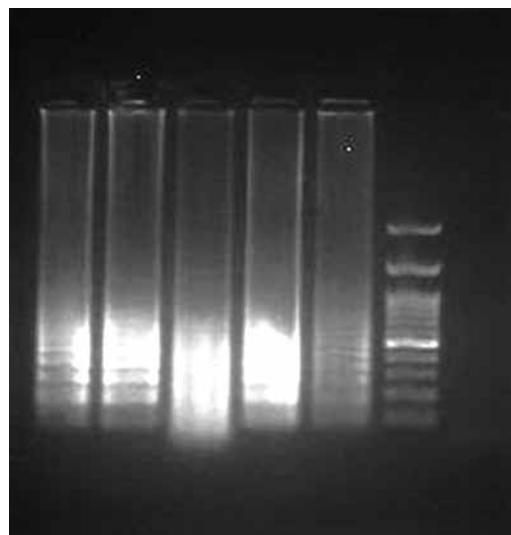
- i) पासीघाट केंद्र के तहत हल्दी किस्म एनडीएच-98 ने अच्छा निष्पादन किया। इसकी करक्यूमिन सामग्री 5.2 से 6.0% की सीमा में है। यह कीट और बीमारियों के लिए प्रतिरोधी है। इसलिए, अरुणाचल प्रदेश में उच्च उत्पादन और लोकप्रियकरण के लिए हल्दी किस्म की एनडीएच-98 की सिफारिश की गई है।
- ii) कैरम्बोला के लिए डीएनए निष्कर्षण प्रोटोकॉल के लिए सीटीएबी और डॉयल एवं डॉयल विधियां मानकीकृत की गई।
- iii) कैरम्बोला के लिए रासायनिक परिरक्षक के साथ नेक्टर/आरटीएस प्रसंकृत उत्पाद तैयारी विकसित किया गया।
- iv) पर एआईसीआरपी, पासीघाट केंद्र, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्र जर्मप्लाज्म में नींबूवर्ग के 17 जीनप्रूफों की आईसी संख्या का रखरखाव किया गया।
- v) उष्णकटिबंधीय ऑर्किड की अनफशंसित किस्में
 - i) गमले के पौधों (पॉट प्लांट) : कैलांथे सिल्वाटिका, एकैम्पेरिगिडा, एकैम्प एसपीपी., कोएलोजिनेविस्कोसा, कोएलोजिनेकोरिम्बोसा, एपिडेन्ड्रमसेकफंडम।
 - ii) लटकने वाले गमले (हैंगिंग पॉट्स) : फालेनोप्सिस डेलिसिओसा, पिनालियास्पिकाटा, थुनियाब्राक्टे आटा, डंड्रोबियम सल्कैटम, फोलिडोटा इम्ब्रिकेट, एरियालासियोपेटाला, ई. टोमेंटोसा।
 - iii) लैंडस्केप उपयोग : डंड्रोबियम पारिशी, डंड्रोबियम डेवोनियनम।

3.2.3. पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन

- i) शूकर के बच्चे के डायरिया से जुड़ी एंटेरोपैथोजेनिक एस्चेरिचियाकोली (ईपीईसी) के निदान के लिए विशिष्ट आइसोर्थमल

पॉलीमरेज स्पाइरल रिएक्शन (पीएसआर) का विकास

डायरियाजेनिक एस्चेरिचियाकोली (डीईसी) जिसमें एंटेरोपैथोजेनिक ई. कोलि (ईपीईसी) और एंटेरोहेमोरेजिक ई. कोलि (ईएचईसी) शामिल हैं, शिशु और युवा पशुओं में घातक डायरिया से जुड़ा हुआ है। इसकी उग्रता ईपीईसी और ईएचईसी के लिए मार्कर के रूप में माने जाने वाले eaeA जीन द्वारा इनकोडिंग की गई सम्भद्धता और रगड़ से बने घावों से जुड़ी हुई है। ईपीईसी और/या ईएचईसी का निदान पारंपरिक पीसीआर ऐस्से द्वारा किया जाता है, जो कभी-कभार झूठे नकारात्मक परिणाम प्रदान करते हैं और महंगा होने के साथ-साथ प्रक्षेत्र स्तर में प्रदर्शन करना भी कठिन होता है। दस्त लगे शूकर, मवेशी, भेड़ और बकरी से पृथक किए गए ई. कोलि में eaeA जीन का पता लगाने के लिए एक विशिष्ट आइसोर्थमल पॉलीमरेज स्पाइरल रिएक्शन (पीएसआर) विकसित किया गया है। ई. कोलि के





पृथक्करण और पहचान के लिए दस्त लगे पशुओं से नमूने एकत्र किए गए थे। *eaeA* जीन का पारंपरिक पीसीआर और पीएसआर ऐस्से द्वारा पता लगाया गया था। पारंपरिक पीसीआर द्वारा *eaeA* जीन के लिए कुल 39 आइसोलेट सकारात्मक दर्ज किए गए, जबकि पीएसआर ऐस्से द्वारा *eaeA* जीन के लिए 52 आइसोलेट सकारात्मक दर्ज किए गए। पीएसआर तकनीक पारंपरिक पीसीआर की तुलना में 100 गुना अधिक संवेदनशील थी। पीएसआर तकनीकों को पारंपरिक पीसीआर पर अधिक संवेदनशील, विशिष्ट, लागत प्रभावी, उपयोगकर्ता के अनुकूल और विश्वसनीय तकनीक पाया गया। वर्तमान अध्ययन में विकसित पीएसआर तकनीक को ईपीईसी और/या ईएचईसी की पुष्टि के लिए नैदानिक आइसोलेट की जांच के लिए लागू किया जा सकता है।

ii) शूकर के बच्चों के डायरिया से जुड़े एस्चेरिचियाकोली में मंम। जीन के निदान के लिए लूप मिडिएटेड आइसोथर्मल एम्पलिफिकेशन (एलएएमपी) ऐस्से का विकास

प्रयोगशाला निदान एटेरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोलि (ईपीईसी) से जुड़े आंत्र संक्रमण पारंपरिक जीवाणु तकनीकों और पारंपरिक पीसीआर ऐस्से द्वारा किए जाते हैं। ये तकनीकें अक्सर झूठे नकारात्मक परिणाम प्रदान करते हैं और साथ-ही ये महंगी हैं और प्रक्षेत्र स्तर पर निष्पादन करना कठिन है। लूप-मिडिएटेड आइसोथर्मल एम्पलिफिकेशन (एलएएमपी) एक नई पीढ़ी का डीएनए एम्पलिफिकेशन ऐस्से है जिसे दस्त लगे शूकर के बच्चों से पृथक किए गए ई. कोलि में जीन की पहचान करने के लिए विकसित किया गया है। ई. कोलि के पृथक्करण और पहचान के लिए दस्त लगे शूकर के बच्चों से नमूने एकत्र किए गए थे। मंम। जीन की पारंपरिक पीसीआर और एलएएमपी ऐस्से द्वारा पहचान की गई थी। पारंपरिक पीसीआर

द्वारा जीन के लिए कुल 37 (24.67%) आइसोलेट सकारात्मक दर्ज किए गए थे, जबकि एलएएमपी ऐस्से द्वारा मंम। जीन के लिए 49 (32.67%) आइसोलेट सकारात्मक दर्ज किए गए थे। एलएएमपी ऐस्से पारंपरिक पीसीआर से 10 गुना ज्यादा संवेदनशील था। एलएएमपी ऐस्से पारंपरिक पीसीआर की तुलना में अधिक संवेदनशील, विशिष्ट, लागत प्रभावी, उपयोगकर्ता के अनुकूल और विश्वसनीय तकनीक पाई गई, जिसे ईपीईसी और/या ईएचईसी की पुष्टि के लिए नैदानिक आइसोलेशन की स्क्रीनिंग के लिए लागू किया जा सकता है।

- iii) एक अंडस्थ (इन ओवो) एफ्लाटॉक्सिन सहिष्णुता प्रेरण प्रौद्योगिकी विकसित की गई। अब तक के परिणाम आशाजनक हैं और अवधारणा का प्रमाण दिया है (परंतु प्रौद्योगिकी को लागू करने में कम से कम दो और पीढ़ियों के प्रजनन के बाद प्रौद्योगिकी को मजबूती से स्थापित करने में लगभग दो वर्ष लग सकते हैं।
- iv) प्राकृतिक स्रोतों (कार्बनिक) से खाद्य इम्यूनोमोडुलेटर के साथ एडुवेन्टेड एवेएक्सिकोसिस और बत्तख प्लेग के खिलाफ हैचरी में बत्तख भूूण में अंडस्थ टीकाकरण के स्वचालन के लिए एक कॉकटेल टीका विकसित किया।
- v) एक उच्च एफ्लाटॉक्सिन उत्पादन एस्परागिलस “लेवस स्ट्रेन पृथक किया गया और किफायती विष उत्पादन के लिए उपलब्ध है जो एफ्लाटॉक्सिन के खिलाफ वैक्सीन तैयार करने में उपयोग करने के लिए उपलब्ध है।
- vi) दस्त लगे (डायरिया वाले) शूकर, मवेशी, भेड़ और बकरी से पृथक किए गए ई. कोलि में *eaeA* जीन का पता लगाने के लिए एक विशिष्ट आइसोथर्मल पॉलिमरेज स्पाइरल इनफेक्शन (पीएसआर) विकसित किया गया है। यह तकनीक बिना किसी अत्याधुनिक उपकरणों



के प्रक्षेत्र स्तर पर रोग का निदान करने के लिए उपयोगी है।

- vii) एंटेरोपैथोजेनिक एस्चेरिचियाकोली (ईपीईसी) से सम्बद्ध शूकर के बच्चे के डायरिया निदान के लिए लूप मिडिएटेड आइसोथर्मल एम्पलिफिकेशन (एलएएमपी) ऐस्से विकसित किया गया।
- viii) कैनाइन डेमोडिकोसिस के खिलाफ प्रभावी उपचार विकल्प के लिए सिल्वर नैनो पार्टिकलों और ट्रीन 80 के साथ मिश्रित नीम तेल, नींबू तेल और लहसुन के तेल का मिश्रण विकसित किया गया, जब इसे 3 अवसरों (0, 7 और 15 दिन पर) के लिए सामयिक रूप से अनुप्रयोग किया गया।
- ix) “मेटेई नगानफ” के लक्षण वर्णन का कार्य पूरा हो गया है। मेटेई नगानफ का नस्ल वर्णनकर्ता विकसित किया गया।
- x) ओक अमुबी (मणिपुरी काले शूकर) का लक्षण वर्णन का कार्य पूरा हो गया है। “ओक अमुबी” का नस्ल वर्णनकर्ता विकसित किया गया।

3.2.4. मात्रिकी

- i) पाबदा (ओम्पोक्विमाकुलाटस) के साथ पेंगबा (ओस्टियोब्रामाबेलंगेरी) के पालन के लिए प्रौद्योगिकी का मानकीकरण किया गया। पाबदा के साथ पेंगबा का समावेष पाबदा के विकास को कम किए बिना मत्स्य उपज में सुधार करता है। पेंगबा का अनुकूलतम संग्रहण घनत्व प्रमुख प्रजाति के रूप में पाबदा के साथ सह-पालन में 0.4-0.6 मछली प्रति वर्ग मीटर है। पाबदा के ग्रो-आउट आहार में 35% प्रोटीन सामग्री और 6% लिपिड के साथ ग्रो-आउट आहार अनुकूलतम के करीब है।
- ii) रोगग्रस्त मछलियों और प्राकृतिक जलकृषि वातावरण से आठ एयरोमोनास आइसोलेशन की पहचान की गई है। प्रजातियों की पुष्टि 16s RNA, अनुक्रमण द्वारा की गई है। प्रजातियां ए. हाइड्रोफिला (4 संख्या- MK907589, MK907590, MK907591, MK907591), ए. कावैज (MK907593), एण मीडिया (MK907592), ए. केरोनी (2 संख्या- MK907586, MK907587) थे।



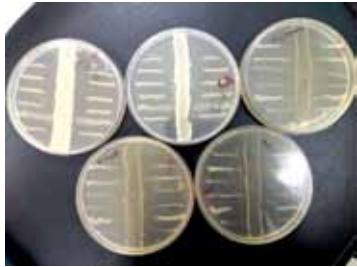
बैक्टीरियोफेज द्वारा अवरोधन क्षेत्र



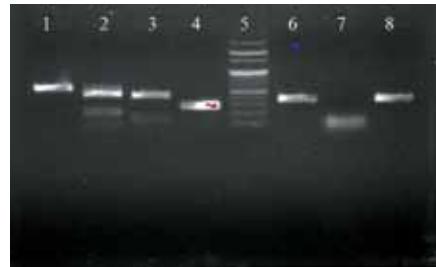
बैक्टीरियोफेज द्वारा बनाई गई पटिका



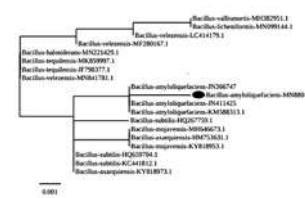
लॉन में संभावित प्रोबायोटिक बैक्टीरिया के लिए अवरोधन परीक्षण



संकेतक बैक्टीरिया के साथ क्रॉस स्ट्रीकिंग द्वारा अवरोधन परीक्षण



बैसिलस एमिलोलिक्वाफेसिन्स सीओएफसीएचू-पी। के प्रोबायोटिक संबद्ध मार्कर के लिए पॉलीमेराइज चेन रिएक्शन स्क्रीनिंग



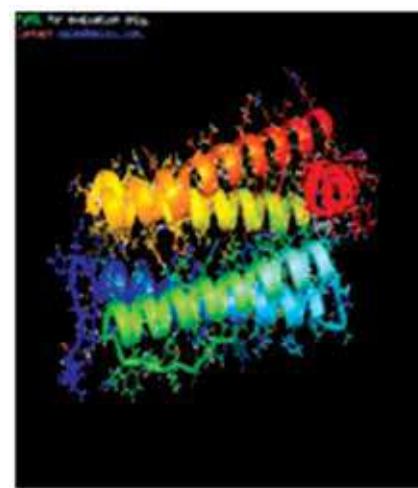
बैसिलस एमिलोलिक्वाफेसिन्स सीओएफसीएचू-पी। का फिलोजेनेटिक पेड़

प्रोबायोटिक आशाजनक स्ट्रेन पी1 - बैसिलस एमिलोलिक्वाफेसिन्स, पी2 - बी. लिचेनिफार्मिस, पी 3 - बी. सबटिलिस, पी 4 - स्यूडोमोनास एंटोमोफिला, पी 5 - पी. मोसेली, पी 7 - बी. पैरालिचेनिफार्मिस, पी 8 - बी. अल्टिडूडिनिस, पी 9 - बी. सबटिलिस को मीठे पानी के टिलिओस्ट रोहू (लेबियो रोहिता) के पाचन तंत्र से पृथक किया गया था, 16S rRNA जीन अनुक्रम विश्लेषण का उपयोग करके इनकी पहचान की गई थी। स्ट्रेन की प्रोबायोटिक क्षमता का मूल्यांकन इन विट्रो परीक्षणों की एक सरणी अर्थात् सुरक्षा और आनुवंशिक विश्लेषण के साथ आसंजन गुण, स्वतः और सह-एकत्रीकरण क्षमता, कोशिका सतह हाइड्रोफोबेसिटी, हीमोलिटिक गतिविधि, एक्स्ट्रा सेलुलर एंजाइम गतिविधि (प्रोटीन, एमिलेज, लिपेज और सेल्यूलोज) का उपयोग करके किया गया था।

इन परीक्षणों के आधार पर COFCAU_P1 को आगे के विश्लेषण के लिए चुना गया। आइसोलेट ने कई मत्स्य रोगजनक बैक्टीरिया के विरु (शक्तिषाली रोगाणुरोधी प्रतिक्रिया, एक विस्तृत पीएच रेंज (2-9) में उत्तरजीविता और उच्च बाइल साल्ट सांदर्भता (10% तक) के लिए प्रतिरोधिता प्रदर्शित की। स्वस्थाने आसंजन गुणों के संबंध में, स्ट्रेन ने म्यूक्स, स्वतः और सह-एकत्रीकरण क्षमता और

कोशिका सतह हाइड्रोफोबेसिटी के लिए स्वस्थाने आसंजन में उल्लेखनीय अधिकता प्रदर्शित की। स्ट्रेन नॉन-हीमोलिटिक था, जो एक्स्ट्रासेलुलर एंजाइमों का उत्पादन करने में सक्षम था। प्रोटीन, एमिलेज, लिपेज और सेलुलॉज और उल्लेखनीय फे रेडिकल स्क्वेंजिंग गतिविधि दर्शाई। रोहू में एक चुनौती अध्ययन से पता चला कि स्ट्रेन COFCAU_P1 गैर-रोगजनक के रूप में है। अंत में, स्वस्थाने और आनुवंशिक ख्रिंगारों ने जलजीव पालन उद्योग में इसके उपयोग की क्षमता के साथ ऑटोचथनस स्रोत से संभावित प्रोबायोटिक की पहचान को सक्षम किया।

iii) ओ. बिमाकुलाटस ब्रूडर की लिपिड आवश्यकता 50 ग्राम प्रति कि.ग्रा. आहार है जैसा कि बेहतर निशोचन दर, जीएसआई, अंडे की मात्रा और





केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

पूर्ण उत्पादकता द्वारा इंगित किया गया है। यह इंडियन बटर कैटफिश, ओ. बिमाकुलाटस के बेहतर प्रजनन प्रदर्शन के लिए लागत प्रभावी लिपिड सम्मिलित आहार तैयार करने में सहायक होगा।

- iv) मीठे पानी की मछलियों में फेरिटिन हेवी चेन सबव्यूनिट : फेरिटिन सर्वव्यापी और लोहे के भंडारण की अच्छी विशेषता वाले और विषहरण प्रोटीन हैं। वे आम तौर पर दो प्रकार, एच और एल के 24 समान उपइकाइयों से मिलकर बनता है। एच चेन सबव्यूनिट में एक फेरोक्सिडास सेंटर होता है जो फेरस को फेरसिक आयरन में बदल सकता है। प्रोटीन के भौतिक रसायन और संरचनात्मक विश्लेषण से पता चलता है कि मीठे पानी की मछलियों में फेरिटिन हेवी चेन प्रोटीन कुछ हद तक अम्लीय (पीएच : 5.78-5.15), हाइड्रोफिलिक (जीआरएवीवाई : -0.860-0.731) और अस्थिर

(अस्थिरता सूचकांक : 53.1-38.05) और अत्यधिक संरक्षित होता है। यह आयरन विषहरण और भंडारण के अध्ययन में मदद करेगा। उत्पन्न डेटा अधिकांश मत्स्य प्रजातियों में प्रोटीन के कार्य और विकास के जैव सूचना अध्ययनों के लिए एक मिसाल प्रदान करेगा।

3.2.5. सामुदायिक विज्ञान

- पूर्वोत्तर क्षेत्र के काजू प्रसंस्करण उद्योग में शामिल महिला कामगारों के व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए काजू पीलर चाकू, सिट एण्ड स्टैंड टूल और उन्नत कार्य स्थल विकसित किया गया है।
- बुने हुए, गैर-बुने और मिश्रित संरचनाओं में निर्माण के लिए कृषि अपशिष्ट सुपारी भूसी रेशो के लिए तकनीक विकसित की गई। उनके भौतिक और यांत्रिक गुणों के लिए मूल्यांकन भी पूरा हो गया है।



काजू पीलर



सिट एण्ड स्टैंड टूल



उन्नत कार्य स्थल



छिलाई के लिए सिट एण्ड स्टैंड टूल



सुपारी का हाथ से काता गया धागा और यूनियन हैंडलूम फैब्रिक



बैकपैक



वेस्ट कोट



सुपारी रेशे के विविध उत्पाद



सेनेटरी नेपकीन



सुपारी की बुनाई रहित सामग्री



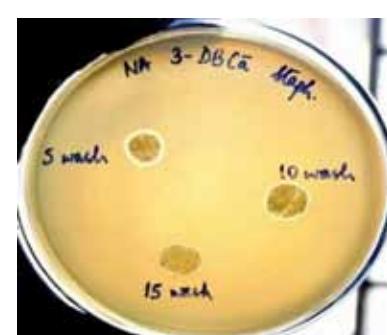
कम्पोजिट शीट से सुपारी नरसी ग्रो बैग



सुपारी डाई पाउडर



सुपारी हर्बल एक्स्ट्रैक्ट



सुपारी हर्बल एक्स्ट्रैक्ट का एंटीमाइक्रोबियल मूल्यांकन

- iii) सुपारी एक्स्ट्रैक्ट (सार) से पर्यावरण अनुकूल एंटीमाइक्रोबियल प्रसंस्कृत हर्बल रंगाई का मानकीकरण किया गया। पारिस्थितिकी-उपचारित हर्बल कपड़ों या एंटीमाइक्रोबियल गुणों वाले उपकरणों का उपयोग चिकित्सा वस्त्रों की तरह विविध कार्यात्मक अंतिम स्तर के उपयोगों के लिए किया जा सकता है। इसलिए घाव उपचार

कपास पटियों को त्वचा से संबंधित रोगों के इलाज के लिए इस रोगाणुरोधी प्रसंस्कृत एक्स्ट्रैक्ट के साथ उपचार किया जा सकता है। खेतीहर महिलाओं के लिए कठिन परिश्रम को कम करने के लिए रेशम कोड़े के कोकून से प्यूपा निकालने के लिए प्यूपा निष्कर्षक विकसित किया गया।



प्यूपा निष्कर्षक



3.2.6. कृषि अभियांत्रिकी

- i) सीढ़ीनफमा स्थलाकृति के लिए गुरुत्वाकर्षण सिंचित सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (एमआईएस) विकसित की गई जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में डब्ल्यूयूई और सब्जी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए उपयोगी है।

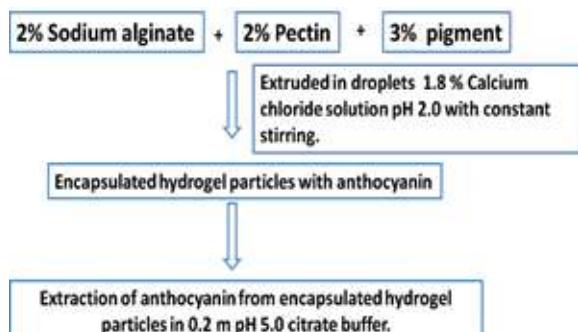


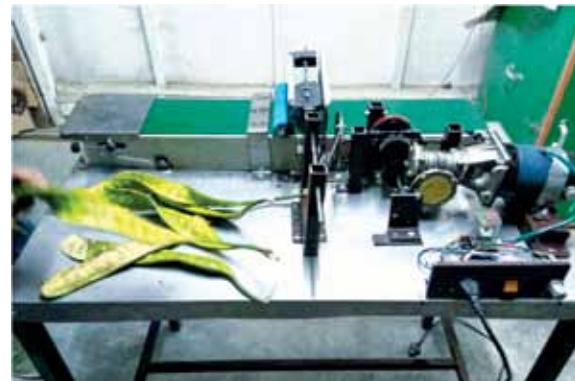
- ii) सब्जी उत्पादन के लिए एक पॉलीहाउस की छत जल संचय प्रणाली विकसित की गई। वार्षिक वर्षा जल क्षमता गुरुत्वाकर्षण ड्रिप सिंचाई प्रणाली के साथ पॉलीहाउस के भीतर कम से तीन सब्जी फसलों को विकसित करने के लिए पर्याप्त है।



कम लागत वाले पॉलीहाउस के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली

- iii) काले सुगंधित चावल (चक-हाओ) से पिगमेंट निकालने के लिए प्रोटोकॉल विकसित किया गया।





पार्किया छीलने की मशीन

- iv) अनानास अपशिष्ट से पेकिटन निकालने के लिए प्रोटोकॉल विकसित किया गया।
- v) पार्किया छीलने की मशीन विकसित की गई। मशीन धुमावदार ब्लेड के साथ पारंपरिक छिलाई विधि में लगने वाले परिश्रम को कम कर सकती है। ऑपरेटर को पार्किया को पकड़ने की आवश्यकता नहीं है जो चिपकने वाला है।

- vi) कीटनाशकों के छिड़काव के लिए एक हल्के वजन वाला पोर्टेबल एयर असिस्टेड इलेक्ट्रोस्टैटिक स्प्रेयर विकसित किया गया। स्प्रेयर के नोजल को विशेष रूप से जैव कीटनाशकों का छिड़काव करने के लिए डिजाइन किया गया है जो अन्यथा उपलब्ध पारंपरिक स्प्रेयर द्वारा छिड़काव नहीं किया जा सकता है।





केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

3.3. उ.पू.प. क्षेत्र के लिए कृषि और संबद्ध विज्ञान में स्थान विशिष्ट वैज्ञानिक निष्कर्ष

एनईएच क्षेत्र के लिए कृषि और संबद्ध विज्ञान में विशिष्ट वैज्ञानिक निष्कर्षों को नीचे प्रस्तुत किया गया है :

क्र. सं.	विषयक्षेत्र	वैज्ञानिक निष्कर्षों की संख्या
1.	कृषि	खेत फसल आनुवंशिक संसाधन प्रयोग एवं सुधार 58 प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और खेत फसल उत्पादन 30 माइक्रोबियल संसाधन और खेत फसल संरक्षण 21
2.	बागवानी और वानिकी	बागवानी फसलों के आनुवंशिक संसाधनों का उपयोग और सुधार 65 प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और बागवानी फसल उत्पादन 12 माइक्रोबियल संसाधन और बागवानी फसल संरक्षण 21
3.	पशु चिकित्सा विज्ञान	पशु चिकित्सा और सर्जरी 5 और पशुपालन पशु चिकित्सा कार्यकी और जैवरसायनिकी 23 पशुधन उत्पादन और प्रबंधन 18
4.	मत्स्य पालन	मत्स्य आनुवंशिक संसाधन उपयोग, मत्स्य प्रजनन और जलजीव पालन 10 मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन 2
5.	सामुदायिक विज्ञान	परिवार संसाधन प्रबंधन 8 परिधान, वस्त्र और हस्तशिल्प 7 मानव विकास, पोषण और मूल्य वर्धन 16
6.	कृषि अभियांत्रिकी	एवं कृषि यंत्रीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा 26 सम्योत्तर प्रौद्योगिकी मृदा और जल संरक्षण अभियांत्रिकी 5 कृषि और प्लास्टिकल्चर में एर्गोनोमिक और सुरक्षा 16 सम्योत्तर प्रौद्योगिकी और मूल्यवर्धन 19
	कुल	362

3.4. 2019-20 के दौरान गुणवत्तापरक बीज उत्पादन

विवरण	खरीफ, 2019 (किवंटल में)			
	संस्थान/विश्वविद्यालय के फार्म में		किसानों के खेत में	
	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
खेत फसलें				
प्रजनक बीज	10.00	11.98	-	-
आधारिक बीज	-	-	-	-
प्रमाणित बीज	-	-	500.00	577.00
प्रमाणिक लेबलयुक्त बीज	-	-	5.00	7.70
उप-कुल	10.00	11.98	505.00	584.70
तिलहन				
प्रमाणिक लेबलयुक्त बीज	-	-	60.00	83.00



प्रसार गतिविधियां

4



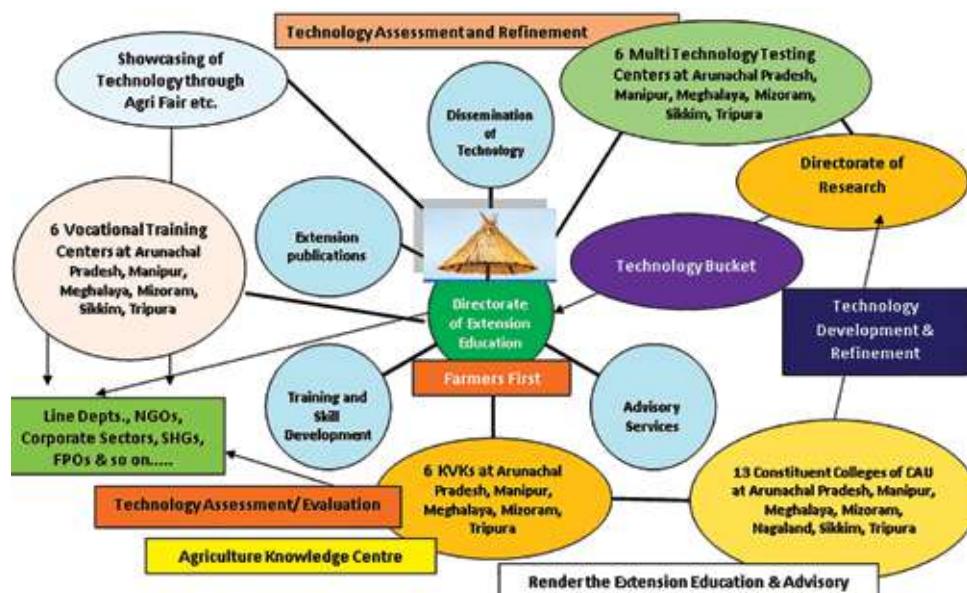
के

द्विय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के प्रसार शिक्षा निदेशालय की प्रसार और प्रसार शिक्षा के संदर्भ में एक वैधानिक भूमिका है। प्रसार सेवा एक वाहन है, जो वैज्ञानिक समुदाय द्वारा कृषि समुदाय के समग्र लाभ के लिए विकसित की गई वैज्ञानिक कृषि प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप को वहन करती है। यह नेक गतिविधि किसानों में विद्यमान तकनीकी खामियों को दूर करने में मदद करती है। विश्वविद्यालय के इस महत्वपूर्ण कार्य का अंतिम लक्ष्य खेत पर सभी उद्यमों को ध्यान में रखते हुए, उन्हें एकीकृत करके और पूरे खेत को एक इकाई मानकर किसानों की स्थायी शुद्ध आय में वृद्धि करना है।

प्रसार का यह प्रमुख कार्य कृषि सूचना / नवाचार / नई प्रौद्योगिकियों आदि के प्रसार के माध्यम से पूरा किया जाता है; किसानों / ग्रामीण युवाओं / खेतीहर महिलाओं / बेरोजगार युवाओं और प्रसार अधिकारियों का प्रशिक्षण; विभिन्न गतिविधियों जैसे निरूपण, फील्ड विजिट, खेत दिवस, एक्सपोज़र विजिट,

कार्यशाला, क्षेत्रीय कृषि मेले, किसानों के विज्ञान सम्मेलन, सामूहिक चर्चा, स्वास्थ्य शिविर, नैदानिक दौरा, परामर्श सेवाएं, मृदा विश्लेषण, जल विश्लेषण, व्यक्तिगत मोबाइल / ब्लाट्सएप ग्रुप के माध्यम से कृषि सलाहकार सेवाएं, के माध्यम से किसानों को शिक्षित करतां, किसानों के अनुकूल पठन सामग्री के प्रकाशन के साथ-साथ बीडियो विलिपिंग आदि।

उपरोक्त सूचीबद्ध कार्य तेरह महाविद्यालयों, छह कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), छह व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों (वीटीसी) और छह बहु प्रौद्योगिकी परीक्षण केंद्रों (एमटीटीसी) के माध्यम से किए जा रहे हैं, जो असम को छोड़कर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के 7 राज्यों में काम कर रहे हैं जो केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के क्षेत्राधिकार में हैं। किसान समुदाय अपनी खेती की समस्याओं के समाधान और अपनी आजीविका में सुधार करने के लिए विश्वविद्यालय की किसी भी इकाई की सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।





4. प्रशिक्षण कार्यक्रम

4.1 प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम

4.1.1 आईसीएआर-अटारी जोन VII द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम

निदेशालय ने संगत विभागों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेन्सियों के प्रसार अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया ताकि उन्हें पहचान किए गए कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की नवीनतम तकनीकी जानकारी से अद्यतित रखा जा सके।

क्र.सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	अवधि दिनांक	पुरुष	महिला	कुल
1.	उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अच्छी बागवानी प्रथाएं	3 दिन सितम्बर 9-11, 2019	19	09	28
2.	पशुओं के सामान्य परजीवी रोगों के प्रबंधन के रुझान और परिप्रेक्ष्य।	5 दिन नवम्बर 26.30, 2019	17	05	22
3.	जैविक खेती में मृदा प्रबंधन	फरवरी 17.21, 2020	13	12	25
4.	बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी एवं मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन	3 दिन दिसम्बर 19.21, 2019	15	04	19
5.	मानव जीवन अवधि के दौरान स्वास्थ्य एवं पोषण में प्रौद्योगिकीय प्रगति	3 दिन दिसम्बर 5.7, 2019	03	20	23
6.	जलजीव पालन में प्रबंधन की अच्छी प्रथाएं	3 दिन सितम्बर 17.21, 2019	05	04	09
महायोग			72	54	116

4.1.2 आईसीएआर-एनबीएआईआर, बैंगलोर द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम

प्रसार शिक्षा निदेशालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल ने उत्तर पूर्वी भारत के निम्नलिखित प्रसार कर्मियों / अधिकारियों / विषयवस्तु विशेषज्ञों को आईसीएआर-एनबीएआईआर, बैंगलोर में 3 बैचों में भेजा है, ताकि “एनईएच क्षेत्र में फाल आर्मी वॉर्म (एफएडब्ल्यू) पर विशेष ध्यान देते हुए प्रमुख कीटों के प्रबंधन के लिए जैविक नियंत्रण और संगत कीट प्रबंधन मॉड्यूल” पर प्रशिक्षण दिलाया जा सके।

क्र. सं.	प्रशिक्षणार्थियों का विवरण	अवधि दिनांक	पुरुष	महिला	कुल
1.	प्रथम दल : असम-2, मणिपुर-6, अरुणाचल प्रदेश-2, त्रिपुरा-2	6 दिन अगस्त 19-24, 2019	6	6	12
2.	द्वितीय दल : असम-1, मणिपुर-4, त्रिपुरा-2, मेघालय-2	6 दिन सितम्बर 16-20, 2019	6	3	9
3.	तृतीय दल : असम-1, मेघालय-2, त्रिपुरा-4, सिक्किम-1	6 दिन अक्टूबर 14-19, 2019	6	2	8
महायोग			18	11	29



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

4.1.3 अन्य वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण

वर्ष 2019-20 के दौरान घटक महाविद्यालयों और कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रसार संसाधन व्यक्तियों (कृषि विज्ञान केन्द्रों के विषयवस्तु विशेषज्ञों, विभागीय कामिकों, गैर-सरकारी संगठनों, इनपुट डीलरों आदि) के लिए विभिन्न फंडिंग एजेंसियों द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन (मानव दिवसों में) किया गया।

क्र. सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	अवधि दिनांक एवं घंटे	मानव दिवसों की संख्या
1	ग्रीनहाउस प्रौद्योगिकी के अंतर्गत फूलों की खेती	20	3 दिन (20-22 मई, 2019 : 18 घंटे)	2.25
2	वीसी/सीएसओ के लिए स्वच्छता एवं सफाई	32	4 दिन (4-7 जून 19 : 24 घंटे)	3.00
3	मत्स्य स्वास्थ्य एवं पर्यावरण प्रबंधन	19	7 दिन (25 जून-1 जुलाई, 2019 : 35 घंटे)	4.38
4	वीसी/सीएसओ के लिए स्वास्थ्य एवं पोषण	30	4 दिन (2-5 जुलाई 2019 , 24 घंटे)	3.00
5	मागूर और सिंधी मछलियों का बीज उत्पादन एवं लार्वा संवर्धन	16	7 दिन (6-12 जुलाई, 2019, 35 घंटे)	4.38
6	प्रबंधन कौशल तथा सस्योपरांत प्रौद्योगिकी प्रबंधन	49	3 दिन (8-10 जुलाई, 2019, 18 घंटे)	2.25
7	मूल्य संवर्धित मत्स्य उत्पाद प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण	15	5 दिन (16-20 जुलाई, 2019 : 25 घंटे)	3.13
8	बक के उपयोग से बुनाई डिजाइन/मोटिफ पर बुनकरों का प्रशिक्षण	19	3 दिन (6-8 अगस्त, 2019 : 18 घंटे)	2.25
9	जैविक खेती को बढ़ावा	18	3 दिन (11-13 सितम्बर, 2019, 18 घंटे)	2.25
10	परिरक्षित खेती के अंतर्गत हस्तक्षेप। मिजोरम के आइजवाल जिले में उत्तर पूर्वी पर्वतीय प्रदेश के अंतर्गत उच्च मूल्य की सब्जी किस्में	15	5 दिन (16-20 सितम्बर, 2019 : 30 घंटे)	3.75
11	गुठलीदार सब्जियों का बीज उत्पादन और कलम एवं रोपण सामग्री	11	15 दिन (16-30 सितम्बर, 2019 : 90 घंटे)	11.25
12	कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों पर आवश्यक प्रथाएं : जल संरक्षण एवं उपयोग।	15	5 दिन (16-20 सितम्बर, 2019 : 30 घंटे)	3.75
13	कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों पर आवश्यक प्रथाएं : जल संरक्षण एवं उपयोग।	15	5 दिन (16-20 सितम्बर, 2019 : 30 घंटे)	3.75
14	कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों पर आवश्यक प्रथाएं : मछलियों की अच्छी एवं स्वस्थ सस्योपरान्त हैंडलिंग प्रथाएं	25	5 दिन (16-20 सितम्बर, 2019 : 30 घंटे)	3.75
15	एक्वारियम का निर्माण तथा रंगीन मछलियों का पालन एवं प्रजनन	11	15 दिन (16-30 सितम्बर, 2019 : 90 घंटे)	11.25
16	कीट प्रबंधन की परिकल्पना एवं सिद्धांत	15	3 दिन (16-20 सितम्बर, 2019 : 18 घंटे)	2.25
17	कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की प्रथाएं : शुकर प्रबंधन एवं इसकी प्रथाएं	05	15 दिन (16-20 सितम्बर, 2019 : 90 घंटे)	11.25
18	पौधिक आहार के लिए क्वैल पालन	11	15 दिन (16-30 सितम्बर, 19 : 90 घंटे)	11.25

प्रसार गतिविधियां



क्र. सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	अवधि दिनांक एवं घंटे	मानव दिवसों की संख्या
19	पादप प्रबर्धन प्रौद्योगिकी : बॉनसाय इन द मेकिंग, पीस विथइन (ड्रिप एवं स्प्रिकलर प्रणाली के उपयोग से बागान के लिए सिंचाई तकनीक	11	15 दिन (16-30 सितम्बर, 2019 : 90 घंटे)	11.25
20	जलजीव पालन में अच्छी प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से कम खर्च पर अधिक लाभ	09	5 दिन (17-21 सितम्बर, 2019 : 25 घंटे)	3.13
21	मत्स्य एवं मत्स्य उत्पादों के विपणन में क्षमता निर्माण एवं आईसीटी का अनुप्रयोग	24	3 दिन (17-19 सितम्बर, 2019 : 15 hrs.)	1.88
22	मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाएं	10	3 दिन (23-25 सितम्बर, 2019 : 18 घंटे)	2.25
23	मत्स्य उत्पादन को बढ़ाने के लिए मृदा एवं जल गुणवत्ता प्रबंधन	15	3 दिन (14-16 अक्टूबर, 2019 : 24 घंटे)	3.00
24	छत पर जल संग्रहण प्रणाली और इसके घटक	26	5 दिन (14-16 अक्टूबर, 19 : 30 घंटे)	3.75
25	सिंचाई प्रबंधन	24	3 दिन (31 अक्टूबर-2 नवम्बर, 2019 : 24 घंटे)	3.00
26	एनएमशी के अंतर्गत मिजोरम में जलवायु परिवर्तन की अनुकूलन योजना : जल क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का अनुकूलन (मिजोरम विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद मिस्टिक)	31	4 दिन (4-7 नवम्बर, 19 : 24 घंटे)	3.00
27	उत्तर पूर्वी भारत के मात्स्यकी क्षेत्र में उद्यमिता की सम्भावनाएं	30	10 दिन (20-29 नवम्बर, 2019 : 50 घंटे)	6.25
28	उत्तर पूर्वी भारत में मात्स्यकी संसाधनों के आवास की पद्धतियां एवं तकनीक तथा मत्स्य संरक्षण	10	7 दिन (22-28 नवम्बर, 2019 : 42 घंटे)	5.25
29	कम लागत वाले ग्रीन हाउस के माध्यम से सीडलिंग उत्पादन	30	3 दिन (28-30 नवम्बर, 2019 : 18 घंटे)	2.25
30	सब्जी फसलों की परिक्षित खेती : उत्तर पूर्वी प्रदेश में रोजगार का एक साधान	20	8 दिन (2-9 दिसम्बर, 2019 : 60 घंटे)	7.50
31	'मत्स्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन तथा मत्स्य अपशिष्टों का प्रबंधन' विषय पर शीतकालीन सत्र	17	21 दिन (07-27 जनवरी, 2020 : 105 घंटे)	13.12
32	मत्स्य पालन में प्रबंधन	11	3 दिन (11-13 जनवरी, 2020 : 24 घंटे)	3.00
33	पीआरए तकनीकों के माध्यम से सूक्ष्म स्तरीय नियोजन	15	5 दिन (30 जरवरी 3 फरवरी, 2020 : 35 घंटे)	4.38
34	छोटे पशुओं में गर्भावस्था और अन्य प्रजनन संबंधी समस्याओं के निदान के लिए इमेजिंग तकनीक का अनुप्रयोग	19	3 दिन (4-6 फरवरी, 2020 : 18 घंटे)	2.25



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	अवधि दिनांक एवं घंटे	मानव दिवसों की संख्या
35	मीठे जल के तालाब और शिशु मत्स्य पालन का डिजाइन एवं निर्माण	17	7 दिन (10-16 फरवरी, 2020 : 42 घंटे)	5.25
36	उत्पादकता की वृद्धि के लिए तालाब पालन में वैज्ञानिक हस्तक्षेप	20	3 दिन (26-28 फरवरी, 2020 : 15 घंटे)	1.88
37	वाणिज्यिक शूकर फार्म प्रबंधन में प्रगति	07	3 दिन (25-27 फरवरी, 2020 : 18 घंटे)	2.25
38	110वां फोकर्स के अंतर्गत नार्म, हैदराबाद के एआरएस प्रोबेषनर्स के लिए फील्ड एक्सपीरियंस ट्रेनिंग फार्मर्स फास्ट प्रोग्राम, एसीयू, इम्फाल द्वारा अपनाए गए गांवों में आयोजित किया गया।	06	21 दिन (24 फरवरी-15 मार्च, 2020 : 126 घंटे)	15.75
39	फार्म पशुओं का प्रबंधन	22	3 दिन (2-4 मार्च, 2020 : 16 घंटे)	2.00
40	जैविक खेती	14	3 दिन (12-14 मार्च, 2019 : 24 घंटे)	3.00
41	ग्रामीण आर्थिकी एवं आर्जीविका के लिए एकीकृत पालन प्रणाली तथा मूल्य श्रृंखला प्रबंधन	29	4 दिन (26-29 मार्च, 2019, 24 घंटे)	3.00
महायोग		758		197.53

4.2 किसानों/खेतीहर महिलाओं/युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम



बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी एवं मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन



कैड के उपयोग से बुने हुए उत्पादों के डिजाइन/मोटिफ की तैयारी के लिए बनकरों का प्रशिक्षण





मक्के की खेत में प्रशिक्षणार्थी



एनबीएआईआर प्रयोगशाला में प्रशिक्षण



आईसीएआर-एनबीएआईआर, बैंगलोर के अधिकारियों के साथ
ग्रुप फोटो



प्रमाण पत्र वितरण (एनबीएआईआर)

4.2.1 अटारी जोन VII द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम

निदेशालय ने कृषि उत्पादन और कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्र में आय बढ़ाने के लिए आवश्यकता आधारित निम्नलिखित चार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। कुल मिलाकर, 226 लाभार्थी लाभान्वित हुए।

क्र. प्रशिक्षण का शीर्षक सं.	स्थान, दिनांक एवं अवधि	लाभार्थियों की संख्या	पुरुष	महिला
1. “उत्तर पूर्वी पर्वतीय प्रदेश में सब्जी फसलों की केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय का वैज्ञानिक खेती” विषय पर किसानों के लिए 3 दिन मुख्यालय, लम्फेल, इम्फाल, का प्रशिक्षण (परिसर में) दिसम्बर 11-13, 2020	21	15	6	
2. तोरिया और सरसों की शून्य जुताई खेती पर 3 दिन सनायथेल, इम्फाल पश्चिम, का प्रशिक्षण दिसम्बर 16-18, 2020	29	14	15	
2. “बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी एवं मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन” केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय का पर मत्स्य पालकों के लिए 3 दिन का प्रशिक्षण (पहला मुख्यालय, लम्फेल, इम्फाल, बैच, परिसर में) दिसम्बर 26-28, 2020	35	32	3	
3. “बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी एवं मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन” केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय का पर मत्स्य पालकों के लिए 3 दिन का प्रशिक्षण (दूसरा मुख्यालय, लम्फेल, इम्फाल, बैच, परिसर में) जनवरी 20-22, 2020	40	35	5	
4. “बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी एवं मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन” केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय का पर मत्स्य पालकों के लिए 3 दिन का प्रशिक्षण (तीसरा मुख्यालय, लम्फेल, इम्फाल, बैच, परिसर में) जनवरी 23-25, 2020	43	41	2	
महायोग		168	137	31



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

4.2.2 सीसीएस-एनआईएम, जयपुर द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम

निदेशालयों, घटक महाविद्यालयों और कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर उत्तर पूर्वी प्रदेश के विभिन्न राज्यों में निम्नलिखित 11 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनसे कुल 351 किसान लाभान्वित हुए हैं।

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	निदेशालय / कालेज / केवीके	ऑन कैम्पस /ऑफ कैम्पस	अवधि	जिला/क्षेत्र	लिंग		योग
						पुरुष	महिला	
1.	ऑनफार्म, ऑफ फार्म एवं नॉन-फार्म गतिविधियों से आय सुजन	अनुसंधान निदेशक, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	ऑफ कैम्पस, केनौव थोंगखा, बिष्णुपुर जिला, मणिपुर	3 दिन (अगस्त 21.23, 2019)	बिष्णुपुर जिला, मणिपुर राज्य, उत्तर पूर्वी प्रदेश	28	1	29
2.	कृषि और बागवानी फसलों की जैविक खेती एवं विपणन के माध्यम से अरूणाचल प्रदेश के किसानों का आर्थिक विकास	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश	ऑन कैम्पस	3 दिन (अगस्त 29.31, 2019)	पूर्वी सियांग जिला, अरूणाचल प्रदेश राज्य, उत्तर पूर्वी प्रदेश	29	16	45
3.	अरूणाचल प्रदेश में मसालों का विपणन एवं पासीघाट, मूल्य शृंखला विश्लेषण अरूणाचल प्रदेश	कृषि महाविद्यालय, अॉन कैम्पस (सितम्बर 5.7, 2019)	अॉन कैम्पस	3 दिन (सितम्बर 5.7, 2019)	किनजित मेबो, पूर्वी सियांग जिला, अरूणाचल प्रदेश	-	45	45
4.	गहन डेयरी फार्मिंग एवं कृषि अभियांत्रिकी ऊर्जा प्रबंधन	एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सिक्किम	ऑन कैम्पस	3 दिन (सितम्बर 19.21, 2019)	सिक्किम राज्य	23	02	25
5.	मत्स्य एवं मत्स्य उत्पादों मात्स्यकी के विपणन में आईसीटी महाविद्यालय, का अनुप्रयोग	त्रिपुरा	ऑन कैम्पस	3 दिन (17.19 सितम्बर, 2019)	एनईएच-23 राजस्थान-1	21	3	24
6.	अनुबंध खेती के माध्यम बागवानी से बागवानी किसानों का सामाजिक-आर्थिक विकास	एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश	ऑन कैम्पस	3 दिन (सितम्बर 4.6, 2019)	पश्चिमी सियांग एवं पूर्वी सियांग जिले, अरूणाचल प्रदेश	25	9	34
7.	फल, सब्जियाँ और अन्य उत्पादों का पैकेजिंग	अनुसंधान निदेशक, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	ऑन कैम्पस	3. दिन (सितम्बर 18.20)	पूर्वी इम्फाल, उखरूल एवं चूराचन्दनपुर जिला	11	15	26



क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	निदेशालय / कालेज / केवीके	ऑन कैम्पस /ऑफ कैम्पस	अवधि	जिला/क्षेत्र	लिंग पुरुष	योग महिला
8.	उत्पादकता और किसानों बागबानी की आय बढ़ाने वाली एवं वानिकी बागबानी की अच्छी प्रथाएं	ऑन कैम्पस (सितम्बर 9.11, 2019)	3 दिन महाविद्यालय, पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश	पूर्वी सिंयांग, अंजा जिले, अरूणाचल प्रदेश	14	14	28
9.	आय वृद्धि के लिए गहनता एवं विविध करण	कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विज्ञान दक्षिण गारो पर्वत केन्द्र, दक्षिण श्रृंखला, मेघालय गारो पर्वत श्रृंखला	3 दिन (25.27, 2019)	वरीमा, दक्षिण गारो पर्वत श्रृंखला, चोकपॉट जिला	21	19	40
10.	दलहन, मसालों, मांस तथा अन्य उत्पादों का मूल्य संवर्धन	अनुसंधान निदेशक, ऑफ कैम्पस केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	3 दिन (सितम्बर 27.29, 2019)	बाशीखोंग, पूर्वी इम्फाल जिला, मणिपुर	-	30	30
11.	सिक्किम में हिमालयन क्षेत्र के सीमान्त किसानों के लिए जलवायु परिवर्तन के जोखिम को कम करना	बागबानी एवं वानिकी महाविद्यालय, सिक्किम	3 दिन (सितम्बर 26.28, 2019)	सिक्किम	10	15	25
महायोग					125	169	351

4.3 किसानों/खेतीहर महिलाओं/युवाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम

4.3.1 आईसीएआर-अटारी जोन VII द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम

फार्म उत्पादन तथा आय पूरक को बढ़ाने हेतु कृषि और संबद्ध गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं पर लाभार्थियों को जागरूक करने के लिए निदेशालय द्वारा निम्नलिखित पांच एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रमों (ऑन/ऑफ कैम्पस) का आयोजन किया गया। कुल मिलाकर, 366 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया।

क्र.सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	स्थान, दिनांक	पुरुष	महिला	योग
1.	“मधुमक्खी पालन एवं कुकुट पालन” विषयों पर एक अक्षयिंग बाजार, जुलाई 17, 2019 (ऑफ कैम्पस)	काक्षिंग बाजार, जुलाई 54	32	86	
2.	“एकीकृत मधुमक्खी पालन का वैज्ञानिक प्रबंधन” विषय उखरूल टौनगौ गांव, 27, 2019 पर एक दिवसीय जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम जुलाई 2019 (ऑफ कैम्पस)	उखरूल टौनगौ गांव, 164	11	175	
3.	“कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां” विषय पर एक दिवसीय कांउनसिल हाल, एडीसी, सेनापति, अगस्त 2019, 2019 (ऑफ कैम्पस)	कांउनसिल हाल, एडीसी, सेनापति, अगस्त 21	18	39	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	स्थान, दिनांक	पुस्तक	महिला	योग
4.	“कुकुट पालन का वैज्ञानिक संवर्धन” विषय पर एक लंगा कोयरेंग गांव, कांगपॉकपी, सितम्बर 30, 2019	6	31	37	
5.	कार्प मछलियों के प्रेरित प्रजनन पर पद्धति निरूपण सेओएफटी, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल, जून 20, 2019	29	0	29	
	महायोग	274	92	366	

4.3.2 अन्य जागरूकता कार्यक्रम

घटक महाविद्यालयों, और कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विभिन्न विषयों पर विभिन्न वित्त पोषण एजेन्सियों द्वारा प्रायोजित अन्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

क्र. सं.	कार्यक्रम/प्रायोजकता का शीर्षक/ऑफ या ऑन कैम्पस	प्रसार कार्यकर्ता/किसान	अवधि एवं दिनांक	स्थान	लाभार्थी		
					पु	म	योग
1.	एफएफपी कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एफएफपी टीम के साथ आईसीएआर-डीकेएमए, आईएआरआई, नई दिल्ली के दो अधिकारियों (डॉ. अरुणा टी. कफमार एवं डॉ. मिताली घोष) ने एफएफपी फील्ड स्थानों का फील्ड विजिट।	किसान	1 दिन, फरवरी 5, 2020	एयरीपॉक टॉप चिंगठा एवं एयरीपॉक यामबेम, पूर्वी इम्फाल	10	5	15
2.	आईसीएआर-एफएफपी प्रायोजित “मुशरूम और वर्मी कॉम्पोस्टिंग की वैज्ञानिक खेती” विषय पर ऑफ कैम्पस जागरूकता सह निरूपण कार्यक्रम।	किसान	1 दिन, फरवरी 15, 2020	एयरीपॉक यामबेम गांव	15	15	30
3.	मणिपुरी बत्तख परियोजना, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा प्रायोजित “बेरोजगार युवाओं की सतत आय के लिए बत्तख पालन” विषय पर ऑन कैम्पस जागरूकता कार्यक्रम।	किसान	फरवरी 24, 2020	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल	35	20	55
4.	मणिपुरी टट्टू परियोजना, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा प्रायोजित “टट्टूओं का वैज्ञानिक प्रबंधन” विषय पर ऑफ कैम्पस जागरूकता कार्यक्रम के पश्चात टट्टू स्वास्थ्य शिविर।	किसान	जनवरी 18, 2020	लंगजिंग अचौबा, पश्चिमी इम्फाल	30	5	35
5.	मणिपुरी टट्टू परियोजना, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा प्रायोजित “टट्टूओं का वैज्ञानिक प्रबंधन” विषय पर ऑफ कैम्पस जागरूकता कार्यक्रम के पश्चात टट्टू स्वास्थ्य शिविर।	किसान	जनवरी 20, 2020	लैम्फेल यू. के. रोड पश्चिमी इम्फाल	36	4	40

प्रसार गतिविधियां



क्र. सं.	कार्यक्रम/प्रायोजकता का शीर्षक/ऑफ या आँन कैम्पस	प्रसार कार्यकर्ता/ किसान	अवधि एवं दिनांक	स्थान	लाभार्थी		
					पु	म	योग
6.	मणिपुरी बत्तख परियोजना, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा प्रायोजित 'वैज्ञानिक बत्तख पालन' विषय पर ऑफ कैम्पस जागरूकता कार्यक्रम।	किसान	जनवरी 22, 2020	नारनकॉनजिल ममांग लेकाय पश्चिमी इम्फाल	12	23	35
7.		किसान	जनवरी 25, 2020	कॉडॉमपॉकपी ममांग लेकाय पश्चिमी इम्फाल	14	31	45
8.		किसान	मार्च 9, 2020	अलंग खांगपॉकपी मयाय लेयकाय काकचिंग जिला	9	27	36
9.		किसान	मार्च 15, 2020	थौबल मयाय लेयकाय थौबल जिला	18	13	31
10.	शूकर पर एआईसीआरपी द्वारा प्रायोजित "सतत आय हेतु लाभदायक शूकर पालन" विषय पर ऑफ कैम्पस जागरूकता कार्यक्रम, तत्पश्चात "शूकर स्वास्थ्य शिविर"	किसान	फरवरी 22, 2020	अवंग सेकमय पश्चिमी इम्फाल	21	16	37
12.	शूकर पर एआईसीआरपी द्वारा प्रायोजित "सतत आय हेतु लाभदायक शूकर पालन" विषय पर ऑफ कैम्पस जागरूकता कार्यक्रम, तत्पश्चात "शूकर स्वास्थ्य शिविर"	किसान	फरवरी 29, 2020	एंड्रो गांव, पूर्वी इम्फाल	25	13	38
					130 pigs registered for check-up		
13.	"मणिपुर में कृषि में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, इसका शमन और अनुकूलन रणनीति" विषय पर दो ऑफ कैम्पस जागरूकता शिविर	किसान	जनवरी 10, 16ए 2020	चुराचांदपुर थौबल	41	70	111
14.	"मणिपुर में कृषि में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, इसका शमन और अनुकूलन रणनीति" विषय पर दो ऑफ कैम्पस जागरूकता शिविर	किसान	फरवरी 18, 21, 2020	सस्य विज्ञान प्रभाग	30	70	100
15.	एनबीएआईआर, बैंगलोर द्वारा प्रायोजित "अदरक के साफ्ट रॉट का प्रबंधन" विषय पर 4 आँन कैम्पस जागरूकता शिविर।	किसान	मार्च 2, 3-4, 2020	कृषि महाविद्यालय, पादप रोगविज्ञान विभाग	96	56	152
16.	"कंद फसलों" पर ऑफ कैम्पस जागरूकता शिविर।	किसान	मार्च 17, 2020	खोंगहैम्पत पश्चिमी इम्फाल	34	20	54
17.	"कंदों की वैज्ञानिक खेती एवं प्रसंस्करण" पर ऑफ कैम्पस जागरूकता शिविर।	किसान	मार्च 2 2020	आइरेनबंड, काकचिंग	35	15	50



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कार्यक्रम/प्रायोजकता का शीर्षक/ऑफ या ऑन कैम्पस	प्रसार कार्यकर्ता/ किसान	अवधि एवं दिनांक	स्थान	लाभार्थी		
					पु म	म	योग
18.	“फूलगोभी की खेती में बॉरॅन का महत्व” पर ऑन कैम्पस जागरूकता शिविर।	किसान	12 फरवरी 2020	मृदा विज्ञान विभाग	0	30	30
19.	“किसानों की आय दोगुणा करने हेतु सूक्ष्म एवं गौण पोषक तत्वों का महत्व” पर ऑन कैम्पस जागरूकता शिविर।	किसान	13 फरवरी 2020	मृदा विज्ञान विभाग	10	20	30
20.	डमपजलए भारत सरकार द्वारा प्रायोजित “मोबाइल एग्रो एडवाइजरी” (मत्स्य वार्ता) विषय पर 4 ऑफ कैम्पस जागरूकता सह संवेदीकरण कार्यक्रम	किसान	एक दिन	पश्चिमी त्रिपुरा, खोवाई एवं गोमती	200	40	240
21.	“वर्षा जल संचयन और सूक्ष्म सिंचाई का उपयोग” पर ऑफ कैम्पस जागरूकता कार्यक्रम।	किसान	एक दिन मार्च 16, 2020	परखा ब्लॉक, पूर्वी सिक्किम	36	04	40
22.	बगवानी फसलों का प्रमुख रोग और इनका प्रबंधन खेतीहर एवं खेतीहर महिलाएं फरवरी 2, 2020 पर ऑन कैम्पस जागरूकता शिविर।	1 दिन, खेतीहर महिलाएं फरवरी 2, 2020	कालेज फार्म	15	25	40	
23.	जरबेरा और कार्नेशन की उत्पादन प्रौद्योगिकी पर खेतीहर एवं खेतीहर महिलाएं फरवरी 1, 2020 पर ऑन कैम्पस जागरूकता शिविर।	1 दिन, खेतीहर महिलाएं फरवरी 1, 2020	कालेज फार्म	20	25	45	
24.	बगवानी फसलों का प्रमुख कीट नाशीजीव एवं खेतीहर एवं उनका प्रबंधन पर ऑन कैम्पस जागरूकता शिविर। खेतीहर महिलाएं फरवरी 28, 2020	1 दिन, खेतीहर महिलाएं फरवरी 28, 2020	कालेज फार्म	15	35	50	
25.	अमरूद (पिसीडियम गौजावा) में फसल विनियमों खेतीहर एवं का पालन पर ऑन कैम्पस जागरूकता शिविर खेतीहर महिलाएं फरवरी 29, 2020	1 दिन, खेतीहर महिलाएं फरवरी 29, 2020	कालेज फार्म	10	40	50	
26.	पादप प्रजनन में बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर छात्र, खेतीहर एवं खेतीहर महिलाएं फरवरी 5, 2020 पर जागरूकता कार्यक्रम	1 दिन, मार्च 5, 2020 एवं खेतीहर महिलाएं	कृषि अभियांत्रिकी एवं स्स्योपरांत प्रौद्योगिकी का प्रेक्षागृह, रानीपूल	60	40	100	
27.	किसानों की आय को दोगुणा करने हेतु एकीकृत पालन प्रणाली पर ऑन कैम्पस जागरूकता शिविर।	किसान	1 दिन, जनवरी 18, 2020	कृषि महाविद्यालय	31	19	50
28.	‘विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस’ पर ऑन कैम्पस जागरूकता कार्यक्रम।	आईसीडीएस सूपरवाइजर्स	1 दिन मार्च 15, 2020	परीवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग	0	20	20
29.	फार्म मशीनरी का रखरखाव और मरम्मत विषय पर ऑन कैम्पस जागरूकता शिविर।	किसान	1 दिन, फरवरी 29, 2020	कालेज कांफरेंस हाल	19	3	22



क्र. सं.	कार्यक्रम/प्रायोजकता का शीर्षक/ऑफ या आँन कैम्पस	प्रसार कार्यकर्ता/ किसान	अवधि एवं दिनांक	स्थान	लाभार्थी पुम् योग
30.	“वैज्ञानिक लेखन और अनुसंधान सम्प्रेशण” विषय संकाय सदस्य पर आँन कैम्पस जागरूकता सह कार्यशाला। डॉ. एवं स्नातकोत्तर/ फरवरी 11, यांत्रिक योगी (जीव विज्ञान में संपादक मंडल पीएचडी शोध 2020 हाल द्वारा प्रमाणित डिप्लोमैट स्टेट्स वाला एक मान्य कार्यकर्ता) ने रिसोर्स पर्सन के रूप में कार्य किया।	संकाय सदस्य 1 दिन, विशेषज्ञ एवं फरवरी 11, 2020	कालेज कांफरेंस किसान	कालेज कांफरेंस हाल	33 29 62
31.	“मिजोरम के लिए मोबाइल बेर्स्ड एग्रो-एडवाइजरी सिस्टम” विषय पर आँन कैम्पस जागरूकता शिविर, एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।	लेवल 2 विशेषज्ञ एवं फरवरी 6, 2020	1 दिन पशु चिकित्सा पशु चिकित्सा अधिकारीगण, मिजोरम सरकार	पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय	19 2 21
32.	MyeiT, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तथा डीआईसी, नई दिल्ली एवं पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कार्यान्वित “मिजोरम के लिए मोबाइल बेर्स्ड एग्रो एडवाइजरी सिस्टम” पर 4 ऑफ कैम्पस जागरूकता कार्यक्रम।	किसान 1 दिन फरवरी 17, 19, 26 एवं मार्च 4, 2020	मुअलुनथु तुरियल तेंजावल एवं निसापुड़ि गांव	मुअलुनथु तुरियल तेंजावल एवं निसापुड़ि गांव	80 100 180

4.4 किसानों/खेतीहर महिलाओं / ग्रामीण युवाओं के लिए दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम

फार्म उत्पादन तथा आय पूरक को बढ़ाने हेतु कृषि और संबद्ध गतिविधियों पर पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय एवं प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा निम्नलिखित तीन आवश्यकता आधारित दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुल मिलाकर, 226 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया।

क्र. सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	स्थान, दिनांक एवं अवधि	लाभार्थियों की संख्या	पुरुष	महिला
1.	मणिपुरी भाषा में “वैज्ञानिक मत्स्य पालन पर दूरस्थ शिक्षा” पर एक माह का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम	केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय का मुख्यालय, लाम्फेलपत, इम्फालए जनवरी 31 - फरवरी 03, 2020	58	51	7
2.	मिजो भाषा में “शूकर पालन दूरस्थ शिक्षा” पर तीन माह का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (ऑफ कैम्पस)	म्यूलतंगथू आइबाक, 1 सितम्बर, 2019 से 17 फरवरी, 2020	47	21	26
3.	मिजो भाषा में “कुकुट पालन पर दूरस्थ शिक्षा प्रमाण पत्र पाठ्य क्रम” पर एक तीन माह का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (ऑफ कैम्पस)	सठीक 1 सितम्बर, 2019 से 17 फरवरी, 2020	52	11	41
महायोग			157	83	74



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

4.5 किसान मेला/कांग्रेस/कार्यशाला

निदेशालय द्वारा विभिन्न संगठनों सहित सीएयू के घटक कॉलेजों द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए और किसानों को संगत विभागों में उपलब्ध विभिन्न प्रसार सेवाओं और कृषि विज्ञान केन्द्रों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य कृषि-संबद्ध फार्मों की गतिविधियां के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न प्रकार के शो और प्रतियोगिताओं जैसे फसलों, सब्जियों, फूल, फल, आर्किड, कुत्ते, स्वस्थ

बच्चे, किसान / वैज्ञानिक की प्रस्तुति इत्यादि का आयोजन किया गया और विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत पुरस्कार दिए गए। इनके अलावा, विभिन्न विषयों पर 'किसान-वैज्ञानिक परिचर्चाओं' का भी आयोजन किया गया। इस वर्ष भी विशेष कार्यक्रम यानी 'किसान विज्ञान कांग्रेस' का आयोजन किया गया, जहाँ किसानों ने पावर पॉइंट और पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने नवाचारों और सफलता को प्रस्तुत किया और दोनों श्रेणियों की पहली 3 सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों को पुरस्कार भी दिए गए।



4.5.1 किसान मेला

क्र. सं.	विवरण	अवधि एवं दिनांक	स्थान	पुरुष	महिला	लाभार्थियों की संख्या
1.	सीएआरडी, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से प्रसार शिक्षा निदेशालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय ने वायब्रेंट नार्थ ईस्ट 2019 का आयोजन किया।	3 दिन, जून 19-21, 2020	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	750	1250	2000
2.	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के वित्त पोषण से प्रसार शिक्षा निदेशालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय ने क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 का आयोजन किया।	नवम्बर 11-13, 2019	बगबानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	2020	1274	3294
3.	'जल शक्ति अभियान' के अंतर्गत पूर्वी गारो पर्वत श्रृंखला के 3 प्रखण्डों नामतः सामंदा, रोंगजेंग और सांगसक में किसान मेलाओं का आयोजन किया गया।	अगस्त 23-30, 2019 एवं फरवरी 6 2020	कृषि विज्ञान केन्द्र - पूर्वी गारो पर्वतीय क्षेत्र	100	320	420
4.	भाकृअनुप - विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के वित्त पोषण से किसान दिवस 2019 का आयोजन किया गया।	दिसम्बर 2019	कृषि विज्ञान केन्द्र - सिपाहीजला	210	107	317



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय क्षेत्रीय कृषि मेला, 2019-20 के उद्घाटन में दीप प्रज्जलित करना



क्षेत्रीय कृषि मेला, 2018-19 के दौरान रोपण सामग्री का वितरण

4.5.2 किसान विज्ञान कांग्रेस

क्र. सं.	विवरण	अवधि एवं दिनांक	स्थान	पुरुष	महिला	लाभार्थियों की संख्या
1.	प्रसार शिक्षा निदेशालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा आयोजित दूसरा फार्मर्स साईंस कांग्रेस, प्रायोजक आईसीएआर - अटारी जोन VI एवं VII	नवम्बर 12-13, 2019	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश	85	15	100
2.	107वां इंडियन साईंस कांग्रेस के एक भाग के रूप में कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, कैरडमकुलाय; कृषि प्रसार प्रभाग, आईसीएआर, नई दिल्ली और कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, जीकेबीके, बैंगलोर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रथम फार्मर्स साईंस कांग्रेस	1 दिन जनवरी 6, 2020	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर	350	150	500



बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट में दूसरा किसान विज्ञान कांग्रेस



कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर में प्रथम किसान विज्ञान कांग्रेस



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20



कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सिक्किम में प्रौद्योगिकी एवं मशीनरी निरूपण मेला



कृषि महाविद्यालय, इम्फाल में प्रौद्योगिकी एवं मशीनरी निरूपण मेला

4.5.3 प्रौद्योगिकी एवं मशीनरी निरूपण मेला

क्र. सं.	विवरण	अवधि एवं दिनांक	स्थान	पुरुष	महिला	लाभार्थियों की संख्या
1.	सीएयू-एआईसीआरपी-पीएचईटी द्वारा आयोजित प्रौद्योगिकी एवं मशीनरी निरूपण मेला	फरवरी 14, 2020	कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सिक्किम	110	118	228
2.	सीएयू-एआईसीआरपी-पीएचईटी द्वारा आयोजित प्रौद्योगिकी एवं मशीनरी निरूपण मेला	मार्च 6-7, 2020	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	180	270	450

4.5.4 रोड शो और जैवनियंत्रण कार्यशाला

क्र. सं.	विवरण	अवधि एवं दिनांक	स्थान	पुरुष	महिला	लाभार्थियों की संख्या
1.	लैब इंडीग्राम, नई दिल्ली के सहयोग से डीईई द्वारा आयोजित रोड शो निधि एक्सेलेरेटर	जनवरी 10, 2020	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	59	9	68
2.	आईसीएआर-एनबीएआईआर, बैंगलोर द्वारा प्रायोजित “बायो कंट्रोल ऑफ क्रॉप पेस्ट्स एवं इनवेसिव एण्ड युटिलैजेशन इन इन्सेक्ट एज फूड इन नार्थ ईस्ट रीजन” विषय पर कार्यशाला	दो दिन फरवरी 25,26, 2020	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर	39	5	44
3.	आईसीएआर-एनबीएआईआर, बैंगलोर द्वारा प्रायोजित “बायो कंट्रोल ऑफ क्रॉप पेस्ट्स एवं इनवेसिव एण्ड युटिलैजेशन इन इन्सेक्ट एज फूड इन नार्थ ईस्ट रीजन” विषय पर कार्यशाला	दो दिन 2020	सीपीजीएस-एएस उमियम, मेघालय	39	5	44



4.5.5 कृषि कार्यशाला

निदेशालय के कार्मिकों द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों और कृषि विज्ञान केन्द्रों में पीसीआरए द्वारा “पेट्रोलियम उत्पाद के उपयोग पर कृषि कार्यशाला” विषय पर 15 कार्यशालाओं का आयोजन और समन्वयन किया गया। इन कार्यक्रमों से कुल 667 किसान लाभान्वित हुए।

क्र.सं.	संस्था/कालेज/कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	दिनांक
1.	मात्रियकी महाविद्यालय, त्रिपुरा	52	दिसम्बर 4, 2019
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र-सेपाहीजला, त्रिपुरा	35	दिसम्बर 21, 2019
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र-दक्षिणी गारो पर्वतमाला, मेघालय	30	जनवरी 18, 2020
4.	कृषि विज्ञान केन्द्र-पूर्वी गारो पर्वतमाला, मेघालय	40	फरवरी 5, 2020
5.	कृषि विज्ञान केन्द्र-पूर्वी सियांग, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	45	फरवरी 5, 2020
6.	पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, आइजौल, मिजोरम	40	फरवरी 13, 2020
7.	कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी, सिक्किम	79	फरवरी 22, 2020
8.	कृषि महाविद्यालय, किरदमकुलई, मेघालय	70	फरवरी 24, 2020
9.	बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	29	फरवरी 27, 2020
10.	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल	40	फरवरी 27, 2020
11.	कृषि विज्ञान केन्द्र-पूर्वी इम्फाल एण्ड्रो	25	फरवरी 28, 2020
12.	कृषि विज्ञान केन्द्र-आइजौल, सेलेसी	41	मार्च 7, 2020
13.	प्रसार शिक्षा निदेशालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	35	मार्च 7, 2020
14.	खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, लाम्फेलपत	32	मार्च 7, 2020
15.	बागवानी महाविद्यालय, थेंजौल, मिजोरम	74	मार्च 11, 2020
योग		667	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20



कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सिक्किम में पेट्रोलियम उत्पाद संरक्षण पर कार्यशाला



मात्स्यकी महाविद्यालय, त्रिपुरा में पेट्रोलियम उत्पाद संरक्षण पर कार्यशाला

4.6 किसान मेला/प्रदर्शनी में प्रतिभागिता

क्र.सं.	विवरण	स्थान एवं दिनांक	टिप्पणी
1.	राज्य स्तरीय किसान आईसीएआर मणिपुर केन्द्र, लेमफेलपाट, कृषि महाविद्यालय, इम्फाल के साथ प्रसार शिक्षा मेला-2019	इम्फाल, 20-23 दिसम्बर 2019 के दौरान निदेशालय का प्रतिनिधित्व करता सीएयू का स्टाल	
2.	राष्ट्रीय देशी बीज कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विज्ञान केन्द्र - पूर्वी उत्सव-2019	इम्फाल, 12-14 अक्टूबर, 2019 के दौरान इम्फाल का प्रतिनिधित्व करता सीएयू का स्टाल	
3.	राज्य कृषि मेला- कृषि विभाग, मणिपुर सरकार, अक्टूबर 8-11, 2019	2019 के दौरान	इम्फाल के साथ प्रसार शिक्षा निदेशालय का प्रतिनिधित्व करता सीएयू का स्टाल
4.	वयब्रेंट नार्थ ईस्ट-	कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, प्रसार शिक्षा निदेशालय के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र- इम्फाल, जून 19-21 के दौरान	पूर्वी इम्फाल और कृषि महाविद्यालय, इम्फाल का प्रतिनिधित्व करता सीएयू का स्टाल

4.7. मेरा गांव मेरा गौरव

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न घटक महाविद्यालयों द्वारा मेरा गांव मेरा गौरव के तहत अपनाए गए गांवों में निम्नलिखित गतिविधियां की गईं -

क्र.सं.	गतिविधि का शीर्षक	आयोजित गतिविधियों की संख्या	लाभान्वित किसानों की संख्या
1.	उत्पन्न की गई जागरूकता	19	492
2.	आयोजित निरूपण	23	1016
3.	इन्टरफेस बैठकें/गोष्ठियां	13	603
4.	उपलब्ध किया गया साहित्यिक समर्थन	38	483
5.	आयोजित प्रशिक्षण	28	610
6.	टीम द्वारा गांवों का दौरा	136	2345
7.	मोबाइल आधारित सलाहकार सेवाएं	599	3456
	योग	856	9005



दिनांक 15 फरवरी, 2019 को प्रौद्योगिकी एवं मशीनरी निरूपण मेला-2019 का उद्घाटन सत्र



मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण



अंतरात्मक बैठक

4.8 बाहरी वित्त पोषण परियोजनाएं और प्रायोजित कार्यक्रम/गतिविधियां

4.8.1 आईसीएआर-आईजीएफआरआई, झांसी द्वारा प्रायोजित परियोजना/कार्यक्रम

उ.पू.प. घटक के तहत “अनूचित जनजाति किसानों की आजीविका सुधार हेतु पशुधान आधारित हस्तक्षेप” पर निम्नलिखित गतिविधियां की गई हैं -

क्र. सं.	विवरण	युनिट	किसानों का उपलब्ध वार्षिक लक्ष्य	
1.	इस उ.पू.प. कार्यक्रम के अंतर्गत मणिपुर के चुने हुए 108 किसानों को अग्रपंक्ति निरूपण के लिए उर्वरकों के साथ चारा मक्का (कृषिजोपजात जे 1006 अफिकन टाल), ज्वार बीज, चारा राइस बीन, बाजरा-नेपियर हाईब्रिड (सीओ4) एवं (सीओ5), जई (कृषिजोपजात केंट जेएचओ-822) दिए गए।	3	100	108

4.8.2. आईसीएआर-एनबीएआईआर, बैंगलोर द्वारा प्रायोजित परियोजना/कार्यक्रम

विभिन्न परिसरों में निम्नलिखित गतिविधियों जैसे जागरूकता शिविर, प्रशिक्षण, एफएलडी, और विधि / परिणाम निरूपण आयोजित किए गए और कुल 912 किसानों ने इन कार्यक्रमों / गतिविधियों से लाभान्वित हुए -



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. गतिविधियां सं.	आयोजक	लाभार्थियों की संख्या	अवधि/दिनांक
1. पादप रोग विज्ञान विभाग, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, सीएयू, कृषि महाविद्यालय, इंफाल (2 नग) में आयोजित किए गए 'सॉफ्ट रॉट ऑफ जिंजर' इम्फाल के प्रबंधन पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम।	अनुसंधान निदेशालय, केन्द्रीय संबिजियों (तरबूज) में कीट नाशीजीवों के जैविक प्रबंधन पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम	152	मार्च 2-4, 2020
2. संबिजियों (तोरिया और सरसों) में कीट नाशीजीवों के जैविक प्रबंधन पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम। संबिजियों (सब्जी मटर) में कीट नाशीजीवों के जैविक प्रबंधन पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम। संबिजियों (बंदगोभी) में कीट नाशीजीवों के जैविक प्रबंधन पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम।	कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	30	जनवरी, 2020
3. फसल नाशीजीव एवं रोगों के जैविक नियंत्रण पर प्रशिक्षण सह अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम	कृषि विज्ञान केन्द्र, आइजवाल, मिजोरम	30	जनवरी, 2020
4. जैव नियंत्रण और जैविक कारकों के उपयोग से बंदगोभी में रोग व नाशीजीवों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण जैविक कारकों के उपयोग से बंदगोभी और तोरिया सरसों में रोग व नाशीजीवों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण जैव नियंत्रण और जैविक कारकों के उपयोग से बंदगोभी में रोग व नाशीजीवों के प्रबंधन पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम	कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्वी गारो पर्वतमाला, मेघालय	43	20-23, फरवरी, 2020
5. टमाटर, बैंगन, आलू संबिजियों में नाशीजीव संगत वाले जैविक नियंत्रण और जैव नियंत्रण पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम	कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्वी सियांग, अरुणाचल प्रदेश	33	26-29 फरवरी, 2020
6. जैव नियंत्रण कारकों के उपयोग से कीट नाशीजीव और रोग प्रबंधन पर प्रशिक्षण जैव नियंत्रण कारकों के उपयोग से तोरिया सरसों (किस्म एनआरसीएचबी 101) में कीट नाशीजीव और रोग प्रबंधन पर निरूपण कार्यक्रम	कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्वी इम्फाल, मणिपुर	109	17-26 जनवरी, 2020
7. जैव नियंत्रण कारकों के उपयोग से सब्जी मटर (किस्म आरकेल) में कीट नाशीजीव और रोग प्रबंधन पर निरूपण कार्यक्रम	कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्वी इम्फाल, मणिपुर	24	दिसम्बर 2019-फरवरी, 2020
8. जैव नियंत्रण कारकों के उपयोग से फूलगोभी में कीट नाशीजीव और रोग प्रबंधन पर निरूपण कार्यक्रम		38	
9. टमाटर में कीट नाशीजीवों का जैविक प्रबंधन पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम	कृषि विज्ञान केन्द्र, सेपाहीजला, त्रिपुरा	2	मार्च, 2020
10. टमाटर में कीट नाशीजीवों का जैविक प्रबंधन पर प्रशिक्षण		150	8 मार्च, 2020
11. बंदगोभी में कीट नाशीजीवों का जैविक प्रबंधन पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम	कृषि विज्ञान केन्द्र, दक्षिणी गारो पर्वतमाला,	8	दिसम्बर, 2019
12. तोरिया सरसों में कीट नाशीजीवों का जैविक प्रबंधन पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम	मेघालय	8	दिसम्बर, 2019
		912	



4.8.3 तोरिया एवं सरसों पर एआईसीआरपी परियोजना, आईसीएआर-डीआरएमआर, भरतपुर द्वारा प्रायोजित

नवम्बर, 2019 से अप्रैल, 2020 के दौरान स्थिचमी इम्फाल कांगपॉकपी और पूर्वी इम्फाल में वर्षा आधारित स्थितियों के अंतर्गत उच्च उपज वाली तोरिया एवं सरसों की किस्मों (एनआरसी0 101, डीआरएमआर 150-35, टीईस 38) की शून्य जुताई वाली खेती की उन्नत प्रथाओं पर कुल 240 अग्रणीकृत निरूपण किए गए। निरूपण क्षेत्र में मौजूद फसल प्रणाली में धान के पश्चात सरसों की खेती होती है। यह देखा गया है कि डीआरएमआर 150-35 से अधिक उपज प्राप्त हुई और यह मणिपुर की स्थितियों में कीट एवं रोगों के प्रति अतिसंवेदनशील है। प्रौद्योगिकी के बारे में किसानों की राय है कि एनआरसीबी 101 और डीआरएमआर 150-35 से स्थानीय सामान्य किस्म की अपेक्षा बीज उपज 10: तकबढ़ी है और स्थानीय किस्म से अधिक तेल का उत्पादन हुआ है।

4.8.4 सामाजिक हित के लिए एस एवं टी हस्तक्षेप के अंतर्गत डीएसटी (किरण प्रभाग) प्रायोजित महिला वैज्ञानिक योजना-बी (डब्ल्यूओएस-बी)

मणिपुर में ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए, जापानी कोय कार्प (साइप्रिनस कार्पियो) और अन्य स्वदेशी मछलियों की विभिन्न किस्मों के ब्रूड स्टॉक प्रबंधन, प्रजनन और विपणन



के लिए पैकेज ऑफ प्राक्टिस विकसित करने के लिए परियोजना पर 3 अक्टूबर, 2019 को कार्य प्रारम्भ किया गया। इस परियोजना के तहत 10,000 लीटर क्षमता वाली एक बायोफ्लॉक यूनिट को सीएयू सेंट्रल फार्म, लाम्फेलपत में स्थापित किया गया था। 'बायोफ्लॉक आधारित कृषि प्रौद्योगिकी और मछली स्वास्थ्य प्रबंधन' विषय पर केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय के सहयोग से मणिपुर की खेतीहर महिलाओं सहित 150 मत्स्य पालकों को तीन बैचों में (प्रथम दिसम्बर 26-28 2019 (2 जन 20-22 और 3 जनवरी 23-25, 2020) प्रशिक्षण दिया गया।

4.8.5 कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित आरकेबीवाई-रफ्तार एग्री-बिजेस इनक्यूबेटर (आर-एबीआई)

इस वित्तीय वर्ष के दौरान कॉलेज ऑफ फिशरीज, त्रिपुरा, कॉलेज ऑफ हॉटिंकल्चर एंड फॉरेस्टी, अरुणाचल प्रदेश और कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबैंड्री, मिजोरम में कुल तीन (3) आर-एबीआई केंद्रों को प्रसार शिक्षा निदेशालय, सीएयू, इम्फाल के समन्वयन और निगरानी के तहत सेटअप किया गया था।

1. मात्रियकी महाविद्यालय, त्रिपुरा में स्थापित आर-एबीआई की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

अठाईस (28) नवोन्मेशी और उत्साही व्यक्ति / उद्यमियों को तीन बैचों में एग्रीप्रेन्योरशिप ओरिएंटेशन





केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

प्रोग्राम (एओपी) के तहत दो महीने के प्रशिक्षण सह हैंडस ऑन एग्रीप्रेन्योरशिप द्वारा प्रोत्साहित किया गया था। एओपी-1 और एओपी-2 से कुल 16 सफल इंटर्न को सीआईसी पर विचार हेतु सिफारिश की गई थी जिनसे चार (4) एओपी इंटर्न को अंत में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने विचार / बीज पूर्व चरण के लिए निर्वाहन अनुदान के रूप में चार एग्रीप्रेन्योरों में से प्रत्येक को 5 लाख रुपये दिए।

2. पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, मिजोरम में स्थापित आर-एबीआई की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

इस वित्तीय वर्ष के दौरान, एग्रीप्रेन्योरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम (एओपी) के लिए तीन-तीन बैचों को दो-महीने की अवधि के लिए प्रशिक्षित किया गया था और कुल मिलाकर पच्चीस (25) एग्रीप्रेन्योर को प्रशिक्षित, परामर्शित और इनक्यूबेट किया गया था। इस आर-एबीआई केंद्र से चार इनक्यूबेट / एग्रीप्रेन्योर

को भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 5 लाख रुपये के प्री-स्टेज फंडिंग के लिए चुना गया था।

3. बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में स्थापित आरएबीआई की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में स्थापित आरएबीआई केंद्र सक्रिय रूप से उद्घायन कार्यक्रमों में लगा हुआ है और 2019-20 के दौरान पूरे उत्तर पूर्वी क्षेत्र को कवर करने वाले 29 उद्यमिताओं के सफल प्रोत्साहन और हैंडहोल्डिंग के साथ इस क्षेत्र में एग्रीटेक स्टार्टअप्स को शामिल करने के लिए मार्ग प्रशस्त करता है।

आरकेबीवाई-राफ्टर एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के उद्यमिताओं की चार नवीन परियोजनाओं को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली से प्रत्येक को 5 लाख के प्री-सीड स्टेज (एग्रीप्रेन्योरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम) वित्तीय सहायता के लिए स्वीकृत हुई।



Review Meeting of RKVY: R-ABI, Mizoram





बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में स्थापित आरएबीआई केंद्र के अन्य महत्वपूर्ण योगदान स्टार्टअप इकोसिस्टम, इनोवेशन और एग्रीप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट, मार्केटिंग लिंकेज, बिजनेस एक्सपर्ट्स के साथ संपर्क और वित्तीय सहायता का प्रसार करना है। इनके अलावा, अलग से वेबपेज (<https://www.chfcau.org.in/content/r-abi>), सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे You Tube (<https://www.youtube.com/channel/UCRzfbCbkCb8HMHqc0wKJLeg>), फेसबुक, टिकटोक (https://twitter.com/abi_chf) और लिंकडिन भी केंद्र द्वारा बनाए गए थे।

4.8.6. MeitY, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोशित मिजोरम और त्रिपुरा के लिए मोबाइल बेस्ट एग्रो-एडवाइजरी सिस्टम

मिजोरम और त्रिपुरा राज्यों के किसानों के लिए प्रसार शिक्षा निदेशालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल के समन्वयन एवं निगरानी के अंतर्गत मोबाइल बेस्ट एग्रो-एडवाइजरी सिस्टम पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन महाविद्यालय, आइजवाल तथा मात्स्यकी महाविद्यालय, लेम्बूचेरा में दिसम्बर, 2019 से कार्यरत है।

इस परियोजना का वित्त पोषण MeitY, भारत सरकार द्वारा तथा कार्यान्वयन डीआईसी, नई दिल्ली एवं सीएयू, इम्फाल द्वारा किया जा रहा है। किसानों का पंजीकरण टोल-फी न. 1800-102-3141 के माध्यम से किए जा रहा है और पंजीखत किसानों का विवरण पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आइआइडीएस में दर्ज किया गया है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान, 2 कार्यशालाओं के अलावा, 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम और 8 जागरूकता शिविरों का आयोजन और निम्नलिखित टेलीफ़ोनिक कॉल्स / एसएमएस / अन्य ऐप के माध्यम से खेत से संबंधित सलाह भी प्रदान की गयी है।



गतिविधियां	मात्स्यकी महाविद्यालय	पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय
किसानों का कुल पंजीकरण	:	2312
कृषि-संबद्ध क्षेत्रों को सलाहकारी सेवाओं की संख्या	:	389
भेजे गए एसएमएस की कुल संख्या	:	149 (67662)
कुल वायस एसएमएस की संख्या	:	53 (28596)
लगातार प्रोएक्टिव काल्स	:	386
लगातार फालोअप काल्स	:	641
		1177
		745
		41 (56040)
		28 (16775)
		602
		203



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

4.8.7. उत्तर पूर्वी प्रदेश (मिजोरम) के बुनकरों/डिजाइनरों/शिल्पकारों के लिए डिजीटल सोल्यूशन की वृद्धि एवं फील्ड टेस्टिंग

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि एवं माह	लक्षित ग्रुप/वर्ग	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या पु/म	सम्मिलित विभाग/संकाय
1	बुनकरों/डिजाइनरों शिल्पकारों के लिए 29-अगस्त 2019 प्रशिक्षण कार्यक्रम	और 10 दिन, जुलाई 2019	बुनकर	रेशम कीट पालन विभाग	8 (एफ: 8)	परियोजना टीम
2	बुनकरों/डिजाइनरों शिल्पकारों के लिए 13, अगस्त 2019 प्रशिक्षण कार्यक्रम	और 10 दिन, अगस्त 2019	बुनकर	छात्र एवं बिल्ट्‌ज इंस्टीट्यूट आॅफ क्रिएटिव आर्ट्स, रिपब्लिक वेंज, आइजौल	8 (एफ: 8)	
3	बुनकरों/डिजाइनरों शिल्पकारों के लिए सितम्बर 2019 प्रशिक्षण कार्यक्रम	और सितम्बर 4 - 20	छात्र	महिला पॉलीटेक्निक, 60 (एफ: 60) आइजौल, मिजोरम		
4	प्रशिक्षण सह कार्यशाला 3 दिन, नवम्बर 5 -7 2019	बुनकर	छात्र एवं वेकेशनल ट्रेनिंग सेन्टर, कोलासिब		15 (एफ: 15)	
कुल						

91

4.8.8 आईसीएआर द्वारा प्रायोजित फार्मस फस्ट परियोजना

मौजूदा फसलीकरण/पालन प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव

- 15% एफएफपी किसान (अधिकांश छोटे किसान) एकीकृत पालन प्रणाली की ओर मुड़ गए हैं।
- 50% सीमान्त किसान वर्ष भर खेत में गतिविधियों को बनाए रखकर अपनी फसलीकरण प्रणाली को बढ़ाया है।

सामग्री जुटाना

14 फोल्डरों, 9 बुलेटिन, 3 लीफलेट, 2 फिश फार्म कैलेण्डर, 2 कफककफट रोग कैलेण्डर, 1



एफएफपी परियोजना स्थल, पूर्वी इम्फाल में आयोजित टीकाकरण एवं पशु स्वास्थ्य शिविर



एफएफपी का तीसरा यूएसी एवं एसपीआईजी बैठक



एफएफपी परियोजना स्थल पर धान की किस्म सीएयूआर-1, आरसी मनीरौ-13 एवं अकान फौ (स्थानीय किस्म) का खेत दृश्य



एफएफपी परियोजना स्थल पर तोरिया सरसों की खेत



अग्रपंक्ति कोविड योद्धाओं को फार्म उत्पाद जैसे सब्जियां, चावल (सीएयूआर-1), सरसों का तेल का वितरण

फसल कैलेण्डर, आईसीटी (एफएफपी वाट्सएप ग्रुप) का प्रकाशन किया गया।

4.8.9. एनबीबी, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित परियोजना: एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केन्द्र (आईबीडीसी)

**ए. शहद एवं अन्य मधुमक्खी उत्पाद हेतु
एक्सट्राक्शन एवं प्रोसेसिंग युनिट की स्थापना**

भौतिक उपलब्धियां

- एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केन्द्र, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल में 14 अगस्त, 2019 को 250 कि.ग्रा. क्षमता वाले प्रसंस्करण



युनिट में 36.6 कि.ग्रा. कच्ची शहद का प्रसंस्करण किया गया और प्रसंस्कृत शहद को 400 ग्रा. क्षमता वाले 85 बोतलों में भरा गया।

- 16 सितम्बर, 2019 को 25 कि.ग्रा. कच्ची शहद का प्रसंस्करण कर बोतलों में भरा गया। प्रसंस्करण के पश्चात 400 ग्रा. वाले 59 बोतलें तैयार हुई हैं।

बी. मधुमक्खी रोग निदान प्रयोगशाला की स्थापना:

प्रौद्योगिकी और प्रभाव निरूपण केन्द्र

आईबीडीसी, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी और प्रभाव निरूपण केन्द्र में 6 अगस्त, 2019 को मधुमक्खी पालन (एपिकल्चर) पर वैज्ञानिक व्याख्यान सह प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। निरूपण के कार्यक्रमों में विवरण



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

मणि गल्स कॉलेज, थौबल के 8 कर्मचारियों के साथ कुल 40 छात्रों (5 वें सेमेस्टर जूलॉजी ऑनर्स) को शामिल किया गया। वैज्ञानिक और संसाधन व्यक्तियों ने मधुमक्खी पालन के वैज्ञानिक तरीके और प्रबंधन, मणिपुर में पाए जाने वाली मधुमक्खी प्रजातियों की पहचान, मधुमक्खी पालन के फायदे और संभावनाएं, वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और औजार, फसल उत्पादन को बढ़ाने में मधुमक्खियों की भूमिका, शहद का प्रसंस्करण, गुणवत्ता विश्लेषण आदि को निरूपित किया है।



उपकरण निर्माण युनिट

- उपकरण निर्माण इकाई की स्थापना में आवश्यक सभी छोटे उपकरणों की खरीद की गई।
- एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केन्द्र, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल के

उपकरण निर्माण इकाई में एपिस सेराना की मधुमक्खी के 500 बक्सों का निर्माण प्रारम्भ किया गया।

वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन हेतु जागरूकता/कार्यशाला/प्रशिक्षण/निरूपण

- 20 मई, 2019 को विश्व शहद मधुमक्खी दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 50 किसानों ने भाग लिया।



विश्व शहद मधुमक्खी दिवस, मई, 2019



- 28 और 29 फरवरी, 2020 को “कार्यशाला सह शहद उत्सव” विषय पर दो दिनों का राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



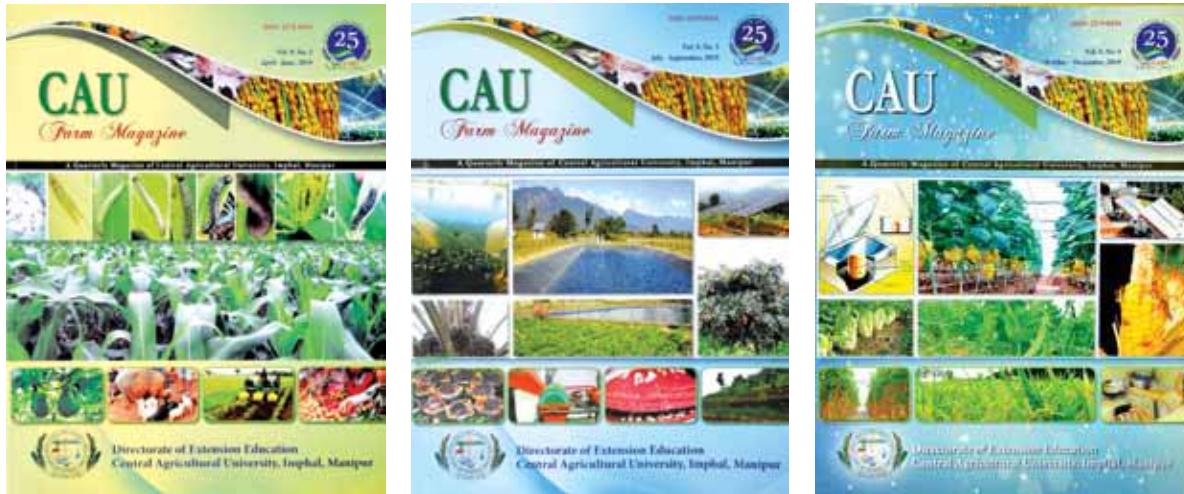
4.9 प्रसार प्रकाशन

1. सीएयू वाल कैलेण्डर 2020 कृषि सूचनाओं के साथ (मूल्य संस्करण) (सीएयू टेबल कैलेण्डर 2020 और सीएयू डेस्क टॉप कैलेण्डर 2020)
2. सीएयू किसान डेरी 2020 (मूल्य संस्करण) (किसानों के लिए निःशुल्क)
3. सीएयू फार्म मैगजीन (त्रैमासिक) ISSN (2279-0454): Vol. 9(2, 3, 4) खण्ड 10 (1)
4. सीएयू न्यूजलेटर 2019-20 (त्रैमासिक) : खण्ड 4 (2, 3, 4) और खण्ड 5 (1)
5. पुस्तक : किसान इन्नोवेटर के रूप में : सात बहनों और एक भाई का फार्म नवाचार

- (ISBN: 978.81938078.2.8 लेखक : एम. प्रेमजीत सिंह, आर. के. साहा, एस. प्रभु कुमार, ए. प्रसाद और ई. वी. डी. शास्त्री) मूल्य : रु 100/- (संस्थाओं के लिए) रु 50/- (व्यक्तियों के लिए)
6. पुस्तक : बायोकंट्रोल एण्ड युटिलैजेशन ऑफ इनसेक्ट्स फॉर नार्थ ईस्ट इंडिया, (ISBN: 978.81.938878.3.5) लेखक : एस. एम. हल्दार, पी. दत्ता, आर. के. साहा, एम. नगेश, के. सेल्वाराज और एम. प्रमजीत सिंह (मूल्य संस्करण) रु 300/- (संस्थाओं के लिए) रु 200/- (व्यक्तियों के लिए)
 7. सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला स्मारिका 2019-20
 8. सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला स्मारिका 2019-20
 9. सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 डिजीटल आल्बम
 10. कार्य योजना : प्रसार शिक्षा गतिविधियां (2019-20)
 11. टीएसपी (आईसीएआर प्रायोजित परियोजना) के अंतर्गत किसानों की सफलताओं की 50 गाथाओं का संकलन किया गया और आईसीएआर (शिक्षा प्रभाग) को प्रस्तुत किया गया साथ ही साथ आईएसबीएन के साथ विश्वविद्यालय प्रकाशन के रूप में प्रकाशित किया गया।



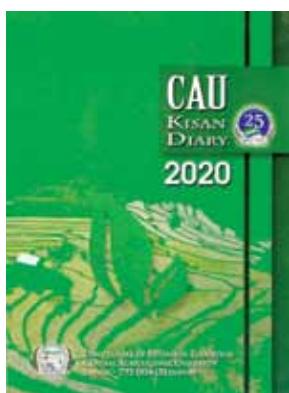
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20



वीएयू फार्म मैगजीन 2019-20 : खण्ड-9 (2 से 4) एवं 10 (1)



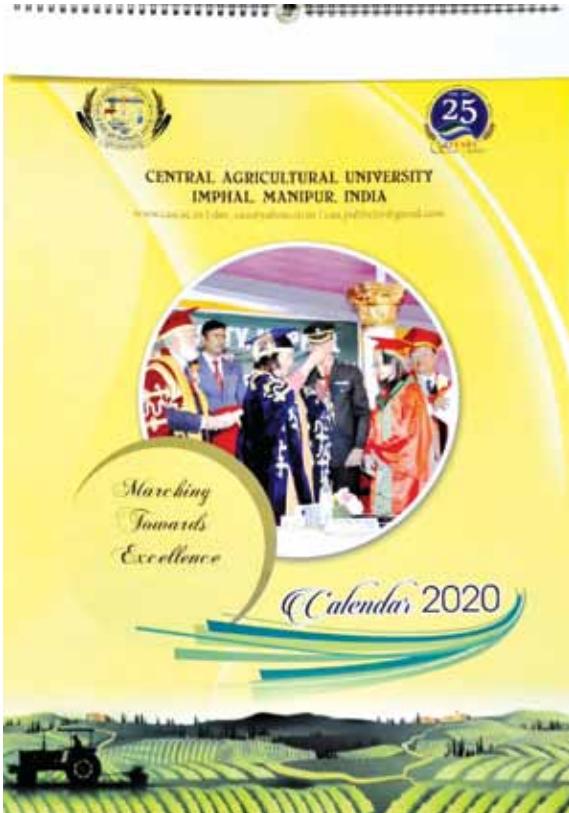
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय न्यूजलेटर 2019-29 : खण्ड 4 (2 से 4) एवं 5 (1)



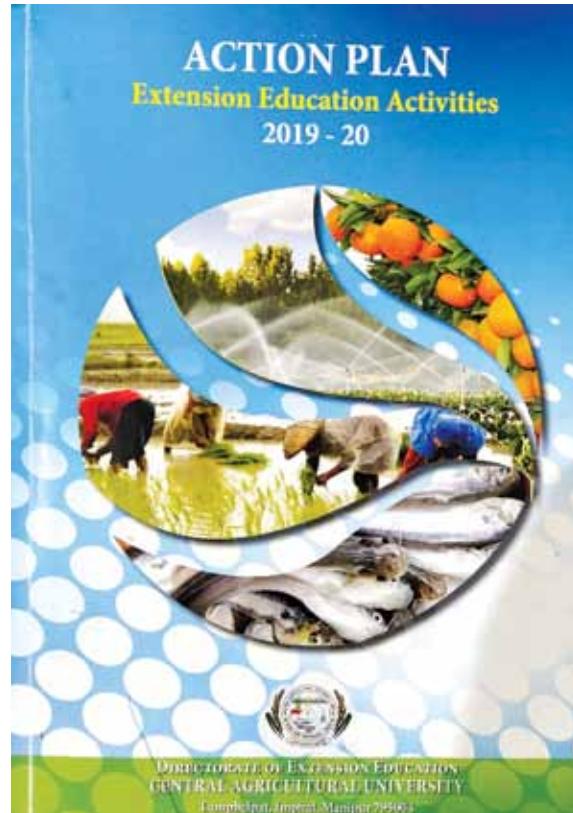
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
किसान डेरी 2029



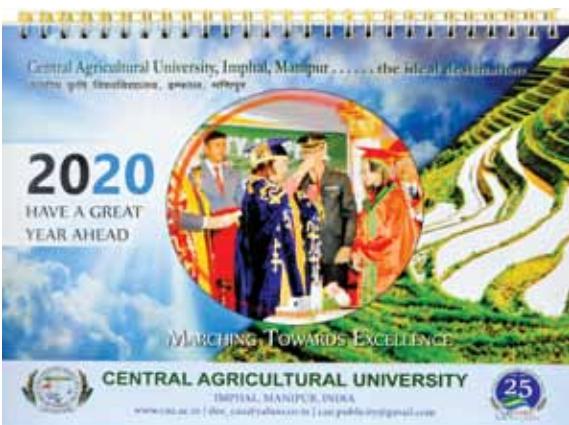
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
कृषि मेला 2019-20
सोविनियर



सीएयू वाल कैलेण्डर - 2020



सीएयू टेबल कैलेण्डर - 2020



कार्य योजना : प्रसार शिक्षा 2019 - 20

4.9.1. केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय-कृषि विज्ञान केंद्र की गतिविधियां

कृषि विज्ञान केन्द्र, आइजवाल, सेलेसी, मिजोरम

- कुल 31 प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन किया गया



सीएयू-आरएफ 2019-20 : डिजीटल आल्बम

जिनमें से 13 ऑन फार्म परीक्षण (ओएफटी) के अंतर्गत थे और 18 अग्रिम पंक्ति निरूपण (एफएलडी) के अंतर्गत थे। इन ओएफटी और एफएलडी के तहत कुल 98 किसान लाभान्वित हुए।

- किसानों/खेतीहर महिलाओं/ग्रामीण युवाओं और प्रसार कार्मिकों के लिए क्रमशः 3067, 754 और



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- 318 लाभार्थियों के साथ कुल 80, 28 और 17 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
3. कुल 405 क्विंटल बीज और 1,77,800 संख्या में रोपण सामग्री का उत्पादन किया गया और आइजवाल जिले के किसानों में वितरण किया गया।
 4. किसानों की आय दोगुनी करने के तहत, कुल 104 किसानों को उनके सामाजिक-आर्थिक स्तर के उत्थान के लिए नामांकित किया गया है। डाकला जाऊ सिहपीर और मुथी नाम के दो गांवों का डीआई गांव के रूप में चयन किया गया।
 5. आरकेवीवाई के अंतर्गत 600 ड्रैगन फूट के साथ 300 ड्रैगन फूट स्टेकिंग आरसीसी पोल और 500 पपीता रोपण सामग्री किसानों को वितरित किए गए।
 6. 04 (चार) किसान समूहों का सफलतापूर्वक गठन किया गया नामतः सब्जी पालन समूह, डाकला जऊ एसोसिएशन, बागवानी पालन समूह और लुंगटाटपर जऊ फार्मिंग एसोसिएशन।
 7. कृषि विज्ञान केन्द्र, आइजवाल आइजोल को आईसीएआर अटारी जोन VII द्वारा 15-20 सितंबर, 2019 के दौरान आईसीएआर अल्मोड़ा में किसान एक्सपोजर टूर का संचालन हेतु 5 राज्यों (मिजोरम, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा) के नोडल कार्यालय के रूप में चुना गया था।
 8. 31 हेक्टेयर को कवर करते हुए टमाटर (अर्का रक्षक और अर्का समाट), ब्रोकोली (सीएलएक्स 3512) पर अग्रपंक्ति निरूपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
 9. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के लोक प्रशासन विभाग द्वारा वैज्ञानिक पुरस्कार समारोह के अवसर पर डॉ. जोतिश नोंगथोमबम को डॉ. राम अवतार शिक्षा समिति, केवीके वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
 10. डॉ. संतोष कुमार को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल द्वारा आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर विस्तार वैज्ञानिक पुरस्कार 2019 में मैरिट इन एक्सिलेंस प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
 11. सुश्री रेबेका राल्टे, एसएमएस, पादप संरक्षण ने मेघालय के सीपीजीएस बड़ापानी, मेघालय में फसल कीटों और आक्रामक कीटों का जैवोपचार तथा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में खाद्य के रूप में फसल कीटों के उपयोग पर आयोजित कार्यशाला के पोस्टर सत्र में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्वी सियांग, पासीघाट :

1. 93 गांवों को कवर करने वाले 200 हेक्टेयर क्षेत्र में चावल किस्म सीएयू-आर1 का विस्तार किया गया।
2. रोटावेटर के उपयोग का लोकप्रियकरण/स्केलिंग अप : प्रौद्योगिकी का क्षैतिज प्रसार (क्षेत्र हेक्टेयर में) : 70, गांवों की संख्या : 10, प्रौद्योगिकी को अपनाने वाले किसानों की संख्या : 160, अंगीकरण का प्रतिशत : 32।
3. पैडी रीपर के उपयोग का लोकप्रियकरण/स्केलिंग अप : प्रौद्योगिकी का क्षैतिज प्रसार (क्षेत्र हेक्टेयर में) : 60, गांवों की संख्या : 08, प्रौद्योगिकी को अपनाने वाले किसानों की संख्या : 200, अंगीकरण का प्रतिशत : 40।
4. मल्टीक्रॉप प्लांटर के उपयोग का लोकप्रियकरण/स्केलिंग अप : प्रौद्योगिकी का क्षैतिज प्रसार (क्षेत्र हेक्टेयर में) : 40, गांवों की संख्या : 04, प्रौद्योगिकी को अपनाने वाले किसानों की संख्या : 120, अंगीकरण का प्रतिशत : 24।
5. पैडी थ्रेशर के उपयोग का लोकप्रियकरण/स्केलिंग अप : प्रौद्योगिकी का क्षैतिज प्रसार (क्षेत्र हेक्टेयर में) : 70, गांवों की संख्या : 10, प्रौद्योगिकी को अपनाने वाले किसानों की संख्या : 180, अंगीकरण का प्रतिशत : 36।



6. क्लस्टर एफएलडी कार्यक्रम के तहत तोरिया किस्म टीएस-38 का लोकप्रियकरण/स्केलिंग अप : प्रौद्योगिकी का क्षैतिज प्रसार (क्षेत्र हेक्टेयर में) : 150, गांवों की संख्या : 48, प्रौद्योगिकी को अपनाने वाले किसानों की संख्या : 198, अंगीकरण का प्रतिशत : 15।
7. “लोटिंग पेलेटेड फिश फीड के उपयोग का लोकप्रियकरण/स्केलिंग अप : प्रौद्योगिकी का क्षैतिज प्रसार (क्षेत्र हेक्टेयर में) : 05, गांवों की संख्या : 04, अंगीकरण का प्रतिशत : 08।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्वी इंफाल, मणिपुर

1. कृषि विभाग, मणिपुर सरकार द्वारा 08-11 अक्टूबर 2019 के दौरान आयोजित राज्य कृषि मेला 2019 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्टाल को 15,000 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
2. डीईई, सीएयू, इंफाल द्वारा 11-13 नवंबर, 2019 के दौरान आयोजित सीएयू क्षेत्रीय कृषि-मेला 2019-20 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शक स्टाल से सम्मानित किया गया।
3. आईसीएआर मणिपुर सेंटर, लैम्फेलपत द्वारा 20-23 दिसंबर 2019 के दौरान आयोजित राज्य स्तरीय किसान मेला 2019 में केवीके श्रेणी के तहत 5,000 रुपये नकद पुरस्कार के साथ

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शक स्टाल से सम्मानित किया गया।

4. नाबार्ड के 2,41,200 रुपये की प्रायोजित राशि से कम लागत वाले 20 जल संचयन संरचनाओं (एशिंगकोम) का निर्माण किया गया।
5. जिले की सूखे की स्थिति के तहत, केवीके इम्फाल पूर्व ने 200 हेक्टेयर में धान की खेती के लिए कस्टम हायरिंग के माध्यम से पानी के पाइप के साथ हस्तक्षेप किया और 11,000 रुपये अर्जित करने में सक्षम हुआ।
6. केसीसी, डीईडी कार्यक्रम, ईडी और ईजी, शूकर पालन ऋण और मुद्रा ऋण के माध्यम से 87,00,000 रुपये के ऋण लिंकेज से 47 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। विवरण इस प्रकार है :

 - किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) चिंगनखोक फार्मर क्लब के 36 पीएफ के लिए प्रति किसान 1,00,000 रुपये की दर से 36 लाख रुपये।
 - एनएलएम, नाबार्ड के तहत डीईडी कार्यक्रम (डेयरी लोन) में 2 लाख रुपये प्रति किसान (04 अ.जा. और 1 अ.पि.व.) की दर से 10 लाख रुपए और केवीके, इंफाल पूर्व (एंड्रो) द्वारा तकनीकी सहायता।
 - नाबार्ड द्वारा 35 प्रतिशत सब्सिडी के साथ 40 लाख रुपये एमआरबी, इंफाल पूर्व द्वारा



मक्के की परती भूमि में जुताई के बिना ऐंच बीन की खेती पर ओएफटी





चावल की उपज बढ़ाने के लिए एसआरआई के लोकप्रियकरण पर एफएलडी

प्रति किसान 10 लाख रुपये की दर से 04 प्रगतिशील शूकर पालन किसानों के लिए ईडी और ईंजी, शूकर ऋण।

- केवीके, इंफाल ईस्ट तकनीकी सहायता के तहत एनजीआमुखोंग के एसएचजी के प्रति सदस्य 50,000 रुपये की दर से मुद्रा ऋण 1,00,000 रुपये।
- केवीके, इंफाल ईस्ट तकनीकी सहायता के तहत एनजीआमुखोंग के एसएचजी के प्रति सदस्य 50,000 रुपये की दर से मुद्रा ऋण 1,00,000 रुपये।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्वी गारो पर्वतमाला, मेघालय

1. 55 लाभार्थियों के साथ कुल 13 ओएफटी का संचालन किया गया।
2. 95 लाभार्थियों के साथ 16 एफएलडी आयोजित किए गए।
3. 962 किसानों के साथ 33 किसान और खेतीहर महिलाओं के लिए प्रशिक्षण, 839 लाभार्थियों के साथ 27 ग्रामीण युवा प्रशिक्षण और 64 प्रतिभागियों के साथ 4 प्रसार कर्मी प्रशिक्षण आयोजित किए गए।
4. कुल 511 लाभार्थियों के साथ संबंधित विभागों, बकदिल जैसे गैर सरकारी संगठनों आदि द्वारा

आयोजित कार्यक्रमों में 21 व्याख्यान दिए गए।

5. जल शक्ति अभियान के तहत 3 किसान मेलों का आयोजन पूर्वी गारो पर्वतमाला के सभी 3 ब्लॉकों अर्थात् समंडा, रोंगजेंग और सोंगसक में विशेष गणमान्य, माननीय सांसद, तुरा; निदेशक, अटारी, जोन-6; निदेशक (ईई), सीएयू, इंफाल और विधायक, रोंगजेंग की उपस्थिति में कुल 1942 प्रतिभागियों और डीसी, सीजीएच आदि की उपस्थिति में आयोजित किए गए।
6. 104 लाभार्थियों को 487 रोपण सामग्री का वितरण और 43 किसानों को 0.5 क्विंटल बीज वितरित किया गया था।
7. मेघालय के तुरा में आईसीएआर-अनुसंधान केंद्र में 120 नमूने और 10 पानी के नमूनों को एकत्र कर उनका विश्लेषण किया गया था।
8. 13 किसानों को 100 नग मुर्गी और 5400 अंगुलिकाएं वितरित किए गए।
9. कृषि विज्ञान केन्द्र के हस्तक्षेप (ओएफटी, एफएलडी और अन्य विस्तार गतिविधियों) के बाद अपनाए गए गांवों (मेगाग्रे सोंगिचम और मेगाग्रे सोंगिटल) की कुल आय 5% से अधिक बढ़ गई थी।
10. कुल 7270 लाभार्थियों के लिए 309 विस्तार गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमें 82



मोबाइल सलाहकार सेवाओं भी शामिल थीं।

11. 12 प्रसार साहित्य और 3 लोकप्रिय लेख प्रकाशित किए गए थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दक्षिणी गारो पर्वतमाला, मेघालय

1. 2019-2020 के दौरान मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स जिले के अंतर्गत मत्स्य सूची तैयार करने और मत्स्य संग्रहालय के लिए 6 भिन्न नदियों और धाराओं से मछलियों की कुल 20 प्रजातियों और 30 मत्स्य नमूने एकत्र किए गए थे।
2. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटियों से डॉ. अथोकपम हरिभूषण, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष को चार वैयक्तिक पुरस्कार (एबोअ एण्ड बीयांड एवार्ड) (आउटस्टैंडिंग/बेस्ट केवीके साईंटिस्ट एवार्ड एवं बेस्ट एक्सटेंशन प्रोफेशनल एवार्ड) और बिष्णुरजीत निंगथौजम, विषयवस्तु विशेषज्ञ-कृषि अभियंत्रिकी को उत्कृष्ट मौखिक प्रस्तुतिकरण हेतु पुरस्कार दिए गए।
3. 8 व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनसे जिले के 260 ग्रामीण युवा लाभान्वित हुए।
4. 11 प्रायोजित कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनसे ग्रामीण युवाओं, किसानों और खेतीहर महिलाओं सहित लगभग 2183 लोग लाभान्वित हुए।
5. वर्ष 2019-2020 के दौरान गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के 40,100 नग का उत्पादन किया गया था और लगभग 85 किसान और खेतीहर महिलाएं लाभान्वित हुए।
6. सहभागी मोड में 230 क्विंटल चावल बीज का उत्पादन किया गया जिससे लगभग 60 किसान और खेतीहर महिलाएं लाभान्वित हुए।
7. विभिन्न प्रसार गतिविधियों के तहत, 780 कार्यक्रमों में ग्रामीण युवाओं, किसानों और खेतीहर महिलाओं सहित लगभग 14,216 लोगों को लाभान्वित किया गया।
8. बृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत 144 किसानों और कृषि महिलाओं को फल और अन्य वृक्ष प्रजातियों का वितरण किया गया।
9. बृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत 144 किसानों और खेतीहर महिलाओं को फल और अन्य पेढ़ों की प्रजातियों का वितरण किया गया।
10. उ.पू.प. घटक के तहत आईआईएसएस, आईसीएआर बीज परियोजना द्वारा प्रायोजित बीज, रोपण सामग्री, छोटे कृषि औजार जैसे गार्डन रेक, नैपसैक स्प्रेयर, हैंडल के साथ हॉसिया, हाथ खुदाई ट्रैकेल, हस्तचालित खरपतवार कांटा, हैंडल प्रोट्रे के साथ कुछाल, जैविक आदान जैसे फेरोमोन ट्रैप और नीमाजोल वितरित किए गए, जिससे लगभग 769 ग्रामीण युवा, किसान और खेतीहर महिलाएं लाभान्वित हुए।
11. एनएडीसीपी कार्यक्रम के तहत पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान कराया गया, जिसमें लगभग 120 किसानों और कृषि महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बारह मवेशियों को इंजेक्शन लगाया गया।
12. वर्ष 2019-2020 के दौरान 26 पत्रक/फोल्डर और प्रशिक्षण नियमावली प्रकाशित की गई थी, जिससे लगभग 8,200 ग्रामीण युवा, किसान और खेतीहर महिलाएं और प्रसार पदाधिकारी लाभान्वित हुए।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिपाहीजला, त्रिपुरा

1. विभिन्न कृषि प्रणालियों के तहत उनके स्थान विशिष्टता की पहचान करने के लिए किसानों के खेतों में 72 परीक्षणों के संचालन के माध्यम से केवीके द्वारा सेपाहिजला जिले में विभिन्न फसलों/पशु विज्ञान/उद्यमों की कुल 11 प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन किया गया।
2. विभिन्न फसलों, पशुधन और अन्य उद्यमों पर किसानों की भागीदारी के साथ अग्रपंक्ति निरूपण (एफएलडी) आयोजित किए गए थे।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

117 किसानों के लिए कुल 11 प्रौद्योगिकियों का निरूपण किया गया।

3. किसानों, खेतीहर महिलाओं, ग्रामीण युवाओं और प्रसार कर्मियों का क्षमता विकास : इस केवीके ने 1279 किसानों को लाभान्वित करते हुए विभिन्न प्रकार के 55 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।
4. इस केवीके ने क्षेत्रीय और अंग्रेजी भाषा में विभिन्न विषयों पर 12 पत्रक प्रकाशित किए हैं और 2400 प्रतियां किसानों को वितरित की गई थीं।
5. अनाज में किसान अब त्रिपुरा निरोग, गोमती और सीएयू-आर 1 जैसी आईसीएआर और सीएयू

द्वारा विकसित नवीनतम उच्च उपज वाली किस्मों और प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर रहे हैं।

6. पशुपालन में किसान एआई (कृत्रिम गर्भाधन), एफएमडी, ब्ल्सेलोसिस और अन्य सामान्य बीमारियों के बारे में जागरूक हैं।
7. बागवानी में किसान बैंगन अंकफर उगाने के लिए नर्सरी बेड तैयार करने, सब्जियों और फलों की फसलों में संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करने के प्रति भलीभांति परिचित हो गए हैं।
8. जिले में अनानास (क्वीन वैरायटी) में उच्च घनत्व और सांतर योजना लोकप्रिय है।
9. किसानों ने केवीके, सेपाहिजला की प्रेरणा और



एफएलडी : जैविक प्रथाओं के साथ सरसों किस्म एनआरसीएचबी 101



एफएलडी : मिश्रित मछली पालन प्रणाली में जयंती रोहू का लोकप्रियकरण





मुख्य खेत में बैंगन का प्रत्यारोपण



बैंगन की तुड़ाई

मार्गदर्शन से मशरूम इकाई विकसित की है।

10. इस कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना से पहले किसान केवल बड़ी मात्रा में नाइट्रोजन उर्वरक (यूरिया) का उपयोग कर रहे थे लेकिन अब किसान अनाज और सब्जी फसलों में इस्तेमाल होने वाले संतुलित उर्वरक के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं।
11. पुरस्कार : प्रदर्शनी स्टाल, सीएयू-क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 में तीसरा स्थान।
12. दिनांक 09 नवंबर 2019 को किसान मेले का आयोजन किया गया था जिसमें 300 किसानों की भागीदारी रही थी।

प्रौद्योगिकी एवं मशीनरी निरूपण मेला का आयोजन किया जिसमें 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



4.10. घटक महाविद्यालयों में प्रसार गतिविधियां

कृषि अभियांत्रिकी एवं सत्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रानीपूल, सिक्किम

1. एआईसीआरपी-ईएसए, -यूएई और -एफआईएम के तहत 818 प्रतिभागियों (510 पुरुष और 308 महिला) के साथ 16 प्रौद्योगिकियों के लिए 65 एफएलडी का आयोजन किया गया।
2. कालेज ने सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला सहित दो किसान मेलाओं में भाग लिया तथा एक





केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

3. किसानों और खेतीहर महिलाओं के लिए 4 अँन कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें 45 पुरुष और 65 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।
4. किसानों और खेतीहर महिलाओं के लिए 4 ऑफ कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें 16 पुरुष और 32 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।
5. लाइन विभागों के अधिकारियों के लिए 4 प्रायोजित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को आईसीएआर-अटारी जोन VII, मैनेज और एआईसीआरपी द्वारा प्रायोजित किया गया। कुल 433 अधिकारियों ने कार्यक्रमों में भाग लिया।
6. किसानों और छात्रों के लिए 4 जागरूकता/खेत दिवस/स्वास्थ्य षिवरों का आयोजन किया गया जिनमें 229 पुरुष और 130 महिलाओं ने प्रतिभागिता की।
7. किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 64 किसानों ने भाग लिया।
8. विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 33 किसानों ने भाग लिया।
9. प्रगतिशील किसानों के लिए 9 एक्स्पोजर विजिट का आयोजन किया गया जिनमें 287 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
10. चार सफलता कहानियों नामतः “सब्जी फसलों का नर्सरी संवर्धन”, प्लास्टिक मल्च एवं ग्राविटी फेड ड्रिप इरीगेशन के साथ टमाटर का परिरक्षित खेती”, “सिक्किम में लाल मिर्च के लिए नवोन्मेषी जैविक खेती तकनीक” और “चारा परिवहन के लिए नवोन्मेषी उपायों के उपयोग एवं आय बढ़ाने के लिए उन्नत उपकरण” का प्रलेखन एवं इस अवधि 2019-20 में रिपोर्ट किया गया।





11. किसानों के लिए 8 प्रसार पठन सामग्री अंग्रेजी में प्रकाशित किया गया।
12. एटीआईसी से हैंड टूल्स, औजार, फार्म उत्पाद और अन्य वस्तुओं की बिक्री से रु 18,903/- का राजस्व अर्जित किया गया।

बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश

1. 13वां सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 का आयोजन किया गया जिसमें 1020 किसान/ग्रामीण युवा/प्र.क./एनजीओएस ने भाग लिया।
2. किसान और खेतीहर महिलाओं के लिए 6 ऑन कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें 80 पुरुष और 119 महिलाओं ने भाग लिया।
3. किसान और खेतीहर महिलाओं के लिए 1 ऑफ कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिनमें 14 पुरुष और 17 महिलाओं ने भाग लिया।
4. किसान और छात्रों के लिए 2 जागरूकता कार्यक्रम/कार्यशाला का आयोजन किया गया जिनमें 46 पुरुष और 3 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।
5. संबंधित विभागों/कृषि विज्ञान केन्द्रों के विषयवस्तु विशेषज्ञों के लिए 1 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 14 पुरुष और 14 महिलाओं ने भाग लिया।



बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय में कैंटेनर विजीटेबल गार्डनिंग पर प्रशिक्षण



मिगलांग गांव, पूर्वी सियांग जिला, अरूणाचल प्रदेश में मशरूम पर एक खेत दिवस निरूपण कार्यक्रम

6. विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 33 किसानों ने भाग लिया।
7. प्रगतिशील किसानों के लिए 1 एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया जिसमें 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कृषि महाविद्यालय, झीरोइसेंबा, इम्फाल



13वां सीएयू क्षेत्रीय मेला 2019-20

1. दिनांक 11-13, 2019 के दौरान डीईई, सीएयू, द्वारा सीएचएफ, पासीघाट में आयोजित सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेले में कालेज को बेस्ट स्टाल एवार्ड के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।
2. दिनांक 11-13, 2019 के दौरान डीईई, सीएयू, द्वारा सीएचएफ, पासीघाट में आयोजित सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेले में फसल प्रदर्शनी प्रतियोगिता में मणिपुर राज्य के प्रगतिशील किसान श्री तोम्बा सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

3. कालेज द्वारा 2 जुलाई, 2019 को प्रथम राज्य स्तरीय आम विविधाता मेला का आयोजन किया गया जिसमें 75 किसानों (59 पुरुष और 16 महिलाएं) ने भाग लिया।
4. नई प्रौद्योगिकी पर 6 अँन कैम्पस निरूपण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 6511 पुरुष और 3114 महिलाओं ने भाग लिया और इसी प्रकार 1 अँफ कैम्पस कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 21 पुरुष और 9 महिलाओं ने भाग लिया।
5. किसान और खेतीहर महिलाओं के लिए 4 अँन कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें कुल 260 प्रतिभागियों (155 पुरुष और 105 महिला) ने भाग लिया।
6. किसान/खेतीहर महिलाओं/छात्रों के लिए 40 जागरूकता कार्यक्रम/खेत दिवस/स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया जिनमें 1099 पुरुष तथा 561 महिलाओं ने भाग लिया।
7. 60 किसानों के साथ विश्व मृदा दिवस मनाया गया।
8. प्रगतिशील किसानों के लिए 1 एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया जिसमें 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
9. दिनांक 05 मार्च, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया जिसमें 320 खेतीहर महिलाओं ने भाग लिया।
10. “मणिपुर में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास

की समस्याएं एवं रणनीतियां” विषय पर कालेज ने इन्टरफेस बैठक का आयोजन किया।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, तुरा, मेघालय

1. नई प्रौद्योगिकी के निरूपण पर 5 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें 82 पुरुष और 17 महिलाओं ने भाग लिया।
2. 1 पुरुष और 59 महिला प्रतिभागियों के साथ किसानों के लिए अनौपचारिक शिक्षा के 3 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
3. किसानों के लिए 1 जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 56 महिलाओं ने भाग लिया।
4. प्रसार कार्मिकों के लिए 4 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें 37 पुरुष और 30 महिलाओं ने भाग लिया।
5. श्रीमती बालडिल्ला टी. संगमा, कालेज का एक सफल प्रशिक्षणार्थी को “जैविक मूल्य सर्वोर्धित उत्पादों और महिला उद्यमिता को बढ़ावा” के लिए अगस्त 15, 2019 को उपायुक्त, पश्चिमी गारो पर्वतमाला, मेघालय से एवार्ड प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ई-चैपियन चैलेंज नवम्बर, 2019 के 100 आवेदकों में उनका चयन हुआ। जनवरी, 2020 में मुख्यमंत्री ई-चैपियन चैलेंज के शीर्ष 25 प्रतिभागियों में से विजेता के रूप में उन्हें रु 1,00,000/- पुरस्कार प्राप्त हुआ।



दिनांक जुलाई 2, 2019 को आयोजित प्रथम राज्य स्तरीय आम विविधाता मेला-2019



पश्चिमी इम्फाल के यमनम हुएडरॉम (मॉडल गांव) में दिसम्बर 05, 2019 को आयोजित “विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस”



पश्चिमी इम्फाल के यमनम हुएडरॉम (मॉडल गांव) में पपीता, बीन और नींबू (सतरा, खासी नींबू) रोपण



- कालेज ने “सीएयू - क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20” में भी भाग लिया, जो नवंबर 11-13, 2019 के दौरान डीईई, सीएयू, इम्फाल द्वारा बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट में आयोजित किया गया था और कालेज के प्रदर्शनी स्टाल को घटक कालेजों में से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ था।
- दो प्रशिक्षुओं (पीएफसी, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित), सुश्री नीरी डी. मारक और सुश्री क्रेनिथा एम. संगमा ने सीएयू-क्षेत्रीय कृषि मेले (2019-20) में भाग लिया और अपना कार्य प्रस्तुत किया और उन्हें उनके योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

- कालेज ने दो राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों में भाग लिया-एक जिला स्तरीय मेला तुरा में और दूसरा कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, किरदेमकुलाइ, मेघालय में आयोजित एग्री इनोवेशन एक्सपो में।
- इनके अलावा कॉलेज ने अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जैसे ‘ब्रेस्ट फीडिंग वीक’, ‘नेशनल गर्ल चार्झल्ड डे’, ‘150 प्रतिभागियों के साथ न्यूट्रिष्न मंथ’ ‘5 पुरुष और 95 महिला प्रतिभागियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस’।
- कालेज द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की बिक्री के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ₹ 80,605/- का राजस्व प्राप्त हुआ।
- किसानों और खेतीहर महिलाओं के लिए अंग्रेजी भाषा में 13 प्रसार पठन सामग्री प्रकाशित की गई।

मात्स्यकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा

1. नई प्रौद्योगिकी निरूपण के 6 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें 562 किसान एवं खेतीहर महिलाओं ने भाग लिया।
2. प्रदर्शनी /कृषि मेला/ कृषि उन्नति मेला का आयोजन किया गया जिनमें 400 किसान एवं खेतीहर महिलाओं ने भाग लिया।
3. विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 30 किसान एवं खेतीहर महिलाओं ने भाग लिया।
4. किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 205 किसान एवं खेतीहर महिलाओं ने भाग लिया।
5. किसानों के लिए 2 एक्सपोजर विजिट्स का आयोजन किया गया जिनमें 22 प्रतिभागी थे।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20



“गोल्ड फिश एवं एंजेल फिश का प्रजनन “मीठे जल का तालाब और कार्प हैचरी का पश्चिमी त्रिपुरा जिले के मोहनपुर तथा एक्वारियम प्रबंधन” पर प्रशिक्षण डिजाइन एवं निर्माण” पर प्रशिक्षण कार्यक्रम उपप्रखण्ड में बहुत रोपण

6. किसानों, खेतीहर महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम/खेत दिवस/स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।
7. प्रसार कार्मिकों के लिए 3 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें 25 पुरुष और 11 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।
8. 1 व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 09 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, मेघालय

1. 02 प्रदर्शनियों/कृषि मेलाओं/कृषि उन्नति मेला का आयोजन किया गया जिनमें 33 किसान और खेतीहर महिलाओं ने भाग लिया।

2. 04 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें 30 पुरुष और 63 महिलाओं ने भाग लिया।
3. 25 जागरूकता कार्यक्रम/खेत दिवस/स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया जिनमें 844 किसान, खेतीहर महिलाएं और ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया।
4. प्रसार कार्मिकों के लिए 1 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 13 पुरुष और 12 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।
5. विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 50 किसान एवं खेतीहर महिलाओं ने भाग लिया।
6. रोपण सामग्री आदि के विक्रय से रु 15,000/- का राजस्व अर्जित किया गया।



आरकेएम, चेरापुंजी के सहयोग से पूर्वी खासी पर्वतीय क्षेत्र के शोरा गांव के किसानों में आलू कंदों के बीजों का वितरण



मेघालय के पश्चिमी जैनटिया पर्वतीय क्षेत्र के जोवाय गांव के किसानों में सीएयू-आरआई बीजों का वितरण



मॉडल फ्रूट विलेज डफलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत मेघालय के रि-भोय जिले के मौप्रौ में वृक्षारोपण



पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, सेलेसी, आइजवाल, मिजोरम

1. प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि महाविद्यालय, इम्फाल के समन्वयन एवं निगरानी के अंतर्गत कालेज में तीन संस्थागत प्रसार परियोजनाएं, नामतः m4agri, R-ABI और DIC के बुनकर कार्यक्रम, चल रहीं हैं।
2. वित्तीय वर्ष के दौरान कालेज ने विभिन्न गतिविधियों से रु 2,05,994/- का राजस्व प्राप्त किया है।
3. रिपोर्ट अवधि के दौरान टीवीसीसी के रिवाल्विंग फंड के अंतर्गत रु 81,030/- का राजस्व उत्पन्न किया है और शेष मार्च 31 को रु 1,68,900/- है।
4. कालेज द्वारा एम4एग्री परियोजना के माध्यम से मिजोरम के किसानों को मोबाइल आधारित निर्देशिका जारी किए जा रहे हैं।
5. रफ्तार के अंतर्गत बिजनेस इनक्यूबेटर के माध्यम से व्यापार शुरू करने हेतु युवाओं के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण दिया गया है।
6. कालेज ने किसानों के लिए 3 निरूपण (65 किसान लाभान्वित), 6 प्रशिक्षण (180 किसान लाभान्वित), 10 जागरूकता कार्यक्रम (727 किसान लाभान्वित) और 7 पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया।
7. कालेज ने संबंधित विभागों के कार्मिकों तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्मिकों के लिए 3 भिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में 48 कार्मिकों (34 पुरुष और 14 महिलाओं) ने भाग लिया।
8. स्थानीय भाषा मिजो में “शूकर पालन” और “कुकुट पालन” पर 2 दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के अंतर्गत 99 किसानों (32 पुरुष और 67 महिलाओं) को प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।
9. प्रदर्शनी और किसान गोश्ठी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी और किसान गोश्ठी में 1000 से अधिक किसानों ने भाग लिया और प्रदर्शनी को देखा।
10. कालेज ने विश्व जूनोन दिवस (112 कफतों का टीकाकरण), विश्व रेबिस दिवस (116 कफतों का टीकाकरण), विश्व पशु चिकित्सा दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।
11. एनडीआरआई, कल्याणी के सहयोग से एनईएस काम्पोनेंट के अंतर्गत कालेज ने मुथी और रामथार गांवों के किसानों को शूकर के 31 बच्चों और 400 कि.ग्रा. आहार और खनिज मिश्रण की आपूर्ति की।
12. किसानों के लिए 7 आहार नमूनों का परीक्षण और विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत लाभार्थियों को दवा और पूरक आहार का वितरण किया गया।



मोबाइल आधारित स्वास्थ्यविज्ञान पर एक दिवसीय कार्यशाला



पशु स्वास्थ्य शिविर सह प्रदर्शनी



एनडीआरआई, कल्याणी के सहयोग से शूकर बच्चों का वितरण



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

13. किसानों को मोबाइल एडवाइजरी सेवाएं उपलब्ध की गई और एडवाइजरी सेवाएं के लिए एक आईसीटी प्रयोगशाला की स्थापना की गई।
14. किसानों के लिए अंग्रेजी और मिजो भाषाओं में 5 प्रसार पठन सामग्री को प्रकाशित किया गया।

कृषि महाविद्यालय, किरदेमकुलाई, मेघालय

1. 30 पुरुष और 30 महिला प्रतिभागियों के साथ एक नई तकनीक का निरूपण आयोजित किया गया।
2. 148 पुरुष और 180 महिला प्रतिभागियों के साथ किसानों और खेतीहर महिलाओं के लिए 06 ऑन कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
3. 30 पुरुष और 30 महिला प्रतिभागियों के साथ किसानों और छात्रों के लिए 04 जागरूकता कार्यक्रम/प्रक्षेत्र दिवस/स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।
4. 30 पुरुष और 30 महिला प्रतिभागियों के साथ किसानों और ग्रामीण युवाओं के लिए 01 व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
5. कालेज ने बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट में सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 में भी भाग लिया।



कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट

1. “तिलहन फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी में प्रगति” विषय पर ३०८ कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और कुल 19 किसानों और ग्रामीण युवाओं (2 पुरुष और 17 महिलाएं) ने इसमें भाग लिया।
2. दिनांक 01 फरवरी से 16 मार्च, 2020 तक “उत्पादन उद्यम के रूप में बागवानी नर्सरी” विषय पर 01 व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और पूर्व सियांग जिले के 5 गांवों से कुल 07 किसानों और ग्रामीण युवाओं (01 पुरुष और 6 महिलाओं) ने इसमें भाग लिया।
3. कालेज ने बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट में सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 में भी भाग लिया।



किसानों की आय दोगुनी करने के लिए एकीकृत कृषि और ग्रामीण जैव उद्यमिता



कृषि विकास कार्ड के अनुप्रयोग के माध्यम से एकीकृत कृषि प्रणाली और ग्रामीण जैव उद्यमिता पर विचार-मंथन सह कार्यशाला



“मक्का और चावल की उत्पादन प्रौद्योगिकी” पर खेत दिवस



नागालैंड के मोन जिले में पशु स्वास्थ्य शिविर-सह डॉग शो का आयोजन



एनडीआरआई, कल्याणी के सहयोग से शूकर के बच्चों का वितरण कार्यक्रम



शूकर में कृत्रिम वीर्यरोपण और एलएफसी, सीओवीएससी और एएच, जलूकी में पहला एआई से जन्मा शूकर का बच्चा

पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, जलूकी, पेरन, नागालैंड

1. शूकरों में कुल 13 कृत्रिम वीर्यरोपण कराया गया।
2. सात गांवों में छह निशुल्क पशु स्वास्थ्य-सह-टीकाकरण शिविरों का आयोजन किया गया।
3. कॉलेज ने एनडीआरआई, कल्याणी, पश्चिम बंगाल के सहयोग से न्यू चालकोट गांव के किसानों को 50 शूकर के बच्चों, आहार और खनिज मिश्रण का वितरण किया।
4. कालेज ने बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट में सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 में भी भाग लिया।

बागवानी महाविद्यालय, थेनजाल, मिजोरम

1. महाविद्यालय ने दिनांक 04-06 फरवरी, 2020 और 11-13 मार्च, 2020 के दौरान क्रमशः “मृदा उर्वरता और बागवानी फसलों के लिए पोषक तत्व प्रबंधन” और “थेनजॉल की जलवायु स्थितियों के लिए अनुकूल बागवानी फसलें” “विषयों पर 02 तीन दिवसीय ऑन कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया, प्रत्येक कार्यक्रम में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
2. महाविद्यालय ने दिनांक 11 मार्च, 2020 को “ईंधन संरक्षण (पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान

संघ (पीसीआरए), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)” विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सभी छात्रों और किसानों ने एक साथ पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया।

3. महाविद्यालय ने दिनांक 12 मार्च, 2020 को छात्रों के लिए पारस्परिक संवाद सत्र, विशेष रूप से सिविल सेवा परीक्षा, एआरएस/ कृषि उच्च शिक्षा आदि के लिए आयोजन किया, जिसमें सभी छात्रों ने भाग लिया।
4. कालेज ने बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट में सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 में भी भाग लिया।

क) प्रसार/अनुकूलनीय अनुसंधान परियोजनाएं

वर्तमान में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (आरकेवीवाई), आईसीएआर-डीआरएमआर, डीआईसी, आईसीएआर-एनबीएआईआर, आईसीएआर-आईजीएफआर, एनबीबी, आईसीएआर-आईवीआरआई, डीएसटी, डीबीटी, एनएमएचएस जी.बी. पंत हिमालयी पर्यावरण एवं विकास संस्थान, सीआरआईडीए, एनएफएसएम, एनएमओओपी, एससीआई, आईसीएआर-अटारी जोन VII, एनआईसीआरए, जल शक्ति मंत्रालय, नाबार्ड, एनएफडीबी, पीआरए, आईआईएस, एनसीआईपीएम, पीकेवीवाई, आईएआरआई,



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

आईसीएआर-वीपीकेएएस, एमएएनएजीई, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा समर्थित 15.58 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ विस्तार शिक्षा निदेशालय, सीएयू द्वारा कुल 30 (तीस) बाह्य वित्त पोषित प्रसार अनुसंधान/अनुकूलनीय अनुसंधान परियोजनाओं की निगरानी की जा रही है।

ख) विश्वविद्यालय की प्रसार इकाईयां

विश्वविद्यालय ने बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, अरूणाचल प्रदेश, कृषि महाविद्यालय, मणिपुर, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, मेघालय, पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, मिजोरम, कृषि अभियांत्रिकी एवं स्स्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सिक्किम तथा मात्स्यकी महाविद्यालय, त्रिपुरा में छह (06) बहु प्रौद्योगिकी परीक्षण केंद्र (एमटीटीसी) और छह (6) व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (वीटीसी) प्रारम्भ किया।

ग) आईसीटी आधारित प्रसार सेवाएं

विश्वविद्यालय ने मिजोरम और त्रिपुरा जैसे दो राज्यों में डीआईसी, नई दिल्ली द्वारा समर्थित m4agri परियोजना के माध्यम से आईसीटी आधारित प्रसार सेवाएं प्रारम्भ किया है। कुल 6365 किसानों को पंजीकृत किया गया तथा कृषि और संबद्ध क्षेत्रों पर किसानों को 5901 सलाहकार सेवाएं दी गई और दो (02) तकनीकी पोर्टल भी खोले गए।

घ) पुरस्कार एवं सम्मान

- कृषि विज्ञान केन्द्र-पूर्वी इम्फाल, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल को पिछले पांच वर्षों में उत्कृष्ट गतिविधियों के लिए जोन VII के तहत पंडित दीन दयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार 2019 प्राप्त हुआ।

- आईसीएआर, मणिपुर केंद्र द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय किसान मेला 2019 के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र-पूर्वी इम्फाल, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, को केवीके श्रेणी में प्रथम सर्वश्रेष्ठ स्टाल पुरस्कार और केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल को संस्थान श्रेणी के तहत तृतीय सर्वश्रेष्ठ स्टाल पुरस्कार प्राप्त हुआ (केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा आयोजित सीएयू, क्षेत्रीय कृषि मेला, 2019-20 के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र-पूर्वी इम्फाल, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, को केवीके श्रेणी में प्रथम सर्वश्रेष्ठ स्टाल पुरस्कार प्राप्त हुआ और एसएएमईटीआई, मणिपुर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय किसान मेला 2019 के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र-पूर्वी इम्फाल, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, को प्रथम सर्वश्रेष्ठ स्टाल पुरस्कार प्राप्त हुआ। आईसीएआर-अटारी जोन VI द्वारा तोरिया में सीएफएलडी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र-पूर्वी सियांग को सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया।)
- राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड, नई दिल्ली की वित्तीय सहायता से “एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र (उत्कृष्टता केंद्र)” नामक परियोजना के तहत सीओए, इम्फाल और सीएचएफ, पासीघाट में दो शहद प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई।

ड.) गांवों के अंगीकरण की गतिविधियां

- विभिन्न महाविद्यालयों और कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा मेरा गांव मेरा गौरव/फल गांव/डीएफआई/जैविक गांव/एनआईसीआरए गांव कार्यक्रमों के तहत असम को छोड़कर पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में स्थित कुल 57 गांवों को अपनाया गया।
- किसानों को उनकी आजीविका में सुधार के लिए कुल रोपण सामग्री (सब्जी-फूल-फल रोप) = 2,11,860 संख्या (गुणवत्ता बीज (धान-सब्जी-मसाले) = 169.59 किंवंटल



(खरगोश=12 संख्या उपलब्ध करायी गयी।

3. इनके अलावा अपनी अधिदेशित गतिविधियों का संचालन करने के लिए सभी कृषि विज्ञान केन्द्र प्रति वर्ष औसतन 10 गांवों को अपना रहे हैं।

च. अन्य प्रसार गतिविधियां

निदेशालयों, महाविद्यालयों और केवीके द्वारा 16 किसान खेत दिवस (17 किसान गोष्ठी/दिवस (08 पशु स्वास्थ्य शिविर (29 किसान बैठकें/समूह बैठकें (16 किसान सेमिनार (38 फ़िल्म शो (81 विधि निरूपण (31 स्वच्छता ही सेवा (06 उत्पादकता दिवस और राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह (10 मृदा स्वास्थ्य शिविर (प्रगतिशील किसानों और प्रसार कार्मिकों की 28 एक्सपोजर विजिट (1462 प्रसार परामर्श/सलाहकारी सेवाएं (06 जय किसान जय विज्ञान सप्ताह (928 मृदा और जल नमूनों का विश्लेषण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण भी किया गया (राष्ट्रीय मत्स्य पालक दिवस, विश्व जूनोसेस दिवस-2019, विश्व रेबीज दिवस-2019 आदि का आयोजन किया गया।

4.11. भावी दिशाएं

1. डीआईसी, नई दिल्ली के सहयोग से 4 राज्यों-मणिपुर, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश के लिए मोबाइल एग्रो एडवाइजरी (एम4एग्री) परियोजना के माध्यम से आईसीटी का अनुप्रयोग।
2. नॉलेज पार्टनर-कृषि प्रसार के क्षेत्र में नॉलेज पार्टनर के रूप में कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग (डीएसी एंड एफडब्ल्यू), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया।
3. सीएयू टेक्नोलॉजी इन्वेंट्री-कुल 133 सीएयू प्रौद्योगिकियां संकलित की गई और इसे आईएसबीएन के साथ “इन्वेंट्री ऑफ सीएयू

टेक्नोलॉजिज फॉर एनईएच रीजन” नामक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

4. प्रशिक्षण एवं निगरानी प्रकोष्ठ-प्रशिक्षण एवं निगरानी प्रकोष्ठ को अनफमोदित किया गया और इसे प्रसार शिक्षा निदेशालय, सीएयू, इम्फाल में स्थापित किया जाएगा।
5. ऑनलाइन संशुल्क व्यावसायिक पाठ्यक्रम-वीटीसी द्वारा ऑनलाइन संशुल्क व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे।
6. एएससीआई-एएससीआई दिशानिर्देशों के अनफसार ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रक्रिया छह (6) राज्यों अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा के सीएयू-वीटीसी और एमटीटीसी के माध्यम से आयोजित की जाएंगी।
7. कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के कृषि कौशल परिषद (एएससीआई) के तहत अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा में छह (6) सीएयू-व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों की मान्यता।

8. प्रौद्योगिकी का व्यावसायीकरण :

- मछली और पशु आहार की सीएयू प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण के लिए ग्रीन बायोटेक इकोसॉल्विंग्स प्राइवेट लिमिटेड, इम्फाल, मणिपुर के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।
- सीएयू प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण के लिए विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी), भारत सरकार के उद्यम के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।
- 9. इनक्यूबेशन केंद्र-सीएयू, इम्फाल के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में इनक्यूबेशन केंद्र स्थापित किए जाएंगे।



मानव संसाधन विकास

5



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

सू

दूर क्षेत्र में स्थित होने की कठिनाईयों के बावजूद, विश्वविद्यालय ने छात्रों की व्यावसायिक सफलता के लिए अपने घटक कॉलेज परिसरों में उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल बनाए रखा। कर्मचारी छात्र अनुपात उत्तम होने के कारण एक अंतरात्मक शिक्षण वातावरण बनाता है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण, सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित और समर्थन करता है। प्रत्येक घटक कॉलेज विश्वविद्यालय के भीतर और बाहर के विशेषज्ञों को आमंत्रित करके सामान्य हितों के विशिष्ट ऑन-कैंपस और ऑफ-कैंपस प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है।

तालिका 5.1: केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल के कर्मचारियों का विवरण

क्र.सं.	मुख्यालय / कॉलेज	प्रशासनिक	शिक्षण	गैर-शिक्षण		कुल
				तकनीक	गैर तकनीक	
1.	के.कृ.वि. मुख्यालय, इंफाल	14	-	34	112	164
2.	के.कृ.वि. इंफाल संघटक कॉलेज	14	298	269	361	942
कुल योग		28	298	303	473	1102

तालिका 5.2: नवनियुक्त कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद	नियुक्ति की तिथि	पदभार ग्रहण की तिथि
मात्रियकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा, त्रिपुरा				
1.	डा. शुशीनजेद बाइखोम	सह प्राध्यापक	19.07.2019	26.07.2019
2.	डा. अशोक छेत्री	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019
3.	डा. महेश बी तेंगली	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	30.12.2019
4.	डा. विजय कुमार	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	6.1.2020
5.	डा. विनोद कुमार नायक	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	2.3.2020
कृषि महाविद्यालय, इंफाल				
1.	डा. अंगद प्रसाद	प्राध्यापक	19.07.2019	22.07.2019
2.	डा. शेख मुहम्मद फिरोज	सह प्राध्यापक	19.07.2019	22.07.2019
3.	डा. लोकेश कुमार मिश्रा	सह प्राध्यापक	19.07.2019	29.07.2019
4.	डा. श्रीमती एनजी पीलू	सह प्राध्यापक	19.07.2019	08.08.2019
5.	डा. श्रवण हलधर	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	14.01.2020
6.	डा. के महेश्वर देवी	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	22.07.2019
7.	डा. के.एच. स्टीना	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	21.02.2019
8.	डा. सुमित्रा फुरइलटपम	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019
9.	डा. गायत्री के.एच.	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019

मानव संसाधन विकास



क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद	नियुक्ति की तिथि	पदभार ग्रहण की तिथि
10.	डा. अबिनाश मोरांगथम	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019
11.	डा. दीपक नाम	सह प्राध्यापक	19.07.2019	05.09.2019
खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इम्फाल				
1.	एस. तोंबा सिंह	सहायक कुलसचिव	29.01.2020	10.03.2020
2.	एल. नेपोलियन सिंह	पुस्तकालय सहायक	20.03.2020	21.03.2020
3.	एन. नोरेंदो सिंह	सहायक	29.01.2020	05.02.2020
4.	एल. मंगी सिंह	लेखा सहायक	29.01.2020	04.02.2020
5.	एम. बीरेन सिंह	एम टी एस	13.10.2019	13.10.2019
6.	एच. इबोचोबा सिंह	एम टी एस	13.10.2019	15.10.2019
पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, सेलेसी				
1.	डा. नैसी लालदिन पुर्झ	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	17.08.2019
2.	डा. जी भुवन प्रिय	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	26.08.2019
3.	डा. अभिशेक पौल	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	30.10.2019
4.	डा. लालमिन संगा	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019
5.	डा. एल. देवर्णी शर्मा	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019
6.	डा. अमरजीत कुमार	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	26.12.2019
7.	डा. सावंत चंद्रकांत	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	06.01.2020
8.	डा. राहुल सधुकन	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	14.01.2020
बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट				
1.	डा. अरुण फुरइलटपम	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	20.12.2019
2.	डा. ए. एस. मलिअप्पा	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	20.12.2019
3.	डा. प्रियेका इसंगबाम	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019
4.	डा. थियाम जेफरसन सिंह	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019
5.	श्री शंकर मयंगलंबाम	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	26.12.2019
6.	डा. निंबोलकर प्रशांत किशन	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	26.12.2019
7.	डा. अजय कुमार के एम	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	31.12.2019
8.	डा. आतिश कुमार साहू	सह प्राध्यापक	19.12.2019	17.01.2020
9.	श्री श्रीप्रकाश सिंह	लेखापाल	29.01.2020	11.02.2020
10.	श्रीमती सुनीता सिंह	एम टी एस	29.05.2019	30.02.2019
स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, बड़ापानी, मेघालय				
1.	डा. महेश पाठक	प्राध्यापक	19.07.2019	26.07.2019
2.	डा. आर. के. पटीदार	सह प्राध्यापक	19.07.2019	26.07.2019
3.	डा. वीरोनिका कदम	सहायक प्राध्यापक	19.07.2019	20.07.2019



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद	नियुक्ति की तिथि	पदभार ग्रहण की तिथि
4.	सुश्री बिंगिआ लालू	सहायक प्राध्यापक	19.07.2019	16.09.2020
5.	डा. प्रणब दत्ता	सहायक प्राध्यापक	19.07.2019	01.01.2020
6.	डा. हुसैन अली मोंडल	सहायक प्राध्यापक	19.07.2019	09.01.2020
सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, तुरा, मेघालय				
1.	डा. सब्यसाची मजुमदार	सहायक प्राध्यापक	23.12.2019	
2.	डा. राजकुमारी पद्मिनी	सहायक प्राध्यापक	26.12.2019	
3.	डा. संबरलांग के वर्मियांग	सहायक प्राध्यापक	27.12.2019	
4.	डा. एच जी कंचरददी	सहायक प्राध्यापक	27.12.2019	
5.	डा. प्रियदर्शिनी मोहापात्रा	सहायक प्राध्यापक	01.01.2020	
कृषि अधियांत्रिकी एवं सस्थोपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रानीपूर				
1.	डा. नराले प्रदीप दिगंबर	सहायक प्राध्यापक	19.07.2019	20.07.2019
2.	डा. पी.एच.बालेश्वर शर्मा	सहायक प्राध्यापक	19.07.2019	22.07.2019
3.	डा. खरपूर्ड सुधीर नारायण	सहायक प्राध्यापक	19.07.2019	29.07.2019
4.	डा. शिवम	सहायक प्राध्यापक	19.07.2019	09.08.2019
5.	डा. डायना सगोलसम	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019
6.	डा. बाई रुपर्ट आनंद	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	30.12.2019
7.	डा. सुनील कुमार चोंगथम	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	30.12.2019
8.	डा. एस विनोद	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	09.01.2020
9.	श्रीमती एन चंद्रकला देवी	क्षेत्र सह प्रयोगशाला सहायक	29.12.2019	18.06.2019
पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जलूकी				
1.	डा. उदय उमरिकर	प्राध्यापक	21.05.2019	27.05.2019
2.	डा. एम ओ कुरिअन	प्राध्यापक	22.06.2019	10.07.2019
3.	डा. अरुण कुमार सांगवान	प्राध्यापक	17.08.2019	16.11.2019
4.	डा. सी. वीरापांडियन	प्राध्यापक	14.10.2019	06.11.2019
5.	डा. एच. गोपी	प्राध्यापक	24.01.2020	30.01.2020
6.	डा. भाबेश मिली	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	17.08.2019
7.	डा. के. महेश सिंह	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	17.08.2019
8.	डा. राजकुमारी मंदाकिनी देवी	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	17.08.2019
9.	डा. के. मेरीना देवी	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	17.08.2019
10.	डा. निंगोमबाम भूमाकती देवी	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	17.08.2019
11.	डा. शशितोला ओंजुकुम	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	17.08.2019
12.	डा. खबबइरकपम रतिका	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	17.08.2019
13.	डा. तुकेश्वर चुटिया	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	17.08.2019

मानव संसाधन विकास



क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद	नियुक्ति की तिथि	पदभार ग्रहण की तिथि
14.	डा. रघुबीर सिंह	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	12.09.2019
15.	डा. डब्लू. रामदास	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	13.09.2019
16.	डा. टी ज्ञानेश्वरी देवी	सहायक प्राध्यापक	16.08.2019	12.09.2019
17.	श्री ओइनाम रोमनचंद्र	कनिष्ठ अभियंता	18.06.2019	27.04.2020
18.	सुश्री एलुइना	व्यक्तिगत सहायक	24.12.2019	26.12.2019
19.	श्री सेनकालेबा	सहायक	24.12.2019	14.01.2020
20.	डा. इलूहीबी	पशुधन सहायक/क्षेत्र	24.12.2019	26.12.2019
21.	श्री हेलुंग सुझोइंग	प्रबंधक सहायक/क्षेत्र	24.12.2019	07.01.2020
22.	श्री इनरइबे इहीलुंग	प्रबंधक सहायक/क्षेत्र	24.12.2019	27.12.2019
23.	श्री खेखरीसीली	क्षेत्र सह प्रयोगशाला सहायक	24.12.2019	04.01.2020
24.	सुश्री इकीसी सियाराउ	क्षेत्र सह प्रयोगशाला सहायक	24.12.2019	04.01.2020
25.	सुश्री कैथीरीन हमतो	क्षेत्र सह प्रयोगशाला सहायक	24.12.2019	10.01.2020
26.	सुश्री अदिति गोगोई	क्षेत्र सह प्रयोगशाला सहायक	24.12.2019	10.01.2020
27.	सुश्री ग्रेस पी फोम	पुस्तकालय सहायक	24.12.2019	08.01.2020
28.	श्रीमती रहावीनर्ई सुशिंता कियोमझ	स्वास्थ्य कर्मी	24.12.2019	31.12.2019
29.	श्री जुमथुंग किथन	लिपिक	24.12.2019	26.12.2019
30.	श्री रिजबू हवांग	लिपिक	24.12.2019	26.12.2019
31.	श्री लुंगकेमरकपे	लिपिक	24.12.2019	26.12.2019
कृषि महाविद्यालय, पासीघाट				
1.	डा. गिरीश चंद	प्राध्यापक	19.12.19	01.01.20
2.	डा. एल गीतारानी देवी	सहायक प्राध्यापक	19.12.19	20.12.19
3.	डा. खवाइरकपम लिली देवी	सहायक प्राध्यापक	19.12.19	24.12.19
4.	डा. डेनिशा राजखोना	सहायक प्राध्यापक	19.12.19	26.12.19
5.	डा. बपसिला लोइतोगंबम	सहायक प्राध्यापक	19.12.19	26.12.19
6.	डा. पवन कुमार गूदर	सहायक प्राध्यापक	19.12.19	30.12.19
7.	डा. महेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	19.12.19	06.01.20
कृषि महाविद्यालय, किरदेमकुलई, मेघालय				
1.	डा. नंगोम उमा देवी	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	24.12.2019
2.	डा. एल एस सिंह	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	24.12.2019
3	डा. उम प्रेमी देवी	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	23.12.2019



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद	नियुक्ति की तिथि	पदभार ग्रहण की तिथि
4	डा. अमित साहनी	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	13.01.2020
5.	डा. पी.पी. मोहापात्रा	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	01.02.2020
6.	डा. पद्मिनी देवी	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	01.02.2020
7.	डा. सम्बोरलांग के वनिआंग	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	01.02.2020
8.	डा. एस मजुमदार	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	01.02.2020
9.	डा. हनामरद्धी	सहायक प्राध्यापक	19.12.2019	01.02.2020
बागवानी महाविद्यालय, थैनजौल, मिजोरम				
1.	डा. वी. एस. देवदास	प्राध्यापक	5.12.2019	18.01.2020
2.	डा. लालरिन संगपुर्झ	सहायक प्राध्यापक	20.12.2019	20.12.2019
3	डा. रोजीत थंगजाम	सहायक प्राध्यापक	20.12.2019	26.12.2019
4	सुश्री इस्थर लाल रुआंसंगी	सहायक प्राध्यापक	20.12.2019	10.01.2020
5.	सुश्री बनलालनीही	सहायक प्राध्यापक	20.12.2019	16.01.2020
6.	सुश्री सइडिंगपुर्झ सइलो	सहायक प्राध्यापक	01.02.2019	06.02.2020
7.	डा. एल देवरिषी शर्मा	सहायक प्राध्यापक	20.12.2019	23.12.2019
8.	डा. लालमिनसंगा	सहायक प्राध्यापक	20.12.2019	23.12.2019
9.	डा. अमरजीत कुमार	सहायक प्राध्यापक	20.12.2019	26.12.2019
10.	डा. सावंत चंद्रकांत ज्ञानोबा	सहायक प्राध्यापक	20.12.2019	06.01.2020
11.	श्री राहुल साधुकन	सहायक प्राध्यापक	20.12.2019	14.01.2020

5.3 त्यागपत्र/सेवानिवृत्त/दिवंगत कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	इस्तीफे की तिथि / सेवानिवृत्ति / मार्ग
1.	मो. स्वीट अली	सीएयू मुख्यालय, इंफाल सहायक कुलसचिव (स्था.)	30.09.2019 (स्वेच्छा अवकाश प्राप्ति)
1.	डा. एम. के.गुप्ता	कृषि महाविद्यालय, इम्फाल प्राध्यापक (कीट विज्ञान)	31.05.2019 (सेवानिवृत्त)
2.	श्री ओ. निर्मल कुमार सिंह	सह प्राध्यापक (मृदा विज्ञान)	29.02.2020 (सेवानिवृत्त)
3.	श्री ए. रंजीत सिंह	प्रयोगशाला	30.06.2019 (सेवानिवृत्त)
4.	श्री वाई. मुनलतांबी सिंह	विद्युतकर्मी	31.12.2019 (सेवानिवृत्त)
5.	श्रीमती पी. तिजिसा	लेखापाल	29.02.2020 (सेवानिवृत्त)
6.	श्रीमती एन. परशुराम सिंह	एम टी एस	29.02.2020 (सेवानिवृत्त)
7.	श्री पाओमिनथांग गांगते	एम टी एस	08.11.2019 (मृत)
पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, सेलेसी, मिजोरम			
1.	डा. अल्ताफ मलिक	प्राध्यापक (अनुबंध)	16.01.2020

मानव संसाधन विकास



क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	इस्तीफे की तिथि / सेवानिवृत्ति / मांग
बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट			
1.	डा. नंगबाबाम	डीन	08.07.2019 (तकनीकी त्याग पत्र)
2.	डा. रघुबीर पटिदार	सहायक प्राध्यापक	25.07.19 (तकनीकी त्याग पत्र)
3.	श्री एल. मांगी सिंह	यू. डी. सी	02.01.20 (तकनीकी त्याग पत्र)
4.	श्रीमती कल्पना बोरांग	यू. डी. सी	02.01.20 (तकनीकी त्याग पत्र)
5.	श्री उदित कुमार बोरा	यू. डी. सी	02.01.20 (तकनीकी त्याग पत्र)
मास्त्यकी महाविद्यालय, लेंब्चेरा, त्रिपुरा			
1.	श्री जयत मैत्रई	कनिष्ठ पुस्तकालय सहायक	16.4.19 (मृत)
2.	प्रीति रंजन दास	प्रध्यापक	4.06.19 (सेवानिवृत्त)
स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, उमियाम, मेघालय			
1.	श्री बिजौन नोंगसीज	एम टी एस	26.05.19
सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, तुरा, मेघालय			
1.	डा. लोकेश मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	जुलाई 2019 (तकनीकी त्याग पत्र)
2.	डा. एल डी हवाई	सहायक प्राध्यापक	सितम्बर 2019 (तकनीकी त्याग पत्र)
3.	प्रो. रंजन एस करिपई	प्राध्यापक	30.11.19 (त्यागपत्र)
बागवानी कालेज, थैनजौल, मिजोरम			
1.	डा. थंगजाम शुभलक्ष्मी	सहायक प्रोफेसर (अनुबंध)	13.01.20 (त्यागपत्र)
2.	डा. एस. हेरोजित सिंह	सहायक प्रोफेसर (अनुबंध)	22.11.19 (त्यागपत्र)

5.4 स्थानान्तरण की सूची

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद	स्थानान्तरण का स्थान	स्थानान्तरण की तिथि
1.	श्री सी एच चितंरजन	ए.इ	कृषि कॉलेज, इम्फाल	24.09.2019
2.	श्री पी एच राहुल नाथ	एल डी.सी	कृषि कॉलेज, इम्फाल	24.10.2019
3.	श्री एम बीरेन सिंह	एम टी.सी	खाद्य प्रौ. महाविद्यालय, इम्फाल	30.11.2019
4.	श्री एच इबोचोबा सिंह	एम टी.सी	खाद्य प्रौ. महाविद्यालय, इम्फाल सीएयू मुख्यालय, इंफाल	30.11.2019
1.	श्री एल बौबी सिंह	सहायक अभियंता	केकृवि, मु. इम्फाल	24.09.2019
2.	श्री चुंगलेनथंग कौन	एल डी.सी	केकृवि, मु. इम्फाल	24.10.2019
3.	श्री एल नेपोलियन सिंह	पुस्तकालय	खाद्य प्रौद्योगिक कालेज, इम्फाल	24.01.2019
4.	डा. दीपक थान	सहायक प्राध्यापक	के.कृवि., इम्फाल	24.09.2019
पशुचिकित्सा कालेज, सेलेसी, मिजोरम				
1.	कुमारी सइदिनपुर्झ सैलो	लेखा सहायक	बागवानी कॉलेज, थैनजौल	01.02.2020
2.	श्री टी एच मंगी सिंह	लेखा सहायक	अनुदेश निदेशक कार्यालय	01.02.2020
3.	श्रीमती आर बनलालवती	लेखा सहायक	सी.पी.जी.एस.बड़ापानी	01.02.2020



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद	स्थानान्तरण का स्थान	स्थानान्तरण की तिथि
4.	श्रीमती एच ललरमानी	लेखा सहायक	कृषि कालेज किरबेस्कलई	01.02.2020
5.	श्री आर के मनिसना सिंह	सहायक	अनुदेश निदेशक	01.02.2020
1.	श्री एल मंगी सिंह	यू. डी. सी	खाद्य प्रौ. कालेज, इम्फाल	02.03.2020
2.	श्रीमती कल्पना बोरांग	यू. डी. सी	कृषि कालेज, पासीघाट	02.01.2020
3.	श्री उदित कुमार बोरा	यू. डी. सी	कृषि कालेज, पासीघाट	02.01.2020
		कृषि अधियांत्रिकी कालेज, रानीपूल, सिक्किम		
1.	श्रीमती सराह संगलेपचा	सहायक	बागवानी कालेज, बरमियोक	03.02.2020
2.	श्रीमती एलिजाबेथ जॉर्ज	लेखा सहायक	बागवानी कालेज, बरमियोक	12.02.2020
1.	के एच मेघाचन्द्रा	सहायक	सामुदायिक विज्ञान कालेज, तुरा, मेघालय	05.02.2020
1.	श्री के एच सोमरेद्र सिंह	मुख्य सहायक	कुलसचिव कार्यालय	29.01.2020
2.	श्री श्रीप्रकाश सिंह	लेखापाल	बा.वा. कालेज, पासीघ	29.01.2020
3.	सुश्री आर वनलालरुअती	लेखा सहायक	सी.पी.जी.एस	01.02.2020
		बागवानी कॉलेज, थेनजौल, मिजोरम		
1.	श्री एपम राजेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	सी ओ एच सिक्किम	20.12.2019
2.	डा. यमुना पांडे	सहायक प्राध्यापक	सी ओ एच सिक्किम	20.12.2019
3.	डा. प्रयंकलरुगाबम	सहायक प्राध्यापक	सी एच एफ पासीघा	20.12.2019

5.5 पदोन्नति की सूची

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	आगे बढ़ना	तरक्की का तारीख
के.कृ.वि. (मुख्यालय)				
1.	मो. रियाजुद्दीन	निजी सचिव	सहायक कुलसचिव (शै.)	29.01.2020
2.	श्री लुंकोथांग	निजी सचिव	सहायक कुलसचिव (स्था.)	29.01.2020
3.	श्री एस तोम्बा सिंह	निजी सचिव	सहायक कुलसचिव (स्था.)	29.01.2020
4.	श्री टी एच प्रियनंदा	निजी सचिव	सहायक कुलसचिव (स्था.)	29.01.2020
5.	श्री के. एच. शरत कुमार सिंह	सहायक	मुख्य सहायक	29.01.2020
6.	श्रीमती रेबिका देवी	सहायक	मुख्य सहायक	29.01.2020
7.	श्री ए. सुरजीत सिंह	लेखा सहायक	लेखापाल	29.01.2020
8.	श्रीमती वाइ गुणबती देवी	लेखा सहायक	लेखापाल	29.01.2020
9.	श्रीमती ए. इलेन देवी	लेखा सहायक	लेखापाल	29.01.2020
10.	मो. आजाद खान	लेखा सहायक	लेखापाल	29.01.2020
11.	श्री एल. इबोमचा सिंह	लेखा सहायक	लेखापाल	29.01.2020

मानव संसाधन विकास



क्र.स.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	आगे बढ़ना	तरक्की का तारीख
12.	श्री एन. नोरेंद्रो सिंह	यू. डी. सी	सहायक	01.02.2020
13.	श्री एल. होमेश्वर सिंह	यू. डी. सी	लेखा सहायक	01.02.2020
14.	श्री एल. मोमोन सिंह	यू. डी. सी	लेखा सहायक	01.02.2020
15.	श्री वाइ. संजय मैतैड	यू. डी. सी	लेखा सहायक	01.02.2020
16.	श्री टी. एच. सनातोंबा सिंह	यू. डी. सी	लेखा सहायक	01.02.2020
17.	श्रीमती एल. सोनिया देवी	यू. डी. सी	लेखा सहायक	01.02.2020
18.	श्री सी. एच. इबुनगो सिंह	यू. डी. सी	लेखा सहायक	01.02.2020
कृषि कॉलेज, इम्फाल				
1.	डा. एस. रंजीता देवी	चिकित्सा अधिकारी	टी-7-8 (11.06.2017 से लागू)	17.12.2019
2.	श्री एम. हेमचन्द्र सिंह	पुस्कालायअध्यक्ष	टी-7-8 (08.09.2014 से लागू)	17.12.2019
3.	श्रीमती नौलिनी देवी	वरिष्ठ पुस्त. सहायक	टी-7-8 (09.11.2018 से लागू)	17.12.2019
4.	श्रीमती गीताबाली देवी	वरिष्ठ पुस्त. सहायक	टी-7-8 (16.11.2018 से लागू)	17.12.2019
5.	श्रीमती सोबिता देवी	पुस्त. सहायक (टी 6)	टी-7-8 (25.01.2019 से लागू)	17.12.2019
6.	श्रीमती सरोज कुमारी देवी	अ) पुस्त. सहायक (टी 5)	टी-6 (25.01.2014 से लागू) (टी 5)	17.12.2019
7.	श्रीमती पूणिमा देवी	ब) पुस्त. सहायक (टी 6)	टी-6 (25.01.2019 से लागू)	17.12.2019
8.	श्रीमती मुक्ता बाली देवी	निजी सचिव	सहायक कुल सचिव (शै.)	17.12.2019
		अ) सहायक (पीएमएल 6)	मुख्य सहायक (पीएमएल7) (15.02.2019)	17.12.2019
		ब) सहायक	मुख्य सहायक (31.01.2020)	29.01.2019
9.	श्री वाइ. रंजीत सिंह	यू. डी. सी (पी एम एल 6)	यू. डी. सी (पी एम एल 7) (02.11.2014 से लागू)	17.12.2019
10.	सी एच. इंद्रेश्वर सिंह	कम्पाउंडर (टी-3)	टी-5 (10.11.2016 से लागू)	17.12.2019
11.	श्रीमती एल. जिमिक	एफ सी एल ए (टी-3)	टी-4 (19.04.2018 से लागू)	17.12.2019
12.	श्रीमती टीएच. जयश्री	एफ सी एल ए (टी-3)	टी-4 (07.05.2018 से लागू)	17.12.2019
13.	श्री टी. एच. शोभा सिंह	एफ सी एल ए (टी-3)	टी-4 (04.07.2018 से लागू)	17.12.2019
14.	श्री एल. रोहेंद्रो सिंह	एफ सी एल ए (टी-3)	टी-4 (01.06.2019 से लागू)	17.12.2019
15.	श्री अशोक कुमार सिंह	अ) जुनीयर स्टेनो (पीएउएल-5)	सीनियर स्टेनो (पीएउएल-6) (04.07.2020 से लागू)	01.02.2020
		ब) जुनीयर स्टेनो	सीनियर स्टेनो (03.02.2020 से लागू)	01.02.2020
16.	श्री के. अचोबा सिंह	ड्राइवर (टी-4)	टी-5 (19.06.2015 से लागू)	17.12.2019
17.	श्री के. एस. सोमी	ड्राइवर (टी-4)	टी-5 (19.06.2015 से लागू)	17.12.2019
18.	श्री एम. प्रियोकुमार	चिकित्सा सहायक (टी-3)	चिकित्सा सहायक (टी-4) (21.02.2019 से लागू)	17.12.2019



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.स.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	आगे बढ़ना	तरक्की का तारीख
19.	श्री एम. राधा बिनोद	सुरक्षा गार्ड (पी एम एल-2)	सुरक्षा गार्ड (पी एम एल-3) (14.11.2016 से लागू)	17.12.2019
20.	श्री पी. सुरेन्द्र सिंह	सुरक्षा गार्ड (पी एम एल-2)	सुरक्षा गार्ड (पी एम एल-3) (10.11.2016 से लागू)	17.12.2019
21.	वाइ ताहिरा बेगम	एम टी एस (पी एम एल-1)	एम टी एस (पी एम एल-2) (10.11.2016 से लागू)	17.12.19
22.	श्री डी गइनामलंग	एम टी एस (पी एम एल-1)	एम टी एस (पी एम एल-2) (03.11.2016 से लागू)	17.12.19
23.	श्री एन इबोहाल सिंह	एफए (टी-5)	एफए (टी-6) (01.01.2016 से लागू)	17.12.19
सामुदायिक विज्ञान कालेज, तुरा				
1.	देवंद्र कुमार	पी एस	सहायक कुलसचिव	30.01.20
2.	नाओरेम संजीत सिंह	यू.डी.सी	सहायक	03.02.20
बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट				
1.	श्री अशोक कुमार सिंह	पी एस	सहायक कुलसचिव	30.01.20
2.	श्रीमती यामेन मिबांग	यू.डी.सी	लेखा सहायक	01.02.20
मात्रियकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा				
1.	डा. एम तेजेंद्र सिंह	चिकित्सा अधिकारी	स्तर-10 से 11	08.06.17
2.	श्री अपूर्बा देबनाथ	प्राईवेट सेक्रेटरी	सहायक कुलसचिव	29.01.20
3.	श्री काजोल चक्रवर्ती	सहायक	मुख्य सहायक	29.01.20
4.	श्री ए जयंता मैतड़ी	पुस्तकालय सहायक	स्तर-10 से 11	12.11.18
5.	श्री के गुणो सिंह	कनिष्ठ अभियंता	स्तर-6 से 7	24.04.17
6.	श्री सौमेन अचार्जी	कम्पांडर	स्तर-6 से 7	08.11.16
7.	श्रीमती मिनागइलीयाम	पुस्तकालय सहायक	स्तर-6 से 7	17.11.16
8.	श्री उमेश कुमार खत्री	कम्प्यूटर ऑपरेटर	स्तर-6 से 7	08.01.19
9.	श्रीमती चंद्रा बर्मन	पुस्तकालय सहायक	स्तर-5 से 6	09.01.19
10.	श्री एटम अरुण सिंह	पुशाधन फार्म सहायक	स्तर-5 से 6	01.06.19
11.	श्रीमती सम्पा देब	पुशाधन फार्म सहायक	स्तर-5 से 6	01.06.19
12.	श्री संजीब देबनाथ	एफ सी एल एल	स्तर-5 से 6	19.04.18
13.	श्री एस पी दत्ता	एफ सी एल एल	स्तर-5 से 6	21.04.18
14.	श्री अविजीत दास	एफ सी एल एल	स्तर-5 से 6	21.04.18
15.	श्री राजीब डे	एफ सी एल एल	स्तर-5 से 6	21.04.18
16.	डा. नंदिता रॉय	एफ सी एल एल	स्तर-5 से 6	11.07.18
17.	श्रीमती बरनाली चौधरी	एफ सी एल एल	स्तर-5 से 6	16.07.18
18.	श्रीमती गोपा हलघर	एफ सी एल एल	स्तर-5 से 6	24.10.18
19.	श्रीमती अलोगकृता चक्रमा	एफ सी एल एल	स्तर-2 से 5	20.01.19
20.	श्रीमती बिद्या देवी	एफ सी एल ए	स्तर-2 से 5	23.01.19

मानव संसाधन विकास



क्र.स.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	आगे बढ़ना	तरक्की का तारीख
21.	श्रीमती व्यूटी देबबर्मा	एफ सी एल ए	स्तर-2 से 5	08.01.19
22.	श्री मनोज कुमार सिंहा	चालक	स्तर-4 से 5	14.10.18
23.	श्री अरुण मतिक	चालक	स्तर-4 से 5	15.10.18
24.	श्री तरुण भौमिक	चालक	स्तर-4 से 5	15.10.18
25.	श्री एम के एन सिंह	सुरक्षा गार्ड	स्तर-2 से 3	21.1.16
26.	श्री गौतम तमांग	सुरक्षा गार्ड	स्तर-2 से 3	24.11.16
27.	श्री गोविंदा देबबर्मा	स्वास्थ्य कर्मी	स्तर-3 से 4	30.01.19
28.	श्री बिनय देबबर्मा	प्लंबर	स्तर-2 से 4	24.06.15
29.	श्री देबज्योति देबबर्मा	बद्री	स्तर-2 से 4	25.06.15
30.	श्री किशन रॉय	एम टी एस	स्तर-1 से 2	10.11.16
31.	श्री मिथुन देबनाथ	एम टी एस	स्तर-1 से 2	15.11.16
32.	श्री अमृत देबबर्मा	एम टी एस	स्तर-1 से 2	14.11.16
33.	श्री टेलीफोर लेप्चा	एम टी एस	स्तर-1 से 2	16.11.16
स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, बड़पानी, मेद्यालय				
1.	श्री के एच सोमरेंद्र सिंह	सहायक	मुख्य सहायक	29.01.20
2.	श्री श्री प्रकाश सिंह	लेखा सहायक	लेखापाल	29.01.20
3.	श्री होलखोपाओ लुंगडिम	यू डी सी	सहायक	01.02.20
पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, सेलेसी				
1.	श्रीमती लूसी लालरिनचनी	यू डी सी	सहायक	01.02.20
2.	साइडिंग पुइ सैलो	यू डी सी	लेखा सहायक	01.02.20
3.	मिंगथमसंगी खिआंगते	यू डी सी	लेखा सहायक	01.02.20
4.	श्री लाल मपुइआ	यू डी सी	लेखा सहायक	01.02.20
5.	श्री टी एच मंगी सिंह	यू डी सी	लेखा सहायक	01.02.20
6.	श्रीमती वी लालरम जौवी	यू डी सी	लेखा सहायक	01.02.20
7.	श्रीमती आर बनलाल रुआती	यू डी सी	लेखा सहायक	01.02.20
8.	श्रीमती एच लालरमावी	यू डी सी	लेखा सहायक	01.02.20
9.	श्री आर.के. मणिसना सिंह	यू डी सी	सहायक	01.02.20
10.	बनलाल जौमी	यू डी सी	सहायक	01.02.20
11.	लामजापाओ किपगेन	सहायक	मुख्य सहायक	29.01.20
कृषि अभियांत्रिकी एवं स्स्योपरांत प्रौद्यागिकी कालेज, रानीपूल				
1.	डा. ताशी डब्लू भूटिया	चिकित्सा अधिकारी	टी ₆ से टी ₇₋₈	23.05.17
2.	श्री पवन कुमार	वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक	टी ₆ से टी ₇₋₈	29.01.19
3.	डा. मनीष राज गुरुंग	बागवानी सहायक	टी ₅ से टी ₆	12.11.17
4.	श्री पी एच रौशन सिंह	कनिष्ठ अभियंता	टी ₄ से टी ₅	04.02.17
5.	श्रीमती ए एबिता	कम्पाउंडर	टी ₄ से टी ₅	20.11.16
6.	श्रीमती इथर एम	पुस्तकालय सहायक	टी ₃ से टी ₄	17.10.18



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.स.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	आगे बढ़ना	तरक्की का तारीख
7.	डा. बिनोद कुमार मेहता	पशुधन सहायक	टी ₃ से टी ₄	03.10.17
8.	श्री राजू प्रधान	फार्म सहायक	टी ₃ से टी ₄	01.06.19
9.	श्री लालचा	यू.डी.सी	लेखा सहायक	03.02.20
10.	श्री विशाल बरदेवा	यू.डी.सी	लेखा सहायक	03.02.20
11.	श्री चौबा सिंह	क्षेत्र सह पुस्तकालय सहायक	टी ₃ से टी ₄	01.06.19
12.	श्रीमती शेरिंग ओगमू भूटिया	क्षेत्र सह प्रयोग सहायक	टी ₃ से टी ₄	01.06.19
13.	श्री संजच उपाध्याय	क्षेत्र सह प्रयोग सहायक	टी ₃ से टी ₄	01.06.19
14.	श्री समीर प्रधान	क्षेत्र सह प्रयोग सहायक	टी ₃ से टी ₄	11.08.19
15.	श्री दोंदोर एस मारी	क्षेत्र सह प्रयोग सहायक	टी ₁ से टी ₂	11.08.14
16.	श्रीमती कविता छेरी	क्षेत्र सह प्रयोग सहायक	टी ₁ से टी ₂	07.10.18
17.	सुश्री तीर्थकला गुरुंग	क्षेत्र सह प्रयोग सहायक	टी ₁ से टी ₂	10.10.18
18.	सुश्री कर्मा भूटिया	क्षेत्र सह प्रयोग सहायक	टी ₁ से टी ₂	17.10.18
19.	श्री मनीष मुखिया	क्षेत्र सह प्रयोग सहायक	टी ₁ से टी ₂	21.10.18
20.	श्री रंजन सिरसत	चालक	टी ₂ से टी ₃	20.08.13
21.	श्री एन इंद्रमणि सिंह	चालक	टी ₁ से टी ₂	13.01.19
22.	श्री बीरेंद्र दहल	स्वास्थ्यकर्मी	टी ₁ से टी ₂	08.10.18

5.6 संघटक कॉलेजों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण / सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला / ग्रीष्म कक्षायें

क्र. स.	कार्यक्रम का प्रायोजन प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक	संख्या
अनुदेश निदेशालय						
1.	ग्रीष्म कक्षायें भा.कृ.अ.प.	कृषि शिक्षा, उद्यमिता एवं कौशल विकास	21	27.8.2019	16.9.2019	25
कृषि महाविद्यालय, इम्फाल						
2.	प्रशिक्षण नाम हैदराबाद	ए आर एस का 21 दिनों का एफ इ टी कार्यक्रम	21	25.02.2020	16.03.2020	6
3.	विविधता मेला के.कृ.वि. इम्फाल	प्रथम राज्य स्तर आम विविधता मेला	1	02.07.2019	-	75
4.	समन्वय समिति ए आइ सी आर बैठक पी	लाख कीट आनुवंशिक संसाधनों पर भाकृअप ए आई सी आर पी	2	03.02.2020	04.02.2020	20
5.	कार्यशाला केकृवि, इम्फाल	ट्रैक्टर, पंप सेट या अन्य क्षेत्र उपस्करणों की इंधन क्षमता वृद्धि हेतु कृषि कार्यशाला	1	27.02.2020	-	10

मानव संसाधन विकास



क्र. सं.	कार्यक्रम का प्रकार	प्रायोजन	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक	संख्या
6.	सेमिनार	केकृषि, इम्फाल	ग्रामीण महिला सशक्तिकरण अंतराष्ट्रीय महिला दिवस 2020	1	05.03.2020	-	320
7.	जागरूकता कार्यक्रम	आई डी पी नहेप	राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना	1	06.03.2020	-	109
8.	कार्यशाला	एन बी ए आइ आर, बंगलूरु	फसल कीटों का जैविक नियंत्रण तथा उ.पू. भारत में भोजन के रूप में कीटों का उपयोग	2	25.02.2020	26.02.2020	60
9.	कार्यशाला	आई बी डी सी नई दिल्ली	कार्यशाला सह शहद त्यौहार बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट	2	18.03.2020	20.03.2020	45
1.	प्रशिक्षण	प्रसार निदेशालय	जीविकोपार्जन हेतु पुष्प विज्ञान में मार्ग	3	17.02.2020	19.02.20	27
2.	कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रसार निदेशालय	अरुणाचल प्रदेश में फौल आर्मी कीटों की पहचान, जीवन चक्र, लक्षण एवं प्रबंधन	1	21.05.2019	-	30
3.	प्रशिक्षण	प्रसार निदेशालय	वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन	1	28.09.2019	-	100
4.	प्रशिक्षण	एन एम पी बी, नई दिल्ली	औषधीय एवं सुंगधित फसलों की पूर्वी सियांग जिला के कृषकों के बीच खेती	3	07.01.2020	09.01.2020	30
5.	प्रशिक्षण	प्र. नि;के.कृ.वि.; इम्फाल	कृषि वाणिज्यिक एम ए पी का परिचय एवं उनके बाजार की योजना	3	05.03.2020	07.03.2020	30
6.	प्रशिक्षण	राष्ट्रीय शोध विकास कारपोरेशन	बागवानी फसलों पर सस्योपरांत प्रौद्योगिकी का डी एस टी हस्तक्षेप	21	20.11.2019	10.12.2019	35
7.	प्रशिक्षण	सी सी एस, जयपुर	अनुबंध खेती द्वारा बागवानी कृषकों का सामाजिक आर्थिक विकास	3	04.09.2019	06.09.2019	35
8.	प्रशिक्षण	सी सी एस, जयपुर	उत्पादकता तथा कृषक आय वृद्धि हेतु उत्तम बागवानी पद्धति	3	09.09.2019	11.09.2019	28
9.	प्रशिक्षण		उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार का परिप्रेक्ष्य	3	24.02.2020	25.02.2020	100
10.	प्रशिक्षण		खरीफ प्याज का प्रशिक्षण सह बीज वितरण	1	07.08.2019	-	30



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं. कार्यक्रम प्रकार	कार्यक्रम का प्रायोजन	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक	संख्या	
11.	प्रशिक्षण	प्र.नि., कृषि मंत्रालय, भारत सरकार	सब्जी फसलों की सुरक्षित खेती-उ.पू.प. क्षेत्र में रोजगार का स्रोत	8	02.12.2019	09.12.2019	20
12.	प्रशिक्षण	भाकृअप. (आलू पर ए आई सी प्रबंधन, मूल्य वृद्धि एवं आर पी के अंतर्गत भंडारण पर प्रशिक्षण	आलू के सस्योपरांत आई सी प्रबंधन, मूल्य वृद्धि एवं आर पी के अंतर्गत भंडारण पर प्रशिक्षण	3	23.01.2020	15.01.2020	31
13.	कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	डी ए एस डी, कालीकट केरल (सी एस एस एम) आइ डी एच के अंतर्गत	अरुणाचल प्रदेश में मसालों की खेती द्वारा कृषकों की आय बढ़ाना	2	05.02.2020	06.02.2020	78
14.	प्रशिक्षण	केकृषि, इम्फाल	कंटेनर सब्जी बागवानी	3	13.02.2020	15.02.2020	38
15.	परिसर के बाहर केकृषि, इम्फाल प्रशिक्षण	कम प्रयुक्त सब्जियों की उत्पादन प्रौद्योगिकी तथा आय सृजन हेतु मूल्य वृद्धि	मूल्य वृद्धि	3	19.02.2020	21.02.2020	31
मात्स्यकी कालेज, लेंबुचेरा, त्रिपुरा							
1.	कार्यशाला	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हेतु त्रिपुरा राज्य परिषद झींगा के उत्पादन तकनीक	कार्प, कैटफिश और 1 दिन विशाल मीठे पानी के लिए बीज	-	17.05.2019		
2.	प्रशिक्षण	के.कृ.वि., इम्फाल	मागुर एवं सिघी का शिशु 7 दिन पालन एवं बीज उत्पादन	06.07.2019	12.07.2019		
3.	प्रशिक्षण	के.कृ.वि., इम्फाल	मूल्य वर्द्धित मत्स्य उत्पादन 5 दिन तकनीक द्वारा महिला सशक्तिकरण	16.07.2020	20.07.2020		
4.	परिसर में प्रशिक्षण	के.कृ.वि., इम्फाल	मत्स्य स्वास्थ्य एवं 07 दिन पर्यावरण प्रबंधन	25.06.2019	01.07.2019		
5.	प्रशिक्षण	एन आइ ए एम, जयपुर	क्षमता सृजन एवं मत्स्य 3 दिन उत्पादों के बाजार में आई सी टी का अनुप्रयोग	17.09.2019	19.09.2019		
6.	कार्यशाला	मात्स्यकी विभाग, त्रिपुरा सरकार	“ग्रामीण जलीय विज्ञान 1 दिन प्रबंधान” पर एक दिवसीय अन्तरात्मक सह परामर्श कार्यशाला	25.09.2019	-		
7.	प्रशिक्षण	केकृषि., इम्फाल	उत्तर पूर्व भारत के मत्स्य 7 दिन संसाधनों की प्रजाति संरक्षण हेतु विधियाँ एवं तकनीक	22.11.2019	28.11.2019		

मानव संसाधन विकास



क्र. सं.	कार्यक्रम का प्रायोजन प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक	संख्या
8.	प्रशिक्षण	भा.कृ.अ.प	उत्तर पूर्व भारत में 10 मात्स्यकी क्षेत्र में उद्यमिता की संभावनाएं	10.11.2019	29.11.2019	
9.	प्रशिक्षण	केकृवि; इम्फाल	ताजे जल के तालाब एवं 7 मत्स्य पालन की रूप रेखा एवं निर्माण	10.02.2020	16.02.2020	
10.	प्रशिक्षण	नावार्ड	अधिक उत्पादकता हेतु 3 तालाब संस्कृति में वैज्ञानिक हस्तक्षेप	26.02.2020	28.02.2020	
11.	कार्यशाला	भा.कृ.अ.प	आई डी पी, नहेप 2 परियोजना के तहत व्यक्तित्व विकास	28.02.2020	29.02.2020	
12.	प्रशिक्षण	के.कृ.वि; इम्फाल	जलीय विज्ञान में उत्तम 5 प्रबंधन विधियों द्वारा कम से अधिक प्राप्ति	17.09.2019	21.09.2019	
13.	कार्यशाला	पीसीआरए	कृषि क्षेत्र में पेट्रोलियम उत्पाद संरक्षण	04.12.2019	-	
14.	प्रशिक्षण	भा.कृ.अ.प. शीत कक्षायें	मत्स्य प्रसंस्करण, मूल्य वृद्धि तथा मत्स्य वर्ज्य प्रबंधन में आधुनिक प्रगति	21 दिन	07.01.2020	27.01.2020
15.	हितधारकों की बैठक	भा.कृ.अ.प. केंद्रीय गांठ फसल शोधसंस्थान इम्फाल	उद्यमिता विकास कार्यक्रम तथा हितधारकों की फसल शोधसंस्थान बैठक। त्रिपुरा में गांठ तिरुवंथपुरम केरल की फसलों का उद्यमिता तथा मात्स्यकी पर्यावरण को विकसित कालेज, के.कृ.वि., करना			
सामुदायिक विज्ञान कालेज, तुरा, मेद्यालय						
1.	प्रशिक्षण	के.वि.वि., इम्फाल सीएडी डकमंडा बुनकर प्रशिक्षण	उपयोग कर 3 दिन डिजाइन पर	06.08.2019	08.08.2019	19
2.	महत्वपूर्ण दिवस समारोह	के.वि.वि., इम्फाल	राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 1 दिन का समारोह	09.08.2019	-	30
3.	महत्वपूर्ण दिवस समारोह	के.वि.वि., इम्फाल	विश्व स्तन पान दिवस 7 दिन समारोह	01.08.2019	07.08.2019	30
4.	महत्वपूर्ण दिवस समारोह	के.वि.वि., इम्फाल	राष्ट्रीय मधुमक्खी दिवस 1 दिन समारोह	20.08.2019	-	20
5.	महत्वपूर्ण दिवस समारोह	के.वि.वि., इम्फाल	राष्ट्रीय पोषण माह समारोह	-	01.09.2019	30.09.2019
					-	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कार्यक्रम प्रकार	का प्रायोजन	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक	संख्या
6.	जागरूकता कार्यक्रम	के.वि.वि., इम्फाल	किशोरवस्था गर्भाधान के 1 दिन दृष्टिभाव पर जागरूकता	02.11.2019	-		56
7.	प्रशिक्षण	के.वि.वि., इम्फाल	स्कौश के मूल्य वर्द्धित 2 दिन उत्पादों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	28.11.2019	29.11.2019		22
8.	क्षमता सूजन प्रशिक्षण	भा.के.अ.प. अटारी अंचल vii	मानव जीवन काल के 3 दिन दौरान स्वास्थ्य एवं पोषण बड़ापानी में तकनीकी प्रगति	05.12.2019	07.12.2019		23
9.	महत्वपूर्ण दिवस समारोह	के.वि.वि., इम्फाल	राष्ट्रीय बालिका शिशु 1 दिन दिवस समारोह	24.01.2020	-		25
10.	महत्वपूर्ण दिवस समारोह	के.वि.वि., इम्फाल	राष्ट्रीय वोटर दिवस 1 दिन समारोह	25.01.2020	-		25
11.	प्रशिक्षण	के.वि.वि., इम्फाल	निम्न जी आइ अंटा मिश्रण 2 दिन	28.01.2020	29.01.2020		20
12.	प्रशिक्षण	के.वि.वि., इम्फाल	पी आर ए तकनीक 5 दिन द्वारा सूक्ष्म स्तर योजना	30.01.2020	03.02.2020		12
13.	प्रशिक्षण	के.वि.वि., इम्फाल	स्ट्रोबेरी से स्वस्थ खाद्य 5 दिन पदार्थ बनाना	03.02.2020	07.02.2020		14
14.	प्रशिक्षण	राष्ट्रीय ग्रामीण जीविका मिशन	मेघालय के स्थानीय 5 दिन उपलब्ध उत्पादों का मेघालय राज्य जीविकापार्जन समिति प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्द्धन	11.02.2020	15.02.2020		20
15.	प्रशिक्षण	के.वि.वि., इम्फाल	स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर 4 दिन जागरूकता कार्यक्रम	17.02.2020	20.02.2020		20
16.	जागरूकता कार्यक्रम	के.वि.वि., इम्फाल	व्यावसायिक स्वास्थ्य और 1 दिन सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम	25.02.2020	-		50
17.	प्रशिक्षण	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मेघालय राज्य आजीविका	मेघालय के स्थानीय रूप 5 दिन से उपलब्ध एग्री-होर्टी प्रोडक्ट्स का प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन सोसायटी	24.02.2020	28.02.2020		20
18.	प्रशिक्षण	के.वि.वि., इम्फाल	लिनेन बस्त्र का डिजाइन 5 दिन	02.03.2020	06.03.2020		20
19.	प्रशिक्षण	के.वि.वि., इम्फाल	बच्चों में विशेष अध्ययन 2 दिन दुर्बलता के प्रबंधन पर प्राइमरी विद्यालय के शिक्षकों की ज्ञान	06.03.2020	07.03.2020		20
20.	महत्वपूर्ण दिवस समारोह	के.वि.वि., इम्फाल	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 1 दिन समारोह	08.03.2020	-		100

मानव संसाधन विकास



क्र. सं.	कार्यक्रम का प्रायोजन प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक	संख्या
21.	जागरूकता कार्यक्रम	के.वि.वि., इम्फाल विश्व उपभोक्ता अधिकारी दिवस समारोह	1 दिन	15.03.2020	-	20
		स्नाताकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, बड़ापानी				
1.	कृषक प्रशिक्षण	केकृवि, इम्फाल लोबिया पर कृषक 1 दिन जागरूकता सह खेत दिवस	06.08.2019	-	18	
2.	कृषक प्रशिक्षण	केकृवि, इम्फाल मूंगफली पर कृषक 1 दिन जागरूकता सह खेत दिवस	20.09.2019	-	23	
3.	प्रसारकर्मियों हेतु क्षमता सृजन प्रशिक्षण	जैविक खेती में मृदा 5 दिन प्रबंधन	17.02.2020	-	25	
4.	एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	केकृवि, इम्फाल समेकित खेती व्यवस्था: 1 दिन संसाधन पुनरावृत्ति एवं पोषण प्रबंधन हेतु सुगम मार्ग	19.10.2019	-	50	
5.	परिसर में अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम	केकृवि, इम्फाल मृदा परिक्षण का महत्व: 3 दिन परीक्षण हेतु उत्तम मृदा नमूनों की संग्रह विधि का प्रदर्शन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड का ग्राहण	24.10.2019	26.10.2019	30	
6.	महत्वपूर्ण दिवस समारोह	केकृवि, इम्फाल विश्व मृदा दिवस 1 दिन	5.12.2019	-	56	
7.	रिमाई जिला के कृषकों का धान बीज (सीएयूआर।) का वितरण व प्रशिक्षण	सीपीजी एस, अमियाम चावल बीज का वैज्ञानिक धान खेती एवं वितरण	15.04.2019	-	30	
8.	सी आर डी उमसिंग प्रखंड	सीपीजी एस, अमियाम मुर्गी का वैज्ञानिक पालन 1 दिन	02.05.2019	-	30	
9.	शेला (चेरापूंजी) के कृषकों को गेहूँ बीज पर प्रशिक्षण व वितरण	सीपीजी एस, अमियाम गेहूँ की वैज्ञानिक खेती 1 दिन	23.12.2019	-	20	
10.	सोहरा, पूर्वी खासी सीपीजी एस, पर्वत के कृषकों अमियाम को आलू बीज पर प्रशिक्षण व वितरण	आलू की वैज्ञानिक खेती 1 दिन	15.02.2020	-	25	
11.	प्रशिक्षण	केकृवि, इम्फाल आलू की वैज्ञानिक खेती 1 दिन	05.02.2020	-	25	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कार्यक्रम का प्रायोजन प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक	संख्या	
12.	ए आइ सी आर केकृवि, इम्फाल पी, प्रशिक्षण		1 दिन	04.06.2019	-	25	
13.	प्रशिक्षण	भा.कृ.अ.प. एन बी ए आइ आर बंगलूरु	बागवानी फसलों में सी. एच. समेकित कीट प्रबंधन	23.03.2019	25.03.2019	-	
			एफ. पर 03,	सी.	ए. यू.,		
			पासी घाट				
14.	सोहरा, पूर्वी खासी सीपीजीएस पर्वत के कृषकों को आलू बीज पर प्रशिक्षण व वितरण	आलू की वैज्ञानिक खेती	1 दिन	05.02.2019	-	25	
15.	प्रशिक्षण	सीपीजीएस	फल एवं सज्जियों में 1 दिन कीटनाशक की सफाई	17.02.2020	-	25	
16.	एम जी एम जी प्रशिक्षण		कीट एवं रोग की निगरानी 1 दिन एवं आइ पी एम विधियाँ अपनाना	19.01.2020, 16.02.2020, 16.03.2020, 07.04.2019, 20.04.2019, 21.04.2019, 05.05.2019, 17.05.2019 25.05.2019, 02.06.2019, 15.06.2019 16.06.2019, 20.07.2019, 01.08.2019, 04.08.2019, 17.08.2019, 01.09.2019, 07.09.2019, 19.10.2019, 20.10.2019, 16.11.2019, 24.11.2019, 17.12.2019	-		25
			पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कॉलेज, सेलेसिंह, आईजॉल				
1.	लघु प्रशिक्षण	अवधि के.कृ.वि. इम्फाल	छोटे पशुओं में प्रजनन 3 दिन समस्या की पहचान हेतु इमेजिंग विधि का प्रयोग	04.02.2020	02.02.2020	20	

मानव संसाधन विकास



क्र. संख्या	कार्यक्रम का प्रायोजन प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक
15	2. लघु अवधि के.कृ.वि. इम्फाल प्रशिक्षण	प्रजनन प्रदर्शन को उपयुक्त 3 दिन बनाने हेतु डेयरी गाय एवं सूअरों का प्रबंधन	3 दिन	27.11.2019	29.11.2019
20	3. कौशल विकास भा.कृ.अ.प. अटारी कार्यक्रम	पशु स्वास्थ्य कर्मी कृषि 35 दिन कौशल परिषद द्वारा रोजगार सृजन	35 दिन	25.02.2020	30.03.2020
40	4. एक दिवसीय पी.सी.आर.ए. कार्यशाला भारत सरकार	खेत में उर्जा संरक्षण एवं 1 दिन नवीनकरणीय संसाधनों का उपयोग	1 दिन	13.02.2020	-
15	5. प्रशिक्षण के.कृ.वि., इम्फाल	सूअर का वैज्ञानिक प्रबंधन 3 दिन	3 दिन	28.01.2020	30.01.2020
15	6. प्रशिक्षण के.कृ.वि., इम्फाल	मुर्गी का वैज्ञानिक प्रबंधन 3 दिन	3 दिन	11.02.2020	13.02.2020
6	7. प्रशिक्षण के.कृ.वि., इम्फाल	व्यावसायिक सूअर खेत 3 दिन प्रबंधन में प्रगति	3 दिन	25.02.2020	27.02.2020
11	8. प्रशिक्षण के.कृ.वि., इम्फाल	पशुधन का भोजन प्रबंधन 3 दिन तथा मुर्गी पालन तथा फीड मिलिंग कार्य	3 दिन	03.03.2020	05.03.2020
13	9. 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के.कृ.वि., इम्फाल	मूल्य वर्द्धित मांस उत्पादों 3 दिन पर प्रशिक्षण	3 दिन	11.03.2020	13.03.2020
22	10. लघु अवधि अटारी अंचल v प्रशिक्षण तथा के.कृ.वि., इम्फाल	पशुओं के सामान्य पर्जीवी 5 दिन रोगों के प्रबंधन हेतु रुक्णान व परिप्रेक्ष्य	5 दिन	26.11.2019	30.11.2019
114 कुत्तों को एआरवी के साथ टीका लगाया गया था	11. विश्व रेबीज़ दिवस के.कृ.वि, इम्फाल आयोजन	रेबीज़: समाप्ति हेतु 1 दिन टीकाकरण	1 दिन	28.09.2019	-
114 कुत्तों को एआरवी के साथ टीका लगाया गया था	12. विश्व पशुजन्य रोग के.कृ.वि., इम्फाल दिवस	रेबीज़ विरोधी टीकाकरण 1 दिन	1 दिन	06.07.2019	-
34 कसाई	13. आइजौल के के.कृ.वि., इम्फाल विभिन्न मांस बाजारों से कसाइयों हेतु प्रशिक्षण	खाद्य पशुओं को साफ सफाई से काटने तथा मांस से उत्पन्न रोगों का नियंत्रण-खाद्य सुरक्षा मुद्रे	3 दिन	11.03.2020	13.03.2020
167 (अंतर्गत राष्ट्रीय प्रतिनिधि और 166 राष्ट्रीय प्रतिनिधि)	14. 36 वां आइ ए ची भा.कृ.अ.प. एन पी कांग्रेस तथा इ.सी.डी.बी.टी राष्ट्रीय सम्मेलन नाबार्ड एम आर बी एन पी सी सी सी ए यू	एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा तथा पर्यावरण सुरक्षा हेतु पशुचिकित्सा रोगविज्ञान में प्रगति पर 36 वां आइ ए ची पी कांग्रेस तथा राष्ट्रीय सम्मेलन	3 दिन	06.11.2019	08.11.2019



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	कार्यक्रम का प्रायोजन प्रकार	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक	संख्या	
कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी कालेज, रानीपूर							
1.	कार्यशाला	पी सी आर ए, भारत सरकार	पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण हेतु कम इंधन उपयोग वाले जल पंप तथा सौर पी बी जल पंप का उपयोग	01	22.02.2020	-	79
2.	प्रशिक्षण	सी सी एस नियाम, जयपुर	सघन डेवरी एवं उर्जा प्रबंधन	03	19.09.2019	21.09.2019	25
3.	प्रशिक्षण	सी सी एस नियाम, जयपुर	सिक्किम के हिमालय क्षेत्र के सीमांत कृषकों हेतु मौसम परिवर्तन जोखिम शमन	03	26.09.2019	28.09.2019	25
4.	प्रशिक्षण	केकृषि; इम्फाल	मत्स्य पालन तथा हैचरी का डिजाइन एवं निर्माण	03	05.03.2020	07.03.2020	28
5.	प्रशिक्षण	सिक्किम सरकार	प्रबंधन कौशल व सस्योपरांत प्रौद्योगिकी प्रबंधन	03	08.07.2019	10.07.2019	49
6.	प्रशिक्षण	आत्मा दार्जिलिंग	सतत कृषि हेतु समेकित खेती व्यवस्था	03	11.09.2019	13.09.2019	29
7.	प्रशिक्षण	पश्चिम बंगाल सरकार, कृषि विभाग	सूक्ष्म स्तर पर उत्पादन, प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग	01	12.03.2020	-	28
8.	प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल	कृषि ट्रैक्टरों एवं खेत उपस्कर की परीक्षण व मूल्यांकन	07	18.11.2019	25.11.2019	22
9.	प्रशिक्षण	फार्म मशीन पर ए लघु खेत मशीनीकरण आई सी आर पी	01	30.05.2019	-	19	
10.	प्रशिक्षण	फार्म मशीन पर ए फार्म मशीनीकरण आई सी आर पी	01	13.09.2019	-	23	
11.	प्रशिक्षण	फार्म मशीन पर ए फार्म मशीनीकरण आई सी आर पी	01	22.08.2019	-	11	
12.	प्रशिक्षण	फार्म मशीन पर ए लघु खेत मशीनीकरण हेतु आई सी आर पी उन्नत उपस्कर	02	30.10.2019	31.10.2019	32	
13.	प्रशिक्षण	फार्म मशीन पर ए पावर टिलर बनाने का आई सी आर पी प्रशिक्षण	02	12.03.2020	13.03.2020	16	
14.	प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल	पर्वतीय खेती हेतु उन्नत ओजार एवं उपस्कर	01	30.05.2019	-	19
15.	प्रशिक्षण	पी इ टी ए आई सी आर पी	प्लास्टीकल्चर अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी	02	05.09.2019	06.09.2019	30

मानव संसाधन विकास



क्र. संख्या	कार्यक्रम का प्रायोजन संकारण	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	कब से	कब तक
38	16. प्रशिक्षण	पी इ टी ए आई सी आर पी कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में प्लास्टीकलचर अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी की संभावना	04	03.02.2020	06.02.2020
35	1. प्रशिक्षण	गरीबी अन्मूलन हेतु जापान निधि के अंतर्गत एशियन खेती व्यवस्था डेवलपमेंट बैंक	3	29.07.2019	31.07.2019
3000	2. प्रथम कृषक नवोन्मेषी प्रदर्शनी 2020	एन इ सी शिलौंग कृषकों की आय दोगुनी करने हेतु समेकित खेती एवं ग्रामीण जैव उद्यमिता	2	05.03.2020	06.03.2020
17	1. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल तिलहन फसलों के 3 दिन उत्पादन तकनीक में प्रगति	13.02.2020	15.02.2020	
7	2. व्यावसायिक प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल उत्पादन उद्यम के रूप में 3 महीने बागवानी नर्सरी	01.02.2020	30.04.2020	
45	3. प्रशिक्षण	सी सी एस राष्ट्रीय अरुणाचल प्रदेश एवं मूल्य 3 दिन कृषि विपान संस्था श्रृंखला मूल्यांकन भारत सरकार, जयपुर	05.09.2019	07.09.2019	
		पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय			
3 बेटस्	1. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल मूलभूत अल्ट्रा सोनोग्राफी	5 दिन	17.02.2020	21.02.2020
80	1. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल बागवानी फसलों पर मक्खियों की जागरूकता	1	08.10.2018	-
	2. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल फल फसलों पर प्रशिक्षण	1	07.11.2019	-
	3. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल जैविक खेती में मृदा अवरता प्रबंधन	1	05.11.2020	-
	4. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल बागवानी फसलों की महत्वपूर्ण रोगों का प्रबंधन	1	02.02.2020	-
	5. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल जरबेरा एवं कारनेशन की उत्पादन तकनीक	1	01.02.2020	-
	6. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल मधुमक्खी पालन	1	28.02.2020	-
	7. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल अमरुद में फसल नियम	1	29.02.2020	-
	8. प्रशिक्षण	के.कृ.वि. इम्फाल पौध प्रजनन में बुद्धिजीवी संपत्ति अधिकार	1	05.02.2020	-



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

तालिका 5.7: शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा भाग लिये कार्यक्रमों का विवरण

क्र. सं.	कॉलेज का नाम	उच्च अध्ययन	सम्मेलन		सेमिनर		कार्यशाला	प्रशिक्षण		अन्य
			राष्ट्रीय	अंतर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर राष्ट्रीय		दीर्घ काल	लघु काल	
1.	कृषि कॉलेज, इरोइसेम्बा, इफाल, मणिपुर	-	-	-	04	01	09	-	08	01
2.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कॉलेज, सेलेसी	01	29	04	02	-	09	0	04	-
3.	बागवानी एवं वानिकी कॉलेज, पासीघाट	-	-	01	10	-	17	02	16	14
4.	मात्स्यकी कॉलेज, लेंबूचेरा	-	02	04	03	01	04	03	-	-
5.	कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज, रानीपूल	01	01	03	01	-	04	04	05	01
6.	स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, बड़ापानी	-	-	02	02	-	01	02	03	-
7.	सामुदायिक विज्ञान कॉलेज, तुरा	01	-	01	02	-	05	-	02	-
8.	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कॉलेज, जलुकी	-	06	-	-	01	07	04	01	01
9.	कृषि कॉलेज, पासीघट	-	03	02	01	-	06	02	03	-
10.	कृषि कॉलेज, किरदमकलई	-	02	0	0	0	02	0	01	01

तालिका 5.8: व्याख्यान / मुख्य भाषण / आमंत्रित वार्ता / अध्यक्ष, आदि विश्वविद्यालय के संकायों द्वारा दिया जाता है

क्र. सं.	शिक्षकों के नाम	पद	पुरस्कार का विवरण
बागवानी एवं वानिकी कॉलेज, पासीघाट			
1.	प्रो. बी.एन.हजारिका	डीन	1. आइ एस एच आर डी अध्येतावृत्ति, उत्तराखण्ड 2. विज्ञान को अद्वितीय योगदान-2019, डा. बी वसंतराज डेविड फाउंडेशन 3. डा. एच के जैन सी ए यू पुरस्कार (2016-17) केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल
2.	डॉ डी बी अहूजा	प्राध्यापक	सी ए यू क्षेत्रीय मेला 2019-20 में सर्वोत्तम अनुसंधान परियोजना पुरस्कार-समेकित मधुमक्खी पालन विकास

मानव संसाधन विकास



क्र. सं.	शिक्षकों के नाम	पद	पुरस्कार का विवरण
3.	डॉ. सुनील कुमार	प्राध्यापक	<ul style="list-style-type: none"> 1. उत्कृष्ट शैक्षणिक लीडर पुरस्कार 2020, इयोडोक्सिसआ एजुकेशन प्राइवेट लि., गुवाहाटी 2. वर्तमान बागवानी में सर्वोत्तम शोध पत्र 2019 3. स्कौलर्स शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक संघ, बोगहाबर, होजड़, असम द्वारा कृषि में सर्वोत्तम शैक्षणिक पुरस्कार 2019 4. इ.इ.टी.सी.आर.एस. 7 वें शिक्षक पुरस्कार 2019 द्वारा सर्वोत्तम शिक्षक पुरस्कार
4.	डा. ए.एस. मलिअप्पा	सह प्राध्यापक	<p>26 एवं 27 जुलाई 2019 को सोना कालेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस, सलेम, तमिलनाडू में एस बी ए आर द्वारा आयोजित कृषि एवं संबद्ध विज्ञान शोध में चुनौतियां एवं नवोन्मेषी मार्ग पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सर्वोत्तम कृषि शिक्षक पुरस्कार।</p> <p>उत्तर बंग विश्वविद्यालय, कूच बिहार पश्चिम बंगाल द्वारा संग साईटिस्ट आवार्ड</p>
5.	डा. शिवानी ढोबाल	सहायक प्रोफेसर	
6.	डा. बरुण सिंह		“सोसायटी ऑफ बायोलोजिकल सांइसेज़ एंड रुरल डेवलपमेंट”, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा फल विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार
7.	डा. नांगसोल डोलमा भूटिया		<p>1. सोसायटी फौर एडवांसमेंट ऑफ हयूमन एण्ड नेचर, हिमाचल प्रदेश द्वारा डॉक्ट्रेट स्तर पर अखिल भारतीय सर्वोत्तम शोध हेतु जगन्नाथ रैना स्मृति पुरस्कार 2. इंडियन सोसायटी ऑफ वेजिटेबल साइंस, वाराणसी द्वारका नाथ स्मृति पुरस्कार 2018</p> <p>“24-25 फरवरी 2020 को उत्तरपूर्व क्षेत्र के बागवानी व्यापार के परिप्रक्ष्य” पर इंडियन सोसायटी ऑफ एंग्रीकल्चर इकोनोमिक्स (आई.ए.ए.आई) के क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान सर्वोत्तम प्रपत्र प्रस्तुति।</p>
8.	श्री प्रेमाराध्य एन		
			मास्त्रियकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा
1.	डॉ हिमाद्री साहा	सहायक प्रोफेसर	यंग साईटिस्ट अवार्ड 2019
2.	डॉ अमिताभ घोष	सहायक प्रोफेसर	सी डब्लू. एस.एस-यंग साईटिस्ट अवार्ड 2020
3.	डा.ए.एस. बर्मन	सहायक प्रोफेसर	“जैव विविधता-मुद्दे, चुनौतियां एवं अवसर” पर सी.सी.एस एच.ए.यू.द्वारा आयोजित सेमिनार में सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार
4.	ज पार ही	सहायक प्रोफेसर	<p>1. जूओलोजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा मत्स्य आनुवंशिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान हेतु प्रो. हरस्वरूप मेडल 2020</p> <p>2. इनलैंड फिशरीज़ सोसायटी ऑफ इंडिया बैरकपुर द्वारा डा.एस अयप्पन स्वर्ण पदक</p>
			सामुदायिक विज्ञान कॉलेज, तुरा, मेद्यालय
1.	प्रो. प्रभिता दास	प्रभारी डीन	<p>बैंकॉक में 27 जनवरी 2020 से 1 फरवरी, 20 तक कृषि एवं संबद्ध विज्ञान में नवोन्मेषी एवं हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आस्था फाउन्डेशन द्वारा प्रदत्त “शोध में उत्कृष्टता” पुरस्कार</p>



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	शिक्षकों के नाम	पद	पुरस्कार का विवरण
2.	डॉ. प्रणव कुमार	सहायक प्रोफेसर	पी एच डी थेसिस हेतु थेसिस पुरस्कार
1.	डॉ महेश पाठक	प्राध्यापक कीट विज्ञान	स्नोतकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, उमियाम, मेघालय अटारी, गुवाहाटी असम में 29-31 मई 2019 को कृ.वि.के. के वार्षिक बैठक में भा.कृ.अ.प. अटारी अंचल vi द्वारा तोरिया (खी 2018-19) में समूह अग्र पक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु सर्वोत्तम कृ.वि.के. पुरस्कार
2.	डा. केनेडी निंगथाउजाम	सहायक प्राध्यापक कीट विज्ञान	एन आइ पीएचएम, हैदराबाद में “जैव नियंत्रण हेतु उत्पादन पारूप” पर उत्कृष्ट प्रतिभागिता हेतु प्रशंसा प्रमाण पत्र
3.	डा. प्रणब दत्ता	सह प्राध्यापक	16-20 जनवरी 2020 को भा.कृ.अ.प.-भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली में आयोजित आइ पी एस सम्मेलन में “ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नैनो पार्टिकल्स, इट्स कैरकटराइजेशन एंड स्टडी द एफिकेसी अगेन्स्ट फ्यूसरियम ऑक्सीस्पोरम” प्रपत्र पर सर्वोत्तम पोस्टर प्रदर्शन पुरस्कार
4.	डॉ दिपेंद्र ठकुरिया	प्राध्यापक	6 से 7 नवम्बर, 2019 को भा.कृ.अ.प.-क्षे.प., अमियाम, मेघालय में “उत्तर पूर्व भारत में सतत पादप स्वास्थ्य प्रबंधन” पर सम्मेलन में अमेरिकन फाइटोपैथोलोजिकल सोसायटी ट्रैवल ग्रांट प्रदान किया गया।
5.	डा. दिपेंद्र ठकुरिया	प्राध्यापक	16-20 जनवरी 2020 को भा.कृ.अ.प.-क्षे.प., उमियाम में “फाइटोपैथोलोजी इन अचीविंग यू एन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स” पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सुश्री लिपा देव द्वारा सर्वोत्तम पोस्टर प्रदर्शन पुरस्कार
6.	डा. संजय स्वामी	प्राध्यापक	16-18 जून 2019 में त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू नेपाल में “ग्लोबल इनिशियेटिव्स इन एग्रीकल्चरल एंड एप्लाइड साइंसेज फौर इको फ्रैंडली इनवायरमेंट (जी आइ ए एस इ-2019) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार पटाया, थाइलैंड में 25-27 सितम्बर 2019 को “भोजन, पोषणात्मक एवं जीविका सुरक्षा: एशिया के कृषकों हेतु चुनौती” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशिष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार
			5 से 9 नवंबर 2019 को एन ए एस सी परिसर में “मौसम अनुरूप कृषि, वैश्विक भोजन, जीविका सुरक्षा हेतु मृदा एवं जल संसाधन प्रबंधन” पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु सच्चे प्रतिबद्ध कठिन कार्य के लिये भारतीय मृदा संरक्षण संघ द्वारा प्रशंसा पुरस्कार मणिपुर विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष महामहिम भारत के राष्ट्रपति ने अनुच्छेद 22(1), मणिपुर विश्वविद्यालय के पांचवें कोर्ट का सदस्य मनोनीत किया।

मानव संसाधन विकास



क्र. सं.	शिक्षकों के नाम	पद	पुरस्कार का विवरण
7.	डा. एन. जे. सिंह	सहायक प्राध्यापक	कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखण्ड में 1 से 2 दिसंबर 2019 को “भोजन एवं पर्यावरा सुरक्षा हेतु कृषि एवं संबद्ध विज्ञान में वैशिक परिप्रेक्ष्य” पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वोत्तम स्नातकोत्तर थेसिस पुरस्कार
1.	डॉ. जे बी राजेश	सहायक प्रोफेसर	पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कॉलेज, सेलेसी आदर्श विद्या सरस्वती राष्ट्रीय पुरस्कार, ग्लेशियर जनल रिसर्च फाउंडेशन, ग्लोबल मैनेजमेंट काउन्सिल इ टी, सी आर एस ब्रिलियंस पुरस्कार 2020 द्वारा युवा शिक्षक पुरस्कार डी बी टी ओवरसीज एसोशिएट शिप
2.	डा. एस.के.बेहरा	सहायक प्रोफेसर	पशुचिकित्सा कालेज, के वी ए एफ एस यू, हेब्बल, बंगलूरु में 5 से 7 फरवरी 2020 को आइ एस वी एम के वार्षिक बैठक एवं राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रदर्शन में प्रथम स्थान प्राप्त।
3.	डा. चेतन जी इ	सहायक प्रोफेसर	सी वी एस सी, तिरुपति में 4-5 फरवरी को पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन में उन्नति हेतु पशुचिकित्सा जैव रसायन एवं जैव प्रौद्योगिकी में वर्तमान शोध पर आयोजित चौथे राष्ट्रीय सेमिनार एवं वार्षिक बैठक में औषधीय एवं पोषणात्मक जैव रसायन के तकनीकी सत्र में सर्वोत्तम प्रपत्र पुरस्कार
4.	डा. एम अयूब अली	प्राध्यापक	सी वी एस सी, तिरुपति में 4-5 फरवरी को पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन में उन्नति हेतु पशुचिकित्सा जैव रसायन एवं जैव प्रौद्योगिकी में वर्तमान शोध पर आयोजित चौथे राष्ट्रीय सेमिनार एवं वार्षिक बैठक में औषधीय एवं पोषणात्मक जैव रसायन के तकनीकी सत्र में सर्वोत्तम प्रपत्र पुरस्कार
5.	डा. पार्थसारथी बेहरा	सहायक प्रोफेसर	सी वी एस सी, तिरुपति में 4-5 फरवरी को पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन में उन्नति हेतु पशुचिकित्सा जैव रसायन एवं जैव प्रौद्योगिकी में वर्तमान शोध पर आयोजित चौथे राष्ट्रीय सेमिनार एवं वार्षिक बैठक में औषधीय एवं पोषणात्मक जैव रसायन के तकनीकी सत्र में सर्वोत्तम प्रपत्र पुरस्कार
6.	डा. ए.के. सांमता	प्रोफेसर	पशु पोषण विभाग, पश्चिम, बंगाल पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 17-19 दिसंबर 2019 को “खेत के लाभ को उन्नत एवं स्वच्छ दुर्घट उत्पादन हेतु पोषणात्मक योजना” पर आयोजित पशु पोषण के अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र पर सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार
7.	डा. प्रगति हजारिका	सहायक प्रोफेसर (चयन ग्रेड)	डा. जी.सी. नेगी कालेज, सी एस के, एच.पी.के.वी. पालमपुर द्वारा भारतीय मांस विज्ञान संघ के नौवें सम्मेलन तथा अंतराष्ट्रीय सिम्पोजियम में “इफेक्ट ऑफ निसिन ऑन क्वालिटेटिव एंड सेंसरी आप्पेक्ट्स-ए ट्रेडिशनल पोर्क प्रोडक्ट ऑफ मिजोरम शीर्षक पर मौखिक प्रस्तुति में तीसरा स्थान
8.	डा.टी.के. राजखोवा डा. वाई दामोदर हसं डा. रविन्द्र आर डॉ राहुल सिंह आर्या	प्रोफेसर	सेलेसी, मिजोरम में 6-8 नवम्बर 2019 को “स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु पशुचिकित्सा रोग विज्ञान में प्रगति” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा पशुचिकित्सा कांग्रेस 2019 में आइ ए वी पी सावित्री सिन्हा तृतीय सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार
9.	डा. टी.के. दत्ता	प्रोफेसर	इंडियन जनल ऑफ कंपरेटिव माइक्रो बायलोजी इम्योनलोजी एंड इन्फेक्शन्स डिज़ीज में प्रकाशित शोध पत्र पर डा. सी एम सिंह सर्वोत्तम शोध पत्र पुरस्कार 2020



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र. सं.	शिक्षकों के नाम	पद	पुरस्कार का विवरण
10.	डा. पी.के. सुबुद्धि	सहायक प्रोफेसर	<p>“पशुचिकित्सा कालेज, तिरुपति में 4-5 फरवरी 2020 को “पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन की उन्नति में पशुचिकित्सा जैव रसायन एवं जैव प्रौद्योगिकी में हालिया शोध” पर वार्षिक बैठक तथा चौथे राष्ट्रीय सेमिनार में तकनीकी सत्र Ia में सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुति कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी कालेज, रानीपूर</p>
1.	प्रो. महेन्द्र सेवदा	प्रोफेसर	<p>7-9 फरवरी 2020 को हयात रीजेंसी, विमान नगर, पुणे महाराष्ट्र में आयोजित भारतीय कृषि अभियांत्रिकी संघ के 54 वें वार्षिक बैठक तथा “कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भविष्य की प्रौद्योगिकीयां” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आइ एस ए इ कमेंडेशन पदक पुरस्कार</p>
2.	प्रो. डी. झङ्गारिया	प्रोफेसर	<p>अध्येता (भारतीय जल संसाधन संघ)</p> <p>बा. एवं वा. महाविद्यालय, पासीघाट में 24-25 फरवरी 2020 को “उत्तर पूर्व क्षेत्र में बागवानी व्यापार के विकास के परिप्रेक्ष्य” पर क्षेत्रीय सेमिनार में सर्वोत्तम प्रपत्र पुरस्कार</p>
3.	डा. ए.के. वरिष्ठ	एसोशिएट प्रोफेसर	<p>बा. एवं वा. महाविद्यालय, पासीघाट में 24-25 फरवरी 2020 को “उत्तर पूर्व क्षेत्र में बागवानी व्यापार के विकास के परिप्रेक्ष्य” पर क्षेत्रीय सेमिनार में सर्वोत्तम प्रपत्र पुरस्कार</p>
4.	श्री एस.एस. दास	असिस्टेंट प्रोफेसर	<p>बा. एवं वा. महाविद्यालय, पासीघाट में 24-25 फरवरी 2020 को “उत्तर पूर्व क्षेत्र में बागवानी व्यापार के विकास के परिप्रेक्ष्य” पर क्षेत्रीय सेमिनार में सर्वोत्तम प्रपत्र पुरस्कार</p>
5.	डा. ए. अनुराधा देवी	असिस्टेंट प्रोफेसर	<p>कृषि महाविद्यालय, किर्दमकुलई, मेघालय</p> <p>3-7 जनवरी 2020 को आयोजित 107 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस में कृषि एवं वानिकी विज्ञान के अध्यक्ष चुने गये</p>
1.	डॉ. यू. के. बेहेरा	डीन	<p>कृषि कॉलेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश</p> <p>3-7 जनवरी 2020 को आयोजित 107 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस में कृषि एवं वानिकी विज्ञान के अध्यक्ष चुने गये</p>
1.	डॉ. के.एच. लिली देवी	सहायक प्रोफेसर	<p>24-25 फरवरी 2020 को बागवानी कालेज पासीघाट अरुणाचल प्रदेश में “उत्तर पूर्व क्षेत्र के बागवानी व्यापार के विकास के परिप्रेक्ष्य” पर क्षेत्रीय सेमिनार में “पूर्वी सिक्किम के सुरैनी गांव में कम लागत के पोली हाउस हस्तक्षेप से कृषकों की आय वृद्धि” प्रपत्र पर सर्वोत्तम प्रपत्र पुरस्कार</p>



5.9 समझौता ज्ञापन/सहयोग के साथ 2019-20

2019-20 के दौरान अन्य संस्थाओं के साथ हस्तक्षणित एम ओ यू / सहयोग रिपोर्ट के अंतर्गत अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित संस्थाओं के साथ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को सशक्त करने के लिये एम ओ यू हस्ताक्षरित किये।

1. भा.कृ.अ.प.-मत्स्य शिक्षा केन्द्रीय संस्थान, मुंबई (नवीनीकरण)
2. भा.कृ.अ.प.-उ.पू.प. क्षेत्र हेतु क्षे.प., उमियाम, मेघालय
3. सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय, टडोंग, गैंगटोक
4. भा.कृ.अ.प.-नार्म, हैदराबाद
5. भा.कृ.अ.प.-एन बी ए आइ आर, बंगलूरु, कर्नाटक
6. अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
7. आइ बी एस डी, इम्फाल-ओरकिड उत्पादन प्रशिक्षण संस्थान
8. सतत पर्यावरण संसाधन संस्थान, नई दिल्ली
9. ग्रीन बायोटेक इको सौल्यूशन्स, मणिपुर
10. इंडियन इन्स्टीचूट ऑफ गवर्नेंस एण्ड लीडरशिप (एच जी एल), नई दिल्ली

5.10. नहेप के अंतर्गत अनुमोदित आई डी पी

भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (नहेप) ने के.कृ.वि., इम्फाल को “कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में उभरते चुनौतियों का सामना करने हेतु विद्यार्थियों की व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि” शीर्षक पर संस्थागत विकास योजना (आई डी पी) 10 दिसंबर, 2019 को 2456.04 लाख के बजट के साथ अनुमोदित किया। परियोजना की सोच समाज एवं पर्यावरण की भलाई हेतु ज्ञान आधार सहित कृषि संसाधनों का उपभोग करने की क्षमता वाले मानव संसाधनों का उत्पादकता को सतत रखने हेतु उपयुक्त तकनीकी एवं प्रबंधन कौशल से भरे सक्षम कृषि उद्यमी तैयार करना है। इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन से विद्यार्थियों को कृषि आधारित व्यापार शुरू करने, शिक्षकों को कृषि को व्यवसाय के रूप में संभालने तथा संचार एवं सूचना आदान प्रदान कर विश्वविद्यालय के संसाधनों को प्रभावी रूप से उपयोग करने में सहायता मिलेगी।



आधारभूत संरचना विकास

6



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

2019-20 हेतु भौतिक उपलब्धियाँ

क्र.सं.	कालेज का नाम	भवनों का नाम	उपलब्धियाँ	स्थिति
1.	(अ.) मात्स्यकी कालेज अगरतला, त्रिपुरा का विस्तार	पुस्तकालय भवन	छत के ढाँचे के आर सी सी कार्य चल रहा है। सुदृढ़ीकरण कार्य चालू है। ट्रस कार्य चालू है।	
		फीड मिल विस्तार	प्रथम तल का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है तथा कालेज को सौंपने को तैयार है	
		स्विमिंग पूल	प्लास्टर कार्य चालू है जलापूर्ति कार्य चालू है	
		मुख्य प्रशासनिक/शैक्षणिक भवन का विस्तार	इट कार्य, प्लास्टर कार्य भूमि कार्य, एल्यूमिनियम कार्य, रंग रोगन चालू है	
	(ब) बहु प्रौद्योगिकी पशु रोड परीक्षण केंद्र तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र		प्लास्टर कार्य एवं प्राइमर कार्य चालू है। साइट विकास कार्य चालू है।	
		वी टी सी	स्लैब का आर सी सी कार्य सुदृढ़ीकरण कार्य, शटरिंग कार्य एवं इट कार्य चालू है।	
		एम टी टी सी	प्रारूप छत कार्य एवं रेलिंग कार्य चालू है।	

आधारभूत संरचना विकास



क्र.सं.	कालेज का नाम	भवनों का नाम	उपलब्ध्याँ	स्थिति
2.	(अ) स्नातकोत्तर छात्र छात्रावास (916.40 वर्ग. पूर्ण एवं उद्घाटन भी डा. एस कालेज, बड़पानी, मी.) का विस्तार मेघालय		उयापन, कुलाधिपति द्वारा 5 दिसम्बर 2018 को हो गया	
	छात्रा छात्रावास (707 वर्ग मी.) का विस्तार		छात्रा छात्रावास का विस्तार: पूर्ण एवं उद्घाटन भी डा. एस उयापन, कुलाधिपति द्वारा 5 दिसम्बर 2018 को हो गया	
	रंगशाला (464.50 वर्ग मी.)		90% पूर्ण हो चुका है आंतरिक साज सज्जा प्रारम्भ होने वाला है	
	टाइप IV क्वार्टर (ब्लॉक I & II)		पूर्ण होकर डा. त्रिलोचन मोहापात्रा, सचिव, डेयर एवं म. मनि., भाकृअप द्वारा 1 जुलाई 2019 को उद्घाटन हो गया	
	टाइप III क्वार्टर		पूर्ण हो चुका है।	
	टाइप II क्वार्टर		पूर्ण हो चुका है।	
	विद्यार्थी उपयोगिता केंद्र		पूर्ण होकर डा. त्रिलोचन मोहापात्रा, सचिव, डेयर एवं म. मनि., भाकृअप द्वारा 1 जुलाई 2019 को उद्घाटन हो गया	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	कालेज का नाम	भवनों का नाम	उपलब्ध्याँ	स्थिति
3.	नवीन बागवानी कॉलेज थेनजौल, मिजोरम	प्रशासनिक एवं शैक्षणिक खंड	आर सी सी कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा समाप्ति कार्य चालू है। 75% पूर्ण हो चुका है।	
		छात्र छात्रावास (1500 वर्ग मी.)	आंतरिक समाप्ति कार्य चालू है तथा बाह्य रोगन होना शेष है। 90% पूर्ण हो चुका है।	
		छात्रा छात्रावास (1500 वर्ग मी.)	आंतरिक फिटिंग कार्य पूर्ण हो चुके हैं, सिर्फ बाह्य रंग रोगन होना शेष है। 95% पूर्ण हो चुका है।	
		ट्रॉजिट आवास	सारे आर सी सी कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा ईट कार्य चालू है। 80% पूर्ण हो चुका है।	
		टाइप-II क्वार्टर	पूर्ण है तथा देने को तैयार है। 100% पूर्ण हो चुका है।	
4.	नवीन पशु चिकित्सा एवं पशु पालन कालेज जलूकी, नगालैंड की स्थापना	प्रशासनिक एवं शैक्षणिक खंड प्रथम तल के छत ढांचे का निर्माण 50% पूर्ण हो गया है।		
		छात्र छात्रावास (1500 वर्ग मी.)	पूर्ण हो गया है तथा कालेज द्वारा ग्रहण कर लिया गया है।	



क्र.सं.	कालेज का नाम	भवनों का नाम	उपलब्ध्याँ	स्थिति
	छात्रा छात्रावास (1500 वर्ग पूर्ण हो गया है तथा कालेज मी.)		द्वारा ग्रहण कर लिया गया है। पूर्ण रूप से कार्यरत है तथा बालिकाओं द्वारा ले लिया गया है।	
	ट्रांजिट आवास		सभी आर सी सी कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इट कार्य चालू है। 70% पूर्ण हो गया है।	
5.	नवीन कृषि कालेज, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक खंड किरदेमकुलई, मेघालय की स्थापना	छात्रा छात्रावास (1359 वर्ग मी)	सभी आर सी सी कार्य पूर्ण हो चुके हैं। आंतरिक समाप्ति कार्य चालू है। 75% पूर्ण हो चुके हैं।	
6.	(अ) पशुचिकित्सा प्ररूपों हेतु स्नातकोत्तर छात्रावास एवं पशुपालन कालेज, (1 खंड 1000 वर्ग मी.) नये तथा ईट कार्य दूसरे तल तक सेलेसी का विस्तार सड़कों का निर्माण	शिक्षकों हेतु छात्रावास	तीसरे तल तक आर सी सी कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा छत बीम कार्य चालू है। 50% पूर्ण हो चुका है।	
			तीसरे तल तक आर सी सी कार्य पूर्ण एवं छत कार्य प्रगति पर 65% पूर्ण।	
		जल प्रसंस्करण संयंत्र का निर्माण	सभी मामलों में पूर्ण 100% पूर्ण।	



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.सं.	कालेज का नाम	भवनों का नाम	उपलब्ध्याँ	स्थिति
		पंप हाउस	सभी आर सी सी कार्य पूर्ण तथा समाप्ति कार्य चालू है। 80% पूर्ण	
	(ब) बहु प्रौद्योगिकी बहु संकाय प्रयोगशाला परीक्षण केंद्र		सभी आर सी सी कार्य पूर्ण। भूतल पर इट कार्य पूर्ण। 30% पूर्ण	
		पशु शोड	फाउन्डेशन पूर्ण तथा सभी स्तम्भ खड़े हो गये हैं तथा कास्टिंग पूर्ण है।	
	(स) व्यावसायिक वी टी सी प्रशिक्षण केंद्र		फाउन्डेशन पूर्ण तथा सभी स्तम्भ खड़े हो गये हैं तथा कास्टिंग पूर्ण है।	



वित्त
7



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

(₹ लाख में)

वर्ष 2019-20 हेतु इकाईवार बजट आबंदन
क्र. लेखा मद सं.

कोकुवि (मु.)	अ.नि. फां.	अनुनि. प्र.नि.	बा.अ. फा.	कृ.म.	प.म.	मा.म.	बा.म.	कृ.म.	बा.म.	कृ.म.	बा.म.	प.चि.म.	कृ.म.	बजट आबंदन 2019- 20	

अ. बेतन																
अ) चेतन एवं भते	9022.00														9022.00	
ब) सेवानिवृति लाभ	500.00														500.00	
कुल आव	9522.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9522.00	
ब) सामाच																
अ) यात्रा भते	22.50	3.50	2.50	1.51	8.00	8.00	6.00	10.00	7.00	11.00	6.00	1.00	1.50	3.00	4.00	
ब) कार्यालय व्यय	-32.36	23.00	26.18	11.50	190.00	210.00	130.00	151.00	120.00	124.98	163.70	30.00	10.00	25.00	23.00	
स) अध्येतावृत्ति	16.58				60.00	27.91	20.00	20.00	4.00	15.00	39.90	0.36	2.00	1.57	0.28	
द) अतिथि प्राध्यापक	2.00					1.00	2.00			0.50	1.00					
इ) मा. सं. वि.	0.05					0.10	0.25	0.50	0.25	0.50	0.55		0.20	0.10	0.50	
फ) विज्ञापन व प्रचार	5.94		20.99	1.00	0.50	0.50	1.00	0.50	1.00	0.50	1.00		0.98	0.20	0.50	
ज) लघु विभागीय/ए आर एम ओ	24.00				35.00	40.00	40.00	30.00	30.00	30.00	27.00	20.00	15.00	10.00	5.00	30.00
च) विविध शांध व प्रचार कार्यक्रम	11.44		50.00		9.85	6.00	7.55	9.00	9.50	22.50	4.00		6.60	31.00	5.56	11.00
कुल ब	50.15	26.50	78.68	34.00	304.85	292.51	206.30	231.00	171.75	204.98	246.15	58.36	41.28	74.37	64.34	44.00
स. पूँजी																110.78
1 निर्माण के अंतिक्रित																2240.00
अ) उपरकर (मशीन, ओजार पशुधन एवं भूमि आदि)	262.30	150	4.20	8.20	4.00	0.80	3.51	5.00		2.98	2.00	0.08	20.00	10.00	107.63	452.20



क्र. लेखा मर सं.		कोक्किं अ.नि. (मु.)	अनु.नि. प्र.नि. वाअ. फाई.	कृ.म.	प.म. मा.म. बा.म. कृ.अं.म. स्नाम. खाप्र.म. कृ.म. बा.म. कृ.म. बा.म. प.चि.म. कृ.म. बजट आवंटन 2019-20
ब)	प्रयोगात्मक अध्ययन				1.00
स)	साज-समान	40718	100	150	1000
द)	वाहन	7001		8.00	8.00
इ)	पुस्तकालय पुस्तक	347.50		2.00	2.00
फ)	सूचना प्रौद्योगिकी	17453	277		2.00
	कुल स (1)	1261.52	3.77	3.00	6.00
2	निर्माण कार्य				
	(i) भूमि (क्रय/विकास)				
	(ii) प्रमुख कार्य				
अ)	XII योजना बकाया कार्य	5000.00			
	कुल स (2)	5000.00	0.00	0.00	0.00
	कुल राशि	15633.67	30.27	81.68	40.00
			333.05	300.51	221.60
				256.51	195.61
				214.98	267.15
				69.36	47.36
				100.37	110.34
				71.00	288.54
					18462.00

वित



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

(₹ लाख में)

वर्ष 2019-20 हेतु इकाईवार व्यय

क्र. लेखा मंद्र सं.	के कृषि अ.नि. अनु.नि. प्र.नि. बा.आ. कृ.म. प.म. मा.म. बा.म. कृ.अ.म. स्ना.म. खा.प्र.म. कृ.म. बा.म. कृ.म. बा.म. प.चि.म. कुल व्यय	(मु.)	फा.	2019-20
अ. वेतन				
अ) वेतन एवं भत्ते	10307.51	8.62	0.07	19.37 10335.57
ब) सेवानिवृति लाभ	863.44	5.64		869.08
कुल आय	11170.95	0.00	14.26	0.00
ब) सामाचर				
अ) यात्रा भत्ते	19.27	6.54	2.53	1.08 6.96 12.01 5.39 8.55 6.64 8.88 4.64 1.99 0.79 1.50 2.14 2.99 3.88 95.78
ब) कार्यालय व्यय	177.26	49.63	25.61	12.21 221.47 244.01 157.06 138.73 117.35 140.11 171.25 46.59 122.0 26.99 50.15 36.40 79.84 1706.86
स) अन्येतावृत्ति				
द) अतिथि प्राध्यापक				20.84 1.00 0.97 0.29 23.10
द) मा. सं. वि.				
फ) विज्ञापन व प्रचार				1.10 0.02 0.52 0.10 0.70 0.39 0.26 0.55 0.19 0.17 0.58 14.29
ज) लघु विभागीय/ए आर एम औ				15.63 4.72 16.21 39.83 21.65 29.73 12.34 13.30 13.10 10.20 5.75 45.44 235.84
च) विविध शोध व प्रचार कार्यक्रम				25.14 17.06 7.35 5.67 2.54 8.33 7.97 3.27 1.97 30.45 6.22 1.17 2.99 120.13
कुल व्यय	206.18	56.17	53.28	34.13 320.31 295.94 208.14 208.04 157.99 199.44 236.79 63.18 24.85 73.80 69.32 46.99 133.93 2388.48
स. पूँजी				
1 निर्माण के अतिरिक्त				



वित्त

क्र. सं.	लेखा मर्द	केकुवि (मु.)	अ.नि.	अनु.नि.	प्र.नि.	बा.अ.	कृ.म.	प.म.	मा.म.	बा.म.	कृ.अं.म.	स्ना.म.	खा.प्र.म.	कृ.म.	बा.म.	कृ.म.	बा.म.	प.चि.म.	कूल ब्यव्य
																			2019-20
अ)	उपस्कर (मशीन, औजार पशुधन एवं भूमि आदि)	8.91	15	4.15	2.99	1.28	0.9	1.21	2.36	1.62	2.78	0.55	0.08	4.99	15.13	10.22	88.56	147.83	
(ब)	प्रयोगात्मक अध्ययन		0.21																0.21
(स)	साज-समान	15.43	0.96	1.49	2.96	2.72	2.61	0.71	2.45	1.70	5.82	0.35			6.64	7.76	11.60	63.20	
(द)	वाहन	7.39					7.34			0.26	7.87							38.20	61.06
(इ)	पुस्तकालय पुस्तके		1.28	2.00	0.27				1.85		0.14	0.40	0.14	0.91				3.53	10.52
(फ)	सूचना प्रौद्योगिकी	0.30	4.77			2.00	2.12	1.81	1.28	2.00	2.26			0.97	1.13		0.35	18.99	
	कूल स (1)	32.03	4.77	2.46	5.64	7.44	8.00	13.24	3.73	8.54	5.58	18.87	1.30	0.22	6.87	22.90	17.98	142.24	301.81
2	निर्माण कार्य																		
	(i) भूमि (क्रय/विकास)																		0.00
	(ii) प्रमुख कार्य																		0.00
अ)	XII योजना बकाया कार्य		6360.00																6360.00
	कूल स (2)	6360.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6360.00
	कूल राशि	17769.16	60.94	70.00	39.84	327.75	303.94	221.38	211.77	166.53	205.02	255.66	64.48	25.07	80.67	92.22	64.97	295.54	20254.94

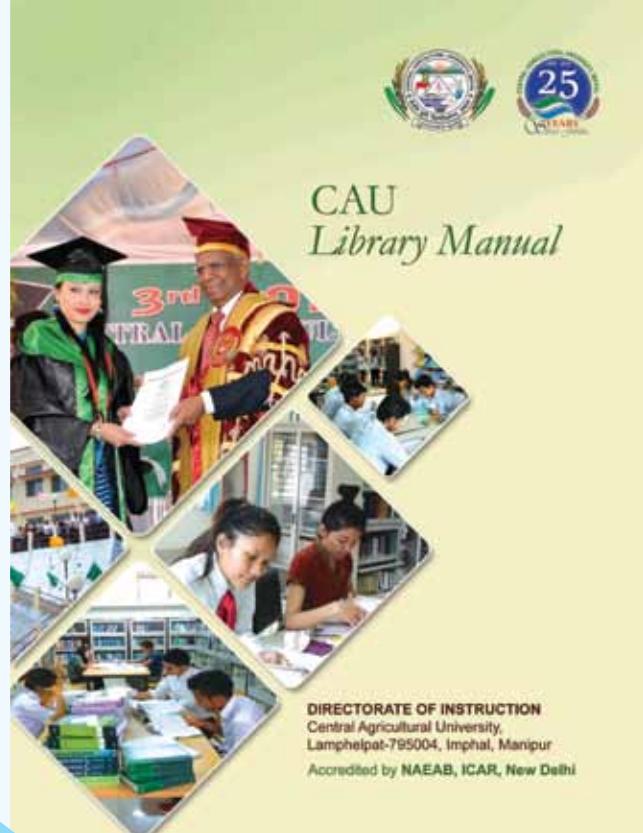


केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

वर्ष 2019-20 हेतु प्राप्त इकाईवार राजस्व का बतनाव

(₹ लाख में)

क्र. सं.	लेखा मद	केन्द्रीय प्राप्तियाँ (₹.)	अ.सि.	अनु.नि.	प्र.सि.	बा.अफा.	कृ.म.	प.म.	मा.म.	बा.म.	गृ.वि.म.	कृ.अं.म.	स्ना.म.	खा. प्र.म.	कृ.म.	बा.म.	प.चि.म.	कृ.म.	राजस्व 2019-20
1.	शैक्षणिक प्राप्तियाँ	0.00	0.00	66.67	45.53	42.63	63.95	15.79	16.41	22.28	14.37	16.43	6.19	6.36	6.06	9.91	322.58		
2.	बैंक खाते पर झाज	205.27	0.21	0.80	0.16	0.64	1.10	5.92	32.21	2.41	2.53	3.53	0.25	1.69	0.20		22.92		
3.	खेत उत्पाद की	5.03	6.92	5.51	32.50	0.99	2.16		0.11	0.15			0.42	0.02	1.42		55.23		
4.	विविध आय	17.34	3.12	1.56	5.36	12.21	10.97	8.00	3.67	9.49	13.88		0.01		0.24	1.81	87.66		
5.	संस्थागत शुल्क	8.62								0.00							8.62		
6.	अन्य आय	48.36		2.97	0.43	1.49	3.80	1.83	0.44	0.70	0.02	0.05	0.03	0.01	0.01		60.13		
	कृत्त राशि	284.62	3.33	7.72	1.72	81.15	91.77	62.00	81.12	23.70	28.98	40.54	14.64	18.13	6.86	6.41	6.30	13.15	772.14



विश्वविद्यालय प्रकाशन

8



रि

पोर्टिंग वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय के घटक कॉलेजों के संकायों ने 1083 शोध साहित्य प्रकाशित किए हैं, जिसमें 395 पूर्ण लंबाई अनुसंधान और 64 डिजिटल ऑब्जेक्ट पहचानकर्ता लेख, 54 कॉन्फ्रेंस / सिम्पोजियम कार्यवाही, 176 सार

वैज्ञानिक प्रकाशनों की सूची।

8.1 शोध पत्र:

8.1.1. कृषि महाविद्यालय, इंफाल

1. एन गणेशमूर्ति, राजकुमार दिलीप सिंह, के.एस. शशिधर, टी आर रूपा (2019)। बारहमासी बागवानी फसलों के लिए उर्वरक सर्वोत्तम प्रबंधन अभ्यास। इंडियन जर्नल ऑफ फर्टिलाइजर्स, 15 (10): 1136-1150
2. अमृता थोकोम, आर.के. दिलीप सिंह, नेसरा बेगाने, खमरंग मथुकामी और के.एस. सबास्टियन (2019)। ग्राफिटिंग यूनियन की हीलिंग पर ग्राफिटिंग की ऊँचाई और स्कोन की लंबाई और साइट्रस ग्राफिटिंग के विकास के लक्षणों की व्याख्या नागपुर मंदारिन ने रफ लेमन रूटस्टॉक्स पर ग्राफ्ट किया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफकरंट माइक्रोबायोलॉजिकल एंड अल्टाइड साइंसेस, 8 (03): 2066-2074
3. अनिमेश सरकार और एन सुरबाला देवी। (2020)। बोरान की सघनता और धान की सूखी उपज पर बोरान और खेत की मेड़ के आवेदन की पुष्टि। रासायनिक अध्ययन जर्नल, 8 (1: 1374-1376)।
4. एन मारिया, आरके कुमारजीत सिंह और एन सुरबाला देवी। (2019) है। इंफाल पश्चिम, मणिपुर की मिट्टी में बोरान अंशों का वितरण। रासायनिक अध्ययन के अंतर्गतीय जर्नल, 7 (3): 4873-4877।
5. बी नांगबरी, एस.एम.फिरोज, आर सिंह, और एल देवरानी (2019)। नागालैंड में फार्म हाउसों की सूखे की स्थिति को नरम करने वाले कारक। इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग, 32 (2): 244-250।
6. बीरेश्वर सिन्हा, सी लालरुआलुआंगी पी एच सोविता देवी और एन अमरेसन (2019)। भारत में पेड़ की फलियों में मृत्यु की लैसिओ डिप्लोडिया थियोब्रोमि की पहली रिपोर्ट (पर्किया रौक्सबरगी) पादप रोग अनुसंधान।
7. चुवांग हिजाम और एन.बी. सिंह (2019) अनाज की प्रस्तुत, 119 लोकप्रिय लेख, 17 पुस्तकें, 61 पुस्तक अध्याय, प्रकाशित किए गए हैं। 63 तकनीकी बुलेटिन /प्रशिक्षण नियमावली और 134 विस्तृत मैनुअल / पैफलेट आदि वे निम्नानुसार सूचीबद्ध हैं:

पैदावार के लिए हिटोसिस और सुगंधित चावल में इसके महत्वपूर्ण घटक (ओरेजा सैटिवा एल।) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड रिसर्च 9 (2): 75-80।

8. जी नांगमीकापम और एन सुरबाला देवी। (2019)। एक विशिष्ट हापलूमोफर्ट मिट्टी में नाइट्रोजन के हाइड्रोलिसिबल कार्बनिक अंशों में परिवर्तन पर जैविक खादों और ह्यूमिक एसिड का प्रभाव। एग्रोचिमिका, 63 (1): 3-14।
9. गायत्री खंगारजकपम, लीशंगथेम जीबिट सिंह, सौमेन मैत्र और सोमनाथमंडल (2019)। अफ्रीकी मैरिगॉल्ड सीबी के विकास, विकास, उपज और जैव रासायनिक घटकों पर गिररेलिक एसिड के पत्ते के आवेदन की प्रचुरता। 'पूसा नारंगी गेंदा' फार्माकोग्नोसी और फाइटोकेमिस्ट्री के जर्नल, 8 (4): 1581-1585।
10. हलधर एसएम, भार्गव आर, सिंह आरएस, समदिया डोके, जाट जीसी और सिंह डी। (2019)। भारतीय चेरी (कॉर्डिया मायक्सएएल।) के विभिन्न अभिगमों के नीचे-ऊपर प्रभाव (प्रतिरोध) क्या टिगिड कीट आक्रमण के खिलाफ मदद करते हैं [डिक्टिलैचेरियानी (ड्रेक)] कृषि और पारिस्थितिकी के क्षेत्र: 8: 84-103।
11. हलधर एसएम, चेत राम और सिंह डी। (2019)। भारत के शुष्क क्षेत्र में एओनला (एंबलिका औफिसिनल्स) का जैविक तनाव (कीट): एक समीक्षा। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड इकोलॉजी, 7: 16-26।
12. हिजाम चुवांग, जे.एम. लेशराम, एन.केंद्रो सिंह और कोनसम चा शमानंद (2019)। मणिपुर, भारत के मक्का खेतों का समृद्ध एवं मुख्य घटक विश्लेषण करते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरसाइंस एंड रिसर्च, 9 (4): 157-164।
13. इचछा। एम। सिंह, यू.सी., सिंह, ए हिरजीत और देवी आर.एस. (2019) - अफ्रीकी मैरीगॉल्ड (टेगेट इरेक्टा एल) सीबी की वृद्धि, फूल और उपज पर नाइट्रोजन के विभिन्न स्रोतों का प्रभाव। द फार्मा इनोवेशन जर्नल 8 (7): 283-286।



14. जे लुंगदीम, वाई.एस. देवी, के एन देवी और वाई. बी चानू। (2019)। खरपतवार नियंत्रण तकनीकों और पैदावार और स्थापना पद्धति के आधार पर वर्षा के महत्व को कम किया गया। फसल और खरपतवार का जर्नल 15 (1): 121-126।
15. जामखोगिन लुंगडिम, टी एच तेजमणि सिंह, के नंदिनी देवी और युन्नम सनतोम्बी देवी। (2019)। देसी छोले के विकास, बीज की पैदावार और उत्पादन अर्थशास्त्र पर बीज प्राइमिंग विधियों पर अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस 15 (1): 37-42।
16. जामखोगिन लुंगडिम, युनाम सनतोम्बी देवी, के नंदिनी देवी और एस के चंगठम 11 (2019)। वर्षा आधारित तराई चावल की उपज और अर्थशास्त्र पर खरपतवार नियंत्रण तकनीकों और स्थापना विधि का प्रभाव। फसल और खरपतवार का जर्नल 15 (1): 121-126।
17. जयश्री लेशराम, ए.के. बिजया देवी, के जेम्स सिंह और लौरेम्बम तनिबाला देवी। 2019. दलदल टैरो का मूल्यांकन [कोलोकेसिया एस्कुलेंटा किस्म एटोलोनिफेरम स्कॉट फिजियोलॉजी, यील्ड और गुणवत्ता पर जर्मेप्लाज्म। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 8 (7): 1184 -1189
18. जस्टी डी वरुघसी, ए.के. बिजया देवी, के जेम्स सिंह, एस जेकेंद्र सिंह, एन मारिया जोसेफ, अराथी जे और अश्विनी आनंद। 2019. गोभी के साथ गाँठ खोल और मटर का अंतः संक्षेपण (बैंसिका ओलेरसिया एल कैफिटाटा) सी.वी. गोभी की वृद्धि और गुणवत्ता पर रेयरबॉल और इसका प्रभाव। रासायनिक अध्ययन के अंतराष्ट्रीय जर्नल, 7 (4): 296-298।
19. ज्योतिएसएसपी, लौखमदेवरानी, के. नोरेन सिंह, रामसिंह, राजकुमार जोसमी सिंह, एल. हेमचंद्र, एम कुंजरज सिंह और दया राम। (2019)। मणिपुर में सीएयू-आर श्रृंखला किस्मों के प्रसार में हितधारकों का प्राथमिकता। आर्थिक मामले 64 (2): .271-280
20. के नंदिनी देवी, नीलांजना हल्दर, एच.एस. अथोकपम, के खम्बा सिंह, एम आनंदी और ए डोरेंड्रो सिंह। (2019)। वर्षा आधारित मध्यम भूमि की स्थिति के तहत प्रत्यक्ष बीजयुक्त चावल (ओरिजा सैटिवा एल) की वृद्धि और उपज पर बुवाई तकनीकों और बीज दर का प्रभाव।
21. काजाम्बा के, एम सुमरजीत सिंह और तब्बलुइ ए (2019)। आलू की उपज (सलानम ट्यूबरोसम एल।) के स्थानीय कृषक अलु अमुबी पर एकीकृत नाइट्रोजन प्रबंधन का प्रभाव। कोमिकल स्टडीज 7 (3) के अंतराष्ट्रीय जर्नल: 4049-4052
22. के. एच. लेनिन सिंह, एडविन लुझम और के नंदिनी देवी। (2019)। मणिपुर घाटी की तराई की स्थिति के तहत फसल की स्थापना के तरीकों और नाइट्रोजन प्रबंधन के प्रभाव के रूप में चावल की शारीरिक विशेषता (ओरिजा सैटिवा एल) पर अध्ययन। जर्नल ऑफ कोमिकल स्टडीज 7 (6): 282-287।
23. कोनजेंगबाम सरदा देवी, पी.एच सोबिता देवी, बिरेश्वर सिन्हा, एलएनके सिंह, डब्लू टम्पाकिलिमा चानू, निर्मला मैबाम और हुइरेम चंद्रजिनी देवी। (2019)। देशी ट्राइकोडर्मा एसपीओ के साथ चावल के बीजों के जैव प्राइमिंग की पुष्टि। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकोमिस्ट्री की पत्रिका, 8 (4): 1968-1971
24. कुमार सम्भव गिरि, एल नबचंद्र सिंह, पी के सारंगी, प्रियंका आई तब्बलु ए और नुरिना एस। (2019)। प्रत्यक्ष बीज वाले काले सुगंधित चावल (ओरिजा सैटिवा एल) की वृद्धि और उपज पर नाइट्रोजन का प्रभाव। रासायनिक अध्ययन के अंतराष्ट्रीय जर्नल: 3494-3496।
25. एल जीवट सिंह, जी.खंजरपक्कम, आर शादुकन और आरएस धुआ (2019)। नए गुलदाउदी जीनोटाइप्स की गुणवत्ता की विशेषता। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकोमिस्ट्री जर्नल: 8 (4); 1611-1617
26. एल बनर्जी एस, हीरोजीत एस ए, आर.के. कुमारजीत एस, के नंदिनी डी, ई लुझम, और एन। ओकेन्ड्रो एस। (2019)। संतरे (सिट्रसुइटिकुला) बाग, तामेंगलोंग जिला, मणिपुर, भारत में सूक्ष्म पोषक सावधानियों का ऊर्ध्वाधर वितरण। अंतराष्ट्रीय जर्नल माइक्रोबियल एंप। विज्ञान 8 (7): 1166-1177।
27. लखूराम बनर्जी सिंह, हीरोजीत सिंह अथोकपम, राजकुमार कुमारजीत सिंह, के नंदिनी देवी, एडविन लुझम और एन ओकेन्ड्रो सिंह। (2019)। ऑरंज (साइट्रस रेटिकुलाटा) ऑर्चर्ड, तामेंगलोंग जिला, मणिपुर (भारत) में सूक्ष्म पोषक तत्वों का वितरण वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड के इंटरनेशनल जर्नल विज्ञान। 8 (7): 1166-1177।
28. लक्ष्मी निंगथौजम, इंदिरा सारंगथेम, एडविन लुझम, एन गोपीमोहन सिंह और एल देवऋषि शर्मा (2019)। मणिपुर, भारत की मिट्टी में बोरान के उपयुक्त अर्क का मूल्यांकन। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकोमिस्ट्री की पत्रिका, 8 (4): 1154-1157।
29. लिनथोई वाथम, इंदिरा सारंगथेम, हीरोजीत सिंह अथोकपम, एल नबचंद्र सिंह, एन ओकेन्ड्र सिंह और एल देवऋषि शर्मा। (2019)। मणिपुर के इफाल पूर्व जिले में मिट्टी की अम्लता के विभिन्न रूपों का वितरण।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री जर्नल। 8 (4): 1262-1264।
30. लोंगजाम सिंहार्थ, हिसनम पुनाबती, मोइरंगथेम अभिनाश, साह दिनेश और इरुंगबम प्रियंका (2019)। टमाटर के अलग-अलग विकास चरणों में सूखे पदार्थ, उपज और पोषक तत्वों पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन की प्रतिक्रिया (सोलनुम्लीकोपरिसिकम एल।)। कृषि विज्ञान में वर्तमान प्रगति, 11 (1): 71-74।
31. लौरेम्बम तिनिबाला देवी, यू. चोबा सिंह, एकोजीम बिजया देवी, हीरोजीत सिंह अथोकपम और नोरेम गोपीमोहन सिंह (2020)। मणिपुर की अम्लीय मिट्टी की स्थिति के तहत विभिन्न प्रकार के पोटेशियम दरों में वृद्धि और हैप्पीओलस कॉर्म की उपज विशेषताएँ। फार्मा इनोवेशन जर्नल, 9 (3): 01-04।
32. लौरेम्बम तिनिबाला देवी, यूसी सिंह और जोश्री लेशराम (2019) - हैप्पीओलस (ग्लैडियोलस ग्रैडीफ्लोररस एल।) सी आोएसिस के भौतिक-रासायनिक मापदंडों पर कश्मीर के विभिन्न स्तरों का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज 7 (4): 194-197।
33. मुतुम सूरज सिंह, येखोम विवेकानंद, कोनसम च श्यामानंद, राजकुमार संदीप सिंह और पीएच। रंजीत शर्मा। मणिपुर घाटी की स्थिति के लिए स्थिर मूँगफली जीनोटाइप्स (आर्किस हाइपोगेआ) का चयन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज (2019) 8 (8): 1382-1391।
34. एन लक्ष्मी, सारंगथम प्रथम, लुइखम ई एन गोपीमोहन एस। और शर्मा, एल.डी. (2019)। मणिपुर की मिट्टी में बोरान के उपयुक्त अर्क का मूल्यांकन। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री 8 (4) जर्नल: 1154-1157।
35. एन ओकेन्द्रो सिंह, एन गोपीमोहन सिंह, एल नबचंद्र सिंह, सुरिंदर कुमार और ए. पॉल (2020)। मणिपुर में किसानों के खेतों से आलू की उपज का पूर्वानुमान मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड स्टैटिस्टिकल साइंसेज, 16 (1): (स्वीकृत)
36. नोंगबरी, बी, सिंह, आर, फिरोज, एसएम, देवरानी, एल और हेमोचंद्र, एल। (2019) मेघालय में चावल की उपलब्धता पर सरकारी हस्तक्षेप और इसका प्रभाव: एक आत्मनिरीक्षण अध्ययन, भारतीय अर्थशास्त्र और विकास 7 जर्नल (11): 1-6।
37. नूरिना शाहनी, के नंदिनी देवी, मार्म चोंगथम, हीरोजीत सिंह अथोकपम और एन गोपीमोहन (2019)। बासमती चावल की विविधता (पूसा बासमती 1509) पर विभिन्न फसल स्थापना तकनीकों और नाइट्रोजन प्रबंधन पर अध्ययन। वर्तमान पत्रिका के वर्तमान पत्रिका और अनुप्रयुक्त विज्ञान 8 (6): 2423-2429।
38. पी मग्देस्वरी, ई. वी दिवाकर शास्त्री और टी. एच. रेणुका देवी। 2019. बेबी कॉर्न (*Zea mays L.*) इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च में पादप पोषक तत्वों के लिए प्रमुख घटक (PCA) और क्लस्टर विश्लेषण। 53 (3): 353-357।
39. फिदलंगकी लिनादोह, एम कुंजराज सिंह, दया राम और एन.गोपी मोहन सिंह। (2019)। वेस्ट जैतिया हिल्सडिस्ट्रिक, मेघालय, भारत के किसानों द्वारा हल्दी उत्पादन प्रौद्योगिकी में तकनीकी गैप के संबंध। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल माइक्रोबायोलॉजी। Sci.8 (5): 2141-2146।
40. पिल्लू, एनजी, सिंह, एसआर, सुरमिना देवी, एन, विदियारानी देवी सेनजम और मेसार, ओ। (2019)। भौतिक-रासायनिक, संवेदी और कार्मोबोला के सूक्ष्मजीवविज्ञानी मूल्यांकन पर विचार। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (5): 498-501।
41. प्रियंका आई, एल.एन. सिंह, ई. लुइखम, एन ओकेन्द्र सिंह, एच पुनाबती और वाई बेबिला चानू। (2019)। मणिपुर घाटी में खरीफ चावल की वृद्धि और उपज पर विभिन्न खरपतवार और पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाओं का प्रभाव। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल माइक्रोबियल। विज्ञान 8 (4): 128-137।
42. राजकुमारी स्वीटी, यू. चोबा सिंह और मीकम इकन्ढा (2019) - आईएए, जीए 3 और डेमिनोजाइड की पर्णहरित स्प्रे की प्रभावकारिता और हैप्पीओलस (ग्लैडिसियस ग्रैडीफ्लोररस एल।) के विकास और फूल। ऑस्कर द फार्मा इनोवेशन जर्नल 8 (7): 287-289।
43. राम सिंह, वी. पी. चहल, एस एम फिरोज और शिव कुमार। (2020) भारत के उ.पू.प. क्षेत्र में अदरक (जिंगीबरअर्किसिनल) की उत्पादकता पर कारकों का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस 90 (2): 279:82।
44. एस हरीश कुमार, दया राम, एम कुंजराज सिंह और एन ओकेन्द्रो सिंह। (2019) है। कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, इंफाल, मणिपुर, भारत के छात्रों के बीच अंडराइंटरनेट यूटिलाइजेशन (शैक्षणिक उद्देश्य) का प्रभाव। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल माइक्रोबायोलॉजी 8 (5): 2151-2156।
45. सकिथवेल जी, सैमुअल जेवरसन, एन ब्रजेंद्र सिंह, पीएच आर शर्मा, सुरील कुमार, वीके जलज, बायरश्वर सिन्हा, एन ओकेन्द्रो सिंह (2019) जेनेटिक परिवर्तनशीलता, मसूर की अंकुरित और मसूर जर्मप्लाज्म (लेंस सिनुलारिस



- मेडिक) में पथ विश्लेषण। फार्मा इनोवेशन जर्नल 8 (6): 417-420
46. सिंह टी.ए., सारंगी पी.के. और सिंह एन.जी. जॉयकुमार (2019) अनानास कचरे से निकाले गए ब्रोमेलैन एंजाइम द्वारा मीट को मुलायम करना। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। वॉल्यूम 7 (9): 3256-3264।
47. सिंह टी.ए., सारंगी पी.के. और सिंह एन.जी. जॉयकुमार (2019) भारत के मणिपुर की पश्चिमी पहाड़ियों की जातीय जनजातियों का पारंपरिक प्रक्रिया भोजन। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। वॉल्यूम 7 (10): 1100-1110।
48. सिंह, आर और फिरोज, एस.एम. (2019) भारत के नॉर्थ ईस्ट हिल क्षेत्र के त्रिपुरा राज्य में चावल की तीव्रता (एसआरआई) और आर्थिक सुरक्षा की प्रणाली का विकास। ई-प्लैनेट 17 (2): 89-97।
49. एसके चोंगथम, ई लमलक्ष्मी देवी, आरपी सिंह, एएल जाट, जे लुंगडिम, आई भूपेनचंद्र, टी बसंत सिंह और केएच रौडेल। (2019)। जलवायु परिवर्तन के तहत फसल-खरपतवार की बातचीत और उनका प्रबंधन: एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज 7 (3): 4498-4505।
50. एसएम फिरोज, बिस्वरूप साहा, मोनिका अहिबाम, राम सिंह और केजे सिंह 2019। त्रिपुरा में कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: एक गुणात्मक अध्ययन, सामुदायिक विकास और सतत विकास जर्नल, 14(3: 510-516)।
51. सोफिया लोंगजाम और एन.बी. सिंह (2019) मणिपुर के पहाड़ी चावल (ओरिजिन सैटिवा एल) जीनोटाइप के पात्रों में योगदान के लिए आनुवांशिकता और आनुवांशिक अग्रिम का आकलन। फार्मा इनोवेशन जर्नल 8 (4): 7-11।
52. सुरेद्दी हरीश कुमार, दया राम, मेराबेनम दीपा देवी और कमलेश कुमार गौतम। (2019) कृषि महाविद्यालय, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल मणिपुर (भारत) में स्नातक छात्रों के बीच इंटरनेट का उपयोग। एग्रीवेज, 7 (2): 81-86।
53. टी मालमग्नबी और जे लुहंगिम। (2019)। तराई के चावल की पैदावार पर ओरिजोसल्फुरोन-एथिल और स्थापना के तरीकों की विभिन्न खुराक का प्रभाव। फसल और खरपतवार का जर्नल 15 (1): 209-212।
54. तबुल्लुर्इ ए, ई लुइखाम, काजाम्बा के और के.एस. गिरी। (2019)। स्थानीय ग्लूटिनस मक्का (जिया मेघ
- एल।) की वृद्धि और उपज पर बुवाई के समय और एकीकृत नाइट्रोजन प्रबंधन के प्रभाव। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। माइक्रोबियल विज्ञान 8 (6): 2512-2518।
55. तक्लेम्बम् सनाहंबी देवी, हीरोजीत सिंह अथोकपम, के नौदिनी देवी, एन। सुरबाला देवी और एन गोपीमोहन सिंह। (2020)। एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन शुष्क पदार्थ के उत्पादन, उपज और प्रत्यारोपित चावल की एनपीके सामग्री पर अभ्यास करता है। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8 (1): 1618-1622।
56. तक्लेम्बम् सनाहंबी देवी, हीरोजीत सिंह अथोकपम, नौंगथोम्बम सुरबाला देवी, एन गोपीमोहन सिंह और डब्ल्यू। (2020)। इंफाल पश्चिम जिले, मणिपुर, भारत की मिट्टी में चावल के लिए नाइट्रोजन की महत्वपूर्ण सीमा। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8 (1): 1613-1617।
57. टी एच नेपोलियन, एम एस जीबर्सन, मनीष कुमार, सिंह एन.बी., शशिधार, के.एस., पीएच रंजीत शर्मा (2019)। मणिपुर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज 7 (1): 754-758।
58. टीएम निश्चेथा, एकेबी देवी, के जेम्स सिंह, एच सिंह और एनजी सिंह। 2019. स्थानीय प्याज की वृद्धि और गुणवत्ता पर नाइट्रोजन के कार्बनिक स्रोत का प्रभाव (एलियम सेपा वैर। एग्रीगेट डॉन।)। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (4): 299-303।
59. टीशेरिंग पाल्डन भूटिया, एन सुरबाला देवी और टी सनाधनी देवी। (2019) है। कार्बनिक खादों की उपस्थिति या अनुपस्थिति में रॉक फॉस्फेट का प्रभाव और फॉस्फोरस की उपलब्धता पर चूना और सोयाबीन (ग्लाइसिन अधिकतम) की सूखी उपज। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (5): 2024-2027।
60. वी। भुवनेश्वरी, एलएनके सिंह, बिरेश्वर सिन्हा, सोबिता देवी, विग्नेश पी और लिंडा लालदुद्धुअली। (2019) है। स्कलेरोटियम रॉलफसीई की वजह से। मिर्च के कॉलर रोट के खिलाफ ट्राइकोडर्मा एसपीपी द्वारा निर्मित अस्थिर और गैर-वाष्पशील यौगिकों का प्रभाव। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (3): 1313-1316।
61. विग्नेश पी, एलएनके सिंह, बिरेश्वर सिन्हा, पीएच सोबिता देवी, के सरदा देवी और वी भुवनेश्वरी। (2019). इन-ट्राइकोडर्मा एसपीपी का इन विट्रो मूल्यांकन। राईजोटोनिआ आरेंजी सतीवा के प्रबंधन के लिए मणिपुर में चावल की कुल रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (1): 2498-2501।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

62. डब्ल्यू हीरोजीत मीतेर्ई, आर.के. कुमारजीत सिंह, एन सुरबाला देवी और टी सनाहनबी देवी (2019)। चावल में मैक्रोन्यूट्रिएंट सामग्री पर एकीकृत नाइट्रोजेन प्रबंधन का प्रभाव। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (3): 5173-5176।
63. वाथम, एल। सारंगथेम, आई, शर्मा, एल.डी. और अथोकपाम, एच.एस. (2019) है एसिड मिटी में विभिन्न भूमि उपयोग प्रणाली के तहत लोहे (Fe) और एल्यूमीनियम के विभिन्न रूपों का वितरण। फार्म इनोवेशन जर्नल .8 (8): 01-04।
64. वाई। सनातोम्बी डी, एम सुमरजीत एस, जे लुंगडिम, एल नवंद्रं एस। और वाई। बेबिला चानू। (2019)। काले सुगंधित चावल की वृद्धि पर फसल स्थापना विधियों और जैविक खादों का प्रभाव। जर्नल ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन 8 (6): 470-474।
65. यखोम विकेकानंद, प्रमेश खोयूमथेम, मुटम सूरज सिंह, कोंसाम च श्यामानंद और एन। ब्रजेंद्र सिंह (2019) आर ए पी डी उपयोग कर इन मूँगफली में आनुवंशिक भिन्नता (आर्किस हाइपोथीला एल) वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज 8 (9): 15-15: 15-15 की RAPD International जर्नल।
66. यगम हीरोजीत सिंह, सुशील कुमार शर्मा, बिरेश्वर सिन्हाय वीरेंद्र कुमार बरनवाल, (2019)। उत्तर पूर्व भारत जो नीबू वर्गीय फलों का भंडार है, में प्रचलित कैंडेट्स लाइब्रेरैक्टर एशियाटिक्स के एक जीनोमिक स्थान में अग्रानुक्रम दोहराव के आधार पर आनुवंशिक परिवर्तनशीलता। द प्लांट पैथोलॉजी जर्नल (2019) 35 (6), 644।
67. योम्चा, एम, फिरोज, एस.एम., रिंबाई, एस.एम. और सिंह, आर (2019)। भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण स्तर पर कृषि जोखिम। इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग, 32 (1): 96-103।
68. युमलेबम, जे, चक्रवर्ती, वाई.एस. और नंदी, ए.के. (2019) है। मणिपुर के एक पहाड़ी गाँव में वाटरशेड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत आजीविका के साधन के रूप में सामान्य संपत्ति संसाधन। अर्थशास्त्र और विकास जर्नल। 15 (3).449-454।
69. युमलेबम, जे, नंदी ए.के., चक्रवर्ती, वाई.एस. और बेरा, बी.के. (2019) है। थौबल जिले, मणिपुर (भारत) में आम पूल संसाधन के संरक्षण के लिए इको-टूरिज्म के लिए साइट विकास के लिए एक दृष्टिकोण। विज्ञान में बहुविकल्पी। 33(9).31-35।
70. युमलेबम, जे, चक्रवर्ती, वाई.एस., बेरा, बी.के., नंदी ए.के., और साहू, पी.के. (2019)। आय और रोजगार सूजन: मणिपुर की घाटी और पहाड़ी जिलों में सामान्य संपत्ति संसाधनों का योगदान। आर्थिक मामले, 64 (3): 01-08।

8.1.2. बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

- बेगाने, एन, वांगचू, एल, सिंह, एस, खोंगला, एल, लैंगस्टीह, एल और थोचोम, ए। (2020)। खटे प्रजातियों के अंकुर विकास पर सोडियम क्लोराइड प्रेरित नमक तनाव का प्रभाव। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8 (1): 283-286
- गुदा, पीएस, एम (2019)। अरुणाचल प्रदेश की वर्षा आधारित स्थिति के तहत विकास, उपज और गुणवत्ता के लिए हल्दी (करकुमा लोंगा)। जीनोटाइप का मूल्यांकन। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल माइक्रोबायिल अप्लाइड साइंसेज। 8 (9): 619-626।
- भूटिया, पी, गुदा, पीएस एम, सरमा, पी सिंह, ए.के., सिंह, एस आर और मैलापपा, ए.एस. (2019)। जैविक खादों, जैव उर्वरक और लकड़ी की राख खाद्य ऑयोडेड मटर के विकास पर प्रभाव। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल माइक्रोबायिल अप्लाइड साइंसेज। 8 (8): 210-219।
- बोचलिया, आर.एस., गोगोई, एम, मल्लिक, आर, इरुंगबम, पी, कांत के और बंद्योपाध्याय, पी (2019)। पश्चिम बंगाल में अलग-अलग पर्ण पोषक तत्वों और विकास नियामक के तहत बंसती सेकर सूर्यमुखी का प्रदर्शन। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (4): 79-82
- चक्रवर्ती, डी, कुमार, एम, वांगचू, एल, सिंह, एस और पांडे, ए (2019) है। उत्तर पूर्व भारत से ककड़ी (कुकुमिस सतिवस एल) के किस्मों के बीच आनुवंशिक विविधता। बांगलादेश जे बॉटा। 48 (3): 481-488
- चानू, टी एम, फुरीलात्पम, ए और सिंह, एस। आर। (2019)। पारंपरिक मणिपुरी व्यंजनों में दलित सम्बिधायों की पसंद: नाजुकता और स्वास्थ्य लाभ। इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग, (विशेष अंक): 76-84
- छेत्री, ए, हजारिका, बी एन, वांगचू, एल, सिंह, एस, एलिस, ए के और सिंह, एम.सी. (2019)। उत्तर-पूर्वी भारत में जीनोटाइप में कटहल (आर्टोकार्पस हेट्रोफिलस लामा) के बीच भिन्नता और संबंध का मूल्यांकन एप्लाइड साइंस और टेक्नोलॉजी के समांतर जर्नल, 33



- (4): 1-13।
8. गिरि, के.एस., सिंह, एल.एन., सारंगी, पी.के., इरुंगबम, पी, अबोनमई, टी और शाहनी, एन (2019)। प्रत्यक्ष बीज वाले काले सुर्गाधित चावल (ओरिजा सैटिवा एल) की वृद्धि और उपज पर नाइट्रोजन का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज, 7 (3): 3494-3496।
 9. हौ, एल.एन., सिंह, बी, बिदारानी, एस.डी. और रमजान एमडी (2019)। अरुणाचल प्रदेश के तलहटी के अमरुद की वृद्धि और उपज पर शूट प्रूनिंग का प्रभाव। तहत एल-49। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज, 7 (3): 2020-2027।
 10. इरुंगबम, पी सिंह, एल.एन., शशिधार, के.एस., गिरि, के.एस. और लेनिन, के। (2019)। चावल में शुन्य जुताई सरसों की उत्पादकता और अर्थशास्त्र पर एकीकृत खरपतवार और पोषक तत्व प्रबंधन का अवधारणा - रेपसीड क्रॉप्ड सीक्वेंस। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (3): 906-910।
 11. इरुंगबाम, पी, सिंह, एल.एन., लुइखम, ई, सिंह, एन.ओ., हीस्नाम, पी। और चानू, वाई.बी। (2019) है। मणिपुर घाटी में खरीफ चावल के विकास और उपज पर विभिन्न खरपतवार और पोषक तत्वों के प्रबंधन के प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज 18 (4): 128-137।
 12. खरगा, एस, सरमा, पी, वारडे, एस डी, देबनाथ, पी, वांगचू, एल, सिंह, ए और सिमरे, ए.जी। (2019) सरक्षित स्थिति के तहत ककड़ी (कुकुमसैटिवस एल) के विकास और उपज के एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 8 (8), 1862-1871।
 13. खोंगाला, एल, वांगचू, एल, सिंह, एस, बेगाने, एन, लैम्स्टह, एल। एलिस, ए और चेतेरिया, ए (2019) है। दो सिट्रस प्रजातियों में एल्युमीनियम विशेषताओं का वृद्धि, रंजक, लिपिड पेरोक्सीडेज और प्रोटीन सामग्री पर प्रभाव फार्माकोग्नोसी और फाइटोकेमिस्ट्री जर्नल, 8 (3): 3052-3058।
 14. कुमार, पी, सेठी, एस, शर्मा, आर आर, सिंह एस, साहा, एस, शर्मा, वी.के., शर्मा, एस के और वर्गीज, ई। (2019) सेब की भौतिक और जैव रासायनिक विशेषताओं (मालस एक्स डोमेस्टिका बियाह) पर ऊंचाई भिन्नता का प्रभाव। भारतीय कृषि विज्ञान जर्नल, 89 (1): 145-52।
 15. कुमार, एस, वी अनामिका और शादाप, अरवांकी 2019। पंजाब, भारत के केन्द्रीय मैदानों (Pb-3) में कुछ सूक्ष्म पोषक तत्वों के माध्यम से टमाटर में सुधार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 8 (5): 1451-1456।
 16. लालमिंगगंगा, पांडे, ए.के., सरमा, पी, एस सिद्धार्थ और बनलालनेही (2019) है। पूर्वोत्तर भारत के जंगली बैंगन (सोलनम गिलो रेडडी) जीनोटाइप्स में बीज प्रोटीन प्रोफाइलिंग पर अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज (2019) 7 (3): 3051-3056।
 17. लालमुआनपुर्झ, आर, सिंह, एस आर, वांगचू, एल, देवचंद्र, एन, गुदा, पीएस। एम सिंह, ए.के. और सिंह, बी.के। (2019) है। उत्तर पूर्व भारत में कैम्बोला (एवरोआ कारंबोला) की आनुवांशिक विविधता। इंडियन जर्नल ऑफ हॉर्टिकल्चर, 76 (4): 741-744।
 18. लालमुआनपुर्झ, आर, सिंह, एस आर और देवचंद्र, एन। (2019)। अविकसित कार्बामोला फल की फसल के लिए डीएनए निष्कर्षण विधि का मानकीकरण (एवरोआ कार्बोला)। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, कैमिकल स्टडीज, 7 (4): 2011-2014।
 19. लोंग्जाम, एस, हिसनाम, पी, मोइरंगथेम, ए, साह, डी और इरुंगबम, पी। (2019)। टमाटर के अलग-अलग विकास चरणों में सूखे पदार्थ, उपज और पोषक तत्वों पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन की प्रतिक्रिया (सोलनुम्लीकोपरिसिकम एल।)। कृषि विज्ञान में वर्तमान अग्रिम। 11: 1।
 20. मुमताक, एम, सरमा, पी, वारडे, एस डी, हजारिका, बी एन, देबनाथ, पी, रमजान, एमडी और अंसारी, एमडी टी। (2019)। आलू पर सूक्ष्म पोषक तत्वों के पर्ण आवेदन का प्रभाव (सोलनम ट्यूबरोसम एल।) सी.वी. विकास, उपज और गुणवत्ता विशेषताओं के लिए 'कुफरी ज्योति'। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज (2019) 7 (3): 4813-4817।
 21. पांडे, डी के, आदिगुरु, पी, साह, यू, देवचंद्र, एन, दुबे, एस और डीईओ, सी। (2019)। क्या रबर मोरोकल्चर, कृषि और जैव विविधता को नष्ट कर रहा है, त्रिपुरा, उत्तर-पूर्व भारत की बदलते खेती के परिदृश्य से साक्ष्य।
 22. पांडे, डी.के., डी, एच.के., गीतारानी, एल और सिंह, एन.ए। (2019)। कृषि शिक्षा पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव: उपयोगकर्ता धारणा। जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड स्टेनेबल डेवलपमेंट, वॉल्म्यू। 14 (2): 299-304।
 23. पट्टनायक, एस.के., देबनाथ, पी सिंह, बी, वारडे, एस.डी।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- और पांडे, ए.के. (2019) है। ग्रीनहाउस में बूंद-सिंचित ककड़ी की फसल में नाइट्रोजन की खेती, पहाड़ी खेती के भारतीय जर्नल, जून 2019, विशेष अंक, पृष्ठ 10-13।
24. पिल्लू, एनजी, सिंह, एस आर, देवी, एन.एस., सेनजम, बी.डी. और मेसर, ओ (2019)। आरटीएस और इसके शैलफ जीवन के लिए कम प्रयुक्त फल कैम्बोला का प्रसंस्करण। इंटर जे। रासायनिक अध्ययन, 7 (5): 498-501।
25. प्रेमरथ्या, एन और अंसारी, टी (2020)। फलों का प्रसंस्करण उद्योग: 24-25 फरवरी के दौरान 'उत्तर-पूर्व क्षेत्र में हॉटी-व्यवसाय के विकास के परिप्रेक्ष्य' पर भारतीय कृषि अर्थशास्त्र (आईएसएई) के क्षेत्रीय सेमिनार, भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में हॉटी-व्यापार क्षेत्र के लिए एक अवसरा। 2020 में कॉलेज ऑफ हॉटिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
26. रोसंगपुर्झ, पी, सिंह बी, जेस, एल और लल्थमार्वी (2019)। असम नीबू के विकास, उपज और गुणवत्ता पर जैविक खाद का प्रभाव [साइट्स लिमन (एल) बर्मा]। 8 (9): 1009-1019।
27. सालेही, बी।, मारिया, एल।, डेल, पीए, हर्नन, सी।, गेराडो, एलजी, जोरिका, एसआर, सिंह वाईडी, पात्र, जेके, दास, जी।, नैटलिया एम।, मिकेल एम।, मरजीह एसआर, विलियम सीसी और जवाद एस (2020)। कार्डियोवास्कुलर में करक्यूमिन नैनोमेडिसिन योगों के चिकित्सीय अनुप्रयोग, नैदानिक चिकित्सा के जर्नल, रोग, जे क्लिन। मेंड। 2020, 9।
28. सेठी, एस, जोशी, ए, अरोरा, बी, भौमिक, ए, शर्मा, आरआर और कुमार, पी। (2020)। सेब के फल में एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि निर्धारण के लिए FRAP, DPPH और CUPRAC assays का महत्व। अर्क्यूरोपियन खाद्य अनुसंधान और प्रौद्योगिकी, 246 (3): 591-598।
29. शंकरप्पा, एस.के., मुनदी, एस.जे., चंद्रशेखर, ए.बी., सिंह, ए.के., नागभूषणधार, पी।, शिवशंकर, बी।, एल-अंसारी, डी.ओ., वानी, एस.एच. और एलांसरी, एच। ओ। (2020)। मसूर की पैदावार बढ़ाने के लिए हाइड्रोजेल एप्लीकेशन रेट्स और फोलर न्यूट्रिशन को मानकीकृत करना (लेंस सिनुलारिस), प्रक्रियाएं, 8: 420।
30. शिमरे, ए.जी., सरमा, पी, गुदा, पीएस एम, देवनाथ, पी, सिंह, एस। आर, खरगा, एस। और सेम्बा, एस। (2019)। किंग चिल्ली के विकास और उपज पर कैप्सिंग और न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट का लाभ। 8 (8): 2761-2770।
31. सिंह, ए, जायसवाल, एम, विभूति, एम और कुमार, एस (2019)। जल तरबूज की वृद्धि और उपज पर मल्बिंग का प्रभाव (*Citrullus lanatus thunb*) Cv। माधुरी। प्रगतिशील बागवानी, वॉल्यूम 51 (1): 77-80।
32. सिंह, ए, विभूति, एम और कुमार, एस (2019)। केले की उपज और गुणवत्ता पर पोटेशियम सल्फेट के गुच्छा कवर और स्प्रे का प्रभाव। कृषि विज्ञान में वर्तमान प्रगति 11 (1): 59-61।
33. सिंह, ए, विभूति, एम और कुमार, एस (2019)। सिगाटोका लीफ स्पॉट के प्रबंधन पर पेट्रोलियम आधारित तेल का प्रभाव (केले पर मूसा)। वर्तमान बागवानी 7 (2): 59-61।
34. सिंह, ए.के., मीटीई, एन.टी., कुंडू, एस, सलमा, यू. विट्रो सेल्युलर एंड डेवलपमेंटल बायोलॉजी-प्लांट में, 55 (2), 180-189।
35. सिंह, के, लुइखाम, ई, देवी, के.एन. और इरुंगबम, पी। (2019)। मणिपुर घाटी की तराई की स्थिति के तहत फसल की स्थापना के तरीके और विकास पर नाइट्रोजन प्रबंधन, उपज और चावल की पैदावार (*Oryza sativa L.*) का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 8 (11): 47-58।
36. सिंह, एम सी, सिंह, एस, सिंह, ए.के. पांडे, पी के, खोंगला, एल, सिंह, बी के और पांडे, ए.के. (2019) किणवन के माध्यम से बांस के एंटी-न्यूट्रिक्टिव घटकों को नष्ट करना। प्रायोगिक जीवविज्ञान और कृषि विज्ञान जर्नल, 7 (2), 128-137।
37. सिंह, वाई.डी. (2019) है। उत्तर पूर्व भारत, एस.एन. एप्लाइड साइंसेज 1 (8), 889 से एरग्रोस्टिस एयोराइड्स नीस घास से सेलुलोसिक बायोएथेनॉल उत्पादन।
38. सिंह, वाई.डी. (2019) है। जैव ईंधन उत्पादन, एस.एन. एप्लाइड साइंसेज 1 (5), 458 के लिए पूर्वोत्तर भारत से स्वदेशी लिग्नोसेलुलोसिक बायोमास का व्यापक लक्षण वर्णन।
39. तस्संग, टी, देव, सी, एमडी, रमजान और सेम्बा। (2019) है। बैंगन (सोलनम मेलॉनेना एल।) जीनोटाइप्स में आनुवंशिक परिवर्तनशीलता, आनुवांशिकता और आनुवांशिक प्रगति का आकलन। इंटर जे। केमिकल स्टडीज, 7 (5): 2452-2457।



8.1.3. मात्रिकी कालेज, लेंबूचेरा, त्रिपुरा

1. अंशुमान पांडा, देबाशीष जेना, मृणाल कार्ति दत्ता, जन्मेजय परी, और पार्थ एस त्रिपाठी, उत्तर पूर्व भारत के विविधता के वर्तमान परिदृश्य पर एक समीक्षा और उन पर खतरे, जैव विविधता और जलीय अनुसंधान: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 2019 वॉल्यूम 1 अंक 2 1-1 पीपी।
2. अंशुमन पांडा, देबाशीष जेना, मृणाल कार्ति दत्ता, जन्मेजय परी, राधाकृष्णन किङ्गके वीटेलिल 1 और प्रमोद कुमार पांडे (2019)। भारतीय पहाड़ी ट्राउट, बोरिलस बैंडेलिसिस (हैमिल्टन, 1822) के अलग-अलग और आणविक विचलन अलग-अलग स्टॉक में हैं। जैव विविधता हॉटस्पॉट: क्या नदी की ऊंचाई और बांधा एक भूमिका निभाते हैं? एप्लाइड इचथोलॉजी के जर्नल। खंड 35, अंक 6, दिसंबर 2019, पृष्ठ 1242-1248। (6.88)
3. अरुण कुमार, मृणाल कार्ति दत्ता, लेकिंगिंगरॉय डैन, देबाशीष जेना, सेंगबीरा के संगमा, श्रीश चंद्र यादव और प्रमोद कुमार पांडे, त्रिपुरा के कुछ बार्ब्स का व्यवस्थित मूल्यांकन मॉर्फो-मेरिस्टिक टूल्स के आधार पर, जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी ऑल जूलॉजी स्टडीज 2019; 7; (5): 10 5-1077
4. बी लाहिड़ी, ए घोष, पी विश्वास, सागर सी मंडल, टी.एस. अनुराग और पी.के. पांडे (2019)। उत्तर-पूर्वी राज्यों त्रिपुरा में मोबाइल आधारित मत्स्य सलाहकार प्रणाली का विकास और परिनियोजन: संभावनाएँ और स्कोप। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 55 (3): 158-163।
5. बंसोड, वी, चौहान, वी.बी.एस., पति, के, भुयार और महानंद, एस.एस. 2019। हाथी के पैर की यम के मानकीकरण और भौतिक-रासायनिक विशेषताओं पर अध्ययन (अमोफौफलस पेओनिफोलियस) पापड़। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साईंस, 8 (5): 950-955।
6. बंसोड, वी, चौहान, वी.बी.एस., पाटी, के। नेदुन्चिंगियान, एम, जी, नग्रता, कृष्णकुमार, टी और महानंद, एस.एस 2020। बैंगनी फलीशेड शकरकंद (एंथोसायनिन रिच जेली) से एंथोसायनिन समृद्ध जेली का विकास और घंडारण अध्ययन। विविधता भु-कृष्ण। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका, 9 (2): 388-391।
7. बिस्वास, प्रद्युम जेना, आलोक कुमार; पटेल, अरुण भाईय पांडे, प्रमोद कुमार (2019)। इंडियन बटर कैटफिश, ओमपोक बिमाकुलैटस (बलोच) फिंगरिंग की प्रोटीन की आवश्यकता। एप्लाइड एक्वाकल्चर की पत्रिका। (एन / ए)
8. सी लल्लनमाविया, आरके साहा, एच साहा, पी विश्वास (2019)। लो पीएच और जलजनित लोहे के तनाव के खिलाफ लेथियो रोहिता में विथेनिया सोम्निफेरा रूट अर्क और विटामिन सी के आहार मिश्रण के अमिट प्रभाव। मछली और शोलफिश इम्यूनोलॉजी 88, 170-178। (9.15)
9. चानू, टीआई, रॉय, एस डी, चड्ढा, एनके, दूबे, के शर्मा, ए, चौधुरी, ए.के., सिंह, एस के, (2019) सिनोडोन डैक्टाइल मेथनॉल एक्सट्रैक्ट पोटेशियम को अम्लीय की प्रतिक्रिया में तनाव शमन करता है। लेबियो कैल्बसु फिंगरिंग्स में तनाव, इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज, 89: 107-115। (6.23)
10. दत्ता, डी, पाल। पी (2020) सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के अर्थशास्त्र का असर करने वाले कारक त्रिपुरा में विज्ञापन सेवा क्षेत्र में, नवीन शोध और उन्नत अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (IJIRAS), 7 (1): 63-72।
11. देबाशीष, जेना, अंशुमन पांडा, मृणाल के दत्ता, जन्मेजय परी, पार्थ एस त्रिपाठी और आलोक के जेना (2019)। ब्रह्मपुत्र नदी, असम, भारत की चार स्वदेशी मछली प्रजातियों के गतिशील-वजन संबंध। एप्लाइड इचथोलॉजी का जर्नल; 00.1.3.pp, ISSN: 1439-0426। (6.88)
12. देबनाथ टी, बेरा एस, देब एस, पाल पी, डी एस, हलधर ए (2019)। मुर्गा भैंसों में वास्तविक तापमान की निगरानी के लिए रेडियो-आवृत्ति आधारित डिजिटल थर्मोमीटर। जे एनिमेटेड। हेल्थ प्रोड .7 (4): 142-146।
13. देइसुलुंगबे पमे और एम। को। दत्ता: सिल्वर बार्ब के प्रदर्शन का मूल्यांकन, पुंटियस गोनियोनोटस (ब्लेकर) पॉलीकल्चर ऑफ कार्प्स में एक अतिरिक्त उम्मीदवार प्रजाति के रूप में, जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज (स्वीकृत)
14. देवी, ए.ए., कमिल्या, डी 2019। किशोर रोहू लाबियो रोहिता की प्रतिरक्षा और जैव रासायनिक प्रतिक्रियाओं पर लौंग तेल और एमएस 222 की प्रभावकारिता और प्रभाव। एक्वाकल्चर रिसर्च 50, 957 - 963. (7.48)।
15. हलधर, ए, डी, एस, गौतम, डी, चक्रवर्ती, डी, डे, एस, पाल, पी। (2019)। आयु-विशिष्ट परिधीय एंटी-मुलेरियन हार्मोन (एएमएच) एकाग्रता: मवेशी में प्रजनन मूल्यांकन के लिए एक उम्मीदवार एंडोक्राइन मार्कर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइवस्टॉक रिसर्च, 9 (9), 104-115।
16. हलधर ए, डे एस, सिंह वी, दत्ता, एम, पाल। पी, प्रकाश एस.बी. (2019), बकरियों में आयु-विशिष्ट परिधीय एंटी-म्यूलरियन हार्मोन सांद्रता (कैप्रा हिरेकस), इंडियन



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च, 53 (5), 599-603। (6. 44)
17. हेगड़े, जी एन .य देवरानी, एल; लाहिड़ी, बी; दत्ता, के के और हेमोचंद्र, एल। (2019)। मेघालय के गारो हिल्स के ग्रामीण फार्म-हाउसों में बाल बहुआयामी गरीबी और इसके निर्धारक। आर्थिक मामले, 64 (2): 459-467।
18. होक, एफ।, अब्राहम, टी जे, नागेश, टी.एस., कामिल्या, डी। 2019। स्वूडोमोनस एस्गिनोसा एफएआरपी 72, लेबो लाहिता में एरोमोनस हाइड्रोफिला संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है। प्रोबायोटिक्स और रोगाणुरोधी प्रोटीन 11, 973 - 980. (8.96)
19. जन्मेजय परी, पार्थ सारथी त्रिपाठी, हिमांशु प्रियदर्शी, सागर चंद्र मंडल, प्रमोद कुमार पांडे (2019)। मजबूत phylogeny के लिए mitogenome का निदान: साइप्रिनफॉर्मेस मछली समूह का मामला। जीन, 713: 143967।
20. के बोरहा, वाई.जे. सिंह, ए सरकार, एस के सिंह, पी पाल, ओ एन खुमान (2019) भारत के पश्चिम त्रिपुरा जिले के वैज्ञानिक त्रिपुरा जिले में वैज्ञानिक मछली पालन पद्धति को अपनाते हैं। पंतनगर जर्नल ऑफ रिसर्च 17 (2), 147-151
21. के बोरहा, वाई.जे. सिंह, ए सरकार, उपाध्याय। पश्चिम त्रिपुरा के मछली किसानों द्वारा ए। डी।, पी। पटेल, पटेल, ए बी (2019) प्राथमिकता और कृषि सूचना स्रोतों की विश्वसनीयता। इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग .32 (1), 16-21
22. कुमार, आर, कौर, एन, कामिल्या, डी। 2019. चिटिन गिलोय मोनोजेनस के खिलाफ लिंबियो रोहिता (हैमिल्टन, 1822) की प्रतिरक्षा और प्रतिरोध को नियन्त्रित करता है। एक्वाकल्चर। 498, 522.527। (9.02)
23. केवी संथाना, पीके पांडे, एस कुमार, ए थेवासिगमनी, बी सूर्यकुमार, आरजी भुवनेश्वरी (2019)। अर्द्ध गहन झींगा संस्कृति प्रणालियों की लाभप्रदता में पेरीफिलटन (एक्वामैट इस्ट्यॉलेशन) का लाभ। इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स डेवलपमेंट: 7 (14)। (4.67)
24. लाहिड़ी, बी, घोष, ए, विश्वास, पी, मंडल, एस सी, अनुराग, टी एस और पांडे, पी के। (2019)। उत्तर-पूर्वी राज्यों में मोबाइल आधारित मत्स्य सलाहकार प्रणाली का विकास और परिनियोजन: संभावनाएँ और स्कोप। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन। 55 (3): 158-163।
25. एम आर वांगखेराकपम, एस.एस. महानंद, आर के मजुमदार, एस। शर्मा, डी डी हिंडंगमयम और एस। नेताम (2019)। मछली प्रोटीन हाइड्रोलाइजेट के संदर्भ में मछली अपशिष्ट का उपयोग - एक समीक्षा। मत्स्य प्रौद्योगिकी 56, 169-78।
26. महानंद, एस.एस., डैश, के के घोष, टी, सेनापति, ए के, और बंसोड, वी .2019। बॉम्बे डक फिश बेस्ड प्रोटीन एनरिचर्ड एक्सट्रॉड नूडल्स का विकास: टेलर्ड नूडल्स क्वालिटी के लिए एक कैर्डिडेट। करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंस के इंटरनलेशनल जर्नल, 8 (7): 447-455।
27. मौर्य, ए.के., राधाकृष्णन, के.वी., रवि कुमार। (2020)। उत्तर-पूर्वी भारत में एक रामसर स्थल, रुद्रसागर झील में अनाबस टेस्टुडाइनस (बलोच, 1792) के शोषण की जनसंख्या विशेषताओं और स्तर। इंडियन जर्नल ऑफ जियो मरीन साइंसेज, 49 (02), 298-302।
28. एन, सुरजोबाला, एस सी मंडल, पटेल, ए, पाल, पी, पांडे, पी के। (2019) ओस्टीथ्रामा बेलांगेरी (वैलेंसियेस, 1844) फिंगरिंग की ग्रोथ, सर्वाइवल और फीड यूटिलाइजेशन के लिए आहार प्रोटीन की आवश्यकता का अनुकूलन। 36 (3), 290-298।
29. एन.एस. सुरजोबाला, सागर सी मंडल, ए.बी. पटेल, पी पाल और पी.के. पांडे (2019)। ओस्टीथ्रामा बेलांगेरी (वैलेंसियेसेस, 1844) फिंगरिंग के विकास, उत्तरजीविता और फीड उपयोग के लिए आहार प्रोटीन की आवश्यकता का अनुकूलन। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल न्यूट्रिशन, 36 (3): 290-298।
30. पी बिस्वास, पी रावत, एके जेन, एबी पटेल, पीके पांडे (2019)। पैबड़ा फ्राई के विकास और उत्तरजीविता पर एल-ट्रिप्योफैन का लाभ, ओमपोक बिमाकुलसस (बलोच, 1794)। मत्स्य प्रौद्योगिकी: (56) 29-33। (5.25)
31. पाल, पी (2019) वर्षों में पश्चिम बंगाल में मछली बीज उत्पादन की गतिशीलता। JFSI 50 (2): 89-92
32. पार्थ सारथी त्रिपाठी, निंगथौजम चोबा देवी, जन्मेजय पारही, हिमांशु प्रियदर्शी, अरुण भाई पटेल, प्रमोद कुमार पांडे, सागर चंद्र मंडल, (2019)। कैप्टिव स्थिति के तहत रानी लोच, बोटिया डारियो (हैमिल्टन, 1822) के प्राकृतिक कैरोटीनॉयड-आधारित रंजकता के आणविक तंत्र। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 9 (1): 1-12।
33. पेगू, आर, वाईजे सिंह, पी पाल, ए डी उपाध्याय, ए सरकार, ओ.एन. खुमान और भारती, एच। 2019। धन



- सह मछली पालन: असम में एक केस स्टडी। अंतराष्ट्रीय जर्नल माइक्रोबायोलॉजी। 8 (04): 373-380।
34. प्रधान ए, पटेल ए बी, सिंह एस (2019)। नर्सरी पालन के दौरान लबियो रोहिता के लिए एलोकोथेनस फीड के रूप में लाइव डकवीड, बोल्फिया ग्लोबोसा का मूल्यांकन। एक्वाकल्चर रिसर्च 50: 1557-1563।
35. रावत, पीय बिस्वास, पी; जेना, एके; पटेल, एबी; पांडे, पीके (2019)। भारतीय मक्खन कैटफिश, ओमपोक बिमाकूलैटस के बीज पालन के दौरान विकास और अस्तित्व पर प्राकृतिक आर्किर्षत करने वाले आहार को शामिल करना। पर्यावरण जीवविज्ञान की पत्रिका: 40 (4): 661-667। (6.56)
36. एस के साहू, एन के मेहता, एस। सामंतराय, आर के मजुमदार। एशियाई देशों में मछलियों में औपचारिकता की घटना: कुछ समाधान विश्व एक्वाकल्चर। 43 (9): 66-69। (9.02)
37. एस। शर्मा, आर.के. मजूमदार, के सिद्धनाथ और जे परही (2019)। क्रिप्टो क्रिटोप्रोटेक्टस ऑफ गाजर (डयूक्स कैरोटा) एंटीफ्रीज प्रोटीन ऑन सर्पी ऑन द स्ट्राईड कैटफिश (पंगासियानोडोनहाइपोफथलमस) (सॉवैज, 1878)। मत्स्य प्रौद्योगिकी 56, 49-59
38. शर्मा, एस। मजूमदार, आर.के., सिद्धनाथ, के, मेहता, एन के, साहा, ए, और गुप्ता, एस। (2019)। गाजर डाक्स करोटा जमे हुए सुरीमी की स्थिरता पर केंद्रित प्रोटीन के साथ सिथेटिक क्रायोप्रोटेक्टेट के आंशिक और पूर्ण प्रतिस्थापन के प्रभाव। जर्नल ऑफ एक्वेटिक फूड प्रोडक्ट टेक्नोलॉजी, 28 (8), 808-820।
39. शोंगसीर जे। एम।, परी, जे, चौधरी, जे, डेका, ए, पाल पी (2019) कार्प एक्वापोरिन-3 ए का आणविक लक्षण वर्णन: हामोन-प्रेरित स्पार्सिंग, एक्वाकल्चर, 500: 569-575 के दौरान अधिव्यक्ति प्रोफाइलिंग। (9.02)
40. सिंह, एसके, तिवारी, बीके, चड्ढा, एनके, मुनीलकुमार, एस, प्रकाश, सी और पवार, एनए (2019) ने लो पीएच के संपर्क में लेबी रोहिता किशोर की वृद्धि, प्रतिरक्षा और शारीरिक स्थिति पर आहार पर्यायवाची पूरकता का प्रभाव डाला। तनाव, मछली और शोलफिश इप्यूनोलॉजी, 91: 358-368।
41. एसके संगमा, पी भट्टाचार्जी, पी पाल (2019) लंबाई-वजन संबंध, आंत और गैस्ट्रो की सापेक्ष लंबाई-चंदा नाम का दैहिक सूचकांक (हैमिल्टन, 1822) और त्रिपुरा, भारत से त्रिचोगेस्टर लिटस (हैमिल्टन, 1822)। एन्टोमोलॉजी और जूलॉजी अध्ययन जर्नल; 7 (3): 737-742
42. टी एन विनय, एन.बी.टी. कुमार, टी जी चौधरी, एस गिरीशा, एस अवंजे और पी.के. पाटिल। 2019. मछली के लिए मौखिक टीके विकसित करने के लिए संयंत्र आनुवंशिक इंजीनियरिंग की क्षमता: अवधारणा। जे। एक्स्प। जूल। भारत। 22 (1)।
43. तिवारी, ए, उपाध्याय, ए डी प्रियदर्शी, एच, पांडे, ए.के., घोष, आर। (2019)। भारतीय कैटफिश के फाइलोजेनेटिक्स मिटोकोंड्रियल साइटोक्रोम बी अनुक्रमों से अनुमान लगाया गया। जूलोजिंगल सोसायटी 18 (2) 21-30।
44. तोको यमीन, ए सरकार, पी पाल, पी विश्वास, वाई जे सिंह (2019) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा-एक्वाकल्चर कन्वर्जेस: त्रिपुरा, भारत का पहला अनुभव। अनुसंधान में अग्रिम। .19 (2), 1-15
45. त्रिपाठी पी एस, देवी एन सी, परी जे, प्रियदर्शी एच, पटेल ए बी, पांडे पी के और मंडल एस सी। (2019)। कैप्टिव कंडीशन के तहत क्वीन लोच, बोटिया डारियो (हैमिल्टन, 1822) के प्राकृतिक कैरोटीनॉयड-आधारित रंजकता के आणविक तंत्र। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 9: अनुच्छेद संख्या: 12585।
46. वांगखोराकपम, आर.एम., महानंद, एस.एस., मजूमदार, आर.के., शर्मा, एस।, हिंडगमयम, डी.डी. और नेताम, एस। 2019। मछली के प्रोटीन के संदर्भ में मछली के अपशिष्ट का उपयोग। मत्स्य प्रौद्योगिकी, 56: 169: 178।

81.4. स्नात्कोत्तर अध्ययन कालेज, बारापानी, मेघालय

1. बी नांगबरी; सिंह, राम फिरोज, एस.एम.य देवरानी, एल; हेमोचंद्र, एल (2019)। 'मेघालय में चावल की उपलब्धता पर सरकारी हस्तक्षेप और उसका प्रभाव: एक आत्मनिरीक्षण अध्ययन' नवंबर 2019, वॉल्यूम 7 (11), पीपीपी: 1-6, आईएसएसएन (प्रिंट): 2320-9828
2. बाई कोयू, सिंह, आरजे, देवरानी, एल, सिंह, राम और हेमोचंद्र, एल। (2019) 'एप्पल के वर्तमान अभ्यास के पैकेज पर अरुणाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों के ज्ञान के स्तर को मापने के लिए ज्ञान परीक्षण का निर्माण। एप्लाइड साइंस के वर्तमान जर्नल और प्रौद्योगिकी, 34 (1), पीपी: 1-6, 2019, आईएसएसएन: 2457-1024।
3. बाई कोयू, सिंह, आरजे, देवरानी, एल, सिंह, राम और हेमोचंद्र, एल। (2019) 'अरुणाचल प्रदेश में बड़ी इलायची संवर्धन प्रथाओं पर ज्ञान परीक्षण का निर्माण' अनुसंधान में अग्रिम, 18 (3: pp.1)-6, 2019, ISSN: 2348-0394



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

4. बप्सिला लोइतोन्गबम, मयंक राय, विरचा त्यागी, राधाकृशोर नोंगमीथेम, लालडिन्ट्लुलांगा रेटहेली (2019)। प्रजनन चरण में कम तापमान सहिष्णुता के लिए चावल (ऑरिजा सैटिवा एल।) जर्मप्लाज्म में आनुवंशिक विविधता और पराग व्यवहार्यता का आकलन। इंडियन जर्नल ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्स 32 (3), 340-346
5. भंडारी ए, जायसवाल पी, यादव एन. राय एम. सिंह एनके (2019) जीनोमिक्स-सहायक बैकबॉस प्रजनन चावल की उच्च उपज वाली हरे रंग की झाँति किस्मों में जलवायु लचीलापन को संक्रमित करने के लिए। 160-170।
6. चानू, पी.एच., बोरा, पी.के., ठाकुरिया, डी। और राम, वी। 2019। मेघालय, भारत की अम्लीय मिट्टी के विभिन्न एकत्रित तत्वों पर भूमि उपयोग के प्रकार का प्रभाव। इंट। जे। रसायन। अध्ययन, 7 (1): 1819-1823।
7. दास, एस, बोरा, पी के और कात्रे, पी 2019। नोंगपोह वाटरशेड के लिए मृदा पात्रता सूचकांक का निर्धारण और मानचित्रण। भारतीय जर्नल पर्वतीय खेती, 32 (1): 27-33।
8. दोखर, एस। ई।, देवरानी, एल एंड सिंह, आर, (2019) 'मेघालय के केवीके द्वारा प्रदान की गई विस्तार सेवाओं की ग्राहक संतुष्टि'। एप्लाइड विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान जर्नल, 34 (5) 2019, स्नातकोत्तर: 1-12।
9. दत्ता, प्रणब; कुमारी, ए; फुकेन, जी; सैकिया बी; राव एम एस और भौमिक, पी; (2020) काले चने के प्रबंधन के लिए एकीकृत प्रबंधन मॉड्यूल, असम का विग्रा मुँगो रोग। एनवेट के जे। जूलॉजी (प्रेस में)।
10. दिलीप ए, सिंह आर जे, फिरोज एस एम, हेमोचंद्र एल और चौहान जे के (2019) 'भारत के मेघालय के पर्वतीय कृषि में जलवायु परिवर्तन के लिए शमन और अनुकूलन पर हितधारक विश्लेषण, माइक्रोबियल के एशियाई जूनियर। बायोटेक। 2019. इं। एससी, वॉल्यूम। 21 (3) पीपी 192-197
11. दम्पतिप, ए, सिंह, आर जे; हेमोचंद्र, एल और सिंह, राम (2019) 'मेघालय के कृषि-जलवायु क्षेत्रों में जलवायु-स्मार्ट कृषि अभ्यास: एक सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण' अनुप्रयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान जर्नल, 36 (6): पृष्ठ.18, 2019, ISSN: 2457-1024
12. फिरोज, एस.एम.; रे, लाला आइ पी सिंह, जे और सिंह, राम (2019) 'पास्टर याक पालन प्रणाली जलवायु परिवर्तन के साथ बदल रही है: पूर्वी हिमालय में उत्तरी सिक्किम की खोज' जलवायु परिवर्तन, पीपी: 1-18, आईएसएसएन 0165-0009, डीओआई 10.1007/s10584-019-02551-1
13. फिरोज, एसएम; रहमान एस; सिंह केजे; सिंह, राम और दोखर, एसई (2019) 'भारत के उत्तर पूर्वी पहाड़ियों में डेयरी पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव' भारतीय पशु विज्ञान 89 (2): 176-181, फरवरी 2019
14. फिरोज, एस म; सिंह, राम और सिरोही, स्मिता (2019) 'दूध उत्पादन का अर्थशास्त्र और मेघालय में दूध की पैदावार को प्रभावित करने वाले कारक: मौसमी प्रभाव का अनुमान' भारतीय जे डेयरी विज्ञान 72 (3) पीपी: 328-335, आईएसएसएन, 0019-5146,
15. जी.एन. हेगडे, देवरानी एल, लाहिडी बी।, दत्ता के.के. और हेमोचंद्र एल (2019) 'बाल बहुआयामी गरीबी और गारो हिल्स, मेघालय के ग्रामीण फार्म-हाउसों में इसके निर्धारक' आर्थिक मामले 2019, वॉल्यूम। 64 (2), पृष्ठ: 459-467
16. गुप्ता, आरा, राय, ए.पी. और संजय-स्वामी (2019)। जम्मू के उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में प्याज की खेती के तहत एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन से प्रभावित मृदा एंजाइम, माइक्रोबियल बायोमास कार्बन और माइक्रोबियल आबादी। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका, 8 (3): 194-199। पी-आईएसएसएन: 2349-8234, ई-आईएसएसएन: 2278-4136।
17. गुप्ता, आर, संजय-स्वामी और राय, ए.पी. (2019)। वर्मीकम्पोस्ट, फार्मर्यार्ड खाद और ओकरा (एबेलमोसस एस्कुलेंट्स एल।) प्रदर्शन और मिट्टी जैव रासायनिक गुणों पर रासायनिक उर्वरकों के एकीकृत अनुप्रयोग का प्रभाव। 7 (2): 1714-1718। पी-आईएसएसएन: 2349-8528, ई-आईएसएसएन: 3221-4902।
18. गुर्जर, जी.एन. और संजय-स्वामी (2019)। घाटी क्षेत्रों की एकीकृत खेती प्रणाली: खाद्य और पोषण सुरक्षा। इंट। जे। रसायन। अध्ययन, 7 (2): 773-778। पी-आईएसएसएन: 2349-8528, ई-आईएसएसएन: 3221-4902।
19. गुर्जर, जी.एन. और संजय-स्वामी (2019)। जलवायु परिवर्तन के तहत मिट्टी का सतत प्रबंधन: शमन दृष्टिकोण। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका, 8 (2): 1937-1941। पी-आईएसएसएन: 2349-8234, ई-आईएसएसएन: 2278-4136।
20. गुर्जर, जी.एन., राम, वी और संजय-स्वामी (2019)। मेघालय में मृदा कीमो-जैविक गुणों और चावल-आलू प्रणाली के अर्थशास्त्र पर जैविक धास और रोपण तिथि का प्रभाव। इंट। जे। रसायन। अध्ययन, 7 (2): 779-783। पी-आईएसएसएन: 2349-8528,



ई-आईएसएसएन: 3221-4902

21. एच। सुप्रिया देवी, विकास सिंह और हेमोचंद्र एल (2019) 'तारो में बहुभिन्नरूपी विश्लेषण [Colocasia esculenta (L-) Schott]' इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग, वाल्यूम 32 (1), पृष्ठ: 1-4)
22. हाजोंग, एम, राजेश, टी, तॉमबिसाना देवी, आर.के., ठाकुरिया, डी, राय, एम, बीटर, जी टी।, रिंबाई, एच, देवबर्मा, एम और नांगथोम्बम, ओ.डी. (2019) प्रारंभिक ब्लाइट (अल्टरनेरिया सोलानी (एलिस और मार्टिन)) की पत्ती की सतह की फफूंदी (टमाटर और सोलनम लाइकोपर्सिकम (एल)) के संक्रमित और गैर-संक्रमित पत्ते। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 8 (7): 521-529।
23. हताई एलडी और नोरेन एसके (2019)। मेघालय, भारत के पश्चिम गारो पहाड़ियों में आदिवासी किसानों के कृषि हस्तक्षेप के सामाजिक-आर्थिक स्थिति और लाभ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 8: 1554-1563।
24. हुसैन शाह मुस्ताहिद, पाठक महेश, साहा आरके और सिंह हेमा। 2019. कम्पोजिट फिश कल्चर सिस्टम: अरुणाचल प्रदेश के सियांग बेल्ट के आदिवासी किसानों के लिए एक उपयुक्त मछली पालन प्रौद्योगिकी। 22 (1): 71-75।
25. जे.एम. मावोह, एल.आई.पी. रे, ए.के. सिंह, एनजे सिंह और आर.एस. धिव्या (2019)। उत्तर पूर्वी भारत में जैविक आदानों के साथ आलू (सोलनम ट्यूबरोसम एल।) का प्रदर्शन। ई-प्लैनेट 17 (2): 117-122।
26. ज्योति एसएसपी, देवरानी, लौखम, सिंह, केएन, सिंह, राम, सिंह, आरजे, हेमोचंद्र, एल।, सिंह, एम। के। और राम, डी। (2019) 'सीएयू-आर सीरीज के डिफ्यूजन में हितधारकों का प्राथमिकताकरण। मणिपुर में विविधताएं, आर्थिक मामले, वॉल्यूम। 64, नंबर 2, पृष्ठ। 271-280, जून, 2019
27. केमरीन, ए। सेठी, बी सिंह, राम, देवरानी, एल। और हेमोचंद्र, एल। (2019) 'मणिपुर में ब्रायलर पक्षियों का विपणन' हिल जर्नलिंग का भारतीय जर्नल, जून 2019, 32 (1), पृष्ठ 46 -49
28. कोयू बी, सिंह आरजे, देवरानी एल, सिंह आर एंड हेमोचंद्र एल (2019) 'सेब के प्रथाओं के पैकेज पर अरुणाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों के ज्ञान के स्तर को मापने के लिए ज्ञान परीक्षण का समन्वय' वर्तमान जर्नल ऑफ एप्पी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 34 (1) 2019, पृष्ठ: 1-6।
29. कोयू, बी; सिंह, आरजेय देवरानी, एल; सिंह, राम और एल। हेमोचंद्र (2019) 'कीवी के प्रैविट्स के पैकेज पर अरुणाचल प्रदेश के कीवी उत्पादकों के परीक्षण ज्ञान स्तर के लिए एक बौद्धिक सीखने के पैमाने का विकास' एप्लाइड साइंस और प्रौद्योगिकी के वर्तमान जूनियर। 32 (6): 1-6, 2019; अनुच्छेद क्रमांक. JAST.47094 ISSN: 2457-1024
30. कृष्णकुमार एस और पी बालासुब्रमण्यम, 2019 साइट्स की जड़ पर पहली रिपोर्ट-मेघालय में खासी मंदारिन नारंगी पर मेलाटोगिनिन इडिका, एंटोमोलॉजी और जूलॉजी: 7, 418-419 लागू।
31. कुरकलंग, एस.एम.य सिंह, ए.के. 2020. मक्का + फलीदार नाइट्रोजन के विभिन्न स्तरों पर परस्पर प्रतिक्रिया। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका, 9 (1): 2214-19।
32. लारिनफेली, आर, बीहर, जी.टी., फिरेक, डी.एम., शर्मा, बी, बनर्जी, ए। और राजेश, टी। (2019) मेघालय के मिड-हिल्स में कोल क्रॉप कीट कीटों के प्राकृतिक दुश्मनों के लिए डीएनए बारकोड का विकास। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका, 8 (4): 1506-1512।
33. लारिनफेली, आर।, बीहर, जी.टी., फिरेक, डी.एम., शर्मा, बी, बनर्जी, ए। और राजेश, टी। (2019) मेघालय के मध्य पर्वतीय भाग में कोल क्रॉप कीट कीटों के प्राकृतिक दुश्मनों की जैव विविधता। केमिकल स्टडीज के अंतर्राष्ट्रीयजोरनाल, 7 (4): 754-758।
34. लारिनफेली, आर, बीहर, जी.टी., फिरेक, डी.एम., शर्मा, बी, बनर्जी, ए। और राजेश, टी। (2019) मेघालय के मध्य पर्वतीय भाग में कोल क्रॉप्स के कीटों की जैव विविधता। फार्मा इनोवेशन जर्नल, 8 (6): 211-215।
35. एम। चिंगलेन, सिंह, राम और फिरोज, एसएम (2019) 'भारत के मणिपुर राज्य में मछली में मूल्यवर्धन का अर्थशास्त्र: अनुभवजन्य विश्लेषण' मत्स्य अनुसंधान, 3 (1): पृष्ठ 18-15।
36. एम विक्टोरिया, देवरानी एल, सिंह आर.जे. और एल.हेमचंद्र (2019) 'मणिपुर, भारत के कृषि युगों के बीच सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग।' करेंट जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 2019, Vol.38 (6), पीपी: 1-10।
37. मरियप्पन एस बी, खाती पी, बैकलक्ष्मी सी और सेन डी (2019)। भारत के उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र (एनईएचआर) की अम्लीय मिट्टी की स्थितियों के तहत क्यूपीएम परिवारों को अलग करने में हार्ड एंडोस्पर्म और



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- ट्रिप्टोफैन सामग्री पर आनुवंशिक अध्ययन। मक्का जर्नल। 8 (1): 1-7
38. मार्किन्टी एस लिंगदोह, नोरेम जानकी सिंह, डी ठाकुरिया, विश्राम राम, लाला आई.पी. रे और के ममोचा सिंह (2019)। मेघालय के पूर्वी जैतिया हिल्स की मिट्टी की अम्लता सूचकांकों और उर्वरता पर टोपोलॉजिकल सेटिंग्स का प्रभाव। एशियाई जर्नल मृदा विज्ञान। (जून और दिसम्बर।, 2019) 14 (1 और 2): 20-21
39. ओइनम टर्मरिक, चौहान जे.के., सिंह आर.जे. और सिंह राम (2019) 'ग्रामीण युवा किसानों की सूचना की जरूरत और व्यवहार की तलाश में मोबाइल फोन के आवेदन का कोरल' भारतीय रेस। जर्नल एक्स्ट। शिक्षा (2019) पृष्ठ: 2-3
40. ओइनम टर्मरिक, चौहान जे.के., सिंह आर.जे., देवरानी एलएंड हेमोचंद्र एल। (2019) 'खेती में मोबाइल फोन के अनुप्रयोग का विस्तार और बाधाओं की बुद्धिमान तुलना,' विस्तार शिक्षा के जर्नल, अंक 3 (2019) पृष्ठ 177-179
41. पी एम एन रानी, ए कोले और के दत्ता, 'टर्नरी डिसिजन आरेख (टीडीडी) आधारित सिंथेसिस एप्रोच फॉर टर्नरी लॉजिक सर्किट्स', जर्नल ऑफ द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया): सीरीज बी, स्प्रिंगर। अंक 100, नंबर 3, पृष्ठ। 295-307, जून, 2019।
42. पीएमएन रानी, एल। मारबानियांग, एम। हेगाप्रस्त और के। दत्ता, 'एक बेहतर टर्नरी लॉजिकसिथेसिस अप्रोच का उपयोग टर्नरी मैक्स-मिन बीजगणित', एडवांस्डडॉट मैनेजमेंट एंड सिस्टम्स के जर्नल, अंक 6, नंबर 2, पृष्ठ. 40-40 47, जुलाई, 2019।
43. पांडे ए, निवेदिता एस, भारद्वाज आर, राठी आरएस, सिंह आर एंड पासहा एस (2019) 'मेघालय के एक होनहार जड़ कंद-उत्पादक फसल,' सो-फलांग '(फ्लेमिंग प्रोकंबेंस रोक्सब, फैब्रेसी) का अध्ययन।, भारत 'आनुवंशिक परिवर्तन और फसल विकास, एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 60 नंबर 6, स्नातकोत्तर। 555-565।
44. रानी डब्ल्यू, नोरेन एसके, राय एम, त्यागी डब्ल्यू और खन्ना बीके (2019)। SSR मार्करों का उपयोग करके कुछ सुगंधित चावल (ऑरिजा सैटिवा एल) जीनोटाइप के आणविक विविधता विश्लेषण। कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 11: 8713-8718
45. रानी डब्ल्यू, नोरेन एसके, राय आर, त्यागी डब्ल्यू और खन्ना बीके (2019)। भौतिक-रासायनिक विशेषताओं और सुगंधित चावल (*Oryza sativa L.*) जीनोटाइप के पोषण संबंधी गुणवत्ता विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, 79 (4): 641-650
46. रे, लाला आई पी; बोरा, पी.के., सिंह, ए.के.य राम सिंह और फिरोज, एस.एम. 2019. मेघालय के चावल आधारित फसल प्रणाली की योजना बनाने में शुष्क और गीला वर्षा की संभावना। जर्नल ऑफ एग्रोमेटोरोलॉजी 21: 8-17।
47. रॉबिन, एल और बोरा, पी.के. 2019. पहाड़ी ढलानों पर उपयुक्तता के लिए हॉर्टन और संशोधित कोस्तियाकोव घुसपैठ मॉडल का मूल्यांकन। भारतीय जर्नल हिल खेती, 32 (2): 274-278
48. रोजीत थंगजम, वेरोनिका कदम, कैनेडी निंगथौजम और मारेना सोरो खिबम, जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। असम की होवरफ्लाइज (डिप्टेरा: सिरफिदे): नए रिकॉर्ड और पतली विविधता, जैईजेडएस 2019, 7 (4); 965969 है
49. सेलो, बी और संजय-स्वामी (2019)। मेघालय की जर्यांतिया पहाड़ियों की भारी धातु प्रदूषित मिट्टी में अवशिष्ट फॉस्फोरस के साथ मटर (पिसम सैटिवम एल) का प्रदर्शन। इंट। जे। रसायन। अध्ययन, 7 (3): 3270-3273। पी-आईएसएसएन: 2349-8528, ई-आईएसएसएन: 3221-4902।
50. सांभोरलांग के वैंगियांग, ए.के. सिंह, बी राम, अनूप दास, लाला आई.पी. रे और एन जानकी सिंह (2019)। सब्जी मटर में मक्का की सफल होने से उपज, सब्जी, मटर में जैविक और अकार्बनिक पोषक तत्व के अनुप्रयोग का प्रभाव-मक्का की फसल का क्रम, जून 2019 का इंडियन जर्नल, विशेष अंक, पृष्ठ 94-101।
51. संजय-स्वामी (2019)। उत्तर-पश्चिम हिमालय के पुछ जिले में मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के पारंपरिक तरीके। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (2): 764-767। पी-आईएसएसएन: 2349-8528, ई-आईएसएसएन: 3221-4902।
52. संजय-स्वामी और शर्मा, एम। (2019)। उत्तर-पश्चिमी हिमालय के पुछ जिले में चारा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संभावित बारहमासी घास की मूल्यांकन। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च एडवांस, 1 (1): 26-28।
53. संजय-स्वामी और सिंह, एस। (2019)। अम्लीय मिट्टी की उत्पादन क्षमता कम होना: चावल पर अजोला (अजोला पिनाटा) जैव-उत्पादक और यूरिया का प्रभाव (ओरिजा सैटिवा एल।) प्रदर्शन, लौकिक मिट्टी पी उपलब्धता और अम्लता सूचकांक। दक्षिण एशियाई अनुसंधान जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फिशरीज, 01



- (01): 01-07। पी-आईएसएसएन: 2664-4010 और ओपन एक्सेस।
54. संजय-स्वामी और सिंह, एस (2020)। मेघालय की अस्तीय मिटी में उपज, यूरिया और एजोला के माध्यम से नाइट्रोजन आवेदन का प्रभाव, चावल के पोषक तत्व और मिट्टी की अम्लता सूचकांक। पर्यावरण जीवविज्ञान जर्नल, 41 (1): 139-146। पी-आईएसएसएन: 0254-8704, ई-आईएसएसएन: 2394-0379।
55. संजय-स्वामी, बजाया, बी.आर. और गुर्जर, जी.एन. (2019) है। जम्मू, जम्मू और कश्मीर के उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में चर बुवाई तिथियों के तहत ड्यूरम गेहूं (ट्रिटिकम ड्यूरम) जीनोटाइप का प्रदर्शन। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल माइक्रोबायोलॉजी विज्ञान, 8 (03): 760-765। doi.org/10.20546/ijemas.2019.803.093
56. संजय-स्वामी, मौर्य, ए। और यादव, ओ.एस. (2019) है। भारत के उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र में तिलहन की पर्याप्तता की ओर: अम्लिय मिट्टी में तिलहन उत्पादन में वृद्धि। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल रसायन। अध्ययन, 7 (2): 768-772। पी-आईएसएसएन: 2349-8528, ई-आईएसएसएन: 3221-4902।
57. सेडेनो सी, चौधारी ए, दत्ता केके, देवरानी एल और हेमोचंद्र एल (2019) 'मिल्क मार्किंग इन नागालैंड' इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग Vol.32 (1): पीपी: 42-45
58. सेनापति, डी; दत्ता, एस; और दत्ता प्रणब (2020) भूट जोलोकिया (कैपिसिकम कैसर जैक) के फलों की सड़ांध का प्रबंधन जैविक अनुमोदन के साथ कलेरिकम गेलोस्पोरियोइड्स का कारण बना। एनवेट के जे। जूलॉजी (प्रेस में)
59. सिंह, राम फिरोज, एस.एम. (2019) 'भारत के उत्तर पूर्व पहाड़ी क्षेत्र के त्रिपुरा राज्य में चावल के गहनता और आर्थिक सुरक्षा की प्रणाली का विकास' ई-ग्रह, पृष्ठ 5-13, आईएसएनएन: 09-44-43 9
60. सिंह, राम; चौहान, जेके और फिरोज, एसएम (2019) 'मेघालय में अदरक की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन-अनुभवजन्य विश्लेषण' भारतीय शोध जर्नल 19 (2 और 3), अप्रैल और जुलाई, 2019
61. सिंह, वाई.एस., निंगथौजम, के, नाकामबम, एस, आजाद ठाकुर, एन.एस., राजेश, टी, टॉमबिसाना, आर.के. और बालासुब्रमण्यम, पी। 2019. विभिन्न अर्ध सिंथेटिक आहार पर हेलिकोवेरेपा आर्मिंगेरे के जीव विज्ञान पर अध्ययन। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी। 7 (1): 709-712
62. एसएसपी ज्योति और देवरानी एल (2019) 'मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में सीएयू-आर 1 किस्म के प्रसार और अंगीकरण पर किसानों के संचार विश्लेषण।' एप्लाइड विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान जर्नल, 36 (1) 2019, स्नातकोत्तर: 1-17।
63. एसएसपी ज्योति, देवरानी एल, सिंह के एन, सिंह आर, सिंह आर। जे, हेमोचंद्र एल, सिंह एम। के। एंड राम डे (2019) 'मणिपुर में सीएयू-आर सीरीज किस्मों के प्रसार में हितधारकों का प्राथमिकताकरण।' आर्थिक मामला। Vol. 64 (2) जून 2019, स्नातकोत्तर। 271-280।
64. तबरेज एस, चौधरी, ए, दत्त केके, फिरोज एसएम, देवरानी एल और हेमोचंद्र (2019) 'मेघालय के री-ब्याई जिले में आय, व्यय और परिसंपत्तियों पर मनरेगा का प्रभाव' इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग, Vol.32 (1), पीपी: 37-41।
65. तमांग, बी और संजय-स्वामी (2019)। एसिड इनसेप्सिटॉल में फास्फोरस और सल्फर की अस्थायी उपलब्धता के रूप में काले चने के तहत पी और एस के वर्गीकृत आवेदन (विग्न मुंगो एल। हेपर) के उत्पादन से प्रभावित है। लेग्यूम रिसर्च: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, ISSN प्रिंट करें: 0250-5371 / ऑनलाइन ISSN: 0976-0571, DOI: 10.18805 / LR-4127
66. थंगजम डी, चौहान जे के, सिंह आर जे, सिंह आर, हेमोचंद्र एल और देवरानी एल (2019) 'आदिवासी किसानों की आजीविका सुरक्षा से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे का निर्धारण करने के लिए युग्मित तुलना तकनीक की विधि लागू करना। अनुप्रयोग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान जर्नल, 34 (6) 2019: पृष्ठ: 1-7।
67. मेघालय में आदिवासी उप योजना के तहत आदिवासी किसानों की कृषि आजीविका सुरक्षा का मूल्यांकन थंगजम डी, चौहान जे के, सिंह आर जे, हेमोचंद्र एल, सिंह आर और देवरानी एल (2019) ने किया। इंडियन शोध। शिक्षा 19 (4), (अक्टूबर, 2019)
68. थंगजाम, आर।, वेरोनिका, के।, निंगथौजम, के। और एम। सोरोखिबम (2019)। असम की होवरफ्लाइज (डिप्टरेशन: सिरफिदे): नए रिकॉर्ड और उनकी विविधता। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। 7 (4): 965-969।
69. वेरोनिका कदम, रोजीत थंगजाम, एम। पाठक और ए.के. मुखोपाध्याय पर्ण निमेटोड, संक्रामक कंद का प्रबंधन, पश्चिम बंगाल, भारत में पोलियंथेस ट्यूबरोरा, जीव विज्ञान-जर्नल



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

70. वेरोनिका कदम, आर.के. पाटीदार, रोजीत थंगजाम, एम पाठक और ए.के. मुखोपाध्याय (2020)। पर्ण निमेटोड का प्रबंधन, एपेलेनचोइड्स बेसेडी संक्रामक कंदरा, पश्चिम बंगाल, भारत में पोलियंथेस ट्यूबरोसा। पर्यावरण जीवविज्ञान के जर्नल।
71. बान्यांग, एस.; सिंह, ए के; राम, बी।; अनूप दास, रे, लाला, आई पी और सिंह, एन.जे. 2019। सब्जी मटर में मक्का को सफल बनाने से विकास, उपज और शुद्ध रिटर्न पर जैविक और अकार्बनिक पोषक तत्व के प्रभाव का विकास होता है। इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग: 94-101।
72. यादव, ओ.एस. और संजय-स्वामी (2019)। एक घटक के रूप में बायोचार के साथ एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के तहत एसिड मिट्टी में टमाटर (सोलनम लाइकोपरसिकम एल।) का प्रदर्शन। इंट। जे। कूरा। माइक्रोबायोल। ऐप। विज्ञान। 8 (05): 793-803।
73. योम्चा, एम। फिरोज, एस.एम. रिम्बाई, डी। सिंह, राम (2019) 'भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की राज्य स्तर की कृषि भेदव्यता' इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग, जून 2019, 32 (1), पृष्ठ: 96-103, आईएसएसएन: 0970-6429
4. बी। कोंवर, एच। ब्यान, के। सरमा, और डी। तालुकदार। (2020)। कुत्ते में भण ममीकरण का प्रबंधन। पशुधान अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 10 (3): 212-217
5. बी। कोंवर, एल। चांग, बी। सैकिया, एम। सी। ललियांचुंगा, के। सरमा और आर। पॉल। (2019) है। खरगोशों में पोस्टऑपरेटिव इंट्रा-पैट के आसंजन को रोकने के लिए हनी का इंट्रापेरिटोनियल अनुप्रयोग। पशुधन अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 9 (9): 122-129।
6. बर्मन, एस, ए के सामंता, ए.के., बीरेन दास, बी के, गोस्वामी, आर, गाली, जे एम आर और पी चंद्रिमा देवी, पी। (2019) एलोवेरा और लैक्टोबैसिलस एसिडोफिल्यूसन विकास प्रदर्शन, पोषक तत्वों का उपयोग और ब्रॉयलर पक्षियों के शब्द लक्षण के आहार अनुपूरक का प्रभाव। पशुधन अनुसंधान का आंतरिक जर्नल, 9 (5): 102-112।
7. बेहरा एस के, फूल के और गाली जे.एम. (2019)। एक कुत्ते के इंटास पॉलीविट (2019) वॉल्यूम में डायबिटिक कंटोसिस के साथ इंडियोपैथिक पतला कार्डियोमायोपैथी के चिकित्सीय प्रबंधन। 20 (आई): 170-173।
8. बेहरा, पी, निखिल, केसी, कुमार, ए, गाली, जे.एम डे, ए, मोहनी, एके, अली, एमए शर्मा, बी। 2020. साल्मोनेला टाइफ्यूरियम जंगली प्रकार और इसके आइसोजेनिक एनएनआर नल का तुलनात्मक प्रोटोटोम विश्लेषण एनारोबायोसिस के दौरान उत्परिवर्ती बैक्टीरिया चयापचय और पौरुष में नई अंतर्रूप्ति प्रकट करता है। माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस। 140: 103936।
9. धौमिक, ए, दास, जी, प्रसाद, एच, सरमा, के, सैम, ए.के., देवनाथ, बी, चौधरी, जे के, देवनाथ, पी, देबबर्मा, ए और ठाकुर, एम। (2019) है। गायों के फेड में खनिज और इलेक्ट्रोलाइट्स की स्थिति दूध के बुखार की रोकथाम में प्री-पार्टुम अवधि में अनियन लवण के साथ पूरक है। Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci 8 (7): 2530-2536
10. विस्वदीप बेहरा और स्वरूप देवरौय प्रसेनजित देवनाथ, कल्याण सरमा, राहुल सिंह आर्य, चेतन जीई, बसंता सैकिया, एच प्रसाद, जे.बी. राजेश, जितेंद्र कुमार चौधरी, अल्बर्ट देबबर्मा, अरिंदम धौमिक, ओ कुपमी फूल (2019)। सूकरों में सरकोप्टेसकैबैड वार सूझस इन्फेक्शन का सर्पोप्रवलंस और डर्मेटोपैथोलॉजी। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च। 3908: 1-6
11. बोरपुजारी, डी, अहमद, एफए, लालिंटलुंगा, के, अली, एमए, तालुकदार, डी, दास, जी, सरमा, के 2019। डिम्बग्रंथि के प्रसव के बाद प्रसव के संबंध में रक्त



- चयापचय सांद्रता और शरीर की स्थिति स्कोर क्रॉसब्रेड गायों में चक्रीयता। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज, 89 (7): 741-745।
12. बुगोहिन आर, राजखोवा टी.के. (2019) है। विकास, पोषक तत्वों के उपयोग और ब्रायलर के अर्थशास्त्र ने मिजोरम, भारत में पारंपरिक फीड-सामान के विकल्प के रूप में टिथोनीडाइवसिफोलिया फूल भोजन (टीडीएफएम) खिलाया। भारतीय जे। एनिमेटेड। रेस, 53 (3) 2019: 349-354।
13. सी लालमुंथांगा, डीसी रॉय, एम अयूब अली, आरके रॉय, यादव सरमा, पी बोराह, एस तमुली और लोंजम शांताबी (2019): एबेलमोसस मोस्कैटस की इन विट्रो एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि। अंतराष्ट्रीय रसायन जर्नल 2019 के जे 7 (3): 3513-3515
14. सी लालमुंथांगा, डीसी रॉय, आरके रॉय, यादव सरमा, पी बोराह, एस तमुली, हमरथनसांगा, लोंजम शांताबी, एल इनातोम्बी देवी और एम अयूब अली (2019): ब्लीम लांसोलारिया के मेथनॉलिक अर्क की एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि। अंतराष्ट्रीय रसायन जर्नल। 7 (3): 3546-3548
15. चामनिगोंगलीलु गोनमेर्ई एन और सूरज सिंह रेबेका लालमुनपुई, एच प्रसाद कल्याण सरमा, चेतन जी ई, बेदांगा कोंवर, एस के बेहरा, बसंत सैकिया, जे.बी राजेश, आर रविंद्रन, निराली पीयूष शाह (2019)। कुत्तों में मूत्र पथ के रोगों का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन और अन्य नैदानिक प्रक्रियाओं के साथ इसका संबंध। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडी 7 (5): 1384-1399
16. चौधरी जेके, वर्मा एमआर, केशखंडकर शशांक (2020), 'डेयरी जानवरों में दूध उत्पादन पर प्रजातियों और जानवरों की उम्र के प्रभाव पर एक अनुदैर्घ्य अध्ययन', इंडियन जर्नल ऑफ डेयरी साइंस। 7 (1): 94-96, ।
17. चिरोम निशिता देवी, सोनजॉय कुमार, बोरठाकुर, गौतमपत्र, टी.सी. टॉलेनथोम्बा, आर। रविंद्रन, सुभमीय घोष (2019) भारत में मणिपुरी टट्टुओं में त्वचीय हैन्नोनोसिस की घटना। वेटरनरी पैरासिटोलॉजी: रीजनल स्टडीज एंड रिपोर्ट्वैल्यूम 17, अगस्त 2019, 100295
18. चौधरी ओपी और प्रियंका (2019)। पालतू और जंगली जानवरों में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी को स्कैन करके बालों का फोरेंसिक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज 8 (2): 1028-1034
19. चौधरी ओपी, कलिता पीसी, डेली पीजे, कलिता ए और केनेसेनुओ (2019)। मिजोरम के स्थानीय सुअर (जोवाक) के कपाल गुहा, नाक गुहा, दंत चिकित्सा और साइंस के सकल, रेडियोग्राफिक और कंप्यूटेड टोमोग्राफिक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ वेटरनरी एनाटॉमी 31 (2): 108-110।
20. चौधरी ओपी, कलिता पीसी, कलिता ए, डेली पीजे और आर्य आरएस। (2019) है। मिजोरम बकरियों की कपाल हड्डियों पर मॉर्फोलॉजिकल अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ स्मॉल रिनिमेंट्स 25 (1): 128-130
21. चुटिया टी, अहमद एफ.ए., खवलिंग लालराल्दुंगांगा के, कलिता जी, गाली जे, रॉयचौधरी पी, मयेंगबम पी, और चौधरी जेके, 2019, वीर्य संग्रह के दौरान सुअर में प्रशिक्षण और कामेच्छा का आकलन, हरियाणा वीट: 58 (SI): 50-52।
22. चुटिया टी, अहमद एफ.ए., खलहंग ललरिंटलंगा के, कलिता जी।, गाली जे।, रॉयचौधरी पी।, मयेंगबम पी।, और चौधरी जे.के., 2019। विदेशी और क्रॉसबर्ड बोअर्स, हरियाणा वीट के सेमिनल कैरेक्टर का तुलनात्मक विश्लेषण: 58 (एसआई): 53-55
23. डी बोरपुजारी, एफए अहमद, के सरमा और डी तालुकदार (2019)। विशिष्ट गर्भाशय जड़ता: एक रानी में डिस्टोसिया का कारण। रासायनिक अध्ययन के अंतराष्ट्रीय जर्नल। 7 (4): 304-305
24. दास एम, मोतीना ई, डेका डी, सिंह एनएस, दत्ता टीके, रॉयचौधरी पी और चक्रवर्ती एस (2019)। आइजौल और इफाल की रिटायर्ड कसाई की दुकानों में रॉ पोर्क के बकरोलॉजिकल क्वालिटी। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 5 (5)। कवप: 10.20546 / ijcmas-2018.705.xx
25. दास, एच, अली, एम ए, गाली, जे आर, बेहरा, पी कलिता, पी सी, कलिता, जी। 2019। मिजो स्थानीय सुअर (जोवाक) के रक्त चयापचयों की आसु पर निर्भरता। रासायनिक अध्ययन के अंतराष्ट्रीय जर्नल, 7 (4): 2451-2453।
26. डी ए, अली एम.ए. चुटिया टी, ओन्टेरू एस के, बेहरा पी, कलिता जी, सुदर्शन कुमार एस। और गाली जे.एम., 2019। तुलनात्मक सीरम प्रोटीम विश्लेषण से सूअरों में संभावित प्रारंभिक गर्भावस्था-विशिष्ट प्रोटीन बायोमार्कर का पता चलता है। प्रजनन, प्रजनन और विकास, 2019, 31, 613-631।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

27. डी, ए, दत्ता, टी के, अली, एम ए बेहरा, पी, गली, जे. एम. 2019। प्रजातियों के स्वतंत्र मूल्यांकन-स्वतंत्र सीरम पूर्व-विभाजन की रणनीतियों ने प्रोटीसम जटिलता को कम करने के लिए लागत प्रभावी तरीके प्रकट किए। विश्लेषणात्मक जैव रसायन, 584: 1-10।
28. देवजानी डेका, पी रॉयचौधरी, ई मोतिना और एच व्यान (2020)। मवेशियों की उत्पत्ति के लिस्टरिया मोनोसाइटोजेन्स में रोगाणुरोधी दवा प्रतिरोध का पता लगाना। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 8 (1): 2825-2829।
29. देवजानी डेका, आर गोस्वामी, एच व्यान एल हमार और जे.के. चौधरी (2019)। मिजोरम, भारत में पालन के गहन और पीछे थार्ड प्रणाली के तहत गिरिजा चिकन में न्यूकैसल रोग एंटीबॉडी स्तर का मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जेनेटिक्स, 11 (11): 664-666।
30. देवी, एल.आई., राल्टे, एल, हमार, एल अली, एम ए 2019. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा रोगियों का प्लाज्मा जैव रासायनिक प्रोफाइल। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 6 (6): 2774-2776।
31. धूरबज्योति बोरपुजारी, फजल अली अहमद, के लालिंटलुंगा, एम अयूब अली, दिव्यज्योति तालुकदार, गुजन दास और कल्याण सरमा। (2019) है। क्रॉसबोर्ड गायों में डिम्बग्रथि चक्रीयता के प्रसवोत्तर पुनः स्थापन के संबंध में रक्त चयापचय सांद्रता और शरीर की स्थिति स्कोर। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज 89 (7): 741-745।
32. दिव्यज्योति तालुकदार, डी मुरासिंग, एस एम नदाफ, ए काइना, के। कर्मा, जी कलिता और एफ ए अहमद। (2019) है। होलस्टीन-फ्रेशियन गाय और उसके चिकित्सीय प्रबंधन में वुल्वोवैजिनाइटिस। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज, 7 (2): 946-948।
33. दिव्यज्योति तालुकदार, धरुभज्योति बोरपुजारी, फजल अली अहमद और के लालिंटलुंगा। (2019) है। महिला प्रजनन पथ के शारीरिक दोष के लिए एक नैदानिक सहायता के रूप में अल्ट्रासाउंड़: एक अवलोकन। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज, 7 (2): 533-536।
34. दिव्यज्योति तालुकदार, सुष्मिता दास, एस एम नदाफ, डी मुरासिंग, यू बोरो, ए काइना, एफ ए अहमद और के। लालरंटुआंगा। (2019)। एक कुतिया में गर्भाशय ग्रीवा-योनि प्रोलैप्स का चिकित्सीय प्रबंधन। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज, 7 (5): 1332-1333।
35. दत्ता टीके, वंगछिया बीएल, रॉयचौधरी पी, राल्टे आरएल और सुबुद्धि पीके। (2019)। नैदानिक नमूनों से पोलीमरेज सर्पिल प्रतिक्रिया (पीएसआर) का उपयोग करके डायरिया से जुड़े ईंटर जीन का तेजी से दृश्य पता लगाना। इंडियन जर्नल ऑफ कंप्रेटिव माइक्रोबायोलॉजी, इम्योनलजी एण्ड इन्फेक्शन डिजीज। 40 (2): 90-94।
36. ई लालुथांगी और आर बरगौहिन। (2020)। मिकानिया माइक्रो कुन्थ का प्रभाव मिजोरम, भारत में बड़े व्हाइट यॉक्शायर सूअरों के प्रदर्शन पर प्रोटीन स्रोत के रूप में भोजन। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। 8 (1): 425-428।
37. फजल अली अहमद धूबा दास, निकिताशा बोरा, चंपक डेका, एलोन लुसी, कौशिक पोरन बोरदोलोई, अंकिता देबनाथ, दिलीप नामा, चेतन जीई, जेबी राजेश, कल्याण सरमा। (2019)। मॉंगरेल कुत्ते और उसके चिकित्सीय प्रबंधन में मधुमेह केटोसिस का एक मामला। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। 7 (5): 1238-1240।
38. गायकवाड़, सीके, डी, यूके, जाधव, एसई, चेतन, जीई, साहू, एनआर, मोंडल, डीबी, गौर, जीके, वर्मा, एमआर और चौधुरी, पी।, 2019। पेरिपार्टिएंट बोने के आहार में हेमोग्राम, लिपिड प्रोफाइल, लैप्टिन, ऑक्सीडेंट / एंटीऑक्सिडेंट असंतुलन, प्रदर्शन और नवजात पिगलेट मृत्यु दर को प्रभावित करता है। पशु चिकित्सा विज्ञान में शोध, पृष्ठ .25 (2019) 360-369।
39. एच बयान, देवजानी डेका, बी कोंवरंद बी सैकिया। (2019)। मिजोरम, भारत में पारंपरिक खेती प्रणाली के तहत शूकर में लंगड़ापन, संबद्ध जोखिम कारक और इसका प्रबंधन। 9 (2): 297-302।
40. जेबी राजेश, स्वराज राजखोवा, हृदयेश प्रसाद, चेतन जीई, जोसांगपुई, उमेश डिमरी। (2019)। उत्तर पूर्व भारत के सुअर खेतों में स्वास्थ्य संबंधी प्रबंधन कार्य जर्नल ऑफ एग्रीसर्च। 6 (1): 60-63।
41. जेबी राजेश, एस राजखोवा, यू डिमरी, एच प्रसाद, एनएच मोहन, एल हमार, के सरमा, जीई चेतन, पी बेहरा, जी जगनमोहनराव, एस बेहरा। (2020)। हेमाटो-जैव रासायनिक परिवर्तन और ऑक्सीडेटिव तनाव स्वाभाविक रूप से होने वाले पोर्सिन से जुड़े। सूअरों में कोरोना वाइरस संक्रमण। उष्णकटिबंधीय पशु स्वास्थ्य और उत्पादन। 3/3/2020।
42. जे.बी. राजेश, एस राजखोवा, यू डिमरी, एच प्रसाद, एसआर पेगु, पी सैकिया, जीई चेथन, जोसांगपुई, एम चौधरी, वाई अजीथ। (2019) है। भारत के उत्तर पूर्वी पहाड़ी राज्यों में पीसीबी2 का प्रसार इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज। 89 (2): 119-122।
43. के. जेसमीन, एच. प्रगति, चौधरी जे के और एम.एच.



- अल्ताफ (2019)। रेडी-टू-ईट चिकन स्टन पटिकाओं की गुणवत्ता पर साइट्रिक एसिड द्वारा मैरिनेशन का प्रभाव। उत्तर-पूर्व पशु चिकित्सक।
44. काकती, एल., कलिता, जी., हमार, एल., सामंता, ए., टोलेनखोम्बा, टी., दास, एच., और तालुकदार, डी। (2019)। शतावरी के आहार अनुपूरक का प्रभाव (एस्परागस रिसमोसस) बड़े सफेद यार्कशायर बोने के प्रजनन प्रदर्शन पर रूट पाउडर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइबस्टॉक रिसर्च, 9 (2), 110-113।
45. कलिता पीसी, कलिता ए, डेली पीजे, चौधरी ओपी, दास एच और देवरौय एस (2019)। मिजो स्थानीय सुअर (जोवाक) का जिगर और अग्न्याशयः एक हिस्टोमोर्फोलॉजिकल और हिस्टोकेमिकल विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइबस्टॉक रिसर्च, 9 (1): 150-156।
46. कलिता पीसी, सिंह टीएस, चौधरी ओपी, डेली पीजे और कलिता ए (2019)। मोरनोलॉजिकल और एप्लायोमेटिक स्टडीज ऑन द हेड एरिया ऑफ मलायन सन बियर (हेलारक्टोस चेरानस)। जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च 9 (5): 753-758।
47. केनेसेनू, चौधरी ओपी, आर्य आरएस, कलिता पीसी, डेली पीजे, राजखोवा टीके और कलिता ए (2019)। क्रेस्टेड सर्प ईंगल (स्पिलोर्निस चीला) और ब्राउन बुड उल्लू (स्ट्रिक्स लेप्टोग्रामिका) के ओएस कॉक्स पर तुलनात्मक सकल रूपात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च 9 (3): 439-442।
48. केनेसेनू, चौधरी ओपी, आर्य आरएस, कलिता पीसी, राजखोवा टीके, कलिता ए और डेली पीजे। (2019) है। क्रेस्टेड सर्प ईंगल (स्पिलोर्निस चीला) और ब्राउन बुड उल्लू (स्ट्रिक्स लेप्टोग्रामिका) के ह्यूमरस पर तुलनात्मक सकल शारीरिक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ वेटरनरी एनाटोमी 31 (2): 95-96।
49. कोंवर, बी, बायन, एच, सरमा, के, और तालुकदार, डी (2020)। कुत्ते में ध्रुण ममीकरण का प्रबंधन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइबस्टॉक रिसर्च, 10 (3), 212-217। doi: 10.5455 / ijlr.20190809111951
50. कोनवार, बी, चांग, एल, सैकिया, बी, लल्लिअनचुंगा, एम सी, सरमा, के, पॉल, आर 2019। खरगोशों में पोस्टऑपेरेटिव ऑर्गो पेट के आसंजनों को रोकने के लिए शहद का इंट्रापेरिटोनियल अनुप्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइबस्टॉक रिसर्च, 9 (9): 122-129।
51. कायला एच, दत्ता टीके, रॉयचौधरी पी, सुबुद्धि पीके (2019)। भारत के उत्तरपूर्वी क्षेत्र, पशु चिकित्सा विश्व,
- 12 (2): 224-230 के गुल्लक में डायरियाजन्य जीवाणु और वायरल रोगजनकों का संयोग।
52. कायला एच, दत्ता टीके, रॉयचौधरी पी, सुबुद्धि पीके और लालसियमथारा जे (2019)। उत्तर पूर्व भारत में पिगलेट दस्त से जुड़ी साल्मोनेला प्रजातियों की व्यापकता और आणविक लक्षण वर्णन। पशु चिकित्सा विज्ञान के पोलिश जर्नल। 22 (4): 793-797।
53. एल चांग और मोनिकाबेल बसियावोमित जी.ई. चेतन, एस बेहरा, के सरमा, एच प्रसाद, जेबी राजेश, अरिंदम भौमिक (2019)। एक गोल्डन कुत्ता कुत्ता में सिस्टोलिथियासिस का निदान और चिकित्सीय प्रबंधन। हरियाणा पशु चिकित्सा। 59: 112-114
54. एल जे काकती, जी कलिता, एल हमर, ए सामंता, टी.सी. टॉलेनखोम्बा, एच दास और डी.जे. तालुकदार। (2019) है। बड़े सफेद यार्कशायर सो के प्रजनन प्रदर्शन पर शतावरी (शतावरी रेसमोसस) रूट पाउडर के प्रकृत आहार का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइबस्टॉक रिसर्च, 9 (2): 110-113।
55. लल्लिअनचुंगा, एम.सी., राल्टे, एल।, लालमुंथांगा, सी, अली एम ए, लालरिंकीमा, एच। 2020. बकरी के ऊडर स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित मट्टे में यूरिया की सांद्रता में परिवर्तन। रासायनिक अध्ययन के अंतर्गतीय जर्नल, 8 (2): 1226-1228।
56. लालरिंकीमा, रविंद्रन आर, टी के राजखोवा, वाई. डी. सिंह, आर.एस. आर्य और ए लालरुतिमा (2019)। आइजल मिजोरम में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस का पैथोलॉजी और आणविक निदान। इंडियन जे वेट पाथ 43 (3): 231-233।
57. लालरिंकीमा, रविंद्रन, आर, टी के। राजखोवा, वाई दामोदर सिंह, राहुल सिंह आर्य, लालचन्हिमा और मालसम्बांगी (2019)। कुत्तों की मूत्रजनन प्रणाली के विकृति विज्ञान पर अध्ययन। इंटरनैशलन रसायन जर्नल 7 (4): 2090-2092।
58. लालरिंकीमा, रविंद्रन, आर, टी के राजखोवा, वाई दामोदर सिंह, राहुल सिंह आर्य, लालचन्हिमा, एंड्रयू लालरुतिमा और मालसावकिमा (2019)। कुत्तों की श्वसन प्रणाली के विकृति विज्ञान पर अध्ययन। फार्मा इनोवेशन जर्नल। 8 (8): 235-237।
59. लालरिंकीमा, रविंद्रन, आर, टी के राजखोवा, वाई दामोदर सिंह, राहुल सिंह आर्य, लालचन्हिमा और मालसम्बांगी (2019)। कुत्तों की मूत्रजनन प्रणाली के विकृति विज्ञान पर अध्ययन। इंटरनैशलन रसायन जर्नल 7 (4): 2090-2092।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

60. लालरिंकीमा, टी.के. राजखोवा, वाई.डी. सिंह, रविंद्रन आरा और आर.एस. आर्य (2019)। आइजोल मिजोरम में कैनाइन परवोबायरस की पैथोलॉजी और आणविक पहचान। इंडियन जे वेट पाथ 43 (3): 228-230।
61. लालथलमुआना, डी।, सामंता, एके, हमार, एल।, बेहरा, पी।, बुरगोहिन, आर।, अयूब अली एम। और वैसाख, वी पी। (2019) डाइट सप्लीमेंटेशन ऑफ चिकोरी रूट पाउडर और एवियन स्पेसिफिक। हेमटोलॉजी पर लैक्टोबैसिलस एसपीपी, ब्लड बायोकेमिकल, लिपिड, एंजाइम और ब्रायलर पक्षियों की एंटीऑक्सीडेंट प्रोफाइल अंतराष्ट्रीय माइक्रोबियल जर्नल 8 (10): 1511-1521।
62. लिंडा, एन, अहमद, एफ ए, लालिंठलुंगा, के, अली, एम ए, कलिता, जी, सिंह, आरा, तोलेनखोम्बा, टी सी और तुलुकदार, डी जे (2019)। मणिपुरी टट्टूओं (इक्विफरसकैबलस) के सामान्य गर्भाशय चक्र के दौरान महिला जननांग के शारीरिक और तालमेल में परिवर्तन। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज, 7 (5): 76-77।
63. एम दास, देवजानी डेका, सुभाष ताराफल, एस पाणिग्रही (2019)। आइजोल, मिजोरम की स्थानीय असंगठित मांस की दुकानों में बेचे जाने वाले कच्चे मांस के जीवाणु गुणवत्ता का निर्धारण। हरियाणा वेट। 58 (2): 295-297।
64. एम दास, ई मोतिना, देवजानी डेका, टी के दत्ता, पी। रॉयचौधरी (2019)। एजावल और इंफाल के कच्चे सूअर के मांस से अलग साल्मोनेला सेरोवर्स में वायरल से जुड़े जीन की आणविक पहचान। वर्तमान सूक्ष्म जीव विज्ञान और अनुप्रयुक्त विज्ञान के अंतराष्ट्रीय जर्नल। 8 (7): 23-31।
65. मालस्वामटलुंगी राल्ते, कौशिक परन बोरदोलोई, एलोन लूसी, दिलीप नामा, पलाश ज्योति सोनोवाल, अथोकपाम डोनिन, चंपक डेका, धूबा दास, कल्याण सरमा और बेदांगा कोंवरा। (2020)। शिकार कुत्ते में नाक हीरूडिनीअसिस का प्रबंधन। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। 8 (2): 391-393।
66. मंदाकिनी आर, दत्ता टीके, रॉयचौधरी पी, सुबुद्धि पीके, सामंत और बद्र्योपाध्याय एस (2019)। अरुणाचल प्रदेश, भारत के सूअरों से ब्रामद मल्टीइंग प्रतिरोधी एस्चेरिचिया कोलाई की अलगाव, पहचान और आणविक विशेषता। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल हेल्थ। 58 (2)-विशेष अंक: 153-168।
67. मयंगबम, पी, टोलनखोम्बा, टी.सी., अली, एम ए 2020. मिजोरम के स्वदेशी चिकन शिखर' का रक्त कोशिका
68. रूपमिती और ल्यूकोसाइट-थ्रोम्बोसाइट प्रोफाइल। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज, 90 (2): 65-67।
69. एम सी लल्लिअन्चुंगा, लल्लवामजुअली राल्ते, सी लालमुथांगा, एम अयूब अली और एच। लालरिंकीमा (2020) यूरिया की सांद्रता में परिवर्तन, बकरी के ऊडर स्वास्थ्य की स्थिति से संबंधित, अंतर्राष्ट्रीय रासायनिक अध्ययन जर्नल। 8 (2) 1226-1228।
70. मोनेश ठाकुर, एच प्रसाद, आर.एस. आर्य, वाई.डी. सिंह, जे किरण, अभिजीत डेका, कल्याणवर्मा, अल्बर्ट देबबर्मा और प्रसेनजितदेबनाथ (2019)। कैनाइन डेमोडिकोसिस में हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 8 (3): 2176-2179।
71. एन.के.रॉय, जी कलिता, एल उमर, आर गोस्वामी, एफ। ए अहमद, आर बरगौहिन, डी.जे. तालुकदार और के सरमा (2019)। पूर्वाभास अवधि के दौरान नवजात शूकर के रक्त संबंधी प्रोफाइल पर पोषण पूरकता का प्रभाव। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। 7 (5): 356-359।
72. नीरज ठाकुर, चेतन जीई, अखिलेश, के महेंद्रन, अजित वाई, ऐश्वर्या लीक्षमान, सीके गायकवाड़, यूके डे और जे.बी. राजेश (2019)। एक किशोर शुरुआत ने एक डोबर्मन कुत्ते और उसके चिकित्सीय प्रबंधन में पायरोडेमोडोसिस को सामान्यीकृत किया। फार्मा इनोवेशन जर्नल। 8 (9): 430-433।
73. नीरज ठाकुर, चेतन गोलहल्ली एग्रीगौडा, करुणानिधि महेंद्रन, सुरेंद्र कुमार, एम.वी. जितिन, टी.बी. शिवनारायणन और सहदेब डे। 2020. कुत्तों में एस्फलाइटिस के साथ केन्द्रीय वेस्टिबुलर विकार का निदान और चिकित्सीय प्रबंधन। हरियाणा पशु चिकित्सक, 59 (एसआई), पीपी.17-118।
74. नीरज ठाकुर, जीई चेतन, सी गायकवाड़, केके रीना, अनिल कुमार, जेबी राजेश, यूके डे, के महेन्द्रन, पीएस बनर्जी (2019)। लेब्राडोर कुत्ते में लेप्टाइरा आइकटरोहामोरेजिया, हेपाटोजून कैनिस और एनाप्लाज्मा फागोसाइटोफिलम उपचारात्मक प्रबंधन। सहकारी नैदानिक रोग विज्ञान। 28 (6): 1845-1850।
75. एनके रॉय, जी कालिता, एल हमार, आर गोस्वामी, एफए अहमद, आर बरगौहिन, डीजे तालुकदार और के सरमा (2019)। प्री-वीनिंग अवधि के दौरान नवजात शूकर के हेमटोलॉजिकल प्रोफाइल पर पोषण पूरकता का प्रभाव। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज 7 (5): 356-359।



75. ओंगतांग कुपमी फूल, कल्याण सरमा, राहुल सिंह आर्य, एसके बेहरा, बेदांग कोंवर, बी सैकिया, जितेंद्र कुमार चौधारी, जे.बी. राजेश, एच प्रसाद, सीशान जीई, हेमेन दास, सिकदर जबिदुर इस्लाम, प्रसेनजित देबनाथ (2019)। कुत्तों में सिरोसिस में जलोदर और हेपाटो-रीनल सिंड्रोम। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। 7 (5): 313-321
76. परमार, आर.बी., लेटफे, ए, दास, एच, चौहान, एच.सी., पटेल, एच.बी., कपाड़िया, पी.एस., काला, जे.के., त्यागी, एस के तिवारी, बी.के. मेहसाणा बकरी (कैप्रेश हिरेकस) में खनिजों और इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन पर उम्र, लिंग और शारीरिक चरणों के प्रभाव का अध्ययन। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (3): 128-131
77. फॉम, आंके, सरमा, के, आर्य, आरएस, बेहरा, एसके, कोंवर, बी।, सैकिया, बी। चौधरी, जेके, राजेश, जेबी, प्रसाद, एच, चेतन जीई, दास, एच।, इस्लाम, एसजे, देबनाथ, पी। 2019। कुत्तों में सिरोसिस में जलोदर और हेपेटोरेंलिस्ड्रोम। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज, 7 (5): 313-321
78. प्रियंका, श्रृंगी बीएन, चौधारी ओपी और कश्यप एसके। (2019) है। MALDI-TOF मास स्पेक्ट्रोमेट्री आधारित पहचान पश्चिमी राजस्थान के गोजातीय में ब्रुसेला गर्भपात की। इंटरनेशनल जर्नल एप्लाइड रिसर्च इन वेटरनरी मेडिसिन 17 (2): 108-120
79. पुई एलएच, दत्ता टीके, रॉयचौधरी पी, कल्ला एच, चक्रवर्ती एस, मंदाकिनी आर, कवलनी एल, सामंता I, एस बंदोपाध्याय और सिंह एस.बी. (2019) है। विस्तारित स्पेक्ट्रम बीटा-लैक्टामेज, जो भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में पिगलेट, मानव और जल स्रोतों में एचेरीचिया कोलाई का उत्पादन करने वाले शिंगा-विष का उत्पादन करता है। एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी में पत्र। 69: 110-115।
80. आर बरगोहिन और टी के राजखोवा (2019)। ब्रोथर के पोषक तत्व के उपयोग और अर्थास्त्र में मिजोरम, भारत में पारंपरिक फीड-सामान के विकल्प के रूप में टिथोनिया डायविसिफोलिया फूल भोजन (टीडीएफएम) खिलाया गया। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च। 53 (3): 349-354।
81. आर बरगोहिन, बी.एन. सैकिया, ए.के. सामांता और टी के राजखोवा (2019)। दीर्घ यॉक्शायर (LWY) उत्पादक फिनिशर सूअर की आंत आकारिकी पर किण्वित तरल भोजन का प्रभाव। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। 7 (5): 1151-1155।
82. आर. बरगोहिन, बी.एन. सैकिया, ए.के.सामांता, आर भुयान, आर दोवराह, आर रायचौधरी और ए बोरा (2019)। शुष्क बनाम तरल भोजन: ग्रोथ परफॉर्मेंस, न्यूट्रिशन डाइजेस्टिविलिटी एंड इकोनॉमिक्स इन लार्ज ब्हाइट यॉक्शायर (LWY) ग्रोयर-फिनिशर पिंग्स। इंटरनेशनल जे करंट माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज। 8 (8): 2019-2025।
83. आर के डेरी, दिव्यज्योति तालुकदार, एस बी हजारिका, बी सैकिया और एच पी याडा (2019) है। डिस्ट्रोसिया भूषण के कारण एनास्का एक बकरी की जुडवां गर्भावस्था में एक भूषण के अच्छांडोप्लासिया के साथ मिलकर होता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस, एनवायरनमेंट एंड टेक्नोलॉजी, 8 (2): 388 - 390।
84. राहुल पॉल, बसंत सैकिया, हितेश बान, बेदांग कोंवर, अनलिशा देबर्मा और चांग एल (2019)। आइसोफ्लुरेन एनेस्थीसिया के तहत बनाए गए ग्लाइकोप्राइरोलेट प्रिमेटेड कुत्तों में इंडक्शन एजेंट के रूप में। प्रोपेफोल, केटोफोल और एटमॉइडेट के कार्डियोपल्मोनरी मापदंडों पर प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज, 7 (5): 796-799।
85. रेबेका लालमुआनपुई, एच प्रसाद, कल्याण सरमा, चेतन जीई, बेदांग कोंवर, एसके बेहरा, बसंता सैकिया, जेबी राजेश, आर रविंद्रन, निराली पायल शाह, चमनिगांगलीउ गोनमेई एन और सूरज सिंह। (2019) है। कुत्तों में मूत्र पथ के रोगों का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन और अन्य नैदानिक प्रक्रियाओं के साथ इसका संबंध, जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज, 7 (5): 1384-1389।
86. सैकिया के, कलिता जी, हमार एल, गोस्वामी आर, तालुकदार डी, सामंत ए.के. और टोलेनखोम्बा टीसी, 2019, लार्ज ब्हाइट यॉक्शायर सूअर, इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज 89 (2): 172-175
87. सामंता, एस बंद्योपाध्याय, दत्ता टीके और जोर्डर एसएन (2019)। पशु चिकित्सा में रोगाणुरोधी स्ट्रॉवर्डशिप: तत्काल कार्यान्वयन की आवश्यकता में। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल हेल्थ। 58 (2)-विशेष अंक: 33-38।
88. शाह एन, बेहरा एस। और कोंवर बी। (2019)। निदान और एक पिल्ला में अज्ञातहेतुक जन्मजात मेगासोफैग्स का प्रबंधन। इंटास पोलिवेर 20 (आई): 130-131।
89. शर्मा अमित, सूद पंकज, चौधरी जे.के., (2020), 'गद्दी में सहिष्णु गुणवत्ताविवरों के साथ सहसंबंधी स्थितियाँ और चेगु बक वीर्य के एशियाई गुणगान', एशियाई पशु और पशु चिकित्सा अग्रिम। आईएसएसएन 1683-9919, 15 (1), पीपी.32-37।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

90. शेरिन शाह एस, बसंता सैकिया, बेदांगा कोंवर, फजल अली अहमद, जितेंद्र कुमार चौधरी, दामोदर वाई सिंह और माइकल लालमंगहिजुअल। (2019) कुत्तों में लैप्रोस्कोपिक और पारंपरिक ओपन विधियों द्वारा ओवरीइक्टोमी की तुलना। पशुधन अनुसंधान के अंतर्गतीय जर्नल। 9 (10): 60-67।
91. सिंह टीएस, कलिता पीसी, चौधरी ओपी, डेली पीजे और कलिता ए। (2019)। मिजोरम के स्थानीय सुअर (जोवाक) के एपिडीडिमिस पर सकल रूपात्मक, हिस्टोलॉजिकल और हिस्टोकेमिकल अध्ययन। जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च 9 (6): 855-862।
92. सिंह टीएस, कलिता पीसी, कलिता ए, डेली पीजे, चौधरी ओपी और रोजामी बीएल। (2019) है। जोवाक (मिजो स्थानीय सुअर) और बड़े सफेद यॉर्कशायर सुअर के वृषण पर तुलनात्मक सकल शारीरिक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइवस्टॉक रिसर्च 9 (2): 49-52।
93. स्वगाटिका, पी, निखिल, के.सी., बरखा, आर, पशुपति, एम, बेहरा, पी, अजय, के। 2019। प्रमोटर गतिविधि के बल पर त्रुटि प्रवण त्रुटि के परिणामस्वरूप उत्परिवर्तन का प्रभाव। 22 (2): 981-986।
94. तालुकदार, डी, अहमद, के, सिन्धा, एस, दास, जी, सहरिया, जे, और इस्लाम, के। (2019)। इन-विट्रो कैपेसिटेशन ऑफ स्वैम्प बफेलो स्पर्मेंटोजोआ के लिए मीडिया का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइवस्टॉक रिसर्च, 9 (11): 85-94। कवप: 10.5455 ध परसत. 20190929055740
95. तेमजेनांगसांग और सामंत.ए.के। (2019) है। ग्रोथ परफॉरमेंस, न्यूट्रिएंट डाइजेस्टिविलिटी और फिनिशिंग पिंग्स के ब्लड प्रोफाइल पर पाम ऑयल कीचड़ से मक्का के आंशिक प्रतिष्ठापन का प्रभाव। 19. 229-240
96. ठाकुर, एन, चौधरी, एस.एस., चेतन, जी.ई. और डे, एस। 2019। यूरोकाइनेज परिवर्तन और रोग गंभीरता और ऑक्सीकारक / नाइट्रोसेटिव तनाव के साथ ऐस के बछड़ों में अवरोधक यूरोलिथियासिस के साथ इसका संबंध। पशु चिकित्सा विज्ञान में शोध, 127, पृष्ठ. 18-26।
97. ठाकुर, एन, सुरेश, आर, चेतन, जी.ई. और महेन्द्रन, के। 2019। एशियाई हाथी और उसके चिकित्सीय प्रबंधन में बालान्टिडायासिस। परजीवी गोगों के जर्नल, 43 (2), पृष्ठ.186-189।
98. वैसाख, बीपी, सामंत, एके, बरगाहिन, आर, गोस्वामी, आर, गली, जे.एम.आर, अयूब अली, एम। और लालथलामुआना, डी। (2019)। एविएशन के साथ ठोस राज्य किणवत सूखे फीड की विशिष्ट विशिष्ट लैक्टोबैसिलस प्रजाति। और हेमेटोलॉजिकल, ब्लड बायोकेमिकल और ब्रायलर पक्षीविरोधी एंटी-ऑक्सीडेंट प्रोफाइल पर बैसिलस सबटिलिस। J.Curr.Microbiol. App-Sci। (9): 150-160।
99. वनमालामंगलईहसंगा, हमार एल, कलिता, जी, गोस्वामी, आर, सामंत, ए और लालिंटलुंगा, के। (2019)। बढ़ते हुए सूअरों के उत्पादन प्रदर्शन पर सर्जिकल कास्टिंग और रासायनिक अरंडी (एनो 3 और के.एम.एन.ओ 4) का प्रभाव। रासायनिक अध्ययन के आंतरिक जर्नल, 7 (4): 2819-2821।
- ### 8.1.6. कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी कालेज, रानीपूर, सिविकम
- भौमिक सी, चक्रवर्ती पी, दास एसएस, सिंह आर (2019)। 132 केवी डबल सर्किट इलेक्ट्रिक पावर ट्रांसमिशन टॉवर का मॉडल विश्लेषण कम्पोजिट सामग्री थर्मोप्लास्टिक लांग कार्बन फाइबर नायलॉन के साथ बनाया गया है। अंतःविषय इंजीनियरिंग में अग्रिम, 01: 891-899।
 - बोराह एसडी, चेतिया टीआर, मारक, चौहानसन्द कुमार ए (2019)। पूर्वोत्तर भारत के काजू प्रसंस्करण उद्योग में महिला श्रमिकों द्वारा पेश किए गए मस्कुलोस्केलेटल डिसऑर्डर। मानवविज्ञानी। 38 (1-3): 1-8।
 - चौहान जेके, सीवेदा एमएस, सिंह आर और झज्जारिया डी (2019)। मौसम अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकी: नवोन्मेषी एवं हस्तक्षेप। इंडियन रिसर्च जर्नल ऑफ एक्स्टेंशन एजुकेशन, 19 (02 और 03): 112-116।
 - डबराल पीपी, दादा एम और ओडी एच (2019)। कोहिमा (नागालैंड), भारत, कृषि इंजीनियरिंग इंटरनेशनल: सीजीआईआर जर्नल, 21 (04): 43-47 के लिए मार्कोव श्रृंखला मॉडल द्वारा सूखा और गीला संभावना विश्लेषण।
 - डबराल पीपी, दादा एम और ओडी एच (2019)। फसल योजना के लिए कोहिमा (नागालैंड) में वर्षा की संभावना का विश्लेषण। मृदा और जल संरक्षण जर्नल, 18 (04): 364-371।
 - दास एस, रमन आरके, देवरानी एन और जोशी एसएन (2019)। एल्युमिनियम अल 5052 पर टाइटेनियम डि-बोराइड (TiB₂) और सिलिकॉन कार्बाइड (SiC) का सरफेस एलॉय, इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज प्रोसेसिंग का



- उपयोग करता है। प्रोसीडिंग्स स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी, 14: 119-126
7. दास एसएस और चक्रवर्ती पी (2019)। एक उपन्यास बायोमेट्रिक पीटीएफइ ग्लास समग्र का उपयोग करके हिप और घुटने के कृत्रिम अंग का तनाव विश्लेषण। आईआइटीए मॉडलिंग और विश्लेषण सी में अग्रिम, 74 (01): 27-32।
 8. दास एसएस, चक्रवर्ती पी, भौमिक सी और सिंह आर (2019)। बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए सबसे उपयुक्त सामग्री के चयन के लिए निर्णय लेना, अंतः विषय इंजीनियरिंग में अग्रिम, 01: 901-917।
 9. देवी केएल, गुरुंग एमआर, यादव एसआर, झाझरिया डी और सिंह आरके (2019)। सिक्किम के पेरुमिड इको-क्षेत्र में कम लागत में प्राकृतिक रूप से वेंटिलेटेड पॉलीहाउस के अंदर वर्षा दौर की सब्जी उत्पादन। इंडियन रिसर्च जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 19 (02 और 03): 04-06।
 10. देवी केएल, पांडा जे, यादव एसआर, झाझरिया डी, इंदौर एनएस और शर्मा एपीएम (2020)। सिक्किम कंडीशन में कम लागत के पॉलीहाउस के तहत विकास, उत्पादन और टमाटर पर डिप और मल्च का प्रभाव। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 9 (01): 193-198।
 11. गोयल, एम के, शिवम, जी, और सरमा, ए के। (2019)। पूर्वोत्तर भारत में फजी क्लस्टरिंग का उपयोग करके अत्यधिक वर्षा वाले सूचकांकों की स्थानिक समरूपता। प्राकृतिक खतरों, 98 (2): 559-574।
 12. जीटी पटले और वनलालंचुंची पीसी (2020)। सिक्किम की मध्य पहाड़ियों में खेती की मिट्टी की संतृप्त हाइड्रोलिक चालकता के लिए पेडो-स्थानांतरण कार्य। वर्तमान विज्ञान, 118 (05): 771-777।
 13. राय डी, कुसरे बीसी, बोरा पीके, और गजमेर एल (2019)। सिक्किम (भारत) में मिट्टी की नमी की स्थिति के तहत कृषि जल प्रबंधन के लिए मिट्टी की नमी के मॉडल पर एक अध्ययन। सतत जल संसाधन प्रबंधन, 05 (03): 1243-1257।
 14. सायखोम, मालमेंगनबा और जेना एस (2020)। कीवी स्लाइस की वैक्यूम ड्राइंग: कार्यात्मक गुणों पर प्रक्रिया मापदंडों के सूखने के लक्षण और प्रभाव, शुद्ध और एप्लाइड बायोसाइंसेज के भारतीय जर्नल, 08 (01): 60-68।
 15. सिंह आर, शादाब एम, राय आर.एन., भौमिक सी और दास एसएस (2019)। औद्योगिक और उत्पादन इंजीनियरिंग में स्टर कास्टिंग टेक्नीक. इवेंस द्वारा निर्मित अल 5083-7* बी 4 सी कम्पोजिट का पहना व्यवहार व्यवहार। 01: 199-2016।
 16. सोलंकीकेआर और यादव एसएन (2019)। स्प्रे करने के लिए चयनित जैव कीटनाशकों के भौतिक और विद्युत गुणों का अध्ययन। बायोपिक। Int.15 (2): 105-111।
 17. श्रीवास्तव एस और सेड पीपी (2019)। अनार (पूनीकाग्रानेटम) के जीवन विस्तार और भौतिक-रासायनिक गुणों, खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा, 03 (03): 145-155 पर इसके प्रभाव के लिए सिलिकॉन डिल्ली प्रणाली का उपयोग करके संशोधित वातावरण पैकेजिंग का उपयोग।
 18. तिवारी आरके, चौहानएसके, दीन एम और सिंह वाईजे, (2019)। सिक्किम में छत की खेती-एक अध्ययन के तहत पशु आकर्षित बेहतर उपकरणों की व्यवहार्यता मूल्यांकन। कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस, 07 (06): 84-95।
 19. तिवारी आरके, सिंह वाईजे, दीन एम, चौहानएसके और नामदेव ए (2019)। इंडो-गैंगेटिक योजनाओं में गहूं के भूसे की गुणवत्ता पर थ्रेसिंग सिलेंडर विन्यास का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर साइंस, 11 (03): 7813-7818।
 20. युरेम्बम जीएस, मायांगलंगम ए और हैंगिंग एल (2019)। प्रयोगशाला स्थितियों के तहत कोहरे की कटाई के लिए दो अलग-अलग प्रकार की जाली का प्रदर्शन मूल्यांकन। वर्तमान उन्नत अनुसंधान के जर्नल। 8 (12 डी): 20841-20843।

8.1.7. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. चांद, जी, शर्मा, एस के, आजाद, सी एस और ए के पाल (2019)। बिहार के पूर्वी हिस्सों में केले के रोगों की व्यापकता। जर्नल ऑफ पलाट प्रोटेक्शन साइंसेस, 27 (3): 367-369।
2. बिसेन, पी सिंह, पी के, लोइटोंगबम, बी, नम्रता, राठी, एस आर, उपाध्याय, एस और सिन्हा, बी (2019)। एफ2 में उपज संबंधी लक्षणों के लिए आनुवंशिक विश्लेषण और विशेषता: थोड़े से सोडिक स्थिति के तहत चावल की 3 द्वाधूबीय जनसंख्या। प्लाट ब्रीडिंग के इलेक्ट्रोनिक जर्नल, 10 (3): 1105 - 1112।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

3. डी के पांडे, शांतनु कुमार दुबे, एच के डी एल गीतारानी और पुनाबतिहिसनम (2019)। ट्रांसफॉर्मिंग और कल्याण की स्थिति कोनिलनागा जनजाति की शिफ्टिंग खेती पर निर्भर करती है: एक इम्प्रेक्ल केस स्टडी। भारतीय जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग 32 (1): 169-175
4. डी के पांडे, डी, एल.गेटारानी और बी.एन. हजारिका (2019)। उत्तर पूर्व भारत के खेती क्षेत्र में बदलाव में कृषि विविधीकरण की समस्याएं और संभावनाएँ: एक अनुभवजन्य अध्ययन। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री 8 (3): 69-73
5. डी के पांडे, एल.गेटारानी, एन आनंदकुमार और बी.एन. हजारिका (2019)। कृषि शिक्षा पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव: उपयोगकर्ताओं की धारणा। जर्नल ऑफ कम्प्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट 14 (2): 299-304
6. खायाकृपम लिली देवी, जगबंधु पांडा, संतोष रंगारब यादव, दीपक झाझरिया, इंदौर नवनाथसखाराम और अरीबम प्रिया महंत शर्मा। (2019) है। सिक्किम स्थिति में कम लागत के पॉलीहाउस के तहत विकास, उत्पादन और टमाटर पर ड्रिप और गीली धास का प्रभाव। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 9 (1): 193-198
7. खायाकृपम लिली देवी, एम आर गुरुंग, एस आर यादव, डी झाझरिया और आर के सिंह (2019) सिक्किम के पेरुमिड इको-क्षेत्र में कम लागत में प्राकृतिक रूप से वेंटिलेटेड पॉलीहाउस के अंदर वर्ष दौर की सब्जी उत्पादन। इंडियन रिसर्च जर्नल ऑफ एक्स्टेंशन एजुकेशन, 19 (2), 4-6।
8. खायाकृपम लिली देवी, एस चेटी, ए पी एम शर्मा, डी झाझरिया और आर के सिंह। (2019)। कम लागत पॉलीहाउस के तहत सीजन बैंगन में ग्रोथ एंड यील्ड पर बायोफर्टिलाइजर और बायोकंट्रोल एजेंट का प्रभाव। वर्तमान जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 1-5।
9. खायाकृपम लिली देवी, सौमेनमित्र, और पी एम भट्टाचार्य। (2019)। जैविक खाद्यों, जैव-नियंत्रण एजेंटों और जैव-उर्वरकों की संयुक्त प्रभावकारिता में वृद्धि, फूल और हैप्पीओलियस आर.वी. के गुणवत्ता मानकों को मिलाते हैं। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 8 (10): 1792-1800
10. लीशंगथेम गीतारानी देवी और एस.एम.फिरोज (2019)। मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में चावल की खेती की एक जिला स्तरीय स्थिरता। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका: 8 (3) 4549-4552
11. लीशंगथेम गीतारानीदेवी और थंगजामचुरचंद सिंह (2019)। मणिपुर में किञ्चित मछली का विपणन दक्षता और मूल्य प्रसार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीज 7 (3): 4128-4133
12. लोइतोंगबम, बी, राय, एम, त्यागी, डब्ल्यू, नोंगमिथेम, आर और रेट्हेली, एल। (2019)। चावल में आनुवांशिक परिवर्तनशीलता और पराग की व्यवहार्यता का मूल्यांकन (ओरिजा सैटिवा एल) जर्मप्लाज्म फॉर लो टेपरेचर टॉलरेंस ऑन रिप्रोडक्टिव स्टेज। भारतीय, 32 (3): 340-346।
13. लोइतोंगबम, बी सिंह, पी के, बिसेन, पी, संध्या, राठी, एस.आर., उपाध्याय, एस।, सिंह, डी और कुमार, ए। (2019)। चावल की आरआईएल आबादी में जिंक की कमी सहिष्णुता के लिए आनुवांशिक परिवर्तनशीलता और सहसंबंध विश्लेषण (ओरिजा सैटिवा एल।)। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकानोगोसी के जर्नल, 8 (4): 468-472।
14. निवास, आर, चाँद, जी। और सी एस। आजाद (2020)। फुसैरियम ऑक्सीस्पोरम के विकास के खिलाफ घनाकार पनामा केले के रोग को मिटाता है। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8 (1) 130-133।
15. निवास, आर, चाँद, जी और सी एस आजाद (2020)। फुसैरियम ऑक्सीस्पोरियम के खिलाफ कवकनाशी और जैव पदार्थों की इन विट्रो प्रभावकारिता में एफ.एस.पी. घनाकार। वार्षिक संरक्षण विज्ञान के इतिहास, 28 (1): 47-51।
16. निवास, आर, चाँद, जी और सी एस आजाद (2020)। फ्यूसैरियम एसपीपी की आकृति विज्ञान और आनुवांशिक विविधता। पनामा से जुड़े बिहार में केले की बीमारी जैव प्रौद्योगिकी जर्नल, 15 (5).19-23।
17. उत्कर्ष रविन्द्र मून, अर्पणा अशोकराव दुर्ज, महेश कुमार (2020) मूल्यवर्धन खूस (वेटिवरिया जिजानियोइडस एल। नैश), एलिसिटर और गर्मी उपचार द्वारा मूल अर्क। औद्योगिक फसलें और उत्पाद, 144, 112037।

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, जलकी, नागालैंड

1. अभिलाष, आर.एस., जोसेफ, एम।, कुरियन, एम.ओ., हर्षन, एच.एम., अरविंदकशन, टी.वी., अनिल, के.एस. और सुनंदा। सी। 2018। फ्लोरोसेंट धुंधला का उपयोग करके सामान्य और दोहराए ब्रीडर गायों में परमाणु परिपक्वता और व्यवहार्यता की स्थापना। 49 (2): 63-66।



2. अरिंदम भौमिक, गुंजन दास, हृदयदेश प्रसाद, कल्याण सरमा, ए। सामंता, बिकास देबनाथ, जे के चौधरी, प्रसेनजित देबनाथ, अल्बर्ट देबबर्मा और मोनेश ठाकुर। (2019) है। राशन पर गायों के फेड में खनिज और इलेक्ट्रोलाइट्स की स्थिति दूध के बुखार की रोकथाम में प्री-पार्टुम अवधि में अनियोनिक लवण के साथ पूरक।, वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एल्लाइड साइंसेज के अंतर्ष्पृष्ठीय जर्नल, 8 (7): 2530-2536।
3. देवलाल, के, मेटिल्डा, जे, कुरियन एम.ओ., अमृत, ए। और अजितकुमार, एस। (2019)। 3 महीने के बाद सेवा से नीचे गर्भवती बकरियों में सीरम प्रोजेस्टरेशन और ऑस्ट्रैडियोल प्रोफाइल। 50 (1): 63-67।
4. धूभज्योति बोरपुजारी, फजल अली अहमद, के लालिंटलुंगा, एम अशूब अली, दिव्यज्योति तालुकदार, गुंजन दास और कल्याण सरमा। (2019) है। क्रॉर्ज गायों में डिष्ट्रिंथि चक्रायता के प्रसवोत्तर पुनः स्थापन के संबंध में रक्त चयापचय सांद्रता और शरीर की स्थिति स्कोर।, इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज 89 (7): 741-745।
5. कल्याण सरमा, परिमल रॉयचौधरी, गुंजन दास, संजोय कुमार बोरठाकु, गिरिन कलिता, एच। प्रसाद और जे. के. चौधरी। (2019) है। सर्कोपिट्स स्केबिएई वार सूइस इन्प्लुएंस के सर्पोप्रैलेंस स्वाइन आबादी में हेमाटो बायोकेमिकल और ऑक्सीडेटिव तनाव सूक्षकांकों पर इसका प्रभाव और हर्बल मरहम के लिए विशेष संदर्भ के साथ इसका भारतीयकरण।
6. एल.एन. सिंह, गुंजन दास, के सरमा, एच प्रसाद और एस बेहरा। (2018) है। मणिपुर के बीट के खिलाफ गैस्ट्रो-आंतों की बीमारियों की घटनाओं और दस्त के खिलाफ दो हर्बल आईटीके की प्रभावकारिता। 5 (1): 58-72।
7. मधुसूदन ए.पी., दास, मिली बी, कुमार के, कुमार ए, सक्सेना ए.सी., सिंह पी, दत्त टी, बैग एस (2019)। प्रसार और कैनाइन अस्थि मज्जा के भेदभाव हाइड्रोक्सिल कार्यात्मक स्टेम कोशिकाओं व्युत्पन्न। जैव प्रौद्योगिकी रिपोर्ट।
8. नियास, ई, कुरियन एम.ओ., जयकुमार, सी, अभिलाष, आर.एस., अनिल, के.एस. और रेशमा, एस (2019)। लंबे समय तक ऑस्ट्रस के साथ प्रजनन ब्रीडर मवेशियों में कूपिक और ल्यूटियल विशेषताओं का सोनोग्राफिक मूल्यांकन। फार्मा जर्नल। 8 (3): 486-491।
9. रहिमा, एस., जयकुमार, सी., कुरियन एम ओ और अमृत, ए। (2019)। व्हीप्लिंग इंडक्शन में मिसोप्रोस्टोल के योनि अनुप्रयोग के साथ मिफेप्रिस्टोन, क्लोप्रोस्टेनोल और डाइनोप्रोस्ट की तुलनात्मक प्रभावकारिता। फार्मा जर्नल। 8 (3): 309-311।
10. रहिमा, एस, जयकुमार, सी, कुरियन एम ओ और अमृत, ए, लाईजू, एम.पी. और सुनंदा। सी। (2019)। प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर अवरोधक और पीजीआई का उपयोग कर छोटे कूड़े के आकार के साथ कैनाइन उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में घरघराहट की प्रेरण। जे। कैनाइन प्रैक्टिस। 11 (1): 42-44।
11. रक्षिता, पी, अभिलाष, आर.एस. और कुरियन एम ओ। (2019) है। केरल के क्रॉसबीड मवेशियों में ऊसैय उपज और गुणवत्ता पर आकांक्षा तकनीक का प्रभाव। फार्मा जर्नल। 8 (3): 102-104।
12. रेही जॉन, एंड्रयू लालरुतिमा, नीथोनो कुओत्सु, केनेसीजो कुओत्सु, शशिटोला ओजुकुम, लालतलंकिमी, निंगोबम भुमापति देवी, तुकेश्वर कुटिया, गुंजन दास, जीडी राव। 2020. एक क्रॉस ब्रेड सूअरों में दर्दनाक वंक्षण हर्निया का सर्जिकल प्रबंधन: केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। वॉल्यूम 8 अंक 1. पृष्ठ संख्या 297-298।
13. रेही जॉन, नीथोनो कुओत्सु, शशिटोला ओजुकुम, गुंजन दास, तुकेश्वर चुटिया, एंड्रयू लालरुतिमा, निंगोबम भुमापति देवी, लालतलंकिमी। 2019. कैनाइन मौखिक पैपिलोमाटोसिस में ऑटो हेमोथेरेपी की प्रभावकारिता: एक मामले की रिपोर्ट। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। वॉल्यूम 7 अंक 4. पृष्ठ संख्या 151-152।
14. स्मिट्टी, जे, जयकुमार, सी, कुरियन एम ओ और मेटिल्डा, जे। (2019) है। प्रारंभिक एनोइस्ट्रस में कम खुराक वाली कैबर्जोलिन का उपयोग करने वाले कुत्तों में इंटरओस्ट्रेस अंतराल का छोटा होना। फार्मा जर्नल। 8 (3): 375-377।
15. स्मिति, जे, जयकुमार, सी, कुरियन एम.ओ. और मेटिल्डा, जे, बीबू, के और सुनंदा सी (2019)। मध्य एनोइस्ट्रस में कम खुराक वाली कैबर्जोलिन का उपयोग करने वाले कुत्तों में इंटरओस्ट्रेस अंतराल का छोटा होना। जे। कैनाइन प्रैक्टिस। 11 (1): 27-30।
16. सुधा, सी.एम., उन्नीकृष्णन, एम.पी., कुरियन एम.ओ., अभिलाष, आर.एस. और थिरुपथी, वी। (2019)। में गर्भाशय मरोड़ का डॉपलर अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन। एनिमेटेड। विज्ञान। 50 (2): 125128।
17. तुकेश्वर चुटिया, रेही जॉन, निंगोबम भुमापति देवी, नीथोनो कुओत्सु, लालतलंकिमी, शशिटोला ओजुकुम,



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- एंड्रू लालरुतिमा, लालचाबोलिया राल्टे, गुंजन दास और जीडी जया राव। 2019. अधूरा गर्भाशय ग्रीवा फैलाव और योनि एक बोने और उसके प्रबंधन में आगे बढ़ने के कारण डिस्टोसिया: एक मामले की रिपोर्ट। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। वॉल्यूम 7 अंक 4. पृष्ठ संख्या 841-43।
18. तुकेश्वर चूतिया, फजल अली अहमद, गिरिन कलिता, खवलिंग ललरिंटलुंगा और करुणा सैकिया (2019)। गर्भाशय जड़ता का प्रबंधन और बोने में जटिलता को दूर करना: एक मामले की रिपोर्ट। हरियाणा पशु चिकित्सक, 57 (2): 232
 19. तुकेश्वर चूतिया, रीही जॉन, निंगमबाम भूमपति देवी, नीथोनो कुओत्सु, लालतलकिमी, शशिटोला ओजुकुन, एंड्रू लालरुतिमा, ललवाविमाविया राल्टे, गुंजन दास और जीडी जया राव। (2019) है। एक बोने और इसके प्रबंधन में अपूर्ण गर्भाशय ग्रीवा के फैलाव और वात-शूल के कारण डिस्टोसिया, एक स्थिति रिपोर्ट। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज 2019; 7 (4): 841 -843।
 20. उन्नीकृष्णन, एम.पी., कुरियन एम.ओ., हर्षन, एच.एम., जॉन मार्टिन, के.डी. और माधवनउन्नी, एन। (2019)। C- कुत्तों में पाइयोमेट्रा के चिकित्सकीय उपचार के मामलों का प्रतिक्रियाशील प्रोटीन मूल्यांकन। एनिमेटेड विज्ञान। 50 (2): 122-124।
 21. विनायक, बी.; मैग्नेस्पॉल, के.; साइमन, एस.; कुरियन, एम। ओ लाली, एफ.ए. और गुलिजा, वी। (2019)। मालाबारी बकरियों में अजवायन के तुल्यकालन के तीन अलग-अलग प्रोटोकॉल की क्षमता। फार्मा जर्नल। 8 (8): 143-146।
- ### 8.1.9. खाद्य प्रौद्योगिकी कालेज, इंफाल
1. लिछोम्बाम सोफिया, और भट्टाचार्य, आर.के. (2019)। नए हाइब्रिड ऑप्टिमाइजेशन मेथोडोलॉजी को पहचानने के लिए स्रोत के स्रोत और स्रोत प्रवाह को ध्यान में रखते हुए प्रदूषण स्रोतों की पहचान करना। खतरनाक, विषाक्त और रेंडियोथर्मी अपशिष्ट जर्नल, 23 (1), 0401803
 2. सनसमसुंदरलालसिंह, एस.एस., खरे, ए, और जोशी, एस एन। (2020)। क्यू-स्विच्च एनडी: वाईएजी लेजर के दूसरे हामोनिक के माध्यम से बार-बार स्कैन करके लेजर एक्सेशन थ्रेसहोल्ड के नीचे पॉली कार्बोनेट पर माइक्रोचैन का निर्माण। विनिर्माण प्रक्रियाओं के जर्नल, 55, 359-372।
- ### 8.2. बी. डिजिटल वस्तु पहचानकर्ता (DOI) द्वारा अनुच्छेद
- #### 8.2.1. कृषि महाविद्यालय, इम्फाल
1. फिरोज, एस.एम., रे, एल आईपी, सिंह, के.जे. और सिंह, आर। (2019) देहाती याक पालन प्रणाली जलवायु परिवर्तन के साथ बदल रही है: पूर्वी हिमालय में उत्तरी सिक्किम का अन्वेषण, जलवायु परिवर्तन, <https://doi.org/10.1007/s10584-019252551-1>
 2. चुवांग हिजाम, एन.बी. सिंह, जे.एम. लेशराम (2019) सुगंधित चावल में उपज और इसके महत्वपूर्ण घटकों का डायलेल विश्लेषण (भारतीय कृषि अनुसंधान 53) का जर्नल 53 (1): 67-72 DOI: 10.18805 / JJAR. A.A-5141
 3. दास, पी। और मिश्रा, एल.के. (2019) है। उत्तर-पूर्व भारत इंडिया के एक अल्पविकसित सब्जी - सेचीमेडुले से मूल्यवर्धित उत्पादों का निर्माण और शोल्फ जीवन अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 8 (7) डीओआई: <https://doi.org/10.20546/ijcmas.2019.807.119>
 4. देवी, के.एन., हलधर, एन।, अथोकपाम, एच.एस., सिंह, के। के।, देवी, एम.ए. और सिंह, ए.डी. (2019)। वर्षा आधारित मध्यम भूमि की स्थिति के तहत प्रत्यक्ष बीजयुक्त चावल (ओरिजा सैटिवा एल) की वृद्धि और उपज पर बुवाई तकनीकों और बीज दर का प्रभाव। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 8 (8): 529-536. DOI: <https://doi.org/10.20546/ijcmas.2019.808.062>
 5. देवी, के.एन., नारायण, जी।, सिंह, के.के., देवी, एम.ए., अथोकपाम, एच.एस., सिंह, ए.डी. (2019)। मणिपुर की स्थिति के तहत काले सुगंधित चावल (ओरिजा सैटिवा एल) की विविधता it चकोहा पोइरिटॉन 'की वृद्धि और उपज पर प्रति पहाड़ी अंकुर की उम्र और संख्या का प्रभाव। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 8 (7): 1738-1745। DOI: <https://doi.org/10.20546/ijcmas.2019.807.206>
 6. लखूराम बनर्जी सिंह, हीरोजीत सिंह अथोकपम, राजकुमार कुमारजीत सिंह, के नंदिनी देवी, एडविन लुइखाम और एन। ओकेन्द्रो सिंह। (2019)। आॅरंज (साइट्रस रेटिकुलाटा) ऑर्चर्ड, तामेगलोंग जिला, मणिपुर (भारत) में सूक्ष्म पोषक तत्वों का वितरण। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल



- जर्नल विज्ञान। 8 (7): 1166-1177। DOI: <https://doi.org/10.20546/ijcms.2019.807.138>
7. लिंथोई वाथम, इंदिरा सारंगथम, हीरोजीत सिंह अथोकपम, एल नबचंद्र सिंह, एन ओकेन्द्र सिंह और एल देवर्षि शर्मा। (2019) है। मणिपुर के इम्फाल पूर्व जिले में मिट्टी की अम्लता के विभिन्न रूपों का वितरण। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री जर्नल। 8 (4): 1262-1264। DOI: <http://dx.doi.org/10.22271/phyto>
 8. मारक, आर.एन., मालमेगनबी, सी सी, मारक, आर.सी. और मिश्रा, एल.के. (2019)। फॉक्सटेल बाजरा और अदरक पाउडर के साथ शामिल कुकीज के कार्यात्मक और एंटीऑक्सीडेंट गुण। जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी 56, 5087-5096। DOI: <https://doi.org/10.1007/s13197-019-03981-6>
 9. मिश्रा, एल.के., सरकार, डी, मंद्रेड्डी, आर, और शेट्टी, के। (2019)। फेनोलिक बायोएक्टिवलाइंकड एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक और हेलिकोबैक्टर पाइलोरी इनहिबिट्री एक्टिविटीज ऑफ एशियन बेसिल किस्म का मूल्यांकन। जर्नल ऑफ हर्बल मेंडिसिन, 100310. DOI: <https://doi.org/10.1016/j.hermed.2019.100310>
 10. सविथवेल जी, सैमुअल जेबरसन, एन ब्रजेंद्र सिंह, पीएच आर शर्मा, सुशील कुमार, बीके जलज, बायरश्वर सिन्हा, एन ओकेन्द्र सिंह (2019) जेनेटिक परिवर्तनशीलता, सहसंबंध और पथ विश्लेषण में मसूर जर्म्प्लाज्म (लंस सिनुलारिस मेडिक)। फार्मा इनोवेशन जर्नल 8 (6): 417-420
 11. शाहनी, एन।, देवी, के.एन., चोंगथम, एम।, अथोकपम, एच.एस. और सिंह, जी.एन. (2019)। बासमती चावल की विविधता (पूसा बासमती 1509) पर विभिन्न फसल स्थापना तकनीकों और नाइट्रोजन प्रबंधन पर विचार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज 18 (6): 2423-2429। DOI: <https://doi.org/10.20546/ijcmas.2019.806.289>
 12. सोफिया लोंगजाम और एन.बी. सिंह (2019) मणिपुर के पहाड़ी चावल (ओरिजिना सैटिवा एल) जीनोटाइप के पात्रों में योगदान के लिए आनुवांशिकता और आनुवांशिक अग्रिम का आकलन। फार्मा इनोवेशन जर्नल 8 (4): 7-11। DOI: <http://dx.doi.org/10.22271/tpi>
 13. था. नेपोलियन, एम एस जीबर्सन, मनीष कुमार, सिंह एन.बी., शशिधर, के.एस., पीएच रंजीत शर्मा (2019)। रासायनिक अध्ययन 7 (1): 754-758। DOI: 10.22271 / chemi.2020.v8.i2a.8744 के मणिपुरइंटरनेशनल जर्नल के फृट पहाड़ियों के तहत क्षेत्र मटर (पिसमसैटिवम) की एम 2 पीढ़ी में उत्परिवर्तन और परिवर्तनशीलता अध्ययन।
 14. वाथम, एल, सारंगथम, आई, शर्मा, एल.डी. और अथोकपम, एच.एस. (2019)। एसिड मिट्टी में विभिन्न भूमि उपयोग प्रणाली के तहत लोहे (Fe) और एल्यूमीनियम (अल) के विभिन्न रूपों का वितरण। फार्मा इनोवेशन जर्नल 8 (8): 01-04।
 15. यखोम विवेकानंद, प्रमेश खोयूमेथेम, मुटम सूरज सिंह, कोनसम चा श्यामानंद और एन ब्रजेंद्र सिंह (2019) जेनेटिक डाइवर्जेंस इन मूंगफली (आर्किस हाइपोथेरा एल) वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज 8 (9): 15-15। RAPD International जर्नल का उपयोग कर।

8.2.2. कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. डोभाल, एस, शर्मा, एस, अहमद, एन और कुमार, ए। (2019)। डालबर्गिया सिसो रोसब में आनुवंशिक बहुरूपता। RAPD मार्कर का उपयोग करना। इंडियन जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, 18 (1): 164-173
2. पांडे, डी के, आधिगुरु, पी, देवी, एस विमला, डोभाल, एस, दुबे, एस। और मेहरा, टी.एस. (2019)। पूर्वी हिमालय की खेती प्रणाली को बदलने में फसल प्रजातियों की विविधता का मात्रात्मक मूल्यांकन। वर्तमान विज्ञान, 117 (8), 1357-1363।
3. पांडे, डी के, डी, एच के, दुबे, एस के, कुमार, बी डोभाल, एस और आदिगुरु, पी (2020)। पूर्वी हिमालय, भारत में खेती को शिप्ट करने के लिए स्वदेशी लोगों का लगाव: समग्र-अनुभागीय साक्ष्य। बन नीति और अर्थशास्त्र, 111, पृष्ठ 102046। <https://doi.org/10.1016/j.forpol.2019.102046>
4. पट्टनायक, एस। (2019) है। अरुणाचल प्रदेश के पोरस और बजरी मिट्टी में वर्षा जल प्रबंधन तकनीक, मृदा संरक्षण बुलेटिन, आइ ए एस डब्लू सी, देहरादून, नंबर 4, पीपी 47-51।
5. पट्टनायक, एस। के, हिसनम, पी।, देबनाथ, पी।, मोहनी, जे और हजारिका, बी.एन. (2019) है। जल शक्ति अभियान-जल संरक्षण के लिए जन आंदोलन, सीएयू फार्म पत्रिका (आईएसएसएन: 2279-0454), वॉल्यूम 9, नंबर 3, जुलाई-सितंबर। 2019, पीपी 02-01।
6. उमाकांता, एनजी, सोफीनी, डी, मधुचंद्रा, पी, संघमित्रा, एस, देवचंद्र एन, मनोज, केवाई, अवधेश, के, परमेस्वरन, सी, जवाहर, एलके भास्कर, सीपी और लोटन,



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

केबी। (2019) है। एसेसमेंटऑफ क्रॉस में चावल माइक्रोसेटेलाइट मार्करों की क्षमता इंप्रेसजल प्रजातियों की हस्तांतरणीयता और चावल और उसके बन्यजीवों की आनुवंशिक विविधता। 3 बायोटेक, 9: पीपी: 216-217। <https://doi.org/10.1007/s13205-019-1757>

8.2.3. स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, बाराणसी, मेघालय

1. भूटिया केएल, नोंगबरी ईएल, जिमपैड ई, राय एम और त्यागी डब्ल्यू। (2020) कम फॉस्फोरस के जवाब में सिलिको के लक्षण वर्णन और चावल गोल्डन 2-जैसे (ओएसजीएलके) सदस्यों के अभिव्यक्ति विश्लेषण। आणविक जीवविज्ञान रिपोर्ट। .1-21 <https://doi.org/10.1007/s11033-020-05337-2>
2. फिरोज, एस.एम.; रे, लाला आईपी .; सिंह, जे और सिंह, राम (2019) 'पास्टर याक पालन प्रणाली जलवायु परिवर्तन के साथ बदल रही है: पूर्वी हिमालय में उत्तरी सिक्किम की खोज' जलवायु परिवर्तन, पीपी: 1-18, आईएसएसएन 0165-0009, डीओआई 10.1007 / s10584 -019-02551-1
3. मीटीई एनटी, सिंह एके, सिंह बीके और मंडल एन (2019)। उत्तर पूर्व भारत के राजा मिर्च (कैप्सिकम चिनेंस जैक) में वायरस की बीमारी और आणविक अनुक्रमण। इंडियन फाइटोपैथोलॉजी <https://doi.org/10.1007/s42360-019-00169-y>
4. राजेश, टी., मारुथसालम, एस, कल्पना, के, पूनोवनन, के, कुमार, केके, कोहिलादेवी, ई, सुधाकर, डी, वलजाहन, आर और बालूबुब्रमण्यन, पी। (2020) पिरामिड कीट। और रोग प्रतिरोध एक अभ्रक चावल की खेती। बायोलोजिया प्लांटरस, 64: 77-86 (डीओआई: 10.32615/bp.2019.106।)
5. सियामीलीह पी, नोरेन एसके, खन्ना बीके, राय एम, मीटीई एनटी और पट्टनायक ए (2019)। भारत के उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र से अपलैंड राइस (ओरिजिन सैटिव एल) जीनोटाइप की आनुवंशिक विविधता का आकलन। संब्जियाँ: doi.org/10.1007/s42535-019-00037-0
6. त्यागी डब्ल्यू, युनम जेएस, सेन डी, राय एम (2020) रूट ट्रांसस्क्रिप्टम ने एसिडिक मिट्टी के अनुकूल चावल जीनोटाइप में एल्यूमीनियम विषाक्तता सहिष्णुता के लिए कुशल सेल सिग्नलिंग और ऊर्जा संरक्षण कुंजी का खुलासा किया। वैज्ञानिक रिपोर्ट। 10: 4580। <https://doi.org/10.1038/41598-020-61305-7>

8.2.4. मात्स्यकी कालेज, लिंबूचर, त्रिपुरा

1. ए यादव, सागर सी मंडल, ए.बी. पटेल और पी.के. मौर्य (2019)। माइनर कार्प, सिरहिनस रेबा (हैमिल्टन, 1822) फिंगरप्रिंटिंग के विकास प्रदर्शन के लिए आहार प्रोटीन की आवश्यकता का मूल्यांकन। एक्वाकल्चर रिसर्च 50 (11): 3343-3349। <https://doi.org/10.1111/are.14292>
2. चौधरी, टी.जी. और कामिल्या, डी। 2019। पैराप्रोबायोटिक्स: एक जलीय विज्ञान परिप्रेक्ष्य में समीक्षा। 1258 - 1270. doi.org/10.1111/raq.122901
3. दर्शन, ए, अबुजम, एस, कुमार, आर, परी, जे, सिंह, वाई.एस., विश्वनाथ, डब्ल्यू., दास, डी एन, और पांडे पी। (2019)। मिस्टस प्रबीनी, अरुणाचल प्रदेश, उत्तर-पूर्वी, भारत से कैटाफिश की एक नई प्रजाति (सिलिफोरीम्स: बैग्रीडा)। जूटाक्सा। 4648 (3): 511-522। DOI: 10.11646 / zootaxa.4648.3.6।
4. ली, सी, वांग, जे, चेन, जे, शनाइडर, के, राधाकृष्णन, के.वी., एल्मर, के.आर., झाओ, जे (2019)। पर्ल नदी में देशी बीघे कार्प हाइपोफथालमिचिस नोबिलिस और सिल्वर कार्प हाइपोथैलिमचिस मॉलिट्रिक्स आबादी को यांगचेंज नदी के खतरों से खतरा है, जैसा कि मोर्चोन्ड्रियल डीएनए द्वारा पता चला है। मछली जीवविज्ञान जर्नल, 1-12। <https://doi.org/10.1111/jfb.14253>
5. एम सिंह, ए एस बर्मन, ए एल देवी, ए जी देवी, पी के पांडे (2019)। मीठे पानी की मछली लेबियो रोहिता में लोहे की मध्यस्थिता वाले हेमटोलॉजिकल, ऑक्सीडेटिव और हिस्टोलॉजिकल परिवर्तन। पारिस्थितिकीय और पर्यावरण सुरक्षा 170: 87-97। <https://doi.org/10.1016/j.ecoenv.2018.11.1291> (10.53)
6. पांडा, ए, जेना, डी, दत्ता, एम.के., परी, जे, राधाकृष्णन, के.वी., पांडे, पी.के. (2019) है। इंडो 22 बर्मा जैव विविधता हॉटस्पॉट में विभिन्न नदियों से भारतीय पहाड़ी द्राउट, बारिलियस बेंडेलिसिस (हैमिल्टन, 1822) के मॉर्फोलॉजिकल और आणविक विचलन: क्या नदी की ऊंचाई और बांध एक भूमिका निभाते हैं? एप्लाइड इचथोलॉजी के जर्नल, 1-7। <https://doi.org/10.1111/jai.13978>



8.2.5. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कॉलेज, मेलेसिह, आड्जॉल

1. बेहरा, एस के, शाह, एन, प्रसाद, एच, कल्याण सरमा (2019)। एक फारसी बिल्ली और उसके चिकित्सीय प्रबंधन में चेयलेटेलोसिस का एक असामान्य मामला। (जुलाई-सितंबर 2019) 43 (3): 534-536 <https://doi.org/10.1007/s12639-019-01115-5>
2. चक्रवर्ती एस, रॉयचौधरी पी, सामंता प्रथम, सुबुद्धि पीके, लालहरुपीपुई, दास एम, डी ए, बंद्योपाध्याय एस, जोर्डर एसएन, मंडल एम, कुरैशी ए और दत्ता टीके (2019)। भारत के मिजोरम के सुअर और चिकन से पृथक साल्मोनेला सेरोबर्स के बायोफिल्म, विषाणु और रोगाणुरोधी प्रतिरोध से जुड़े जीन की आणविक पहचान। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च। DOI: 10.18805 / ijar.B-3817
3. चूतिया बिस्वजीत, रमन सर्दुर, तोलेनखोम्बा टीसी, कलिता गिरिन, कथ के। जोशुआ (2019) मिजोरम में केवीके के अधिकारियों द्वारा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग। ग्लोबल कम्युनिकेशन जर्नल, 12 (2): डीओआई: 245-247। 10.5958 / 0976-2442.2019.00012.0
4. दत्ता टीके, रॉयचौधरी पी, वंगछिया बीएल, राल्टे आर, और सुबुद्धि पीके। (2019) है। अफ्रीकी स्वाइन बुखार: भारत में सुअर पालन के लिए एक संभावित खतरा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी और अनुप्रयुक्त विज्ञान। 8 (6): doi: 10.20546 / ijcmas।
5. गौतम पी, एफिमोवा एम, एना एस, लेटेफ अल-अवेसी जी, घोष एस, एट अल। (2020)। भेड़ के प्रायोगिक रूप से इंटरफेरॉन गामा (IFN-γ) जीन की अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग और मात्रा का ठहराव *HaemonchusContortus* के साथ संक्रमित।
6. गौतम पात्रा, हिंबा रियाद अल-अबोदी, अना सहारा, सुभमौय घोष, सोनजॉय कुमार बोर्थाकुर, पार्थसारथीबेहरा, शमीकपल्ले, और अभिजीत डेका (2019)। भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सूअरों के परजीवी जीवों की व्यापकता। जैविक लय खोज। <https://doi.org/10.1080/09291016.2019.1573460>
7. गौतम पात्रा, एम ए एफिमोवा, एना सहारा, संजय कुमार बोर्थाकुर, शुभमय, घोष, शमीक पोले, पार्थसारथी बेहरा और अपूर्व देबवर्मा (2019)। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के छोटे जंगली रैंकों में इक्टो और एंडो परजीवी जीवों का संयोग। <https://doi.org/10.1080/09291016.2019.10628401>
8. के जोशुआ कथ सर्दुर रहमान समरेश कुमार दास रंजना गोस्वामी जेके चौधरी लालहूमलियाना तोछवंग बिस्वजीत चुटिया, 2019. नागालैंड, भारत के सूजी-आर्थिक स्थिति, किसान 9, 199-203, 199-203, DOI. <http://dx.doi.org/10.5455/ijlr.20190531071952>
9. कल्याण सरमा, यारित नचुम बियाला, मृत्युंजय कुमार और गाड बनथ (2019)। पूर्वोत्तर भारत में कुत्तों में वेक्टर-जनित परजीवी संक्रमण की आणविक जांच। परजीवी और क्षेत्र (12): 122-130 <https://doi.org/10.1186/s13071-019-89-8>
10. केनेसेनू, चौधरी ओपी, देबरॉय एस, आर्य आरएस, कलिता पीसी, डेली पीजे, राजखोवा टीके और कलिता ए (2019)। क्रेस्टेड सर्प ईगल (स्पिलोर्निस चीला) और ब्राउन बुड आउल (स्ट्रिक्स लेप्टोग्रामिका) के कंधे के घोड़ों पर तुलनात्मक सकल शारीरिक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च। DOI: 10.18805 / ijar.B-38191
11. एमसी लल्लिअन्चुंगा, लल्वामजुअली राल्टे, सी लालमुंथांगा, एम अयूब अली और एच लालरिकिमा (2020): बकरी की ऊड़र स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित मट्टे में यूरिया की सांद्रता में परिवर्तन। 8 (2): 1226-1228। <https://doi.org/10.22271/chemi.2020.v8.i2s.8933>
12. प्रियंका, श्रृंगी बीएन, चौधरी ओपी और कश्यप एसके। (2019) है। बुसेला एबॉर्ट्स संक्रमित मवेशियों में साइटोकिन संबंधित जीन की अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग। जैविक ताल अनुसंधान DOI: <https://doi.org/10.1080/09291016.2019.16002631>
13. प्रियंका, श्रृंगी बीएन, चौधरी ओपी और कश्यप एसके। (2019)। बूसेलोसिस में साइटोकिन्स: जन्मजात और अनुकूली प्रतिरक्षा के इंटरफेरॉस में जैविक लय। जैविक ताल अनुसंधान DOI: <https://doi.org/10.1080/09291016.2019.16137941>
14. आर बरगौहिन और टी के राजखोवा (2019)। बोथर के पोषक तत्व उपयोग और अर्थशास्त्र में मिजोरम, भारत में पारंपरिक फीड-सामान के विकल्प के रूप में टिथोनिया डायविसिफोलिया फूल भोजन (टीडीएफएम) खिलाया गया। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च। 10.18805 / ijар.B-35001।
15. आर बरगौहिन, बी.एन. सैकिया, ए.के.सामांता और टी. के.राजखोवा (2019)। लार्ज व्हाइट यॉर्कशायर (LWY) उत्पादक फिनिशर सूअरों की आंत आकारिकी पर किण्वत तरल फीड का प्रभाव। जर्नल ऑफ एन्टोमोलॉजी एंड



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- जूलॉजी स्टडीज 10..20546 / ijcmas.2019.808.2351
16. राहुल सिंह आर्य, वाई। दामोदर सिंह, रविंद्रन आर। और टी। के। राजखोवा (2019)। डाइक्लोफेनाक के पैथोलॉजी गिर्धों और घरेलू फॉवेल में आंत के गाउट को प्रेरित करते हैं: लैकुने और गुंजाइश। प्रोक। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)। पीपी 410-412 (आईएसबीएन: 978-93-88237-89-5)।
17. राजखोवा टीक। (2018) भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में संक्रामक बर्सल रोग (IBD) की आणविक महामारी विज्ञान बहुत विषेले IBD (vvIBD) के विशेष संदर्भ के साथ। इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट (आईएवीपी) का वार्षिक सम्मेलन, IX वार्षिक कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट (ICVPP)) और राष्ट्रीय संगोष्ठी 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में हाल के अग्रिम और सतत पशुधन और रोग उत्पादन के लिए रोग निदान'। 337-347, 22nd से 24 अक्टूबर 2018। पशु चिकित्सा पैथोलॉजी के सी।, सी। वी। एससी। - ए। एच।, सरदारकुण्णनगर दांतीवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, सरदारकुण्णनगर-385506, गुजरात भारत।
18. रविंद्रन आर, राहुल सिंह आर्य, वाई.डी. सिंह और टी के राजखोवा (2019)। नहरों में नियोप्लाज्म की घटना - भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों का एक परिप्रेक्ष्य। प्रोक। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)। पीपी 361-364 (आईएसबीएन: 978-93-88237-89-5)।
19. शर्मा बी, नसीरुल्ला एन, भट एम.ए., तकु ए, गॉयचौधरी पी, अहमद, जे ए, शुद एस और महमूद, एस (2019)। जम्मू के आसपास पक्षियों से पृथक एविपोक्सोवायरस की घटना और फाइलोजेनेटिक विश्लेषण। वायरस रोग, DOI: <https://doi.org/10.1007/s13337-018-00507-0>
20. शेरिन, एस, सैकिया, बी, कोनवार, बी, अहमद, एफ, चौधरी, जे, सिंह, डी और लालमंगजईहुजुला, एम। (2019)। कुत्तों में लैप्रोस्कोपिक और न मेथड द्वारा ओवरीएक्टोमी की तुलना। पशुधन अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 9 (10): 60-67। doi: 10.5455/ijlr.20180730042752
21. वाई दामोदर सिंह, राहुल सिंह आर्य, रविंद्रन आर और

टी के राजखोवा (2019)। उत्तर-पूर्व भारत में प्रचलित पौल्ट्री के सामान्य वायरल रोग। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)। पीपी 101-106 (आईएसबीएन: 978-93-88237-89-5)।

8.2.6. कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड पीएचटी, रानीपूल, सिक्किम

1. घोष एम, श्रीवास्तव एस, रायगर आरके और मिश्रा एचएन (2019)। स्प्रे-सूखे बनस्पति तेल पाउडर की गुणवत्ता विशेषताओं की भविष्यवाणी के लिए बहुप्रत अवधरणात्मक तंत्रिका नेटवर्किंग। नरम कम्प्यूटिंग, 1-13; doi no doi.org/10.1007/s00500-019-04494-21
2. पटले जीटी, कुमार एम और खन्ना एम (2019)। टिकाऊ कृषि के लिए स्वच्छ-स्मार्ट जल प्रौद्योगिकियाः एक समीक्षा। जल और जलवायु परिवर्तन जर्नल: doi.org.10-2166/wcc.2019.2571
3. पटले जीटी, चंद्री एम और झज्जारिया डी (2019)। कई रैखिक सिग्नेशन और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क तकनीकों का उपयोग करके व्यापक रूप से पैन वाष्णीकरण मॉडलिंग। जलापूर्ति: doi.org/10-2166/ws.2019.1891
4. विंशष्ठ एके और रंजन पी (2020)। आंतरायिक बहु-स्तंभ रेत फिल्टर: कई अनुप्रयोगों के लिए एक अनूठा समाधान। द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) जर्नल: सीरीज ए, 101, 69-70। <https://doi.org/10.1007/s40030-019-00408-51>

8.2.7. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. निवास, आर, चाँद, जी मौर्य, डी और ए के। मौर्य (2019)। उत्पादन और योगदान ट्राइकोडर्मा सूक्ष्मजीव और कृषि में इसका उपयोग, कृशिका pp1-4।

8.2.8. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन, जलूकी, नागालैंड

1. अंकन डे, मोहम्मद अय्यूब अली, तुकेश्वर चूटिया, सुनील कुमार ओन्टेरू, पार्थसारथी बेहरा, गिरिन कलिता, सुदर्शन कुमार और जगन मोहनराव गली (2019)। तुलनात्मक सीरम प्रोटीम विश्लेषण से सूअरों में संभावित प्रारंभिक गर्भावस्था-विशिष्ट प्रोटीन बायोमार्कर का पता चलता है। प्रजनन, प्रजनन और विकास, 31: 613-631।



8.2.9. कॉलेज ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, इंफाल

1. अंगमाललेंग, अमरजीत सिंह प्रसाद चव्हाण, अरुणअक्तकान, बलजीत सिंह (2019)। अधिक तलने की प्रक्रिया के मानकीकरण और अननास पोमेस पाउडर-निगमित चावल-आधारित एक्सट्रूडेड उत्पाद के भंडारण की स्थिरता पर उनके प्रभाव। खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण के पौष्टिक। DOI: 10.1111 / jfpp.13950
पेज: 1-10

8.3. सी. सम्मेलन/संगोष्ठी कार्यवाही:

8.3.1. कृषि महाविद्यालय, इम्फाल

1. सिंह राम, दंपति ए, पसाह एस, फिरोज एसएम एट अल। (2019) है। स्थायी आजीविका और आय के लिए जैविक अदरक की खेती: एनईएचआर का स्थानिक विश्लेषण, सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 की कार्यवाही, 11-13 नवंबर, 2019। पृष्ठ -67-73।
2. शास्त्री, ई वी दिवाकर। 2019. मामूली मसाले। स्मारिका, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय क्षेत्रीय कृषि-मेला 2019-20। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल। पीपी 77-85।

8.3.2. बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. मोनाया, डी और सिंह, बी (2020)। कृषि और जैव सुरक्षा को जोड़ने में सतत बागवानी की भूमिका। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के विकास में बागवानी के व्यवसाय पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पीपी 92. फरवरी 24-25, 2020, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
2. देवनाथ, पी, पट्टानायक, एस और हीस्नाम, पी। (2019)। अरुणाचल प्रदेश की एसिड मिट्टी में फूट हिल के नीचे फैबा बीन (वियाकफाबा) जर्मप्लाज्म के प्रदर्शन का मूल्यांकन, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स (आईएसएई), मुंबई के 'नॉर्थ ईस्टर्न रीजन के विकास में बागवानी-व्यवसाय के परिप्रेक्ष्य' पर क्षेत्रीय सेमिनार की कार्यवाही 24-25, फरवरी, 2020।
3. डोभल, एस, सुरमिना, एन.डी., मोमिन, के च और हजारिका, बी.एन. (2019)। कृषि समुदायों में उत्पादकता में वृद्धि के लिए कृषि क्षेत्र के तहत क्लोनल वृक्षारोपण का सतत उपयोग। में: प्रशिक्षण नियमावली संख्या 01/2019, मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ऑनसाइको आर्थिक

विकास बागवानी खेती। 04-06 सितंबर, 2019, पीपी 70-76

4. डोभल, एस और हजारिका, बी.एन. (2019)। बागवानी फसल का डिजिटलाइजेशन। इन: कम्पेडियम, मॉडल ट्रेनिंग कोर्स सब्जी की फसलों की उन्नत खेती: नेह क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। दिसंबर 02-09, 2019, पीपी 155-15 9
5. हिसनाम, पी, इरुंगबम, पी, देवनाथ, पी, पट्टानायक, एस और हजारिका, बी.एन. (2019) है। इंडियन सोसाइटी के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के 'विकास के परिप्रेक्ष्य' पर क्षेत्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही से समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन से प्रभावित और टमाटर के सूखे पदार्थ और पैदावार (सोलनम लाइकोपर्सिकम एल।) पर प्रभाव के रूप में मिट्टी के पोषक तत्वों की उपलब्धता पर प्रभाव। कृषि अर्थशास्त्र (आईएसएई), मुंबई, 24-25, फरवरी, 2020।
6. पट्टानायक, एस.के., हजारिका, बी.एन., देवनाथ, पी और मोहंती, जे। (2019)। साइट्रस लिमोन (एल) बर्म के विकास के लक्षण। अरुणाचल प्रदेश की रेतीली मिट्टी में हाइड्रोजेल से प्रभावित, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स (ISAE) के मुंबई, 24-25, फरवरी, 2020 के "उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास के परिप्रेक्ष्य" पर क्षेत्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही।
7. रंगेखम जे, सिंह बी, वांगचू, एल और हजारिका, बी.एन. (2020)। लीची (लीची चिनिस सोन।) के विकास और येल्स पर हाइड्रोफिलिक पॉलिमर और मूल सामग्री का प्रभाव। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के विकास में हॉटर्टी के व्यवसाय पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पीपी 98. फरवरी 24-25, 2020, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश
8. साहू, ए.के. एंड एनगली, टी (2020)। नागालैंड की खेती की बागवानी फसलों के साथ रैखिक अनुकूलन फसल प्रणाली। 24-25 फरवरी, 2020 को हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट इन नॉर्थ ईस्टर्न रीजन पर क्षेत्रीय सेमिनार, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, पासीघाट में आयोजित
9. सिंह बी, तबी, ओ, वांगचू, एल और हजारिका, बी.एन. (2020)। स्टॉकियोर्ब को खासी मंदारिन (साइट्रस रेटिकुलेट ब्लैंको।) ऑर्चर्ड में सूखा तनाव को कम करने के लिए। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के विकास में हॉटर्टी के व्यवसाय पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पीपी 95-96। 24-25 फरवरी, 2020, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

8.3.3. मात्स्यकी कॉलेज, लिंबूचरा, त्रिपुरा

1. महानंद, एस.एस., मौलिक, एस, राव, पी एस, पांडे, पी के, 2019। इन-सिटू का प्रभाव और बाहरी रूप से रोहू, लबियो रोहिता की पानी की गुणवत्ता और वृद्धि पर जैव ईंधन प्रणाली को जोड़ा गया। इंटरनेशनल सेमिनार एशिया पैसिफिक एकाकल्चर, 19-21 जून 2019 के दौरान।
2. महानंद, एस एस, मौलिक, एस, राव, पी.एस. 12 - 14 दिसंबर 2019 के दौरान “बिम्स्टेक देशों के सतत विकास के लिए जल (ऊर्जा और जैव विविधता) (WEB) (BIMSTEC-2019 के लिए WEB)” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। अगरतला।

8.3.4. स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, बारापानी, मेघालय

1. बेजिल एम, बूबाना पी, त्यागी डब्ल्यू और राय एम (2020) पी की कमी और अल विषैले अम्लीय मिट्टी और हाइड्रोपोनिक स्थितियों के तहत एल विषाक्तता के जवाब के लिए अलसी के विपरीत जीनोटाइप की पहचान। प्लांट जेनेटिक्स और जीनोमिक्स सम्मेलन, एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई। 23-24 जनवरी, 2020।
2. हाजोंग, एम, राजेश, टी, टॉमबिसाना देवी, आर.के., देबर्मा, एम, नोंगथोम्बाम, ओडी, देब, एल, बीहर, जी.टी. और रिंबाई, एच। 2019। जैविक एजेंटों के रूप में टमाटर माइक्रोफ्लोरा का मूल्यांकन और पर्याप्त फंगल रोगजनकों पर उनके प्रभाव। ‘स्स्टेनेबल प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट’ के माध्यम से कृषि आय को बढ़ाना’ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ। 115, 6-8 नवंबर, उ.पू.प. क्षेत्र, उमियाम, मेघालय के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर।
3. कलिता, एल, राजेश, टी। दास, जे। और महंत, एम। 2019। गेहूं का विस्फोट- एक पारगमन बीमारी के रूप में एक उभरती हुई वैशिक और राष्ट्रीय चिंता। ‘स्स्टेनेबल प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट’ के माध्यम से कृषि आय को बढ़ाना’ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ 63, 6-8 नवंबर, उ.पू.प. क्षेत्र, उमियाम, मेघालय के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर।
4. लाप बी, त्यागी डब्ल्यू और राय एम (2019) मणिपुर के एक आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण भूभाग चक्रों पोएरिटोन में बैंगनी रंग के जेनेटिक्स। पादप आनुवंशिकी और जीनोमिक्स पर 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- ‘जर्मप्लाज्म टू जीनोम इंजीनियरिंग’। एनएससी कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई

दिल्ली। 17-18 अक्टूबर, 2019।

5. लिंगदोह, ई.ए.एस. और संजय-स्वामी (2019)। जेटिया हिल्स के कोयला खदान क्षेत्र की भारी धातुओं प्रदूषित मिट्टी का प्रबंधन करने के लिए फाइटमेडिमेडिशन तकनीक। में: मिट्टी और जल संरक्षण, 14 (2): 02-03। ISSN: 0975-4059।
6. माधन, एन, राजेश, टी, नंदीशाला, एस.वी., सत्यनारायण, एम वी, टॉमबिसाना देवी, आर.के., निंगथौजम, के, आजाद ठाकुर, एन.एस., सिंह, एन.बी., रूपेश, एम और सुटिंग, ई.जी. 2019. मेघालय में शियाटेक मशरूम (लैंटिनुला एडोडस (बर्की) पैगलर) की सफल खेती के लिए उपजाऊ लकड़ी के रूप में लकड़ी की लाँग। ‘स्स्टेनेबल प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट’ के माध्यम से कृषि आय को बढ़ाना’ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ 127, 6-8 नवंबर, उ.पू.प. क्षेत्र, उमियाम, मेघालय के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर।
7. महंत, एम, राजेश, टी, दास, जे और कलिता, एल 2019। वनस्पति रोग प्रबंधन में बैक्टीरियल कोरेम संवेदन। ‘स्स्टेनेबल प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट’ के माध्यम से कृषि आय को बढ़ाना’ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ। 103, 6-8 नवंबर, उ.पू.प. क्षेत्र, उमियाम, मेघालय के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर।
8. एन मदन, टी राजेश, एस.वी. नंदीशाला, एम.एस.वी., सत्यनारायण, आर.के. टॉमबिसाना देवी, के निंगथौजम, एन.एस. आजाद ठाकुर, एन.बी. सिंह, एम। रूपेश और ई। गैरी सेलिंग (2019)। मेघालय में शियाटेक मशरूम (लैंटिनुला एडोडस (बर्की) पैगलर) की सफल खेती के लिए उपजाऊ लकड़ी की लकड़ी। सतत संयंत्र स्वास्थ्य प्रबंधन के माध्यम से कृषि आय बढ़ाने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। प्लांट पैथोलॉजीज और आईसीएआर एनईएच क्षेत्र द्वारा आयोजित। पृष्ठ 133-136
9. नंदिष्ठा, एस.वी., राजेश, टी, माधन, एन, टॉमबिसाना देवी, आर.के., आजाद ठाकुर, एन.एस., सिंह, एन.बी., रूपेश, एम। और सुटिंग, ई.जी. 2019. मेघालय में शिताके मशरूम (लैंटिनुला एडोडस (बर्की) पैगलर) स्पॉन उत्पादन तकनीक का मानकीकरण। ‘स्स्टेनेबल प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट’ के माध्यम से कृषि आय को बढ़ाना’ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ 133, 6-8 नवंबर, एनईएच क्षेत्र, उमियाम, मेघालय के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर।
10. राजेश, टी, रानी, पी.एम.एन., टॉमबिसाना देवी, आर.के. और सेलिंग, ई.जी. 2019. विशेषज्ञ प्रणाली-मेघालय में चावल रोग निदान और प्रबंधन के लिए सफल उपकरण। ‘स्स्टेनेबल प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट’ के माध्यम से कृषि



- आय को बढ़ाना' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ। 105, 6-8 नवंबर, उ.पू.प. क्षेत्र, उमियाम, मेघालय के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
11. संजय-स्वामी (2019)। मेघालय में कृषि को अधिक कुशल, अधिक टिकाऊ बनाने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण। स्मारिका, सीएयू क्षेत्रीय कृषि-मेला 2019-20, 11-13 नवंबर, 2019: 52-57।
 12. संजय-स्वामी (2019)। मेघालय के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए अभिनव अभ्यास। मिट्टी और जल संरक्षण, 14 (3): 06-08। ISSN: 0975-4059।
 13. संजय-स्वामी (2019)। पूर्वोत्तर क्षेत्र के नाजुक पहाड़ी पारिस्थितिक तंत्र का प्रबंधन। में: मिट्टी और जल संरक्षण आज, 14 (1): 02. ISSN: 0975-4059।
 14. संजय-स्वामी और गुर्जर, जी.एन. (2019) है। कृषि में ग्रामीण युवाओं को आकर्षित करने के लिए कृषि व्यवसाय। स्मारिका, सीएयू क्षेत्रीय कृषि-मेला 2018-19, जनवरी 11-13, 2019: 68-73।
 15. संजय-स्वामी, यादव, ओ.एस. और गुर्जर, जी.एन. (2018) है। मृदा में कार्बन की बढ़ती मात्रा के लिए बायोचार का उपयोग। में: स्मारिका, 'किसानों की आय के लिए मृदा और जल संसाधन का सतत प्रबंधन' पर एससीएसआई का 27 वां राष्ट्रीय सम्मेलन (सं।) बिपुल डेका एट अल।, अक्टूबर 25-27, 2018, एससीएसआई, एएयू, जोरहाट का असम अध्याया। असम, पीपी। 75-77।
 16. सिंह आर (2020) 'एनईएच क्षेत्र में उद्यमिता विकास के लिए मसालों का मूल्य श्रृंखला विश्लेषण' उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी, पीजी: 54-67, फरवरी, 24 फरवरी 2020 बा. एवं बा. म. सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
 17. सिंह आर, डिंपप ए, पासहा एस, फिरोज एस.एम., चौधरी ए, कुमार एस, संगपुर्झ एल, देवी ए ए, सिंह एन. ए., देवी एल.जी. और चौहान जे। को। (2019)। 'स्थायी आजीविका और आय के लिए जैविक अदरक की खेती: NEHR के स्थानिक विश्लेषण। सोवुनिर कृषि-मेला, पृष्ठ: 67-73, नवंबर, 11-13वें, सीएयू, इंफाल, मणिपुर। टी। राजेश, पी.एम.एन. रानी, आर.के. टी। देवी और ई.जी. सेलिंग, 'एक्सपर्ट सिस्टम-मेघालय में चावल की बीमारियों के निदान और प्रबंधन के लिए सफल उपकरण', स्टेनेबल प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट के माध्यम से कृषि आय बढ़ाने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पीजी: 105, 6-8 नवंबर, 2019 को उ.पू. क्षेत्र, उमियाम मेघालय में भा.कृ.अ.प. शोध परिसर।

8.3.5. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, सेलेसिह, आइजॉल

1. ए। कलिता (2019)। XXXVI वार्षिक पशुचिकित्सा रोगविज्ञानी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के भारतीय संघ के वार्षिक सम्मेलन 'अग्रिम और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी' में 6 से 8 नवंबर 2019 के दौरान पशुचिकित्सा और पशुपालन कॉलेज, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (I), सेलेसिह, आइजॉल -796015, मिजोरम।
2. ए.के. सामंत, जे एम राव गली, टी के दत्ता, टी के राजखोवा, जी पी मंडल और अमलान पात्रा (2019) प्रतिरक्षा स्थिति पर संयंत्र के अर्क और आवश्यक तेलों के अनुपूरक का प्रभाव और बीनर फिगलेट्स की आंतों की माइक्रोबियल जनसंख्या। 17-19 दिसंबर, 2019 को पशु पोषण विभाग, पश्चिम बंगाल पशु और मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत में आयोजित। पशु पोषण विभाग और स्वच्छ दूध उत्पादन में सुधार के लिए पोषण संबंधी रणनीतियों पर पशु पोषण 2019 का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन,
3. बी कोंवर, चांग एल, एन सरमा, ए देबर्मा और आर पॉल (2019)। खरगोशों में पोस्टऑपरेटिव इंट्रा-पेट के आसंजन को रोकने के लिए शहद का अनुप्रयोग। वेटरनरी पैथोलॉजी कांग्रेस-2019, XXXVI वार्षिक सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट और इंडियन कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट की वार्षिक बैठक। 'स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में उन्नति' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (6-8 नवंबर, 2019), पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन विभाग, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसिह, आइजॉल, द्वारा आयोजित मिजोरम, भारत। पृष्ठ संख्या: 233
4. बी कोंवर, हितेश बान, कल्याण सरमा, दिव्यज्योति तालुकदार और निर्मली सरमा (2019)। कैनाइन में महिला जननांग प्रणाली विकार का निदान। पशु चिकित्सा और रेडियोलॉजी विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान, लाला लाजपत राय विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी विभाग में आयोजित 'पशु चिकित्सा और शल्य चिकित्सा में संशोधन पर हाल के अग्रिमों पर भारतीय पशु चिकित्सा सर्जरी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए भारतीय समाज की 43 वीं वार्षिक कांग्रेस'। पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान, हिसार 14 से 16 नवंबर, 2019 तक। पृष्ठ संख्या: 319।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

5. बसंता सैकिया, एस.एन. चौत्र और टी। रीना देवी (2019)। आठ उपजीभीमे में योनि ठ्यूमर पर अध्ययन। XXXVI पशु चिकित्सा रोग विज्ञानियों की भारतीय संघ की वार्षिक सम्मेलन x पशु चिकित्सा रोग विज्ञानियों और राष्ट्रीय संगोष्ठी के भारतीय महाविद्यालय की वार्षिक बैठक 'स्वास्थ्य, भोजन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा रोग विज्ञान में प्रगति' पशु चिकित्सा विकृति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, सी.वी.सी. & AH I, सेलेसिह, आइजॉल 6-8 नवंबर 2019 को। पृष्ठ संख्या:
6. दत्ता टीके, वंगवचिया बीएल और कुमार एस (2019)। इंडियन हेल्थ एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट और राष्ट्रीय संगोष्ठी का XXXVI वार्षिक सम्मेलन 'स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति।' पीपी 39-42। 6-8 नवंबर, 2019। वेटरनरी पैथोलॉजी विभाग, सीवीएससी एंड एच, सीएयू (आई), सेलेसिह, आइजॉल, मिजोरम, भारत द्वारा आयोजित।
7. एच ब्यान, आर रविंद्रन, बी कोंवर, बी सैकिया और डी डेका (2019)। निदान और कैनाइन स्तन ठ्यूमर के सर्जिकल प्रबंधन। पशु चिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019। 6-8 नवंबर, 2019। XXXVI IAVP का वार्षिक सम्मेलन, ICVP की एक्स वार्षिक बैठक, पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, CVSC और AH, CAU (I), मिजोरम। पृष्ठ संख्या: 376।
8. ओ.पी. चौधरी, पी.सी. कलिता, ए कलिता, पी। जे। डेली और केनेइसेनुओ (2019)। क्रेस्टेड सर्प इंगल (स्पिलॉर्निस चीला) और ब्राउन बुड उल्लू (स्ट्रक्स लेप्टोग्रामिका) के वृषण पर तुलनात्मक ऊतकीय और ऊतकीय अध्ययन। XXXVI वार्षिक पशुचिकित्सा रोगविज्ञानी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के भारतीय संघ के वार्षिक सम्मेलन 'अग्रिम और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी' पर 6 से 8 नवंबर 2019 के दौरान पशुचिकित्सा और पशुपालन कांलेज, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसिह, आइजॉल-796015, मिजोरम।
9. पी.सी. कलिता (2019)। 13-15 नवंबर, 2019 को हैदराबाद, तेलंगाना के सेलुलर और आणविक जीवविज्ञान (ब्लडर) केंद्र में एसोसिएशन ऑफ जू एंड वाइल्डलाइफ वेटरनरीज की 13 वीं वार्षिक बैठक में वेटरनरी विज्ञान के लिए उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
10. आर बरगोहिन, बी.एन. सैकिया, ए.के.सामांता और टी. के.राजखोवा (2019)। लार्ज व्हाइट यॉर्कशायर (LWY) उत्पादक फिनिशर सूअर की आंत आकारिकी पर किए वत तरल फीड का प्रभाव। प्रोक। वेटरनरी पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और XXXVI वार्षिक सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट और एक्स वार्षिक बैठक इंडियन कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट और राष्ट्रीय संगोष्ठी 'स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम', 6-8 नवंबर, 2019, पशु चिकित्सा विज्ञान विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन विभाग, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसिह, आइजॉल, मिजोरम, भारत द्वारा आयोजित किया जाता है।
11. आर बरगोहिन, बी.एन. सैकिया, ए.के.सामांता, आर दोवराह और आर। भुइयां (2019)। वृद्धि पर शुष्क, गैर-किणिवत और किणिवत तरल फीड का प्रभाव, पोषक तत्वों की पाचनशीलता और उत्पादक-फिनिशर लार्ज व्हाइट यॉर्कशायर (LWY) सूअरों का अर्थशास्त्र। प्रोक। पशु पोषण विभाग और स्वच्छ दूध उत्पादन में सुधार के लिए पोषण संबंधी रणनीतियों पर पशु पोषण 2019 का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 17-19 दिसंबर, 2019 को पशु पोषण विभाग, पश्चिम बंगाल पशु और मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत, पृष्ठ 82 द्वारा आयोजित।।
12. राहुल सिंह आर्य, वाई दामोदर सिंह, रविंद्रन आर और टी के राजखोवा (2019)। डाइक्लोफेनाक के पैथोलॉजी गिर्दों और घरेलू फॉवेल में आंत के गाउट को प्रेरित करते हैं: लैक्कने और गुंजाइश। एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' पर सेलेसिह, आइजॉल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019) को पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019। पृष्ठ 410-412 (आईएसबीएन: 978-93-88237-89-5)।
13. राजखोवा टीके (2018)। भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में संक्रामक बर्सल रोग (IBD) की आणविक महामारी विज्ञान बहुत विषेले IBD (vvIBD) के विशेष संदर्भ के साथ। इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट (IAVP) का वार्षिक सम्मेलन, IX वार्षिक कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट (ICVPP)) और राष्ट्रीय संगोष्ठी 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में हाल के क्रांति और सतत पशुधन और रोग उत्पादन के लिए रोग निदान'। 337-347, 22 से 24 अक्टूबर 2018। सी वी एससी। ए एच, सरदारकृष्णनगर दांतीबाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, सरदारकुशीनगर-385506, गुजरात भारत।
14. रविन्द्रन आर, राहुल सिंह आर्य, वाई.डी. सिंह और टी के राजखोवा (2019)। नहरों में नियोप्लाज्म की घटना-भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों का एक परिप्रेक्ष्य। पशुचिकित्सा



- पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)। पृष्ठ 361-364 (आईएसबीएन: 978-93-88237-89-5)।
15. सामंत, ए के दास, बी.के., दास, जी, दत्ता, टी के, हजारिका, पी और सिंह, एन.एस. (2019) स्तनपान कराने वाली गाय में रक्त जैव रासायनिक घटकों पर संपीडित पूर्ण फीड ब्लॉक को खिलाने का प्रभाव। वेटरनरी पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और XXXVI वार्षिक सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट और एक्स वार्षिक बैठक इंडियन कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट और राष्ट्रीय संगोष्ठी 'स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति', 6-8 नवंबर, 2019, पशु चिकित्सा विज्ञान विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन विभाग, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलसिह, आइजोल, मिजोरम, भारत द्वारा आयोजित किया जाता है।
 16. सुजैन मातस्वामथांगी और ए.के. सामंत (2019) मिजोरम के डेयरी कैटल के दूध उत्पादन और रक्त जैव रासायनिक मापदंडों पर क्षेत्र विशिष्ट खनिज मिश्रण के पूरक का प्रभाव। पशु पोषण विभाग और स्वच्छ दूध उत्पादन में सुधार के लिए पोषण संबंधी रणनीतियों पर पशु पोषण 2019 का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 17-19 दिसंबर, 2019 को पशु पोषण विभाग, पश्चिम बंगाल पशु और मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत द्वारा आयोजित, पृष्ठ 82।
 17. वाई दामोदर सिंह, राहुल सिंह आर्य, रविंद्रन आर और टी के राजखोवा (2019)। उत्तर-पूर्व भारत में प्रचलित पोल्ट्री के सामान्य वायरल रोग। पशु चिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और 'एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)। पृष्ठ 101-106 (आईएसबीएन: 978-93-88237-89-5)।

8.3.6. कृषि अभियांत्रिकी एवं सम्योपरांत प्रौद्योगिकी कालेज, रानीपूर, सिविकम

1. दास एसएस और चक्रवर्तीपी (2019)। टापसिस विधि का उपयोग करके हिप इम्प्लांट्स के एसिटाबुलर घटक के लिए एचडीएचए के मिश्रणों से उपयुक्त बायोमैटेरियल का निर्माण और चयन। (ओद्योगिक ट्राइबोलॉजी पर 10

वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन), दिसंबर, 1-4, 2019, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर।

2. दास एसएस और चक्रवर्तीपी (2019)। उच्च घनत्व पॉलीइथाइलीन का ट्राइकोलॉजिकल प्रदर्शन - हाइड्रॉक्सीपैटाइट मिश्रण। ICMMRE-2019 (यांत्रिक, सामग्री और नवीकरणीय ऊर्जा पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन), 6-7 दिसंबर, 2019, सिविकम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, माजितर, सिविकम।
3. सीवेदा एमएस (2020)। भारत के उ.पू.प. क्षेत्र में सोलर पीवी वॉटर पंपिंग सिस्टम का प्रदर्शन विश्लेषण। भारतीय कृषि इंजीनियर्स (ISAE) और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का 54 वां वार्षिक सम्मेलन 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड फ्यूचर टेक्नोलॉजीज इन एग्रीकल्चर, 07-09-09, 2020 के दौरान हयात रीजेंसी, विमनगर, पुणे, महाराष्ट्र।

8.3.7. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. कुमारी, एन और जी चंद (2020)। मशरूम उत्पादन तकनीक और सतत आजीविका के माध्यम से महिला सशक्तिकरण। 24-25 फरवरी, 2020 तक पासीघाट में आयोजित, पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी।

8.3.8. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, जलूकी, नागालैंड

1. अबिलाश, आर.एस., मेटिल्डा, जे, कुरियन, एम.ओ., और हिरोन, एम.एच. (2019): सामान्य और दोहराए ब्रीडर मवेशी में ऊदिक पैदावार और गुणवत्ता पर ट्रांस योनि योनि की रिकवरी की आवृत्ति। XXXV- ISSAR सम्मेलन का एक ही वैज्ञानिक सत्र। 18 से 20 दिसंबर, 2019, वेटरनरी कॉलेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट नमकल, इंडिया TANUVAS (सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति ISSAR अवार्ड -2019 के लिए प्रथम पुरस्कार
2. रक्षित, पी।, अभिलाश, आर.एस., कुरियन, एम.ओ., मेटिल्डा, जे। और प्रथ, एम.डी. (2019)। गोजातीय ध्रूण के विकास के इन विट्रो विकास में डेक्सामेथासोन और एपिडर्मल वृद्धि कारक का प्रभाव। XXXV का वार्षिक वैज्ञानिक सत्र-ISSAR सम्मेलन। 18 से 20 दिसंबर, 2019, पशु चिकित्सा महाविद्यालय और अनुसंधान संस्थान नमकल, भारत, तनुवासा। (सर्वश्रेष्ठ युवा वैज्ञानिक अवार्ड के लिए प्रथम पुरस्कार जीता (ओरल प्रेजेंटेशन 2019)



8.4. डी. प्रस्तुत और प्रकाशित:

8.4.1. कृषि महाविद्यालय, इम्फाल

1. ए.के.पांडे, एनजी.पिल्लू और घनश्याम अबरोल, 2019। सस्योपरांत प्रबंधन और बागवानी फसलों की मूल्यवर्द्धन प्रगति। असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जलबाड़ी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित जेनटीयू, हैदराबाद के साथ टिवनिंग गतिविधि के रूप में टीईक्यूक्यूआईपी III परियोजना के तहत 15-17 मई, 2019 के दौरान एसेस बुक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हालिया अग्रिमों पर दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआरएएसटी 2019) आयोजित किया गया। पृष्ठ 6।
2. एन जी पीलू, एस पी सिंह, मेसर और बी.एन. हजारिका, 2019। स्टार फल (एक्रोआ करमबोला) के स्वास्थ्य लाभ और मूल्य संवर्धन के लिए नेक्टर में इसकी प्रसंस्करण। में: स्मारिका, 'पर्यावरण और व्यावसायिक स्वास्थ्य में वर्तमान रुझान और मुद्दों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी' का आयोजन 25 अप्रैल-26 अप्रैल, 2019 को मणिपुर विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग, कांचीपुर द्वारा आयोजित किया गया और इम्प्रेस आइ सी एस आर द्वारा प्रायोजित। पृष्ठ-60।
3. नोंगथोम्बम सुरबाला देवी, गीता नोंगमीकापम और टी सनाहन्बी देवी (2019)। नाइट्रोजन परिवर्तन पर जैविक खादों और ह्यूमिक एसिड का प्रभाव, एक विशिष्ट हैपॉम्बेप्ट्स मिट्टी में उगाए गए छोले की उपज और वृद्धि। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही 'अनुसंधान, उद्योग और आजीविका (एसीआरआईएल) में अभियान के लिए कार्य', 28 नवंबर से 1 दिसंबर, 2019 तक, बीसीकेवी, कल्याणी, नादिया, पश्चिम बंगाल, भारत।
4. टी एच इलोनी विदा और नंगबाम पीलू, 2020। प्रसंस्करण और पैशन फ्रूट का संरक्षण: पोस्ट हार्वेस्ट लॉस को कम करने के लिए बेहतर रिटर्न की आवश्यकता। में: स्मारिका और सार, उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास में 'बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य' पर क्षेत्रीय सेमिनार, 24-25 फरवरी, 2020 को बा.वा.म., पासीघाट में, बागवानी और बानिकी, कॉलेज, पासीघाट और नाबाड़ द्वारा आयोजित, आईएसएएन, मुंबई के सहयोग से ईटानगर और भाकृअप-अटारी, अंचल-VI, गुवाहाटी और राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर द्वारा प्रायोजित। पृष्ठ-35।

8.4.2. बागवानी एवं बानिकी कालेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. एलिस, ए.के., चकमा, जे, यतुंग, टी, भूटिया, एन.डी., शादप, बेगाने, ए.एन. (2020)। पूर्वोत्तर भारत में होनहार स्थानीय सब्जियों का महत्व। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 97 पी। (स्मारिका और सार)
2. चक्रवर्ती, डी, वारादे, एस.डी. भूटिया, एन.डी. (2020)। उत्तर पूर्वी भारत के ककड़ी की स्वदेशी भूमि: भविष्य के उपयोग के लिए संभावनाएं। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 107 पी। (स्मारिका और सार)
3. देबनाथ, पी, पट्टानायक, एस और हीसनाम, पी (2019)। अरुणाचल प्रदेश की एसिड मिट्टी में फुट हिल के नीचे फैबा बीन (विकियाफाबा) जर्मप्लाज्म के प्रदर्शन का मूल्यांकन, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स (आईएसएई), मुंबई के 'उत्तर पूर्व क्षेत्र के विकास में बागवानी-व्यापार के परिप्रेक्ष्य' पर क्षेत्रीय सेमिनार का सार। 24-25, फरवरी, 2020, पृष्ठ.89-90।
4. देवनाथ पी, पट्टानायक, एस के, हिसनाम, पी, हटाई, एल.डी. और हजारिका, बी.एन. (2020)। उ.पू. क्षेत्र में जैविक उत्पादन की विषयन क्षमता। क्षेत्रीय संगोष्ठी। 'उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का विकास फरवरी-20 फरवरी, 2010 में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ-80-85
5. देवचंद्र, एन वांगचू, एल, सिंह, एस.आर., सिंह, बी और हजारिका, बी.एन. (2020)। साइट्रस सप्लाई चेन मैनेजमेंट-ए कॉन्सेप्ट्यूलाइजेशन में अपरंपरागत हितधारक, नेशनल सिट्रस मीट-2010 का आयोजन बिसवानाथ कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, विश्वनाथ चाराली, असम, पी-205, जून 10-12, 2010, विश्वनाथ चाराली, असम, भारत।
6. हिसनम, पी, इरुंगबम, पी, देबनाथ, पी, पट्टानायक, एस। और हजारिका, बी.एन. (2020)। एकीकृत पोषक प्रबंधन से प्रभावित मिट्टी के पोषक तत्वों की उपलब्धता पर प्रभाव और शुष्क पदार्थ और टमाटर की उपज पर इसका प्रभाव (सोलनम लाइकोपर्सिकम एल।)। क्षेत्रीय संगोष्ठी।



- 'उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का विकास फरवरी-20 फरवरी, 2010 में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 91-92
7. कुमार, एस और चौपू, ए एस (2019)। मैरीगोल्ड (टैगेट इरेक्टा एल।) सीबी में बनस्पति, फूल, जैव रासायनिक और उपज वर्ण पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के प्रभाव। पूसा नारंगी गेनडा, इको फ्रेंडली एनवायरनमेंट, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल, 16-18 जून, 2019 के लिए ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन एग्रीकल्चर एंड एप्लाइड साइंसेज पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
 8. मोमिन, के एच।, कुमार, एस, फुरेलात्पम, ए.के., लिली, ख। और कुमार, एन। (2020)। अरुणाचल प्रदेश के मूल निवासी पौधों की सूखापन और निर्जलीकरण और इसके मूल्य संवर्धनः एक आजीविका अवसर। 'उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का विकास फरवरी-20 फरवरी, 2010 में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 96-97
 9. मोनाया, डी और सिंह, बी (2020)। कृषि और जैव सुरक्षा को जोड़ने में सतत बागवानी की भूमिका। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के विकास में बागवानी के व्यवसाय पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पीपी 92. फरवरी 24-25, 2020, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 96-97
 10. नव्य के आर और भूटिया, एन.डी. (2020)। अरुणाचल प्रदेश में दलदली सञ्जियों की विविधता: भावी उपयोग और आय सूजन की संभावनाएँ। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में हॉर्टि-बिजनेस के परिप्रेक्ष्य। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पृष्ठ 107। (स्मारिका और सार)
 11. पट्टनायक, एस.के., हजारिका, बी.एन., देवनाथ, पी और मोहन्ती, जे (2019)। साइट्रस लिमोन (एल) बर्म के विकास के लक्षण। अरुणाचल प्रदेश की रेतीली मिट्टी में हाइड्रोजेल से प्रभावित, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स (ISAE) के मुंबई, 24-25, फरवरी, 2020, पीपी के 'उत्तर पूर्व क्षेत्र के बागवानी व्यापार के विकास' पर क्षेत्रीय सेमिनार का सार। 87।
 12. फुरेलात्पम, ए.के., लीशंगथेम, जी, निंगमबम ए (2019)। हमारे देश में लाल मिर्च मसालों की सुपरली श्रृंखला का वर्तमान परिदृश्य। प्रशिक्षण में: अरुणाचल प्रदेश में मसालों का विपणन और मूल्य श्रृंखला विश्लेषण। पीपी 75-79। 5 से 7 सितंबर, 2019, CHF, पासीघाट
 13. रंगखम, जे, सिंह, बी, वांगचू, एल। और हजारिका, बी. एन. (2020)। लीची (लीची चिनिस सोन।) के विकास और येल्स पर हाइड्रोफिलिक पॉलिमर और मूल सामग्री का प्रभाव। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के विकास में हॉट्टी के व्यवसाय पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पीपी 98. फरवरी 24-25, 2020, बागवानी और वानिकी कॉलेज, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, भारत।
 14. सिंह, बी, सिंह, टी जे और शंकर, एम (2020)। टर्मिनलिया मिरोकार्पा में बीज के अंकुरण में वृद्धि-एक संरचनात्मक लकड़ी का पेड़। उत्तर क्षेत्रीय क्षेत्र के हॉट्टी-व्यापार विकास के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय सेमार पृष्ठ 104-105। 24 -25 फरवरी, 2020 बागवानी और वानिकी कॉलेज, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, भारत।
 15. सिंह, बी, तबी, ओ, वांगचू, एल और हजारिका, बी. एन. (2020)। स्टॉकियोर्ब को खासी मंदारिन (साइट्रस रेटिक्युलेट ब्लैकको।) ऑर्चर्ड में सूखा तनाव को कम करने के लिए। नॉर्थ ईस्टर्न रीजन के डेवलपमेंट के लिए हॉट्टी के बिजनेस पर क्षेत्रीय सेमिनार। पृष्ठ 95-96। 24-25 फरवरी, 2020, बागवानी और वानिकी कॉलेज पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, भारत।
 16. सिंह, टी जे सिंह, बी और शंकर, एम (2020)। एग्रोफोरेस्ट्री-भारत में आजीविका के साधन के रूप में। उत्तर क्षेत्रीय क्षेत्र के बागवानी-व्यापार विकास के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय सेमार पृष्ठ-23। 24-25 फरवरी, 2020C हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री कालेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, भारत।
 17. तम्सिंग, के, देव, सी, सरमा, पी, गुदा, पीएस, शादाप, ए, भूटिया, एन डी और यतुंग, टी (2020)। बैंगन (सोलनम मेलान्नोना एल।) जीनोटाइप में परिवर्तनशीलता, आनुवांशिकता और आनुवांशिक प्रगति का आकलन। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पृष्ठ 107। (स्मारिका और सार)
 18. यतुंग, टी, ईगम, बी और गैब, टी (2020)। अरुणाचल प्रदेश के किसानों के लिए आकर्षक आर्थिक वापसी के लिए पेरिस पॉलीफाइला की संभावना। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 131-132 पी। (स्मारिका और सार)



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

8.4.3. मात्स्यकी कॉलेज, लिंबूचरा, त्रिपुरा

1. ए ए पटेल, एन घृतलहरे, पी विश्वास, एच प्रियदर्शी, डी कामिल्या, एस.सी. मंडल, पी. को। पांडे (2019)। फार्म-ऑन के साथ कृत्रिम फीड के प्रतिस्थापन का मूल्यांकन अर्ध-गहन कार्प पॉलीकल्चर सिस्टम में एक एलोकथोनस पोषक तत्व स्रोत के रूप में बुल्फिया ग्लोबोसा एल उगाया। एशिया पैसिफिक एक्वाकल्चर 2019 जून 19-21, 2019, पृष्ठ 47 के दौरान चेन्नई ट्रेड सेंटर में आयोजित किया गया।
2. अनन्या खट्टी, पीएस त्रिपाठी, डीयू बेहरा, हिमांशु प्रियदर्शी, सागर सी मंडल, जे परी, और पीके पांडे, (2019) बोटिया डारियो (हैमिल्टन, 1822) में प्रजनन के विनियमन में सलफोट्रांसफेर की भूमिका: सिलिको और एक सिलिको में विट्रो दृष्टिकोण। एनजीबीटी 2019 में प्रथम लेखक द्वारा मुंबई में प्रस्तुत, DOI: 10.13140 / RG.2.2.27849.29285।
3. बनलता राडत और नरेश कुमार मेहता (2020)। ताजे पानी के मोलस्क (ब्रेटिया कोस्टुला) मांस के पोषण और कार्यात्मक लक्षण वर्णन। राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'जैव प्रौद्योगिकी में आधुनिक रुझान खाद्य जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में नवाचार के लिए' 18-19 अक्टूबर, 2019 के दौरान नेशनल इंस्टीचूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अगरतला द्वारा आयोजित।
4. देबबर्मा, एस; घोष, ए लाहिड़ी, बी और पांडे, पी के (2019)। 'छोटे जल निकायों में मछली संरक्षित प्रथाओं पर आदिवासी किसानों की धारणा: त्रिपुरा, भारत के खोवाई जिले में एक खोजपूर्ण अध्ययन'। फसल और खरपतवार विज्ञान सोसाइटी, विधान चंद्र कृषि विश्व विद्यालय, नादिया, पश्चिम बंगाल द्वारा नवम्बर'28-दिसंबर'01, 2019 को आयोजित, अनुसंधान, उद्योग और आजीविका में कृषि के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित सार।
5. घोष, ए, देबबर्मा, एस पी, देवनाथ, आर, लाहिड़ी, बी और पांडे, पी के (2020)। जनजातीय समुदायों के लिए मत्स्य शिक्षा: त्रिपुरा में एक परिवर्तन। प्रागण भवन, अगरतला, त्रिपुरा में 10-11 जनवरी, 2020 को आयोजित त्रिकोणीय विशेषांक के लिए 'डिग्गी और उससे ऊपर के स्तर स्तर पर-आदिवासी शिक्षा और समाधान में जनजातीय शिक्षा की स्थिति पर राष्ट्र संगोष्ठी की कार्यवाही में प्रकाशित'
6. जे पारही, ए.एल देवी, जे मोनसांग, एल साहू, बी. के. बेहरा, एस.सी. मंडल (2019)। क्लारस बैट्रक्स में एक्वापोरिन 7 का आणविक लक्षण वर्णन। एशिया

पैसिफिक एक्वाकल्चर 2019 जून 19-21, 2019, के दौरान चेन्नई ट्रेड सेंटर में आयोजित किया गया। पृष्ठ 31

7. रणेंद्र के मजुमदार (2020)। पूर्वोत्तर भारत की जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और जातीय किण्वित खाद्य उत्पाद। आमंत्रित अध्यक्ष के रूप में प्रस्तुत: इंटरनेशनल काउंसिल ऑन ऑन-रु 39; जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, हाइड्रोलॉजिकल साइकल, इकोसिस्टम, फिशरीज एंड फूड सिक्योरिटी' का आयोजन कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड टेक्नोलॉजी, कोचीन में 11-201 फरवरी को हुआ। भारत।
8. रणेंद्र के मजुमदार (2020)। लोगों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए शिक्षा को और अधिक अभिनव बनाने की आवश्यकता है - व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों। आमंत्रित अध्यक्ष के रूप में प्रस्तुत: 10 बीं और 11 जनवरी, 2020 के दौरान प्रगति भवन, अगरतला, त्रिपुरा (डब्ल्यू) में आयोजित "राष्ट्रीय स्तर पर जनजातीय शिक्षा की स्थिति और ऊपर के स्तर पर विशेष संदर्भ वाले त्रिपुरा में जनजातीय शिक्षा" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
9. एस सी मंडल, ए पांडा, जे पारही, ए.बी. पटेल, पी विश्वास (2019)। भारतीय मक्खन कैटफिश ओमपोक विमाकुलैट्स फिंगरलिंग्स के विकास प्रदर्शन और अस्तित्व पर विभिन्न आहार विटामिन ई स्तरों के प्रभाव। एशिया पैसिफिक एक्वाकल्चर 2019 जून 19-21, 2019, के दौरान चेन्नई ट्रेड सेंटर में आयोजित किया गया था। पृष्ठ 22

8.4.4. कृषि विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय बारापानी, मेघालय

1. बोरा, पी.के. (2019)। क्षेत्रीय पैमाने पर ग्रीनवाटर के आकलन की रूपरेखा में: एनईआर पर विशेष जारे देने के साथ सतत विकास के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में नवाचार। 20-22, नवंबर, 2019 के दौरान NESAC, उमियाम में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग और इंडियन सोसाइटी ऑफ जियोमैटिक्स के राष्ट्रीय संगोष्ठी और वार्षिक सम्मेलनों में स्मारिका सह सार मात्र।
2. अम्पी, एन और संजय-स्वामी (2019)। भारत के उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र में मिट्टी की कटाई के तहत मिट्टी के कटाव की जाँच और फसल उपादकता में सुधार के लिए संरक्षण प्रथायें एक्सट्रैक्ट बुक, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइबलीहुड सिक्योरिटी' के लिए सॉइल एंड



- वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 30
3. अरुणकुमार, बी और पी बालासुब्रमण्यन, (2019) पौधे परजीवी निमेटोड पर अध्ययन करते हैं जो कि अंकुरित बांस की विभिन्न प्रजातियों की नरसी से जुड़े हैं और उनके विकास के प्रदर्शन पर प्रभाव डालते हैं। एनएएस कॉम्प्लेक्स, आईएआरआई, नई दिल्ली में 7 वाँ अंतर्राष्ट्रीय कैरमल नेमाटोड संगोष्ठी की सार पुस्तिका पृष्ठ 216
4. बालासुब्रमण्यम, पी और प्रेमरथ्या, (2019) जिले में राइस-रूट नॉट नेमाटोड, मेलोयोडोग्ने ग्रमिनोला का वितरण, री-भोई, मेघालय, सार पुस्तक, 7 वाँ अंतर्राष्ट्रीय नेमाटोड संगोष्ठी एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित।
5. चिपांग एस, सिंह राम और नोंगबरी बी (2020) 'आय बढ़ाने के लिए जैविक खेती: उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र में पहाड़ी फसल का मामला, पहाड़ी' उत्तर पूर्वी क्षेत्र के देवलोमेंट में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ: 111-112, 24-25 फरवरी, 2020, सीओएचएफ (सीएयू), पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
6. दत्ता, प्रणब और दास, ए (2020) ग्रीन इंजीनियर नैनोपार्टिंगल्स और राइजोब्टोनिया सोलानी के खिलाफ प्रभावी चावल के स्थान के कारण धब्बा (एबीएस)। स्थायी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में फाइटोपैथोलॉजी पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सार पुस्तक में प्रकाशित। जनवरी 16-20, 2020, नई दिल्ली, भारत-पृष्ठ-370
7. गोगोई जे, सिंह राम और डेका एन (2020) "गुवाहाटी बाजार में एन्थ्रूरियम का बाजार आगमन और मूल्य व्यवहार", "उत्तर पूर्वी क्षेत्र के देवलोमेंट में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पीजी: 127-128, 24-25 फरवरी, 2020, सीओएचएफ (सीएयू), पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
8. गोगोई, एम, कांत, के और संजय-स्वामी (2019)। उत्तर पूर्वी भारतीय पठार पर विभिन्न सिंचाई शेड्यूलिंग और रोपण की तारीख के तहत आलू की किस्म कृफरी मेघा का प्रदर्शन। खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, के लिए कृषि और संबद्ध विज्ञान में वैश्विक परिप्रेक्ष्य। III। हसन, डब्ल्यू, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच।, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस., कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पृष्ठ 420. आईएसबीएन: 978-93-5391-939-9।
9. गुर्जर, जी.एन. और संजय-स्वामी (2019)। जलवायु परिवर्तन के तहत भारत का जल संसाधन परिदृश्य। सार पुस्तक में, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पी। 340।
10. हुसैन शाह एम, फुकन बीआर और पाठक एम। 2019। कम लागत वाली सौर मछली ड्रायर: अरुणाचल प्रदेश के सियांग बेल्ट के हजारों आदिवासी किसानों को लाने के लिए एक संभावित उपयोगिता। असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, भारत द्वारा हालिया अग्रिमों पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी 2019 में राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, 15-17 मई, 2019 को। पृष्ठ 87।
11. कांत, के, गोगोई, एम, कुमार, पी और संजय-स्वामी (2019)। पानी के संसाधन संरक्षण के लिए सूक्ष्म सिंचाई तकनीक। खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, वॉल्यूम के लिए कृषि और संबद्ध विज्ञान में वैश्विक परिप्रेक्ष्य। II। (सं।) हसन, डब्ल्यू।, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच।, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस., कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पृष्ठ 419. आईएसबीएन: 978-93-5391-939-1।
12. कुमार, पी, कांत, के और संजय-स्वामी (2019)। कृषि और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में रिमोट सेसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) का अनुप्रयोग। खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, वॉल्यूम के लिए कृषि और संबद्ध विज्ञान में वैश्विक परिप्रेक्ष्य। II। (सं।) हसन, डब्ल्यू।, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच।, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस., कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पी। 277. आईएसबीएन: 978-93-5391-939-1।
13. कुमारी, जे; बरुआ, पी; बोराह, पी; कोमन, पी; कुमारी, ए; सैकिया, बी और दत्ता, प्रणब, (2020) चांदी नैनोकणों के हरे संश्लेषण, इसके लक्षण वर्णन और फुसैरियम आ॑क्सीस्पोरम के खिलाफ प्रभावकारिता का अध्ययन करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए फाइटोपथोलॉजी पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 16-20 जनवरी, 2020, नई दिल्ली, भारत में पेपर प्रस्तुत किया गया।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

14. कुरकलंग, एस.एम. और संजय-स्वामी (2019)। भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में एकीकृत कृषि प्रणालियों के माध्यम से जैव-संसाधन पुनर्चक्रण। इन: एब्सट्रैक्ट बुक, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पी। 352।
15. लैंगिन सांगपुर्झ, सिंह राम और फिरोज एस एम (2020) 'मिजोरम में बद्दर्स आई मिर्च की बैल्यू चेन एनालिसिस', 'उत्तर पूर्व क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय सेमिनार। पृष्ठ: 126, 24-25 फरवरी, 2020, सीओएचएफ (सीएयू), पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
16. लिंगदोह, ई.ए.एस. और संजय-स्वामी (2019)। मेघालय के जैतिया हिल्स के कोयला खनन क्षेत्र की भारी धातु प्रदूषित मिट्टी में भारी धातु प्रदूषित मक्के के लिए उपलब्ध फास्फोरस की महत्वपूर्ण सीमा। में: खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, वॉल्यूम के लिए कृषि और एप्लाइड साइंसेज में वैश्वक परिप्रेक्ष्य। III। (सं।) हसन, डब्ल्यू।, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच।, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस., कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पृष्ठ 317. आईएसबीएन: 978-93-5391-939-9।
17. लिंगदोह, ई.ए.एस. और संजय-स्वामी (2019)। जैतिया हिल्स, मेघालय की कोयले की भारी धातु प्रदूषित मिट्टी के लिए सूरजमुखी और शतावरी की फाइटोरेमेडिएशन क्षमता। इन: एब्सट्रैक्ट बुक, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 166।
18. लिंगधोई डी आर (2020) "फलों के क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि और अस्थिरता: उत्तर पूर्वी पहाड़ी (एनईएच) क्षेत्र, भारत का एक राज्यवार विश्लेषण। उत्तर पूर्वी क्षेत्र के देवलोमेंट में हॉर्टि-बसाइन के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पीजी: 88, फरवरी 24-25 वें, 2020, सीओएचएफ (सीएयू), पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
19. मीना, एन.के., संजय-स्वामी, बाजिया, आर।, ग्यास, बी और नागर, एस। (2019) है। किनाब की खेती: राजस्थान में विभिन्न सिंचाई प्रणालियों के तहत आर्थिक मूल्यांकन। सार पुस्तक में एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड
20. एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पी। 260।
21. मीना, एन.के., सिंह, एच। एल।, संजय-स्वामी, तोमर, जी, चानू, ई.एन. और देवी, ए.ए. (2019) है। मेघालय में दाल उत्पादन: एक अपघटन और प्रवृत्ति विश्लेषण। खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, के लिए कृषि और संबद्ध विज्ञान में वैश्वक परिप्रेक्ष्य। III। हसन, डब्ल्यू।, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच।, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस., कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पृष्ठ 230. आईएसबीएन: 978-93-5391-939-9।
22. नोंगबरी बी, सिंह राम, फिरोज एस एम और चिपंग एस (2020) 'मेघालय में फार्म हाउसों के बीच फल और सब्जियों की खपत: एक व्यावहारिक अध्ययन', उत्तर पूर्वी क्षेत्र के देवलोमेंट में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पीजी: 128, फरवरी 24-25, 2020, सीओएचएफ (सीएयू), पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
23. ओलानिया, एम बोरा, पी.के. और संजय-स्वामी (2019)। मेघालय के री-भोई जिले के लिए मृदा उन्मूलन सूचकांक का निर्धारण। सार पुस्तक में, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 31।
24. पी, बी अलसुब्रमण्यन और मयंक राय (2019) सफेद टिप वाले नेमाटोड के खिलाफ जीनोटाइप के श्रीनिंग, प्रतिरोध के लिए पहचान करने और चावल की जड़-गाँठ नॉटोटोड के प्रतिरोध की पहचान करने, प्रतिरोध के लिए प्रजनन के लिए मेयोडोगोगाइन ग्रेमिनोला बायोएरेस, 7 वीं इंटरनेशनल की सार बुक। एनएएस कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में संगोष्ठी आयोजित पृष्ठ 32।
25. सेलो, बी और संजय-स्वामी (2019)। मेघालय के जैतिया हिल्स की भारी धातु प्रदूषित मिट्टी में अवशिष्ट फास्फोरस के साथ मटर (पिसम सैटिवम एल) का प्रदर्शन। खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, वॉल्यूम के लिए कृषि और एप्लाइड साइंसेज में वैश्वक परिप्रेक्ष्य। III। हसन, डब्ल्यू।, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच।, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस., कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पृष्ठ 317. आईएसबीएन: 978-93-5391-939-9।
26. सेलो, बी और संजय-स्वामी (2019)। मेघालय के जैतिया हिल्स की कोयले की भारी धातु प्रदूषित मिट्टी



- में अवशिष्ट फास्फोरस के साथ मटर (पिसम सैटिव में) का प्रदर्शन। इन: एब्सट्रैक्ट बुक, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 182
26. संजय-स्वामी (2019)। भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में विशिष्ट पारंपरिक प्रथाओं के स्थान पर मिट्टी और जल संरक्षण। इन: एब्सट्रैक्ट बुक, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 169
27. संजम्बम एस सिंह, चौहान जे के और खुरमनीद पी (2020) 'सामाजिक आर्थिक महत्व, मणिपुर में प्राकृतिक रबर की खेती की समस्याएं, समस्याएं और संभावनाएँ', 'उत्तर पूर्वी क्षेत्र के देवलोमेंट में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ 105-106, फरवरी 24-25, 2020, सीओएचएफ (सीएयू), पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
28. सत्या, एम एस सी और संजय-स्वामी (2019)। धान में CO₂ उत्सर्जन को कम करने और मेघालय की अम्लीय मिट्टी में मिट्टी कार्बनिक कार्बन को बढ़ाने के लिए संरक्षण की क्षमता। इन: एब्सट्रैक्ट बुक, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 138।
29. शुलाई, एच.जे. और संजय-स्वामी (2019)। पूर्वोत्तर भारत में कृषि-सिल्विकल्चर प्रणाली के तहत कार्बन स्टॉक प्रबंधन। सार पुस्तक में, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 129।
30. सिंह आर, डीमपप ए, पासहा एस, फिरोज एस एम और चौधरी ए (2019) "जैविक खेती: एनईएचआर में टिकाऊ कृषि उत्पादन का एक वैकल्पिक विकल्प। जैव विविधता के मुद्दों, चुनौतियों और अवसरों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ 7, जुलाई 16-17, 2019, सीसीएस एचएयू, हिंसार, हरियाणा।
31. एनईएच क्षेत्र में उद्यमिता विकास के लिए मसाले, 'उत्तर पूर्वी क्षेत्र के देवलोमेंट में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी।' पृष्ठ: 124, फरवरी 24-25, 2020, सीओएचएफ (सीएयू), पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
32. सिंह, एस और संजय-स्वामी (2019)। मेघालय की अम्लीय मिट्टी में कम भूमि वाले चावल (ओरिजा सैटिव एल) की खेती के तहत यूरिया और एजोला के माध्यम से नाइट्रोजन के साथ अस्थायी मिट्टी की उर्वरता का निर्माण। मृदा विज्ञान में कृषि विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर द्वारा 15-16 मार्च, 2019 के दौरान आयोजित ऑल इंडिया पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स रिसर्च कन्वेन्शन की सार पुस्तक।
33. सिंह, एस, संजय-स्वामी और रंजन, ए। (2019)। चावल (ओरिजा सैटिव एल) के प्रदर्शन पर एजोला (एजोला पिन्ता) जैव उर्वरक और यूरिया का प्रभाव, अस्थायी मिट्टी पी उपलब्धता और अम्लता सूचकांक। में: खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, बॉल्यूम के लिए कृषि और संबद्ध विज्ञान में वैशिक परिप्रेक्ष्य। II। हसन, डब्ल्यू, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच।, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस., कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पृष्ठ 320। आईएसबीएन: 978-93-5391-939-9।
34. सिंह, टी डी और संजय-स्वामी (2019)। मिट्टी की उर्वरता और गुणवत्ता पर बनों की कटाई का प्रभाव। सार पुस्तक में, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 440।
35. सौजन्या, टी वी, सिंह, एन.जे., ओगुबयाना, पी.वी. और संजय-स्वामी (2019)। टिकाऊ खेती और मृदा स्वास्थ्य के लिए खाद का संवर्धन। 25-27 अक्टूबर, 2018 को असम कृषि विश्वविद्यालय में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए मिट्टी और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन पर नई दिल्ली में मृदा संरक्षण सोसाइटी ऑफ इंडिया (एससीएसआई) के 27 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में। कागज का सार, पृष्ठ 58-59।
36. तकी, ओ और संजय-स्वामी (2019)। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जैव-विविधता संरक्षण के लिए सतत कृषि। इन: एब्सट्रैक्ट बुक, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

एंड लाइबलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 233

37. तिनगक्कन एच और सिंह आर (2020) 'मेघालय में हल्दी (लकड़ोंग) के क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि' 'उत्तर पूर्वी क्षेत्र के देवलोमेंट में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ: 93-94, फरवरी 24-25, 2020, बा.वा.म., पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
38. उल्लाह, एस.जे. और संजय-स्वामी (2019)। भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में जैविक कृषि के माध्यम से सतत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन: स्कोप और बाधाओं। इन: एक्सट्रैक्ट बुक, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइबलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 233।
39. यादव, ओ.एस. और संजय-स्वामी (2019)। उत्तर पूर्वी क्षेत्र की अम्लीय मिट्टी के तहत फसल उत्पादकता में सुधार के लिए बायोचार क्षमता। इन: एक्सट्रैक्ट बुक, एससीएसआई का इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर, ग्लोबल फूड एंड लाइबलीहुड सिक्योरिटी के लिए सॉइल एंड वाटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट' एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 05-09 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 300।
40. यादव, ओ.एस. और संजय-स्वामी (2019)। मेघालय की अम्लीय मिट्टी की स्थिति और मृदा अम्लता सूचकांकों में सुधार के तहत टमाटर (लाइकोपर्सिकॉन एस्कुलेंटम मिल) की उत्पादकता में वृद्धि की संभावना। सार पुस्तक में, इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉइल साइंस का राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मृदा विज्ञान में विकास: 2019' पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 15-18 नवंबर, 2019 के दौरान, पृष्ठ 433।
41. यादव, ओ.एस., संजय-स्वामी और सौजन्य, टी. वी. (2019)। बायोचार: भारत के उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र में अम्लीय मिट्टी का प्रबंधन। मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर द्वारा 15-16 मार्च, 2019 के दौरान आयोजित ऑल इंडिया पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स रिसर्च कन्वेंशन का सार बुक:

8.4.5. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, सेलेसिह, आइजॉल

1. ए काइना, डीजे तालुकदार, आर सोंगते, एफए अहमद और के लालिंटलुंगा, एक महारानी में भूषण संचलन,

पृष्ठ 131, आईएसएआर और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का वार्षिक सम्मेलन, पशुचिकित्सा स्त्री रोग और प्रसूति रोग विभाग, वी सी एवं आर आर्ड नमक्कल, तनुवास द्वारा 18 से 20 दिसम्बर 2019 में आयोजित।

2. ए.के. सामंता, जे एम। राव गली, टी के दत्ता, टी के राजखांवा, जी पी मंडल और अमन पात्रा इम्प्लान्टिंग स्टेट्स ऑफ प्लांट एक्सट्रैक्ट्स एंड एसेंशियल ऑयल्स ऑन इम्यून स्टेट्स एंड इंटेर्स्टिनल माइक्रोब्लोबिन पॉपुलेशन ऑफ बीनड पिगेट्स। पशु लाभ और स्वच्छ दूध उत्पादन में सुधार के लिए पोषण संबंधी रणनीतियों पर पशु पोषण 2019 का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ', 17-19 दिसंबर, 2019 को पशु पोषण विभाग, पश्चिम बंगाल पशु और मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत द्वारा आयोजित किया गया।
3. एकटर एफ, रॉयचौधरी पी, दत्ता टीके, सुबुद्धि पीके, कुमार एस, गली जेएम और सिंह डीडी। (2020)। मिजोरम, भारत में पीआरआरएस के प्रकोप से बीटार टेरी बाइरस के अलगाव और फाइग्लनेटिक विश्लेषण इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजिस्ट, इम्पुनोलॉजिस्ट्स एंड स्पेशलिस्ट्स इन इंफेक्शन्स डिसीज 06-07 फरवरी 2020 से। XXXAR का वार्षिक सम्मेलन सह सम्मेलन।
4. अक्टर एफ, रॉयचौधरी पी, दत्ता टीके, सुबुद्धि पीके, सरमा के और कायना ए (2019)। मिजोरम में एक लकवाग्रस्त संक्रमित पिल्ला में कैनाइन पैरोवायरस 2 सी की आणविक पहचान। में: भारतीय पशुचिकित्सा रोगविज्ञानी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के XXXVI वार्षिक सम्मेलन 'स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम' 6-8 नवंबर, 2019 को पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, पचि एवं प.पा. कालेज सेलेसिह, आइजॉल, मिजोरम, भारत। पृष्ठ 43।
5. अली एम ए, देवी एल आई, सुबुद्धि पी के, सरमाह आर.एस., बेहरा पी, गाली जे.एम., दास एच और हमार एल। (2020)। फीड सप्लीमेंट के रूप में एकिलप्टा अल्बा साल्मोनेला एंटरिका संक्रमित खाकी कैपबेल बतख के रक्त जैव रासायनिक प्रोफाइल में सुधार करता है। एसवीबीबीआई और 4 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी का वार्षिक सम्मेलन 'पशु चिकित्सा जैव रसायन में वर्तमान अनुसंधान और पशु स्वास्थ्य और उत्पादन के सुधार में जैव प्रौद्योगिकी' पर प्रस्तुत 4 से-5 फरवरी, 2020; कालेज ऑफ वेटरनरी साइंस, एसवीबीयू, तिरुपति - 517502, ए.पी., भारत।
6. अली, एम ए, बेहरा, पी, बेहरा, एस के, शाह, एन, राजेश, जे.बी., गाली, जे.एम., दास, एच, कलिता, जी,



- देवी, एल 6, 8 नवंबर, 2019 को आयोजित स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिमों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सार में मिजोरम के एंटी हॉर्मोन ऑफ एंटीऑक्सिडेंट स्टेट्स ऑफ मिजोरम का मूल्यांकन आई डी हमार, एल। कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज एंड एच, सीएयू, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम में, पृष्ठ.13।
7. अली, एमए, देवी, एलआई, सुबुद्धि, पीके, सरमाह, आरएस, बेहरा, पी।, गली, जेएम, दास, एच।, हमार, एल। एक्लिप्टा अल्बा के रूप में फीड सप्लीमेंट सल्मोनेला रोग वाले खाकी बत्तख के रक्त बायोकेमिकल प्रोफाइल में सुधार करता है, 4 वें से 5 फरवरी, 2020 तक श्री वेंकटेश्वर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस तिरुपति में 'पशु चिकित्सा स्वास्थ्य और उत्पादन में सुधार में पशु चिकित्सा जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी में वर्तमान शोध' पर वार्षिक सम्मेलन और 4 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सार में पृष्ठ 49।
8. बी बेहरा, आर.एस. आर्य, रविन्द्रन आरा, वाई। दामोदर सिंह, टी। के। राजखोवा, जे। किरन, सिक्करजैबिरुस्लाम, अमिताव पॉल और शियाताबिति सगोस्लेम (2019)। खरगोश में Uremic की मौत: एक मामले की रिपोर्ट। प्रोक। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन' सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
9. बी कोंवर, चांग एल, एन सरमा, ए देबबर्मा और आर पॉल (2019)। खरगोशों में पोस्टऑपरेटिव इंट्रा-पेट के आसंजन को रोकने के लिए हनी का अनुप्रयोग। वेटरनरी पैथोलॉजी कांग्रेस -2019, XXXVI वार्षिक सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट और इंडियन कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट की वार्षिक बैठक। 'स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में उन्नति' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (6-8 नवंबर, 2019), पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन विभाग, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसिह, आइजॉल, द्वारा आयोजित। पृष्ठ संख्या: 233।
10. बी कोंवर, हितेश बान, कल्याण सरमा, दिव्यज्योति तालुकदार और निर्मली सरमा (2019)। कैनाइन में महिला जननांग प्रणाली विकार का निदान। वेटरनरी सर्जरी और रेडियोलॉजी विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान, लाला लाजपत राय विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी विभाग में आयोजित 'पशु चिकित्सा और शल्य चिकित्सा पर हाल ही में उन्नति पर भारतीय पशु

चिकित्सा सर्जरी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए भारतीय समाज की 43 वीं वार्षिक कांग्रेस'। पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान, हिसार 14 से 16 नवंबर, 2019 तक। पृष्ठ संख्या: 319।

11. बसंता सैकिया, एस.एन. चौत्र और टी रीना देवी (2019)। आठ ठपजबीमे में योनि ट्यूमर पर अध्ययन। XXXVI पशु चिकित्सा रोग विज्ञानियों की भारतीय संघ की वार्षिक सम्मेलन। पशु चिकित्सा रोग विज्ञानियों और राष्ट्रीय संगोष्ठी के भारतीय महाविद्यालय की वार्षिक बैठक 'स्वास्थ्य, भोजन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा रोग विज्ञान में प्रगति।' पशु चिकित्सा विकृति विज्ञान विभाग सी.वी.सी. - एच, सेलेसिह, आइजोल द्वारा आयोजित, 6-8 नवंबर 2019 को। पृष्ठ संख्या: 377।
12. बीट्रीस आर मारक, राहुल सिंह आर्य, रवींद्रन आर, जेनिफा अहमद, वनलनुनपुई शोखलूंग, पिनाकी भट्टाचार्य, इशितामैटी, टी के। राजखोवा और वाई दामोदर सिंह (2019)। श्रीनिधि चिकित्सा में फाइब्रिनोपोलीसेरोसाइटिस की हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच प्रोक। पशु चिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और 'एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन' सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
13. बेहरा पी, गली जे.एम., अली एम ए, बेहरा एस.के. सुबुद्धि पी के, रायचौधरी पी, दास एच, ललितचंगा एम.सी. और मेनाबम पी (2019)। चिकित्सा सैंपल्स से साल्मोनेला टायफिम्यूरियम आइसोलेटेड इनवैल्यू और स्प सी सी विलेयेंट जीन का आणविक चरित्र। भारतीय पशुचिकित्सा पैथोलॉजिस्ट (IAVP), भारतीय पशुचिकित्सा रोगविज्ञान महाविद्यालय (ICVP) की X वार्षिक बैठक और राष्ट्रीय संगोष्ठी 'XXX स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में उन्नति' विषय पर XXXVI वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। पृष्ठ 188; 6-8 नवंबर, 2019; कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज एंड एच, सीएयू, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम, भारत में
14. बेहरा एस.के., बेहरा पी, चौधरी जेके और रायचौधरी पी (2019)। भारत के मिजोरम के आइजोल में कुत्तों में कैनाइन परवोवायरस-2 संक्रमण के महामारी विज्ञान और हेमेटो-पैथो-जैव रासायनिक अध्ययन। कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन, नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, रैले, नेकां, संयुक्त राज्य अमेरिका में 15-16 अगस्त, 2019 को आयोजित वार्षिक अनुसंधान मंच और लिटवैक व्याख्यान।
15. बेहरा एस.के., शाह एन, सरमा के, कोंवर बी, चौधरी जेके, आर्य आरएस और ठाकुर एस (2019)। दिल की



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- विफलता के साथ कुत्तों में हेमेटो-जैव रासायनिक और ऑक्सीडेंट-एंटीऑक्सिडेंट स्थिति का मूल्यांकन। कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन, नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, रैले, नेकां, संयुक्त राज्य अमेरिका में 15-16 अगस्त, 2019 को आयोजित वार्षिक अनुसंधान मंच और लिटवैक व्याख्यान
16. बेहेरा, पी, कुमार, ए, निखिल के.सी., गली, जेएम, डी, ए, मोहनी, एके, अली, एमए, बेहरा, एसके, रॉयचौधरी, पी साल्मोनेला टाइफिम्यूरियम जंगली प्रकार के तुलनात्मक प्रोटीन विश्लेषण और इसके प्रकार कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस, श्री में 4 से 5 फरवरी, 2020 तक 'पशु चिकित्सा स्वास्थ्य और उत्पादन में सुधार में पशु चिकित्सा जैव रसायन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में वर्तमान अनुसंधान' पर वार्षिक सम्मेलन और 4 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सार में एनरोबियोसिस के दोरान आइसोजेनिक एनएनएल म्यूटेंट। बैंकटेश्वर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, तिरुपति, पी .31।
17. बेहेरा, पी, गाली, जेएम, अली, एमए, बेहरा, एसके, सुबुद्धि, पीके, रॉयचौधरी, पी, दास, एच, ललिलअनबुंगा, एमसी, मायाबम, पी। साल्मोनेला टाइफीमुरियम में जीनों को अलग कर मॉलिक्यूलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ इन ए और स्पी सी सी विरुलेंट। कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज एंड एच, सीएयू, सेलेसिह में 6 से 8 नवंबर, 2019 तक एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सार में। आइजोल, मिजोरम, पृष्ठ.56।
18. बिस्वदीपबेहेरा, रविंद्रन आर, जे किरण, वाई दामोदर सिंह, टी के राजखोवा और राहुल सिंह आर्य (2019)। एक परत पक्षी में यूरोलिथियासिस संबंधित आंत का गाउट: एक मामले की रिपोर्ट। प्रोक। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
19. बिस्वदीपबेहेरा, रवींद्रन आर।, राहुल सिंह आर्य, सिकंदरजबीदुरीसलाम, लालफामकीमा और लालरीनम्पा खियांगे (2019)। मिजोरम के आईजोल जिले में वध किए गए गोजातीय से पैथोलॉजी यकृत पर अध्ययन। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
20. बोरठाकुर, एस के, पात्रा, जी।, लालरिकिमा, एच, सिंहश्यामसना, एन रवींद्रन, आर (2019)। मणिपुरी पोनीज में क्यूटिनल हैब्रोनोसिस की पैथोलॉजिकल एंटीटी। वेटरनरी पैथोलॉजी कांग्रेस 2019 और XXXVI वार्षिक सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट में प्रकाशित 6-6 N.O., 2019, पृष्ठ संख्या-33।
21. चक्रवर्ती एस, दत्ता टीके, सरकार आर, रॉयचौधरी पी एंड सुबुधिपीके (2020)। नॉर्थ इस्ट इंडिया में गोजातीय इंट्रामैमररी संक्रमण से जुड़े बायोफिल्म एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोधी को-नेगेटिव स्टैफिलोकोकस ऑरियस का उत्पादन करते हैं। इन: इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजिस्ट, इम्युनोलॉजिस्ट्स एंड स्पेशलिस्ट्स इन इंफिक्शन्स डिसीज में 06-07 फरवरी 2020। XXXAR का वार्षिक सम्मेलन सह सम्मेलन।
22. चौधरी जे.के. और मेद राम वर्मा 'भारतीय कृषि सांचियकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में नवंबर से आयोजित, भारतीय कृषि सांचियकी के कृषि सांचियकी पर 8 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन पर जानवरों की प्रजातियों और उम्र के प्रभाव पर एक अनुदैर्घ्य अध्ययन'। 18-21, 2019।
23. चौधरी जेके, सिंह सिमसाना एन।, टॉलेनखोम्बा टीसी, बेहरा एसके, शर्मा रोहित, बोरा अरिंदम, बोरा प्रिंसिलिना और मजुमदर सुरीता 'भारतीय पशुचिकित्सा संघ के XXXVI वार्षिक सम्मेलन में' सुअर के रोगों के जोखिम कारकों का अनुमान लगाने के लिए लॉजिस्टिक रिप्रेशन मॉडल का आवेदन। पैथोलॉजिस्ट्स भारतीय पशुचिकित्सा महाविद्यालय के वार्षिक बैठक और पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेश, आइजॉल, मिजोरम, भारत में 6 से एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। -8 नवंबर, 2019।
24. चेतन जीई, समिनाथन एम।, नीरज ठाकुर, महेन्द्रन के।, डी। यूके, अखिलेश, चन्द्र मोहन एस।, राजेश जे.बी। तेलंग ए.जी।। बायोकेमिकल और पैथोलॉजिकल परिवर्तन स्वाभाविक रूप से सहवर्ती सहवर्ती साइनाइड के साथ जुड़े / एक ऐसे झुंड में नाइट्राइट जहर। आईएसवीएम, पशु चिकित्सा कॉलेज, बेंगलुरु का 38 वां वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी, 05/02/2020 से 07/02/2020।
25. चेतन जी.ई., अरिंदम, बी, प्रसेनजीत, डी, कुपमी फूल ओ, अल्बर्ट डी, रहेश, जे.बी., कल्याण सरमा और प्रसाद, एच (2020) लैब्राडोर कुत्ता कुत्ता और उसके चिकित्सीय प्रबंधन में प्राथमिक हाइपोथायरायडिज्म। पशु चिकित्सा और पशु चिकित्सा नैदानिक विभाग, पशु चिकित्सा महाविद्यालय, हेब्बल, बंगलुरु, 5 फरवरी -7, 2020 (ओपीएफ 5.1 पीपी 256) द्वारा आयोजित 'आईएसवीएम के 38 वें वार्षिक सम्मेलन' के संग्रह में प्रकाशित किया गया है।



26. चेतन जीई, कल्याण सरमा, निकिताशा, बी।, प्रसाद, एच।, राजेश जेबी, बेहेरा, एसके, धूबा, डी।, एलोन, एल। और चंपक डी। (2020) घरेलू कुत्तों में लेप्टोट्रॉम्बिडियम डेलीसेंस इन्सेस्टनेशन की पहली रिपोर्ट मिजोरम, भारत से। पशु चिकित्सा और पशु चिकित्सा नैदानिक विभाग, पशु चिकित्सा महाविद्यालय, हेब्बल, बंगलुरु, 5 फरवरी -7, 2020 (पीपीएफ 4.1 पीपी 202) द्वारा आयोजित 'आईएसवीएम के 38 वें वार्षिक सम्मेलन' के संग्रह में प्रकाशित किया गया है।
27. डी अथोक्षम, बी शर्मा, डीजे तालुकदार, एफए अहमद और के। लालरिट्युंगा, सिजेरियन सेक्शन एक कुतिया, पीपी 173, XXXV ISSAR और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का वार्षिक सम्मेलन, पशु चिकित्सा स्त्री रोग और प्रसूति विभाग के विभाग द्वारा आयोजित, बीसी और आर आई, नमक्कल, तनुवास, 18 से 20 दिसंबर, 2019।
28. डी.जे. तालुकदार, एन लिंडा, एस दास, ए डी। लुबांग, आर आर सोंगते, बी.डी. शर्मा, ए। गर्ग, एफए अहमद और के। लालनिनरुअंगा। कुतिया में पायोमेट्रा काम्पलेक्स।
29. डी.जे. तालुकदार, एस .दास, एन लिंडा, ए काइना, यू बोरो, डी मुरासिंग, एसएमनाडफ, एफए अहमद और के लालिंतलुंगा, एक कुतिया, में धूण का फैलाव, पशु चिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019, द्वारा आयोजित। वेटरनरी पैथोलॉजी विभाग, सीवीएससी एंड एच, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम, 6 से 8 नवंबर, 2019।
30. डी.के. मुरासिंग, एस दास, डीजे तालुकदार, के बीसी - आरआइ, नामक्कल, तनुवास, 18 से 20 दिसंबर, 2019 को वार्षिक कन्वेशन। होल्सटीन गाय में वल्वोजिनाइटिस प्रबंधन।
31. दास एच, दत्ता टीके, सामंता एके, रॉयचौधरी पी, रेबेका आरएल, बंगलिया बीएल, कुमार एस एंड सुबुद्धि पीके। (2020)। उत्तर पूर्वी भारत में मेथिसिलिन प्रतिरोधी स्टैफिलोकोकस ऑरियस (MRSA) के उत्पादन के लिए संभावित वाहक के रूप में स्वास्थ्य मवेशी। इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजिस्ट, इम्पुनोलॉजिस्ट्स एंड स्पेशलिस्ट्स इन इंफेक्शन्स डिसीज में 06-07 फरवरी 2020 से। XXXAR का वार्षिक सम्मेलन सह सम्मेलन।
32. दास, एच, अली, एमए, गाली, जेएम, बेहेरा, पी, कलिता, पीसी, कलिता, जी जोवाक के मेटाबोलिक प्रोफाइल पर शारीरिक अवस्थाओं का प्रभाव। एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन 6 से 8 नवंबर, 2019 को कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज एंड एच, सीएयू, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम में आयोजित।
33. देवजानी डेका, ई मोतिना, एल राल्टे और एच ब्यान (2019)। मिजोरम (भारत) के पानी के बातावरण से शिगा टॉक्सिजेनिक एस्चेरिचिया कोलाई और इसके रोगाणुरोधी प्रतिरोध जीन का पता लगाना। पशु चिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019। 6-8 नवंबर, 2019. XXXVI IAVP का वार्षिक सम्मेलन, ICVP की एक्स वार्षिक बैठक, पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, CVSC और AH, CAU (1), मिजोरम। पृष्ठ 55
34. देवी, एलआई, अली, एमए, सुबुद्धि, पीके, बेहरा, पी, राल्टे, एल बत्तख में एकवाटा अल्बा की एंटीऑक्सिडेंट गतिविधि में बत्तख का आहार। जो वार्षिक सम्मेलन और 4 वें राष्ट्रीय के वैज्ञानिक सार में साल्मोनेल प्रकोप के रूप में पूरक है। कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस, श्री वेंकटेश्वर वेटरनरी यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 4 से 5 फरवरी, 2020 तक पशु चिकित्सा जैव रसायन में सुधार और पशु स्वास्थ्य और उत्पादन में जैव प्रौद्योगिकी पर वर्तमान संगोष्ठी। पृष्ठ 51
35. दत्ता टीके, बंगलिया बीएल, रॉयचौधरी पी, राल्टे आरएल और सुबुद्धि पीके (2019)। नैदानिक नमूनों से पोलीमरेज सर्पिल प्रतिक्रिया (पीएसआर) का उपयोग करके डायरिया से जुड़े ईर्ष्ये जीन का तेजी से दृश्य पता लगाना। कामधेनु विश्वविद्यालय गांधीनगर, गुजरात में 26-27 दिसंबर, 2019 को पशु चिकित्सा स्वास्थ्य (भारत) के पशु स्वास्थ्य और उत्पादन में फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजीज पर 18 वीं वार्षिक दीक्षांत समारोह सह वैज्ञानिक सम्मेलन।
36. दत्ता टीके, बंगलिया बीएल और संजीव कुमार (2019)। रोगाणुरोधी प्रतिरोध और एक स्वास्थ्य। लीड पेपर प्रस्तुत किया गया: XXXVI वार्षिक सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स और एक्स वार्षिक बैठक इंडियन कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स एंड नेशनल संगोष्ठी के 'एडवांस इन वेटरनरी पैथोलॉजी इन फॉस्टरिंग फॉर ए हेल्थ, फूड सिक्योरिटी एंड एनवायर्नमेंटल प्रोटेक्शन 6-8 नवंबर को आयोजित, 2019 पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, सीवीएससी एंड एच, सीएयू, सेलेश, आइजोल, मिजोरम
37. दत्ता टीके, बंगलिया बीएल, राल्टे आरएल, रॉयचौधरी आर एंड सुबुद्धि पीके (2019)। कोलिस्टिन प्रतिरोधी एस्चेरिचियोली ने मिजोरम के आइजॉल और चम्फाई जिलों के खाद्य जानवरों को अलग किया। शोध पत्र प्रस्तुत किया गया: XXXVI वार्षिक सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स और एक्स वार्षिक बैठक इंडियन कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स एंड नेशनल संगोष्ठी 'पर स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम' 6-8 नवंबर को आयोजित किया गया, 2019 पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, सीवीएससी



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- एंड एच, सीएयू, सेलेश, आइजोल, मिजोरम द्वारा
आयोजित किया जाता है।
38. ई मोतीना, एन.एस. सिंह, दीपांजलि पॉल, डी डेका,
एल राल्टे और जे लालमुआनपिया (2019)। आइजॉल,
मिजोरम के दूध और दूध उत्पादों से बैक्टीरियल
रोगजनकों का पता लगाना। पैथोलॉजी कांग्रेस-2019।
6-8 नवंबर, 2019. XXXVI IAVP का वार्षिक
सम्मेलन, ICVP की एक्स वार्षिक बैठक, पशुचिकित्सा
पैथोलॉजी विभाग, सी वीएससी, सीएयू (1), मिजोरम।
पृष्ठ 58
39. एलंगबाम दिनेश सिंह और वाई दामोदर सिंह (2019)
। मणिपुर के इम्फाल पूर्व और पश्चिम जिलों में सहज
बत्तख के वायरस आंत्रशोथ के पैथोलॉजी और आणविक
निदान। प्रोक। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019
और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को
बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति'
सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
40. जी ई चेतन, एस बेहरा, जेबी राजेश, कल्याण सरमा और
एच प्रसाद। एक महान डेन कुर्ते में पोडोडेमोडिकोसिस
का निदान और चिकित्सीय प्रबंधन। कम्पेंडियम। 36
वाँ वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी आईएवीपी,
सीवीएससी और एच, सेलसिह। 06/11/2019 से
08/11/2019।
41. जी लुलिनलुकाबाई और टी.के. राजखोवा (2019)।
मिजोरम के पोलट्री में संक्रामक ब्रोंकाइटिस का पैथोलॉजी
और आणविक निदान। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस
-2019 एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण
को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में
प्रगति' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर,
2019)।
42. गली जे.एम., बेहरा पी, अली एम ए, देवी एल
आई, सुबुद्धि पी के, दास एच और चौधरी जे.
के. (2019)। सूअर में लार प्रोजेस्टेरोन के स्तर
का अनुमान लगाकर प्रारंभिक गर्भावस्था के निदान।
भारतीय पशुचिकित्सा पैथोलॉजिस्ट, भारतीय पशुचिकित्सा
रोगविज्ञान महाविद्यालय (ICVP) की X वार्षिक बैठक
और राष्ट्रीय संगोष्ठी 'XXX स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और
पर्यावरण संरक्षण के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में
उन्नति' विषय पर XXXVI वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत
किया गया। पृष्ठ 188; 6-8 नवंबर, 2019; कॉलेज
ऑफ वेटरनरी साइंसेज एंड एच, सीएयू, सेलसिह,
आइजोल, मिजोरम
43. एच ब्यान, आर रविंद्रन, बी कोंवर, बी सैकिया और डी
डेका (2019)। कैनाइन स्तन ट्यूमर का निदान सर्जिकल
प्रबंधन। पशु चिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019। 6-8
- नवंबर, 2019. XXXVI IAVP का वार्षिक सम्मेलन,
ICVP की एक्स वार्षिक बैठक, पशु चिकित्सा पैथोलॉजी
विभाग, CVSC और AH, CAU (I), मिजोरम। पृष्ठ
संख्या: 376।
44. एच लालरिंकीमा, ओ.के. रैना, एम.सी. लल्लिअंचुंगा,
सी.ललचंदामा, जॉय लालमुआनपुइया, के। लालबामपुई,
लल्लवामजुअली राल्टे और जिरलियनगुरा। (2019)
है। भारत में घरेलू जुगाली करने वालों और मानवों में
हिंसा-एक अवलोकन। पशु विज्ञान में हाल के अग्रिमों
पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2019। पृष्ठ.137।
45. एच प्रगति, केशब देबनाथ, अनन्या दास, संदीप कुमार
और अल्लाफ हुसैन मलिक (2019)। वाक्ससा रेप एक
पारंपरिक पोर्क उत्पाद। के गुणात्मक और संवेदी पहलुओं
पर निसिन का प्रभाव - मिजोरम प्रोक में। अंतर्राष्ट्रीय
संगोष्ठी और भारतीय मांस विज्ञान संघ का 9 वां
सम्मेलन "डॉ जी.सी. नेगी कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड
एनिमल साइंसेज, पालमपुर, भारत, पृष्ठ 277-278।
46. इशिता मायिटी, राहुल सिंह आर्य, टी.के. राजखोवा, वाई
दामोदर सिंह, रवींद्रन आर, पिनाकी भट्टाचार्य, बीट्राइस
आर। मराक, वनलनुनपुई शेखालिंग और जेनिफा अहमद
(2019)। जापानी बटेर में प्रोलैप्स और एन्सेफलाइटिस
के साथ क्लोकल हाइपरप्लासिया। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी
कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और
पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा
पैथोलॉजी में अग्रिम' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8
नवंबर, 2019)।
47. जाह्वीज्योतिकलिता, राहुल सिंह आर्य, रविंद्रन आर, वाई
दामोदर सिंह, टी के राजखोवा, जगनमोहनगाव गाली,
अरूप कुमार सामंत और जे किरन, (2019)। आइजोल
क्षेत्र में स्वाभाविक रूप से होने वाली एफ्लाटॉक्सिन,
आँक्रैटॉक्सिन और जियरलेनोन की घटना और विकृति पर
अध्ययन। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और
एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को
बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम'
सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
48. जेनिफा अहमद, राहुल सिंह आर्य, वाई दामोदर सिंह,
वनलालनपुइइकहवलिंग, बीट्राइस आर मराक, टी.
के. राजखोवा, रवींद्रन आर, पिनाकी भट्टाचार्य और
इशितामिता (2019)। ग्रामप्रिया चिकन में ब्लडर
निमोनिया का हिस्टोपैथोलॉजिकल निदान। पशुचिकित्सा
पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा
और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु
चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम' सेलसिह, आइजोल,
मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
49. जॉय लालमुआनपुइया, ए.कुमार, एच लालरिंकीमा, एच।



- मलिक, और आर.के. अग्रवाल। (2019) है। इमिडाजोल और मरसाप इथेनोल के साथ साल्मोनेला टाइफिम्यूरियम के बाहरी ज़िल्ली प्रोटीन की अभिव्यक्ति और कुशल शुद्धि। पशु विज्ञान, 2019 में हाल के अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ .13।
50. जॉय लालमुआनपुइया, ए कुमार, एच मलिक, एच लालरिकीमा, बी.सैलो और आर.के. अग्रवाल (2019)। साल्मोनेला टाइफिम्यूरियम से जीन मेस्मेन प्रोटीन प्रोटीन की सूमो द्वारा सहायता। पशु विज्ञान, 2019 में हाल के प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ .49
51. कल्याण सरमा, चेतन जी.ई., परिमल रॉयचौधरी, संजय कुमार बोरठाकुर, जे बी राजेश, एच प्रसाद, बसंत सैकिया, दिव्यज्योति तालुकदार, फजल अली अहमद, हिंतेश बान, धूबा दास और निकिताशा बोरा (2020)। कुत्तों में ट्रायपैनोसोमा इवांशी संक्रमण का आणविक निदान और क्लिनिको-पैथोलॉजिकल परिवर्तन। पशु चिकित्सा और पशु चिकित्सा नैदानिक विभाग, पशु चिकित्सा महाविद्यालय, हेब्बल, बंगलुरु, फरवरी 5 -7, 2020 (ओपीएफ 4.8 पृष्ठ 176) द्वारा आयोजित 'आईएसवीएम के 38 वें वार्षिक सम्मेलन' के संग्रह में प्रकाशित।
52. किरणजयप्पा, रविंद्रन आर, राहुल सिंह आर्य, टी के राजखोवा और वाई.डी. सिंह (2019)। मिजोरम के आइजोल शहर में कैनाइन त्वचीय नियोप्लाज्म की घटना। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वेटरनरी पैथोलॉजी में प्रगति' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
53. कुमार एस, दत्ता टीके, सामंता एके, रॉयचौधरी पी, दास एच, एक्टर एफ, और सुबुद्धि पीके। (2020)। उत्तर पूर्व भारत के औषधीय पौधों की रोगाणुरोधी और एंटीबायोफिलम गतिविधियाँ। इन: इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजिस्ट, इम्मुनोलॉजिस्ट्स एंड स्पेशलिस्ट्स इन इंफेक्शन्यास डिसीज (IAVMI) में 06-07 फरवरी 2020 से। XXXAR का वार्षिक सम्मेलन पृष्ठ 125।
54. लल्लवामजुअली राल्टे। एम सी ललियनचुंगा, एच लालरिन किमा और जिरलिअनगुरा (2019) आइजॉल, मिजोरम और आसपास के कच्चे दूध में बैक्टीरिया की गुणवत्ता का मूल्यांकन। पशु विज्ञान में हाल के प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2019. पृष्ठ.140।
55. लल्लवामजुअली राल्टे। एफ.सी. बिहिरोकी, लालनुन्फेला, ई मोतिना, डी डेका और एमसी लल्लिंछुंगा (2019) आशजोल, मिजोरम और उसके आस-पास के स्थानीय और आयातित मछली से जीवाणु-संबंधी खाद्य-जनित रोगजनकों का आकलन। पैथोलॉजी कांग्रेस -2019। 6-8 नवंबर, 2019। XXXVI आइ ए बी पी का वार्षिक सम्मेलन, आइ सी बी पी की वार्षिक बैठक, पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, प.चि. और ए.एच.कालेज, मिजोरम। पृष्ठ 55
56. लल्लवामजुअली राल्टे जी एल जेनिफर, टी अर्पिता, ई मोतिना, जे लालमुआनपुइया और एमसी लल्लिअनचुंगा (2019)। आइजोल, मिजोरम के आसपास स्थानीय और आयातित मछली से स्ट्रेप्टोकोकस फेकलिस का पता लगाना और पैथोलॉजी कांग्रेस-2019। 6-8 नवंबर, 2019। XXXVI IAVP का वार्षिक सम्मेलन, ICVP की एक्स वार्षिक बैठक, पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, CVSC और AH, CAU (1), मिजोरम। पृष्ठ.60
57. लल्लिंचुंगा, एम.सी., राल्टे, एल, लालमुंथांगा, सी, ललरिंट्लुंगा, के, लालरिकीमा, एच, अली, एम ए, लालरुहुपुड़ि। 6 से 8 नवंबर, 2019 को वेटरनरी साइंसेज में आयोजित स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वेटरनरी पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सार में udder स्वास्थ्य स्थिति के साथ संबंध पीच और दैहिक सेल की गणना में परिवर्तन। सीपीसी एच, सीएयू, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम, पृष्ठ .182
58. लालरेमुराता, दत्ता टीके, रॉयचौधरी पी, वंगछिया बीएल और सुबुद्धि पीके (2020)। मिजोरम, भारत में सूरां के माध्यम से बैक्टीरिया और वायरल रोगजनकों के संक्रमण के संचरण के साक्ष्य। इन: इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजिस्ट, इम्मुनोलॉजिस्ट्स एंड स्पेशलिस्ट्स इन इंफेक्शन्यास डिसीज 06-07 फरवरी 2020 XXXAR का वार्षिक सम्मेलन सह सम्मेलन। पृष्ठ 61।
59. लालरिकीमा, एच, रैना, ओ.के., लल्लिंचुंगा, एम सी, लालचंदमा, सी, लालमुन्पिया, जे, लालवामपुई, के, राल्टे, एल 2019. घरेलू जुगाली करने वालों और मानव सराय भारत में हिंसा: एक सिंहावलोकन। पशु विज्ञान 2019 में हाल के अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 6 - 8 नवंबर, 2019 को पचगांगा विश्वविद्यालय कॉलेज, आइजोल, मिजोरम।
60. लालरिकीमा, एच, रैना, ओ.के., लल्लिंचुंगा, एम.सी., लालचंदमा, सी, बोरठाकुर, एस और लालवामपुई (2019)। फासिओले जीजनटिका सूपरऑक्साइड डिसम्यूटेसस के कार्यात्मक अध्ययन। वेटरनरी पैथोलॉजी कांग्रेस 2019 और XXXVI वार्षिक सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट में प्रकाशित 6-8 नवम्बर, 2019, पृष्ठ संख्या 182



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

61. लालरिकिमा, रविंद्रन आर, टी के राजखोवा, वाई.डी. सिंह और आर.एस. आर्य (2019)। मिजोरम के आइजोल जिले में कैनाइन पैरोवायरस की पैथोलॉजी और आणविक पहचान। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
62. लक्की डोडाभूटिया, वाई दामोदर सिंह और टी.के. राजखोवा (2019)। सिक्किम के ग्याबा में एक परत खेत में न्यूकैसल रोग (एनडी) का प्रकोप। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
63. मेनाबम, पी, अली, एमए, गोसवानी, आर, टोलनखोम्बा, टीसी, कलिता जी, उमर एल ब्लीड बायोकेमिकल प्रोफाइल ऑफ गिनी फाउल रीयरेड इन इंटेसिव रियर सिस्टम इन मिजोरम इन द नेशनल अम्पोजियम ऑन एडवांस। बन स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी 6 से 8 नवंबर, 2019 को कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज एंड एएच, सीएयू, सेलसिह, आइजोल, मिजोरम में आयोजित किया गया, पी .186।
64. एमसी लल्लियांछुंगा, लल्लवामजुअली राल्ते, सी लालमुंथंगा, के.लरलिंटलंगा, एच लालरिकिमा, एम अयूब अली और लालहरुपीपुई (2019) यूड हेलथ स्टेट्स के साथ पीएच दूध और बकरी के दूध की गणना में परिवर्तन। पशु विज्ञान 2019 में हाल के प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। पृष्ठ .42।
65. माइकल लालरामचाना, रविंद्रन आर, टी के राजखोवा और किम बाइट (2019)। मिजोरम की पोल्ट्री आबादी में साल्मोनेला संक्रमण में एंटीबायोटिक प्रतिरोध की घटना पर अध्ययन। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
66. एन। लिंडा, एक अहमद, डी तलुकदार, एल के सिंह और के लालरिन लुअंगा, महिला मणिपुरी पोनीज (इक्विसफेरसकैबलस) के विभाजन व्यवहार पर अध्ययन, पृष्ठ 116, इस्सार और का वार्षिक सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। पशुचिकित्सा स्त्रीरोग और प्रसूति विज्ञान, कुलपति और आरआई, नामक्कल, तनुवास, 18 से 20 दिसंबर, 2019।
67. नंद कुमार रॉय, गिरिनकलिता, एल हमर, लखायज्योति काकटी, दिव्यज्योति तालुकदार और रंजनागोस्वामी,
68. पी.के. सुबुद्धि, एम ए अली, एल इंताबोम्बी देवी, जी.एल काबुई, आर.एस. सरमाह, टी के दत्ता, पी। रॉयचौधरी, वाई.डी. सिंह और पी। बेहरा (2019)। अफलातोक्सिन के सीरम डायग्नोस्टिक एंजाइम प्रोफाइल मिक्रोराम एग्रो-क्लाइमैटिक स्थिति के तहत पाले गए खाकी कैंपबेल बतख को उनके मूल स्टॉक के साथ तुलनीय है। प्रोपशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
69. पात्रा जी, बोरठाकुर, एस और बेहरा, पी (2019)। मिजोरम के आइजोल में चार अलग-अलग प्रजातियों के सांपों से अम्बिलोमेगार्वेसी और अम्बोलेमावरनेसी की आणविक विशेषता। वेटरनरी पैथोलॉजी कांग्रेस 2019 और XXXVI वार्षिक सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट, 6-8 नवंबर, 2019, पृष्ठ संख्या 116 पर प्रकाशित सार।
70. पिनाकी भट्टाचार्य, राहुल सिंह आर्य, इशितामिता, टी. के. राजखोवा, वाई दामोदर सिंह, रवींद्रन आर, बीट्राइस आर। मरक, जेनिफा अहमद और वनलनुनपुड़िखावलहंग (2019)। श्रीनिधि चिकन में समवर्ती हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा और लिंकोमा का हिस्टोपैथोलॉजिकल निदान। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन', सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
71. आर। रविन्द्रन, जे। किरण, वाई.डी. सिंह, आर.एस. आर्य और टी.के. राजखोवा (2019)। मिजोरम के आइजोल जिले की सीमाओं में नियोप्लाज्म की घटना पर अध्ययन। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन' सेलसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
72. आर सोंगेट, डी जे तालुकदार, एस.एम. नादाफ, एफए अहमद और के लालरिन्तुलांगा, कुतिया में ओपन पाइमेट्रा और इसका प्रबंधन पृष्ठ 186 में, आईएसवीएआर और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का XXXV वार्षिक सम्मेलन, पशुचिकित्सा स्त्री रोग और प्रसूति विभाग के उप-प्राचार्य,



- वीसी और आरआई, नमककल, तनुवासा, द्वारा आयोजित किया गया। 20 दिसंबर, 2019।
73. राजेश, जे बी, राजाखोवा। एस, यू डिमरी, एच प्रसाद, के सरमा, एस के बेहरा, चेतन जी ई, नीरज, टी और चौधरी, एम (2019)। सूअर में सुअरसीन सर्कोवायरस 2 संक्रमण के लिए नैदानिक परख। कम्पेंडियम। 38 वें वार्षिक सम्मेलन और आईएसवीएम, बंगलौर का राष्ट्रीय संगोष्ठी, 05/02/2020 से 07/02/2020।
74. राल्टे, एल, बिहिरोकी, एफसी, लालनुन्केला, मोतिना, ई, डेका, डी, लल्लिअंचुंगा, एम.सी. 2019. आइजॉल, मिजोरम और उसके आसपास स्थानीय और आयातित मछली से बैक्टीरियल फ्लू बॉर्न पैथोलॉजी का आकलन। 6-8 नवंबर, 2019 को वेटरनरी साइंसेज एंड एनिमल हसबैंड्री, आइजॉल, मिजोरम में एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
75. राल्टे, एल, जेनिफर, जी.एल., अर्पितानायक, टी, मोतिना, ई, लालमुआनपिया, जे, लल्लिअंचुंगा, एम.सी. 2019. आइजॉल, मिजोरम और उसके आसपास स्थानीय और आयातित मछली से स्ट्रेप्टोकोकसैफेटलिस का पता लगाना। 6-8 नवंबर, 2019 को वेटरनरी साइंसेज एंड एनिमल हसबैंड्री, आइजॉल, मिजोरम में एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
76. राल्टे, एल, लल्लिअंचुंगा, एम सी, लालहरुइपुई, लालरिकिमा एच, जर्लिगुरा 2019। आइजॉल, मिजोरम और उसके आसपास कच्चे दूध के जीवाणु गुणवत्ता का मूल्यांकन। पशु विज्ञान 2019 में हाल के अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 6-8 नवंबर, 2019 को पछुंगा विश्वविद्यालय कॉलेज, आइजॉल, मिजोरम में।
77. रॉयचौधरी पी, दत्ता टीके, सुबुद्धि पीके, कवलनी एल और मंदकिनी आर (2019)। मिजोरम से फाइलपौक्स वायरस का आणविक पता लगाने और फ्लोजेनेटिक विश्लेषण भारतीय पशुचिकित्सा रोगविज्ञानी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के XXXVI वार्षिक सम्मेलन 'स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम' 6-8 नवंबर, 2019 को पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, सी वीएस सी और एच, सीएयू। (I), सेलेसिह, आइजॉल, मिजोरम, भारत। पृष्ठ 184।
78. एस मोंडल, डी.के. मंडल, ए पॉल, ए मंडल, टी के दत्ता, ए संतरा, 2019, निष्क्रिय प्रतिरक्षा विफलता सकर गायों के विकास के प्रदर्शन को प्रभावित करती है, 2019, कोलकाता,
79. एस.जे. इस्लाम, टी केके राजखोवा और आर.एस. आर्य (2019)। मिजोरम के आइजॉल में ब्रॉयलर चिकन में जलोदर सिंड्रोम। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' सेलसिह, आइजॉल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।
80. सरमा के, रॉयचौधरी पी, कलिता जी, चेतन जीई, राजेश जेबी, प्रसाद एच, गोनमेई सी, बोरा एन और दास डी (2019)। मिजोरम में कासनी के अंतःकोशिकीय टिक-जनित रोगों के कारण हैपेटोपैथिस। भारतीय पशुचिकित्सा रोगविज्ञानी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के XXXVI वार्षिक सम्मेलन 'स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति' 6-8 नवंबर, 2019 को पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, सी वी एस सी और ए एच, सीएयू सेलेसिह, आइजॉल, मिजोरम, भारत। पृष्ठ 112।
81. सरमाह आर.एस., सुबुद्धि पी के, दत्ता टी.के., रॉयचौधरी पी, सिंह वाई.डी. और गलली जेआर (2019)। मूंगफली की अलग अस्पेरिगिलस फ्लेवस अन्य खाद्य पदार्थों से प्राप्त आइसोलेट्स की तुलना में अधिक एफलार्टॉक्सिन उत्पादन करता है भारतीय पशुचिकित्सा पैथोलॉजिस्ट, भारतीय पशुचिकित्सा रोगविज्ञान महाविद्यालय (आई सी वी पी) की X वार्षिक बैठक और राष्ट्रीय संगोष्ठी 'XXX स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में उन्नति' विषय पर XXXVI वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। पृष्ठ 61; 6-8 नवंबर, 2019; कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज एंड एच, सीएयू, सेलेसिह, आइजॉल, मिजोरम, भारत।
82. शर्मा रोहित, चौधरी जेके, सिंह एन श्यामसाना, टोलनखोम्बा टीसी, कलिता गिरिन, मयेंगबम प्रवा, बोरा अरिन्दोम, बोरा प्रिंसीलाना, मजुमदर सुरीता विश्लेषण मिल्क यील्ड से प्रभावित संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग का उपयोग करके दूध उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण 10-11 फरवरी, 2020 को सी वी एस, माड में आयोजित "पशु आनुवंशिक संसाधनों के प्रबंधन के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
83. शियाताबति सगोलसेम और वाई दामोदर सिंह (2019)। ब्रोइलर चिकन में कोकसीडियोसिस: एक कार्यवत्ति की रिपोर्ट: पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस -2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी' सेलसिह, आइजॉल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

84. सिंह सिमसाना एन, ललितांकिमी एच, टॉलेनखोम्बा टी.सी. और चौधरी जे.के. XXXVI के भारतीय पशुचिकित्सा पैथोलॉजिस्ट एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स की वार्षिक बैठक और वेटरनरी पैथोलॉजी में एडवांस पर नेशनल सिम्पोजियम फॉर वेटरनरी पैथोलॉजी में 75' बड़े व्हाइट यॉर्कशायर एक्स जोवाक क्रॉसबीग सूअर में मृत्यु के पैटर्न।, 6-8 नवंबर, 2019 से कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज एंड एनिमल हस्पिटेडी, सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम, भारत में खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण।
85. सुबुद्धि पी के, अली एम ए, देवी इनातोम्बी, काबुई जी.एल., सरमाह आर.एस., दत्ता टी.के., रॉयचौधरी पी, सिंह वाई.डी. और बेहरा पी। (2019)। अफलाटॉक्सिन के सहनशील खाकी कैपबेल बत्तख को, जो मिजोरम एग्रो-क्लाइमैटिक कंडीशन के तहत आता है, उनके मूल स्टॉक के साथ तुलनीय है। भारतीय पशुचिकित्सा पैथोलॉजिस्ट (IAVP), भारतीय पशुचिकित्सा रोगविज्ञान महाविद्यालय (ICVP) की X वार्षिक बैठक और राष्ट्रीय संगोष्ठी 'XXX स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में उन्नति' विषय पर XXXVI वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। पीपी 188; 6-8 नवंबर, 2019; कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज एंड एच, सीएयू, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम, भारत में
86. सुबुद्धि, पीके, अली, एमए, देवी, एलआई, सरमाह, आरएस, कॉवर, एन।, दत्ता, टीके, रॉयचौधरी, पी खाकी कैपिंग बत्तख में एक्सिलप्टा अल्बा द्वारा आहार के रूप में बेहतर है। 4 वें से 5 फरवरी, 2020 तक श्री वेंकटेश्वर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस में, 'पशु चिकित्सा स्वास्थ्य और उत्पादन में सुधार में पशु चिकित्सा जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी में वर्तमान अनुसंधान' पर वार्षिक सम्मेलन और 4 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सार में तिरुपति, पृष्ठ 51।
87. सुबुद्धि, पी.के., अली, एम.ए., देवी, एल आई, कबुई, जी.एल., सरमाह, आर.एस., दत्ता, टी.के., रॉयचौधरी, आर, सिंह, वाई डी, बेहरा, पी। मिजोरम एग्रो-क्लाइमैटिक कंडीशन के तहत अल्फॉटॉक्सिन खाकी कैपबेल बत्तख, उनके मूल स्टॉक के साथ तुलनीय है। स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सार में। 6 से 8 नवंबर, 2019 तक वेटरनरी साइंसेज एंड एच, सीएयू, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम।
88. टी.सी. टॉलेनखोम्बा, एन श्यामसाना सिंह, प्रवा मायांगबाम और जे.के. चौधरी (2019)। मणिपुर के वयस्क दलदल भैंस का बायोमैट्रिक मापन। एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी पर अग्रिमों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। 6-8 नवंबर, 2019। सीवीएससी एंड एच, सीएयू, सेलेसिह, आइजोल, पृष्ठ 185।
89. टॉलेनखोम्बा टी.सी., सिंह सियासमाना एन, मयेंगबम प्रवा और चौधरी जे.के. XXXVI पशु चिकित्सा रोगविदों की इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स की वार्षिक बैठक और राष्ट्रीय संगोष्ठी की वार्षिक बैठक में 'मणिपुर के वयस्क दलदल भैंस के जैवमितीय माप' पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम, भारत 6-8 नवंबर, 2019 से।
90. यू बोरो, एन लिंडा, डीजे तालुकदार, एफए अहमद और के लालरिडंगा मांगरेल कृतिया में अपूर्ण यूटरिन जड़ता का प्रबंधन ऑब्स्टेट्रिक्स, वीसी एंड आरआई, नामक्कल, तनुवासा, 18 से 20 दिसंबर, 2019।
91. वनलनुनपुइखावलहिंग, राहुल सिंह आर्य, जेनिफा अहमद, वाई दामोदर सिंह, बीट्राइस आर मराक, टी.के. राजखोवा, रवींद्रन आर।, इशितामिटी और पिनाकी भट्टाचार्य (2019)। ग्रामप्रिया और श्रीनिधि की चिकोटी रोग की विकृति की हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच। पशुचिकित्सा पैथोलॉजी कांग्रेस-2019 और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम' सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम (6-8 नवंबर, 2019)।

8.4.7. कृषि अभियांत्रिकी एवं पी एच टी, रानीपूल, सिक्किम

1. दास एसएस और चक्रवर्ती पी (2019)। टॉपसिस विधि का उपयोग करके हिप इम्प्लांट्स के एसिटाबुलर घटक के लिए एचडीएचए के मिश्रणों से उपयुक्त बायोमैट्रियल का निर्माण और चयन। (औद्योगिक ट्राइबोलॉजी पर 10 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन), दिसंबर, 1-4, 2019, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर।
2. दास एसएस और चक्रवर्ती पी (2019)। उच्च घनत्व पॉलीइथाइलीन का ट्राइकोलॉजिकल प्रदर्शन - हाइड्रॉक्सीपैटाइट मिश्रण। ICMMRE-2019 (यांत्रिक, सामग्री और नवीकरणीय ऊर्जा पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन), 6-7 दिसंबर, 2019, सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, माजितर, सिक्किम।
3. वेयरमम एससी और जेना एस (2020)। च्योते (सेचुमेड्यूल) के आसमाटिक निर्जलीकरण के दौरान बड़े पैमाने पर स्थानांतरण कैनेटीक्स पर विभिन्न आसमाटिक एजेंटों का प्रभाव। फूड साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट्स



2019 का 30 वाँ भारतीय सम्मेलन, 30.01.20-01.02.20, पृष्ठ-019, तेजपुर, असम, भारत के स्मारिका में प्रकाशित।

4. पाटिल एसबी और जेना एस (2020)। भारत के उत्तर पूर्व पहाड़ी क्षेत्र में उगाए गए अल्पविकसित अनाज और बाजारा से मूल्य वर्धित उत्पाद। 07-09 जनवरी, 2020 के दौरान हयात रीजेंसी, विमनगढ़, पुणे, महाराष्ट्र में कृषि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्यूचर टेक्नोलॉजीज पर भारतीय कृषि इंजीनियर्स (ISAE) और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के 54वें वार्षिक सम्मेलन की स्मारिका में प्रकाशित।
5. कुसरे बीसी (2020)। भारत के उ.पू. क्षेत्र में पानी और मिट्टी के संसाधनों के संरक्षण में पवित्र बन का महत्व। जनवरी 07-09, 2020 के दौरान हयात रीजेंसी में कृषि में भारतीय कृषि इंजीनियर्स संघ (आईएसएई) की वार्षिक सम्मेलन और कृषि में कुत्रिम बुद्धि आधारित भविष्य की प्रौद्यागिकी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एनई क्षेत्र में भारतीय कृषि इंजीनियरों (आईएसएई) और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के विमान नगर, पुणे, महाराष्ट्र।
6. सीवेदा एमएस (2020)। भारत के एनईएच क्षेत्र में सोलर पीवी वॉटर पंपिंग सिस्टम का प्रदर्शन विश्लेषण। भारतीय कृषि इंजीनियर्स संघ का वार्षिक सम्मेलन और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड प्यूचर टेक्नोलॉजीज इन एग्रीकल्चर, पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 07-09-09, 2020 के दौरान हयात रीजेंसी, विमान नगर, पुणे, महाराष्ट्र में।
7. पाटले जीटी, चेट्री एम और डबराल पीपी (2020)। प्रतिगमन और तंत्रिका नेटवर्क तकनीकों का उपयोग करके पान वाष्णीकरण का अनुमान। भारतीय कृषि इंजीनियर्स के 54 वें वार्षिक सम्मेलन संघ का वार्षिक सम्मेलन और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड प्यूचर टेक्नोलॉजीज इन एग्रीकल्चर, पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 07-09-09, 2020 के दौरान हयात रीजेंसी, विमान नगर, पुणे, महाराष्ट्र में।
8. पाटले जीटी, कुसरे बीसी, राव केरोआर और दास पी (2020)। पहाड़ी स्थलाकृति के लिए गुरुत्वाकर्षण ड्रिप सिंचाई प्रणाली का हाइड्रोलिक मूल्यांकन। कृषि में कुत्रिम इंटेलिजेंस बेस्ड प्यूचर टेक्नोलॉजीज पर इंटरनेशनल सिम्पोजियम और इंडियन एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स संघ के 54 वें वार्षिक सम्मेलन की स्मारिका में 07-09 जनवरी, 2020 के दौरान हयात रीजेंसी, विमनगढ़, पुणे, महाराष्ट्र में प्रकाशित।
9. देवी एए और शर्मा ए (2020)। सिक्किम में आजीविका सुरक्षा के लिए बागवानी व्यापार टूरिज्म के अवसर, 24-25 फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिये बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य भारतीय कृषि

अर्थशास्त्र संघ का क्षेत्रीय सेमिनार।

कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. कुमारी, एन और जी चंद (2020)। मशरूम उत्पादन तकनीक और सतत आजीविका के माध्यम से महिला सशक्तिकरण। 24-25 फरवरी, 2020 तक पासीघाट में आयोजित, पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी।
2. डेनिशा राजखोवा और डी बी आहूजा (2020) अरुणाचल प्रदेश में मधुमक्खी पालन की संभावनाएँ। 'उत्तर पूर्वी क्षेत्र के बागवानी व्यापार विकास के लिये परिप्रेक्ष्य' पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। 24-25 फरवरी, 2020, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश
3. महेश कुमार और बेलुरु भार्गव (2020) अरुणाचल प्रदेश में प्राकृतिक आवश्यक तेल उत्पादन के लिए व्यवसाय की संभावना: एक समीक्षा। 'उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिये बागवानी व्यापार का दृष्टिकोण' पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। 103, फरवरी 24-25, 2020, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
4. ख्यायकृपम लिली देवी, डी झाझरिया, इंदौर नवनाथसखारम, आर.के. सिंह और स्मृति छेत्री (2020)। पूर्वी सिक्किम के सारनी गांव में कम लागत वाले पॉलीहाउस हस्तक्षेप के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि-एक अध्ययन। 'उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिये बागवानी व्यापार का परिप्रेक्ष्य' पर क्षेत्रीय संगोष्ठी। 130, फरवरी 24-25, 2020, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
5. एल. गीतारानीदेवी, टी एच। चुराचंदसिंह और बी.एन. हजारिका (2020)। अरुणाचल प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के निवेश और अवसर। सुवीर-अरुणाचल एग्री एक्सपो 2019. 25-27 फरवरी, 2019, पृष्ठ 149-153।

8.4.8. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, जलूकी, नागालैंड

1. केनीजो कुओत्सु, लालतलॉकिमी, नीथोनो कुओत्सु, रीही जॉन, सशिताओला ओजुकूम, तुकेश्वर चुटिया, निंगोबम धुमापति देवी, अमृत गोगोई, गुजन दास और जीडी राव। 2019. कैनाइन ट्रांसिमिसेबल वेनेरल ट्यूमर: जलूकी, नागालैंड में एक मामले की रिपोर्ट। इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट का 36 वां वार्षिक सम्मेलन, वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स की 10 वाँ वार्षिक बैठक और एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पृष्ठ 366-36 नवंबर 2019। पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग, सीओवीएससी और एएच, सीएयू, सेलेसिह, आइजोल, मिजोरम द्वारा आयोजित।



8.5 ई. लोकप्रिय लेख:

8.5.1. कृषि महाविद्यालय, इम्फाल

1. दयाराम, और एम दीपा देवी। (2019) है। पूर्वोत्तर भारत में किसानों की दोहरी आय के लिए वैकल्पिक खेती के रूप में मशरूम की खेती। सीएयू फार्म पत्रिका। Vol-9 No.3 July-Sept, 2019: 21
2. ए मोइरंगथेम, एस कुमार, कालकेम सी एच मोमिनदी पी हीस्नाम। 2019. फूलों की फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए विशेष बागवानी अभ्यास। उत्पादकता और किसान की आय बढ़ाने के लिए मैनुअल गुड हॉर्टिकल्चरल प्रैक्टिस पर प्रशिक्षण। पृष्ठ 1-5
3. अभिनाश मोइरंगथेम, पुनाबती हिसनाम, कालकेम सी एच मोमिन, महेश पाठक और बी.एन. हजारिका। 2019. ड्रैगन प्रूट। स्मारिका अरुणाचल एग्री एक्सपो-2019।
4. कालकेम सीएच मोमिन, एस कुमार, अरुणकुमार पीएच और ए मोइरंगथेम। 2019. सतत उत्पादन के लिए फूलों की खेती में अच्छा व्यवहार। उत्पादकता और किसान की आय बढ़ाने के लिए मैनुअल गुड हॉर्टिकल्चरल प्रैक्टिस पर प्रशिक्षण मैनुअल। पृष्ठ 73-80
5. पुनाबती हिसनाम, अभिनाश मोइरंगथेम, एस पट्टनायक, एन.जी. तैबंगनबी चानू, पी देबनाथ और बी.एन. हजारिका। 2019. फसल प्रणाली में दालों और मिट्टी को बढ़ावा देने के बीच सहजीवी प्रभाव। स्मारिका अरुणाचल एग्री एक्सपो-2019।
6. एल.जेबिट सिंह और डॉ गयत्री के एच (2019)। कचनार नींबू के विशेष संदर्भ के साथ जैविक खेती और इसके विपणन का अवलोकन। 15 वां कच्छी नींबू महोत्सव राज्य स्तरीय 11वीं-12वीं जनवरी 2019। (33-36))
7. एल.जे.बिटर सिंह और डॉ.गयत्री खंजरकापम (2019)। उत्तर पूर्व भारत और मणिपुर के विशेष संदर्भ के साथ भारत में जैविक खेती का स्टेंटस। राष्ट्रीय स्वदेशी बीज महोत्सव 2019। येलहेन्जूज मारू कुर्मई। अक्टूबर 12-14,2019 (53-62)
8. एल.एल.जेबिट सिंह और डॉ.गयत्री खंजरकापम (2019)। वर्तमान स्थिति और मणिपुर में अनानास की खेती की क्षमता के बीच अंतर। 12 वीं राज्य स्तरीय मणिपुर अनानास महोत्सव 2019, 23 अगस्त 2019। (1- 6)

8.5.2. बागवानी एवं वानिकी कालेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. ऐलिस, ए.के., रिनाल्डी, एन, यतुंग, टी, चकमा, जे और शादाप, ए। (2019)। एरोपोनिक्स आलू का उत्पादन।

सब्जी फसलों की संरक्षित खेती-उ.पू.प. क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 91-94 पी। (संग्रह)

2. एनल, पीएस, एम, देव, सी, सरमा, पी और बूटिया, एन.डी. (2019)। भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए आकर्षक सब्जियों का वादा। सीएयू फार्म पत्रिका (आइएसएसएन: 2279-0454) 9 (4): 32-35।
3. भूटिया, एन.डी. (2019)। लद्यूस में हाइड्रोपोनिक्स सिस्टम। वेजीटेबल क्रॉप्स की संरक्षित खेती- उ.पू.प. क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 167-178 पी। (संग्रह)
4. भूटिया, एन.डी. और हजारिका, बी.एन. (2019) है। ग्रीनहाउस में स्वीट पेपर का उत्पादन प्रौद्योगिकी। सब्जी फसलों की संरक्षित खेती-उ.पू.प. क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 167-178 पी। (संग्रह)
5. भूटिया, एन.डी. और हजारिका, बी.एन. (2019) है। ग्रीनहाउस में टमाटर की उत्पादन तकनीक। सब्जी फसलों की संरक्षित खेती-उ.पू.प. क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 167-178 पी। (संग्रह)
6. भूटिया, एन.डी. और हजारिका, बी.एन. (2019) है। ग्रीनहाउस में ककड़ी का उत्पादन प्रौद्योगिकी। सब्जी फसलों की संरक्षित खेती-एनईएच क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 167-178 पी। (संग्रह)
7. भूटिया, एन.डी. और हजारिका, बी.एन. (2019) है। सब्जी उत्पादन के लिए संरक्षित संरचनाओं का महत्व। सब्जी फसलों की संरक्षित खेती- एनईएच क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 167-178 पी। (संकलन)
8. भूटिया, एन.डी., शादप, ए और यातुंग, टी। (2019)। संभावित सब्जियों में क्राफिटिंग तकनीक। सब्जी फसलों की संरक्षित खेती-एनईएच क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 101-103 पी। (संग्रह)
9. भूटिया, एन.डी., शादप, ए, यातुंग, टी और त्सोमु, टी। (2019)। उत्तर पूर्व क्षेत्र में बड़ी इलायची का मूल्य संवर्धन और विपणन। अरुणाचल प्रदेश में मसालों का विपणन और मूल्य-श्रृंखला विश्लेषण। विस्तार शिक्षा निदेशक, सीएयू, 24-28 पी। (प्रशिक्षण मैनुअल)
10. चनबिसाना, सी, इरुंगबाम, पी, लालीनफेली, आर और पांडे, वाई (2019)। समय की आवश्यकता: भारत में सटीक खेती। एग्रोबियोस न्यूजलेटर, XVIII (4): 10-11।



11. चनबिसाना, सी, प्रसाद, एच, इरुंगबम, पी और यमुना, पी। (2019)। उ.पू. क्षेत्र में ताजे फल और सब्जियों के बाजार के विकास की आवश्यकता। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (2): 18-20।
12. चनबिसाना, सी, यमुना, पी और इरुंगबम, पी। (2019)। भारत में खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के विकास की आवश्यकता। एग्रोबियोस न्यूज़लेटर, XVIII (2): 75-76।
13. चानू, एनजी टी, शर्मा, एस के, हिसनाम, पी, चंद्रकुमार, एम, मोहन्ती, जे, सिंह, एस, कुमार, एस, सिंह, ए और हजारिका, बी.एन. (2019)। भारत के एनईएच क्षेत्र के किंग चिल्ली (शिमला मिर्च चिनेंसजाका) में वायरल रोग परिसर की व्यापकता, स्मारिका 'स्मार्ट खेती के माध्यम से कृषि आय को बढ़ावा देना', अरुणाचल कृषि-एक्सपो-2019, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, कृषि कॉलेज और केवीके, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 25-27 फरवरी, 2019, पृष्ठ 129-132।
14. देबनाथ, पी, हिसनाम, पी और पट्टानायक, एस। (2019) है। NEH क्षेत्र में जैविक कृषि की स्कोप और शक्ति, प्रशिक्षण मैनुअल 'कृषि और बागवानी फसलों की जैविक खेती और विपणन के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के किसानों का आर्थिक विकास', सीएसएस-नियाम, जयपुर, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में प्रयोजित, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 29-31 अगस्त, 2019, टीएम-02/2019, पृष्ठ 01-07।
15. देबनाथ, पी, हिसनाम, पी, और पट्टानायक, एस। (2019) है। जैव-उर्वरक, जैविक खेती में पोषक तत्व प्रबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक, प्रशिक्षण मैनुअल 'कृषि और बागवानी फसलों की जैविक खेती और विपणन के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के किसानों का आर्थिक विकास', सीएसएस-एनआईएएम, जयपुर द्वारा बागवानी और वानिकी कॉलेज में प्रयोजित, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 29-31 अगस्त, 2019, टीएम-02/201, पृष्ठ 40-48।
16. देबनाथ, पी, हिसनाम, पी, पट्टानायक, एस और हजारिका, बी.एन. (2019) है। भारत के एनईएच क्षेत्र में जैविक कृषि के लिए पंचकाव्य के दायरे और संभावनाएं, स्मारिका 'स्मार्ट खेती के माध्यम से कृषि आय को बढ़ावा देना', अरुणाचल कृषि-एक्सपो-2019, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, कृषि कॉलेज और केवीके, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 25-27 फरवरी, 2019, पृष्ठ 101-105।
17. देबनाथ, पी, पट्टानायक, एस.के., और हिसनम, पी। (2019)। वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन: सतत कृषि का एक प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण मैनुअल 'अरुणाचल प्रदेश के
18. किसानों का आर्थिक विकास जैविक खेती और कृषि और बागवानी फसलों के विपणन के माध्यम से', सीएसएस-एनआईएएम, जयपुर, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में प्रयोजित, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 29-31 अगस्त, 2019, टीएम-02/2019, पृष्ठ 19-26।
19. देवनाथ, पी, पट्टानायक, एस के, हिसनाम, पी, हटाई, एल डी और हजारिका, बी.एन. (2019) है। भारतीय कृषि सोसायटी, मुंबई, 24-25, फरवरी, 2020, पृष्ठ 80 के पूर्वांतर क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठी की स्मारिका, उ.पू. क्षेत्र में जैविक उत्पादन की विपणन क्षमता। -85
20. देव, सी, सेम्बा, एस, एनल, पीएस एम, सरमा, पी और भूटिया, एन.डी. (2019)। वनस्पति फसलों में अच्छा बागवानी अभ्यास। उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अच्छे बागवानी अभ्यासों के संग्रह में प्रकाशित। डीन, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश द्वारा प्रकाशित। पृष्ठ संख्या 55-66।
21. देव, सी और भूटिया, एन.डी. (2019)। मृदा संस्कृति के लिए प्रणाली और उपकरण। सब्जी फसलों की संरक्षित खेती-एनईएच क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 167-178 पी। (संग्रह)
22. डीओ, सी, एम डी रमजान, एनल पी एस, एम, भूटिया, एन डी और यतुंग, टी। (2019)। संरक्षित स्थिति में सब्जी का संकर बीज उत्पादन। वेजीटेबल क्रॉप्स की संरक्षित खेती-एनईएच क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, 167-178 पी। (संग्रह)
23. देवचंद्र, एन, एनल, एम, देवी, एल.जी. और हजारिका, बी.एन. (2019) है। भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में मसाला फसलों की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, अरुणाचल प्रदेश में मसालों के विपणन और मूल्य श्रृंखला विश्लेषण, प्रशिक्षण मैनुअल: सीएसएस-एनआईएएम, जयपुर द्वारा प्रयोजित, 5 से 7 सितंबर, 2019, पृष्ठ 1-5।
24. देवी, एन.एस., राजा, पी और शाक्यवार, आर.सी. (2019) है। एनईएच क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत - सब्जी की फसलों की संरक्षित खेती पर जैविक खेती में सब्जियों की फसलों की संरक्षित खेती का एकीकृत रोग प्रबंधन। पृष्ठ.13-13-134
25. देवी, वाई.एस., सिंह, एम.एस., लुंगडिम, जे, इरुंगबम, पी। और चानू, वाई.बी. (2019) है। चावल परती भूमि के तहत शून्य जुताई की खेती। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (2): 29-31।



केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

25. हताई, एल.डी., सिंह, एन.ए. और देवी, एल.जी. (2019) है। एनई क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनुबंध खेती। प्रशिक्षण मैनुअल। 58-86।
26. हताई, एल.डी., देवी, एल.जी. और सिंह (2019)। मेघालय के वेस्ट गारो हिल में तुरमार की खेती का एक आर्थिक विश्लेषण। प्रशिक्षण मैनुअल। पृष्ठ 90-94।
27. हताई, एल.डी., देवी, एल.जी., कुमार, एन.ए., पट्टानायक, एस और हजारिका, बी.एन. (2019)। भारतीय कृषि अर्थशास्त्र संघ, मुंबई, 24-25, फरवरी, 2020, 'उत्तर-पूर्व क्षेत्र में बागवानी-आर्थिक विकास की दिशा में तेजी, भारतीय कृषि अर्थशास्त्र (ISAE) के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार का परिप्रेक्ष्य' पर क्षेत्रीय व्यापार के स्मारिका। पृष्ठ.76-79
28. हिसनम, पी., देबनाथ, पी और पट्टानायक, एस। (2019) है। जैविक खेती में खरपतवार प्रबंधन प्रथा। जैविक खेती और कृषि और बागवानी फसलों के विपणन के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के किसानों का आर्थिक विकास पर प्रशिक्षण मैनुअल। पी देबनाथ, एस पट्टानायक, पी हास्नाम, पी सरमा और बी.एन. हजारिका। पृष्ठ. 40-48
29. हिसनम, पी., इरुंगबम, पी., देवी, एल.जी. और मोइरंगथेम, ए। (2019)। उत्तर पूर्व भारत में राजा मिर्च की जैविक खेती। अरुणाचल प्रदेश में मसालों के विपणन और मूल्य-श्रृंखला विश्लेषण पर प्रशिक्षण मैनुअल। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट। अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ. 21-23
30. हिसनम, पी., मोइरंगथेम, ए., देबनाथ, पी और पट्टानायक, एस (2019)। उत्पादकता और किसान की आय बढ़ाने के लिए जैविक खेती। उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए उत्तम बागवानी पद्धति पर प्रशिक्षण मैनुअल। बी एन हजारिका, एस कुमार, अरुणकुमार पीएच, कालकेम एच मोमिन, ए मोइरंगथेम। फ्लोरीकल्चर एंड लैंडस्केप आर्किटेक्चर विभाग, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 81-86
31. हिसनम, पी., मोइरंगथेम, ए., पट्टानायक, एस और देबनाथ, पी। (2019)। कॉन्फैक्ट फार्मिंग के माध्यम से बागवानी किसानों का सामाजिक आर्थिक विकास। 'कॉन्फैक्ट फार्मिंग के माध्यम से बागवानी किसानों के सामाजिक-आर्थिक विकास' पर प्रशिक्षण मैनुअल। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट। अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 1-14।
32. हिसनम, पी।, मोइरंगथेम, ए., पट्टानायक, एस.के., चानू, एन.जी. टी, देबनाथ, पी और हजारिका, बी. एन. (2019)। दालों और मिट्टी के बीच सहजीवी प्रभाव-फसल प्रणाली में बढ़ावा। स्मारिका अरुणाचल एग्री-एक्सपो-2019। पृष्ठ 59-63
33. हिसनाम, पी., मोइरंगथेम, ए., पट्टानायक, एस.के., चानू, एनजी टी, देबनाथ, पी और हजारिका, बी. एन. (2019) है। फसल प्रणाली में दलहन और मूदा-संवर्धन के बीच सहजीवी प्रभाव, स्मारिका "स्मार्ट खेती के माध्यम से कृषि आय को बढ़ावा देना", अरुणाचल कृषि-एक्सपो -2019, बागवानी और वानिकी महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय और कृ.वि.के., केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 25-27 फरवरी, 2019, पृष्ठ 59-63।
34. इरुंगबम, पी., पांडेय और चनबिसाना, सी (2019)। शून्य जुताई तोरिया सरसों: मणिपुर में किसान की आय बढ़ाने के लिए एक वरदान। एग्रोबियोस न्यूजलेटर, XVIII (2): 24-25।
35. मोहंती, जे, सिंह, ए.के., चानू, एनजी। टी और हजारिका, बी.एन. (2019) है। सिट्रस ग्रीन स्टंक बग-अरुण आचल प्रदेश में एक महत्वपूर्ण कीट के कारण फलों का गिरना, स्मारिका "स्मार्ट खेती के माध्यम से कृषि आय को बढ़ावा देना", अरुणाचल कृषि-एक्सपो-2019, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर और केवीके, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 25-27 फरवरी, 2019, पृष्ठ 124-128।
36. मोइरंगथेम, ए., हिसनम, पी., मोमिन, के.सी., पाठक, एम और हजारिका, बी.एन. (2019)। ड्रैगन फल। स्मारिका। अरुणाचल एग्री-एक्सपो-2019। पृष्ठ-74-78
37. मोइरंगथेम, ए., कुमार, एस, मोमिन, के एच और हिसनम, पी (2019)। फूलों की फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए विशेष बागवानी अभ्यास। उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए उत्तम बागवानी विधि पर प्रशिक्षण मैनुअल। बी एन हजारिका, एस कुमार, अरुणकुमार पीएच, कालकेम सीएच मोमिन, ए मोइरंगथेम। फ्लोरीकल्चर एंड लैंडस्केप आर्किटेक्चर विभाग, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट। अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 1-5
38. मोमिन, के सी, कुमार, एस और फुरेलपेटम, ए.के. 2019. उत्तरपूर्व भारत में उद्यमिता और कॉन्फैक्ट फार्मिंग में महिलाएं, प्रशिक्षण मैनुअल पृष्ठ 605।
39. मोमिन, के सी और कुमार, एस। (2019)। गारो हिल्स, मेघालय की मूल आर्किड प्रजातियाँ। भारतीय बागवानी सिंतंबर अंक: 25-28
40. मोमिन, के सी और कुमार, एस, फुराएलटम, ए.के.



- (2020)। उत्तर पूर्व भारत में फलोरीकल्चर उद्यमिता और अनुबंध खेती में महिलाएँ। कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग ईडीएस के माध्यम से बागवानी किसानों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रशिक्षण मैनुअल। एन.ए.सिंह, ए.ल.जी. देवी, ए. मोइरांगथम, ए.ल.डी. हटाई और बी. एन. हजारिका।, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।
41. पांडे, वाई, भट्ट, एस, चनबिसाना, सी, इरुंगबम, पी और प्रसाद, एच। (2019)। चाउ चाउ (Schiumedule): एक बहुउद्देशीय सब्जी फसल और इसकी खेती के तरीके। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (2): 8-10।
 42. पट्टनायक, एस (2019)। ग्रीन हाउस डिजाइन, कम्पैडियम, मॉडल ट्रेनिंग कोर्स 'वेजिटेबल क्रॉप्स की संरक्षित खेती: एनईएच क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत', विस्तार निदेशालय। कृषि और सहकारिता, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय। भारत सरकार, नई दिल्ली, द्वारा प्रायोजित कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 02-09 दिसंबर, 2019, पृष्ठ 07-23।
 43. पट्टनायक, एस। (2019) है। ग्रीन हाउस इरिगेशन, कम्पैडियम, 'सब्जी फसलों की संरक्षित खेती: एनईएच क्षेत्र में रोजगार का स्रोत' पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, विस्तार निदेशालय द्वारा प्रायोजित। कृषि और सहकारिता, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में, 02-09 दिसंबर, 2019, पृष्ठ 43-46।
 44. पट्टनायक, एस.के., देबनाथ, पी और मोहंती, जे। (2019)। फार्म ट्रैक्टर इम्प्लीमेंट्स की खरीद और कस्टम हायरिंग सेंटरों की स्थापना में अर्थशास्त्र का महत्व, प्रशिक्षण मैनुअल "अरुणाचल प्रदेश में संपर्क किसानों के माध्यम से बागवानी किसानों का सामाजिक-आर्थिक विकास, सीएसएस-एनआईएम द्वारा प्रायोजित, बागवानी और वानिकी कॉलेज, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 04-06 सितंबर, 2019, टीएम -01 / 2019, पृष्ठ 13-21।
 45. पट्टनायक, एस के., हताई, एल डी, देबनाथ, पी।, मोहंती और हजारिका, बी.एन. (2019)। बागवानी फसलों में सूख्म सिंचाई की आर्थिक संभावना। भारतीय कृषि अर्थशास्त्र समिति, मुंबई, 24-25, फरवरी, 2010, बागवानी व्यापार का नार्थ ईस्टर्न रीजन के विकास हेतु परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय सेमिनार' की स्मारिका। पृष्ठ 68 - 75
 46. पट्टनायक, एस.के., हजारिका, बी.एन., सरमा, पी और देबनाथ, पी (2019)। चावल में बूंद सिंचाई जल उत्पादकता बढ़ाने की प्रसिद्ध विधि/स्मार्ट खेती द्वारा खेती की आय बढ़ाना। स्मारिका अरुणाचल कृषि-एक्सपो-2019, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर और केवीके, सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश। 25-27 फरवरी, 2019, पृष्ठ 64-73।
 47. पट्टनायक, एस के., मोहंती, जे, देबनाथ, पी, हिसनाम, पी और हजारिका, बी.एन. (2019) है। ऑर्गेनिक हिल एग्रीकल्चर हेतु मृदा और जल संरक्षण के उपाय, प्रशिक्षण मैनुअल जैविक खेती और कृषि और बागवानी फसलों के विपणन के माध्यम से "अरुणाचल प्रदेश के किसानों का आर्थिक विकास, सीएसएस-एनआईएम, जयपुर द्वारा प्रायोजित कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में प्रायोजित, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 29-31 अगस्त, 2019, टीएम -02 / 2019, पृष्ठ 66-80।
 48. पट्टनायक, एस. के., सलाम, आर.के. और मोहंती, जे (2019)। मसाले फसलों में मशीनीकरण, ट्रेनिंग मैनुअल "अरुणाचल प्रदेश में मसालों का विपणन और मूल्य शृंखला विश्लेषण, सीएसएस-एनआईएम द्वारा जयपुर प्रायोजित, बागवानी और वानिकी कॉलेज, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में 05-07 सितंबर, 2019, टीएम-01 / 2019, पृष्ठ 38-44।
 49. पट्टनायक, एस के., सरमा, पी, हजारिका, बी.एन., हीम्माम, पी, देबनाथ, पी सिंह, बी और मोहंती, जे। (2019)। कृषि में सौर ऊर्जा का उपयोग करके किसानों की आय बढ़ाना, स्मारिका 'स्मार्ट खेती के माध्यम से कृषि आय को बढ़ावा देना', अरुणाचल कृषि-एक्सपो -2019, बागवानी और वानिकी कॉलेज, कृषि कॉलेज और केवीके, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 25-27 फरवरी, 2019, पृष्ठ 18-27।
 50. पट्टनायक, एस के., हिसनाम, पी, देबनाथ, पी, मोहंती जे और हजारिका, बी.एन. (2019)। जल संरक्षण के लिए जल शक्ति अभियान-एक जन आंदोलन। सीएयू फार्म पत्रिका। जुलाई-सितंबर अंक। पृष्ठ 2-8
 51. फुरेलपट्टम, ए.के., लीशंगथेम, जी, और सिंह, एन.ए. (2019)। हमारे देश में रेड चिली स्पिक्स की आपूर्ति शृंखला का वर्तमान परिदृश्य। प्रशिक्षण मैनुअल। 1. 75-79।
 52. फुरैतलपम, ए.के., सिंह, एन.ए. और लीशंगथेम, जी। (2019)। भारत में अनुबंध खेती की समस्याएं और संभावना। प्रशिक्षण मैनुअल। 1. 5- 5।
 53. शादप, ए, भूटिया, एन.डी. और यातुंग, टी (2019)। सञ्जियों की फसल में प्रशिक्षण और प्रूनिंग। वेजिटेबल क्रॉप्स की संरक्षित खेती-एनईएच क्षेत्र में रोजगार का



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पृष्ठ 95-100। (संग्रह)
54. सिंह, बी., और पट्टानायक, एस. (2019)। एनईच क्षेत्र (2019) के लिए तेल पाम के अभ्यास का पैकेज। स्मारिका 'स्मार्ट खेती के माध्यम से कृषि आय को बढ़ावा देना', अरुणाचल कृषि-एक्सपो -2019, बागवानी और वानिकी महाविद्यालय, कृषि और केवीके, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 25-27 फरवरी, 2019, पृष्ठ 30-38। ।
55. सिंह, बी., पट्टानायक, एस और हजारिका, बी.एन. (2019)। नक्षत्र वृक्ष और संरक्षण प्रयास, स्मारिका 'स्मार्ट फार्मिंग के माध्यम से कृषि आय को बढ़ावा देना', अरुणाचल कृषि-एक्सपो -2019, बागवानी और वानिकी कॉलेज, कृषि कॉलेज और केवीके, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 25-27 फरवरी, 2019, पृष्ठ 156-160।
56. सिंह, एन.ए., और देवी, एल.जी. (2019)। बागवानी किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनुबंध खेती का महत्व' प्रशिक्षण मैनुअल। 1. 87-92।
57. सिंह, आर., डिपेप, ए, पासाह, एस, फिरोज, एस एम चौधरी, ए, सिंह, एन ए, देवी, एल जी, देवी, एल.ए. (2019)। एनईच क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए जैविक मसाला: मूल्य श्रृंखला विश्लेषण। प्रशिक्षण मैनुअल। 1. 45-58।
58. सिंह, आर., डिपेप, ए, पासाह, एस, फिरोज, एस.एम., चौधरी, ए, कुमार, एस, संगपुर्झ, एल, देवी, ए.ए., सिंह, एन.ए., देवी, एल.जी. और चौहान, जे.के. (2019) है। स्थायी जीवनकाल और आय के लिए जैविक अदरक की खेती: उ.पू.प. का स्थानिक विश्लेषण। स्मारिका (सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20): 67-78।
59. सिंह, एस.आर. वांगचू, एल सिंह, बी और देवचंद्र, एन (2019)। मंदारिन में असर के विस्तार के लिए संयंत्र विकास नियामकों (पीजीआर) का अनुप्रयोग। कटाई के बाद की तकनीकों और मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण नियमावली, आईएसबीएन -978-93-5396-0872 वॉल्यूम -1 अंक -1, पृष्ठ .147-150।
60. सिंह, एस.आर., वांगचू, एल, सिंह, बी और देवचंद्र, एन। (2019)। उत्तर पूर्व भारत में साइट्स मैक्रोप्रेटा-ए मसाला फलों के पेंड़ के लिए आपूर्ति श्रृंखला रणनीतियों। अरुणाचल प्रदेश में मसालों के विपणन और मूल्य अराजक विश्लेषण पर प्रशिक्षण मैनुअल। खंड-1, पृष्ठ. 70-74
61. सिंह, एस आर, वांगचू, एल, सिंह, बी, देवचंद्र, एन और आनंद एन। (2019)। उत्तर पूर्व भारत में अनुबंध

खेती के माध्यम से बागवानी फल उत्पादकों का सामाजिक-आर्थिक विकास। नियमन मैनुअल 1 59-65।

62. त्सोम, टी, यतुंग, टी और भूटिया, एन.डी. (2019)। उत्तर पूर्व क्षेत्र (एनईआर) में अदरक का विपणन और मूल्य श्रृंखला जोड़: स्कोप और भविष्य की संभावनाएं। अरुणाचल प्रदेश में मसालों का विपणन और मूल्य-श्रृंखला विश्लेषण। विस्तार शिक्षा निदेशक, सीएयू, पृष्ठ 57-64 (प्रशिक्षण मैनुअल)
63. यतुंग, टी और हजारिका, बी.एन. (2019) है। बढ़ते मीडिया और उनके गुण। सब्जी फसलों की संरक्षित खेती-उ.पू.प. क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पृष्ठ 29-31 (संग्रह)

8.5.3. मात्रियकी कालेज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा

1. लाहिडी, बी, अनुराग, टी.एस., बोराह, एस, मारक, एन.आर. और संगमा, ए.के. (2019) है। मेघालय के गारो हिल्स में आईसीटी मध्यस्थता विस्तार दृष्टिकोण के माध्यम से सीएयू आर 1 धान विविधता की लोकप्रियता-एक सफलता की कहानी। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (1): 24-25।
2. नरेश कुमार मेहता (2019)। एक नए उद्यमी के लिए मछली प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण पहलू। 20-29 नवंबर से आयोजित कॉलेज ऑफ फिशरीज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा के आर के वी रफतार कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र में उद्यमिता के स्कोप नामक दस-दिवसीय लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रकाशित प्रशिक्षण मैनुअल। 2019. पृष्ठ 90-96।
3. नरेश कुमार मेहता (2019)। मछली प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का महत्व। लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रकाशित प्रशिक्षण मैनुअल 'मछली और मछली उत्पादों के विपणन में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर क्षमता निर्माण' शीर्षक। डीन, कॉलेज ऑफ फिशरीज (सीएयू-आई), लेम्बुचेरा, त्रिपुरा (डब्ल्यू) 17-19 सितंबर, 2019 से आयोजित। पीपी-50-53।
4. नरेश कुमार मेहता (2020)। उत्तर पूर्व भारत के लिए विशेष संदर्भ के साथ मछली के संरक्षण के लिए अतिरिक्त औपचारिकता की हाल की रिपोर्ट। भारत में आईसीएआर द्वारा प्रायोजित 21-दिवसीय शीतकालीन स्कूल में 'फिश प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन एंड फिश वेस्ट मैनेजमेंट और हाल ही में 07-27 जनवरी को आयोजित' के दौरान प्रकाशित पाठ्यक्रम मैनुअल 2020. कॉले ज ऑफ फिशरीज, सीएयू, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा (मजूमदार, आरके) और मेहता, एनके। पृष्ठ-111-114।



5. नरेश कुमार मेहता (2020)। ताजी मछलियों की कटाई के बाद की कटाई। इन पाठ्यक्रमों को आईसीएआर द्वारा प्रायोजित 21-दिवसीय विंटर स्कूल में 'फिश प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन एंड फिश वेस्ट मैनेजमेंट और मत्स्य प्रसंस्करण में हालिया प्रगति पर हाल ही में 07-27 जनवरी 2020 में 'आयोजित' के दौरान प्रकाशित किया गया। कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा (मजूमदार, आरके और मेहता, एनके). पृष्ठ-46-51
6. रणेंद्र के मजूमदार (2020)। जलीय जानवरों से एंजाइम और उनके खाद्य उद्योग में उनके उपयोग का दायरा। खाद्य उद्योग में। आईसीएआर प्रायोजित 21-दिवसीय विंटर स्कूल में 'फिश प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन एंड फिश वेस्ट मैनेजमेंट और की प्रगति 07-27 जनवरी 2020 से आयोजन' के दौरान पाठ्यक्रम मैनुअल प्रकाशित। कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा (मजूमदार, आरके और मेहता, एनके). पृष्ठ-46-51
7. रणेंद्र के मजूमदार (2020)। मछली का मूल्यवर्धन - उत्पाद विविधीकरण और अच्छी विनिर्माण प्रथाएँ। पाठ्यक्रम का प्रकाशन आईसीएआर द्वारा प्रायोजित 21-दिवसीय विंटर स्कूल में 'मछली प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और मछली अपशिष्ट प्रबंधन में हालिया प्रगति' शीर्षक पर 07-27 जनवरी 2020 से आयोजित किया गया। कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा (मजूमदार, आरके और मेहता, एनके)। पीपी- 78-87
8. रणेंद्र के मजूमदार (2020)। पूर्वोत्तर भारत के किणिवत मछली उत्पाद - सत्यापन, गुणवत्ता मूल्यांकन और भविष्य की संभावनाएं। आईसीएआर के दौरान प्रकाशित कोर्स मैनुअल 21-दिनों के विंटर स्कूल में 'फिश प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और फिश वेस्ट मैनेजमेंट में हाल के प्रगति' पर 07-27 जनवरी 2020 से आयोजन पर पाद्यक्रम प्रकाशित किया गया। कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा (मजूमदार, आरके और मेहता, एनके)। पृष्ठ-88-104
9. रणेंद्र के मजूमदार (2019)। उ.पू.भारत में एक्वा-प्रीनेयरशिप और एक्वा-स्टार्टअप - वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएं। 20-29 नवंबर से आयोजित कॉलेज ऑफ फिशरीज (CAU-I), लेम्बुचंद्र, त्रिपुरा के आर के वी वाई, रफ्तार कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र में उद्यमिता के स्कोप नामक दस-दिवसीय लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रकाशित प्रशिक्षण मैनुअल। 2019. पृष्ठ 6-10
10. एम भार्गवी प्रियदर्शनी, उमा बुदा और आर.के.मजूमदार (2020)। जैल बनाने की क्षमता को बढ़ाने के लिए सुरीमी आधारित उत्पादों में हाइड्रोकार्बोलाइड्स का नियोट्रिक अनुप्रयोग। मछली प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और मछली अपशिष्ट प्रबंधन, पृष्ठ-144-153 में हाल के प्रगति पर पाठ्यक्रम मैनुअल विंटर स्कूल (एफपीटी विभाग और ई, सीओएफ, सीएयू का विभाग)।
11. बहनी धर (2020)। उत्तर पूर्व भारत के विशेष संदर्भ के साथ धूमपान द्वारा मछली संरक्षण। बहनी धर। (2020)। भा.कृ.अ.प. के 21-27 दिनों के इंटर स्कूल में, फिश प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और फिशवॉस्ट मैनेजमेंट में हाल प्रगति पर प्रशिक्षण मैनुअल, 7-27 वें जनवरी, 2020। कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा (मजूमदार, आरके और मेहता, एनके)।
12. बहनी धर (2020)। उ.पू. भारत के जल निकायों में मछली पकड़ने के लिए पारंपरिक मछली पकड़ने के तरीके और गियर का उपयोग किया जाता है। 'ताजे पानी के तालाब और कार्प हैचरी के डिजाइन और निर्माण' पर प्रशिक्षण मैनुअल। कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू, लिम्बुचेरा, त्रिपुरा द्वारा प्रकाशित
13. बहनी धर (2020)। उ.पू. भारत की स्मोकड मछली उत्पाद और उद्यमिता विकास के अवसर। उ.पू. में मत्स्य पालन क्षेत्र में उद्यमशीलता के क्षेत्र पर प्रशिक्षण मैनुअल। भारत कृषि व्यवसाय अध्यायन केंद्र, आर के वी वाई, रफ्तार कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित। कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू, लिम्बुचेरा, त्रिपुरा द्वारा प्रकाशित

8.5.4. स्नातकोन्तर अध्ययन महाविद्यालय, बारापानी, मेघालय

1. संजय-स्वामी (2019)। लीफ कलर चार्ट द्वारा धान में सही नाइट्रोजन की खुराक कैसे दी जाती है। कृषि जागरण, 18 जनवरी, 2019। <https://krishijagran.com/featured/how-to-provide-right-nitrogen-dose-in-paddy-by-leaf-colour-chart/>
2. मोईरंगथेम अभिनाश, हिसनम पुनावती, मोमिन कालकेम च, पाठक महेश और हजारिका बीएन। 2019. ड्रैगन फ्रूट। स्मारिका अरुणाचल एग्री एक्सपो-2019 (25-27 फरवरी, 2019)। कृषि महाविद्यालय, बागवानी और बानिकी और कृषि विज्ञान केंद्र पूर्वी सियांग, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पासीधाट, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित। पृष्ठ। 74-78।
3. शाक्यवार, आरसी, पाठक, एम, राजा, पी, पाटीदार, आरके, रिबा तोग, पिल्लू एनजी।, देवी सुरमिना एन, हजारिका बीएन और चानू एनवाई। 2019. एपिकल्चर: भारत के एनईच क्षेत्र के भूमि ग्रामीण क्षेत्र में एक वैकल्पिक रोजगार। स्मारिका अरुणाचल एग्री एक्सपो-2019 (25-27 फरवरी, 2019)। कृषि महाविद्यालय, बागवानी और बानिकी और कृषि विज्ञान केंद्र पूर्वी



केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- सियांग, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पासीधाट, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित। पृष्ठ 113-117। केनेडी निंगथौजम, मारेना सोरोखिबम, के। ममोचा सिंह, यंगम हिरजीत सिंह और रोजीत थंगजाम 2019। एंटोमोपैथोजेनिक फंगी का कृषि उत्पादन। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (3); पृष्ठ 26-28।
4. यंगम हीरोजीत सिंह, के ममोचा सिंह, केनेडी निंगथौजम और एन.जी. ताइबांगानबी चानु 2019. माइकोरिजी के फार्म उत्पादन पर। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (3); पृष्ठ 35-36।
 5. शाक्यवार, आरसी, पाठक, एम, राजा, पी, पाटीदार, आरके, रिबा तोगे, पिल्लू एनजी, देवी सुरमिना एन, हजारिका बीएन और चानु एनवाई। 2019. मधुमक्खी पालन: भारत के उ.पू.प. क्षेत्र के भूमि ग्रामीण क्षेत्र में एक वैकल्पिक रोजगार। स्मारिका में-अरुणाचल एग्री एक्सपो-2019 (25-27 फरवरी, 2019)। कृषि महाविद्यालय, बागवानी और वानिकी और कृषि विज्ञान केंद्र पूर्वी सियांग, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पासीधाट, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित। पृष्ठ 113-117।
 6. मारबानियांग ई के, चौहान जे के और खारोमुओद पी (2019) 'किसान उत्पादक संगठन (ईपीओ): समय की आवश्यकता', कृषि और भोजन: ई-न्यूजलेटर, वूमे .1 (12 दिसंबर, 2019) : पृष्ठ 292-297
 7. मारबानियांग ई के, चौहान जे के और पूर्व छात्र पी (2020) 'पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) इन एग्रीकल्चर: सतत कृषि विकास की दिशा में एक कदम', एग्रीकल्चर और फूड़: ई-न्यूजलेटर, वूमे .2 (2-फरवरी), 2020): पृष्ठ 387-391
 8. खुरमुनीद पी, पांडे एनके और सुर्देश एस (2020) 'शहरी कृषि: गरीबी उन्मूलन, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता', कृषि और भोजन: ई- न्यूजलेटर, वूमे .1 (6 - जून 2019) के लिए एक रणनीति: पृष्ठ 79-82
 9. प्रकाशित, ए.आर.जी.ओ. विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसिह, आइजोल, 27-29 वें सत्र, 2019 से। पृष्ठ 11-17।
 10. गिरिन कलिता, 2019. युवा सूअरों को खिलाने के संबंध में गैस्ट्रोइटेस्टाइनल ट्रैक्ट का विकास, पशु चिकित्सा पद्धतियों में 'अपरहार्य शारीरिक रचना-एक वितरण उपकरण' पर प्रशिक्षण मैनुअल: पृष्ठ 78-83 (डीन, सीवीएससी एएच द्वारा प्रकाशित), सीएयू सेलेसिह, आइजॉल 19-22 फरवरी, 2019 के दौरान पशु चिकित्सा एनाटॉमी विभाग द्वारा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
 11. गिरिन कलिता, 2019. ब्रायलर फार्म शुरू करने के लिए परियोजना की तैयारी और ब्रॉयलर के वध की आयु की तुलनात्मक अर्थशास्त्र, सीएयू फार्म पत्रिका 9 (1): 12-19।
 12. जे.बी. राजेश, राजखोवा, एस, डिमरी, यू, प्रसाद, एच, चेतन, जी ई, नीरज, टी और जोसंगपुई (2019)। पोर्सिन सर्काँवायरस 2 (Pcv2): स्वाइन इंडस्ट्री के लिए उभरता हुआ खतरा।
 13. जे.बी. राजेश, एस राजखोवा, यू डिमरी, एच प्रसाद, के सरमा, चेतन जी ई और जोसंगपुई (2019)। एटी ऑक्सीडेंट: पोर्सिन स्वास्थ्य के लिए बूम या बैन। सीएयू फार्म पत्रिका (ISSN: 2279 0454)। 9: 27-28
 14. कल्याण सरमा (2019)। पशुधन में परजीवीवाद की रोकथाम और नियंत्रण। नवंबर, 2019 पृष्ठ संख्या 101-110 पर पासीधाट में आयोजित नॉट ईस्ट एग्री फेयर के संग्रह में प्रकाशित।
 15. लल्लवामजुअली राल्टे, एम सी लल्लियानछुंगा और सी लल्लांदमा (2019)। विश्व अंडा दिवस पुआलिन जाग। वंगलैनी दैनिक समाचार पत्र। वॉल्यूम XXXIV नंबर 230. पृष्ठ 6
 16. लल्लवामजुअली राल्टे, एम सी लल्लिअंचुंगा और सी। लालचंदमा (2019)। 11 अक्टूबर, 2019 को दैनिक समाचार पत्र 'वंगलैनी' में 'वर्ल्ड एग डे पुलिएन अवेक'।
 17. एमदास, देवजनी डेका, एस चक्रवर्ती, अनुराधा बनर्जी और सुमित्रा पाणिग्रही (2019) जापानी इंसेफेलाइटिस की एक महामारी विज्ञान की समीक्षा पर्यावरण और पारिस्थितिकी। 1.37 (1): 31-33
 18. मोनेश ठाकुर, हृदयेश प्रसाद, कल्याण सरमा, ए.के. सामंत और राधिका ठाकुर (2019)। बछड़े की मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रबंधन रणनीतियाँ। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (1): 22-23।



8.5.6. कृषि अभियांत्रिकी एवं पी एच टी कालेज, नारीपूल, सिक्किम

1. सीवेदा एमएस और डबराल पीपी (2019)। सतत कृषि के लिए अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की भूमिका। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (4): 9-11।
2. सिंह वाईजे, तिवारी आरके, चौहान एसके और दीन एम (2019)। एनईएच क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्नत कृषि उपकरणों के साथ एकीकृत खरपतवार प्रबंधन। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (2): 15-17।
3. सिंह वाईजे, तिवारी आरके, चौहान एसके और दीन एम (2019)। पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजीज गैजेट्स के संचालन के लिए मणिपुर पैंटी के उपयोग की क्षमता। सीएयू फार्म पत्रिका, 8 (4): 36-37।
4. सिंह वाईजे, तिवारी आरके, चौहान एसके और दीन एम (2019)। एनईएच क्षेत्र में कृषि यंत्रीकरण में तेजी के माध्यम से कृषि योग्य कृषि विकास। सीएयू फार्म पत्रिका, 8 (4): 21-25।
5. सिंह वाईजे, तिवारी आरके, सत्पथी एसके, दीन एम और चौहान एसके (2019)। उन्नत CAU फार्म पत्रिका, 9 (3) के घटकों के निर्माण के लिए मिश्रित सामग्री का अनुप्रयोग: 24-25।
6. सिंह वाईजे, तिवारी आरके, सत्पथी एसके, दीन एम और चौहान एसके (2019)। उत्तर पूर्वी क्षेत्र में उपयोग के लिए संभावित बेहतर उपकरण। सीएयू फार्म पत्रिका, 9 (3): 11-13।
4. एल डी हताई, आनंदकुमार एन और एल गीतारानी देवी (2019)। एनई क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि खेती। अनुबंध कृषि के माध्यम से बागवानी किसानों का आर्थिक विकास आर्थिक विकास। / 2019 पृष्ठ 5-11।
5. एल डी हताई, एल गीतारानी देवी और एन.आनंद कुमार (2020)। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स में अनानास का बार-बार विश्लेषण। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य स्मारिका पृष्ठ 99।
6. एल डी हताई, एल.गेटारानी देवी और एन आनंदकुमार (2020)। काजू की मूल्य श्रृंखला-एक आर्थिक मूल्यांकन। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य स्मारिका पृष्ठ 125।
7. एल डी हताई, एल.गेटारानी देवी, एन आनंदकुमार, एस के.पटनायक और बी.एन.हजारिका (2020)। उत्तर पूर्वी क्षेत्र में बागवानी-आर्थिक विकास की ओर तेजी। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य स्मारिका पृष्ठ 76-79।
8. एन.देवचंद्र, एम अर्नल, एल गीतारानी देवी और बी.एन. हजारिका (2019)। भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में मसाला फसलों की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन। अरुणाचल प्रदेश में मसालों का विपणन और मूल्य श्रृंखला विश्लेषण। 01/2019। पृष्ठ 1-5।
9. पुनाबती हिसनम, प्रियंका इरुंगबम, एल गीतारानी देवी और अभिनाश एम (2019)। उत्तर पूर्व भारत में राजा मिर्च की जैविक खेती। अरुणाचल प्रदेश में मसालों का विपणन और मूल्य श्रृंखला विश्लेषण। 01/2019। पृष्ठ 1-5।

8.5.7. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. आनंदकुमार एन और एल गीतारानी देवी (2019)। बागवानी अकालों की आय बढ़ाने के लिए अनुबंध कृषि का आयात। अनुबंध कृषि के माध्यम से बागवानी किसानों का आर्थिक विकास। 1.01 / 2019 पृष्ठ 87-92।
2. अरुणकुमार फुरेलपट्टम, आनंदकुमार एन और एल गीतारानी देवी (2019)। भारत में संपर्क खेती की समस्याएँ और संभावनाएँ। अनुबंध कृषि के माध्यम से बागवानी किसानों का आर्थिक विकास। 1.01 / 2019 पृष्ठ 5-11।
3. एल गीतारानी देवी, एल डी हताई.नंदकुमार और बी.एन.हजारिका (2019)। अरुणाचल प्रदेश में अदरख का उत्पादन, विपणन और मूल्य श्रृंखला। अरुणाचल प्रदेश में मसालों का विपणन और मूल्य श्रृंखला विश्लेषण। 01/2019। पृष्ठ 86-89।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

8.6.2. बागवानी एवं वानिकी कालेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

- कोरव, एस, यादव, डी बी और एन, प्रेमरथ्या (2020), फंडामेंटल्स ऑफ बीड मैनेजमेंट (सामान्य जंगली घास की पहचान और नियंत्रण) की पाठ्य पुस्तक, एग्रोटेक प्रकाशन अकादमी, श्रीमती गीता सोमानी, 1-205 पृष्ठ; आईएसबीएन: 978-81-8321-531-2
- शारंगी, ए.बी., मोमिन, के एच और कुंदू, एस (2019)। औषधीय पौधों की पुस्तिका। एग्रोटेक पब्लिशिंग एकेडमी, उदयपुर। पृष्ठ 1-300।

8.6.3. मातियकी कालेज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा

- पांडे, पी.के. और चौधरी, टी.जी. 2019. मॉडल क्वेश्चन बैंक जब ए टू जेड टू फिशरीज। नरेंद्र पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली (भारत)। (आईएसबीएन: 978-93-87590-96-0), कुल पृष्ठ-416।

8.6.4. स्नातकोत्तर अध्ययन कालेज, बारापानी, मेघालय

- हसन, डब्ल्यू, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस. (2019) है। खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, वॉल्यूम के लिए कृषि और एप्लाइड साइंसेज में वैशिक परिप्रेक्ष्य। I. कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पृष्ठ 268. आईएसबीएन: 978-93-5391-939-9।
- हसन, डब्ल्यू, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस. (2019) है। खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, के लिए कृषि और एप्लाइड साइंसेज में वैशिक परिप्रेक्ष्य। II। कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पृष्ठ 278. आईएसबीएन: 978-93-88237-89-5।
- हसन, डब्ल्यू, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस. (2019)। खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा, के लिए कृषि और एप्लाइड साइंसेज में वैशिक परिप्रेक्ष्य। III। कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत। पृष्ठ 172. आईएसबीएन: 978-93-5391-939-9।
- नरेम जानकी सिंह (2019)। मृदा, जल और फसल अध्ययन के लिए सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली तकनीक। लुलु पब्लिकेशन, रैले, नॉर्थ कैरोलिना, संयुक्त द्वारा प्रकाशित, रश्म बुक पब्लिकेशन द्वारा मुद्रित, पृष्ठ 1-167, आईएसबीएन 978-0-359-99474-8।

- हेमोचंद्र एल (2019) 'बुनियादी कृषि सांख्यकी' सोलापुर, महाराष्ट्र, भारत, रश्म पुस्तक प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-0-359-97508-2, पृष्ठ: 1-123।
- हेमोचंद्र एल (2019) 'कृषि सांख्यकी का एक परिचय' बायोटेक बुक्स, अंसारी रोड, दरयानी, नई दिल्ली-110002, रश्म बुक पब्लिकेशन, आईएसबीएन: 978-81-7622-4622-8, पृष्ठ: 1-116।

8.6.5. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, सेलेसिह, आइज़ॉल

- कल्याण सरमा और दिव्यज्योति तालुकदार (2018)। कृषि में पाठ्य पुस्तक व बौद्धिक संपदा। सैटिस सीरियल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, आईएसबीएन 9789388020053
- डे, ए, गाली, जे.एम. अली, एम ए, 2019। सुस्कॉफ का सीरम प्रौद्योगिकी। लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-620-0-44231-4।
- एच लालरिंकीमा, एसके बोरठाकुर और गौतम पात्रा (2019)। जानवरों के सामान्य परजीवी रोगों के प्रबंधन के लिए रुझान और परिप्रेक्ष्य। आईएसबीएन: 9788194087052
- टी के राजखोवा, वाई दामोदर सिंह, रविंद्रन आर और राहुल सिंह आर्य (2019)। एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण (आईएसबीएन: 978-93-88237-89-5) को बढ़ावा देने के लिए पशु चिकित्सा पैथोलॉजी में अग्रिम। एक्सेल इंडिया पब्लिशर्स, नई दिल्ली (भारत)।

8.6.6. कृषि अभियांत्रिकी कालेज, रानीपूल, सिक्किम

- कुमार आर, सिंह बीपी, ज्ञानरिया डी और मिराबबसी आर (2019)। हैंडबुक ऑफ कंजर्वेशन एग्रीकल्चर, सीआरसी प्रेस, टेयोर और फ्रांसिस ग्रुप, बोका रैटन, यूएसए। आईएसबीएन नंबर 978-0-367-34048-3।

8.6.7. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

- चंद, जी, एन अख्तर और एस कुमार (2020)। फलों और सब्जियों की फसल के रोग: हाल के प्रबंधन दृष्टिकोण। सीआरसी-ऐप्पल एकेडमिक प्रेस इंक। 3333 मिस्टरेल क्रिसेंट ओकविले, एल 6 एल 0 ए 2 कनाडा / ऐप्पल एकेडमिक प्रेस इंक 9 स्पिनकनेर वे वेयरटाउन, एनजे 08758, यूएसए। पृष्ठ 15-5। आईएसबीएन 9781771888363



8.6.8. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन, जलकी, नागालैंड

- तुकेश्वर चूतिया (2019)। कृत्रिम गर्भाधान के लिए सूअर के वीर्य का प्रसंस्करण। लैप लैम्बर्ट अकार्डमिक प्रकाशन, मॉरीशस। आईएसबीएन: 978-620-0-21534-5।

8.7. पुस्तक अध्याय प्रकाशित:

8.7.1. कृषि महाविद्यालय, इम्फाल

- बीरेश्वर सिन्हा, डब्ल्यू तंपाक्लीमा चानू (2019)। के सारदा देवी एवं निर्मला एम सतत ऊर्जा व उत्पाद, आई के पब्लिशिंग हाउस प्राईवेट लिमिटेड, न्यू डेल (आईएसबीएन-99393-99-67-6-6-66-6 के लिए जैव प्रौद्योगिकी में स्थायी कृषि के लिए माइक्रोबियल संसाधनों का उपयोग करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी संबंधी हस्तक्षेप।
- दया राम और एम दीपा देवी। (2019) है। पूर्वोत्तर भारत में कृषि और संबद्ध उद्यमिता विकास की संभावनाएँ। खाद्य जैव संसाधन और मणिपुर, पूर्वोत्तर भारत के एथिक फूड। आईएसबीएन 978-81944069-0-7। फर्स्ट इंप्रेशन।
- डॉ ठा रणधीर सिंह। विस्तार शिक्षा निदेशालय, सीएयू, इम्फाल द्वारा प्रकाशित बतख की नस्लें और प्रजनन।
- हलधर SM.2019। उच्च आय प्राप्त करने के लिए बागवानी फसलों में आईपीएम रणनीति। इन: ड्राइ लैंड हॉर्टिकल्चर, एमके जाटव, पीएल सरोज और बीडी शर्मा (ईडीएस)। एनआईपीए, नई दिल्ली, पृष्ठ: 449-478। आईएसबीएन: 9789387973558
- मिश्रा, एल.के., सरकार, डी, और शेट्टी, के। (2019)। मानव स्वास्थ्य-प्रासांगिक बायोएक्टिव और लामियासी परिवार में जड़ी-बूटियों की एसोसिएटेड फंक्शंस। कार्यात्मक खाद्य पदार्थ और जैव प्रौद्योगिकी: कार्यात्मक खाद्य पदार्थ और सामग्री के स्रोत। पहला संस्करण, पृष्ठ-206, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रासिस गुप, बोका रेटन, फ्लोरिडा, यूएस। (आईएसबीएन: 9781003003830)।
- आर पूर्वास्धा और बी सिन्हा (2019)। कबूतर मटर विल्ट और बॉझपन मोजेक रोग निदान और प्रबंधन के लिए जैव प्रौद्योगिकी, प्लाट डिजीज मैनेजमेंट के आधुनिक तरीके, आविष्कार पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, जयपुर, राजस्थान, आईएसबीएन -978-81-942456-4-3।।
- सारंगी पीके, सिंह टीए, सिंह एनजी जॉयकुमार (2019) अनानास संभावित फसल संसाधन के रूप में: परिप्रेक्ष्य और मूल्य संवर्धन। में: मणिपुर, पूर्वोत्तर, भारत के खाद्य पदार्थ और पंरपरागत खाद्य पदार्थ; एम्पायरियल पब्लिशिंग हाउस, 83-91। आईएसबीएन: 978-81-944069-0-7।।

8. सारंगथेम एन, सारंगी पीके, सिंह टीए, सिंह एनजी जॉयकुमार (2019) मणिपुर, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के सतत उपयोग और सामाजिक आर्थिक विकास के लिए जंगली खाद्य पौधों (डब्ल्यूइपी) का मूल्यवर्धन। मणिपुर, पूर्वोत्तर, भारत के खाद्य पदार्थ और जातीय खाद्य पदार्थ; एम्पायरियल पब्लिशिंग हाउस। 92-99 आईएसबीएन: 978-81-944069-0-7।।

9. सिंह टी.ए., सारंगी पी कंदसिंह एन.जी. जॉयकुमार (2019) भारत के उ.पू.प. क्षेत्र में किण्वित सोयाबीन के उत्पादन के लिए जैव प्रौद्योगिकी। सतत ऊर्जा और उत्पादों के लिए जैव प्रौद्योगिकी; आईके इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस पीवीटी लिमिटेड 149-171। आईएसबीएन: 978-93-86768-63-6।।

8.7.2. बागवानी एवं वानिकी, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

- चानू, एनजी टी, सिंह, एम.सी., शर्मा, एस.के., सिंह, वाई.डी. हिसनाम, पी, शांतिकुमार, एल।, सिंह, वाई.डी. और सिंह, ए.के. (2019)। किण्वित सोयाबीन में लाभकारी सूक्ष्मजीव। पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजीज एंड वैल्यू एडिशन, बुक, आईएसबीएन-978-93-5396-087-2 वॉल्यूम-I अंक। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट। अरुणाचल प्रदेश।
- चनविसाना, प्रसाद, एच, शेखाम, एच, इरुंगबम। पी। और पांडे, वाई। (2019)। बागवानी फसलों का भंडारण और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी। बागवानी में प्रगति। वॉल्यूम 9: 21-46 (2019)। एकिनिक प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिसनम, पी, मोईरंगथेम, ए, पट्टानियाक, एस.के., सिंह, वाई.डी. और हजारिका, बी.एन. (2019)। खाद्य अनाजों के बीज के पर्यावरण के अनुकूल स्वदेशी भंडारण प्रथाओं। पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजीज एंड वैल्यू एडिशन, बुक, आईएसबीएन -978-93-5396-087-2 वॉल्यूम- I अंक। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट। अरुणाचल प्रदेश।
- सिंह, बी और सिंह, वाई.डी. (2019)। उ.पू. क्षेत्र के महत्वपूर्ण वाणिज्यिक वृक्ष प्रजातियों की नर्सरी उत्पादन। सिंह, वाई डी, एच सोइबम, पी। होस्नाम और बी.एन. हजारिका। “पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजीज एंड वैल्यू एडिशन” आईएसबीएन नंबर 978-93-5396-087-2 वॉल्यूम-1 अंक -1। डीन, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पासीघाट-791102, अरुणाचल प्रदेश पृष्ठ 51-62।।
- सिंह, वाई.डी., सोइबम, एच, हिसनाम, पी और हजारिका, बी.एन. (2019)। बागवानी फसलों के लिए



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

पोस्ट हार्डेस्ट टेक्नोलॉजी का हस्तक्षेप। पोस्ट हार्डेस्ट टेक्नोलॉजीज एंड वैल्यू एडिशन, बुक, आईएसबीएन -978-93-5396-087-2 वॉल्यूम - I अंक। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्टी, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट। अरुणाचल प्रदेश

8.7.3. मात्स्यकी कालेज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा

1. पाल, पी. (2019)। 'सांखिकीय विधियों पर MCQ' में पुस्तक अध्याय: पांडे, पी.के. और चौधरी, टी.जी. (पढ़ता है)। 2019. मॉडल क्वेश्चन बैंक जब ए टू जेड टू फिशरीज। नरेंद्र पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली (भारत)। (आईएसबीएन: 978-93-87590-96-0)।
2. ए डी उपाध्याय, डी.के. पांडे और बहनी धर (2019)। भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में प्रसंस्कृत मछली उत्पादों के मूल्य श्रृंखला का विश्लेषण। ए डी उपाध्याय, ए रॉय और पी.के. पांडे (ईडीएस), मत्स्य और एक्वाकल्चर अर्थशास्त्र। न्यू इंडिया पब्लिशिंग एजेंसी, नई दिल्ली (भारत)। (आईएसबीएन: 978-93-87590-96-0)।
4. 'घोष, ए 2019। 17-19 सितंबर, 2019 के दौरान मछली और मछली उत्पादों के विपणन में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण और सूचना प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए सूचना और संचार रणनीतियाँ।'
5. लाहिड़ी, बी और दास, पी। (2019)। 'मेघालय के गारो हिल्स में वैज्ञानिक डेयरी फार्मिंग प्रथाओं के माध्यम से आजीविका प्रणाली का विविधीकरण': इनोवेटर सात बहनों और एक भाई के फार्म इनोवेटर्स के रूप में किसान (आईएसबीएन 978-81-938078-2-8, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इफाल, मणिपुर (2019))। पृष्ठ-65-66
6. आर के मजूमदार (2019)। मछली प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में प्रगति। खाद्य उत्पादों और प्रक्रियाओं में मूल्य वर्धन के लिए प्रौद्योगिकियां, ईडीएस। एस सी डेका, डी सेठ - एन। आर। एस हुल्ले, एप्पल अकादमिक प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, यूएसए। (मुद्रणालय में)
7. आर के मजूमदार (2019)। जातीय किण्वित खाद्य पदार्थ और त्रिपुरा के पेय पदार्थ। एथनिक किण्वित खाद्य पदार्थ और भारत के पेय पदार्थ: विज्ञान इतिहास और संस्कृति। जे पी तमांग, स्ट्रिंगर प्रकृति, सिंगापुर। (मुद्रणालय में)
8. आर के मजूमदार (2019)। पूर्वोत्तर भारत में मछली संरक्षण की पारंपरिक तकनीक। खाद्य उत्पादों और प्रक्रियाओं में मूल्य वर्धन के लिए प्रौद्योगिकियां, एस सी डेका, डी सेठ एन आर एस हुल्ले, एप्पल अकादमिक प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, यूएसए। (मुद्रणालय में)
9. आर के मजूमदार (2020)। किण्वित मछली उत्पाद -

पूर्वोत्तर भारत के जातीय आबादी के पोषण की खुराक के लिए एक प्रधान भोजन। मछली पोषण और मानव स्वास्थ्य के लिए इसकी प्रासंगिकता। ए निनवे जे आर धनज आर धनज और एस टी इंदुलकर, नरेंद्र पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली - 110085. (प्रेस में)

10. सागर सी मंडल (2019)। सजावटी मछली उत्पादन और प्रबंधन, में: मॉडल प्रश्न बैंक ए टू जेड टू फिशरीज, जिसे पी.के. पांडे और टी.जी. चौधरी, नरेंद्र पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, भारत द्वारा प्रकाशित। पृष्ठ 15-19। आईएसबीएन: 978-93-87590-96-0 (एचबी) / 978-93-88668-98-9 (पीबी)

8.7.4. स्नातकोत्तर अध्ययन कालेज, बारापानी, मेघालय

1. हुसैन शाह मुस्तैद, पाठक महेश और मोरंगहेम प्रेमजीत सिंह। 2019. कम्पोजिट फिश कल्चर सिस्टम द्वारा मछलियों के पॉलीकल्चर पर एक अध्ययन और पूर्वी सियांग जिला अरुणाचल प्रदेश में मछली संस्कृति के स्थानीय प्रथाओं पर इसके लाभ। पृष्ठ २०४-२११ पूर्वी हिमालय के पर्वतीय जल में मछली और मत्स्य पालन पर रुझान (दास डी। एन, अबुझम एस के और दर्शन ए।)
2. लोंगजाम नीता, हुसैन शाह मुतहिद और पाठक महेश। 2019. पशुधन आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से आय सृजन और पोषण सुरक्षा। एग्री-हॉर्टिक्रॉप्स बी.एन हजारिका, ए थोकचोम, एल गीतारानी देवी और एल लड्हुजुल्लाई), कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में हाल के प्रगति। पृष्ठ 82-90
3. लोंगजाम नीता, हुसैन शाह मुतहिद और पाठक महेश। 2019. वनराज: पूर्वी सियांग जिले, अरुणाचल प्रदेश के कृषक समुदाय के लिए एक संभावित मुर्गी की नस्ल। एग्री-हॉर्टिक्रॉप्स (ईडीएस बीएन हजारिका, ए। थोकचोम, एल। गीतारानी देवी और एल। लड्हुजुल्लाई), कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में हाल के प्रगति। पृष्ठ 58-61
4. पाठक एम और देबनाथ पी। 2019। सतत फसल उत्पादन और प्रजनन प्रबंधन के लिए फसल-पशुधन। एग्री-होर्टी क्रॉप्स (ईडीएस बीएन हजारिका, ए। थोकचोम, एल। गीतारानी देवी और एल। लड्हुजुल्लाई), कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में हाल के प्रगति। पृष्ठ 74-81।
5. पाठक महेश और हुसैन शाह मुस्ताहिद। 2019. इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम: मंदारिन, स्वीट ऑरेंज, पैडी, आरकेनट,



- फिशरी एंड गॉटरी:** मिस्टर यांग पर्मे। सात बहनों और एक भाई के इनोवेटर के रूप में किसान (ईडी सिंह सिंह, साहा आरके, प्रभु एस, प्रसाद ए, और सेट्री ईवीडी) विस्तार शिक्षा निदेशक, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल, द्वारा प्रकाशित। पृष्ठ 110 (आइएसबीएन 978-81-938078-2-8)।
6. पाठक महेश, रिबा तोगे, हुसैन शाह मुतहिद और लोंग्जाम नीता। 2019. एकीकृत कृषि प्रणाली: अरुणाचल प्रदेश के कृषि समुदाय के लिए एक सतत आजीविका विकल्प। एग्री-हॉर्टिक क्रॉप्स बी.एन हजारिका, ए थोकचोम, एल गीतारानी देवी और एल लड्डुहुजुल्लाई), कृषि महाविद्यालय, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में हाल की प्रगति। पृष्ठ 62-73।
 7. पाठक महेश 2019. धान मशीनीकरण और कस्टम हायरिंग सेवाओं ने पूर्वी सियांग जिले में किसानों के जीवन को बदल दिया: श्री ताकाली तमुक। सात बहनों और एक भाई के इनोवेटर के रूप में किसान (ईडी सिंह सिंह, साहा आरके, प्रभु एस, प्रसाद ए, और शास्त्री ईवीडी) विस्तार शिक्षा, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के निदेशक द्वारा प्रकाशित, पृष्ठ 92-95। (आईएसबीएन 978-81-938078-2-8)।
 8. राय एम, मैगूडेश्वरी पी और त्यागी डब्ल्यू (2020) सीआरआईएसपीआर और खाद्य सुरक्षा: अनाज फसलों में अनुप्रयोग। कैस जीनोम संपादन। संपादक: अंजनभा भट्टाचार्य, विलास पारखी और भरत चार। स्प्रिंगर प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-3-030-42022-2।
 9. रीबा तोगे, शाक्यवार आरसी और पाठक महेश। 2019. सब्जी नर्सरी में कीट और रोग प्रबंधन। एग्री-हॉर्टिक क्रॉप्स बी.एन हजारिका, ए थोकचोम, एल गीतारानी देवी और एल। लड्डुहुजुल्लाई), कृषि महाविद्यालय, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में हाल के प्रगति। पृष्ठ 177-189।।
 10. संजय-स्वामी (2019)। उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र की अम्लीय मिट्टी में तिलहन उत्पादन में बढ़ि। स्थायी भूमि प्रबंधन: मुद्दे, समस्या और संभावनाएं, संस्करण। मिश्रा, पी के शर्मा, एन.के. मंडल, डी, कुमार, जी, कौशल, आर, दास, ए और सिंह, आर जे, सतीश सीरियल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, पृष्ठ 291-304। आईएसबीएन: 978-93-88020-46-6।
 11. संजय-स्वामी (2019)। कवरिंग के तहत खेती: सब्जी उत्पादकों के लिए कम सुरंग की खेती की तकनीक। पूर्वोत्तर क्षेत्र में कम लागत वाली ग्रीनहाउस तकनीक, झज्जारिया, डी और देवी, केएल, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, सीएयू, रानीपूल, सिक्किम। पृष्ठ 115-121।
 12. संजय-स्वामी (2019)। वर्मीकम्पोस्ट का उपयोग करके उच्च-गुणवत्ता की गुणवत्ता वाली सब्जी का उत्पादन। पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र में कम लागत वाली ग्रीनहाउस प्रैद्योगिकी, (सं) झज्जारिया, डी और देवी, के.एल., कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय सीएयू, रानीपूल, सिक्किम। पृष्ठ 98-108।।
 13. संजय-स्वामी (2019)। पहाड़ी कृषि में महिलाएं: जैविक रीसाइक्लिंग के माध्यम से मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा करना। महिलाएं कृषि में (विकास में अदृश्य भागीदार) राठौर, एस और शर्मा, पी, जया पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, पृष्ठ 153-168। आईएसबीएन: 978-93-87590-98-4।।
 14. संजय-स्वामी और हसन, डब्ल्यू (2019)। बदलते जलवायु परिदृश्य में प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन। खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि और अनुप्रयुक्त विज्ञान में वैश्विक परिप्रेक्ष्य, संस्करण। हसन, डब्ल्यू, संजय-स्वामी, सिंह, सी.पी., नाज, एच, चन्याल, पी.सी. और यादव, एच.एस., कृषि और पर्यावरण प्रैद्योगिकी विकास सोसाइटी, यू.एस. नगर, उत्तराखण्ड, भारत, पृष्ठ-47-52। आईएसबीएन: 978-93-5391-939-9।।
 15. संजय-स्वामी और लिंगदोह, ई.ए.एस. (2019) है। फाइटोमैंडिमेशन के माध्यम से जैतिया हिल्स, मेघालय के कोयले की खान क्षेत्रों में अपमानित भूमि की पुनर्स्थापना मृदा और जल संरक्षण बुलेटिन, नंबर 4, भारतीय मृदा और जल संरक्षण संगठन, देहरादून, यूके, पृष्ठ 17-24।।
 16. संजय-स्वामी, गोस्वामी, एस.सी. और गुर्जर, जी.एन. (2019)। जैविक खेती के तहत चारा उत्पादन। पशुधन की स्वदेशी नस्लों के संरक्षण के संबंध में वर्तमान स्थिति, उभरता हुआ मुद्दा और भविष्य का परिदृश्य: प्रशिक्षण मैनुअल आईसीएआर विंटर स्कूल, राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज, बीकानेर, 05-25 नवंबर, 2019. पृष्ठ 159-168।।
 17. संजय-स्वामी, गोस्वामी, एस.सी. और गुर्जर, जी.एन. (2019)। स्थायी आजीविका सुरक्षा के लिए पशुधन। पशुधन की स्वदेशी नस्लों के संरक्षण के संबंध में वर्तमान स्थिति, उभरता हुआ मुद्दा और भविष्य का परिदृश्य: प्रशिक्षण मैनुअल आईसीएआर विंटर स्कूल, राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज, बीकानेर, 05-25 नवंबर, 2019. पृष्ठ 49-52।।
 18. शाक्यवार आरसी, रिबा तोगे, हुसैन एसएम और पाठक महेश। 2019. अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट स्थिति में जैविक सीप मशरूम की खेती। एग्री-हॉर्टिक क्रॉप्स बी.एन हजारिका, ए थोकचोम, एल गीतारानी देवी और एल लड्डुहुजुल्लाई), कृषि महाविद्यालय, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में हाल की प्रगति। पृष्ठ 52-57।।



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

19. सिंह बृजमोहन, यादी एन, रिबा तोंगे, शाक्यवार आरसी और पाठक महेश। 2019. लोबिया में गुणवत्ता बीज उत्पादन एग्री-हॉर्टिक क्रॉप्स बी.एन हजारिका, एथोकचोम, एल गीतारानी देवी और एल लड्हुजुल्लाई), कृषि महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में हाल की प्रगति। पृष्ठ 37-45।

8.7.5. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन, सेलेसिह, आइजॉल

1. जे.बी. राजेश (2019)। चिकित्सीय प्रबंधन और परजीवी रोगों की रोकथाम। जानवरों के सामान्य परजीवी रोगों के प्रबंधन के लिए रुझान और परिप्रेक्ष्य। टीएम ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, आइजॉल, आईएसबीएन: 978-81-940870-5-2। 1: 86-92
2. जॉय लालमुआनपुड़िया (2019) मिजोरे लेह सा, सेकिबूछुक प्रथम संस्करण, मिजोरम, भारतीय पशुचिकित्सा संघ, मिजोरम शाखा। पृष्ठ 55-56।
3. जॉय लालमुआनपिया (2019)। पर्यावरण और परजीवी, मछली और मांस जनित परजीवी रोगों और संभव परजीवी संक्रमण के साथ एनई भारत में कुछ जातीय जनजातियों की भोजन की आदतों का संबंध, पृष्ठ 11-15। जानवरों के सामान्य परजीवी रोगों के प्रबंधन के लिए रुझान और परिप्रेक्ष्य, आईएसबीएन 978-81-940870-5-2
4. लल्लवामजुअली राल्टे (2019) खाद्य सुरक्षा, सेकीबुचुक प्रथम संस्करण, मिजोरम, भारतीय पशु चिकित्सा संघ, मिजोरम शाखा। पृष्ठ 13 - 20।
5. लल्लवामजुअली राल्टे (2019) एक स्वास्थ्य- वैशिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण, मिजोरम राज्य वैली कार्डिसिल की पहली रिपोर्ट, मिजोरम, आईएसबीएन नंबर 078-81-940818-2-2, मिजोरम स्टेट वैली कार्डिसिल। पृष्ठ 34 - 44।
6. टी के राजखोवा (2020) पोरसिन रिप्रोडक्टिव एंड रेस्प्रेटरी सिंड्रोम वायरस इन द बुक-इमर्जिंग एंड ट्रैंसबाउंडरी एनिमल वाइरस, आईएसबीएन 978-981-15-0402-0 (इपुस्तक), स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड, 285-313 से प्रकाशित।

8.7.6. कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी, रानीपूल, सिविकम

1. जेना एस, लालमुआनपुड़िया आर और थोलमफहुंग एस (2019)। चेरी काली मिर्च के अवरक्त सुखाने कैनेटीक्स की मॉडलिंग। खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में रुझान और नवाचार। नंदन बैठ, लक्ष्मीकांत एस। बदाविक और अमित

बरन दास, पृष्ठ 11-20, न्यू इंडिया पब्लिशिंग एजेंसी, नई दिल्ली।

2. कुमार आर, सिंह बीपी, झज्जारिया डी और मीराबासि आर (2019)। जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए अनुप्रयुक्त कृषि अभ्यास। पृष्ठ 275. सीआरसी प्रेस, टेयोर 7 फ्रांसिस ग्रुप, बोका रैटन, यूएसए।
3. कुमार आर, सिंह बीपी, झज्जारिया डी और मिराबबसीआर (2019)। जलवायु परिवर्तन के कृषि प्रभाव। पृष्ठ 299. सीआरसी प्रेस, टेयोर 7 फ्रांसिस ग्रुप, बोका रैटन, यूएसए।
4. पटले जीटी, झज्जारिया डी और सिंह एसआर (2019)। सिविकम, भारत के रानीखोला वाटरशेड में चयनित भूमि उपयोग प्रथाओं के तहत प्रमुख मूदाओं का घुसपैठ अध्ययन। में: जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए एप्लाइड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिस (वॉल्मूम 2), 155-167, सीआरसी प्रेस, टेयोर और फ्रांसिस ग्रुप, बोका रैटन, यूएसए, पीपी। 275।
5. पटले जीटी, झज्जारिया डी और सिंह एसआर (2019)। भारत के सिविकम के रानीखोला वाटरशेड में चयनित भूमि उपयोग अभ्यास के तहत प्रमुख मिट्टी का अध्ययन। रोहिताश्व द्वारा संपादित पुस्तक में। जलवायु परिवर्तन के लिए एप्लाइड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिस [मात्रा 2], सीआरसी प्रेस, 155-167।

8.7.7. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. चंद, जी आर निवास और सी एस आजाद (2020)। जैविक खेती के माध्यम से पारिस्थितिकीय और स्थायी पौधे रोग प्रबंधन में: चौरसिया, आचार्य और सिंह (सं।) सटीक कृषि और टिकाऊ फसल उत्पादन। आज और कल प्रकाशन नई दिल्ली। पृष्ठ 213-218।
2. जी चंद (2020)। कुकरबिट्स के रोग और उनकी प्रबंधन रणनीति: एकीकृत दृष्टिकोण। जी चंद, एन अख्तर और एस कुमार, फलों और सब्जियों की फसल के रोग: हाल के प्रबंधन दृष्टिकोण। सीआरसी-ऐप्पल एकेडमिक प्रेस मिस्ट्रेल क्रिसेंट ओकविले, एल 6 एल 0 ए 2 कनाडा / ऐप्पल एकेडमिक प्रेस स्पिनकनेर वे वेयरटाउन, एनजे 08758, यूएसए। पृष्ठ 122-134।
3. कुमार, एस और जी चंद (2020)। अदरक और हल्दी के रोग और उनका प्रबंधन। जी चंद, एन अख्तर और एस। कुमार, फलों और सब्जियों की फसल के रोग: हाल के प्रबंधन दृष्टिकोण। सीआरसी-ऐप्पल एकेडमिक प्रेस मिस्ट्रेल क्रिसेंट ओकविले, एल 6 एल 0 ए 2 कनाडा / ऐप्पल एकेडमिक स्पिनकनेर वे वेयरटाउन, एनजे 08758, यूएसए। पृष्ठ 81-94।



4. उपाध्याय, एस, सिंह, पी के, राठी, एस आरा, बिसेन, पी और लोइटोंगबम, बी। (2020)। सोडिसिटी स्ट्रेस टॉलरेंस के तहत चावल का सतत उत्पादन। तनाव प्रबंधन में नए फ्रॉटियर्स फॉर ड्यूरेबल एग्रीकल्चर (स्प्रिंगर सिंगापुर), डीओआई 10.1007 / 978-981-15-1322-0, 65-74। - मार्च 2020

8.7.8. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन, जलकी, नागालैंड

1. के.मीरीना देवी और ज्योति पलोड़। (2019)। पेपरमिट (मेंथा पिपेरिटा)। फाइटोबायोटिक्स एंड एनिमल प्रोडक्शन। नंबर 1, 7 वें, स्नातकोत्तर: 327-352। आंतरिक पुस्तकों और समय-समय पर आपूर्ति सेवा, 38, निशांत कुंज, पीतम पुरा मेन रोड, दिल्ली -110034 (भारत), पंकज कुमार सिंह, पशु पोषण विभाग, बिहार पशु चिकित्सा कॉलेज, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना-800014, (बिहार), भारत।
2. के.मीरीना देवी और ज्योति पलोड़। (2019)। गेहूं घास (ट्रिटिकम ब्यूटीविम)। फाइटोबायोटिक्स एंड एनिमल प्रोडक्शन। अध्याय 18 पृष्ठ: 353-370। इंटरनेशनल बुक्स एंड पीरियोडिक सप्लाई सर्विस, निशांत कुंज, पीतम पुरा मेन रोड, दिल्ली-110034 (इंडिया), पंकज कुमार सिंह, पशु पोषण विभाग, बिहार पशु चिकित्सा कॉलेज, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना-800014, (बिहार), भारत।

8.7.9. खाद्य प्रौद्योगिकी कालेज, इंफाल

1. लिछोम्बाम सोफिया और भट्टाचार्य, आर के। (2020)। अज्ञात भूजल प्रदूषण स्रोतों की पहचान के लिए एक जीए आधारित पुनरावर्ती मॉडल। फौद बानसी और राजीव कुमार भट्टाचार्य। प्रकृति-प्रेरित पद्धतियों के लिए मेटाद्वारास्टिक्स ऑप्टिमाइजेशन (पृष्ठ 303-321)। शिक्षा आई चाम, स्विट्जरलैंड। स्प्रिंगर।

8.8. एच. प्रकाशित तकनीकी बुलेटिन / प्रशिक्षण मैनुअल आदि:

8.8.1. कृषि महाविद्यालय, इम्फाल

- 1 बी.एन. हजारिका, एस कुमार, अरुणकुमार पीएच, कालकेम सीएच मोमिन, ए मोइरंगथेम। 2019। उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए उत्तम बागवानी विधि पर प्रशिक्षण नियमावली शफ्लोरीकल्चर एंड लैंडस्केप आर्किटेक्चर विभाग, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर

एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट। अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 1-100।

- 2 एन.ए. सिंह, एल.जी. देवी, ए मोइरंगथेम, एल डी हताई, बी.एन. हजारिका। 2019। फ्लोरिकल्चर एंड लैंडस्केप आर्किटेक्चर, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, पासीघाट के बागवानी किसान के अनुबंध के सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रशिक्षण मैनुअल। अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 1-92।
- 3 2 जुलाई 2019 को 'प्रथम राज्य स्तरीय आम विविधता मेला' के दौरान 5 बुलेटिन प्रकाशित। नीचे दिए गए हैं।
 - अ) बुलेटिन एआइसीआरपी-आम 2019 सं. 1 'पैकेज और मैंगो के अभ्यास'
 - ब) बुलेटिन एआइसीआरपी-आम 2019 सं. 2 'आम की खेती के लिए मासिक संचालन'
 - स) बुलेटिन एआइसीआरपी-आम 2019 सं. 3 'मणिपुर और उसके प्रबंधन में आम के महत्वपूर्ण रोग'
 - ड) बुलेटिन एआइसीआरपी-आम 2019 सं. 4 'मैंगो का मूल्यवर्धन'
 - ई) बुलेटिन एआइसीआरपी-आम 2019 सं। 'आम की फसल में प्रमुख कीट कीट प्रबंधन के लिए आईपीएम शेड्यूल'
- 4 आर.के.पाटीदार, एम.पाथक, आर.सी.शाक्यवार, पी.राजा, टी। रिबा, बी.एन.शारिका, एनजी.पिलो, एन.सुरमीना देवी और एन.वाई। चानू .9। वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर व्यावहारिक मैनुअल। डीन, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पासीघाट के तहत आइबीडीसी प्रोजेक्ट (पासीघाट) द्वारा प्रकाशित।

8.8.2. बागवानी एवं वानिकी कालेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

- 1 भूटिया, एन.डी., शादप, ए, यतुंग, टी, सरमा, पी और हजारिका, बी.एन. (2019) है। सब्जी फसलों की संरक्षित खेती पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संग्रह: एनईएच क्षेत्र में रोजगार का एक स्रोत। डीन, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश द्वारा प्रकाशित। 178 पृष्ठ।
- 2 देबनाथ, पी, पट्टनायक, एस के, हिसनाम, पी, सरमा, पी और हजारिका, बी.एन. (2019) है। प्रशिक्षण मैनुअल 'कृषि और बागवानी फसलों की जैविक खेती और विपणन के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के किसानों का आर्थिक विकास', सीएसएस-एनआईएम, जयपुर द्वारा



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- प्रायोजित, कॉलेज ऑफ बागवानी और वानिकी, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में, 29-31 अगस्त, 2019, टीएम -02 / 2019।
3. देवचंद्र, एन, सिंह, बी, वांगचू, एल, और सिंह, एस आर। (2019)। व्यावहारिक मैनुअल: उष्णकटिबंधीय उपोष्णकटिबंधीय फल (बी। एससी (ऑनर्स) हॉर्टिकल्चर), द डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू (इफाल), पासीघाट, अर पृष्ठ 44
 4. देवचंद्र, एन, वांगचू, एल, रेमेन, एस.एस., बरुन, एस और यतुंग, टी। (2019)। बागवानी के बुनियादी बातों पर व्यावहारिक मैनुअल। फल विज्ञान विभाग, उद्यानिकी और वानिकी महाविद्यालय, सीएयू, पृष्ठ 55
 5. देवचंद्र, एन, वांगचू, एल, सिंह, एस और सिंह, बी। (2019)। बीएससी के लिए बागवानी मैनुअल का मौलिक प्रथम वर्ष। फल विज्ञान विभाग, सीएचएफ, सीएयू, पासीघाट द्वारा प्रकाशित।
 6. देवचंद्र, एन, वांगचू, एल, सिंह, एस आर और सिंह, बी। (2019)। व्यावहारिक मैनुअल: शीतोष्ण फल (बी एससी (ऑनर्स) हॉर्टिकल्चर), द डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू (इफाल), पासीघाट, अर। पृष्ठ 50।
 7. देवचंद्र, एन, वांगचू, एल, सिंह, एस.आर., और सिंह बी। (2019)। प्रैक्टिकल मैनुअल: फंडामेंटल ऑफ हॉर्टिकल्चर (बी एससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर), द डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू (इफाल), पासीघाट, अर। पृष्ठ 51।
 8. देवचंद्र, एन, वांगचू, एल, सिंह, एस.आर., सिंह, बी और हजारिका, बी.एन। (2020)। प्रैक्टिकल मैनुअल: प्लांट प्रोपोगेशन एंड नर्सरी मैनेजमेंट (बी एससी (ऑनर्स) हॉर्टिकल्चर), द डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू (इफाल), पासीघाट, अर। पृष्ठ 55।
 9. देवचंद्र, एन, रेमेन, एस.एस., वांगचू, एल, बरुन, एस, हजारिका, बी.एन। और शादाप, ए। (2019)। फलों और वृक्षारोपण फसलों की उत्पादन तकनीक पर व्यावहारिक मैनुअल। फल विज्ञान विभाग, उद्यानिकी और वानिकी महाविद्यालय, सीएयू, पृष्ठ 55।
 10. हजारिका, बी.एन., कुमार, एस, फुरेलपट्टम, ए.के., मोमिन, के। च। और मोइरंगथेम, ए, कुमार, एस, फुरेलपट्टम, ए.के., मोमिन, के.सी.एच। और मोइरांगयम ए। (2019)। उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अच्छे बागवानी अभ्यासों पर नियमावली का निर्माण। आयु: पृष्ठ 110।
 11. हजारिका, बी.एन., पट्टनायक, एस और सरमा, पी। (2019)। स्मार्ट खेती के माध्यम से कृषि आय को बढ़ावा देना, अरुणाचल कृषि-एक्सपो -2019, बागवानी और वानिकी महाविद्यालय, कृषि और केवीके, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, 25-27 फरवरी, 2019।
 12. सिंह, बी, देवचंद्र, एन, वांगचू, एल, सिंह, एस आर और निंबोलकर, पी.के। (2020)। व्यावहारिक मैनुअल: फलों और वृक्षारोपण फसलों की उत्पादन तकनीक, (बी एससी (ऑनर्स) कृषि)। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू (इफाल), पासीघाट, अर। पृष्ठ 51।
 13. सिंह, बी, सिंह, एस आर, देवचंद्र, एन और वांगचू, एल। (2019)। बी.एस.सी.हार्ट द्वितीय 2 वर्ष के लिए रोपण फसल मैनुअल फल विज्ञान विभाग, सीएचएफ, सीएयू, पासीघाट द्वारा प्रकाशित।
 14. सिंह, बी, सिंह, एस.आर., देवचंद्र, एन, वांगचू, एल और हजारिका, बी.बी। (2019)। बीएससी के लिए उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय फलों की फसलें दूसरा साल। फल विज्ञान विभाग, सीएचएफ, सीएयू, पासीघाट द्वारा प्रकाशित।
 15. सिंह, एन.ए। (2019)। अरुणाचल प्रदेश में स्पाइक्स का विपणन और मूल्य-शृंखला विश्लेषण। प्रशिक्षण मैनुअल संख्या 01/2019। 01-94।
 16. सिंह, एन.ए। (2019)। कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग / सीएचएफ, सीएयू, पासीघाट के माध्यम से बागवानी किसानों का सामाजिक-आर्थिक विकास। प्रशिक्षण मैनुअल संख्या 01/2019। 01-92।
 17. सिंह, एस.आर., देवचंद्र, एन, वांगचू, एल, और सिंह बी। (2020)। प्रैक्टिकल मैनुअल: ड्राईलैंड हॉर्टिकल्चर (बी एससी (ऑनर्स) हॉर्टिकल्चर), द डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू (इफाल), पासीघाट, अर। पृष्ठ 44।
 18. सिंह, एस.आर., देवचंद्र, एन, वांगचू, एल, और सिंह बी। (2020)। व्यावहारिक मैनुअल: वृक्षारोपण फसलें (बी एससी (ऑनर्स) बागवानी)। डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू (इफाल), पासीघाट, अर। पृष्ठ 44।
 19. सिंह, एस.आर., देवचंद्र, एन, वांगचू, एल, निंबोलकर, पी.के., सिंह, बी और हजारिका, बी.एन। (2020)। फलों और बागवानी प्रौद्योगिकी का उत्पादन प्रौद्योगिकी (बाग.-242)



20. सिंह, एस.आर., सिंह, बी, देवचंद्र, एन और वांगचू, एल (2019)। फल और रोपण फसलों के लिए उत्पादन तकनीक बीएसीसी (कृषि) द्वितीय 2 वर्ष के लिए मैनुअल। फल विज्ञान विभाग, सीएचएफ, सीएयू, पासीघाट द्वारा प्रकाशित।
21. सिंह, एस आर, सिंह, बी; देवचंद्र, एन और वांगचू, एल। (2019)। बीएससी बाग. तृतीय वर्ष के लिए ड्राइलैंड बागवानी मैनुअल। फल विज्ञान विभाग, सीएचएफ, सीएयू, पासीघाट द्वारा प्रकाशित।
22. सिंह, वाई, डी, सोइबम, एच, हेस्नाम, पी, हजारिका, बी.एन. और चानू, एनजी टी (2019)। 'बागवानी उत्पादन पर पोस्ट हार्डेस्ट टेक्नोलॉजीज के हस्तक्षेप' पर प्रशिक्षण मैनुअल। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट। अरुणाचल प्रदेश। एनआरडीसी (डीएसटी), भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
23. वांगचू, एल, देवचंद्र, एन, रेमेन, एस.आर. और सिंह, बी। (2019)। बीएससी (बाग.) के लिए शीतोष्ण फल मैनुअल। दूसरा साल। फल विज्ञान विभाग, सीएचएफ, सीएयू, पासीघाट द्वारा प्रकाशित।
24. वांगचू, एल, देवचंद्र, एन, सिंह, एस.आर. और सिंह, बी। (2019)। बीएससी कृषि के लिए बागवानी मैनुअल का मौलिक। प्रथम वर्ष। फल विज्ञान विभाग, सीएचएफ, सीएयू, पासीघाट द्वारा प्रकाशित।

8.8.3 मात्स्यकी कालेज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा

1. अतनु सरकार, प्रद्युत विश्वास, ई उपाध्याय, प्रसेनजीत पाल, और दिव्येंदु कामिल्या अलंकृत चक्मा, सौंदर्य देबर्मा, रेशमी देबर्मा (2019), कोकबोरोक में सहराज प्रष्नन्तरे मिश्रा चाश- एक्सटेंशन बुलेटिन नं। 5, डीन-5, डीन द्वारा प्रकाशित। सीएयू लेम्बुचेरा त्रिपुरा, पृष्ठ 28।
 2. घोष, ए, लाहिड़ी, बी और उपाध्याय, ए डी (2019)। मत्स्य क्षेत्र में सहकारी दृष्टिकोण के माध्यम से उद्यमिता विकास। 6 मार्च-5 जून-2019 से एकीकृत अर्ध-गहन एक्वाकल्चर पर शक्तिशाल विकास कार्यक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षण मैनुअल, एक्वाकल्चर, कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू (इम्फाल), लेम्बुचेरा, त्रिपुरा द्वारा आयोजित; विद्युत वित्त निगम द्वारा वित्त पोषित, नई दिल्ली। पृष्ठ- 61-64।
 3. घोष, ए, लाहिड़ी, बी और उपाध्याय, ए डी (2019)। मत्स्य क्षेत्र में सहकारी दृष्टिकोण के माध्यम से उद्यमिता विकास। 6 मार्च-5 जून-2019 से एकीकृत अर्ध-गहन
4. एक्वाकल्चर पर शक्तिशाल विकास कार्यक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षण मैनुअल, एक्वाकल्चर, कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू (इम्फाल), लेम्बुचेरा, त्रिपुरा द्वारा आयोजित; विद्युत वित्त निगम द्वारा वित्त पोषित नई दिल्ली। पृष्ठ-61-64।
 5. हिमांशु प्रियदर्शी (2019)। कार्प हैचरी ऑपरेशन और बीज उत्पादन, प्रशिक्षण मैनुअल में 'एक्वा क्लिनिक एंड एक्वापिनुरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (एसी एंड एडीपी)' शीर्षक से, राष्ट्रीय कृषि विकास प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद द्वारा प्रायोजित, राष्ट्रीय मत्स्य पालन विकास बोर्ड, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित। कॉलेज ऑफ फिशरीज द्वारा आयोजित।
 6. हिमांशु प्रियदर्शी (2019)। एग्री-विजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर आरकेवीवाई-रफ्तार, कृषि मंत्रालय द्वारा संचालित द्वारा उत्तर-पूर्व भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र में कार्पोरेट बीज उत्पादन के प्रशिक्षण मैनुअल में, 'मत्स्य क्षेत्र में उद्यमिता का क्षेत्र' (20-29 नवंबर, 2019) शीर्षक कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू।
 7. हिमांशु प्रियदर्शी (2020)। कार्प बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी, 'फ्रेश बाटर तालाब और कार्प हैचरी का डिजाइन और निर्माण' शीर्षक का प्रशिक्षण मैनुअल (10 से 16 फरवरी 2020), कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू- I में मछली प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित।
 8. हिमांशु प्रियदर्शी (2020)। जेनेटिक इंटरवेंशन के माध्यम से मांस की गुणवत्ता में सुधार, सर्दियों में स्कूल में 'फिश प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और फिश वेस्ट मैनेजमेंट में हालिया प्रगति' (07-27 जनवरी 2020), आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और फिश प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी विभाग और कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू, द्वारा आयोजित।
 9. लाहिड़ी, बी और घोष, ए (2020)। मछली प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में महिलाओं की स्थिति। आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू (इंफाल), लेम्बुचेरा में 7-27 जनवरी को आयोजित 'फिश प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन एंड फिश वेस्ट मैनेजमेंट में हालिया प्रगति' पर विटर स्कूल का प्रशिक्षण मैनुअल। 2020. पृष्ठ-185-190।
 10. लाहिड़ी, बी (2019)। मछली के किसानों के लिए बाजार के नेतृत्व वाली प्रसार सेवा। कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू (इम्फाल), लेम्बुचेरा, त्रिपुरा द्वारा मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित 'एक्वा क्लीनिक और एक्वाप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम पर



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- 18 दिनों का व्यावसायिक प्रमाणपत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम' एनएफडीसी की वित्तीय सहायता के साथ। पृष्ठ- 238-240
10. लाहिड़ी, बी (2019)। आईसीटी मध्यस्थता बाजार के नेतृत्व वाली मत्स्य बीज उत्पादन और विस्तार पर सफलता की कहानी। सीसीएस की वित्तीय सहायता में कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू (इम्फाल), लेम्बुचेरा, त्रिपुरा द्वारा आयोजित फिश एंड फिश प्रोडक्ट्स के विपणन में ICT के अनुप्रयोगों पर क्षमता निर्माण 'पर 3 दिनों (17-19 सितंबर 2012) का प्रशिक्षण मैनुअल -एनआईएएम, जयपुर। पृष्ठ-22-25।
11. नरेश कुमार मेहता और रेनेन्द्र कुमार मजूमदार, 2020। मछली प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और मछली अपशिष्ट प्रबंधन में हालिया प्रगति। कॉलेज ऑफ फिशरीज, लेम्बुचेरा। पृष्ठ की संख्या-214 (विंटर स्कूल मैनुअल)। 7-27 जनवरी, 2020 के दौरान आयोजित किया गया।
12. पी के पांडे और आर के मजूमदार (2020)। पूर्वोत्तर भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र में उद्यमिता का क्षेत्र। 20-29 नवंबर, 2019 को आयोजित कॉलेज ऑफ फिशरीज (सीएयू-आई), लेम्बुचेरा, त्रिपुरा (डब्ल्यू) के आरकेवीवाई (आरएएफटीएआर) कार्यक्रम के तहत दस-दिवसीय शॉर्ट टर्म ट्रेनिंगप्रोग्राम के दौरान प्रकाशित प्रशिक्षण मैनुअल।
13. पांडे, पी के और घोष, ए (2019)। मत्स्य पालन में उद्यमिता विकास का परिचय। कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू (इम्फाल), लिंबूचेरा, त्रिपुरा द्वारा मैनेज हैदराबाद के सहयोग से आयोजित 'एक्वा क्लीनिक एंड एक्वाप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम पर प्रोफेशनल सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स' पर 18 दिनों (11-28 Nov'2019) का प्रशिक्षण मैनुअल एनएफडीबी की वित्तीय सहायता के साथ।
14. पांडे, पी के, घोष, ए और लाहिड़ी, बी। 2019 "महात्मा गांधी के शैक्षिक विचार, एआईयू, नई दिल्ली।
15. एस.एस.महानंद 2020। "मीठे पानी के तालाब और कार्प हैचरी का डिजाइन और निर्माण। कॉलेज ऑफ फिशरीज (सीएयू) लिंबूचेरा, 120।
16. सागर सी मंडल (2019)। भारत में बैंकिंग वाटर एक्वाकल्चर उत्पादन और व्यवहार। एक्वा क्लिनिक और एक्वाप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (एसी एंड एडीपी), कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू (आई), लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, पृष्ठ 147-150 के दौरान 1 से 28 नवंबर, 2019 के दौरान आयोजित किया गया।
17. सागर सी मंडल (2019)। सजावटी मछली बीज उत्पादन और विपणन, एक्वा क्लिनिक और एक्वाप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (एसी एंड एडीपी), कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू (आई), लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, पृष्ठ 177-183 के दौरान 1 से 28 नवंबर, 2019 के दौरान आयोजित किया गया।
18. सागर सी मंडल (2019)। उद्यमिता विकास के लिए सजावटी मछली इकाई का निर्माण, मीठे पानी के तालाब और कार्प हैचरी का डिजाइन और निर्माण, 10 से 16 फरवरी, 2020 के दौरान कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, पृष्ठ 101-105 में आयोजित किया गया।
19. उपाध्याय ए.डी. (2019)। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में समग्र मछली संस्कृति के लिए परियोजना तैयार करना: 6 मार्च से 5 मार्च- 5 जून'2019 को 'कौशल विकास कार्यक्रम पर एकीकृत अर्ध-गहन एक्वाकल्चर' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षण मैनुअल, एक्वाकल्चर, कॉलेज ऑफ फिशरीज के विभाग द्वारा आयोजित (इंफाल), लिम्बुचेरा, त्रिपुरा; विद्युत वित्त निगम द्वारा वित्त पोषित नई दिल्ली।
20. उपाध्याय ए.डी., महानंद एस.एस. और चौधरी टी. जी. 2019. प्रशिक्षण मैनुअल9अक्वा क्लिनिक एंड एक्वाप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (एसी एंड एडीपी) 'कॉलेज ऑफ फिशरीज, सीएयू (आई) द्वारा प्रायोजित, मैनेज द्वारा प्रायोजित, हैदराबाद 3/1/19 से 30/1/19 तक।
21. उपाध्याय, ए, डी, पाल, पी (2019)। मछली और मछली उत्पादों के विपणन में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर क्षमता निर्माण। कॉलेज ऑफ फिशरीज, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय (इम्फाल), त्रिपुरा द्वारा प्रकाशित।

8.8.4. स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, बारापानी, मेघालय

1. पाटीदार आरके, पाठक एम, शाक्यवार आरसी, राजा पी, रीबा टी, हजारिका बीएन, पिल्लू एनजी, देवी सुरमिना एन और चानू एनवाई। 2019. साइटिफिक बी कीपिंग पर प्रैक्टिकल मैनुअल। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फारेंस्ट्री, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट -791102, अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 8।
2. संजय-स्वामी (2019)। आकलन न करें। अपनी मिट्टी का परीक्षण करें। सीपीजीएस एक्सटेंशन बुलेटिन नंबर 2018-19 / 02, स्कूल ऑफ नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, कॉलेज ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज इन एग्रीकल्चरल



साइंसेज, उमियम-793 103, मेघालय।

3. संजय-स्वामी (2019)। मृदा स्वास्थ्य कार्डः किसानों को मिट्टी से जोड़ना। सीपीजीएम एक्सटेंशन बुलेटिन नंबर 2018-19 / 03, स्कूल ऑफ नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, कॉलेज ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज इन एग्रीकल्चरल साइंसेज, उमियम-793 103, मेघालय।
4. संजय-स्वामी (2019)। सिंदूर लगाना: कचरे को सोने में बदलना। सीपीजीएस एक्सटेंशन बुलेटिन नंबर 2018-19 / 05, स्कूल ऑफ नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, कॉलेज ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज इन एग्रीकल्चरल साइंसेज, उमियम-793 103, मेघालय।

8.8.5. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, सेलेसिह, आइजोल

1. डी जे तालुकदार, एफए अहमद और के। (2019)। 'प्रजनन गायों के अनुकूलन के लिए डेयरी गाय और सूअरों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण नियमावली', एआरजीओ, कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज और पशुपालन विभाग द्वारा प्रकाशित। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसिह, आइजोल, पृष्ठ 37।
2. डी जे तालुकदार, एफए अहमद के। (2020)। प्रशिक्षण मैनुअल 'छोटे जानवरों में प्रजनन समस्याओं के निदान के लिए इमेजिंग तकनीकों का अनुप्रयोग', एआरजीओ विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन विभाग द्वारा प्रकाशित। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, सेलेसिह, आइजोल, पृष्ठ 42।
3. एमसी ललियांझुंगा (2019)। परजीवी रोगों की घटना पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, परजीवी महामारी विज्ञान में रिमोट सेंसिंग / जीआईएस का अनुप्रयोग। 26 नवंबर से 30 नवंबर, 2019 तक सीवीएससी एंड एच, सेलेसिह में पशुओं के सामान्य परजीवी रोगों के परजीवी रोगों के प्रबन्धन के रुझान व परिप्रेक्ष्य' का प्रशिक्षण मैनुअल।

8.8.6. कृषि अभियांत्रिकी एवं सत्योपरांत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रानीपूल, सिविक्कम

1. यादव एसएन और सत्पथी एसके (2019)। कौशल विकास प्रशिक्षण मैनुअल। डीन, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग और पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी (केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल) रानीपूल, सिविक्कम। पृष्ठों की संख्या: 92।

8.8.7. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. डेनिशा राजखोवा, डा डॉ.बी. आहूजा, डॉ पी राजा, डॉ टी शांतिबाला, डॉ आर सी शाक्यवार, श्री तोगे रिबा, डॉ एन सुरमिना देवी, डॉ एन वाई चानू, डॉ अजयकुमार, के एम और डॉ बी.एन. हजारिका (2020)। अरुणाचल प्रदेश में मधुमक्खी पालन पर विस्तार बुलेटिन।
2. डॉ एल। डी। हताई, एल.गेटारानी देवी और एन.अनंदकुमार (2020)। उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास में बागवानी के व्यापार पर स्मारिका। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री सीएयू और नाबार्ड, इटानगर पृष्ठ 1-135।
3. ख्वायकृपम लिली देवी, डी झाझरिया और इंदौर नवनाथ। (2019)। स्थानीय नेपाली भाषा में 'सिविक्कम के लिए कम लागत के पॉलीहाउस' पर तकनीकी बुलेटिन को सीफा, भूवनेश्वर (ओडिशा) 05-06 नवम्बर 199. पृष्ठ - 24 में आयोजित प्लास्टिककल्चरलियरिंग टेक्नोलॉजी पर एआइसीआरपी की 15 वीं वार्षिक कार्यशाला के दौरान जारी किया गया था।
4. एल आनंदकुमार, एल.गेटारानी देवित अल (2019) है। कॉन्स्ट्रैक्ट फार्मिंग के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक विकास हॉर्टिकल्चर किसानों का प्रशिक्षण मैनुअल। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री सीएयू और नियाम जयपुर। पृष्ठ 1-92।
5. एल.गेटारानी देवी, एन आनंदकुमट, बी.एन. हजारिका। (2019)। अरुणाचल प्रदेश में मसालों के विषणन और मूल्य शृंखला विश्लेषण पर प्रशिक्षण मैनुअल। कृषि कॉलेज, सीएयू और सीएसएस-एनआईएएम जयपुर। पृष्ठ 1-94।
6. सिंह, पी के, राठी, एस आर, उपाध्याय, एस, बिसेन, पी और लोइतोंगबम, बी। (2019)। पादप विज्ञान में बुनियादी तकनीकों के प्रयोगशाला मैनुअल, के.आर. प्रकाशक और वितरक, नई दिल्ली, पृष्ठ 65।

8.9. कोई अन्य (प्रयोगशाला मैनुअल, पैम्फलेट आदि):

8.9.1. कृषि महाविद्यालय, इम्फाल

1. दया राम, एम.के. सिंह और एम। दीपा देवी। 2019 पाद्य मैनुअल: संचार और व्यक्तित्व विकास। विस्तार शिक्षा निदेशालय। सीओए, सीएयू, इंफाल



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- 2 दया राम, एम.के. सिंह और एम दीपा देवी। 2019 पाठ्य मैनुअल: उद्यमिता विकास और संचार कौशल। प्रसार शिक्षा निदेशालय, एडुक सीओए, सीएयू, इंफाल
- 3 दया राम, एम.के. सिंह 2019. रीडिंग मैनुअल: ग्रामीण समाजशास्त्र और शैक्षिक मनोविज्ञान के बुनियादी ढांचे। प्रसार निदेशालय, सीएयू, इम्फाल
- 4 एन.वाईफैबी चानू, एन. सुरभीना देवी, आर.सी. श्वेतार, आर.के. पटटीदार, तोगे रिबा, एनजी पिल्लू और बी.एन.हजारिका 2021। पूर्वोत्तर भारत में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन। डीन, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सीएयू, पासीघाट के तहत आइबीडीसी प्रोजेक्ट (पासीघाट) द्वारा प्रकाशित।
- 5 नग जॉयकुमार सिंह। 2019. उपयुक्त फल और सब्जियों के बाद फसल प्रबंधन के लिए उपकरण और मशीनरी मणिपुर।

8.9.2. बागवानी एवं वानिकी कालेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. चनविसाना, सी, प्रसाद, एच, इरुंगबम, पी। (2019)। बागवानी फसलों, पीएचएम-321 (1 + 2) के प्रसंस्करण के लिए व्यावहारिक मैनुअल। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, थेनजॉल, मिजोरम, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर।
2. चनविसाना, सी, प्रसाद, एच, इरुंगबम, पी। (2019)। हॉर्टिकल्चर क्रॉस, पीएचएम- 311 (2 + 1) के पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट के लिए प्रैक्टिकल मैनुअल। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, थेनजॉल, मिजोरम, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर।
3. आंवला की खेती के तरीके
4. असम नींबू की खेती के तरीके
5. केले की खेती के तरीके
6. अमरुद की खेती के तरीके
7. खासी मंदारिन की खेती प्रथाएँ
8. लीची की खेती के तरीके
9. पपीते की खेती के तरीके
10. अनानास की खेती के तरीके
11. इरुंगबाम, पी, लालीनफेली, आर, प्रसाद, एच, शशिधर, के.एस. और सिंह, एल.एन. (2019) है। बागवानी फसलों में खरपतवार प्रबंधन के लिए व्यावहारिक मैनुअल, FSC-213 (1 + 1)। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग (एनआरएम), कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, थेनजॉल, मिजोरम, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर।

12. लालरिनफेली, आर, इरुंगबम, पी, चनविसाना, सी और प्रसाद, एच (2019)। बागवानी फसलों और उनके प्रबंधन के नेमाटोड कीटों के लिए व्यावहारिक मैनुअल, पीपीएस 211 (1 + 1)। पादप संरक्षण विभाग, उद्यानिकी महाविद्यालय, तबजावल, मिजोरम, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर।
13. खासी मंदारिन का प्रबंधन और कायाकल्प अभ्यास

8.9.3. मात्स्यकी कालेज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा

1. 17.09.19 से 21.09.19 के दौरान, कॉलेज ऑफ फिशरीज, लेम्बुचेरा के एक्वाकल्चर विभाग द्वारा आयोजित 'एक्वाकल्चर अच्छे प्रबंधन से कम से अधिक' पर 5 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षण मैनुअल।
2. मत्स्य वार्टा प्रोजेक्ट कैटलॉग अंग्रेजी, बंगाली और कोकबोरोक भाषाओं में प्रकाशित
3. पी विश्वास, सागर सी मंडल, बी लाहिड़ी और ए डी उपाध्याय (2020)। एंजेल मशीनर प्रोजेन ओ ओड्या प्रेट्रस बाचर पालोन (बंगाली)। (फोल्डर)
4. सागर सी मंडल, पी विश्वास, बी लाहिड़ी और ए डी उपाध्याय (2020)। सोनाली रोंगिन माचेर प्रोजेनोन ओ टार बैचियर पालोन पध्नती (बंगाली)। (फोल्डर)

8.9.4. स्नातकोन्तर अध्ययन महाविद्यालय, बारापानी, मेघालय

1. चानू येइपाबी एन, देवी सुरभीना एन, शाक्यवर आरसी, पाठक एम, पाटीदार आरके, रिबा तोगे, राजा पी, पिल्लू एनजी और हजारिका बीएन। 2019. पूर्वोत्तर भारत में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट -791102, अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 04।
2. कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री और केवीके ईस्ट सियांग, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय। कृषि महाविद्यालय, उद्यानिकी और वानिकी महाविद्यालय और केवीके पूर्वी सियांग, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित 2019. स्मारिका अरुणाचल कृषि एक्सपो 2019। पृष्ठ 214।
3. कैनेडी निंगथौजम, रोजीत थंगजम, एम पाठक, एन.एस. आजाद ठाकुर और आर.के. टॉम्बिसाना 2019. भारत के मेघालय के री-भोई जिले में मक्का पर फॉल आर्मीवॉर्म, स्पोडोप्टेरा क्रुगुइपर (जे। ई। स्मिथ) की पहली रिपोर्ट। कॉलेज ऑफ पोस्टग्रेजुएट स्टडीज इन एग्रीकल्चरल



- साइंसेज, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, उमियम-793103, मेघालय। पृष्ठ 04. (पैफलेट)
4. कैनेडी निंगथौजम, रोजीत थंगजम, एम। पाठक, एन.एस. आजाद ठाकुर और आर.के. टार्मिंबसाना 2019. मेघालय के री-भोई जिले में मक्का पर फॉल आर्मीवॉर्म, स्पोडोटेरा फ्रुगुइपर (जैई स्मिथ) का निदान और प्रबंधन। कॉलेज ऑफ पोस्टग्रेजुएट स्टडीज इन एग्रीकल्चरल साइंसेज, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, उमियम -793103, मेघालय। (पोस्टर)
 5. शाक्यवार रमेश चंद्र, पाठक महेश, पाटीदार रघुबीर कुमार, रिबा तोगे और हजारिका बुधिंद्र नाथ। 2019. पूर्वी राज्यों राज्योन में मधुमखी पालन उपयोगिता एवं महत्व। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्टी, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट-791102, अरुणाचल प्रदेश। पृष्ठ 04।
 6. केवीके पूर्वी सियांग से सफलता की कहानी। 2019. पूर्वी सियांग जिले में मत्स्य पालन: श्री ताकी मुआंग। में-सात बहनों और एक भाई के इनोवेटर के रूप में किसान (ईडी सिंह सिंह, साहा आरके, प्रभु एस, प्रसाद ए, और सेटी ईवीडी)। एक्सटेंशन एजुकेशन के निदेशक, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा प्रकाशित, पृष्ठ 62-64। (आईएसबीएन 978-81-938078-2-8)।
 9. वीपीएच यूनिट 2 पर मैनुअल - पशु चिकित्सा महामारी विज्ञान
 10. वीपीएच यूनिट 3 पर मैनुअल - जूनोटिक रोग
 11. वीपीएच यूनिट 4 पर मैनुअल - पर्यावरणीय स्वच्छता
 12. एमसी ललियांझुंगा (2019)। मिजोरम राज्य पशु चिकित्सा परिषद, मिजोरम की पहली रिपोर्ट के संपादक।
 13. पैफलेट: अफ्रीकी स्वाइन बुखार (रॉयचौधरी पी और दत्ता टीके द्वारा)
 14. पाठ्यक्रम सं। वीजीओ- यूनिट 2 का व्यावहारिक मैनुअल (शीर्षक: पशु चिकित्सा प्रसूति)
 15. पाठ्यक्रम संख्या वीजीओ- यूनिट 3 का व्यावहारिक मैनुअल (शीर्षक: पशु चिकित्सा ज्योतिष और प्रजनन तकनीक)
 16. पाठ्यक्रम संख्या वीजीओ-यूनिट 1 का व्यावहारिक मैनुअल (शीर्षक: पशु चिकित्सा स्त्री रोग)
 17. पशु चिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी का व्यावहारिक मैनुअल। कोर्स वीएसआर 411 (2 + 1)। पुराना पाठ्यक्रम।
 18. पशु चिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी का व्यावहारिक मैनुअल। कोर्स वीएसआर 421 (1 + 1)। पुराना पाठ्यक्रम।
 19. पशु चिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी का व्यावहारिक मैनुअल। कोर्स VSRA नया कोर्स।

8.9.5. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन, सेलेसिह, आड्जॉल

1. द्वितीय वर्ष बीवीएससी और एएच के एएनएन के लिए प्रयोगशाला मैनुअल
2. एलपीटी पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोगशाला मैनुअल
3. एमवीएससी पशु पोषण पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोगशाला मैनुअल
4. 3 साल बीवीएससी और एएच छात्रों के लिए पाठ्यक्रम फार्माकोलॉजी और विष विज्ञान के लिए प्रयोगशाला मैनुअल
5. पशु चिकित्सा पर प्रयोगशाला मैनुअल - यूनिट I, यूनिट II, यूनिट एवं यूनिट 5
6. पशु चिकित्सा फिजियोलॉजी पर प्रयोगशाला मैनुअल - यूनिट I और यूनिट II
7. पशु चिकित्सा फिजियोलॉजी पर प्रयोगशाला मैनुअल - यूनिट III और यूनिट IV
8. वीपीएच यूनिट 1 पर मैनुअल - पशु चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा

8.9.6. कृषि अभियांत्रिकी एवं सस्योपरांत प्रौद्योगिकी, रानीपूल, सिक्किम

1. पीपी और सिंह बीके (2019) ने कहा। बागवानी उत्पादन (अदरक) का प्रसंस्करण।
2. पीपी और जेना एस (2019)। बागवानी उत्पादन (हल्दी) का प्रसंस्करण।
3. पाटले जीटी (2019)। छोटे पैमाने पर किसानों के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली।
4. पाटले जीटी (2019)। ग्रेविटी ड्रिप सिंचाई - डिजाइन दिशानिर्देश।

8.9.7. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

1. अरुणाचल प्रदेश में साइट्स गिरावट की कृषि सलाह। सीओए, पशुघाट



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

2. अरुणाचल प्रदेश, सीओए, सीएयू, पासीघाट, प्रशिक्षण मैनुअल में मसालों का विपणन और मूल्य शृंखला विश्लेषण

8.9.8. पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, जलूकी, नागालैंड

1. सामान्य पशु चिकित्सा जैव रसायन पर पशु चिकित्सा जैव रसायन का एक व्यावहारिक मैनुअल
2. पशु चिकित्सा जैव रसायन पर पशु चिकित्सा जैव रसायन का एक व्यावहारिक मैनुअल
3. पशु चिकित्सा प्रयोगशाला निदान पर पशु चिकित्सा जैव रसायन का एक व्यावहारिक मैनुअल
4. मध्यवर्ती मेटाबोलिज्म पर पशु चिकित्सा जैव रसायन का एक व्यावहारिक मैनुअल
5. डॉ निथोनो कुओत्सु, डॉ तुकेश्वर चूतिया, डॉ गुंजन दास और डॉ कैप्टन जी धनंजय राव (2019)। रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया। (पत्रक)
6. डॉ निथोनो कुओत्सु, डॉ तुकेश्वर चूतिया, डॉ गुंजन दास और डॉ कैप्टन जी धनंजय राव (2019)। सूअरों में टीकाकरण। (पत्रक)
7. पशु पोषण पर श्रम संबंधी मैनुअल वॉल्यूम. III (यूनिट IV) (डॉ जी सामंत और डॉ ख द्वारा संकलित गैर-जुगाली करने वाला पोषण)। डा. के.एच.रतिका।
8. पशु आनुवांशिकी और प्रजनन इकाई की प्रयोगशाला मैनुअल-I: डॉ केएस महेश एवं डॉ कीलोलेनू योर द्वारा संकलित बायोस्टैटिस्टिक्स और कंप्यूटर अनुप्रयोग।
9. पशु आनुवांशिकी और प्रजनन इकाई का प्रयोगशाला मैनुअल-II: डॉ के महेश और डॉ कीलोलेनू योर द्वारा संकलित सिद्धांत और जनसंख्या आनुवांशिकी।
10. पशु आनुवांशिकी और प्रजनन इकाई की प्रयोगशाला मैनुअल-आठवीं: डॉ। झों द्वारा संकलित पशु प्रजनन के सिद्धांत। महेश और डॉ। कीलोलेनू योर
11. यूनिट-1 पर लेबरोटोरी मैनुअल (सामान्य और व्यवस्थित पशु चिकित्सा विज्ञान)
12. यूनिट-2 पर लेबरोटोरी मैनुअल (पशु चिकित्सा माइक्रोलॉजी)
13. ले बरो टोटो मैनुअल यूनिट-3 (माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी) पर
14. यूनिट-4 पर ले बरो टोटो मैनुअल (पशु चिकित्सा इम्यूनोलॉजी और सीरोलॉजी)
15. यूनिट-5 पर ले बरो टोटो मैनुअल (सामान्य और व्यवस्थित पशु चिकित्सा विज्ञान)
16. पशु चिकित्सा शारीर रचना विज्ञान के व्याख्यान नोट्स (एमएसवीई-2016 सिलेबस के अनुसार)
17. एलपीटी नियमावली: यूनिट I, II, II और IV, डॉ के विमेस खाटे द्वारा संकलित
18. डॉ कैप्टन डी राव, डीन द्वारा संकलित रेबीज पर पैम्फलेट; डॉ एस मुखर्जी, एसोच प्रो और डॉ आर सिंह, सहायक प्रो।
19. प्रैक्टिकल मैनुअल: यूनिट-1: पशु चिकित्सा स्त्री रोग, पशु चिकित्सा स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान (2 + 1)। डॉ तुकेश्वर चूतिया, डॉ एन भूमपति देवी और डॉ एम.ओ. कुरियन (2019)।
20. पशु पोषण का व्यावहारिक मैनुअल, यूनिट II और III (एप्लाइड रिमेंट पोषण) डॉ जी सामंत और डॉ के एच रतिका द्वारा संकलित।
21. पशु पोषण का व्यावहारिक मैनुअल, Vol-I (यूनिट I) डॉ जी सामंत और डॉ के एच रतिका द्वारा संकलित।
22. पशु चिकित्सा शरीर रचना विज्ञान के व्यावहारिक मैनुअल (एमएसवीई-2016 सिलेबस के अनुसार)
23. पशु चिकित्सा विस्तार शिक्षा का व्यावहारिक मैनुअल (एमएसवीई-2016 सिलेबस के अनुसार)
24. पशु चिकित्सा फिजियोलॉजी और बायोकेमेस्ट्री का व्यावहारिक मैनुअल (MSVE-2016 सिलेबस के अनुसार)
25. पशुधन फार्म प्रथाओं पर व्यावहारिक मैनुअल (0 + 2) 2019 डॉ के मेरिना देवी, डॉ कीलोलेनू योर और डॉ ए सुब्रमणियन द्वारा संकलित।
26. पशु चिकित्सा फार्माकोलॉजी पर व्यावहारिक मैनुअल: यूनिट I, II, III, IV और V
27. पशु चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य और महामारी विज्ञान इकाई पर व्यावहारिक मैनुअल-I और II 2019-20 डॉ एस मुखर्जी द्वारा संकलित।
28. वेटरनरी पब्लिक हेल्थ एंड एपिडेमियोलॉजी यूनिट-III और IV 2019-20 पर व्यावहारिक मैनुअल डॉ एस मुखर्जी द्वारा संकलित।
29. प्रैक्टिकल मैनुअल यूनिट-I बैक्टीरियल, फंगल और रिकेट्सियल बीमारियों का संकलन डॉ गुंजन दास, डॉ शशितोला ओजुकुम, डॉ नीथोनो कुओत्सु और डॉ केनेझो कुओत्सु द्वारा किया गया।



30. प्रैक्टिकल मैनुअल यूनिट-आई जनरल मेडिसिन, डॉ गुंजन दास, डॉ सशीटोला ओजुकुम, डॉ नीथोनो कुओत्सु और डॉ केनेइजो कुओत्सु द्वारा संकलित।
31. डॉ गुंजन दास, डॉ सशीटोला ओजुकुम, डॉ नीथोनो कुओत्सु और डॉ केनेसीजो कुओत्सु द्वारा संकलित प्रैक्टिकल मैनुअल यूनिट-II प्रणालीगत रोग।
32. डॉ गुंजन दास, डॉ शशीटोला ओजुकुम, डॉ नीथोनो कुओत्सु और डॉ केनेसीजो कुओत्सु द्वारा संकलित प्रैक्टिकल मैनुअल यूनिट-III जू एंड वाइल्ड एनिमल मेडिसिन।
33. व्यावहारिक मैनुअल: यूनिट-2: पशु चिकित्सा प्रसूति, पशु चिकित्सा स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान (2 + 1)। डॉ तुकेश्वर चूटिया, डॉ एन भूमपति देवी और डॉ एम.ओ. कुरियन (2019)।
34. डॉ इमतीवती, डॉ के मीरीना और डॉ टी ज्ञानेशोरी द्वारा संकलित सामान्य पशुधन उत्पादन प्रबंधन (यूनिट I) पर प्रतीकात्मक मैनुअल।
35. डॉ इमतीवती, डॉ के मीरीना देवी और डॉ टी ज्ञानेशोरी द्वारा संकलित स्वाइन, इक्विन, याक और कैमल (यूनिट III) पर प्रतीकात्मक मैनुअल।
36. वन्यजीव और प्रायोगिक नियमावली पर डॉ इमतीवती, डॉ के मीना देवी और डॉ टी ज्ञानेशोरी द्वारा संकलित पुस्तिका।
37. यूनिट-1 जनरल वेटरनरी पैथोलॉजी, डॉ लालतलंकिमी और डॉ अमृत गोगोई द्वारा संकलित।
38. यूनिट-2 प्रणालीगत पशु चिकित्सा पैथोलॉजी, डॉ लालतलंकिमी और डॉ अमृत गोगोई द्वारा संकलित।
39. यूनिट-3 पशु आँकोलॉजी, पशुचिकित्सा पैथोलॉजी और नेक्रोपसी डॉ लालतलंकिमी और डॉ अमृत गोगोई द्वारा संकलित।
40. घरेलू पशुओं के संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों की यूनिट-4 पैथोलॉजी। डॉ लालतलंकिमी और डॉ अमृत गोगोई द्वारा संकलित।
41. यूनिट-5 एवियन पैथोलॉजी का संकलन डॉ लालतलंकी और डॉ अमृत गोगोई द्वारा किया गया।
42. यूनिट-6 प्रयोगशाला और जंगली और पशुओं के रोगों की पैथोलॉजी डॉ लालतंकिमी और डॉ अमृत गोगोई द्वारा संकलित।
43. पशु चिकित्सा अनेथेसियोलॉजी (यूनिट-II) डॉ कैप्टन जीडी राव, डॉ गुंजन दास और डॉ रीही जॉन द्वारा संकलित।
44. वेटरनरी क्लिनिकल प्रैक्टिस आई डॉ गुंजन दास, डॉ आशीस केयू महापात्रा, डॉ एन भूपति देवी, शशिताला ओजुकुम, रीही जॉन, मदेश ई, तुकेश्वर चूतिया, नीथोनो कुओत्सु, एंड्रू लालरुतकिमा द्वारा संकलित।
45. डॉ कैप्टन जीडी राव, डॉ गुंजन दास और डॉ रीही जॉन द्वारा संकलित पशु चिकित्सा निदान इमेजिंग तकनीक (यूनिट-आठ)
46. डॉ कैप्टन जीडी राव, डॉ गुंजन दास और डॉ रेही जॉन द्वारा संकलित पशु चिकित्सा जनरल सर्जरी (यूनिट-I)
47. पशु चिकित्सा प्रयोगशाला निदान डॉ लालतंकिमी, डॉ गुंजन दास, डॉ लालसंगपुई, डॉ अमृत गोगोई, डॉ राजकुमारी मंदाकिनी देवी, डॉ लालचामवीया जाल्टे द्वारा संकलित।
48. डॉ लालतंकिमी, डॉ गुंजन दास, डॉ लालसंगपुई, डॉ अमृत गोगोई, डॉ राजकुमारी मंदाकिनी देवी, डॉ लालचामवीया जाल्टे द्वारा संकलित पशु चिकित्सा प्रयोगशाला निदान।

8.9.9. बागवानी कालेज, बरमिओक, सिक्किम

अ) फ्लेक्स

1. सीएयू / सीओएच / बरमिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 10-डॉ सी मुकीम द्वारा एवोकैडो की जैविक उत्पादन तकनीक।
2. सीएयू / सीओएच / बरमिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 11-डॉ अमरूद-डॉ सी। मुकीम द्वारा तैयार जैविक उत्पादन तकनीक।
3. सीएयू / सीओएच / बरमिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 12-डॉ सी मुकीम द्वारा कीवीफ्रूट-तैयार की जैविक उत्पादन तकनीक।
4. सीएयू / सीओएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 13-डॉ सी मुकीम द्वारा तैयार सिक्किम मंदारिन की जैविक उत्पादन तकनीक।
5. सीएयू / सीओएच / बरमिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 14-डॉ सी मुकीम द्वारा तैयार पैशनफाइटर की जैविक उत्पादन तकनीक।
6. सीएयू / सीओएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 15-अमरूद का महत्वपूर्ण कीट (सिडियम गुवाजावा)-डॉ पी भुमिता द्वारा निर्मित।
7. सीएयू / सीओएच / बरमिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 16-मैंगो (मैंगीफेरा इंडिका) के महत्वपूर्ण कीट-डॉ पी भुमिता द्वारा तैयार 8. CAU / COH /



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

- बरमिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर .17- सिक्किम में चयोट की जैविक सांस्कृतिक प्रथाएं- डॉ डायना सगोलेसेम द्वारा तैयार
9. सीएयू / सीओएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर.18-कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर-एक नजर में। डॉ डायना सगोलेसम द्वारा निर्मित
10. सीएयू / सीओएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 19-सिक्किम में अदरक की जैविक सांस्कृतिक प्रथाएं-डॉ डायना सगोलेसेम द्वारा तैयार
11. सीएयू / सीओएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 20-सिक्किम में इलायची की जैविक सांस्कृतिक प्रथाएं-डॉ डायना सगोलेसेम द्वारा तैयार
12. सीएयू / सीओएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 221-सिक्किम में हल्दी की जैविक सांस्कृतिक प्रथाएं-डॉ डायना सगोलेसेम द्वारा तैयार
13. सीएयू / सीओएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 22-इलायची के महत्वपूर्ण रोग। डॉ दिगंगना तालुकदार द्वारा निर्मित
14. सीएयू / सीओएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 23-आम की तैयारियों के महत्वपूर्ण रोग। डॉ दिगंगना तालुकदार द्वारा निर्मित
15. सीओएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 24-पॉलीहाउस के तहत जरबेरा की जैविक खेती-डॉ सरमा द्वारा तैयार
16. सीएयू / सीआएच / बर्मिओक / 2018 / फ्लेक्स चार्ट नंबर 25- ठ्यूबरो-तैयार की जैविक खेती। डॉ डी सरमाह द्वारा निर्मित
- ब) पत्रक**
- 1 सिक्किम में टमाटर के ग्रीन हाउस उत्पादन (सोलनम लाइकोपर्सिकम एल) सीएयू / सीओएच / 2018 / कैटलॉग 15. डॉ सुरीप दास द्वारा तैयार किया गया। सिक्किम और उसके प्रबंधन में बड़ी इलायची (अमूमन सबलेटम) के 2 महत्वपूर्ण रोग। CAU / COH / 2018 / कैट 9. डॉ दिगंगना तालुकदार द्वारा तैयार सिक्किम और इसके प्रबंधन में मंदारिन (साइट्रस रेटिकुलेट) के 3. सिक्किम में मंदारिन के रोग व उसका प्रबंधन। सीएयू / सीओएच / 2020। डॉ पी भूमिता द्वारा निर्मित।
4. सीओएच / सीओएच / 2018। डॉ डिगंगना तालुकदार द्वारा निर्मित।
5. बड़ी इलायची के कीट का समेकित प्रबंधन। अमोनियम सुबुलेटम/ सीएयू/सीआएच। डा.पी.भूमिता द्वारा निर्मित।
6. कीवी फल / चीनी गूजबेरी (एक्टिनिडिया डेलिसिओसा) सीएयू / सीओएच / 2018 / पत्रक 12. डॉ एम आर गुरुंग द्वारा निर्मित।
7. साइट्रस के प्रमुख कीट: एक क्षेत्र नैदानिक सहायता सीएयू/सीओएच/ 2018 / USC 16. डॉ पी भूमिता
8. टमाटर का प्रमुख कीट (सोलनम लाइकोपर्सिकम एल) और उनका प्रबंधन सीएयू/सीओएच/2018/USC 14. डॉ पी भूमिता द्वारा तैयार।
9. सिक्किम मंदारिन ऑर्चर्ड का प्रबंधन सीएयू/सीओएच /2018 /कैटलॉग 13. डॉ एमआर गुरुंग द्वारा तैयार।
10. बढ़ते सिम्बिडियम आर्किड के पैकेज और अभ्यास। सीएयू/ सीओएच/2018/पत्रक 2. द्वारा तैयार। डॉ दीपिका सरमाह
11. मैरीगोल्ड के पैकेज ब (टैग्स सपा) अभ्यास। सीएयू/ सीओएच/2018/पत्रक 3. डॉ दीपिका सरमाह द्वारा तैयार।
12. टमाटर के पैकेज ब विधि (सोलनम लाइकोपर्सिकम एल) सिक्किम की खेती। सीएयू/सीओएच/2018/CAT 6. डॉ डायना सगोलेसेम द्वारा तैयार किया गया
- प्रशिक्षण पत्रक**
- 1 उद्यानिकी फसलें कों और उनके प्रबंधन सीएयू / सीओएच / 2020। डॉ पी भूमिता द्वारा तैयार।
2. प्लांट ब्रीडिंग में बौद्धिक संपदा अधिकारा। डॉ सपम राजेश कुमार और डॉ डायना सगोलेसेम द्वारा तैयार किया गया।
3. बागवानी फसलों के महत्वपूर्ण रोगों का प्रबंधन। डॉ। दिगंगना तालुकदार द्वारा निर्मित।
4. अमरूद में फसल नियमनन विधि। डॉ यमुना पांडे द्वारा तैयार।
5. गरबेरा और कार्नेशन की उत्पादन तकनीक। डॉ दीपिका सरमा द्वारा निर्मित।



9

आगांतुक



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

के.कृषि इम्फाल में आगंतुक

व

र्ष 2019-20 के दौरान विश्वविद्यालय ने भारत के उत्तर पूर्व पर्वतीय क्षेत्र के सात राज्यों में स्थित संघटक कालेजों में 120

विशिष्ट अतिथियों का दौरा देखा। आगंतुकों में विशिष्ट प्रशासक, वैज्ञानिक, शिक्षक, मेधावी छात्र तथा अनुभवी प्रगतिशील किसान शामिल थे।

कृषि महाविद्यालय, इम्फाल

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
1.	श्रीमती नीरजा आदिदाम	संयुक्त सचिव (आईएनएम)	कृषि मंत्रालय भारत सरकार		20.05.19
2.	श्री अनिल गाबा	अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफर		फोटोग्राफी कार्यशाला	11.09.19
3.	श्री आर.के. रंजन	माननीय संसद सदस्य, भारत सरकार लोक सभा		मुख्य अतिथि फेशर बैठक	14.09.19
4.	डा. आर. के. निमई सिंह	भा.प्र.से. (सेवा निवृत)		अध्यक्ष बीज समारोज	12.10.19.
5.	एल अनीता चानू	ध्यान चंद पुरस्कृत		मुख्य अतिथि खेल कूद एवं क्रीड़ा बैठक	24.10.19
6.	डा. नजमा हेपतुल्लाह	माननीय राज्यपाल मणिपुर भारत सरकार		मुख्य अतिथि अंतकॉलेज युवा महोत्सव उद्घाटन	18.09.19
7.	श्री एल जयंत कुमार सिंह	माननीय मंत्री स्वास्थ्य, मणिपुर सरकार परिवार कल्याण, कानून कला एवं संस्कृति		मुख्य अतिथि अंतकॉलेज युवा महोत्सव समापन समारोह	21.11.19
8.	सुश्री नेमचा किपगेन	माननीय मंत्री समाज मणिपुर सरकार कल्याण एवं सहकारिता		मुख्य अतिथि महिला दिवस	05.03.20
9.	डा. जामिनी देवी	लेखक एवं समाजिक कार्यकर्ता		वक्ता महिला दिवस	05.03.20

बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
1	श्री किरेन रिजीजू (स्वंतंत्र प्रभार)	माननीय राज्य मंत्री युवा मामले एवं खेल कूद, अल्प संख्यक मामले, भारत सरकार	पीजी महिला छात्रावास एवं कीड़ा परिसर का उद्घाटन	पीजी महिला छात्रावास एवं कीड़ा परिसर का उद्घाटन	10.09.19
2	श्री प्रेमा खांडू	मुख्य मंत्री	अरुणाचल प्रदेश, सरकार	पीजी महिला छात्रावास एवं कीड़ा परिसर का उद्घाटन	10.09.19
3	श्री पी.डी. सोना	अध्यक्ष विधान सभा	अरुणाचल प्रदेश, सरकार	पीजी महिला छात्रावास एवं कीड़ा परिसर का उद्घाटन	10.09.19

आगंतुक



क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
4	डॉ. आलो लिबांग	मंत्री, स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण समाज कल्याण महिला व बाल विकास, सामाजिक न्याय, जनजाति सशक्तिकरण	अरूणाचल प्रदेश सरकार	पी.जी. महिला छात्रावास एंव कीड़ा परिसर का उद्घाटन	10.09.19
5	श्री टागे टाकी	मंत्री, कृषि बागवानी, पशु पालन, पशुचिकित्सा डेवरी विकास एंव मत्स्य	अरूणाचल प्रदेश सरकार	पी.जी. महिला छात्रावास एंव कीड़ा परिसर का उद्घाटन	02.09.19
6	श्री मामा नटुंग	मंत्री, खेलकूद यूवा मामले, जल संसाध	अरूणाचल प्रदेश सरकार	पी.जी. महिला छात्रावास एंव कीड़ा परिसर का उद्घाटन	10.09.19
7	श्री गैबरियल डी वांगसू	एम.एल.ए	कानूबारी, अरूणाचल प्रदेश	13 वें सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20	11.11.19
8	प्रो. वी दामोदर नायडू	कुलपति	आयार्य एन जी रंगा कृषि विश्व विद्यालय, आंध्र प्रदेश	13 वें सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20	11.11.19
9	श्री पी.डी. सोना	अध्यक्ष, विद्यान सभा	अरूणाचल प्रदेश सरकार, इटानगर	13 वें सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20	11.11.19
10	श्री कलिंग मयोंग	एम.एल.ए	विद्यान सभा पासीघाट	13 वें सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20	13.11.19
11	प्रो. साकेत कुशवाहा	कुलपति	राजीव गांधी विश्वविद्यालय इटानगर, अरूणाचल प्रदेश	13 वें सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 तथा उत्तर पूर्व क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य पर क्षेत्रीय सेमिनार	24.02.20- 25.02.20 and 11.11.19
12	डा.बी.एम. सी रेडी	भूतपूर्व निदेशक सी आइ एस एच लखनऊ	उप उष्णकटिबंधीय बागवानी हेतु केंद्रीय संस्थान रहमान खेरा, लखनऊ	अरूणाचल प्रदेश में तेल ताड़ विकास कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु भारत सरकार की टीम	20.11.19- 21.11.19
13	जा. एस. अरूल राज	भूतपूर्व निदेशक आइ आइ ओपी आर	तेल ताड़ शोघ हेतु भारतीय संस्था पेडावेगी, आंध्र प्रदेश	अरूणाचल प्रदेश में तेल ताड़ विकास कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु भारत सरकार की टीम	20.11.19- 21.11.19
14	डा. रवि माथुर	निदेशक आइ आइ ओ पी आर	तेल ताड़ शोघ हेतु भारतीय संस्था पेडावेगी, आंध्र प्रदेश	अरूणाचल प्रदेश में तेल ताड़ विकास कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु भारत सरकार की टीम	20.11.19- 21.11.19
15	प्रो एच एस यादव	निदेशक	नेरिस्ट, इटानगर अरूणाचल प्रदेश	13 वें सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20	11.11.19



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.	आगंतुक का नाम पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि	
16	प्रो. मेजर अशोक कुलपति कुमार	एपे क्स पॉ परे शानल विश्वविद्यालय, पासीघाट	19 वें वार्षिक कालेज सप्ताह में भाग लेने हेतु	01.10.19	
17	डा. सुश्री किनी सिंह उप समाहर्ता	पूर्वी सियांग जिला अरूणाचल प्रदेश	आर के बी वाई रक्तार कृषि व्यापार इन्क्युबेटर की दूसरी समीक्षा बैठक में भाग लेने, ए ओ पी की शुरूआत तथा दो माह की इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्घाटन 13 वें सी ए यू क्षेत्रीय कृषि मेला 2019-20 में भाग लेने।	08.07.19 और 16.09.19 और 13.11.19	
18	श्री राजीव रंजन सिंह पुलिस अधीक्षक	पूर्वी सियांग जिला पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश	आर के बी वाई रक्तार कृषि व्यापार इन्क्युबेटर की दूसरी समीक्षा बैठक में भाग लेने	16.09.19	
19	प्रो. ए. एन. मौर्या	भूतपूर्व निदेशक, बी एच यू वाराणसी कृषि विज्ञान संस्था	अध्ययन बोर्ड की बैठक	29.04.19	
20	डा. के. के. जिन्दल	भूतपूर्व शोध निदेशक सी ए यू इम्फाल	अध्ययन बोर्ड की बैठक	15.05.19	
21	डा. ए. के. त्रिपाठी	निदेशक	अटारी, गुवाहाटी	प्रसार परामर्श समिति तथा अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
22	डा. कलिङ्ग ढई	जिला चिकित्सा अधिकारी	पूर्वी सियांग जिला अरूणाचल प्रदेश	19 वें कालेज सप्ताह	01.10.19
23	डा.गोपा कुमारन नायर	महा प्रबंधक	नाबार्ड इटानगर	सम्मानित अतिथि, उत्तर पूर्व क्षेत्र के विकास में बागवानी व्यापार के परिप्रेक्ष्य	24.02.20 – 25.02.20
24	डा.एच कलिता	निदेशक	भाकूअप, बसार अरूणाचल प्रदेश	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
25	श्रीमती वाइ जे लीगो	डी.डी.ए	पूर्वी सियांग जिला अरूणाचल प्रदेश	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
26	श्री सोगो डिनी	ए.डी.ए	जी.टी.सी, पासीघाट	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
27	डी. तालो टागू	डी.वी.ओ.	पासीघाट अरूणाचल प्रदेश	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
28	श्री के. पी. सिंह	उप प्रबंधक	एक्सिस बैंक, पासीघाट	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
29	डा. मोनिका पनगम	एस.एस.एस.	कृवि.कें, सेइंग अरूणाचल प्रदेश	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
30	श्री ए. के. पंडित	ए.डी.ए (शिक्षा)	जीटी सी, पासीघाट	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
31	श्री एस. एन. साइकिया	ए.डी.ए.	एफ टी सी, पासीघाट	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
32	श्री रिगम रिबा	ए.डी.ए. (टी)	जी टी सी पासीघाट	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
33	श्री शांतिराम सरकार	एफ डी ओ	डी एफ डी ओ पासीघाट	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
34	श्री जगांग	ए डी ए	जी टी सी पासीघाट	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19

आगंतुक



क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
35	श्री ओटार गाओ	डी एच ओ	पूर्वी सियांग जिला पासीघाट	अंतरात्मकता बैठक	29.04.19
36	श्री डैगमो रिबा	सहायक निदेशक	बस्त्र एवं हथकरचा विभाग, अंतरात्मकता बैठक	पूर्वी सियांग	29.04.19
37	श्री लोहित सोनवाल	वैज्ञानिक-सी	रेशम बोर्ड सिले, अरुणाचल	अंतरात्मकता बैठक प्रदेश	29.04.19

मात्स्यकी महाविद्यालय, लेंबूचेरा, त्रिपुरा

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
1	डा. बी. के. कंडपाल	संयुक्त निदेशक	भाकृअप, त्रिपुरा	त्रिपुरा के कृषि एवं सहायक क्षेत्रों के हितधारकों की बैठक	02.05.19
2	डा. डी. पी. सरकार	निदेशक कृषि विभाग	त्रिपुरा सरकार		
3	श्री दिलीप कुमार चकमा	निदेशक (मात्स्यकी)	त्रिपुरा सरकार	परामर्श बैठक	25.09.19
4	श्री सुनील कुमार	महाप्रबंधक	नाबार्ड	परामर्श बैठक	
5	डा. जी. वेंकटेश्वरलू	स.म.नि. (इक्युआर)	भा.कृ.अ.प.	आइ पी आर कार्यशाला	04.05.19
6	डा. एस. एन. पुरी	भूतपूर्व कुलपति		दोरा तथा अतरात्मकता	13.05.19
7	डा. राखी देबबर्मा	दंत चिकित्सक आइ जी		योग दिवस समारोह	21.06.19
		एम अस्पताल			
8	प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी	माननीय राज्यपाल	त्रिपुरा सरकार		10.07.19
9	श्री रामेश्वर दास	सचिव (मात्स्यकी)	त्रिपुरा सरकार	बोर्ड बैठक	11.07.19
10	श्री एल बैते	आइ एफ एस	मणिपुर सरकार		11.07.19
11	डा. श्रीमती सी जामिनी देवी	सामाजिक कार्यकर्ता	मणिपुर सरकार		11.07.19
12	श्री लालसुआन जुआला	प्रगतिशील किसान	मिजोरम		11.07.19
13	डा. के. एम. बुजरबरूआ	कुलपति अ.कृ.वि. जोरहाट	असम सरकार		11.07.19
14	डा.डी.पी. रे	भूतपूर्व कुलपति	ओयूएटी भुवनेश्वर		11.07.19
15	श्री एन. सी. देबबर्मा	मंत्री, राजस्व एवं त्रिपुरा सरकार मरिस्यकी		प्रशिक्षण उद्घाटन	17.09.19
16	सुश्री शिखा वर्मा	परामर्शदाता	नियाम जयपुर		17.09.19
17	श्री पवन कुमार	प्राचार्य	केंद्रीय विद्यालय सी हिन्दी पखवाड़ा आर पी एफ		14.09.19
18	श्री अमेश कुमार पांडेय	मुख्य महाप्रबंधक	ओ एन जी सी अगरतला		14.09.19
19	डा. अतुल देबबर्मा	माननीय एम एल ए	त्रिपुरा सरकार	कालेज सप्ताह का उद्घाटन	27.09.19
20	श्री रत्नलाल नाथ	शिक्षा मंत्री	त्रिपुरा सरकार	स्थापना दिवस	03.10.19
21	श्रीमती प्रतिमा भौमिक	संसद सदस्य			
22	श्री दिलीप कुमार चकमा	मत्स्यकी निदेशक	त्रिपुरा सरकार	परामर्श बैठक	19.11.19
23	श्री संजय कुमार राकेश	सचिव मत्स्यकी			



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

सामुदायिक विज्ञान कालेज, तुरा मेघालय

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
1	डा. एम.एम. अधिकारी	भूतपूर्व कुलपति	बीसीकेबी, पश्चिम बंगाल	अधिकारिक	15.05.19
2	श्री एस.एस. बसाक	महा प्रबंधक	ब्रिज एंड रूफ, कोलकता	अधिकारिक	10.07.19
3	श्री आई शकुन्तला	संयुक्त निदेशक	भा.कृ.अ.प., शिलांग	अधिकारिक	19.09.19
4	डा. ए.के. ज्ञा	प्रोफेसर	बागवानी अध्यक्ष	अधिकारिक	19.09.19
5	श्री पी. घोष	ए.ओ.	भाकृअप., उमियाम	अधिकारिक	19.09.19
6	श्री राम सिंह	डी.सी.	पश्चिम गारो हिल्स	अधिकारिक	20.09.19
7	श्री एम.डी. अरेंग	जिला कृषि अधिकारी	पश्चिम गारो हिल्स	अधिकारिक	05.12.19

स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय, उमियाम

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
1	डा. त्रिलोचन मोहापात्रा	माननीय सचिव डेयर	कृषि मंत्रालय, भारत सरकार	कॉलेज दौरा एवं विद्यार्थी उपयोगिता	01.06.19
2	डा. ए.के. सिंह	उप.म.नि. (कृषि प्रसार)	भा.कृ.अ.प.	केन्द्र	
3	डा. बी.सी. डेका	निदेशक, अटारी	भा.कृ.अ.प.		28.09.19
4	डा. शैलेंद्र कुमार सिंह	प्रोफेसर	नॉर्थ इस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी		13.09.19

पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, सेलेसी, आइजौल

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
1	श्री पूसी लालरोसंगा	माननीय संसद सदस्य, भारत सरकार	कॉलेज स्थापना दिवस		30.10.19
2	डा. ए. बंदोपाध्याय	भूतपूर्व राष्ट्रीय समन्वयक	भा.कृ.अ.प.	एम 4 एग्री परियोजना	12.11.19 - 15.11.19
3	डा. टी.एस. अनुराग	प्रधान शोध वैज्ञानिक	इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय		12.11.19 - 15.11.19

कृषि अभियांत्रिकी एवं पी एच टी कालेज, रानीपूल, सिक्किम

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
1	डा. नवाब अली	भूतपूर्व उप.म.नि. भा.कृ.अ.प. (कृ.अ.)		सदस्य, चयन समिति	26.06.19
2	डा. आर. पी	भूतपूर्व निदेशक	बी.एच.यू.	सदस्य, शैक्षणिक समिति	27.06.19
3	डा. गजेंद्र सिंह	भूतपूर्व उप.म.नि. भा.कृ.अ.प. (कृ.अ.)		सदस्य, चयन समिति	25.06.19 to 27.06.19
4	डा. बी.एस. बिष्ट	भूतपूर्व कुलपति	जी.बी. पंत विश्वविद्यालय	सदस्य चयन समिति	25.06.19 to 27.06.19
5	डा. एस. अय्यन	कुलाधिपति	सीएयू, इम्फाल	अंतरात्मकता कार्यक्रम	25.06.19 to 27.06.19

आगंतुक



क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
6	डा. आर.के. सिंह	पीसीएआईसीआरपी	सीआईएफटी-भा.कृ.अ.प.	सदस्य चुनाव समिति	25.06.19 to 27.06.19
7	डा. पी. संथिल कुमार	समाहर्ता	ग्रामीण विकास सिक्किम	मुख्य अतिथि प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकार	26.09.19
8	डा. डी.पी. रे	सदस्य बोर्ड	सीएयू, इम्फाल	कॉलेज दौरा	23.10.19
9	श्री सुनील प्रधान	निदेशक	मात्स्यकी निदेशालय	मुख्य अतिथि प्रशिक्षण कार्यक्रम सिक्किम सरकार	05.03.20

कृषि महाविद्यालय, किरदेमकुलई, मेद्यालय

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
1	डा. बी.सी. डेका	निदेशक	भा.कृ.अ.प., अटारी	कॉलेज दौरा एवं समेकित खेती व्यवस्था मॉडल का उद्घाटन	08.04.2019
2	डा. ए.के. त्रिपाठी	निदेशक	भा.कृ.अ.प., अटारी	कॉलेज दौरा एवं समेकित खेती व्यवस्था मॉडल का उद्घाटन	08.04.19
3	डा. पी.एल.एन. राजू	निदेशक	एन.इ.एस.ए.सी. उमियाम	कॉलेज दौरा एवं समेकित खेती व्यवस्था मॉडल का उद्घाटन	08.04.19
4	डा. ए.के. सिंह	भूतपूर्व उप.म.नि. (एन.आर.एम.)	भा.कृ.अ.प.	आई.एफ.एस. मॉडल का दौरा	30.06.19
5	डा. दीनबंधु	निदेशक	आई.बी.एस.डी. इम्फाल	कॉलेज दौरा ऑर्किड उत्पादन इकाई स्थापना समारोह	02.10.19
6	प्रो. विभूति भूषण	निदेशक बिस्वाल	एनआईटी, शिलौंग	कॉलेज दौरा कृषक व दूरी वैज्ञानिक अंतरात्मकता बैठक	24.02.20
7	डा. शोभना के	महानिदेशक पटनायक	ए.एस.सी.ओ आई. हैदराबाद	कॉलेज दौरा एवं समेकित खेती व्यवस्था मॉडल का उद्घाटन	05.03.20
8	डा. अशोक दलवई	सीइओ	एनआरएए, नई दिल्ली	कॉलेज दौरा एवं समेकित खेती व्यवस्था मॉडल का उद्घाटन	06.03.20

बागवानी कालेज, थेंजौल, मिजोरम

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	उद्देश्य	तिथि
1.	डा. लालमुआनपुइया	प्रबंधक, बत्तख व पोल्ट्री, थेनजौल मिजोरम सरकार	मुख्य अतिथि	04.02.20
2	पू. डौनकिमा	अध्यक्ष वेंगथर गाँव समिति		04.02.20
3	श्री के लालतन माविआ	एसडीएओ कृषि विभाग सरचिप जिला	मुख्य अतिथि	11.03.20
4	श्री इ अब्राहम अंबदनागो	प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय? थेंजौल विद्वान, ईधन संरक्षण पर मिजोरम	व्याख्यान	11.03.20
5	श्री आर साथियसेंदरम	पुलिस अधीक्षक, सरचेप जिला, मिजोरम विद्वान विद्यार्थी अंतरात्मकता		12.03.20
6	डा. वी. गोविंदसामी	वैज्ञानिक, सूक्ष्म जीव विज्ञान, विद्वान विद्यार्थी अंतरात्मकता भाकृअप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली	भाकृअप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	12.03.20



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	उद्देश्य	तिथि
7	डा. रामा प्रशांत	वैज्ञानिक, सूक्ष्म जीव विज्ञान, विद्वान विद्यार्थी अंतरात्मकता भाकृअप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली	12.03.20	
8	डा. पी. वेंकटेश	वैज्ञानिक, सूक्ष्म जीव विज्ञान, विद्वान विद्यार्थी अंतरात्मकता भाकृअप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली	12.03.20	

पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जलूकी, नगालैंड

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	उद्देश्य	तिथि
1	श्री गिरिराज सिंह	केन्द्रीय मंत्री मात्स्यकी, पशुपालन एवं डेयरी, भारत सरकार	बालिका छात्रावास एवं पशुचिकित्सा चिकित्सालय परिसर का उद्घाटन	9.11.19
2	श्री आर खिंग	सलाहकार, पशुपालन एवं पशुचिकित्सा सेवा एवं महिला संसाधान विकास, नागालैंड	बालिका छात्रावास एवं पशुचिकित्सा चिकित्सालय परिसर का उद्घाटन	9.11.19
3	डा. एस. अयप्पन	कृताधिपति, सीएयू इम्फाल एवं भूतपूर्व गतिशील पशुचिकित्सा का सचिव, डेयर व महानिदेशक, भाकृअप.	गतिशील पशुचिकित्सा का उद्घाटन	16.12.19

खाद्य प्रौद्योगिकी कॉलेज, इम्फाल

क्र.	आगंतुक का नाम	पद	संस्था	उद्देश्य	तिथि
1	श्रीमती नीरजा आदिदाम	संयुक्त सचिव (आईएनएम)	कृषि मंत्रालय भारत सरकार		20.05.19
2	श्री अनिल गाबा	अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफर	-	फोटोग्राफी पर कार्यशाला	11.09.19
3	श्री आर.के. रंजन	माननीय सदस्य लोक सभा	भारत सरकार	मुख्य अतिथि फेशर बैठक	14.09.19
4	डा. आर के निमई सिंह	भाप्रसे (सेवानिवृत्)		अध्यक्ष बीज त्यौहार	12.10.19
5	एल. अनीता चानू	ध्यान चंद पुरस्कृत	-	मुख्य अतिथि क्रीड़ा बैठक	24.10.19
6	डा. नजमा हेपतुल्लाह	माननीय राज्यपाल	मणिपुर सरकार	मुख्य अतिथि अंतर कॉलेज युवा महोत्सव	18.11.19
7	श्री एल जयंत कुमार सिंह	माननीय मंत्री स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, कानून, कला व संस्कृति	मणिपुर सरकार	मुख्य अतिथि अंतर कॉलेज युवा महोत्सव समापन समारोह	21.11.19
8	सुश्री नेमचा किपगेन	माननीय मंत्री समाज कल्याण एवं सहकारिता	मणिपुर सरकार	मुख्य अतिथि महिला दिवस	05.03.20
9	डा. जामिनी देवी	लेखक एवं सामाजिक कार्यकर्ता	-	वक्ता महिला दिवस	05.03.20

परिशिष्ट



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

प्रबंधन बोर्ड

यह बोर्ड विश्वविद्यालय का प्रमुख अधिशासी निकाय होगा। प्रबंधन मंडल के सदस्य निम्नलिखित हैं।

पदेन अध्यक्ष

डा. एम. प्रेमजित सिंह
कुलपति
उपधारा (i) के अंतर्गत पदेन अध्यक्ष

सदस्य

1. सचिव (कृषि)

नागालैंड सरकार, कोहिमा
उपधारा (II) के अंतर्गत सदस्य

2. सचिव (वानिकी)

मिजोरम सरकार, आइजौम
उपधारा (II) के अंतर्गत सदस्य

3. सचिव (पशुपालन)

सिक्किम सरकार, गैंगटोक
उपधारा (II) के अंतर्गत सदस्य

4. डा. अरविंद कुमार

कुलपति
रानी लक्ष्मी बाई
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
झांसी, उत्तर प्रदेश
उपधारा (III) के अंतर्गत सदस्य

5. डा. के. एम. बुजरबुआ

कुलपति, ए ए यू
जोरहाट
उपधारा (III) के अंतर्गत सदस्य

6. डा. डी.पी.रे

कुलपति
ओ यू ए टी
उपधारा (III) के अंतर्गत सदस्य

7. डा. चिरनजीत चलीहा

पूर्व अध्यक्ष
असम राज्य फर्टिलाइजर कारपोरेशन
गुवाहाटी

8. उप-महानिदेशक (शिक्षा) भा कृ अ प

कृषि अनुसंधान भवन-II, पूसा
नई दिल्ली-110012
उपधारा (V) के अंतर्गत सदस्य

9. सचिव,

उत्तर पूर्वी परिषद, शिलौंग
मेघालय
उप-अनुच्छेद (VI) के अंतर्गत सदस्य

10. डा. आर के साहा

प्रसार निदेशक
केन्द्रीय कृषि निदेशक
उपधारा (IV) के अंतर्गत सदस्य

11. डा. बी. एन. हजारिका

डीन, बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय
पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश
उपधारा (V) के अंतर्गत सदस्य

12. श्री दुरुथ मजाब

उमसिंह प्रखंड
रिभाई जिला, मेघालय
उपधारा (VIII) के अंतर्गत सदस्य



13. श्री लालसोमुजला
सैतुल (टुंग फैक्ट्री)
रुलखाई, आइजौल
उपधारा (VII) के अंतर्गत सदस्य
14. डा. श्रीमती जामिनी देवी
भूतपूर्व अध्यक्ष
महिला आयोग,
मणिपुर,
इम्फाल
उपधारा (X) के अंतर्गत सदस्य
15. डा. अनिल प्रताप सिंह, सलाहकार (कृषि)
नीति आयोग,
नई दिल्ली-110001
उपधारा (XI) के अंतर्गत सदस्य
16. डा. एल बैते
अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक
वन विभाग, मणिपुर
उपधारा (XII) के अंतर्गत सदस्य
17. डा. ओ पी चौधरी
संयुक्त सचिव (एएनएलसम)
पशुपालन विभाग, भारत सरकार
कृषि भवन,
नई दिल्ली-110001
उपधारा (XIII) के अंतर्गत सदस्य
18. डा. बी एन एस मूर्ति
बागवानी आयुक्त
कृषि एवं सहकारिता विभाग
कृषि मंत्रालय, भारत सरकार
नई दिल्ली-110001
19. श्री सुशील कुमार
अपर सचिव, डेयर एवं
सचिव, भा.कृ.अ.प.,
नई दिल्ली-110001
उपधारा (XIV) के अंतर्गत सदस्य

डा. के. ममोचा सिंह
कुलसचिव, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय
उपधारा (XV) के अंतर्गत पदेन सचिव



शैक्षिक परिषद

विश्वविद्यालय शैक्षिक परिषद के सदस्यों की सूची निम्नलिखित है :

पदेन अध्यक्ष

डा. एम प्रेमजीत सिंह,
कुलपति, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल

सदस्य

1. डीन

कृषि महाविद्यालय
इरोसेंबा, इम्फाल, मणिपुर
उप-अनुच्छेद II के अंतर्गत सदस्य

2. डीन

बागवानी तथा बानिकी महाविद्यालय
पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश,
उप-अनुच्छेद II के अंतर्गत सदस्य

3. डीन

पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन
महाविद्यालय सेलेसिंह, ऐजोल, मिजोरम
उप-अनुच्छेद II के अंतर्गत सदस्य

4. डीन

मात्स्की महाविद्यालय,
लंकचेरा, अगरतला, त्रिपुरा
उप-अनुच्छेद II के अंतर्गत सदस्य

5. डीन

गृह विज्ञान महाविद्यालय
तुरा, वेस्ट गारेहिल्स,
मेघालय
उप-अनुच्छेद II के अंतर्गत सदस्य

6. डीन

कृषि अभियांत्रिकी तथा
स्स्योत्तर प्रौद्योगिकी महाविद्यालय .मार्चेंक,
गंगतांक, सिक्किम
उप-अनुच्छेद II के अंतर्गत सदस्य

7. डीन

स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय
बड़ापानी, मेघालय
उप-अनुच्छेद II के अंतर्गत सदस्य

8. डीन

कृषि कालेज
पासीघाट, कालेज

9. डीन

कृषि कालेज,
किरदेमकुलई, मेघालय

10. डीन

खाद्य प्रौद्योगिकी कालेज,
इम्फाल, मणिपुर

11. डीन

बागवानी कालेज,
बरमियोक, दक्षिण सिक्किम

12. डीन

बागवानी कालेज,
थेनजौल, मिजोरम

13. डीन

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन कालेज,
जलूकी, नगालैंड

14. अनुदेश निदेशक

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल
उप-अनुच्छेद V के अंतर्गत सदस्य



- 15. अनुसंधान निदेशक,**
केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल
उप-अनुच्छेद III के अंतर्गत सदस्य
- 16. प्रसार निदेशक**
केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल
उप-अनुच्छेद IV के अंतर्गत सदस्य
- 17. पुस्तकालयाध्यक्ष**
मात्स्यकी महाविद्यालय,
लंबुंचेरा, त्रिपुरा
उप-अनुच्छेद VI के अंतर्गत सदस्य
- 18. डा. राम प्रताप सिंह**
भूतपूर्व निदेशक
कृषि संस्थान
बी एच यू, वाराणसी
- 19. डा. गजराज सिंह**
भूतपूर्व डीन, प.चि. एवं प.पा. कालेज
फ्लैट नं. 501, सूर्य अपार्टमेंट
सेक्टर 55, गुरुग्राम, हरियाणा
उप अनुच्छेद (VII) के अंतर्गत
- 20. अध्यक्ष**
फल विज्ञान
बागवानी तथा वानिकी महाविद्यालय,
पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश
उप-अनुच्छेद VIII के अंतर्गत सदस्य
- 21. अध्यक्ष**
पादप प्रजनन व आनुवंशिकी
कृषि महाविद्यालय
इरोसंबा, इम्फाल, मणिपुर
उप-अनुच्छेद VIII के अंतर्गत सदस्य
- 22. अध्यक्ष**
सूक्ष्म जीव विज्ञान
पशु चिकित्या विज्ञान तथा पशुपालन
महाविद्यालय, सेलेसिंह,
एजोल, मिजोरम
उप-अनुच्छेद VIII के अंतर्गत सदस्य
- 23. अध्यक्ष**
जलीय विज्ञान
मात्स्यकी महाविद्यालय,
लंबुंचेरा, अगरतला, त्रिपुरा
उप-अनुच्छेद VIII के अंतर्गत सदस्य
- 24. अध्यक्ष**
भोजन व पोषण
गृह विज्ञान महाविद्यालय
तुरा, बेस्ट गारोहिल्स, मिजोरम
उप-अनुच्छेद VIII के अंतर्गत सदस्य
- 25. अध्यक्ष**
फार्म, पावर व मशीनरी
कृषि अभियांत्रिकी तथा सस्योत्तर प्रौद्योगिकी
महाविद्यालय, मार्चेंक,
गंगाँव, सिक्किम
उप-अनुच्छेद VIII के अंतर्गत सदस्य
- 26. अध्यक्ष**
फसल संरक्षण
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उमियाम, मेघालय
उप-अनुच्छेद VIII के अंतर्गत सदस्य
- 27. पूर्वोत्तर परिषद का मनोनीत सदस्य**
शिलांग, मेघालय
उप-अनुच्छेद IX के अंतर्गत सदस्य

पदेन सचिव

डा. के ममोचा सिंह

कुल सचिव, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल
उपथारा (X) के अंतर्गत पदेन सचिव



अनुसंधान परिषद

विश्वविद्यालय की अनुसंधान परिषद में निम्नलिखित सदस्य हैं :

पदेन अध्यक्ष

डा. एम प्रेमजीत सिंह,
कुलपति, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल
उपधारा (i) के अंतर्गत पदेन अध्यक्ष

सदस्य

1. **अनुदेश निदेशक**
केन्द्रीय कृषि महाविद्यालय
इम्फाल,
उप-अनुच्छेद (III) के अंतर्गत सदस्य
2. **प्रसार शिक्षा निदेशक**
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
इम्फाल
उप-अनुच्छेद (II) के अंतर्गत सदस्य
3. **डीन**
कृषि महाविद्यालय
इरोइसेंबा, इम्फाल, मणिपुर
उप-अनुच्छेद (II) के अंतर्गत सदस्य
4. **डीन**
बागवानी तथा वानिकी महाविद्यालय
पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश
उप-अनुच्छेद (II) के अंतर्गत सदस्य
5. **डीन**
पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशुपालन
महाविद्यालय सेलेसिंह,
ऐजोल, मिजोरम
उप-अनुच्छेद (II) के अंतर्गत सदस्य
6. **डीन**
मात्स्यकी महाविद्यालय,
लेंबूचेरा, अगरतला, त्रिपुरा
उप-अनुच्छेद (II) के अंतर्गत सदस्य
7. **डीन**
गृह विज्ञान महाविद्यालय,
तुरा, बेस्ट गारोहिल्स,
मेघालय
उप-अनुच्छेद (II) के अंतर्गत सदस्य
8. **डीन**
कृषि अभियांत्रिकी तथा
सस्योत्तर प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रानीपूल,
गंगतॉक, सिक्किम
उप-अनुच्छेद (II) के अंतर्गत सदस्य
9. **डीन**
स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय
बड़ापानी, मेघालय
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
10. **निदेशक**
कृषि निदेशालय,
मणिपुर सरकार
इम्फाल, मणिपुर
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
11. **निदेशक**
बागवानी विभाग,
अरुणाचल प्रदेश सरकार,
इटानगर, अरुणाचल प्रदेश
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य



12. **निदेशक**
मात्रियकी निदेशालय
त्रिपुरा सरकार, अगरतला
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
13. **निदेशक**
पशुपालन एवं पशुचिकित्सा
मिजोरम सरकार, आइजॉल
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
14. **अतिरिक्त प्रधान वन संरक्षक**
मेघालय सरकार, शिल्लोंग
उप-अनुच्छेद (V) के अंतर्गत सदस्य
15. **निदेशक**
खाद्य सुरक्षा एवं कृषि विकास निदेशालय
सिक्किम सरकार, गैंगटोक
16. **अनुसंधान समन्वयक एवं सदस्य सचिव**
कालेज अनुसंधान सलाहकार समिति
कृषि कालेज, इरोइसेंबा, इमफाल
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
17. **डॉ. एन के कृष्ण कुमार**
क्षेत्रीय प्रतिनिधि, दक्षिण व केंद्रीय एशिया,
बायोडाइवर्सिटी इंटरनेशनल इंडिया
उप-अनुच्छेद (VII) के अंतर्गत सदस्य
18. **डॉ. ए सी वार्शन्य**
महानिदेशक
आयुर्वेद लि. के.एम. ट्रेड टॉवर,
सैक्टर-14, कौशांबी, उत्तर प्रदेश
उप-अनुच्छेद (VII) के अंतर्गत सदस्य
19. **निदेशक**
उ. पूर्वी क्षेत्र भा कृ अ. प अनुसंधान केंद्र
बड़ापानी, मेद्यालय
(विशेष आमंत्रण)
20. **संयुक्त निदेशक**
उ.पूर्वी क्षेत्र भाकृअप अनुसंधान केंद्र
(अरुणाचल प्रदेश मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड,
सिक्किम, त्रिपुरा)
(वैकल्पिक सदस्य)

पदेन सचिव

डा. सी ए श्री निवास मूर्ति
अनुसंधान निदेशक, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इमफाल



विस्तार शिक्षा परिषद

विश्वविद्यालय की प्रसार शिक्षा परिषद के निम्नलिखित सदस्य है :

पदेन अध्यक्ष

डा. एम प्रेमजीत सिंह,
कुलपति, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल

सदस्य

1. **अनुसंधान निदेशक**
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल
उप-अनुच्छेद (II) के अंतर्गत सदस्य
2. **अनुदेश निदेशक**
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
इम्फाल
उप-अनुच्छेद (III) के अंतर्गत सदस्य
3. **डीन**
कृषि महाविद्यालय
इरोइसेंबा, इम्फाल, मणिपुर
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
4. **डीन**
बागवानी तथा वानिकी महाविद्यालय,
पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश
उप-अनुच्छेद (II) के अंतर्गत सदस्य
5. **डीन**
पशु चिकित्सा विज्ञान तथा
पशु पालन महाविद्यालय
सेलेसिंह, आइजौल,
मिजोरम
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
6. **डीन**
मात्स्यकी महाविद्यालय
लेंबुंचेरा, अगरतला, त्रिपुरा
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
7. **डीन**
गृह विज्ञान महाविद्यालय
तुरा, वेस्ट गारो हिल्स, मेघालय
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
8. **डीन**
कृषि अभियांत्रिकी तथा सस्योत्तर प्रौद्योगिकी
रानीपुल, गंगतांक, सिक्किम
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
9. **डीन**
स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय,
बड़ापानी, मेघालय
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
10. **डीन**
पशु चिकित्सा एवं पशुपालन कालेज
जलूकी, नगालैंड
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
11. **कृषि निदेशक**
मणिपुर सरकार, इम्फाल
उप-अनुच्छेद (IV) के अंतर्गत सदस्य
12. **बागवानी निदेशक**
अरूणाचल सरकार, ईटानगर
उप-अनुच्छेद (V) के अंतर्गत सदस्य
13. **मात्स्यकी निदेशक**
त्रिपुरा सरकार,
अगरतला



14. पशुपालन तथा पशुचिकित्सा निदेशक
मिजोरम सरकार, ऐजोल
उप-अनुच्छेद (V) के अंतर्गत सदस्य
15. मुख्य वन सरकार
अनुसंधान तथा नियोजन
मेघालय सरकार, शिलांग
उप-अनुच्छेद (V) के अंतर्गत सदस्य
16. निदेशक
खाद्य सुरक्षा व कृषि विकास
सिक्किम सरकार, गैंगटोक
उप-अनुच्छेद (V) के अंतर्गत सदस्य
17. निदेशक
पशुपालन व पशुचिकित्सा
नगालैंड सरकार, कोहिमा
उप-अनुच्छेद (V) के अंतर्गत सदस्य
18. श्री पुमे परमे
अयांग ग्राम
जिला पूर्वी सियांग, अरुणाचल प्रदेश
उप-अनुच्छेद (VI) के अंतर्गत सदस्य
19. श्री पोतसांगबाम देवकांता
क्वाकीथेल थोकचोम लीकई
पोतसांगबाम लीटाक,
इम्फाल पश्चिम 795001
उप-धारा (VI) के अंतर्गत सदस्य
20. श्रीमती रोज मेरी भूझरोमबोंग
ग्राम भूझरोमबोंग
रिबोई, मेघालय
उप-धारा (VI) के अंतर्गत सदस्य
21. श्री लालसमजुआला
अध्यक्ष, एल एस एग्रो इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट
सइतुआल, बी-16, रामलून नौर्थ
आइजॉल
उप-धारा (VI) के अंतर्गत सदस्य
22. श्री शिशिर खरका
मार्चक, रानीपूल
पूर्वी सिक्किम-737135
उप-धारा (VI) के अंतर्गत सदस्य
23. श्री गुरुंग पाल
बी के रोड, पैलेस कम्पाउंड
महिला कालेज के सामने, अगरतला
त्रिपुरा
उप-धारा (VI) के अंतर्गत सदस्य
24. श्री रंगीला थाउ
नलवा ग्राम
पेरेन जिला, नगालैंड-797110
उप-धारा (VI) के अंतर्गत सदस्य
25. डा. एस प्रभु कुमार
भूतपूर्व निदेशक, अटारी
बंगलोर
उप-धारा (VII) के अंतर्गत सदस्य
26. डा. मानस मोहन अधिकारी
भूतपूर्व कुलपति
बी-2/289, कल्याणी नादिया, पश्चिम बंगाल
उप-धारा (VII) के अंतर्गत सदस्य

पदेन सचिव

डा. आर. के. साहा
प्रसार शिक्षा निदेशक
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

वित्त समिति

विश्वविद्यालय की वित्त समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं :

पदेन अध्यक्ष

डा. एम. प्रेमजीत सिंह
कुलपति, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

सदस्य

1. वित्त सलाहकार
कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग, भारत
सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली
2. डा. के पी विश्वनाथ, कुलपति
एम पी के वी
रहूरी, महाराष्ट्र
3. डा. एम बी चेट्टी
यू ए एस
धारवाड, कर्नाटक
4. श्री यू एस गौतम
कुलपति बांदा कृषि
विश्वविद्यालय बांदा
5. श्री चिरनजीत चलीहा
भूतपूर्व अध्यक्ष, असम राज्य
फर्टिलाइजर कारपोरेशन लि.
गुवाहाटी, असम
6. श्री बनलालचाबना
वित्त अधिकारी
मिजोरम केन्द्रीय विश्वविद्यालय
आइजॉल, मिजोरम

पदेन सचिव

श्री एम.सी. जुबलार्नी
नियंत्रक, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय



वैधानिक अधिकारी

विश्वविद्यालय के वैधानिक अधिकारियों की सूची निम्नलिखित है :

कुलाधिपति

डा. एस. अयप्पन

भूतपूर्व सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अ.प.

कुलपति

डा. एम. प्रेमजीत सिंह

अनुदेश निदेशक

डा. एस. बसंता सिंह

अनुसंधान निदेशक

डा. सी ए श्रीनिवासमूर्ति

विस्तार शिक्षा निदेशक

डा. आर के साहा

कुलसचिव

डा. के ममोचा सिंह

नियंत्रक

श्री एम.सी. जुबलानी

महाविद्यालयों के डीन

डा. इंद्रा सारंगथम

कृषि महाविद्यालय, इरोड़सेंबा, इम्फाल, मणिपुर

डा. वाई जेकेंद्र

खाद्य प्रौद्योगिकी कालेज

इम्फाल, मणिपुर



केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

डा. एल. मार

पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशुपालन महाविद्यालय
सेलेसिह, आइजॉल, मिज़ोरम

डा. एच. प्रसाद
बागवानी कालेज, थैंजोल, मिज़ोरम

डा. पी.के पाण्डे
मात्स्यकी महाविद्यालय, लेंबुचेरा, अगरतला, त्रिपुरा

डा. बी एन हजारिका
बागवानी तथा वानिकी महाविद्यालय
पासीघाट, अस्सणाचल प्रदेश

डा. बी.एन. हजारिका
कृषि कालेज, पासीघाट, अस्सणाचल प्रदेश

डा. पुष्पिता दास (प्रभारी)
गृह विज्ञान महाविद्यालय, तुरा, मेघालय

डा. पी.पी. डबराल
कृषि अधियांत्रिकी तथा सम्योत्तर प्रौद्योगिकी
महाविद्यालय, रानीपूल, गैंगटोक, सिक्किम

डा. पी.पी. डबराल
बागवानी कालेज, बरमियोक, सिक्किम

डा. एन.बी. सिंह
स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय,
उमियम (बड़ापानी), मेघालय

डा. यू.के. बेहरा
कृषि कालेज, किरदेमकुलई, मेघालय

डा. जी. धनंजय राओ
पशु चिकित्सा एवं पशुपालन कालेज
जलूकी, नगालैंड

